



1. विलोम शब्द



● मार्गदर्शिका

‘हानि लाभ जीवन मरण जस अपजस विधि हाथ’। रामचरित मानस के अयोध्याकांड की इस पंक्ति में आए शब्द हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश को यदि आम बोल-चाल की भाषा में बदलें, तो नुकसान-फायदा, जीना-मरना, प्रसिद्ध-बदनामी ये जोड़े एक-दूसरे के विपरीत (उलटे) अर्थ दे रहे हैं, जो विपरीतार्थक हैं। विपरीत अर्थ देने वाले शब्द ‘विलोम’ कहलाते हैं।

विलोम शब्द हमेशा सजातीय ही होते हैं अर्थात् ‘संज्ञा’ का विलोम ‘संज्ञा’, ‘विशेषण’ का विलोम ‘विशेषण’, क्रिया का विलोम ‘क्रिया पद’ और ‘क्रिया-विशेषण’ का विलोम ‘क्रिया-विशेषण’ होता है। सर्वनाम शब्दों को छोड़कर लगभग सभी शब्दों के विलोम होते हैं। उदाहरण के लिए ‘साकार’ का विलोम शब्द ‘निराकार’ है, जो कि सजातीय है। ‘जन्म’ का विलोम ‘मृत्यु’ ठीक विपरीत शब्द है। विलोम शब्द जहाँ भाषा को सहजता प्रदान करते हैं, वहीं ये भाषा को अलंकृत भी करते हैं। विलोम शब्द अनेक प्रकार से बनते हैं, यथा—

1. उपसर्ग जोड़कर

‘अ’ उपसर्ग जोड़कर—प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष, न्याय से अन्याय, लौकिक से अलौकिक, हिंसा से अहिंसा, सामान्य से असामान्य, धार्मिक से अधार्मिक।

‘अप’ उपसर्ग जोड़कर—यश से अपयश, उत्कर्ष से अपकर्ष, मान से अपमान, कीर्ति से अपकीर्ति।

‘अन्’ उपसर्ग जोड़कर—उत्तरित से अनुत्तरित, उदात्त से अनुदात्त, अस्तित्व से अनस्तित्व, अंगीकार से अनंगीकार।

‘निस्’ उपसर्ग जोड़कर—सक्रिय से निष्क्रिय, सशुल्क से निःशुल्क और सचेष्ट से निश्चेष्ट।

‘निर्’ उपसर्ग जोड़कर—साकार से निराकार, सापेक्ष से निरपेक्ष, आदर से निरादर, सामिष से निरामिष, सलज्य से निर्लज्य।

‘वि’ उपसर्ग जोड़कर—राग से विराग, देश से विदेश, सम्मुख से विमुख, योजन से वियोजन।

‘प्रति’ उपसर्ग जोड़कर—वादी से प्रतिवादी, घात से प्रतिघात, रूप से प्रतिरूप, आगमन से प्रत्यागमन।

‘दुर्’ उपसर्ग जोड़कर—सुबोध से दुर्बोध, सुव्यवस्थित से दुर्व्यवस्थित, सज्जन से दुर्जन।

‘दुस्’ उपसर्ग जोड़कर—सत्कर्म से दुष्कर्म, सच्चरित्र से दुश्चरित्र।

‘कु’ उपसर्ग जोड़कर—सुपात्र से कुपात्र, सुपुत्र से कुपुत्र, सुपाच्य से कुपाच्य, सुमार्ग से कुमार्ग।

2. उपसर्ग परिवर्तन द्वारा—संयोग से वियोग, आदान से प्रदान, सुलभ से दुर्लभ, आयात से निर्यात।

3. लिंग परिवर्तन द्वारा—राजा-रानी, भाई-बहन, वर-वधू, माता-पिता, बेटा-बेटी।

4. प्रत्ययवत् प्रयुक्त शब्द-परिवर्तन द्वारा—केंद्राभिगामी-केंद्रापसारी, दयापूर्ण-दयाशून्य, श्रीयुत्-श्रीहीन, गतिमान-गतिहीन, गतिविकास-गतिहास।

5. नञ् द्वारा—क्षर-अक्षर, सभ्य-असभ्य, संभव-असंभव, आदि-अनादि, लौकिक-अलौकिक।

6. भिन्न शब्द द्वारा—लाभ-हानि, मूक-वाचाल, कटु-मधुर, गुरु-लघु।

इस प्रकार यदि उपर्युक्त संदर्भ को ध्यान में रखते हैं, तो भले ही विलोम शब्द व्यापक हैं; उनको सरल ढंग से याद रखा जा सकता है।

मार्गदर्शिका खण्ड के बाद इस अध्याय को दो खण्डों (पूर्वावलोकन तथा अध्ययन सामग्री) में विभक्त किया गया है और इस बात का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है कि परीक्षोपयोगी समस्त सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाए।

● पूर्वावलोकन

विगत वर्षों में आयोजित परीक्षाओं का अवलोकन करने पर यह तथ्य उभर कर सामने आता है कि यदि पूर्व परीक्षाओं में आये प्रश्नों का गंभीरता से अध्ययन कर लिया जाये, तो अधिकांश प्रश्न हल किये जा सकते हैं। यही रणनीति बनाकर सभी प्रांतीय परीक्षाओं में पूछे गये विलोम शब्दों का प्रामाणिक हल दिया जा रहा है। यद्यपि उ. प्र. पी.सी.एस., अवर अधीनस्थ, सहायक अभियोजन अधिकारी, प्रवर वर्ग सहायक/अवर वर्ग सहायक सहित मुख्य परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं पूछे गये हैं। समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा. एवं मुख्य) परीक्षा 2010 से पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गये, साथ ही उ.प्र. पी.सी.एस. की परीक्षा के पाठ्यक्रम में वर्ष 2012 से सीसैट लागू होने के बाद प्रा. परीक्षाओं में भी बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गये। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस अंक में लघु उत्तरीय प्रश्नों (एक पंक्ति में उत्तर) को भी बहुविकल्पीय प्रश्नों के प्रारूप में परिवर्तित कर प्रस्तुत किया गया है।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. 'आभ्यन्तर' का विलोम होता है—

- (a) बाह्य (b) अन्दर का
(c) मध्य (d) अभी-अभी

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(a)

व्याख्या— आभ्यन्तर का अर्थ आंतरिक या अन्दर का/भीतरी आंतरिक स्थान, अंतःस्थता, अंतरवर्ती आदि आभ्यन्तर के समानार्थी शब्द हैं। पार, बाह्य, बाहरी, बाह्यस्थ, आदि आभ्यन्तर के विलोमार्थी शब्द हैं।

2. इनमें से 'प्रथम' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा—

- (a) प्रधान (b) गौण
(c) अन्तिम (d) प्रत्यक्ष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'प्रथम' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'अन्तिम' होगा। 'प्रधान' का विपरीतार्थक शब्द 'गौण' तथा 'प्रत्यक्ष' का विपरीतार्थक शब्द 'अप्रत्यक्ष' अथवा 'परोक्ष' होता है।

3. 'श्रीगणेश' शब्द का विलोम है—

- (a) इति (b) इतिश्री
(c) अथ (d) इत्यालम्

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'श्रीगणेश' का विलोम 'इतिश्री' है, जबकि 'अथ' का विलोम 'इति' है। इत्यालम् से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। कुछ अन्य विलोम इस प्रकार हैं—

शब्द	विलोम
उद्घाटन	समापन
प्रतिपत्ति	निष्पत्ति
अठाना	पुगाना
सूत्रपात	उपसंहार
प्रारंभ	अंत

4. 'उद्घाटन' का विलोम है—

- (a) प्रसारण (b) गुप्त
(c) समापन (d) समर्पित

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. 'आधुनिक' का विलोम है—

- (a) समीचीन (b) अर्वाचीन
(c) प्राचीन (d) समसामयिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'आधुनिक' का विलोम 'प्राचीन' होता है। समीचीन का विलोम शब्द असमीचीन, अर्वाचीन का विलोम शब्द प्राचीन तथा समसामयिक का विलोम शब्द असमसामयिक होता है।

6. 'अर्वाचीन' का विलोम बताइये—

- (a) समीचीन (b) प्राचीन
(c) वर्तमान (d) नवयुग

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. 'प्राचीन' का विलोम है—

- (a) आधुनिक (b) अर्वाचीन
(c) समीचीन (d) वर्तमान

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. 'अधुनातन' का विलोम है—

- (a) सनातन (b) पुरातन
(c) अवनत (d) अद्यतन

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अधुनातन' या 'नूतन' का विलोम 'पुरातन' है। 'अवनत' का विलोम 'उन्नत' है। 'अद्यतन', 'प्राचीनतम' का विलोम है।

9. 'नूतन' का विलोम है—

- (a) प्राचीन (b) पुरातन
(c) अर्वाचीन (d) वर्तमान

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. 'गौरव' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) वैभव (b) लाघव
(c) पराभव (d) निर्मोक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'गौरव' का विपरीतार्थक शब्द 'लाघव' होता है। वैभव का विपरीतार्थक शब्द दारिद्र्य अथवा दैन्य, पराभव का विपरीतार्थक शब्द विभव होता है।

11. 'नैसर्गिक' का विपरीतार्थक शब्द है-

- (a) अनुर्वर (b) आविर्भाव
(c) प्राकृत (d) कृत्रिम

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'नैसर्गिक' का विपरीतार्थक शब्द 'कृत्रिम' होता है। अनुर्वर का विपरीतार्थक शब्द उर्वर, आविर्भाव का विपरीतार्थक शब्द तिरोभाव अथवा अवसान तथा 'प्राकृत' का विपरीतार्थक शब्द 'अप्राकृत' है।

12. 'नैसर्गिक' का विलोम है—

- (a) स्वर्गीय (b) कृत्रिम
(c) प्राकृतिक (d) संस्लेषिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2018, 2014

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'नैसर्गिक' का विलोम 'कृत्रिम' होता है। इसका विलोम 'अनैसर्गिक' भी हो सकता है। 'प्राकृतिक', 'नैसर्गिक' का ही समानार्थी है। 'स्वर्गीय' का विलोम 'नारकीय' होता है, जबकि 'संस्लेषिक' एक अशुद्ध शब्द है।

13. 'अनुग्रह' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा-

- (a) विग्रह (b) आग्रह
(c) परिग्रह (d) संग्रह

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अनुग्रह' का विपरीतार्थक शब्द 'विग्रह' होता है। 'विग्रह' सन्धि या समास का भी विलोम शब्द है। परिग्रह का विपरीतार्थक शब्द अपरिग्रह, आग्रह का विपरीतार्थक शब्द अनाग्रह तथा संग्रह का विपरीतार्थक शब्द त्याग है।

14. 'अनुग्रह' शब्द का विलोम लिखिए—

- (a) ग्रहण (b) गृहीत
(c) आग्रह (d) विग्रह

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. इनमें से 'अनुग्रह' शब्द का विलोम कौन है?

- (a) आग्रह (b) संग्रह
(c) ग्रहण (d) विग्रह

U.P.P.C.S. (Mains), 2000

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. 'सदाचार' का विलोम है-

- (a) आचार (b) कदाचार
(c) अपराध (d) अन्याय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सदाचार' का विलोम 'कदाचार' होता है। सदाचार के अन्य विलोम 'अनाचार' अथवा 'दुराचार' भी होता है। आचार का विलोम 'अनाचार', अन्याय का विलोम न्याय तथा अपराध का विलोम निरपराध होता है।

17. इनमें से विलोम शब्दों का एक सही युग्म है-

- (a) आपत्ति - विपत्ति (b) अवर्षण - अनावर्षण
(c) गणतन्त्र - जनतन्त्र (d) आदृत - तिरस्कृत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'आदृत' का विलोम 'अनादृत' भी होता है। आपत्ति का विलोम अनापत्ति, विपत्ति का विलोम सम्पत्ति, गणतन्त्र/जनतन्त्र का विलोम राजतन्त्र, आवर्षण का विलोम अनावर्षण तथा अवर्षण का विलोम वर्षण होता है।

18. 'आवर्तक' का विपरीतार्थक शब्द है-

- (a) प्रवर्तक (b) अनावर्तक
(c) आवृत (d) प्रकर्षक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— आवर्तक का विपरीतार्थक शब्द अनावर्तक होता है। आवृत का विपरीतार्थक शब्द अनावृत, प्रकर्षक का विपरीतार्थक शब्द अपकर्षक तथा प्रवर्तक का विपरीतार्थक शब्द अप्रवर्तक होता है।

19. आवर्तक का सही विलोम है—

- (a) प्रवर्तक (b) अनावर्तक
(c) सवर्तक (d) समर्थक

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. 'आवर्तक' का विलोम है—

- (a) अनावर्तक (b) समर्थक
(c) समावर्तक (d) अग्रिम

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

उत्तर—(a)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. 'अमृत' का विलोम है—

- (a) अर्क (b) पीयूष
(c) मधुर (d) विष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'अमृत' का विलोम 'विष' होता है। मधुर का विलोम कटु, कर्कश एवं तीक्ष्ण, सुधा का विलोम गरल तथा पीयूष का विलोम विष होता है।

22. 'निषिद्ध' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) निश्चित (b) विहित
(c) उचित (d) निर्मित

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'निषिद्ध' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'विहित' है। 'निश्चित', 'अनिश्चित' का विपरीतार्थक तथा 'उचित', 'अनुचित' का विपरीतार्थक शब्द है।

23. 'निषिद्ध' के लिए सही विलोम शब्द है—

- (a) सिद्ध (b) अनिषिद्ध
(c) विहित (d) घृणित

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'निषिद्ध' के लिए सही विलोम 'विहित' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

24. 'निषिद्ध' के लिए सही विलोम है—

- (a) सिद्ध (b) शुद्ध
(c) गर्हित (d) विहित

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्नलिखित में एक शब्द 'शुष्क' का विलोम है—

- (a) उष्ण (b) आर्द्र
(c) शीत (d) शिष्ट

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'शुष्क' का विलोम 'आर्द्र' होता है। 'उष्ण' तथा 'शीत' परस्पर विलोम शब्द हैं।

26. निम्नलिखित में से एक शब्द 'स्थूल' का विलोम नहीं है—

- (a) सूक्ष्म (b) तन्वी
(c) दुर्बल (d) शाश्वत

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'स्थूल' का विलोम 'सूक्ष्म', 'तन्वी' तथा 'दुर्बल' तीनों होते हैं, जबकि शाश्वत इससे भिन्न है।

27. 'पृथक्' का सही विलोम है—

- (a) एकत्र (b) संयुक्त
(c) थकित (d) सुघटित

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'पृथक्' का सही विलोम 'संयुक्त' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

28. निम्नलिखित में एक शब्द 'उपयोग' का विलोम है—

- (a) समुपयोग (b) निरुपयोग
(c) सदुपयोग (d) अनुपयोग

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b&d)

व्याख्या— 'उपयोग' का विलोम 'अनुपयोग' तथा निरुपयोग दोनों होते हैं। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने अपनी संशोधित उत्तर-कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) तथा (d) दोनों को माना है।

29. इनमें से विलोम शब्दों का एक गलत युग्म है—

- (a) दक्षिण - वाम (b) उद्यम - निरुद्यम
(c) विधि - निषेध (d) बर्बर - सभ्य

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'उद्यमी' का विलोम 'निरुद्यम' होता है। शेष विकल्प सही हैं।

30. निम्नलिखित में विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म है—

- (a) अल्पज्ञ - बहुज्ञ (b) संयुक्त - संधियुक्त
(c) समस्त - अभ्यस्त (d) अज्ञ - अनभिज्ञ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) का युग्म सही है। शेष विकल्प असंगत हैं। 'संधियुक्त' का विलोम 'संधिहीन', 'संयुक्त' का विलोम 'वियुक्त', 'अज्ञ' का विलोम 'अभिज्ञ' तथा 'अभ्यस्त' का विलोम 'अनभ्यस्त' होता है।

31. विलोमार्थक दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

- (a) सचल - चल (b) निरपेक्ष-सापेक्ष
(c) मौलिक - अनूदित (d) बंधन - मोक्ष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a&c)

व्याख्या—विकल्प (a) और (c) का युग्म विलोमार्थक की दृष्टि से अशुद्ध है। इनके शुद्ध युग्म सचल - अचल तथा मौलिक-कृत्रिम या अमौलिक होता है। शेष युग्म सही हैं। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर संशोधित उत्तर-कुंजी में विकल्प (a&c) माना है।

32. 'प्राची' शब्द का विपरीतार्थक है?

- (a) उदीची (b) प्रतीची
(c) नवीन (d) समीची

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'प्राची' शब्द का विपरीतार्थक 'प्रतीची' है। 'नवीन' का विपरीतार्थक शब्द 'प्राचीन' है।

33. निम्नलिखित में से विलोम की दृष्टि से सही शब्द युग्म है-

- (a) आग्रह - विग्रह (b) अपकर्ष - उपकर्ष
(c) जारज - औरस (d) उत्सर्जन - विसर्जन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) का युग्म विलोम की दृष्टि से सही शब्द है। अन्य विकल्पों के सही युग्म अनुग्रह-विग्रह, अपकर्ष-उत्कर्ष तथा आवाहन-विसर्जन हैं।

34. निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है-

- (a) ईप्सित - अभीप्सित (b) अमित - समित
(c) हया - बेहया (d) अधी - निरघ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c&d)

व्याख्या—'हया' का अर्थ लज्जा या शर्म होता है। बेहया का अर्थ लज्जाहीन या शर्महीन होता है। इस प्रकार 'हया' का विलोम 'बेहया' होगा। 'अधी' का अर्थ 'पापी' होता है तथा 'निरघ' का अर्थ 'जिसने अघ या पाप न किया हो' होता है। इस प्रकार 'अधी' का विलोम 'निरघ' होता है। अतः विकल्प (c) तथा (d) दो उत्तर सही हैं। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर अपनी संशोधित उत्तर-कुंजी में विकल्प (d) सही माना है। शेष विलोम युग्म सही नहीं हैं। ईप्सित का विलोम अनीप्सित होता है।

35. निम्नलिखित में से विलोम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म गलत है, वह है-

- (a) मौन-मुखर (b) शानदार-शर्मनाक
(c) बर्बर-सभ्य (d) अनुचर-परिचर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—अनुचर एवं परिचर समानार्थी शब्द हैं। शेष युग्म सही हैं।

36. विलोम शब्दों की दृष्टि से इनमें एक युग्म गलत है, वह है-

- (a) अमित-परिमित (b) सत्कार-तिरस्कार
(c) आच्छादित-परिच्छन्न (d) सुख-दुःख

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—आच्छादित का विलोम अनाच्छादित होता है। शेष युग्म सही हैं।

37. इनमें से विलोम शब्दों का गलत युग्म है-

- (a) आविर्भाव - विभाव (b) अपराधी - निरपराध
(c) उन्मूलन - रोपण (d) विहित - निषिद्ध

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आविर्भाव' का विलोम 'तिरोभाव' होता है। शेष युग्म सही हैं।

38. 'आविर्भाव' शब्द का विलोम है-

- (a) अनाविर्भाव (b) विभाव
(c) अविर्भाव (d) तिरोभाव

U.P.P.C.S. (Mains), 2016, 2015

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. इनमें से 'सरल' शब्द का विलोम नहीं है-

- (a) विरल (b) वक्र
(c) कुटिल (d) कठिन

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सरल' का विलोम वक्र, कुटिल तथा कठिन है, जबकि 'विरल', 'सघन' का विलोम है।

40. 'सरल' का विलोम है-

- (a) निर्मल (b) कठिन
(c) आसान (d) उचित

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है—

- (a) आग्रह - विग्रह (b) गणतन्त्र - लोकतन्त्र
(c) आकीर्ण - विकीर्ण (d) थोक - परचून

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का युग्म विलोम की दृष्टि से सही है। 'आग्रह' का विलोम 'दुराग्रह', 'गणतन्त्र' का विलोम 'राजतन्त्र' तथा 'थोक' का विलोम 'फुटकर' होता है।

42. निम्नलिखित में से विलोम की दृष्टि से सही युग्म है—

- (a) अधिष्ठित - प्रतिष्ठित
(b) आस्था - विश्वास
(c) असूया - अनसूया
(d) प्रमुख - विमुख

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'असूया' का विलोम 'अनसूया' होता है। इस दृष्टि से विकल्प (c) सही है। अन्य विकल्प के युग्म त्रुटिपूर्ण हैं। 'अधिष्ठित' का विलोम 'अनधिष्ठित', 'आस्था' का विलोम 'अनास्था' तथा 'प्रमुख' का विलोम 'सामान्य' होता है।

43. निम्नलिखित में से विलोम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म गलत है, वह है—

- (a) विधि-निषेध (b) आह्वान-विसर्जन
(c) आग्रह-विग्रह (d) अमिय-हलाहल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'आग्रह' का विलोम 'दुराग्रह' होता है। 'विग्रह' का विलोम 'अनुग्रह', 'समास' अथवा 'संधि' होता है। शेष युग्म सही हैं।

नोट—प्रश्न विकल्प में 'आह्वान' शब्द का प्रयोग किया गया है। 'आवाहन' और 'आह्वान' दोनों शब्द सही हैं और 'आह्वान' को पर्याय के रूप 'आवाहन' को लिखा जा सकता है।

44. विलोम शब्द की दृष्टि से इनमें से सही युग्म है—

- (a) आकीर्ण-विकीर्ण
(b) ईप्सित-अभीप्सित
(c) आदृत-निरादृत
(d) दोष-सदोष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a & c)

व्याख्या— 'आकीर्ण-विकीर्ण' तथा 'आदृत-निरादृत' दोनों युग्म विलोम की दृष्टि से सही हैं। 'ईप्सित' का विलोम 'अनीप्सित' होता है। 'दोष' का विलोम 'गुण' होता है।

45. 'उपत्यका' का विलोम शब्द है—

- (a) अनुत्यका (b) अधित्यका
(c) उचत्यका (d) अपत्यका

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'उपत्यका' का विलोम शब्द 'अधित्यका' होता है।

46. निम्नलिखित में 'अनघ' का विलोम है—

- (a) निरघ (b) निष्पाप
(c) कृती (d) अधी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(*)

व्याख्या— 'अनघ' का विलोम 'अघ' होता है। 'अनघ' तथा 'निरघ' परस्पर समानार्थी हैं। 'अधी' का विलोम 'निरघ' होता है। 'निष्पाप' 'पापी' का तथा 'कृती', 'अकृती' का विलोम है।

47. 'स्तब्ध' के लिए सही विलोम है—

- (a) अनस्तब्ध (b) प्रारब्ध
(c) अस्तब्ध (d) लब्ध

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'स्तब्ध' का विलोम 'अस्तब्ध' होता है। 'लब्ध' शब्द का विलोम 'प्रदत्त' होता है।

48. उत्तरायण का विलोम है—

- (a) पलायन (b) विस्थापन
(c) ईशान (d) दक्षिणायन

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'उत्तरायण' का विलोम 'दक्षिणायन' होता है। 'विस्थापन' का विलोम 'संस्थापन' होता है। 'ईशान' का विलोम 'नैऋत्य' होता है।

49. 'उत्तरायण' का विलोम है—

- (a) पौरायण (b) पुरातन
(c) दक्षिणायन (d) नारायण

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. निम्नलिखित में विलोम की दृष्टि से सही युग्म है—

- (a) विशेष - आशेष
(b) विपत्ति - आपत्ति
(c) स्वतन्त्रता - स्वाधीनता
(d) वक्र - ऋजु

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'वक्र-ऋजु' विलोम की दृष्टि से सही युग्म है। शेष त्रुटिपूर्ण हैं। 'विशेष' का विलोम 'सामान्य' या 'साधारण' होता है। 'विपत्ति' का विलोम 'संपत्ति' तथा 'स्वतन्त्रता' का विलोम 'परतन्त्रता' होता है। 'स्वाधीनता' का विलोम 'पराधीनता' होता है।

51. 'ऋजु' का विलोम है—

- (a) साधारण (b) समान
(c) वक्र (d) विकृति

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. 'अनुरूप' का विलोम है—

- (a) विरूप (b) प्रतिरूप
(c) अपरूप (d) व्यतिरूप

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अनुरूप' का अर्थ सदृश, समान, योग्य तथा उपयुक्त होता है, जबकि प्रतिरूप का अर्थ नकली या जाली, कृत्रिम तथा बनावटी होता है। अपरूप का अर्थ भद्दा रूप, कुरूप, बदशक्ल होता है। विरूप का अर्थ कुरूप, भद्दा, श्रीहीन तथा शोभाहीन होता है। इस आधार पर 'अनुरूप' का विलोम 'प्रतिरूप' हो सकता है।

53. 'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) वितृष्णा (b) निस्पृह
(c) संतुष्टि (d) वितुष्ट

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'वितृष्णा' तथा 'अतृष्णा' होता है।

54. 'दीर्घायु' का विलोम होगा—

- (a) विरायु (b) अल्पायु
(c) नश्वर (d) क्षणिक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'दीर्घायु' का विलोम 'अल्पायु' होता है। 'विरायु', 'दीर्घायु' का समानार्थी है। 'नश्वर' का विलोम 'अनश्वर' तथा 'क्षणिक', शाश्वत का विलोम है।

55. गगनचुम्बी का सर्वथा शुद्ध विलोम शब्द है—

- (a) भूतल (b) घराशायी
(c) भूमिसात् (d) तलस्पर्शी

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—'गगनचुम्बी' का सर्वथा शुद्ध विलोम 'तलस्पर्शी' है।

56. विलोम की दृष्टि से निम्नलिखित में से एक सही युग्म है—

- (a) ताण्डव - मॉडव
(b) अनृत - ऋत
(c) मुक्त - विमुक्त
(d) विभावना - सद्भावना

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अनृत' का विलोम 'ऋत' होता है। 'मुक्त' का विलोम 'ग्रस्त' है।

57. निम्नलिखित में से विलोम का अशुद्ध युग्म है—

- (a) अनन्त - असीम (b) कुशल - अकुशल
(c) अधर्म - धर्म (d) जड़ - चेतन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अनन्त' का विलोम 'अन्त' होता है। शेष युग्म सही हैं।

58. विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म है—

- (a) विराग - चिराग (b) संयुक्त - वियुक्त
(c) सरस - अरस (d) अर्वाचीन - समीचीन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या—'विराग' का विलोम 'अनुराग', 'सरस' का विलोम 'नीरस', 'संयुक्त' का विलोम 'वियुक्त' तथा 'अर्वाचीन' का विलोम 'प्राचीन' होता है।

59. 'प्रतिकूल' का विलोम शब्द है—

- (a) समान (b) प्रतिदर्श
(c) अनुकूल (d) अनुसार

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या—'प्रतिकूल' का विलोम 'अनुकूल' होता है।

60. 'आविर्भूत' का सही विलोम शब्द है—

- (a) अनास्था (b) अनेकता
(c) तिरोभूत (d) अनावृष्टि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘आविर्भूत’ का सही विलोम ‘तिरोभूत’ होता है। अनास्था, अनेकता तथा अनावृष्टि का विलोम क्रमशः आस्था, एकता तथा अतिवृष्टि है।

61. ‘अग्रज’ का विलोम शब्द है—

- (a) अक्षत (b) अतुल
(c) अनुज (d) अटल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अग्रज’ का विलोम शब्द ‘अनुज’ होता है। अक्षत, अतुल तथा अटल का विलोम क्रमशः क्षत, तुल तथा दुलमुल या डौंवाडोल होता है।

62. ‘सृष्टि’ का विलोम शब्द है—

- (a) विसृष्टि (b) प्रलय
(c) व्यष्टि (d) समष्टि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सृष्टि’ का विलोम ‘प्रलय’ होता है। व्यष्टि एवं समष्टि एक-दूसरे के विलोम हैं।

63. ‘साहचर्य’ का विलोम शब्द है—

- (a) वैमनस्य (b) असहयोग
(c) विनियोग (d) अलगाव

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘साहचर्य’ का विलोम ‘अलगाव’/‘पृथक्करण’ होता है। ‘असहयोग’, ‘सहयोग’ का विलोम है। ‘वैमनस्य’ का विलोम ‘सौमनस्य’ होता है।

64. ‘विराट्’ का विलोम शब्द है—

- (a) वृहद् (b) वृहत्
(c) छोटापन (d) क्षुद्र

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘विराट्’ का विलोम ‘क्षुद्र’ होता है।

65. ‘स्पृश्य’ का विलोम शब्द है—

- (a) स्पृश्य (b) अस्पृश्य
(c) अस्पृष्य (d) अस्पृश्य

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘स्पृश्य’ का विलोम ‘अस्पृश्य’ होता है।

66. ‘अमर’ शब्द का विलोम है—

- (a) मृतक (b) मृत्यु

(c) मरण

(d) मर्त्य

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अमर’ शब्द का विलोम ‘मर्त्य’ होता है, जबकि ‘मरण’ का ‘जीवन’ तथा ‘मृत्यु’ का विलोम ‘जन्म’ होगा। ‘मृतक’ का अर्थ, मरा हुआ होता है, ‘मृत’ का विलोम ‘जीवित’ होता है।

67. ‘उक्त’ शब्द का विलोम है—

- (a) अनुक्त (b) उपयुक्त
(c) अनुपयुक्त (d) उपर्युक्त

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘उक्त’ का विलोम ‘अनुक्त’ होता है, जबकि ‘उपयुक्त’ एवं ‘अनुपयुक्त’ परस्पर विलोम हैं। उपर्युक्त का शाब्दिक अर्थ, ‘जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो’ है, जबकि इसका विलोम ‘अधोलिखित’ या ‘निम्नलिखित’ होगा।

68. ‘अन्तर्मुखी’ का विलोम लिखिए—

- (a) जगत्मुखी (b) वाचाल
(c) चतुर्मुखी (d) बहिर्मुखी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अन्तर्मुखी’ का विलोम शब्द ‘बहिर्मुखी’ होता है। ‘वाचाल’, ‘मूक’ का विलोम है।

69. ‘राजा’ शब्द का विलोम लिखिए—

- (a) गरीब (b) दरिद्र
(c) रंक (d) भिखारी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘राजा’ का विलोम ‘रंक’ होता है। ‘गरीब’, ‘अमीर’ का विलोम होता है।

70. ‘आकाश’ शब्द का विलोम है—

- (a) धरती (b) नागलोक
(c) पाताल (d) समुद्र

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘आकाश’ का विलोम ‘पाताल’ होता है। अन्य विकल्प इससे साम्य नहीं रखते।

71. ‘आकाश’ का विलोम है—

- (a) गगन (b) नभ
(c) पाताल (d) स्वर्ग

U.P.P.C.S. (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. 'सगुण' शब्द का विलोम है-

- (a) अवगुण (b) अगुण
(c) दुरुगुण (d) निर्गुण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'सगुण' का विलोम 'निर्गुण' होता है, जबकि 'गुण' का विलोम 'अवगुण' व 'दुरुगुण' का 'सद्गुण' होता है।

73. 'अपशकुन' का विलोम है—

- (a) अशकुन (b) शकुन
(c) पुण्य (d) पावन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अपशकुन' का विलोम 'शकुन' होता है। 'पुण्य', 'पाप' का विलोम है।

74. 'आवेशित' शब्द का विलोम है—

- (a) अनावेशित (b) अनावृष्टि
(c) अनावृत्त (d) अनाश्रित

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आवेशित' का विलोम 'अनावेशित' होता है। 'अनावृष्टि', 'वृष्टि' का तथा 'अनाश्रित', 'आश्रित' का विलोम है।

75. 'अर्जन' शब्द का विलोम है—

- (a) अर्जित (b) व्ययन
(c) अमृत (d) अनर्थ

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अर्जन' का विलोम 'व्ययन' होता है, जबकि 'अर्जित' का विलोम 'अनर्जित', 'अमृत' का 'विष' तथा 'अनर्थ' का विलोम 'अर्थ' होता है।

76. 'कथित' शब्द का विलोम है—

- (a) कथ्य (b) अकथ्य
(c) अकथित (d) कथनीय

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'कथित' का विलोम 'अकथित' होता है, जबकि 'कथ्य' का विलोम 'अकथ्य' होता है। 'कथनीय' का विलोम 'अकथनीय' होता है।

77. 'प्रच्छन्न' शब्द का विलोम है—

- (a) प्रत्यक्ष (b) प्रतिपन्न
(c) अप्रतिबद्ध (d) गौण

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'प्रच्छन्न' का अर्थ ढका या लपेटा हुआ, छिपा हुआ अथवा गुप्त होता है। इसी प्रकार 'प्रतिपन्न' का अर्थ अवगत, ज्ञात अथवा अंगीकृत होता है। अतः 'प्रच्छन्न' का विलोम 'प्रतिपन्न' होगा। इसके अन्य विलोम शब्द 'प्रकट' तथा 'अप्रच्छन्न' भी होते हैं। 'प्रत्यक्ष' का विलोम 'अप्रत्यक्ष' अथवा 'परोक्ष' तथा 'अप्रतिबद्ध' का विलोम 'प्रतिबद्ध' होता है। इसी प्रकार 'गौण', 'प्रमुख' का विलोम है।

78. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'प्रभावी' का विलोम नहीं है?

- (a) अप्रभावी (b) निष्प्रभावी
(c) अप्रयुक्त (d) प्रभावशून्य

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अप्रयुक्त', 'प्रयुक्त' का विलोम है, जबकि शेष शब्द 'प्रभावी' के विलोम हैं।

79. 'पाश्चात्य' शब्द का विलोम है—

- (a) परिष्कृत (b) पारदर्शी
(c) पौरस्त्य (d) पुलस्त

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पाश्चात्य' का विलोम 'पौरात्य' अथवा 'पौरस्त्य' होता है।

80. इनमें से 'अश्लील' शब्द का विलोम है—

- (a) श्लील (b) दुश्लील
(c) विश्लील (d) कुश्लील

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अश्लील' का विलोम 'श्लील' होता है।

81. 'मुखर' का विलोम है—

- (a) मोक्ष (b) मूक
(c) मौन (d) मोम

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—'मुखर' का विलोम 'मौन' होता है। 'मोक्ष', 'बंधन' का विलोम है। 'मूक' तथा 'मोम' का विलोम क्रमशः 'वाचाल' तथा 'पत्थर' है।

82. 'मूक' का विलोम क्या है?

- (a) अल्पभाषी (b) वाचाल
(c) मृदुभाषी (d) कटुभाषी

U.P.P.C.S. (Pre), 2014

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. 'विपन्न' का विलोम है—

- (a) विपदा (b) सम्पन्न
(c) उत्पन्न (d) विपद्

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'विपन्न' का विलोम 'सम्पन्न' है। 'विपदा', 'सम्पदा' का विलोम तथा 'विपद्' का विलोम 'संपद्' है।

84. 'महत्ता' का विलोम है—

- (a) सम्पूर्णता (b) लघुता
(c) दीर्घता (d) ममता

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'महत्ता' का विलोम 'लघुता' तथा 'क्षुद्रता' होता है। 'ममता' का विलोम 'द्वेष' होता है।

85. 'स्तुत्य' का विलोम है—

- (a) वंदन (b) निन्द्य
(c) निन्दा (d) वन्द्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'स्तुत्य' का विलोम 'निन्द्य' है। 'निन्दा', 'स्तुति' का विलोम है। शेष विकल्प अग्राह्य हैं।

86. 'सद्भाव' का विलोम है—

- (a) दुर्भाव (b) स्वभाव
(c) निर्भाव (d) प्रतिभाव

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'सद्भाव' का विलोम 'दुर्भाव' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

87. 'विरल' का विलोम है—

- (a) सरल (b) सघन
(c) सहस्र (d) सबल

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'विरल' का विलोम 'सघन' है। 'सरल' का विलोम 'कठिन' तथा 'सबल' का विलोम निर्बल है।

88. 'शीर्ष' का विलोम है—

- (a) नख (b) शिख
(c) तल (d) उष्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'शीर्ष' का विलोम 'तल' है। 'नख' और 'शिख' परस्पर विलोम हैं। 'उष्ण' का विलोम 'शीत' है।

89. 'समष्टि' का विलोमार्थी है—

- (a) विशिष्ट (b) व्यक्ति
(c) अशिष्ट (d) अपुष्टि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'समष्टि' का विलोमार्थी शब्द 'व्यष्टि' है। 'विशिष्ट' का विलोम 'सामान्य'/'साधारण' तथा 'अशिष्ट' का विलोम 'शिष्ट' होगा। इसी प्रकार 'अपुष्टि' का विलोम 'पुष्टि' होगा।

90. 'समष्टि' का विलोम है—

- (a) विशिष्ट (b) अशिष्ट
(c) व्यक्ति (d) अपुष्टि

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

91. 'अपराधी' का विलोम है—

- (a) निरपराध (b) निरपराधी
(c) सज्जन (d) दुराचार

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अपराधी' का विलोम 'निरपराध' है। 'सज्जन' का विलोम 'दुर्जन', 'दुराचार' का विलोम 'सदाचार' है।

92. 'अवशेष' का विलोम है—

- (a) अवशेष (b) निःशेष
(c) विकृत (d) व्यग्र

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अवशेष' का विलोम 'निःशेष' है। 'अशेष', 'शेष' का विलोम है। 'विकृत' का विलोम 'अविकृत' तथा 'व्यग्र' का विलोम 'अव्यग्र' होता है।

93. 'एकत्र' का विलोम है—

- (a) विकीर्ण (b) विस्तीर्ण
(c) संकीर्ण (d) प्रवीण

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'एकत्र' का विलोम 'विकीर्ण' है। विस्तीर्ण तथा संकीर्ण परस्पर विलोम हैं।

94. 'अनुक्रिया' का विलोम क्या है?

- (a) सक्रिया (b) प्रतिक्रिया
(c) प्रक्रिया (d) सुक्रिया

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अनुक्रिया' का विलोम 'प्रतिक्रिया' है। शेष असंगत हैं।

95. 'अधिष्ठित' का विलोम क्या है?

- (a) प्रतिष्ठित (b) निष्ठित
(c) अनधिष्ठित (d) निर्दिष्ठित

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'अधिष्ठित' का विलोम 'अनधिष्ठित' होता है। शेष असंगत हैं।

96. 'वादी' का विलोम क्या है?

- (a) प्रतिवादी (b) विवादी
(c) आबादी (d) आदि

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'वादी' का विलोम 'प्रतिवादी' होता है। शेष असंगत हैं।

97. 'वादी' का विलोम शब्द है—

- (a) अवादी (b) विवादी
(c) प्रतिवादी (d) अनाववादी

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P.P.C.S. (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

98. 'आगमन' का विलोम क्या है?

- (a) गमन (b) प्रस्थान
(c) संस्थान (d) अपस्थान

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आगमन' का विलोम 'प्रस्थान' होता है। शेष असंगत हैं।

99. 'सज्जन' का विलोम क्या है?

- (a) निर्जन (b) मज्जन

(c) दुर्जन

(d) दर्जन

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सज्जन' का विलोम 'दुर्जन' है। शेष असंगत हैं।

100. 'सुपुत्र' का विलोम क्या है?

- (a) पुत्र (b) पूत
(c) कुपुत्र (d) विपुत्र

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सुपुत्र' का विलोम 'कुपुत्र' होता है। 'पुत्र' और 'पूत' क्रमशः तत्सम एवं तद्भव हैं।

101. 'सम्मुख' का विलोम क्या है?

- (a) बहिर्मुख
(b) विमुख
(c) निर्मुख
(d) अंतर्मुख

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सम्मुख' का विलोम 'विमुख' होता है, शेष अग्राह्य हैं।

102. 'सलज्ज' का विलोम क्या है?

- (a) निर्लज्ज (b) निर्जल
(c) संलग्न (d) अजल

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'सलज्ज' का विलोम, 'निर्लज्ज' होता है। 'निर्जल', 'सजल' का विलोम होता है।

103. 'सुषुप्ति' का विलोम है—

- (a) जागरण (b) जागृति
(c) जाग्रत (d) शयन

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सुषुप्ति' का विलोम 'जागृति' होता है। 'शयन' एवं 'जागरण' परस्पर विलोम हैं।

104. 'पूर्व' का विलोम है—

- (a) उत्तर (b) पश्चात
(c) दक्षिण (d) आगामी

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पूर्व’ का विलोम ‘पश्चात’ होता है। ‘उत्तर’ एवं ‘दक्षिण’ परस्पर विलोम हैं। ‘आगामी’ का विलोम ‘प्रगामी’ होता है।

105. ‘प्रसन्न’ का विलोम है-

- (a) खुश (b) अप्रसन्न
(c) विषाद (d) दुःख

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘प्रसन्न’ का विलोम ‘अप्रसन्न’ होता है। ‘खुश’, प्रसन्न का समानार्थी है। ‘विषाद’, ‘हर्ष’ का तथा ‘दुःख’, ‘सुख’ का विलोम है।

106. ‘परकीय’ का विलोम है-

- (a) अकीय (b) निजकीय
(c) स्वकीय (d) कीय

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘परकीय’ का विलोम ‘स्वकीय’ होता है, शेष ग्राह्य नहीं हैं।

107. ‘ज्ञानी’ का विलोम है-

- (a) अज्ञानी (b) स्वाभिमानी
(c) सज्ञानी (d) अभिमानी

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ज्ञानी’ का विलोम ‘अज्ञानी’ होता है, शेष विकल्प ग्राह्य नहीं हैं।

108. ‘दीर्घ’ का विलोम है—

- (a) लघु (b) बड़ा
(c) शिख (d) विस्तीर्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2003, 2012

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘दीर्घ’ का विलोम ‘लघु’ होगा। इसका विलोम ‘ह्रस्व’ भी हो सकता है। ‘छोटा’ का विलोम ‘बड़ा’ है। ‘शिख’, ‘नख’ का विलोम है। ‘विस्तीर्ण’, ‘संकीर्ण’ का विलोम है।

109. ‘ह्रस्व’ का विलोम है—

- (a) दीर्घ (b) हास
(c) विषाद (d) अहित

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

110. ‘लघु’ का विलोम है-

- (a) गुरु (b) दीर्घ
(c) (a) तथा (b) (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या—लघु का विलोम ‘गुरु’ तथा ‘दीर्घ’ दोनों होता है।

111. ‘गुरु’ का विलोम है—

- (a) लघु (b) महान
(c) दिगंबर (d) ईश्वर

U.P.P.C.S. (Mains), 2000, 2003, 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘गुरु’ का विलोम ‘लघु’ है। इसका विलोम ‘शिष्य’ भी हो सकता है। ‘महान’, ‘तुच्छ’ का विलोम है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सत्य नहीं हैं।

112. ‘नीति’ का विलोम है-

- (a) कुनीति (b) रणनीति
(c) सुनीति (d) अनीति

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘नीति’ का विलोम ‘अनीति’ है। ‘कुनीति’ एवं ‘सुनीति’ परस्पर विलोम है।

113. ‘शोक’ का विलोम है-

- (a) करुण (b) हर्ष
(c) सुख (d) शांत

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘शोक’ का विलोम ‘हर्ष’ है। ‘सुख’ का विलोम ‘दुःख’ एवं ‘शांत’ का विलोम ‘अशांत’ है।

114. ‘विघ्न’ का विलोम है-

- (a) बाधा (b) स्थिर
(c) निर्विघ्न (d) सर्वत्र

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘विघ्न’ का विलोम ‘निर्विघ्न’ होता है। ‘स्थिर’ का ‘अस्थिर’ होता है।

115. ‘परिचित’ का विलोम है-

- (a) जानकार (b) अपरिचित
(c) विद्वान (d) आत्मीय

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'परिचित' का विलोम 'अपरिचित' है। 'आत्मीय' का विलोम 'परकीय' होता है।

116. 'आपत्ति' का विलोम है-

- (a) अनापत्ति (b) आपदा
(c) समर्थन (d) विपदा

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'आपत्ति' का विलोम 'अनापत्ति' होता है। 'समर्थन' का विलोम 'विरोध' तथा 'संपदा' का विलोम 'विपदा' होता है।

117. 'पूर्ण' का विलोम है-

- (a) आधा (b) अर्द्ध
(c) अर्थ (d) अधूरा

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'पूर्ण' का विलोम 'अर्द्ध' होता है। 'आधा' तथा 'अधूरा' का विलोम 'पूरा' होता है।

118. 'धरती' का विलोम है-

- (a) बादल (b) नभ
(c) आकाश (d) अम्बर

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'धरती' का विलोम 'आकाश' है। 'नभ' एवं 'अम्बर' आकाश के पर्यायवाची हैं। 'अम्बर', 'अवनि' का विलोम है।

119. 'प्रिय' का विलोम है-

- (a) शत्रु (b) कष्ट
(c) अप्रिय (d) अहित

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'प्रिय' का विलोम 'अप्रिय' होता है। 'शत्रु' का विलोम 'मित्र' तथा 'अहित' का विलोम 'हित' होता है।

120. 'जय' का विलोम है-

- (a) विजय (b) पराजय
(c) ख्याति (d) बुराई

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जय' का विलोम 'पराजय' होता है। 'बुराई', 'अच्छाई' का विलोम है।

121. 'स्निग्ध' का विलोम है-

- (a) दुर्गंध (b) अस्निग्ध

(c) निग्ध

(d) संदिग्ध

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'स्निग्ध' का विलोम 'अस्निग्ध' होगा। 'सुगंध' का विलोम 'दुर्गंध' तथा 'संदिग्ध' का विलोम 'असंदिग्ध' होता है।

122. 'भय' का विलोम है-

- (a) निर्भय (b) निर्दय
(c) करुण (d) निडर

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'भय' का विलोम 'निर्भय' है। 'निडर', 'डर' का विलोम है।

123. 'शत्रु' का विलोम है-

- (a) हितैषी (b) मित्र
(c) हितकारी (d) अमित

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'शत्रु' का विलोम 'मित्र' होता है। 'अमित' का विलोम 'परिमित' होता है।

124. 'आवरण' का विलोम है-

- (a) वरण (b) विवरण
(c) अनावरण (d) आरोहण

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'आवरण' का विलोम 'अनावरण' होता है। 'आरोहण' का विलोम 'अवरोहण' होता है।

125. 'सकर्मक' का विलोम है-

- (a) अकर्मक (b) विकर्मक
(c) द्विकर्मक (d) कर्मक

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'सकर्मक' का विलोम 'अकर्मक' होता है। शेष विकल्प इससे सम्बन्धित नहीं हैं।

126. 'मान' का विलोम है-

- (a) अपमान (b) सम्मान
(c) अभिमान (d) जान

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'मान' का विलोम 'अपमान' है। 'सम्मान' तथा 'अपमान' परस्पर विरोधाभासी हैं।

127. 'घात' का विलोम है—

- (a) प्रतिघात (b) उपकार
(c) कल्पना (d) संवाद

U.P.P.C.S. (Mains), 2002, 2018

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'घात' का विलोम 'प्रतिघात' है, जबकि 'उपकार' का विलोम 'अपकार' है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

128. 'वैतनिक' का विलोम है—

- (a) सवैतनिक (b) नैतिक
(c) अवैतनिक (d) निरवैतनिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'वैतनिक' का विलोम 'अवैतनिक' होता है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

129. 'अपसरण' का विलोम है—

- (a) अभिसरण (b) अवसरण
(c) सरण (d) उपसरण

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अपसरण' का विलोम 'अभिसरण' होता है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

130. 'बाह्य' का विलोम है—

- (a) अन्दर (b) आभ्यंतर
(c) बाहर (d) बाह्यांतर

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'बाह्य' का विलोम 'आभ्यंतर' होता है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

131. 'धृष्ट' का विलोम है—

- (a) विनीत (b) अधैर्य
(c) तृप्त (d) शांत

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'धृष्ट' का विलोम 'विनीत' होता है। 'अधैर्य' का विलोम 'धैर्य' होता है। 'तृप्त' का विलोम 'अतृप्त' है।

132. 'प्रत्यक्ष' शब्द का विलोम है—

- (a) अपरोक्ष (b) परोक्ष
(c) सुंदर (d) प्रत्यय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'प्रत्यक्ष' का विलोम 'परोक्ष' है। इसका विलोम 'अप्रत्यक्ष' भी हो सकता है, जबकि 'अपरोक्ष' शब्द 'प्रत्यक्ष' का समानार्थी है। 'सुंदर' का विलोम 'कुरूप' एवं 'प्रत्यय' का विलोम 'उपसर्ग' या 'विप्रत्यय' होगा।

133. 'परोक्ष' का विलोम है—

- (a) अप्रत्यक्ष (b) प्रत्यक्ष
(c) प्रच्छन्न (d) अपरोध

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. 'उपार्जित' का विलोम है—

- (a) अनुपार्जित (b) पार्जित
(c) अनुउपार्जित (d) अपार्जित

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'उपार्जित' का विलोम 'अनुपार्जित' होता है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

135. 'तिरस्कार' का विलोम है—

- (a) पुरस्कार (b) सम्मान
(c) सत्कार (d) नमस्कार

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'तिरस्कार' का विलोम 'सत्कार' है। 'पुरस्कार' का विलोम 'दण्ड' तथा 'सम्मान' का विलोम 'अपमान' होता है।

136. 'शर्मनाक' का विलोम है—

- (a) सम्मानजनक (b) सम्मानपूर्ण
(c) सन्तोषजनक (d) ससम्मान

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'शर्मनाक' का विलोम 'सम्मानपूर्ण' होता है। 'सम्मानजनक' का विलोम 'अपमानजनक' होता है।

137. 'लुभावना' का विलोम है—

- (a) प्रसन्नता (b) आकर्षित
(c) धिनौना (d) घृणा

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'लुभावना' का विलोम 'धिनौना' होता है। 'आकर्षित' का विलोम 'प्रतिकर्षित' तथा 'घृणा' का विलोम 'प्रेम' होता है।

138. 'विहित' का विलोम है—

- (a) निहित (b) निषिद्ध
(c) अहित (d) रहित

U.P. P. C. S. (Mains), 2019
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'विहित' का विलोम 'निषिद्ध' होता है। 'अहित' का विलोम 'हित' तथा 'रहित' का विलोम 'सहित' होता है।

139. 'तामसिक' का विलोम है—

- (a) सात्विक (b) धार्मिक
(c) आध्यात्मिक (d) नास्तिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'तामसिक' का विलोम 'सात्विक' होता है। 'धार्मिक' का विलोम 'अधार्मिक', 'आध्यात्मिक' का विलोम 'भौतिक' तथा 'नास्तिक' का विलोम 'आस्तिक' होता है।

140. 'यथार्थ' का विलोम है—

- (a) कृत्रिम (b) आदर्श
(c) उचित (d) अनुचित

U.P.P.C.S. (Mains), 2016
U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या— दिये गये विकल्पों में 'यथार्थ' का विलोम 'कृत्रिम' है। इसका विलोम 'अयथार्थ' तथा 'कल्पित' भी हो सकता है। 'उचित' का विलोम 'अनुचित' होता है। आदर्श इससे भिन्न अर्थ प्रकट करता है। कुछ अन्य शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं—

शब्द	विलोम
औरत	मर्द
काला	सफेद
खाली	भरा
गधा	घोड़ा
चित	पट
जल	थल
शान्ति	युद्ध
सृजन	विनाश/संहार

141. 'सृजन' का विलोम है—

- (a) संहार (b) दुर्जन
(c) प्रकृति (d) बनावट

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(a)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

142. 'अध्यवसाय' का विलोम है—

- (a) अध्याय (b) अनध्यवसाय
(c) ध्यवसाय (d) अवध्यवसाय

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अध्यवसाय' का विलोम 'अनध्यवसाय' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

143. 'बर्बर' का विलोम है—

- (a) उर्वर (b) अबर्बर
(c) सभ्य (d) सीधा

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'बर्बर' का विलोम 'सभ्य' होता है। 'उर्वर', 'अनुर्वर' का विलोम तथा 'सीधा', 'टेढ़ा' का विलोम है।

144. 'ध्वंस' का विलोम है—

- (a) विध्वंस (b) निर्माण
(c) विनाश (d) सृजन

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'ध्वंस' का विलोम 'निर्माण' होता है। 'विध्वंस', 'ध्वंस' का समानार्थी है। 'विनाश' तथा 'सृजन' परस्पर विलोम हैं।

145. 'तरुण' का विलोम है—

- (a) बालक (b) युवा
(c) वृद्ध (d) अबला

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'तरुण' का विलोम 'वृद्ध' तथा 'अबला' का विलोम 'सबला' होता है।

146. सम्पन्न का विलोम है—

- (a) निर्धन (b) विपन्न
(c) विपद् (d) अस्थिर

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सम्पन्न' का विलोम 'विपन्न' होता है। 'निर्धन', 'धनी' का विलोम तथा 'विपद्', 'संपद्' का विलोम है। 'अस्थिर', 'स्थिर' का विलोम होता है।

147. 'उपेक्षा' का विलोम है—

- (a) अपेक्षा (b) अवेक्षा
(c) अनुपेक्षा (d) अनवेक्षा

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘उपेक्षा’ का विलोम ‘अपेक्षा’ होता है। ‘अवेक्षा’ तथा ‘अनवेक्षा’ परस्पर विलोम हैं।

148. ‘अपेक्षा’ का विलोम है—

- (a) उपेक्षा (b) अनुपेक्षा
(c) सापेक्षता (d) परिप्रेक्ष्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अपेक्षा’ का विलोम ‘उपेक्षा’ एवं ‘अनुपेक्षा’ होगा, लेकिन ‘अनुपेक्षा’ नहीं होगा। ‘सापेक्षता’ का विलोम ‘निरपेक्षता’ होगा। शेष विकल्प उचित उत्तर प्रस्तुत नहीं करते हैं।

149. ‘आवृत्त’ का विलोम है—

- (a) अनादृत (b) आवरण
(c) अनावृत्त (d) अनासक्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘आवृत्त’ का विलोम ‘अनावृत्त’ है। ‘आदृत’ का विलोम ‘अनादृत’ तथा ‘आसक्त’ का विलोम ‘अनासक्त’ है।

150. ‘उपचय’ का विलोम है—

- (a) अपचय (b) अवनत
(c) रोपण (d) अनुर्वर

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘उपचय’ का विलोम ‘अपचय’ होता है। ‘अवनत’, ‘उन्नत’ का तथा ‘रोपण’, ‘उन्मूलन’ का विलोम है। ‘अनुर्वर’, ‘उर्वर’ का विलोम है।

151. ‘जाग्रत’ का विलोम है—

- (a) निद्रा (b) सुस्त
(c) सुप्त (d) सुषुप्ति

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जाग्रत’ का विलोम ‘सुप्त’ होता है। ‘जागरण’ का ‘निद्रा’ तथा ‘जागृति’ का विलोम ‘सुषुप्ति’ है।

152. ‘भ्रान्त’ का विलोम है—

- (a) निर्भ्रान्त (b) विश्रान्त
(c) दुःखान्त (d) शान्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘भ्रान्त’ का विलोम ‘निर्भ्रान्त’ होता है। ‘विश्रान्त’ का विलोम ‘भ्रान्त’ तथा ‘दुःखान्त’ का विलोम ‘सुखान्त’ है। ‘शान्त’ का विलोम ‘अशान्त’ होता है।

153. ‘अथ’ का विलोम शब्द है—

- (a) अथक (b) पृथक
(c) इति (d) अति

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अथ’ और ‘इति’ परस्पर विलोम हैं। ‘अथक’, ‘थक’ का विलोम है। ‘अति’, ‘अल्प’ का विलोम है।

154. ‘इति’ का विलोम है—

- (a) पूर्ण (b) समाप्त
(c) अथ (d) खत्म

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

155. ‘अभिज्ञ’ का विलोम है—

- (a) अज्ञ (b) तज्ञ
(c) प्रज्ञ (d) चतुर

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

U.P.P.C.S. (Mains), 2002, 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अभिज्ञ’ का विलोम ‘अज्ञ’ है, जबकि ‘विज्ञ’ एवं ‘प्रज्ञ’, ‘अज्ञ’ के विलोम हैं। ‘चतुर’ का अर्थ ‘चालाक’ होता है। ‘अभिज्ञ’ का विलोम ‘अनभिज्ञ’ भी होता है। ‘अभिज्ञ’ का विलोम विकल्पों में ‘अविज्ञ’ भी हो सकता है। यदि विकल्प में ‘अभिज्ञ’ नहीं है, तो ‘भिज्ञ’ का इसके विलोम के रूप में चयन किया जाएगा।

156. ‘अज्ञ’ का विलोम शब्द है—

- (a) विज्ञ (b) यज्ञ
(c) सर्वज्ञ (d) अनज्ञ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

157. ‘अनभिज्ञ’ का विलोम शब्द है—

- (a) भिज्ञ (b) अभिज्ञ
(c) अज्ञ (d) अविज्ञ

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

158. 'अनभिज्ञ' का विलोम है—

- (a) अज्ञ (b) प्रज्ञ
(c) अभिज्ञ (d) अविज्ञ

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

159. विज्ञ का विलोम है—

- (a) विद्वान (b) अज्ञ
(c) मूर्ख (d) वन्द्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

160. 'सौम्य' शब्द का विलोम है—

- (a) सौभाग्य (b) उग्र
(c) शत्रु (d) दुराशय

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सौम्य' का विलोम 'उग्र' होता है। 'दुर्भाग्य' का विलोम 'सौभाग्य' तथा 'मित्र' का विलोम 'शत्रु' है। 'दुराशय', 'सदाशय' का विलोम है।

161. 'कृतज्ञ' का विलोम है—

- (a) अकृतज्ञ (b) संवेदनहीन
(c) कृतघ्न (d) जड़

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या—'कृतज्ञ' का समुचित विलोम 'कृतघ्न' है। 'अकृतज्ञ', संवेदनहीन एवं जड़ के अर्थ दूसरे रूप में प्रयुक्त होते हैं। विकल्पों में 'कृतघ्न' के न रहने पर 'अकृतज्ञ' को भी 'कृतज्ञ' के विलोम के रूप में चुना जा सकता है।

162. 'कृतज्ञ' का विलोम शब्द है—

- (a) कृपण (b) कुतर्क
(c) कृतघ्न (d) कृतकार्य

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

163. 'संकीर्ण' का विलोम है—

- (a) संक्षेप (b) विस्तार
(c) विकीर्ण (d) विस्तीर्ण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 2000

उत्तर—(d)

व्याख्या—'संकीर्ण' का विलोम 'विस्तीर्ण' होता है, जबकि 'संक्षेप' का विलोम 'विस्तार' एवं 'विकीर्ण' का विलोम 'आकीर्ण' है।

164. 'अनुरक्ति' का विलोम है—

- (a) विराग (b) विरक्ति
(c) तिरोभाव (d) संसक्ति

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अनुरक्ति' का विलोम 'विरक्ति' होता है। 'विराग', 'अनुराग' का विलोम है। 'तिरोभाव', 'आविर्भाव' का विलोम है, जबकि संसक्ति अन्य अर्थ प्रकट करता है। इसी प्रकार आसक्ति-अनासक्ति, अनुरति-विरति, अनुराग-विराग, राग-विराग, राग-द्वेष आदि परस्पर विलोम हैं।

165. 'अनुरक्ति' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) आसक्ति (b) प्रशस्ति
(c) विरक्ति (d) प्रकृति

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

166. 'अनुराग' का विलोम है—

- (a) राग (b) विराग
(c) प्रेम (d) द्वेष

U.P.P.C.S. (Mains), 1989, 1999, 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

167. 'अनुरक्त' का विलोम है—

- (a) आसक्त (b) प्रेम
(c) विरक्त (d) विगत

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अनुरक्त' का विलोम 'विरक्त' है। 'आसक्त' का विलोम 'अनासक्त' तथा 'प्रेम' का विलोम 'घृणा' है, जबकि 'आगत' का विलोम 'विगत' है।

168. 'सापेक्ष' का विलोम शब्द है—

- (a) असापेक्ष (b) निष्पक्ष
(c) निरपेक्ष (d) आपेक्ष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'सापेक्ष' का विलोम 'निरपेक्ष' है। 'निष्पक्ष' का विलोम 'पक्षपातपूर्ण' है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ प्रकट करते हैं। कुछ अन्य शब्दों के विलोम हैं—

शब्द	विलोम
अंधेरा	उजाला
अच्छा	बुरा
आग	पानी
इंसान	हैवान
आधा	पूरा

169. 'विग्रह' का विलोम—

- (a) सन्धि (b) अविग्रह
(c) आग्रह (d) ग्रहण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'विग्रह' का विलोम 'सन्धि' है। इसका विलोम 'अनुग्रह' तथा 'समास' भी हो सकता है। 'समास' के विलोम 'अंश', 'व्यास', 'खण्ड' भी हो सकते हैं। 'आग्रह' तथा 'ग्रहण' भिन्न अर्थ प्रकट करते हैं। 'विग्रह' के समानार्थी 'विच्छेद', 'लड़ाई', 'कलह' एवं 'वियोजन' आदि शब्द हैं।

170. 'समास' का विलोम नहीं है—

- (a) व्यास (b) विग्रह
(c) संग्रह (d) खण्ड

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2003, 2012

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

171. 'सन्धि' का विलोम शब्द है—

- (a) उपसन्धि (b) शत्रुता
(c) विग्रह (d) वैमनस्य

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'सन्धि' का विलोम शब्द 'विग्रह' है। शत्रुता, मित्रता का तथा वैमनस्य, सौमनस्य का विलोम है।

172. निम्नलिखित में कौन-सा विलोम-युग्म त्रुटिपूर्ण है?

- (a) अपेक्षा-उपेक्षा (b) अग्रज-अनुज
(c) उन्नत-अवगत (d) आदान-प्रदान

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'उन्नत' तथा 'अवनत' परस्पर विलोम हैं। 'अपेक्षा' का विलोम 'अनपेक्षा/उपेक्षा' भी होता है। शेष युग्म सही हैं। कुछ अन्य शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं—

शब्द	विलोम
इधर	उधर
उत्तर	दक्षिण
उल्टा	सीधा
एड़ी	चोटी
खरा	खोटा

173. 'अवनत' का विलोम है—

- (a) अवनगत (b) उन्नत
(c) नत (d) नवत

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

174. 'साधु' का विलोम शब्द है—

- (a) साधुनी (b) संन्यासिनी
(c) साध्वी (d) असाधु

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'साधु' का विलोम 'असाधु' है। अन्य विकल्पों में प्रस्तुत शब्द लगभग एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं।

175. 'पुष्ट' शब्द का विलोम है—

- (a) क्षीण (b) दुष्ट
(c) पुरस्कार (d) प्रकृति

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'पुष्ट' का विलोम 'क्षीण' होता है। 'दुष्ट', 'सज्जन' का विलोम है, जबकि 'पुरस्कार', 'दण्ड' का विलोम है।

176. 'गुण' शब्द का विलोम है—

- (a) दोष (b) गुड़
(c) गुणा (d) गृहस्थ

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'गुण' का विलोम 'दोष' होता है। 'गुड़' खाद्य सामग्री होता है, जबकि 'गुणा' का विलोम 'भाग' तथा 'गृहस्थ' का विलोम 'संन्यासी' होता है।

177. 'संयोग' शब्द का विलोम है—

- (a) दुर्योग (b) वियोग
(c) सहयोग (d) कुयोग

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 1988, 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘संयोग’ का विलोम ‘वियोग’ है। ‘अयोग’ एवं ‘अलगाव’ वियोग के पर्यायवाची शब्द हैं। ‘सुयोग’ का विलोम ‘कुयोग’ तथा ‘असहयोग’, ‘सहयोग’ का विलोम होगा। इसी प्रकार ‘योग’ का विलोम ‘दुर्योग’ होगा।

178. ‘संयोग’ का विलोम है—

- (a) अयोग
- (b) वियोग
- (c) विरह
- (d) योगहीन

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

179. नीचे दिये शब्द युग्म में कौन-सा वृद्धिपूर्ण है?

- (a) अनुग्रह-आग्रह
- (b) अनन्त-सांत
- (c) जड़-चेतन
- (d) आकृष्ट-विकृष्ट

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अनुग्रह’ का विलोम ‘आग्रह’ नहीं है। अनुग्रह का अर्थ है कृपा, जिसका विलोम होगा— ‘विग्रह’ या ‘अत्याचार’। ‘जड़’ का विलोम ‘चेतन’ तथा ‘आकृष्ट’ का विलोम ‘विकृष्ट’ होगा। सांत एक अन्तयुक्त विशेषण है। यह अनन्त का विलोम है। अन्त, प्रत्यंत, आद्यंत, सीमित, परिसीमित, अनन्त के अन्य विलोम हो सकते हैं।

180. ‘आकलन’ शब्द का विलोम है—

- (a) विकलन
- (b) संकलन
- (c) समाकलन
- (d) प्राक्कलन

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘आकलन’ का विलोम ‘विकलन’ है। संकलन, समाकलन तथा प्राक्कलन उचित विपरीत अर्थ प्रस्तुत नहीं करते हैं।

181. निम्नलिखित में कौन-सा विलोम-युग्म वृद्धिपूर्ण है?

- (a) क्षर-अक्षर
- (b) समास-व्यास
- (c) स्वल्पायु-विरायु
- (d) आहार-विहार

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘स्वल्पायु’ का अर्थ ‘अल्पायु’ होता है। अतः इसका विलोम ‘विरायु’ होगा। ‘स्वल्पायु’ की तरह एक अन्य शब्द परिमितायु भी है। विरायु की ही भाँति अन्य शब्द ‘पूर्णायु’, ‘शतायु’, ‘स्थिरायु’ आदि भी हैं। ध्यान रखना होगा कि परीक्षा-प्रश्नों में सटीक विलोम से थोड़ा हटकर भी शब्दों का प्रयोग

किया जा रहा है। आहार का अर्थ भोजन है, जबकि विहार का अर्थ आश्रम, बौद्ध मंदिर, विचरण इत्यादि हैं। आहार का विलोम निराहार होता है। स्पष्ट है कि विकल्प (d) ही वृद्धिपूर्ण है।

182. निम्नलिखित में कौन-सा विलोम-युग्म वृद्धिपूर्ण है?

- (a) आमिष-सामिष
- (b) आधार-आधेय
- (c) विनत-उद्धत
- (d) विपत्ति-संपत्ति

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘आमिष’ एवं ‘सामिष’ दोनों शब्दों का विलोम ‘निरामिष’ है, ‘आमिष’, ‘सामिष’ समानार्थी शब्द है। सात्विक-तामसिक शब्द परस्पर विलोम हैं। विकल्प (d) के विपत्ति-संपत्ति परस्पर उत्तम विलोम नहीं, किन्तु आंशिक रूप से विलोम कहे जा सकते हैं।

183. विलोम की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है—

- (a) आयात-निर्यात
- (b) दृश्य-अदृश्य
- (c) प्रत्यक्ष-परोक्ष
- (d) आमिष-सामिष

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

184. ‘सामिष’ का विलोम है—

- (a) निरामिष
- (b) मांसिक
- (c) अमांसिक
- (d) तामसिक

U.P.P.C.S. (Mains), 1997, 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

185. ‘निरामिष’ का विलोम है—

- (a) मांसिक
- (b) आमिष
- (c) मांसाहारी
- (d) शाकाहारी

U.P.P.C.S. (Mains), 2002, 2012

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

186. ‘ईप्सित’ शब्द का विलोम है—

- (a) अनीप्सित
- (b) अभीप्सित
- (c) अधीप्सित
- (d) कुत्सित

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ईप्सित’ शब्द का विलोम ‘अनीप्सित’ होता है। ‘अभीप्सित’, ‘अधीप्सित’ तथा ‘कुत्सित’ इस संदर्भ में सही नहीं हैं। अन्य विलोम शब्द इस प्रकार हैं—

शब्द	विलोम
ईहा	अनीहा
स्पृह	निस्पृह
निन्द	वन्द

187. 'ईप्सित' का विलोम शब्द है—

- (a) अभिप्सित (b) अनीप्सित
(c) परोप्सित (d) सुनीप्सित

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

188. 'स्वजाति' का विलोम है—

- (a) अजाति (b) कुजाति
(c) सुजाति (d) विजाति

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'स्वजाति' का विलोम 'विजाति' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं। 'परजाति' भी 'स्वजाति' का विलोम है। 'विजाति', 'सजाति' का विलोम है। 'सुजाति' 'कुजाति' एक-दूसरे के विलोम है।

189. 'उन्मूलन' का विलोम है—

- (a) आमुलन (b) निमीलन
(c) समूलन (d) रोपण

U.P.P.C.S. (Pre), 2013

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(d)

व्याख्या—'उन्मूलन' का विलोम 'रोपण' (आरोपण) है, शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं। 'निमीलन' का विलोम 'उन्मीलन' है। निमीलन के ही समानार्थी शब्द 'आमीलन' एवं 'सम्मीलन' भी हैं। कुछ अन्य विलोम इस प्रकार हैं—

शब्द	विलोम
उन्मेष	निमेष
प्रस्फुटन	संकुचन
विश्लेषण	संश्लेषण
अवमूल्यन	अधिमूल्यन

190. निम्नलिखित में से उन्मूलन का सही विलोम है -

- (a) अवरुद्ध (b) निर्माण
(c) समृद्धि (d) रोपण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

191. 'उन्मीलन' का विलोम शब्द है—

- (a) अवमीलन (b) सुमेलन
(c) अनुमीलन (d) निमीलन

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

192. 'उन्मीलन' का विलोम शब्द है—

- (a) अनुमीलन (b) निमीलन
(c) अवमीलन (d) मीलन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

193. 'अमित' शब्द का विलोम है—

- (a) सुमित (b) कुमित
(c) परिमित (d) दुर्मित

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अमित' का विलोम 'परिमित' होगा। 'अमित' अर्थात् 'अमापित' के अन्य समानार्थी 'अपरिमापित', 'अपरिमित' एवं 'अप्रमित' हैं। इसी प्रकार इसके विलोम 'परिमापित', 'परिमित', 'प्रमित', 'मित' एवं 'सम्मित' हैं।

194. 'धनी' का विलोम शब्द है—

- (a) धनहीन (b) अधीन
(c) अधनी (d) निर्धन

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'धनी' का विलोम 'निर्धन' होगा। शेष विकल्पों की इससे साम्यता नहीं है।

195. 'अधिकृत' शब्द का विलोम है—

- (a) अनाधिकृत (b) अनधिकृत
(c) अनाधिकारिक (d) प्राधिकृत

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अधिकृत' का विलोम 'अनधिकृत' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं। इसी प्रकार के अन्य शब्द एवं विलोम हैं—

शब्द	विलोम
अधिष्ठित	अनधिष्ठित
अधिकार	अनधिकार
साधिकार	निरधिकार

196. 'अनुलोम' शब्द का विलोम है—

- (a) सुलोम (b) प्रतिलोम
(c) अनलोम (d) अवलोम

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010
U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में 'अनुलोम' का विलोम 'प्रतिलोम' है। अन्य विकल्पों में प्रस्तुत शब्द इससे साम्य नहीं रखते हैं। वैसे, 'अनुलोम' का विपरीतार्थक शब्द 'विलोम' भी होता है। इसी प्रकार के अन्य शब्द एवं विलोम हैं—

शब्द	विलोम
पर्यास	विपर्यास
अनुक्रम	अपक्रम
अकारादि	अकारांत
आरोह	अवरोह

197. 'परिश्रम' का विलोम है—

- (a) आश्रम (b) विश्रम
(c) विश्राम (d) विश्रांत

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'परिश्रम' का विलोम 'विश्राम' है। 'आश्रम', 'विश्रम' इससे संबद्ध नहीं हैं। 'विश्रांत' विशेषण है, अतः यह संज्ञा शब्द 'परिश्रम' का विलोम नहीं हो सकता है। अश्रांत का विलोम विश्रांत है।

198. 'अलभ्य' का विलोम शब्द है—

- (a) सुगम (b) सहज
(c) सरल (d) लभ्य

U.P.N.T., 2006

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(d)

व्याख्या—'अलभ्य' का विलोम 'लभ्य' है। 'दुर्गम' का विलोम 'सुगम', 'असहज' का विलोम 'सहज' तथा 'कठिन' का विलोम 'सरल' होता है। 'आलब्धि', 'लब्धि' का विलोम 'विलब्धि', 'प्रकट' का विलोम 'अंतर्धान' तथा 'कम' का विलोम 'अधिक' है।

199. 'गौरव' का विलोम शब्द है—

- (a) लाघव (b) लघुत्व
(c) लघुता (d) लघुतम

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)
U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'गौरव' का विलोम 'लाघव' होता है। इसी प्रकार 'लघुत्व', 'लघुता' तथा 'लघुतम' का विलोम क्रमशः 'गुरुत्व', 'गुरुता' तथा 'गुरुतम' होता है।

200. 'गौरव' का विलोम शब्द है—

- (a) लाघव (b) सौरव
(c) लज्जा (d) अपमान

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

201. 'गमन' का विलोम शब्द है—

- (a) निर्गम (b) गमनागमन
(c) आगमन (d) प्रत्यागमन

U.P.N.T., 2006

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'गमन' का विलोम 'आगमन' होता है। गमन शब्द के स्थान पर यदि 'प्रस्थान' शब्द भी आये, तो इसका विलोम आगमन ही होगा। प्रत्यागमन का अर्थ है—गृहागमन-गमनागमन अर्थात् आना-जाना दोनों।

202. निम्नलिखित विलोम युग्मों में एक शब्द-युग्म शुद्ध नहीं है—

- (a) आयात-निर्यात (b) पाप-पुण्य
(c) बद्ध-मुक्त (d) नूतन-सनातन

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'नूतन' का विलोम 'पुरातन' होता है। शेष युग्म सही हैं। इसी प्रकार के अन्य शब्द एवं उनके विलोम हैं—

शब्द	विलोम
प्राचीन	अर्वाचीन
पुरातन	अधुनातन
आद्य	अन्त्य
पूर्वतन	नूतन
कालातीत	अनतीत

203. निम्नलिखित में एक 'निर्भीक' का विलोम नहीं है—

- (a) साहसी (b) साहसिक
(c) कातर (d) कायर

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(a & b)

व्याख्या—'निर्भीक' का विलोम न तो 'साहसी' होगा, न ही 'साहसिक'। अतः (a) एवं (b) दोनों विकल्प सही हैं।

204. 'निन्दा' का विलोम है—

- (a) स्तुति (b) संस्तुति
(c) संवेदना (d) स्तवन

U.P.N.T., 2006

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘निन्दा’ का विलोम ‘स्तुति’ है। ‘संस्तुति’ का अर्थ ‘प्रशंसा’ या ‘सिफारिश’ से है। ‘स्तवन’ का अर्थ ‘प्रशंसा’ करने से है, जबकि ‘संवेदना’ भिन्न अर्थ प्रकट करता है।

205. ‘मौन’ शब्द का विलोम है—

- (a) मुखरता (b) मूकता
(c) वाचलता (d) प्रगल्भता

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मौन’ शब्द का सही विलोम ‘मुखर’ होना चाहिए। मुखरता नजदीकी विलोम के रूप में ही स्वीकार किया जा सकता है। ‘मूकता’ का विलोम ‘वाचलता’ है।

206. ‘मधुर’ का विलोम है—

- (a) आम्ल (b) तीक्ष्ण
(c) क्षरित (d) कटु

U.P.N.T., 2006

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मधुर’ का विलोम ‘कटु’ है। ‘मीठा’ का विलोम ‘कड़ुआ’, ‘खट्टा’, ‘तीखा’ एवं ‘नमकीन’ अलग-अलग संदर्भों में हो सकते हैं। इसी प्रकार ‘मधुर’ का विलोम अलग-अलग संदर्भों में कटु के साथ-साथ ‘आम्ल’ एवं ‘तीक्ष्ण’ भी हैं।

207. ‘निर्दय’ का विलोम शब्द है—

- (a) सहृदय (b) सह्य
(c) सभय (d) सदय

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. S.D.I., 2006

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘निर्दय’ का विलोम ‘सदय’ है। ‘सहृदय’ का अर्थ ‘हृदय सहित’ होता है। अतः इसका विलोम ‘अहृदय’ या ‘हृदयहीन’ अभीष्ट होगा। ‘सभय’ का अर्थ ‘भय सहित’ है। अतः इसका विलोम ‘अभय’ होगा।

208. ‘तिमिर’ शब्द का विलोम है—

- (a) आलोक (b) किरण
(c) रंगीन (d) रंगहीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. S.D.I., 2006

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘तिमिर’ का विलोम ‘आलोक’/‘प्रकाश’ है। ‘रंगीन’ तथा ‘रंगहीन’ परस्पर विलोम हैं।

209. ‘तीक्ष्ण’ का विलोम शब्द है—

- (a) मंद (b) तीव्र
(c) प्रखर (d) क्षीण

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘तीक्ष्ण’ का विलोम ‘मंद’ है। इसका विलोम ‘कुंठित’, ‘भोथरा’ भी हो सकता है। ‘प्रखर’ और ‘तीव्र’ तो समानार्थी हैं। ‘पुष्ट’ का विलोम ‘क्षीण’ है।

210. ‘उदात्त’ का विलोमार्थी शब्द है—

- (a) उद्धत (b) दानशील
(c) अनुदात्त (d) क्षमावान्

U.P. S.D.I., 2006

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘उदात्त’ का विलोम ‘अनुदात्त’ है। इस संदर्भ में ‘उद्धत’, ‘दानशील’, ‘क्षमावान्’ सही नहीं हैं।

211. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा शब्द ‘उदार’ का विलोम है?

- (a) कठोर (b) निर्भय
(c) अपव्यय (d) अनुदार

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘उदार’ का विलोम ‘अनुदार’ है, जबकि ‘कठोर’, ‘शोमल’ का विलोम है। ‘निर्भय’, ‘भय’ का विलोम है।

212. इनमें से कौन-सा शब्द ‘शुक्ल’ का विलोम है?

- (a) काला (b) कृष्ण
(c) असित (d) श्यामल

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘शुक्ल’ का विलोम ‘कृष्ण’ है। ‘काला’, ‘असित’ तथा ‘श्यामल’ एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं।

213. ‘सजल’ का विलोम है—

- (a) जलहीन (b) निर्जल
(c) जलाभाव (d) कुजल

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सजल’ (जल सहित) का विलोम ‘निर्जल’ (बिना जल) है। ‘जलहीन’ तथा ‘जलाभाव’ जल की कमी के द्योतक हैं। ‘कुजल’, ‘दूषित जल’ या ‘खराब जल’ का अर्थ प्रकट करता है।

214. 'सामान्य' शब्द का विलोम है—

- (a) श्रेष्ठ (b) सर्वज्ञ
(c) साधारण (d) विशिष्ट

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013
U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006
U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(d)

व्याख्या—'सामान्य' का विलोम 'विशिष्ट' होता है, जबकि 'साधारण', 'सामान्य' का अनुलोम है। 'सर्वज्ञ' का विलोम 'अज्ञ'/'अज्ञानी' तथा 'श्रेष्ठ' का विलोम 'अधम'/'निकृष्ट' होगा।

215. 'परमार्थ' का विलोम है—

- (a) स्वार्थ (b) शब्दार्थ
(c) दयावान (d) दयाहीन

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006
U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(a)

व्याख्या—'परमार्थ' का विलोम 'स्वार्थ' है। 'दयावान', 'दयाहीन' का विलोम है, जबकि 'शब्दार्थ' का अर्थ 'शब्द का अर्थ' है।

216. 'प्रसारण' का विलोम है—

- (a) विसरण (b) संघटन
(c) संकुचन (d) विस्तीर्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'प्रसारण' का विलोम 'संकुचन' होता है। संघटन, विघटन का विलोम तथा विस्तीर्ण, संकीर्ण का विलोम है।

217. 'ऋणात्मक' का विलोम है—

- (a) सकारात्मक (b) गुणात्मक
(c) धनात्मक (d) नकारात्मक

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'ऋणात्मक' का विलोम 'धनात्मक' होता है। 'सकारात्मक' तथा 'नकारात्मक' एक-दूसरे के विलोम हैं।

218. निम्नलिखित में से गलत विलोम शब्द युग्म कौन-सा है?

- (a) प्रवेश-नवेश (b) मूक-वाचाल
(c) भूत-भविष्य (d) पुरस्कार-तिरस्कार

U.P.P.C.S. (Pre), 2012

उत्तर—(a)

व्याख्या—'प्रवेश' का विलोम 'निकास' होगा, न कि नवेश। शेष युग्म सही हैं।

219. 'असली' का विलोम है—

- (a) वास्तविक (b) नकली
(c) प्राकृतिक (d) नैसर्गिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—'असली' का अभीष्ट विलोम 'नकली' है। 'वास्तविक' का विलोम 'अवास्तविक', 'प्राकृतिक' का 'अप्राकृतिक' एवं 'नैसर्गिक' का विलोम 'कृत्रिम' होता है।

220. 'उत्कर्ष' शब्द का विलोम है—

- (a) अकर्ष (b) अनुत्कर्ष
(c) अपकर्ष (d) आकर्ष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013
U.P.P.C.S. (Mains), 1998, 2006, 2012

उत्तर—(c)

व्याख्या—'उत्कर्ष' शब्द का विलोम 'अपकर्ष' होता है, जबकि अकर्ष, अनुत्कर्ष तथा आकर्ष भिन्न अर्थ प्रकट करते हैं।

221. 'उत्कर्ष' का विलोम है—

- (a) निष्कर्ष (b) उपकर्ष
(c) अपकर्ष (d) उत्सर्ग

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

222. 'मसृण' का विपरीतार्थक शब्द होगा—

- (a) सुकुमार (b) चिक्कण
(c) रुक्ष (d) नरम

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

223. 'मसृण' शब्द का विलोम है—

- (a) सुकुमार (b) चिक्कण
(c) रुक्ष (d) असृण

U.P.P.C.S. (Pre), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

224. 'मसृण' का विलोम है—

- (a) क्षिप्र (b) रुक्ष
(c) दृढ़ (d) क्षणिक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009
U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

225. 'विधवा' का विलोम है—

- (a) विवाहित (b) विधुर
(c) सधवा (d) अविवाहित

U.P.P.C.S. (Mains), 2003, 2006, 2012

उत्तर—(c)

व्याख्या—'विधवा' का विलोम 'सधवा' है, जबकि 'विवाहित' का विलोम 'अविवाहित' है। 'विधुर' शब्द उस व्यक्ति के संदर्भ में प्रयुक्त होता है 'जिसकी पत्नी मर गई हो'।

226. 'कपटी' का विलोम है—

- (a) धूर्त (b) निष्कपटी
(c) विद्वान (d) चालाक

U.P.P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—'कपटी' का विलोम 'निष्कपटी' होगा। 'धूर्त' एवं 'चालाक' समानार्थी शब्द हैं, जबकि 'विद्वान', 'मूर्ख' का विलोम है।

227. 'मुख्य' का विलोम है—

- (a) प्रधान (b) गौण
(c) गौड़ (d) अवर

U.P.P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—'मुख्य' का विलोम 'गौण' है। 'प्रधान', 'मुख्य' का पर्यायवाची है, जबकि 'अवर', 'प्रवर' का विलोम है।

228. 'सुशील' का विलोम है—

- (a) अशिष्ट (b) दुश्शील
(c) श्लील (d) कुख्यात

U.P.P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सुशील' का विलोम 'दुश्शील' या 'दुःशील' होता है। 'अशिष्ट', 'शिष्ट' का विलोम है, जबकि 'श्लील', 'अश्लील' का तथा 'कुख्यात', 'विख्यात' का विलोम है।

229. 'प्रवृत्ति' का विलोम है—

- (a) आवृत्ति (b) वृत्ति
(c) निवृत्ति (d) सवृत्ति

U.P.P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(c)

व्याख्या—'प्रवृत्ति' का विलोम 'निवृत्ति' है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

230. 'सावधान' का विलोम है—

- (a) खतरनाक (b) लापरवाह

(c) काम

(d) व्यवधान

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सावधान' का विलोम 'लापरवाह' है, जबकि अन्य विकल्प दूसरे अर्थ प्रकट करते हैं। कर्म-अकर्म, क्रिया-प्रतिक्रिया, सकाम-निष्काम अन्य परस्पर विलोम शब्द हैं।

231. 'सुलभ' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) दुष्प्राप्य (b) अलब्ध
(c) अप्राप्य (d) दुर्लभ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(d)

व्याख्या—'सुलभ' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'दुर्लभ' है। अप्राप्य तथा दुष्प्राप्य, प्राप्य के विपरीतार्थक शब्द हैं।

232. 'अक्षर' का विलोम है—

- (a) क्षर (b) वर्णमाला
(c) स्वर (d) व्यंजन

U.P.P.C.S. (Mains), 2016, 2011

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अक्षर' का विलोम 'क्षर' है, जबकि वर्णमाला में 'स्वर' तथा 'व्यंजन' होते हैं।

233. 'पंडित' का विलोम है—

- (a) विद्वान (b) ज्ञानी
(c) मूर्ख (d) महान

U.P.P.C.S. (Mains), 2008, 2011

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पंडित' का विलोम 'मूर्ख' है, जबकि 'विद्वान' एवं 'ज्ञानी', 'पंडित' के ही समानार्थी शब्द हैं।

234. 'कुसुम' का विलोम है—

- (a) कठोर (b) वज्र
(c) कोमल (d) पाहन

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(b)

व्याख्या—'कुसुम' का शाब्दिक अर्थ 'फूल' होता है। अतः इसका विपरीतार्थक शब्द 'वज्र' होगा।

235. 'वीर' का विलोम है—

- (a) बहादुर (b) महावीर
(c) कायर (d) दुष्ट

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘वीर’ का विलोम ‘कायर’ है। ‘बहादुर’ एवं ‘महावीर’ लगभग एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं, जबकि ‘दुष्ट’ का विलोम ‘शिष्ट’ या ‘सज्जन’ है।

236. ‘रथी’ का विलोम है—

- (a) सारथी (b) अरथी
(c) विरथी (d) महारथी

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘रथी’ का विलोम ‘विरथी’ है। ‘सारथी’ का शाब्दिक अर्थ ‘रथ चालक’ है।

237. ‘खण्डन’ का विलोम है—

- (a) निर्माण (b) समर्थन
(c) मिलन (d) मंडन

U.P.P.C.S. (Mains), 2002, 2011

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘खण्डन’ और ‘मंडन’ परस्पर विलोम है, जबकि ‘विनाश’ का विलोम ‘निर्माण’ है। ‘विरोध’ का विलोम ‘समर्थन’ है।

238. मंडन का विलोम है—

- (a) विखण्डन (b) खण्डन
(c) बंधन (d) संगम

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

239. ‘अभिमानि’ का विलोम है—

- (a) साहसी (b) स्वाभिमानि
(c) निरभिमानि (d) गौरवशाली

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अभिमानि’ का विलोम ‘निरभिमानि’ है, शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

240. ‘मानवता’ का विलोम है—

- (a) दानवता (b) सहृदयता
(c) मनुष्यता (d) समरसता

U.P.P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मानवता’ का विलोम ‘दानवता’ है। इसका एक विलोम ‘पशुता’ भी हो सकता है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

241. ‘अर्पित’ का विलोम है—

- (a) समर्पित (b) गृहीत
(c) त्याज्य (d) अर्जित

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘अर्पित’ का विलोम ‘गृहीत’ है, जबकि ‘त्याज्य’, ‘ग्राह्य’ का विलोम है। ‘प्रदत्त’ का विलोम ‘अर्जित’ है। समर्पित शब्द भिन्न अर्थ प्रकट कर रहा है।

242. ‘उन्मुख’ का विलोम है—

- (a) सम्मुख (b) मुख
(c) विमुख (d) सन्मुख

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘उन्मुख’ का विलोम ‘विमुख’ है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

243. ‘उपचार’ का विलोम है—

- (a) उपकार (b) अनुपकार
(c) अनुपचार (d) सदाचार

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘उपचार’ का सही विलोम ‘अनुपचार’ है। शेष विकल्प गलत हैं।

244. ‘कृत्रिम’ का विलोमार्थी शब्द है—

- (a) प्राकृतिक (b) स्वनिर्मित
(c) स्वाभाविक (d) स्वचालित

U.P. S.D.I., 2006

U.P.P.C.S. (Mains), 2000, 2003, 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘कृत्रिम’ का विलोम ‘प्राकृतिक’ या ‘नैसर्गिक’ है, जबकि ‘स्वाभाविक’ का विलोम ‘अस्वाभाविक’ है।

245. ‘जोड़’ का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) गुणा (b) भाग
(c) घटाव (d) बाकी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जोड़’ का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द ‘घटाव’ है। ‘जोड़’ का विलोम ‘बाकी’ भी हो सकता है, जिसका अर्थ घटाव होता है।

246. 'तृष्णा' का विलोम है—

- (a) तृप्ति (b) वितृष्णा
(c) सतृष्णा (d) नितृष्णा

U.P.P.C.S. (Mains), 1997, 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'तृष्णा' का विलोम 'वितृष्णा' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

247. 'थोक' का विलोम है—

- (a) फुटकर (b) अथोक
(c) अलग (d) इकट्ठा

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—'थोक' का विलोम 'फुटकर' है। अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

248. 'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) इतिहास (b) अंतरिक्ष
(c) ध्रुवगोल (d) खगोल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द 'खगोल' है। शेष विकल्प उचित प्रतीत नहीं होते हैं।

249. 'भूगोल' का विलोम है—

- (a) इतिहास (b) खगोल
(c) अंतरिक्ष विज्ञान (d) जल विज्ञान

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

250. 'विधि' का विलोम है—

- (a) अविधि (b) प्रविधि
(c) निषेध (d) शेष

U.P.P.C.S. (Mains), 2007, 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'विधि' का विलोम 'निषेध' होता है, जबकि अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

251. 'चुस्त' का विलोम है—

- (a) कसावट (b) ढीला
(c) कड़ा (d) कठोर

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—'चुस्त' का विलोम 'ढीला' है। इसका विलोम 'सुस्त' भी हो सकता है। 'कठोर', 'कोमल' का विलोम है, जबकि 'कड़ा', 'कठोर' का समानार्थी शब्द है।

252. 'सुमति' का विलोम है—

- (a) कुमति (b) सहमति
(c) सम्मति (d) मति

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सुमति' का विलोम 'कुमति' होता है। 'सहमति' का विलोम 'असहमति' होता है। शेष विकल्प अन्य अर्थ प्रकट करते हैं।

253. 'हास' का विलोम है—

- (a) हास्य (b) वृद्धि
(c) हँसी (d) हस्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—'हास' का विलोम 'वृद्धि' है। 'हास्य' तथा 'हँसी' समानार्थी शब्द हैं। 'हस्त' का अर्थ 'हाथ' होता है।

254. 'अभिशाप' का विलोम है—

- (a) आशीर्वाद (b) वरदान
(c) पुरस्कार (d) अभिमान

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अभिशाप' का विलोम 'वरदान' है, जबकि 'दंड' का विलोम 'पुरस्कार' है। शेष विकल्प अन्य अर्थ को व्यक्त करते हैं।

255. 'उपादेय' का विलोम है—

- (a) उपदेय (b) अनुपादेय
(c) उत्पादेय (d) पादेय

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—'उपादेय' का विलोम 'अनुपादेय' है। शेष विकल्प ग्राह्य नहीं हैं, क्योंकि वे उचित उत्तर प्रस्तुत नहीं करते हैं।

256. 'स्थिर' का विलोम है—

- (a) अचल (b) अस्थिर
(c) चंचल (d) दृढ़

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'स्थिर' का विलोम 'अस्थिर' है। 'अचल' और 'दृढ़' एक ही अर्थ को प्रकट करते हैं। 'चंचल' शब्द दूसरे अर्थ में प्रयुक्त होता है।

257. 'विभव' का विलोम है—

- (a) पराभव (b) अभाव
(c) विनाश (d) आकाश

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'विभव' का विलोम 'पराभव' होता है, जबकि 'विनाश', 'सृजन' का तथा 'आकाश', 'पाताल' का विलोम है। 'अभाव' का अर्थ 'कमी' होता है।

258. 'ग्रस्त' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) मुक्त (b) सुप्त
(c) लुप्त (d) ग्राह्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

U.P.P.C.S. (Pre), 2014

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'ग्रस्त' का विपरीतार्थक शब्द 'मुक्त' होता है। इसी प्रकार 'लुप्त' का विपरीतार्थक 'व्यक्त' तथा 'ग्राह्य' का विपरीतार्थक 'त्याज्य' होता है।

259. 'महात्मा' का विलोम है—

- (a) आत्मा (b) दुरात्मा
(c) परमात्मा (d) सघनता

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'महात्मा' का विलोम 'दुरात्मा' है, जबकि 'परमात्मा' का विलोम 'आत्मा' होता है। 'सघनता' का विलोम 'विरलता' है।

260. 'आत्मा' का विलोम है—

- (a) महात्मा (b) दुरात्मा
(c) परमात्मा (d) समानता

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

261. 'स्मरण' का विलोम है—

- (a) संस्मरण (b) मरण
(c) विस्मरण (d) हरण

U.P.P.C.S. (Mains), 2008, 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'स्मरण' का विलोम 'विस्मरण' है। 'मरण', 'जीवन' का विलोम है। शेष विकल्प उचित उत्तर प्रस्तुत नहीं करते हैं।

262. 'सूक्ष्म' का विलोम है—

- (a) संक्षिप्त (b) विशिष्ट
(c) स्थूल (d) बड़ा

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सूक्ष्म' का विलोम 'स्थूल' है, जबकि 'संक्षिप्त' का विलोम 'विस्तृत', 'विशिष्ट' का विलोम 'सामान्य' तथा 'बड़ा' का विलोम 'छोटा' होगा।

263. 'आगामी' का विलोम है—

- (a) प्रतिभागी (b) विगत
(c) आगत (d) भविष्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2003, 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आगामी' का विलोम 'विगत' है। आगत-विगत परस्पर विलोम हैं।

264. 'प्रधान' का विलोम है—

- (a) मुख्य (b) उपप्रधान
(c) गौण (d) निम्न

U.P.P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'प्रधान' का विलोम 'गौण' है, जबकि 'मुख्य', 'प्रधान' का ही समानार्थी है। 'निम्न', 'उच्च' का विलोम है तथा उपप्रधान इस संदर्भ में सही नहीं है।

265. 'विशेष' का विलोम नहीं है—

- (a) सामान्य (b) अविशेष
(c) साधारण (d) शेष

U.P.P.C.S. (Mains), 1989, 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'शेष', 'विशेष' का विलोम नहीं है, जबकि विकल्पों में दिये गये अन्य शब्द इसके विलोम हैं।

266. 'समस्या' का विलोम है—

- (a) समाधान (b) विकास
(c) सन्धि (d) विकल्प

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'समस्या' का विलोम 'समाधान' है। इसका विलोम हल भी हो सकता है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

267. 'अंतर्द्वन्द्व' का विलोम है—

- (a) द्वन्द्व (b) बहिर्द्वन्द्व
(c) संवाद (d) वाद

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अंतर्द्वन्द्व' का विलोम 'बहिर्द्वन्द्व' है। 'द्वन्द्व' का विलोम 'निर्द्वन्द्व' है। 'द्वन्द्व' का विलोम 'मेल' भी हो सकता है।

268. 'द्वन्द्व' का विलोम है—

- (a) वाद (b) प्रतिवाद
(c) निर्द्वन्द्व (d) प्रतिबंध

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

269. 'आध्यात्मिक' का विलोम है—

- (a) सांसारिक (b) वैदिक
(c) सामाजिक (d) धार्मिक

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आध्यात्मिक' का विलोम 'सांसारिक' है। इसका विलोम भौतिक भी हो सकता है। अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

270. 'व्यष्टि' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) समास (b) समवेत
(c) समष्टि (d) समस्त

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005, 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'व्यष्टि' का विपरीतार्थक शब्द 'समष्टि' है। 'समास', 'व्यास' का तथा 'समस्त', 'असमस्त' का विपरीतार्थक शब्द है।

271. 'संन्यास' का विलोम है—

- (a) गृहस्थ (b) गार्हस्थ्य
(c) त्यागी (d) आदि मानव

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—'संन्यास' का विलोम 'गार्हस्थ्य' है। 'संन्यासी' का विलोम 'गृहस्थ' तथा 'भोगी' या 'संग्रही' का विलोम 'त्यागी' है।

272. 'अपव्यय' का विलोम है—

- (a) अल्पव्यय (b) मितव्यय
(c) अव्यय (d) व्यय

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अपव्यय' का विलोम 'मितव्यय' है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

273. 'अल्पज्ञ' का विलोम शब्द है—

- (a) विज्ञ (b) विशेषज्ञ
(c) बहुज्ञ (d) अज्ञ

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 2003, 2006, 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अल्पज्ञ' का विलोम 'बहुज्ञ' है। 'विज्ञ', 'अज्ञ' का विलोम है, जबकि विशेषज्ञ इसके लिए उपयुक्त विलोम नहीं है।

274. 'उत्कृष्ट' का विलोम है—

- (a) सर्वश्रेष्ठ (b) निकृष्ट
(c) उत्कीर्ण (d) विकीर्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—'उत्कृष्ट' का विलोम 'निकृष्ट' है, जबकि शेष विकल्प सही नहीं हैं।

275. 'उद्धत' का विलोम है—

- (a) उधृत (b) तैयार
(c) विनीत (d) पृथक

U.P.P.C.S. (Mains), 2007, 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'उद्धत' का विलोम 'विनीत' है। 'पृथक' का विलोम 'संलग्न' है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

276. 'उद्धत' शब्द का विलोम क्या है?

- (a) विनय (b) अवनति
(c) अनुदार (d) विनीत
(e) विनम्र

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(d & e)

व्याख्या—'उद्धत' का विलोम 'विनीत' एवं 'विनम्र' दोनों होगा। 'अवनति', 'उन्नति' का विलोम होगा तथा 'अनुदार', 'उदार' का विलोम है।

277. विनत का विलोम है—

- (a) नत (b) संभ्रांत
(c) निरत (d) उद्धत

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

278. 'कृश' का विलोम है—

- (a) मजबूत (b) पहलवान
(c) पुष्ट (d) कमजोर

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—'कृश' का अर्थ 'क्षीणकाय' है। अतः इसका उचित विलोम 'पुष्ट' है। 'मजबूत', 'कमजोर' का विलोम है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

279. 'ग्रामीण' का विलोम है—

- (a) देहाती (b) शहरी
(c) गंवार (d) बुद्धिमान

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ग्रामीण' का विलोम 'शहरी' है। इसका विलोम 'नागर' भी हो सकता है। 'बुद्धिमान', 'मूर्ख' का विलोम है, जबकि 'देहाती', 'ग्रामीण' का ही समानार्थी है।

280. 'तटस्थ' का विलोम है—

- (a) आसक्त (b) गौण
(c) समष्टि (d) निसक्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—'तटस्थ' का विलोम 'आसक्त' है। इसका विलोम 'संलिप्त' एवं 'अतटस्थ' भी हो सकता है, जबकि 'गौण', 'मुख्य' का तथा 'समष्टि', 'व्यष्टि' का विलोम है।

281. 'धृष्ट' का विलोम है—

- (a) विशेष (b) विनम्र
(c) विकृष्ट (d) उत्कृष्ट

U.P.P.C.S. (Mains), 2007, 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'धृष्ट' का विलोम 'विनम्र' है। 'उत्कृष्ट', 'निकृष्ट' का तथा 'विशेष', 'साधारण' का विलोम है।

282. 'भाव' का विलोम है—

- (a) अभाव (b) विभाव
(c) भावहीन (d) अनुभाव

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—'भाव' का विलोम 'अभाव' है। 'अभाव' का अर्थ 'कमी' होता है। 'भावहीन', 'भावयुक्त' का विलोम है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

283. 'अतिवृष्टि' का विलोम है—

- (a) अल्पवृष्टि (b) लघुवृष्टि
(c) अनावृष्टि (d) न्यूनवृष्टि

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अतिवृष्टि' का विलोम 'अनावृष्टि' होता है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं।

284. 'अवनि' का विलोम है—

- (a) धरा (b) अम्बर
(c) अग्नि (d) तरणि

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अवनि' का विलोम 'अम्बर' है। 'धरा', 'अवनि' का समानार्थी है, जबकि 'तरणि', सूर्य का पर्यायवाची है। 'अग्नि' का अर्थ 'आग' है।

285. 'आलोक' का विलोम है—

- (a) प्रकाश (b) ईशान
(c) तिमिर (d) शिशिर

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आलोक' का विलोम 'तिमिर' है, जबकि 'प्रकाश' का विलोम 'अंधकार' है। 'शिशिर' एक ऋतु का नाम है, जबकि ईशान दिशा का सूचक है।

286. 'उदयाचल' का विलोम है—

- (a) अस्ताचल (b) सूर्यास्त
(c) उदयास्त (d) गोधूलि बेला

U.P.P.C.S. (Mains), 2006, 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उदयाचल' का विलोम 'अस्ताचल' है, जबकि शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

287. 'ग्राह्य' का विलोम है—

- (a) ग्रहण (b) त्याज्य
(c) त्याग (d) ग्रहित

U.P.P.C.S. (Mains), 2006, 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ग्राह्य' का विलोम 'त्याज्य' है, जबकि 'ग्रहण', 'अर्पण' का विलोम है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

288. 'स्वार्थ' का विलोम है—

- (a) हितार्थ (b) परमार्थ
(c) साथ (d) अपमान

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या—'स्वार्थ' का विलोम 'परमार्थ' होता है, जबकि हितार्थ दूसरे अर्थ को व्यक्त करता है। 'अपमान' तथा 'साथ' उत्तर के सही विकल्प के रूप में नहीं हैं।

289. 'निन्द' का विलोम है—

- (a) स्किन्ध (b) वन्द
(c) वाद्य (d) स्तुति

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या—'निन्द' का विलोम 'वन्द' है, जबकि 'स्तुति', 'निन्द' का विलोम है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं।

290. 'पोषक' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा—

- (a) वृषण (b) अनपोषक
(c) शोषक (d) क्षीणकारी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पोषक' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'शोषक' है। इसका अन्य विपरीतार्थक शब्द 'पोषित' भी है।

291. 'शोषक' का विलोम है—

- (a) पोषण (b) पोषक
(c) विनाशक (d) संहारक

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

292. 'परास्त' का विलोम है—

- (a) पराजित (b) विजयी
(c) दमन (d) शत्रु विनाशक

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—'परास्त' का विलोम 'विजयी' है। इसका विलोम 'विजेता' भी हो सकता है। 'पराजित', 'परास्त' का समानार्थी है, जबकि 'शत्रु विनाशक' का अर्थ है—'शत्रु का नाश करने वाला'।

293. 'स्वागत' का विलोम है—

- (a) आगत (b) पुरस्कार

(c) दण्ड

(d) तिरस्कार

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—'स्वागत' अथवा 'सत्कार' का विलोम 'तिरस्कार' है। 'आगत' का अर्थ 'आने वाला' तथा 'पुरस्कार' का विलोम 'दण्ड' है।

294. 'सदाचार' का विलोम है—

- (a) अनाचार (b) कदाचार
(c) अपराध (d) अन्याय

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सदाचार' का विलोम 'कदाचार' है। 'सदाचार' का विलोम 'दुराचार' भी होता है। 'न्याय' का विलोम 'अन्याय' है, जबकि 'अनाचार' एवं 'अपराध' इससे साम्य नहीं रखते हैं।

295. 'दुर्गम' का विलोम है—

- (a) सुगम (b) गमन
(c) गंध (d) दुर्योग

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—'दुर्गम' का विलोम 'सुगम' होता है, जबकि गमन का अर्थ जाने से है। 'सुयोग' का विलोम 'दुर्योग' है।

296. 'अनाहूत' का विलोम है—

- (a) आहूत (b) पराभव
(c) प्रस्थान (d) अतिथि

U.P.P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अनाहूत' और 'आहूत' परस्पर विलोम है, जबकि 'पराभव', 'भव' का विलोम है। 'प्रस्थान' का अर्थ 'जाना' होता है। 'पश्चगामी' का विलोम 'अग्रगामी' तथा 'प्राच्य' का सर्वथा उपयुक्त विलोम 'पश्चात्य' या 'प्राचीन' है।

297. 'आहूत' का विलोम शब्द है—

- (a) हूत (b) अनहूत
(c) अपहूत (d) अनाहूत

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

298. 'अवर' का विलोम शब्द है—

- (a) लघु (b) प्रवर
(c) सुवर (d) कनिष्ठ

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अवर' का विलोम 'प्रवर' है। 'लघु', 'दीर्घ' का तथा 'कनिष्ठ', 'ज्येष्ठ' का विलोम है।

299. 'अकाल' का विलोम है—

- (a) दीर्घकाल (b) सुकाल
(c) वर्तमान (d) निवर्तमान

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अकाल' का विलोम 'सुकाल' है, जबकि 'वर्तमान' का विलोम 'निवर्तमान' है। 'लघुकाल' का विलोम 'दीर्घकाल' है।

300. 'एकाग्र' का विलोम है—

- (a) चंचल (b) ध्यानमग्न
(c) चतुर (d) सशक्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(a)

व्याख्या—'एकाग्र' का विलोम 'चंचल' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं।

301. 'कल्पित' का विलोम है—

- (a) कल्पनाहीन (b) कल्पनायुक्त
(c) यथार्थ (d) प्राकृतिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—'कल्पित' का विलोम 'यथार्थ' है। 'कल्पनाहीन' का विलोम 'कल्पनायुक्त' है। 'प्राकृतिक', 'कृत्रिम' का विलोम है।

302. निम्नलिखित में से उर्वर का विलोम नहीं है—

- (a) ऊसर (b) अनुर्वर
(c) उत्पादन (d) बंजर

U.P.P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—'उर्वर' के विलोम 'ऊसर', 'अनुर्वर' तथा 'बंजर' हैं, जबकि उत्पादन इस संदर्भ में सही नहीं है।

303. 'आरोह' का विलोम है—

- (a) अवरोह (b) रोह
(c) प्रवाह (d) अवसान

U.P.P.C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आरोह' का विलोम 'अवरोह' है, जबकि 'अवसान' का अर्थ 'मृत्यु' है। इसके अतिरिक्त अन्य विकल्प दूसरे भावों को व्यक्त करते हैं।

304. 'अवरोह' का विलोम है—

- (a) ऊर्ध्वाधर (b) क्षैतिज
(c) आरोह (d) उच्च

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अवरोह' का विलोम 'आरोह' है, जबकि 'ऊर्ध्वाधर', 'क्षैतिज' का विलोम है। 'निम्न' का विलोम 'उच्च' होता है।

305. आघात का विलोम शब्द है—

- (a) संघात (b) उद्घात
(c) प्रतिघात (d) बलाघात

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आघात' का विलोम 'प्रतिघात' होता है।

306. 'संघटन' का विलोम है—

- (a) संश्लेषण (b) विघटन
(c) संगठन (d) स्वार्थ

U.P.P.C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'संघटन' का विलोम 'विघटन' है, जबकि 'विश्लेषण' का विलोम 'संश्लेषण' तथा 'परमार्थ' का विलोम 'स्वार्थ' है।

307. 'सत्याग्रह' का विलोम है—

- (a) आग्रह (b) विग्रह
(c) दुराग्रह (d) संग्रह

U.P.P.C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'सत्याग्रह' का विलोम 'दुराग्रह' है, 'मिथ्याग्रह' भी 'सत्याग्रह' का विलोम है, जबकि 'आग्रह', 'विग्रह' एवं 'संग्रह' इस प्रश्न के लिए उचित उत्तर नहीं हैं।

308. 'संकल्प' का विलोम है—

- (a) विकल्प (b) स्वल्प
(c) अनिवार्य (d) प्रतिज्ञा

U.P.P.C.S. (Mains), 2002, 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'संकल्प' का विलोम 'विकल्प' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

309. 'सहयोगी' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) प्रतियोगी (b) प्रतिद्वन्द्वी
(c) प्रतिरोधी (d) प्रतिकूल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सहयोगी' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'प्रतियोगी' है। 'प्रतिकूल' का विलोम 'अनुकूल' होता है।

310. 'दृश्य' का विलोम है—

- (a) पश्य (b) सदृश्य
(c) अदृश्य (d) परिदृश्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(c)

व्याख्या—'दृश्य' का विलोम 'अदृश्य' है। शेष विकल्प इससे साम्य नहीं रखते हैं।

311. 'क्षणिक' का सही विलोम शब्द है—

- (a) अल्प (b) शाश्वत
(c) क्षर (d) विमुख

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2016, 2001

उत्तर—(b)

व्याख्या—'क्षणिक' का सही विलोम 'शाश्वत' है। अल्प, क्षर तथा विमुख का विलोम क्रमशः अति, अक्षर तथा उन्मुख है।

312. 'असीम' का विलोम है—

- (a) ससीम (b) सीम
(c) सुसीम (d) संकुचित

U.P.P.C.S. (Mains), 2000

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—'असीम' का विलोम 'ससीम' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित प्रतीत नहीं होते हैं।

313. 'निद्रा' का विलोम है—

- (a) शयन (b) मूर्च्छित
(c) अनिद्रा (d) मौन

U.P.P.C.S. (Mains), 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—'निद्रा' का विलोम 'अनिद्रा' है। इसका विलोम 'जागरण' भी हो सकता है। 'शयन', 'निद्रा' का समानार्थी है, जबकि 'मूर्च्छित' और 'मौन' अलग अर्थ प्रकट करते हैं।

314. 'तेजस्वी' का विलोम है—

- (a) अतेजवान (b) कांतियुक्त
(c) प्रकाशवान (d) निस्तेज

U.P.P.C.S. (Mains), 2016, 2000

उत्तर—(d)

व्याख्या—'तेजस्वी' का विलोम 'निस्तेज' होता है। 'कांतियुक्त', 'तेजवान' का समानार्थी है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

315. 'ज्येष्ठ' का विलोम है—

- (a) अग्रज (b) अनुज
(c) कनिष्ठ (d) अरिष्ठ

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 1989, 1997, 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—'ज्येष्ठ' का विलोम 'कनिष्ठ' होगा। 'अग्रज', 'अनुज' का विलोम है। 'अरिष्ठ' इसके लिए उपयुक्त शब्द नहीं है।

316. 'कनिष्ठ' का विलोम है—

- (a) ज्येष्ठ (b) अनुज
(c) निष्ठ (d) अनिष्ठ

U.P.P.C.S. (Mains), 1999

U.P.A.P.O. (Mains), 2002, 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

317. 'शुष्क' का विलोम है—

- (a) आर्द्र (b) उष्ण
(c) रेगिस्तान (d) ठण्डा

U.P.P.C.S. (Mains), 2000, 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—'शुष्क' का विलोम 'आर्द्र' है। 'उष्ण', 'शीत' का विलोम है, जबकि 'ठण्डा', 'गर्म' का विलोम है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं।

318. 'आर्द्र' का विलोम क्या है?

- (a) अनार्द्र (b) नम
(c) गीला (d) शीतल

U.P.P.C.S. (Mains), 1989, 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आर्द्र' का विलोम 'अनार्द्र' है। इसका विलोम 'शुष्क' भी होता है। 'नम' एवं 'सजल', 'आर्द्र' के पर्यायवाची शब्द हैं।

319. 'श्रोता' का विलोम है—

- (a) वक्ता (b) श्रवण
(c) वाचाल (d) बधिर

U.P.P.C.S. (Mains), 2000

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘श्रोता’ का विलोम ‘वक्ता’ है। ‘वाचाल’, ‘मूक’ का विलोम है। शेष विकल्प इस संदर्भ में उचित प्रतीत नहीं होते हैं।

320. ‘उत्थान’ का विलोम है—

- (a) पाताल (b) पतन
(c) उन्नति (d) निम्न

U.P.P.C.S. (Mains), 1997, 1998

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘उत्थान’ का विलोम ‘पतन’ है। ‘पाताल’, ‘आकाश’ का विलोम है, जबकि ‘उन्नति’, ‘अवनति’ का तथा ‘निम्न’, ‘उच्च’ का विलोम है।

321. ‘मानवीय’ का विलोम बताइये—

- (a) मानुष (b) मानव
(c) अमानवीय (d) अमानवता

U.P.P.C.S. (Mains), 1997, 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘मानवीय’ का विलोम ‘अमानवीय’ होगा। ‘मानुष’ एवं ‘मानव’ एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं, जबकि ‘अमानवता’, ‘मानवता’ का विलोम है।

322. ‘चेतन’ का विलोम बताइये—

- (a) निचेतन (b) निकेतन
(c) अचेतन (d) सचेतन

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘चेतन’ का विलोम ‘अचेतन’ होता है। इसका विलोम ‘जड़’ भी होता है। ‘निकेतन’, ‘घर’ का पर्यायवाची है, जबकि ‘सचेतन’ का अर्थ ‘चेतना सहित’ होता है।

323. ‘आकर्षण’ का विलोम है—

- (a) विशेषण (b) संकर्षण
(c) विकर्षण (d) संरक्षण

U.P.P.C.S. (Mains), 2016, 1996, 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘आकर्षण’ का विलोम ‘विकर्षण’ होगा। शेष विकल्प उचित प्रतीत नहीं होते हैं।

324. ‘उपमान’ का विलोम है—

- (a) अपमान (b) मान
(c) समान (d) उपमेय

U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘उपमान’ का विलोम ‘उपमेय’ है। ‘मान’ का विलोम ‘अपमान’ और ‘समान’ का विलोम ‘असमान’ होता है।

325. ‘अनुनासिक’ का विलोम है—

- (a) निरनुनासिक (b) नासिक
(c) सामासिक (d) ऐतिहासिक

U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अनुनासिक’ का विलोम ‘निरनुनासिक’ है। ‘ऐतिहासिक’ का विलोम ‘अनैतिहासिक’ है। अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

326. ‘पुरस्कार’ का विलोम बताइये—

- (a) आशीर्वाद (b) दण्ड
(c) कृपा (d) साधुवाद

U.P.P.C.S. (Mains), 1998, 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पुरस्कार’ का विलोम ‘दण्ड’ है। ‘आशीर्वाद’ का विलोम ‘अभिशाप’ होता है। ‘कोप’ का विलोम ‘कृपा’ है, जबकि शेष विकल्प इस संदर्भ में सत्य नहीं हैं।

327. ‘मग्न’ का विलोम है—

- (a) खुश (b) प्रसन्न
(c) दुःख (d) दुःखी

U.P.P.C.S. (Mains), 1997

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मग्न’ का विलोम ‘दुःखी’ है। ‘प्रसन्न’ तथा ‘खुश’, ‘मग्न’ के पर्यायवाची हैं, जबकि ‘दुःख’, ‘सुख’ का विलोम है।

328. ‘उपमेय’ का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) अनुपमेय (b) अतुलनीय
(c) अनुपम (d) अनुपमित

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 1997

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘उपमेय’ का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द ‘अनुपमेय’ है। ‘अतुलनीय’ का विपरीतार्थक शब्द ‘तुलनीय’ तथा ‘अनुपमित’, ‘उपमित’ का विपरीतार्थक शब्द है।

329. ‘कीर्ति’ का विलोम है—

- (a) सुकीर्ति (b) अकीर्ति
(c) उपकीर्ति (d) अपकीर्ति

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 2015

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कीर्ति’ का विलोम ‘अपकीर्ति’ है। शेष विकल्प प्रश्न के अनुरूप उत्तर प्रकट नहीं करते हैं।

330. ‘तुच्छ’ का विलोम है—

- (a) कायर (b) साहसी
(c) महान् (d) क्षुद्र

U.P.P.C.S. (Mains), 1996

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘तुच्छ’ का विलोम ‘महान्’ है, जबकि ‘कायर’, ‘साहसी’ का विलोम है। ‘क्षुद्र’ शब्द का विलोम विराट्, विशाल तथा महान् होता है।

331. ‘नश्वर’ शब्द का विलोम है—

- (a) नित्य (b) स्थायी
(c) शाश्वत (d) अमर

Uttarakhand P.C.S. (Pre), 2012

U.P.P.C.S. (Mains), 1996

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘नश्वर’ का विलोम ‘शाश्वत’ होता है। ‘नित्य’ का विलोम ‘अनित्य’ तथा ‘स्थायी’ का विलोम ‘अस्थायी’ होता है, जबकि ‘अमर’, ‘मर्त्य’ का विलोम है।

332. ‘चिरन्तन’ का सही विलोम शब्द है—

- (a) नश्वर (b) अचिन्तन
(c) अचर (d) अचेतन

U.P. P.C.S. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘चिरन्तन’ का सही विलोम ‘नश्वर’ है। अचिन्तन का विलोम ‘चिन्तन’ तथा ‘अचर’ का विलोम ‘चर’ होता है। ‘अचेतन’ का विलोम ‘चेतन’ होता है।

333. ‘चिरन्तन’ शब्द का विलोम लिखिए।

- (a) चिन्ता करने वाला (b) चिन्ता नहीं करने वाला
(c) नश्वर (d) चिता

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

334. ‘विस्तृत’ का विलोम है—

- (a) संस्तृत (b) स्तुति
(c) संक्षिप्त (d) संयुत

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘विस्तृत’ का विलोम ‘संक्षिप्त’ होगा, जबकि ‘स्तुति’, ‘निन्दा’ का विलोम है। ‘संयुत’, ‘व्युत’ का विलोम है।

335. ‘विशिष्ट’ का विलोम है—

- (a) सामान्य (b) शिष्ट
(c) अशिष्ट (d) कनिष्ठ

U.P.P.C.S. (Mains), 1996, 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘विशिष्ट’ का विलोम ‘सामान्य’ है। इसका विलोम ‘साधारण’ भी हो सकता है। ‘शिष्ट’ का विलोम ‘अशिष्ट’ तथा ‘ज्येष्ठ’ का विलोम ‘कनिष्ठ’ होता है।

336. ‘निर्मल’ का विलोम है—

- (a) पवित्र (b) पावन
(c) मलिन (d) निर्झर

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘निर्मल’ का विलोम ‘मलिन’ है, जबकि ‘पवित्र’, ‘पावन’ का पर्यायवाची है। ‘निर्झर’, ‘झर’ परस्पर समानार्थी शब्द हैं।

337. निम्नलिखित में से कौन-सा ‘कृपा’ का विलोम है?

- (a) कोप (b) आशीर्वाद
(c) कष्ट (d) आशीष

U.P.P.C.S. (Mains), 1988

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘कृपा’ का विलोम ‘कोप’ होगा। कोप के अन्य पर्याय ‘अमर्ष’, ‘असूया’, ‘आक्रोश’, ताप, संताप, क्षोभ एवं रुष्टि इत्यादि हैं।

338. ‘स्थूल’ का विलोम है—

- (a) प्रतिकूल (b) अनुकूल
(c) सूक्ष्म (d) भीमकाय

U.P.P.C.S. (Mains), 1988

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘स्थूल’ का विलोम ‘सूक्ष्म’ होगा। ‘प्रतिकूल’, ‘अनुकूल’ का विलोम है, जबकि ‘भीमकाय’, ‘स्थूल’ का पर्यायवाची है।

339. ‘जारज’ का विलोम है—

- (a) सजारज
(b) औरस
(c) प्रदत्त
(d) दत्तक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जारज’ का विलोम ‘औरस’ है तथा ‘प्रदत्त’ का विलोम ‘लब्ध’ होता है। ‘दत्तक’, ‘जारज’ का पर्यायवाची है।

340. 'स्वर्ग' का विलोम है—

- (a) नरक (b) मृत्युलोक
(c) पृथ्वीलोक (d) अमर

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'स्वर्ग' का विलोम 'नरक' होता है। 'मृत्युलोक' एवं 'पृथ्वीलोक' समानार्थी हैं। 'अमर' का अर्थ है— 'जिसकी मृत्यु न हो'।

341. 'अति' का विलोम है—

- (a) न्यून (b) बहुत
(c) अल्प (d) अधिक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अति' का विलोम 'अल्प' है। 'अधिक' का विलोम 'न्यून' है, जबकि 'बहुत' का अर्थ 'ढेर सारा' है।

342. 'ग्रहण' का विलोम है—

- (a) समर्पण (b) अर्पण
(c) संग्रहण (d) परिग्रहण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ग्रहण' का विलोम 'अर्पण' है, जबकि अन्य विकल्प भिन्न अर्थ प्रकट करते हैं।

343. निम्नलिखित में से 'सरल' का विलोम शब्द नहीं है—

- (a) विरल (b) कुटिल
(c) कठिन (d) वक्र

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सरल' का विलोम 'कुटिल', 'कठिन' तथा 'वक्र' होता है, जबकि 'विरल' का विलोम 'सघन' होता है।

344. 'जटिल' का विलोम शब्द है—

- (a) सरल (b) कुटिल
(c) सहज (d) अजटिल

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जटिल' का विलोम 'सरल' है। 'कुटिल' तथा 'जटिल' समानार्थी शब्द हैं। 'सहज', 'असहज' का विलोम है।

345. 'यश' का विलोम है—

- (a) प्रशंसा (b) विजय
(c) अपयश (d) सुयश

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'यश' का विलोम 'अपयश' है। अन्य विकल्प दूसरे अर्थ को प्रकट करते हैं।

346. 'संश्लेषण' का विलोम है—

- (a) विश्लेषण (b) विशेषण
(c) संकर्षण (d) रोषण

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—'संश्लेषण' का विलोम 'विश्लेषण' होता है। विशेषण किसी वस्तु अथवा व्यक्ति की विशेषता बताता है। 'संकर्षण' एवं 'रोषण' अलग अर्थ प्रकट करते हैं।

347. 'विश्लेषण' का विलोम है—

- (a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) संश्लेषण (d) वरण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'विश्लेषण' का विलोम 'संश्लेषण' है, जबकि शेष विकल्प अन्य अर्थ को प्रकट करते हैं।

348. 'तमस' का विलोम है—

- (a) प्रकाशमय (b) ज्योतिर्मय
(c) अंधकारमय (d) आनंदमय

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'तमस' का विलोम 'ज्योतिर्मय' होता है। 'प्रकाशमय', 'अंधकारमय' का विलोम है। 'आनंदमय' का अर्थ 'प्रसन्नता का होना' है।

349. 'अनिवार्य' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) निवारणीय (b) ऐच्छिक
(c) अनावश्यक (d) आवश्यक

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

U.P.P.C.S. (Mains), 1988

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अनिवार्य' का विपरीतार्थक शब्द 'ऐच्छिक' होता है। 'आवश्यक' एवं 'अनावश्यक' परस्पर विलोम हैं।

350. 'अमावस्या' का विलोम है—

- (a) पूर्णिमा (b) प्रदोष
(c) शुक्ल (d) कृष्ण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अमावस्या' का विलोम 'पूर्णिमा' है, जबकि 'शुक्ल' का विलोम 'कृष्ण' है। 'प्रदोष' भिन्न अर्थ प्रकट करता है।

351. 'अंतरंग' का विलोम है—

- (a) अभ्यंतर (b) तरंग
(c) बहिरंग (d) अनंतर

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998, 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अंतरंग' का विलोम 'बहिरंग' है, जबकि शेष विकल्प अन्य अर्थ प्रकट करते हैं।

352. 'बहिरंग' का विलोम शब्द है—

- (a) सर्वाङ्ग (b) अंतरंग
(c) चतुरंग (d) अभ्यङ्ग

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'बहिरंग' का विलोम 'अंतरंग' होता है।

353. 'छली' का विलोम है—

- (a) बली (b) निश्छल
(c) धूर्त (d) चालाक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—'छली' का विलोम 'निश्छल' है। 'धूर्त' एवं 'चालाक' लगभग एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं। 'बली' का अर्थ 'बलवान' से है।

354. 'भोगी' का विलोम है—

- (a) अभागा (b) भाग्यवान
(c) योगी (d) कष्टप्रद

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(c)

व्याख्या—'भोगी' का विलोम 'योगी' है। 'भोगी' के विपरीतार्थक शब्द के रूप में 'त्यागी' भी प्रयुक्त होता है। शेष विकल्प इस संदर्भ में अग्राह्य हैं।

355. 'योगी' का विपरीतार्थक शब्द है—

- (a) रोगी (b) निरोगी
(c) जोगी (d) भोगी

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—'योगी' का विपरीतार्थक 'भोगी' होता है। 'रोगी' तथा 'निरोगी' परस्पर विलोम हैं। 'जोगी' शब्द 'योगी' का तद्भव रूप है, इस प्रकार यह समानार्थी है।

356. 'ऐश्वर्य' का विलोम है—

- (a) ईश्वर (b) दैत्य
(c) देव (d) अनैश्वर्य

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(d)

व्याख्या—'ऐश्वर्य' का विलोम 'अनैश्वर्य' होता है। 'दैत्य', 'देव' का विलोम है। 'ईश्वर', 'देव' का पर्यायवाची है।

357. 'भौतिक' का विलोम है—

- (a) धार्मिक (b) आध्यात्मिक
(c) शारीरिक (d) मानसिक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'भौतिक' का विलोम 'आध्यात्मिक' है। इसका विलोम 'अभौतिक' भी हो सकता है। 'धार्मिक' का विलोम 'अधार्मिक' है, जबकि 'शारीरिक' एवं 'मानसिक' अन्य अर्थ व्यक्त करते हैं।

358. 'भौतिक' का विलोम शब्द है?

- (a) आध्यात्मिक (b) दार्शनिक
(c) सांस्कृतिक (d) राजनीतिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

359. 'जागृति' का विलोम है—

- (a) शयन (b) सुषुप्ति
(c) जागरण (d) विश्राम

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जागृति' का विलोम 'सुषुप्ति' है। 'शयन' का विलोम 'जागरण' है, जबकि 'विश्राम', 'सावधान' का 'परिश्रम' का विलोम है।

360. 'राग' का विलोम है—

- (a) अनुराग (b) विकार
(c) द्वेष (d) ईर्ष्या

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘राग’ का विलोम ‘द्वेष’ है। ‘विकार’ का विलोम ‘अविकार’ है, जबकि ईर्ष्या शब्द ‘किंसी से जलन’ के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।

361. ‘करुण’ का विलोम है—

- (a) दयालु (b) निर्दय
(c) दयावान (d) निष्ठुर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘करुण’ का विलोम ‘निष्ठुर’ है। ‘दयालु’ एवं ‘दयावान’ का एक ही अर्थ है। ‘निर्दय’ का विलोम ‘सदय’ होगा।

362. ‘निष्काम’ का विलोम है—

- (a) सकाम (b) अकाम
(c) दुष्काम (d) निकाम

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘निष्काम’ का विलोम ‘सकाम’ है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में उचित नहीं हैं।

363. ‘उत्तम’ का विलोम है—

- (a) अधम (b) सम्मत
(c) सर्वोत्तम (d) विस्मृत

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘उत्तम’ का विलोम ‘अधम’ है। इसका एक अन्य विलोम ‘अनुत्तम’ भी हो सकता है। अन्य विकल्प इस संदर्भ में ग्राह्य नहीं हैं।

364. ‘महान’ का विलोम है—

- (a) तुच्छ (b) छोटा
(c) कायर (d) क्षुद्र

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘महान’ का विलोम ‘तुच्छ’ होता है। ‘छोटा’ का विलोम बड़ा, ‘कायर’ का विलोम साहसी तथा ‘क्षुद्र’ का विलोम ‘विराट’ होता है।

365. ‘दुःखी’ का विलोम है—

- (a) मग्न (b) प्रसन्नता
(c) रुग्ण (d) सुखी

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘दुःखी’ का विलोम ‘सुखी’ है। ‘प्रसन्नता’ तथा ‘मग्न’ एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं। ‘रुग्ण’ का अर्थ ‘रोगी’ होता है।

366. ‘विवेकी’ का विलोम है—

- (a) स्वविवेकी (b) अनविवेकी
(c) अविवेकी (d) निर्विवेकी

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘विवेकी’ का विलोम ‘अविवेकी’ होगा। शेष विकल्प इस संदर्भ में ग्राह्य नहीं हैं।

367. कर्मण्य का विलोम है—

- (a) कर्मठ (b) अकर्मठ
(c) अकर्मण्य (d) अकर्म

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘कर्मण्य’ का विलोम ‘अकर्मण्य’ होता है। ‘कर्मठ’ तथा ‘अकर्मठ’ परस्पर विलोम हैं।

368. गणतन्त्र का विलोम है—

- (a) परतन्त्र (b) स्वतन्त्र
(c) जनतन्त्र (d) राजतन्त्र

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘गणतन्त्र’ का विलोम ‘राजतन्त्र’ होता है। ‘परतन्त्र’ तथा ‘स्वतन्त्र’ परस्पर विलोम हैं।

369. ‘परतन्त्र’ का विलोम है—

- (a) बंदी (b) स्वतन्त्र
(c) यायावर (d) घुमक्कड़

U.P.A.P.O. (Mains), 2006, 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

370. ‘उपकार’ शब्द का विलोम है—

- (a) विकार (b) अनुपकार
(c) अपकार (d) तिरस्कार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.A.P.O. (Mains), 1997, 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘उपकार’ शब्द का विलोम ‘अपकार’ होता है, जबकि ‘तिरस्कार’ का विलोम ‘सत्कार’ तथा ‘विकार’ का विलोम ‘अविकार’ होगा। ‘अनुपकार’, ‘अपकार’ का समानार्थी है।

371. 'आस्तिक' का विलोम है—

- (a) सात्विक (b) आध्यात्मिक
(c) नास्तिक (d) धार्मिक

U.P.A.P.O. (Mains), 1988, 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आस्तिक' का विलोम 'नास्तिक' है। 'सात्विक', 'आध्यात्मिक' तथा 'धार्मिक' भिन्न अर्थ व्यक्त करते हैं।

372. 'धवल' का विलोम है—

- (a) स्वच्छ (b) श्वेत
(c) मलिन (d) निर्जल

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'धवल' का विलोम 'मलिन' है। 'स्वच्छ' का अर्थ 'साफ' होता है, जो 'धवल' का समानार्थी है। 'श्वेत' का अर्थ 'सफेद' होता है, जबकि 'निर्जल', 'सजल' का विलोम होता है।

373. 'जंगम' का विलोम शब्द है—

- (a) अगम (b) दुर्गम
(c) स्थावर (d) चंचल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जंगम' एवं 'स्थावर' परस्पर विलोम हैं। 'दुर्गम' एवं 'अगम' एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं, जिसका विलोम 'सुगम' होता है। 'चंचल' का विलोम 'स्थिर' अथवा 'एकाग्र' भी होता है।

374. 'स्थावर' का विलोम शब्द है—

- (a) सचल (b) चंचल
(c) चेतन (d) जंगम

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

U.P.P.C.S. (Mains), 2009

U.P.A.P.O. (Mains), 1982, 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

375. 'अधम' का विलोम है—

- (a) धर्म (b) धम
(c) उत्तम (d) महत्तम

U.P.P.C.S. (Mains), 2018, 1996

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अधम' का विलोम 'उत्तम' होगा। 'धर्म', 'अधर्म' का विलोम है, जबकि 'महत्तम', 'लघुत्तम' का विलोम है।

376. 'दानव' का विलोम है—

- (a) राक्षस (b) मानव
(c) दैत्य (d) शत्रु

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(b)

व्याख्या—'दानव' का विलोम 'मानव' है। 'राक्षस' एवं 'दैत्य' एक ही अर्थ को प्रकट करते हैं।

377. 'अधोगामी' का विलोम है—

- (a) ऊपरिगामी (b) ऊर्ध्वगामी
(c) निम्नगामी (d) शीर्षगामी

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अधोगामी' का विलोम 'ऊर्ध्वगामी' होता है। अन्य विकल्प यथोचित उत्तर प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं।

378. 'आदान' का विलोम है—

- (a) अवदान (b) अनुदान
(c) प्रदान (d) प्रावधान

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आदान' और 'प्रदान' परस्पर विलोम हैं। अन्य विकल्प दूसरे अर्थ प्रकट करते हैं।

379. 'प्रदान' का विलोम है—

- (a) प्रधान (b) आदान
(c) उपादान (d) समाधान

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

380. 'अनुकूल' का विलोम है—

- (a) सकूल (b) प्रतिकूल
(c) मनोकूल (d) अकूल

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अनुकूल' का विलोम 'प्रतिकूल' है। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

381. 'अनंत' का विलोम है—

- (a) नत (b) अंत
(c) शांत (d) स्वतन्त्र

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

U.P.P.C.S. (Mains), 1999, 2005, 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अनंत' का विलोम 'अंत' होता है। 'स्वतन्त्र', 'परतन्त्र' का विलोम है। 'अनंत' का विलोम 'ससीम' तथा 'सांत' भी होता है, किंतु 'शांत' नहीं।

382. 'अगम' का विलोम है—

- (a) दुर्गम (b) सुगम
(c) गमन (d) सगम

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अगम' का विलोम 'सुगम' होता है। 'दुर्गम' एवं 'अगम' एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। 'सगम' एवं 'गमन' अन्य अर्थों को प्रकट करते हैं।

383. 'उत्तीर्ण' का विलोम है—

- (a) तीक्ष्ण (b) विकीर्ण
(c) अनुत्तीर्ण (d) अवत्तीर्ण

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'उत्तीर्ण' का विलोम 'अनुत्तीर्ण' होता है। शेष विकल्प अन्य अर्थों को व्यक्त करते हैं।

384. 'उदय' का विलोम है—

- (a) अस्त (b) अनुदित
(c) सर्वोदय (d) अनिष्ट

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'उदय' का विलोम 'अस्त' होता है। 'सर्वोदय' का अर्थ 'सबकी भलाई' है, जबकि 'अनुदित' एवं 'अनिष्ट' अन्य अर्थ प्रकट करते हैं।

385. 'अमृत' का विलोम है—

- (a) अमी (b) अमिय
(c) विष (d) मृत

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'अमृत' का विलोम 'विष' है। 'अमी' तथा 'अमिय' 'अमृत' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'मृत' का विलोम 'जीवित' होता है।

386. 'इहलोक' का विलोम है—

- (a) दैत्यलोक (b) परलोक
(c) स्वलोक (d) देवलोक

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'इहलोक' का विलोम 'परलोक' है। शेष विकल्प इस संदर्भ में असंगत हैं।

387. 'कठोर' का विलोम है—

- (a) कड़ा (b) कोमल
(c) वज्र (d) गरम

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'कठोर' का विलोम 'कोमल' है। इसका विलोम 'मृदु' भी हो सकता है। 'कड़ा' एवं 'वज्र', 'कठोर' के पर्यायवाची हैं।

388. 'न्यून' शब्द का विलोम है—

- (a) अधिक (b) नवीन
(c) नवनीत (d) नगर

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'न्यून' का विलोम 'अधिक' होता है। 'नवीन', 'प्राचीन' का विलोम है, जबकि 'ग्राम (गांव)' का विलोम 'नगर' होता है। 'नवनीत' का अर्थ 'मक्खन' होता है।

389. 'प्रस्थान' का विलोम है—

- (a) गमन (b) स्थान
(c) आगमन (d) प्रतिस्थापन

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'प्रस्थान' का विलोम 'आगमन' है, जबकि 'गमन' एवं 'प्रस्थान' एक ही अर्थ को प्रकट करते हैं। 'स्थान' एवं 'प्रतिस्थापन' इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

390. 'स्पष्ट' का विलोम है—

- (a) साधारण (b) स्वच्छ
(c) अस्पष्ट (d) उचित

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'स्पष्ट' का विलोम 'अस्पष्ट' है, जबकि 'साधारण', 'विशेष' का विलोम है। 'अनुचित' का विलोम 'उचित' तथा 'मलिन' का विलोम 'स्वच्छ' अथवा 'धवल' है।

391. 'श्याम' का विलोम है—

- (a) कृष्ण (b) काला
(c) श्वेत (d) राम

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'श्याम' का विलोम 'श्वेत' है। 'कृष्ण' का विलोम 'शुक्ल' होता है। 'काला', 'सफेद' का विलोम है।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

पूर्वावलोकन में प्रस्तुत परीक्षा-प्रश्नों के रुझानों के अनुरूप विलोम शब्दों का कोश यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है।

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अल्प	बहु / प्रचुर/महा/अति/दीर्घ	अनुकूल	प्रतिकूल	आग	पानी
अमर	मर्त्य	अपेक्षा	उपेक्षा	आधा	पूरा
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक	अधूरा	पूरा	आर्य	अनार्य
अंत	आदि/अनंत	अमीर	गरीब	आवर्तक	अनावर्तक
अनुज	अग्रज	अघोष	सघोष (घोष)	आस्तिक	नास्तिक
अंतरंग	बहिरंग	अलभ्य	लभ्य/प्राप्य	आदरणीय	अनादरणीय
अनित्य	नित्य	अकर्मक	सकर्मक	आक्रमण	प्रतिरक्षा
अदृश्य	दृश्य	अवर	प्रवर	आरुढ़	अनारुढ़
अल्पज्ञ	बहुज्ञ	असूया	अनसूया	आडम्बर	सादगी
असीम	ससीम	अनुरूप	प्रतिरूप	आलसी	कर्मण्य/कर्मठ
अभिमानी	निरभिमानी	अवशेष	निःशेष	आदृत	अनादृत
अंतर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व	अकाल	सुकाल	आदर	अनादर
अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	अरुचि	सुरुचि	आत्मविश्वास	आत्मसंशय
अतिथि	आतिथेय	अनुराग	विराग	आकाश	पाताल
अधम	उत्तम	अँधेरा	उजाला	आगामी	प्रगामी
अध्यवसाय	अनध्यवसाय	अवेक्षा	अनवेक्षा	आग्रह	दुराग्रह
अधोमुखी	ऊर्ध्वमुखी	अस्तित्व	अनस्तित्व	आस्था	अनास्था
अधोगामी	ऊर्ध्वगामी	अर्श	फर्श	आविर्भाव	तिरोभाव
अनुरक्ति	विरक्ति	अंतिक	दूरांतिक	आहत	अनाहत
अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अहंकार	अनहंकार	आलोक	तमस/तिमिर
अद्यतन	अनद्यतन/पुरातन	अपना	पराया	आहूत	अनाहूत
अधिष्ठित	अनधिष्ठित	अनुरूप	अननुरूप	आरोहण	अवरोहण
अर्जित	अनर्जित	अभिसरण	अपसरण	आक्रमक	आक्रामित
अर्पण	ग्रहण	अपेक्षित	उपेक्षित/अनपेक्षित	आत्मनिर्भर	अनुजीवी/परजीवी
अर्वाचीन	प्राचीन	अनुग्रह	दण्ड/कोप	आकर्षण	विकर्षण/अनाकर्षण/
अल्पकालीन	दीर्घकालीन	आद्य	अन्त्य		प्रतिकर्षण/अपकर्षण
अवरोह	आरोह	आकांक्षा	अनाकांक्षा	आध्यात्मिक	भौतिक/सांसारिक
अवनि	अम्बर	आनन्द	विषाद/शोक	आभ्यन्तर	बाह्य
अल्पायु	विरायु	आविर्भूत	तिरोभूत/तिरोहित	आदिष्ट	निषिद्ध
अनिवार्य	ऐच्छिक/वैकल्पिक/निवार्य	आज्ञा	अवज्ञा	आदान	प्रदान
अघ	अनघ	आप्त	अनाप्त	आधार	आधेय/लम्ब
अनुनासिक	निरनुनासिक	आत्मीय	परकीय	आरंभ	समाप्त
अदोष	सदोष			आजादी	गुलामी

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आय	व्यय	ऊष्मा	शीतलता	कल्पनातीत	कल्पनीय
आर्द्र	शुष्क/अनार्द्र	ऊर्ध्व	अध/अधर	कलियुग	सतयुग
आकीर्ण	विकीर्ण	ऊर्ध्वगामी	अधोगामी	कर्मठ	अकर्मठ
इच्छा	अनिच्छा	ऋजु	वक्र	कर्मठी	आलसी
इच्छित	अनिच्छित/अनचाहा	ऋत	अनृत	कृत्रिम	स्वाभाविक/प्राकृतिक
इष्ट	अनिष्ट	ऋणात्मक	धनात्मक	कालातीत	अनतीत
इंसान	हैवान	ऋद्धि	विपन्न	खण्डन	मंडन
इति	अथ	ऋणग्रस्त	ऋणमुक्त	खरा	खोटा
ईश्वर	जीव/अनीश्वर	एड़ी	चोटी	खिलना	मुरझाना
ईश	अनीश	एकाधिकार	अनेकाधिकार	खगोल	भूगोल
ईशान	नैऋत्य	एकांगी	सर्वांगीण	खेचर	भूचर
ईद	मुहूर्म	एकत्र	विकीर्ण	खास	आम
ईहा	अनीहा	एकश्रुत	बहुश्रुत	गुरु	शिष्य/लघु
ईप्सित	अनीप्सित	एकनिष्ठ	सर्वनिष्ठ	गृहस्थ	ब्रह्मचर्य/संन्यासी
उद्गम	विलय/विलोपन	एषणा	अनैषणा	गत	अगत
उद्यम	आलस्य	ऐक्य	अनैक्य	गद्य	पद्य
उपमेय	अनुपमेय	ऐश्वर्य	अनैश्वर्य	गणतन्त्र	राजतन्त्र
उत्थान	पतन	ऐहिक	पारलौकिक/दैविक	ग्राम्य	नागर
उन्मेष	निमिष/निमेष	ऐतिहासिक	अनैतिहासिक	गरीब	अमीर
उन्मीलन	निमीलन	ओजस्वी	निस्तेज	गुरुत्व	लघुत्व
उन्मत्त	स्थिरचित्त	ओछा	गम्भीर	गूढ़	प्रकट
उत्तर	दक्षिण/निरुत्तर	ओतप्रोत	विहीन	गति	अवरोध
ऊँचा	नीचा	औरस	दत्तक	गृहीत	त्यक्त
उद्विग्न/अनिश्चित	निश्चित	औचित्य	अनौचित्य	ग्रस्त	मुक्त
उत्कर्ष	अपकर्ष	औपचारिक	अनौपचारिक	ग्रथित	विकीर्ण
उपसर्ग	प्रत्यय	औदार्य	अनौदार्य	गुप्त	प्रकट
उपकार	अपकार	कर्कश	कोमल	गौरव	लाघव
उन्मुख	विमुख	कच	अकच	घोष	निर्घोष/अघोष
उद्धत	विनत	कदाचित	निश्चित	घटाना	बढ़ाना
उन्नयन	अवनयन	काला	सफेद	घटक	समुदाय
उर्वर	अनुर्वर/बंजर	क्रोध	क्षमा	घात	प्रतिघात
उद्यमी	निरुद्यम	कीर्ति	अपकीर्ति	घरेलू	बाहरी/वन्य
उदय	अस्त	कृतज्ञ	कृतघ्न	चतुर	मूढ़
उपादेय	अनुपादेय	करुण	निष्ठुर	चोर	साधु
उदार	अनुदार	कृष्ण	शुक्ल	चर्चित	अचर्चित
उत्पत्ति	विनाश	कुलदीप	कुलांगार	चांचल्य	स्थैर्य

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
चटक	मंद	तन्द्रा	जागरण	धवल	श्याम
चंचल	स्थिर/एकाग्र	तुच्छ	महान्	ध्रुव	अस्थिर
च्युत	संयुत	तृष्णा	वितृष्णा/अतृष्णा	धैर्य	अधैर्य
चेतन	अचेतन	तृषा	तृप्ति	धृष्ट	विनीत
चाटुकार	स्वाभिमानी	तीक्ष्ण	कुंठित/मंद	धीरता	अधीरता
चिरंतन	नश्वर	तेजस्वी	निस्तेज	धरा	गगन
छल	निश्छल	तृप्त	अतृप्त	नश्वर	अनश्वर
छादन	प्रकाशन	तर्कपूर्ण	तर्कहीन	निरुजता	रुग्णता
छाया	आतप	तामसिक	सात्विक	नैसर्गिक	कृत्रिम
छिन्न	संलग्न	तर्कानुकूल	नामाकूल	न्यून	अधिक
छद्म	व्यक्त	त्याग	भोग	निर्दोष	सदोष
छौंह	धूप	तप्त	सर्द	निर्माण	विनाश/विध्वंस
जमीन	आसमान	थल	नभ	निर्मल	मलिन
जनयिता	जनयित्री	थोक	फुटकर	नित्य	अनित्य
जूठा	कोरा	दयालु	निर्दयी	निषिद्ध	विहित
जागरण	निद्रा	दानी	कृपण	निर्दय	सदय
जंगम	स्थावर	दीर्घायु	अल्पायु	निर्लज्ज	सलज्ज
जारज	औरस	देह	विदेह	निन्दा	प्रशंसा
जाग्रत्	सुप्त	देय	अदेय	नीरस	सरस
ज्येष्ठ	कनिष्ठ	देन	लेन	नित्य	अनित्य
ज्योति	तम	दाता	सूम	नकद	उधार
ज्योतिर्मय	तमोमय	दास	स्वामी	नर	नारी
ज्वार	भाटा	दिव्य	अदिव्य	नवीन	प्राचीन
जागृति	सुषुप्ति	दुष्प्राप्य	सुप्राप्य	निरामिष	सामिष
जड़	चेतन	दृश्य	अदृश्य	नत	उन्नत
झंकृत	निस्तब्ध	यक्ष	रक्ष	नेकी	बदी
झोपड़ी	महल	यत्र	तत्र	निष्पाप	पापी
टकसाली	सामान्य	यादृश	अन्यादृश	निद्रा	अनिद्रा/जागरण
टीका	भाष्य	युक्ति	अयुक्ति	नूतन	पुरातन
ठोस	तरल	युक्तियुक्त	युक्तिहीन	नख	शिख
ढंग	कुदंग	युद्ध	शांति	नौकर	मालिक
ढाढ़स	त्रास	दोषमोचन	अभिशक्ति	प्राची	प्रतीची
ढीठ	विनम्र	द्वन्द्व	मेल	प्रलय	सृष्टि
ढालू	समतल	देवता	राक्षस	पाश्चात्य	पूर्वीय/पौरात्य
तरुण	वृद्ध	दूर	पास	पुष्ट	क्षीण/अपुष्ट
तन्वी	स्थूल	दिवा	रात्रि	पावन	अपावन

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
पापचेता	पापमुक्त	बुरा	भला	यथार्थ	कल्पित
पृष्ठभाग	अग्रभाग	बर्बर	सभ्य	युयुत्सा	मैत्री
पैना	भोथरा	बहुमत	अल्पमत	योगी	भोगी
पालक	घालक/संहारक	भगवान	शैतान	रुग्ण	स्वस्थ
पुरोगामी	पश्चगामी	भगिनी	भ्राता	राष्ट्रप्रेम	राष्ट्रद्रोह
प्रधान	सहायक/गौण	भय	निर्भय	राजा	रंक
प्रवृत्ति	निवृत्ति	भेद	अभेद	राजतन्त्र	लोकतन्त्र/प्रजातन्त्र
पुरस्कार	दंड	भंजक	योजक	रत	विरत
पराधीन	स्वाधीन	भोक्ता	भुक्त	रचना	ध्वंस
पूर्वकालीन	उत्तरकालीन	भीषण	सौम्य	रिक्त	पूर्ण
प्रकाश	अंधकार	भ्रांत	निर्भ्रांत	राजाभोज	गंगूतेली
प्रोत्साहित	हतोत्साहित	भक्ष्य	अभक्ष्य	राम	रावण
प्रशंसक	निन्दक	भाई	बहन	लजीला	बेशर्म
प्राचीन	अर्वाचीन/नवीन/आधुनिक	भिज्ञ	अनभिज्ञ	लिप्त	निर्लिप्त
पीन	कृश	भूषण	कुभूषण	लोग	लुगाई
पूर्णता	अपूर्णता/अभाव	भौतिक	आध्यात्मिक	लावण्य	माधुर्य
पौष्टिक	अपौष्टिक	मीठा	कड़वा	वंध्या	उर्वरा
पराधीन	स्वाधीन	मूक	वाचाल	वर	वधू
प्रफुल्ल	म्लान	मौन	मुखर	वसंत	पतझड़
प्रशांत	उद्भ्रांत	मोक्ष	बंधन	वांछित	अवांछित
प्रतिकूल	अनुकूल	मनसा	कर्मणा	वांछनीय	अवांछनीय
प्रस्फुटन	मुकुलन	मंथर	क्षिप्र	वादी	प्रतिवादी
पाणि	पाद	मलिन	निर्मल	विजातीय	स्वजाति/स्वजातीय
पौरुषेय	स्त्रैण	मोम	पत्थर	विवाद	निर्विवाद
प्रत्यय	उपसर्ग/विप्रत्यय	मनस्वी	प्रमादी	वरदान	अभिशाप
प्रमत्त	अमत्त	मसृण	रुक्ष	विभव	पराभव
पर्वत	सागर	मनुज	दनुज	विपुल	अल्प
पाप	पुण्य	ममता	निष्ठुरता	विनीत	धृष्ट
पूरब	पश्चिम	मनुष्यता	पशुता	विस्तारण	संक्षेपण
पुष्टि	परिहार	मानव	दानव	विक्षुब्ध	अविक्षुब्ध
प्रमोद	आमोद	मिथ्या	सत्य	विख्यात	कुख्यात
पोषक	शोषक/पोषित	मेहनती	आलसी	विस्मरण	स्मरण
पक्ष	विपक्ष	मानवीय	अमानवीय	विकास	हास
फूल	काँटा	मानवता	नृशंसता/अमानवता	विशाल	क्षुद्र
बंधुत्व	शत्रुत्व	यश	अपयश	विपत्ति	संपत्ति
बाढ़	सूखा	यति	गति	विस्तृत	संक्षिप्त

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
विच्छिन्न	अविच्छिन्न	ह्रस्व	दीर्घ	सरल	कठिन
विज्ञ	अविज्ञ	हार	जीत	सम	विषम
विष	अमृत	हास	रुदन	संकीर्ण	विस्तीर्ण
विशिष्ट	सामान्य	हिंसा	अहिंसा	संशय	निश्चय
विधि	निषेध	हित	अहित	सुकर	दुष्कर
विद्वान्	मूर्ख	स्तुति	निन्दा	सत्	असत्
विशेष	साधारण	स्पर्धा	सहयोग	सजल	निर्जल
वैमनस्य	सौमनस्य	स्वामी	दास	सत्कार	तिरस्कार
व्यष्टि	समष्टि	स्वजाति	विजाति	सापेक्ष	निरपेक्ष
शेर	बकरी/गीदड़	स्वार्थी	परमार्थी	साधर्म्य	वैधर्म्य
शुष्क	आर्द्र	स्थूल	सूक्ष्म	सुधार	बिगाड़
शब्द	निःशब्द	सघन	विरल	सुप्रबंध	कुप्रबंध
शामित	उत्तेजित	सप्राण	निष्प्राण	सुशील	दुश्शील
शयन	जागरण	सवाल	जवाब	स्वर्ग	नरक
शक्ति	क्षीणता	साम्य	वैषम्य	स्वकीया	परकीया
शापित	शापमुक्त	सर्वांग	विकलांग	संगठित	विघटित
शालीन	धृष्ट	सदेह	विदेह	सरस	नीरस
शिखर	तल/घाटी	सांग	अपांग	संग	निस्संग
शिख	नख	सौर्य	चांद्र	सहमत	असहमत
शिव	अशिव	सामीप्य	पार्थक्य	संकल्प	विकल्प
शिलष्ट	अशिलष्ट	स्वजन	परजन	संघटन	विघटन
श्लाघा	निन्दा	स्याह	सफेद	सदाचार	दुराचार
श्लील	अश्लील	साधार	निराधार	स्वर	व्यंजन
श्यामा	गौरी	संगत	असंगत	संयोग	वियोग
श्यामल	गौर	सानुग	निरनुग	साधु	असाधु
शीत/शीतल	ग्रीष्म/उष्ण	सिद्ध	साधक	समूल	निर्मूल
श्वास	उच्छ्वास	संपद	विपद	सहयोगी	प्रतियोगी/विरोधी
शिथिल	वृद्ध	सुकृति	कुकृति	स्वार्थ	निःस्वार्थ/परमार्थ
शुभ	अशुभ	सौम्य	उग्र	श्रीगणेश	इतिश्री
शोभन	अशोभन	सृष्टि	प्रलय	श्रीधर	श्रीहत्/श्रीहीन
हत	अहत	सुदूर	सन्निकट	श्रोता	वक्ता
हस्ती	नेस्ती	सुधा	गरल	श्रव्य	अश्रव्य
हाथी	चींटी	सृजन	विनाश/संहार	श्रद्धा	घृणा/अश्रद्धा
हर्ष	विषाद	सामिष	निरामिष	क्षमा	दंड
हरा	सूखा	संश्लिष्ट	विश्लिष्ट	क्षणिक	शाश्वत्
		सुमति	कुमति	त्रिकुटी	भृकुटी
				ज्ञात	अज्ञात

Download All Subject Free PDF



General Knowledge



Child Development and Pedagogy



Current Affairs



History



Maths



Geography



Reasoning



Economics



Science



Polity



Computer



Environment



General Hindi



MP GK



General English



UP GK

Join Our Best Course

GK Trick By
Nitin Gupta

Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें



GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- ✓ Best PDF Notes For All Exams
- ✓ Best Test Series For All Exams
- ✓ Daily Current Affairs PDF
- ✓ सभी Course बहुत ही कम Price पर
- ✓ सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा



2. वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि

अ. वाक्य शुद्धि

● मार्गदर्शिका

मानव समाज अपनी सम्प्रेषण शक्ति 'भाषा' के कारण ही विशिष्ट बना हुआ है। भाषा जितनी सरल हो, उतनी अच्छी मानी जाती है। सरल भाषा द्वारा भावों को अभिव्यक्त करना एक कला है।

भाषा के तहत वाक्य वह पद समूह होता है, जो मनुष्य के विचारों को पूर्णतः प्रकट करता है। अतः इसकी शुद्धता का विशेष महत्त्व है।

सिविल सेवा परीक्षा में यह खण्ड बहुत ही अंकदायी रहा है। इस खण्ड से संघ लोक सेवा आयोग से लेकर विभिन्न प्रांतीय लोक सेवा आयोगों की परीक्षाओं में प्रश्न पूछे जाते हैं। अतः यह खण्ड विशेष महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।

त्रुटियाँ कई प्रकार से वाक्यों में समाहित होती हैं; जैसे— संज्ञा सम्बन्धी (लिंग, वचन और कारक सहित), सर्वनाम सम्बन्धी

(उत्तम, मध्यम तथा अन्य पुरुष सहित), विशेषण सम्बन्धी, क्रिया तथा अव्यय सम्बन्धी त्रुटियाँ आदि। इसको केन्द्र में रखकर आगे के खण्डों में परीक्षार्थियों की इस भाग से सम्बन्धित समस्याओं के निवारण का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत खण्ड में व्याख्यात्मक हल भी प्रस्तुत किया गया है।

● पूर्वावलोकन

विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का अवलोकन करने से ज्ञात होता है, कि यदि उन्हें ठीक ढंग से पढ़ लिया जाये, तो अधिकांश प्रश्न वहीं से हल किये जा सकते हैं; इसलिए यहाँ समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी सहित उ.प्र. लोक सेवा आयोग की विभिन्न महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं एवं अन्य आयोगों की परीक्षाओं के साथ संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के प्रामाणिक हल का संकलन भी किया गया है।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. निम्नलिखित वाक्यों में से एक शुद्ध वाक्य है—

- (a) कृपया एक गिलास पानी दीजिए।
- (b) जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वह जा सकते हैं।
- (c) वह सातवें कक्षा में पढ़ता है।
- (d) सरयू नदी का पाट बहुत लम्बा है।

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(a)

‘कृपया एक गिलास पानी दीजिए।’ यह वाक्य शुद्ध है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध वाक्य क्रमशः इस प्रकार हैं— जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं। वह सातवीं कक्षा में पढ़ता है। सरयू का पाट बहुत लम्बा है।

2. शब्द चयन की दृष्टि से इनमें एक शुद्ध वाक्य है—

- (a) रवीन्द्रनाथ टैगोर की कुछ रचनाओं का नागरी भाषा में अनुवाद हुआ है।
- (b) राजा हरिश्चन्द्र के सदृश्य कोई सत्यवादी नहीं हुआ।

(c) पद्य के चौथे भाग को चरण कहते हैं।

(d) रामचन्द्र शुक्ल ने अनेक ग्रन्थों की रचना की।

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

रामचन्द्र शुक्ल ने अनेक ग्रन्थों की रचना की। यह वाक्य शब्द चयन की दृष्टि से शुद्ध है। शेष वाक्य त्रुटिपूर्ण हैं। विकल्प (a) में प्रयुक्त ‘नागरी’ लिपि है, न कि भाषा। विकल्प (b) में ‘सदृश्य’ के स्थान पर ‘समान’ होना चाहिए। विकल्प (c) का वाक्य इस प्रकार होना चाहिए — पद्य के चौथाई भाग को चरण कहते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यदि चौथे भाग को चरण कहें, तो इसका अर्थ यह हुआ कि पहले, दूसरे, तीसरे को कुछ और कहेंगे, जबकि वास्तविकता यह है कि पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा ये चारों ही चरण कहे जाते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों से शुद्ध वाक्य चुनिए—

- (a) चहारदिवारी के पार एक सुन्दर इमारत है।
- (b) उपरोक्त वाक्य का संज्ञान लें।

- (c) शिक्षणोत्तर कर्मचारी आज शाम को एकत्र होंगे।
(d) यह कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) का वाक्य शुद्ध है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं— (a) चहारदीवारी के पार एक सुन्दर इमारत है। (b) उपर्युक्त वाक्य का संज्ञान लें। (c) शिक्षणोत्तर कर्मचारी आज शाम को एकत्र होंगे।

4. 'उसे मृत्यु दण्ड की सजा मिली' प्रस्तुत वाक्य की अशुद्धि स्पष्ट करें—

- (a) संस्कृत के शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(b) विदेशी शब्द 'सजा' का प्रयोग हुआ है।
(c) दण्ड और सजा समानार्थी शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(d) कोई अशुद्धि नहीं है।

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— प्रस्तुत वाक्य में दण्ड और सजा समानार्थी शब्दों का प्रयोग हुआ है।

5. निम्नलिखित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है—

- (a) उसने मुक्तकण्ठ से बड़ाई की।
(b) उसने मुक्तहस्त धन लुटाया।
(c) समस्त प्राणिमात्र का कल्याण करो।
(d) आपकी आयु चालीस वर्ष है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में 'से' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। यहाँ 'से' का प्रयोग नहीं होना चाहिए। विकल्प (c) में 'समस्त' का प्रयोग अनुचित है। विकल्प (d) में 'आयु' के स्थान पर 'अवस्था' होना चाहिए, क्योंकि 'आयु' का प्रयोग सम्पूर्ण जीवनकाल के लिए किया जाता है, जबकि 'उम्र' या 'अवस्था' जीवनकाल का एक अंश है।

6. निम्नलिखित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है—

- (a) उस जंगल में प्रातःकाल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता था।
(b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।
(c) उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की।
(d) तमाम देश भर में यह बात फैल गयी।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) का वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्य अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध रूप क्रमशः इस प्रकार हैं—विकल्प (b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं। विकल्प (c) उन्होंने इस बात पर आपत्ति की। विकल्प (d) देश भर में यह बात फैल गयी।

7. निम्नांकित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है—

- (a) मैं अनेकों बार विदेश गया।
(b) इस हीरे का मूल्य नापा नहीं जा सकता।
(c) बिना टिकट यात्रा दण्डनीय है।
(d) आप केवल इतना ही काम कर दीजिए।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्य अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में अनेकों के स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' स्वयं बहुवचन है। विकल्प (b) में 'नापा' के स्थान पर 'आंका' होना चाहिए, क्योंकि किसी वस्तु के संदर्भ में मूल्य को 'आंका' जाता है, न कि 'नापा' या 'मापा' जाता है। विकल्प (d) में 'केवल' का प्रयोग अनुचित है।

8. निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है—

- (a) गौतम ऋषि की पत्नी का नाम अहल्या था।
(b) इस कार्य में बहुत विलम्ब हो गया।
(c) रसगुल्ला बहुत स्वादिष्ट है।
(d) एक गुलाब की माला खरीद लेना।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) का वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा— गुलाब की एक माला खरीद लेना। इस वाक्य में 'एक गुलाब' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि माला के लिए कई गुलाबों की आवश्यकता पड़ती है, जो एक माला का रूप लेते हैं। अन्य विकल्पों में शुद्ध वाक्य हैं।

9. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।
(b) प्याज तीखा होता है।
(c) आप इतनी देर में क्यों आये?
(d) प्रत्येक श्रमिक को दो रुपये मिले।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) में अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध वाक्य होगा— इस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक है। विकल्प में 'करना' का प्रयोग अनुचित है। अन्य विकल्पों के वाक्य शुद्ध हैं।

10. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है-

- (a) भारत कभी ब्रिटेन के आधीन था।
- (b) निरपराधी व्यक्ति को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।
- (c) बादशाह ने मुक्तहस्त दान दिया।
- (d) उसे पैत्रिक संपत्ति में हिस्सा नहीं मिला।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। अन्य विकल्पों में वर्तनी की त्रुटियाँ हैं। विकल्प (a) में 'आधीन' के स्थान पर 'अधीन', विकल्प (b) में 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' तथा विकल्प (d) में 'पैत्रिक' के स्थान पर 'पैतृक' होना चाहिए।

11. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

- (a) वह अनेकों मामलों में गवाह था।
- (b) नूपुर की ध्वनि मनमोहक है।
- (c) आपकी मनःकामना पूरी हो।
- (d) मनीषिगण! मेरी बात पर ध्यान दें।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) का वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में 'अनेकों' के स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' स्वयं बहुवचन का द्योतक है।

12. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-

- (a) संसारिक समस्याओं में सभी फंसे हैं।
- (b) निरपराध व्यक्ति को दण्ड क्यों मिला?
- (c) हिन्दी देवनागरी लिपी में लिखी जाती है।
- (d) अत्याधिक दुःख सहा नहीं जाता।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) का वाक्य शुद्ध है। अन्य विकल्पों में वर्तनी की अशुद्धियाँ हैं। विकल्प (a) में 'संसारिक' के स्थान पर 'सांसारिक', विकल्प (c) में 'लिपी' के स्थान पर 'लिपि' तथा विकल्प (d) में 'अत्याधिक' के स्थान पर 'अत्यधिक' होना चाहिए।

13. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

- (a) इसका तात्कालिक प्रभाव पड़ा।
- (b) पत्र किसके नाम पर लिखा गया है।
- (c) एक रुपये में कितने पैसे होते हैं?
- (d) भारत एक समृद्धिशाली देश है।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b&c)

व्याख्या— विकल्प (b) तथा (c) दोनों वाक्य अशुद्ध हैं। विकल्प (c) में 'रुपये' का प्रयोग बहुवचन के रूप में किया गया। यहाँ 'रुपये' के स्थान पर 'रुपया' होना चाहिए। शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा—एक रुपया में कितने पैसे होते हैं? इसी प्रकार विकल्प (b) में 'पर' का प्रयोग अनुचित है और वाक्य प्रश्नवाचक है, इसलिए वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होना चाहिए।

14. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है—

- (a) मेरे लिए ठण्डी बर्फ और गर्म आग लाओ।
- (b) व्यायाम करना चाहिए जिससे कि स्वस्थ रहें।
- (c) एक-एक करके सभी मर गए।
- (d) तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ी बात होगी।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) का वाक्य शुद्ध है। शेष विकल्पों में अशुद्धियाँ हैं। विकल्प (a) में 'बर्फ' के साथ 'ठण्डी' तथा 'आग' के साथ 'गर्म' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि बर्फ की विशेषता 'ठण्डा' होना तथा 'आग' की विशेषता 'गर्म' होना है। विकल्प (b) में 'कि' का प्रयोग अनुचित है, साथ ही 'स्वस्थ' में वर्तनी त्रुटि है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा—व्यायाम करना चाहिए, जिससे स्वस्थ रहें। विकल्प (c) में 'करके' का प्रयोग करना अनुचित है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार है—एक-एक कर सभी मर गए।

15. निम्नलिखित में से एक अशुद्ध वाक्य है—

- (a) पूज्यास्पद व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए।
- (b) दक्षिण भारत के लोग हिन्दीतर भाषी हैं।
- (c) सुरेखा ने गीत की दो-चार कड़ियाँ गायीं।
- (d) अब परीक्षा-प्रणाली बदलनी चाहिए।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) का वाक्य अशुद्ध है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा—पूज्य या पूजनीय व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

16. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है—

- (a) चरखा कातना चाहिए।
- (b) उसने मुक्तहस्त से धन लुटाया।
- (c) हमारे यहाँ तरुण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।
- (d) मुझसे यह काम सम्भव नहीं।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) शुद्ध वाक्य है। शेष वाक्य अशुद्ध हैं। चरखा, काता नहीं जाता, बल्कि चलाया जाता है। अतः शुद्ध वाक्य होगा—चरखा चलाना चाहिए। विकल्प (b) में प्रयुक्त 'से' का प्रयोग उचित नहीं है, क्योंकि 'मुक्तहस्त' का ही अर्थ 'मुक्तहस्त होकर' होता है। अतः शुद्ध वाक्य होगा— उसने मुक्तहस्त धन लुटाया। इसी प्रकार विकल्प (c) में 'तरुण' का प्रयोग अनुचित है, 'तरुण' अशुद्ध शब्द है। इसका शुद्ध शब्द 'तरुण' है, जिसका अर्थ 'नवयुवक' होता है। 'तरुण' तथा 'नवयुवक' दोनों समानार्थी हैं। अतः यहाँ 'तरुण' का प्रयोग अनुचित है। अतः शुद्ध वाक्य होगा— हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) राम और श्याम सम्बन्धी चर्चा
- (b) राम और श्याम से सम्बद्ध चर्चा
- (c) राम और श्याम विषयक चर्चा
- (d) राम और श्याम से सम्बन्धित चर्चा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सम्बन्धी' शब्द 'श्याम' से सम्बद्ध है। 'राम' से नहीं। अतः 'राम' सम्बन्धी और 'श्याम' सम्बन्धी चर्चा यह अर्थ 'सम्बन्धी' शब्द न देकर केवल 'श्याम' से ही सम्बन्ध अर्थ देता है। अतः विकल्प (b) शुद्ध वाक्य है।

18. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है—

- (a) यहाँ मीठे पानी का एक कूँआ है।
- (b) एक रुपये में कितने पैसे होते हैं।
- (c) आज रेणु देवी का व्याख्यान होगा।
- (d) साधु को भिक्षा दो।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्य अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं— (a) यहाँ मीठे पानी का एक कुआँ है। (b) एक रुपया में कितने पैसे होते हैं? (d) साधु को भिक्षा दो।

19. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए—

- (a) नौकर आटा पिसवाने गया है।
- (b) एक गुलाब के फूल की माला ले आओ।
- (c) यहाँ सर्वोत्कृष्ट ज्वर की चिकित्सा होती है।
- (d) परमात्मा के अनेक नाम हैं।

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। विकल्प (a) का शुद्ध वाक्य होगा—नौकर गेहूँ पिसवाने गया है, क्योंकि विकल्प में प्रयुक्त 'आटा पिसवाना' अशुद्ध है। आटा नहीं, बल्कि गेहूँ पिसवाया जाता है, जो पिसने के बाद आटा का रूप लेता है। इसी प्रकार विकल्प (b) का शुद्ध वाक्य होगा—गुलाब के फूल की एक माला ले आओ, क्योंकि कई फूल गूँथकर एक माला बनाते हैं। विकल्प (c) का शुद्ध वाक्य होगा—यहाँ ज्वर की सर्वोत्कृष्ट चिकित्सा होती है।

20. निम्नलिखित में से एक शुद्ध वाक्य है, वह है—

- (a) प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेक पुस्तकें पढ़े।
- (b) हरेक विद्यार्थियों को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेक पुस्तकें पढ़े।
- (c) हरेक विद्यार्थी को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेकों पुस्तकें पढ़े।
- (d) हरेक विद्यार्थियों को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेकों पुस्तकें पढ़े।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) का वाक्य शुद्ध है। विकल्प (b) में 'हरेक' के साथ 'विद्यार्थियों' का प्रयोग किया गया है, जो कि गलत है, क्योंकि 'हरेक' स्वयं में बहुवचन है। इसी प्रकार विकल्प (c) एवं (d) में 'अनेकों' शब्द का प्रयोग किया गया है। यहाँ पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' भी बहुवचन का द्योतक है।

21. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है, वह है -

- (a) मोहन गेहूँ पिसवाने चक्की पर गया है।
- (b) निर्दय व्यक्ति से मित्रता नहीं करनी चाहिए।
- (c) उसके घर के पास एक मिठाई की दुकान है।
- (d) उपर्युक्त कथन असत्य है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का वाक्य अशुद्ध है, इसका शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा— उसके घर के पास मिठाई की एक दुकान है। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

22. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है -

- (a) मुझसे यह काम सम्भव नहीं हो सकता।
- (b) वह बिल्कुल भी बात नहीं करना चाहता।
- (c) यह कविता अनेक भाव प्रकट करती है।
- (d) इन दोनों में केवल यही अन्तर है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्य अशुद्ध हैं। शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं - मुझसे यह काम सम्भव नहीं है, वह बिल्कुल बात नहीं करना चाहता, इन दोनों में यही अन्तर है।

23. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है, वह है—

- इसके बावजूद भी हमसे हिन्दी लिखने में बहुत भूल हो जाती है।
- इसके बावजूद भी हमसे हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती है।
- इसके बावजूद भी हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूल हो जाती है।
- इसके बावजूद हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती हैं।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य, इसके बावजूद हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती हैं, शुद्ध है। विकल्प (a) एवं (b) सार्वनामिक त्रुटि है। विकल्प (c) में वचन सम्बन्धी त्रुटि है।

24. अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।

- पुलिस द्वारा डाकुओं का पीछा किया गया।
- देश की वर्तमान मौजूदा हालात ठीक नहीं है।
- मैं पुस्तकालय में नित्य समय पर पहुँचता हूँ।
- तुम चिन्ता न करो, मैं कोई न कोई रास्ता निकालूँगा।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— विकल्प (b) का वाक्य 'देश की वर्तमान मौजूदा हालात ठीक नहीं है', अशुद्ध है। यहाँ 'वर्तमान' एवं 'मौजूदा' दोनों का एक ही अर्थ है। अतः दोनों में से किसी एक का प्रयोग उचित है। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

25. एक वाक्य शुद्ध है—

- भारतवर्ष के अतीत में कई निर्दयी शासक हुए हैं।
- एकत्रित भीड़ जयजयकार कर रही थी।
- गांधीजी चरखा चलाते थे।
- एक-एक करके प्रत्येक छात्र कक्षा से निकल गए।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में 'निर्दयी' वर्तनी त्रुटिपूर्ण है। 'निर्दयी' के स्थान पर 'निर्दय' होना चाहिए। विकल्प (b) में 'एकत्रित' शब्द का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'भीड़' से तात्पर्य ही है-लोगों का समूह, जो एकत्रण को

प्रदर्शित करता है। विकल्प (d) में 'एक-एक' तथा 'प्रत्येक' दोनों का प्रयोग हुआ है। इस वाक्य में 'प्रत्येक' का प्रयोग अनुचित है। साथ ही 'करके' के स्थान पर 'कर' होना चाहिए।

26. एक वाक्य शुद्ध है—

- खेत जोतने के पारम्परिक उपादान हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।
- निरपराधी के विरुद्ध दण्डनात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।
- श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना हैं, उनके पति उस स्तर के नृत्यांगन नहीं हैं।
- शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में प्रस्तुत शब्द 'उपादान' का प्रयोग अनुचित है। यहाँ पर 'उपादान' के स्थान पर 'साधन' होना चाहिए। विकल्प (b) में प्रयुक्त शब्द 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' होना चाहिए। विकल्प (c) में प्रयुक्त शब्द 'नृत्यांगन' के स्थान पर 'नर्तक' होना चाहिए।

27. एक वाक्य शुद्ध है—

- स्वामी विवेकानंद का भाषण सुन कर उपहास उड़ाने वाले अमरीकियों पर घड़ों पानी पड़ गया।
- बाजार का साप्ताहिक अवकाश सोमवार को रहता है।
- वह दुखी स्त्री वैधव्यता का जीवन बिता रही है।
- मैं सपरिवार सानन्दित हूँ।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (b) में प्रयुक्त 'अवकाश' शब्द का अनुचित प्रयोग हुआ है। 'अवकाश' के स्थान पर 'बंदी' शब्द का प्रयोग होना चाहिए। विकल्प (c) में प्रयुक्त 'स्त्री' का प्रयोग निरर्थक है। इस वाक्य में 'स्त्री' नहीं होना चाहिए, क्योंकि कोई स्त्री ही विधवा होगी, जो वैधव्यता का जीवन बिताएगी। विकल्प (d) में सानन्दित का प्रयोग अनुचित है। यहाँ पर आनन्दित का प्रयोग होना चाहिए।

28. एक वाक्य शुद्ध है—

- पर्वतीय प्रदेश में प्रातःकाल का दृश्य बहुत चित्ताकर्षक होता है।
- प्रत्येक धर्म के लिए अच्छा सद्भाव रखना हमारा कर्तव्य है।
- मेरे वेतन का अधिकांश भाग बच्चों की पढ़ाई में ही खर्च हो जाता है।
- इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में शुद्ध वाक्य है। विकल्प (b) में 'अच्छा' का प्रयोग निरर्थक है। 'सद्भाव' का अर्थ ही 'अच्छा भाव' होता है। इसी प्रकार विकल्प (c) में 'भाग' का प्रयोग निरर्थक है, क्योंकि 'अधिकांश' का अर्थ अधिक अंश या भाग होता है। विकल्प (d) में 'करना' का प्रयोग अनुचित है।

29. एक वाक्य शुद्ध है—

- (a) यह तो अच्छा हुआ कि चोरों का पदार्पण होते ही मैं जाग गया।
- (b) अच्छे लेखन के लिए शब्द संयम आवश्यक है।
- (c) कक्ष में असंख्य जनसमूह उपस्थित था।
- (d) 'रामचरित मानस' तुलसी की सबसे सुन्दरतम कृति है।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में प्रस्तुत शब्द 'पदार्पण' का प्रयोग इस वाक्य के लिए अनुचित है। यहाँ 'चोरों का पदार्पण होते ही' के स्थान पर 'चोरों के घुसते ही' का प्रयोग उपयुक्त होगा। विकल्प (c) में 'असंख्य' शब्द का प्रयोग अनुचित है। इसी प्रकार विकल्प (d) में प्रस्तुत शब्द 'सबसे' का प्रयोग अनुचित है। सुन्दरतम का अर्थ ही 'सबसे सुन्दर' होता है।

30. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) छात्रों ने पंडित नेहरू को अभिनन्दन पत्र अर्पित किया।
- (b) महादेवी ने सरस्वती को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।
- (c) रानी ने बुद्ध को अहिंसा भाव अर्पित किया।
- (d) छात्रों ने पंडित नेहरू को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—अभिनन्दन पत्र भेंट किए जाते हैं अथवा अर्पित किए जाते हैं। अतः विकल्प (d) अशुद्ध वाक्य है। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

31. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) तुफान में सैकड़ों लोग मर गए।
- (b) दूसरा आदमी कौन था ?
- (c) डॉक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण किया।
- (d) सड़क के दोनों ओर आलीशान इमारतें हैं।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a & d)

व्याख्या—विकल्प (a) एवं (d) के वाक्य अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में वर्तनी त्रुटि है, यहाँ 'तुफान' के स्थान पर 'तूफान' और 'में' के स्थान पर 'से' होना चाहिए। इसी प्रकार विकल्प (d) में बहुवचन के रूप में प्रयुक्त 'इमारतें' के स्थान पर 'इमारतें' होना चाहिए।

32. शुद्ध वाक्य चिह्नित करें -

- (a) शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।
- (b) दुख है कि आपने मेरे पत्र का उत्तर नहीं दिया।
- (c) क्षोभ है कि आपने मेरे पत्र का सही उत्तर नहीं दिया।
- (d) खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) का वाक्य "खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया" सर्वाधिक शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों में प्रयुक्त शोक, दुख तथा क्षोभ का प्रयोग पत्र के संदर्भ में करना उचित नहीं है।

33. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है—

- (a) मेरे घर के पास एक हलवाई की दुकान है।
- (b) मेरे घर के पास एक हलवाई की दुकान स्थित है।
- (c) मेरे घर के पास एक हलवाईयों की दुकान है।
- (d) मेरे घर के पास हलवाई की एक दुकान है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध वाक्य है। विकल्प (a) तथा (b) में प्रयुक्त 'एक हलवाई की दुकान', त्रुटिपूर्ण है, जबकि विकल्प (c) में 'एक' के साथ बहुवचन 'हलवाईयों' का प्रयोग हो रहा है, जो त्रुटिपूर्ण है।

34. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है—

- (a) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।
- (b) भगवान श्रीकृष्ण के अनेकों नाम का उल्लेख मिलता है।
- (c) श्रीकृष्ण को अनेकों नामों से पुकारा जाता है।
- (d) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में शुद्ध वाक्य का प्रयोग हुआ है। अन्य विकल्पों में 'अनेकों' शब्द का प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है क्योंकि 'अनेक' स्वयं बहुवचन का द्योतक है।

35. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है—

- (a) देखो! फूलों पर भौंरे भिनभिना रहे हैं।
- (b) देखो! फूलों पर भौंरे गुंजार कर रहे हैं।
- (c) देखो! फूलों के ऊपर भौंरे गुंजारते हैं।
- (d) देखो! फूलों के ऊपर भौंरे भिनभिना रहे हैं।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) तथा (d) में प्रयुक्त शब्द 'भिनभिना' त्रुटिपूर्ण है। यह शब्द मक्खी या मधुमक्खी के लिए प्रयुक्त किया जाता है। साथ ही विकल्प (c) तथा (d) में प्रयुक्त 'फूलों के ऊपर' भी त्रुटिपूर्ण है। यहाँ पर 'फूलों पर' सही शब्द होगा।

36. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है—

- (a) उसकी शंका का निवारण हो गया है।
- (b) उसकी शंका समाप्त हो गयी है।
- (c) उसकी शंका का समाधान हो गया है।
- (d) उन्हें अब शंका नहीं रही है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a&c)

व्याख्या—लोक सेवा आयोग ने अपने संशोधित उत्तर-पत्रक में विकल्प (a) एवं (c) दोनों को ही इस प्रश्न के सही उत्तर के रूप में स्वीकार किया है।

37. शुद्ध 'संयुक्त वाक्य' का उदाहरण है—

- (a) मैं परीक्षा देने के लिए इलाहाबाद जा रहा हूँ।
- (b) मुझे परीक्षा देनी है, अतः दिल्ली जा रहा हूँ।
- (c) मुझे परीक्षा देनी है और मैं गोरखपुर जा रहा हूँ।
- (d) मैं वाराणसी जा रहा हूँ, क्योंकि मुझे परीक्षा देनी है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य 'संयुक्त वाक्य' है, क्योंकि यह वाक्य दो वाक्यों को जोड़ रहा है और दोनों स्वतन्त्र वाक्य हैं।

38. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) काशी सदैव से भारतीय संस्कृति का केन्द्र रहा है।
- (b) गाँधीजी का चरखा चलाना 'स्वदेशी' का प्रतीक था।
- (c) वन-जीवन के कष्टों का भय भी सीता को राम के अनुगमन से रोक नहीं सका।
- (d) अपनी कुशल रणनीति से शिवाजी ने विपक्षियों के छक्के छुड़ा दिए थे।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्प (a) का वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा—काशी सदैव से भारतीय संस्कृति का केन्द्र रही है।

39. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है—

- (a) वे सब प्रकार के दोषों से विहीन हैं।
- (b) वे सब दोषों से हीन हैं।

- (c) वे सब प्रकार के दोषों से मुक्त हैं।
- (d) वे सभी ही दोषों से मुक्त हैं।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य- वे सब प्रकार के दोषों से मुक्त हैं, सही है। अन्य विकल्पों में अशुद्ध वाक्य हैं।

40. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य शुद्ध है—

- (a) पृथ्वीराज चौहान ने यदि राजनीतिक चातुर्य का परिचय दिया होता तो आज भारत का इतिहास कुछ और ही होता।
- (b) गिलास ऊपर तक दूध से ठसाठस भरा हुआ था।
- (c) प्रबुद्ध विद्यार्थियों को शिक्षक का केवल संकेत मात्र ही पर्याप्त होता है।
- (d) शिक्षक ने विद्यार्थियों को आतंकवाद के ऊपर निबन्ध लिखने का आदेश दिया।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। इनका शुद्ध वाक्य क्रमशः इस प्रकार होगा—(b) गिलास दूध से भरा हुआ था। (c) मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षक का संकेत मात्र ही पर्याप्त होता है (इस वाक्य में केवल एवं मात्र दोनों का प्रयोग हुआ है जो कि गलत है। दोनों का अर्थ एक ही होता है। अतः दोनों में से किसी एक का ही प्रयोग उचित है)। (d) शिक्षक ने विद्यार्थियों को आतंकवाद पर निबन्ध लिखने का आदेश दिया।

41. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध है?

- (a) वह दण्ड देने के योग्य है।
- (b) चार विद्यार्थी नकल करते हुए पकड़े गए।
- (c) मैंने यह पुस्तक पढ़ी है।
- (d) उन्होंने अभी-अभी खाना खाया है।

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्प (a) व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध है। वाक्य में 'देने' का प्रयोग अनुचित है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा—वह दण्ड का पात्र है।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध वाक्य है?

- (a) मैं सारी रात भर जागता रहा।
- (b) मैं पूरी रात भर जागता रहा।

- (c) मैं सारी रात जागता रहा।
(d) मैं पूरी रात में जागता रहा।

U.P. P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध वाक्य है। 'सारी रात भर' या 'पूरी रात भर' का प्रयोग अनुचित है।

43. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य चिह्नित कीजिए—

- (a) उसके प्राण निकल गये।
(b) उसका प्राण निकल गया।
(c) उसका प्राणपखेरू उड़ गया।
(d) प्राण उसका खत्म हो गया।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (a) 'उसके प्राण निकल गये' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। ध्यातव्य है कि प्राण, लोग, दर्शन, अक्षत इत्यादि शब्दों का प्रयोग हिन्दी में बहुवचन की भाँति प्रयुक्त होते हैं।

44. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य शुद्ध है—

- (a) उसने मिष्टान्न खरीदा।
(b) भोजन बहुत गरिष्ठ था।
(c) पन्तजी को षष्ठिपूर्ति पर 'रूपाम्बरा' कृति भेंट में दी गयी।
(d) आप तो अन्तर्ध्यान हो गये।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (a) 'उसने मिष्टान्न खरीदा' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। 'गरिष्ठ' एवं गरिष्ठ दोनों शब्द सही हैं, किन्तु भोजन के संदर्भ में गरिष्ठ शब्द ज्यादा सही है। विकल्प (d) में अन्तर्ध्यान अशुद्ध शब्द है, शुद्ध शब्द 'अन्तर्धान' होगा।

45. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा शुद्ध है?

- (a) मैंने बाजार से सामान खरीदा।
(b) उसने बाजार नहीं जाना है।
(c) हम तो आपको बता दिये थे।
(d) मुझे अपने गुरु के ऊपर श्रद्धा है।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (a) 'मैंने बाजार से सामान खरीदा' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

46. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) विद्या श्रेष्ठ धन होती है।
(b) विद्या श्रेष्ठ धन होता है।
(c) विद्या श्रेष्ठ धन मानी जाती है।
(d) विद्या श्रेष्ठ धन नहीं होती है।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (b) 'विद्या श्रेष्ठ धन होता है' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

47. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है—

- (a) गौतम ऋषि की पत्नी का नाम अहील्या था।
(b) राजीव निरपराधी है।
(c) अंगद-रावण सम्वाद पर प्रकाश डालिए।
(d) अग्नि प्रज्वलित हो रही है।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (d) 'अग्नि प्रज्वलित हो रही है' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में 'अहील्या' अशुद्ध शब्द है, शुद्ध शब्द 'अहल्या' है; विकल्प (b) में 'निरपराधी' अशुद्ध शब्द है। इसका शुद्ध शब्द 'निरपराध' होगा, जबकि विकल्प (c) में 'सम्वाद' अशुद्ध शब्द है। इसका शुद्ध शब्द 'संवाद' होगा।

48. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है—

- (a) यहाँ गन्ने का ताजा रस बिकता है।
(b) यहाँ ताजे गन्ने का रस बिकता है।
(c) ताजा गन्ने का रस यहाँ बिकता है।
(d) ताजी गन्ने की रस यहाँ बिकती है।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में विकल्प (a) 'यहाँ गन्ने का ताजा रस बिकता है' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

49. 'शेर को देखकर उसका होश उड़ गया' का शुद्ध रूप है—

- (a) शेर को देखकर वह भयभीत हो गया।
(b) शेर को देखकर वह बेहोश हो गया।
(c) शेर को देखकर उसका होश भाग गया।
(d) शेर को देखकर उसके होश उड़ गये।

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (d) 'शेर को देखकर उसके होश उड़ गये' शुद्ध रूप है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। हिन्दी में दर्शन, समाचार, दाम, होश, हिज्जे, भाग्य और आँसू सदा बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं।

50. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) यह व्यर्थ बात करने से कोई लाभ नहीं है।
- (b) संपूर्ण देश भर में निराशा छा गई।
- (c) भाई ने भाई के साथ सलाह की।
- (d) कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें।

U.P.P.C.S. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (d) 'कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें', शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। विकल्पों में दिए गए शुद्ध वाक्य क्रमशः इस प्रकार हैं— (a) व्यर्थ की बात करने से कोई लाभ नहीं है, (b) देश में निराशा छा गई तथा (c) भाई ने भाई को सलाह दी अथवा भाई ने भाई से सलाह ली।

51. 'महान व्यक्तियों में भौतिक वस्तुओं के प्रति....पाई जाती है', वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द छांटिए—

- (a) निर्लिप्तता
- (b) लिप्तता
- (c) निष्कपटता
- (d) निपटता

U.P. P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त वाक्य में रिक्त स्थान में सबसे उपयुक्त शब्द 'निर्लिप्तता' होगा। अन्य शब्द इस संदर्भ में उपयुक्त नहीं होंगे।

52. निम्नांकित में शुद्ध वाक्य छांटिए—

- (a) रेखा ने भोजन कर ली है
- (b) रेखा भोजन कर ली है
- (c) रेखा भोजन कर ली
- (d) रेखा भोजन किया
- (e) रेखा ने भोजन किया है

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(e)

व्याख्या—विकल्प (e) में प्रस्तुत वाक्य 'रेखा ने भोजन किया है' सर्वाधिक शुद्ध है।

53. निम्न विकल्पों में से सही क्रम वाला विकल्प चुनें।

- (i) घर सड़क के उस पार था।
- (ii) उसने उद्यान को पहचान लिया।
- (iii) वह समझ गया कि वह कहाँ है।
- (iv) वह इलाहाबाद में ही तो था।
- (v) लाउदर रोड पर।

(a) (i), (ii), (iii), (iv), (v)

(b) (ii), (iii), (iv), (v), (i)

(c) (iii), (ii), (v), (iv), (i)

(d) (i), (iii), (v), (iv), (ii)

M.P.P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प का सही क्रम है—उसने उद्यान को पहचान लिया। वह समझ गया कि वह कहाँ है। वह इलाहाबाद में ही तो था। लाउदर रोड पर। घर सड़क के उस पार था।

54. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) यह आँखों से देखी घटना है।
- (b) यह आँखों देखी घटना है।
- (c) यह आँखों द्वारा देखी गई घटना है।
- (d) यह आँखों द्वारा देखी-सुनी घटना है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं। आँखों का देखने के लिए ही उपयोग किया जाता है। अतः इसके साथ किसी भी कारक विभक्ति का प्रयोग अनावश्यक है।

55. अशुद्ध वाक्य : यह आँखों से देखी घटना है।

शुद्ध वाक्य : यह आँखों देखी घटना है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) आईन्स्टीन के पास विलक्षण बुद्धि थी।
- (b) आईन्स्टीन के पास विचित्र बुद्धि थी।
- (c) आईन्स्टीन के पास अलौकिक बुद्धि थी।
- (d) आईन्स्टीन के पास दैवीय बुद्धि थी।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, शेष विकल्पों में प्रस्तुत विचित्र, अलौकिक एवं दैवीय शब्द का प्रयोग उचित नहीं है।

57. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) शरत्कालीन दिनों में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।
- (b) शरद् काल के दिनों में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

- (c) शरत् काल में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।
(d) शरत् काल के दिनों में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, शेष विकल्पों में प्रस्तुत शब्द उचित नहीं हैं। विकल्प (c) के अतिरिक्त अन्य विकल्पों में 'शरत् काल' के साथ 'दिनों' का भी प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है।

58. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) दही खट्टी है। (b) दही खट्टा है।
(c) दही खटास है। (d) दही खटाई है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, क्योंकि 'दही' शब्द पुल्लिङ्ग के अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है। हिन्दी के बहुधा ईकारान्त शब्द जैसे गली, टोपी, उदासी आदि स्त्रीलिङ्ग के अर्थ में प्रयुक्त किए जाते हैं, परन्तु अपवादस्वरूप पानी, घी, दही, मोती आदि शब्द पुल्लिङ्ग के अर्थ में प्रयुक्त होते हैं।

59. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) सुरेश को एक पाती लिखना है।
(b) सुरेश ने एक पाती लिखनी है।
(c) सुरेश के लिए एक पत्र लिखनी है।
(d) सुरेश के लिए पत्र लिखना है।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (d) शुद्ध वाक्य है, शेष अशुद्ध हैं।

60. इनमें से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

- (a) हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गये।
(b) सड़क पर बहुत भीड़ है।
(c) अध्ययन के लिए अच्छी पुस्तकें आवश्यक हैं।
(d) साहित्य और संस्कृति का गहरा संबंध है।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में चूँकि हर एक खिलाड़ी अर्थात् एकवचन की बात की जा रही है, अतः 'गये' के स्थान पर 'गया' होगा। इसका शुद्ध वाक्य इस प्रकार है—'प्रत्येक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गया'। इसे इस रूप में भी लिखा जा सकता है—हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गया।

61. सुसंगत शब्द प्रयोग में कौन-सा वाक्य सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) दुष्ट को सजा मिलनी चाहिए।
(b) अपराधी को सजा मिलनी चाहिए।
(c) अशिष्ट को सजा मिलनी चाहिए।
(d) शत्रु को सजा मिलनी चाहिए।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य 'अपराधी को सजा मिलनी चाहिए' सर्वाधिक उपयुक्त वाक्य है।

62. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए—

- (a) गुरु आ रहा है। (b) गुरु आ रहे हैं।
(c) गुरु आ रहे हैं। (d) गुरुजी आ रहे हैं।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य अन्य की अपेक्षा ज्यादा शुद्ध है। 'गुरु' का प्रयोग व्यंग्यात्मक रूप में प्रयोग किया जाता है, जबकि 'गुरु' से तात्पर्य 'शिक्षक' अथवा 'अध्यापक' से है।

63. शब्दानुक्रम में सही वाक्य है—

- (a) वह गरीब आदमी था।
(b) था वह गरीब आदमी।
(c) वह आदमी गरीब था।
(d) था गरीब वह आदमी।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य शब्दानुक्रम में सही वाक्य है, जबकि अन्य वाक्य त्रुटिपूर्ण हैं।

64. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) आपका शासन सम्बन्धी कार्य अधिक विख्यातपूर्ण है।
(b) आपको भूमि-भवन-वाहन का अभिनव सुख की प्राप्ति होगी।
(c) यह समाचार पूरे देशभर में तुरन्त फैल गया।
(d) तुम्हें कल कुछ हो जाये तो मैं कहीं का नहीं रहूँगा।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में 'शासन सम्बन्धी कार्य' के स्थान पर 'शासनकाल' तथा 'विख्यातपूर्ण' के स्थान पर 'विख्यात' होना चाहिए। इसी प्रकार विकल्प (c) में 'पूरे' का प्रयोग असंगत है।

65. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) रोगी अपनी कमजोरियों के कारण उठ तक नहीं पा रहा था।
- (b) राजपथ की सड़क से झाँकियाँ वापस लौट गई।
- (c) शिकारी उस पर गोली चलायी पर वह शेर बच निकला।
- (d) उस समय चरखा चलाना भी एक अनुशासन था।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य में 'अपनी' तथा 'तक' का प्रयोग असंगत है। इसी प्रकार विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य 'राजपथ की सड़क से झाँकियाँ' के स्थान पर 'राजपथ से झाँकियाँ' होना चाहिए। विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य के स्थान पर 'शिकारी ने गोली चलायी पर शेर बच निकला' होना चाहिए।

66. 'ऊँटों का.....जा रहा है' वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त (शुद्ध) शब्द से कीजिए।

- (a) कारवाँ
- (b) जत्था
- (c) काफिला
- (d) बेड़ा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—रिक्त स्थान पर 'काफिला' होगा, क्योंकि ऊँटों का एक साथ जाना काफिला कहलाता है। अन्य शब्दों का प्रयोग युक्तिपूर्ण नहीं है।

67. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) यह आपकी अनाधिकार चेष्टा है।
- (b) यह आपकी अनधिकार चेष्टा है।
- (c) यह आपकी चेष्टा अनाधिकार है।
- (d) यह चेष्टा आपका अनाधिकार है।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है। 'अनाधिकार' वर्तनी अशुद्ध है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'अनधिकार' होगी।

68. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग गँवा दिया।
- (b) वह अपनी कमाई का अधिकांश भाग गँवा बैठा।
- (c) उसने कमाई का अधिकांश भाग गँवा डाला।
- (d) उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, क्योंकि 'अधिकांश' शब्द में 'भाग' का अर्थ समाहित है। अन्य विकल्पों में भाग का प्रयोग किया गया है, जो कि असंगत है।

69. अशुद्ध वाक्य : उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग व्यर्थ गँवा दिया।

शुद्ध वाक्य : उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. अशुद्ध वाक्य : मुझे इसका अधिकांश भाग मिला।

शुद्ध वाक्य : मुझे इसका अधिकांश मिला।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य सही है?

- (a) श्री राम चौदह वर्ष के बाद वन से वापस लौटे।
- (b) श्री राम चौदह वर्ष के बाद वनवास से वापस लौटे।
- (c) श्री राम चौदह वर्ष बाद वन से वापस लौटे।
- (d) श्री राम चौदह वर्ष के बाद वन से लौटे।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य सही है, क्योंकि अन्य विकल्पों में 'वापस' के साथ 'लौटे' का प्रयोग हुआ है, जबकि 'लौटे' शब्द में 'वापस' शब्द समाहित है।

72. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है—

- (a) यह रुमाल अच्छी है।
- (b) उसकी दही खट्टी है।
- (c) कई हाथियों जा रही हैं।
- (d) उसका मकान बहुत अच्छा है।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं, क्योंकि विकल्प (a) में रुमाल पुल्लिङ्ग है, इसलिए 'अच्छी' के स्थान पर 'अच्छा' होना चाहिए। इसी प्रकार विकल्प (b) में 'खट्टी' के स्थान पर 'खट्टा' होना चाहिए तथा विकल्प (c) में भी लिंग सम्बन्धी त्रुटि है।

73. इनमें से शुद्ध वाक्य है—

- (a) डॉ. गुप्ता हमारे पृथ्वी हैं।
- (b) आज मैं इकतिस वर्ष का हो गया हूँ।

- (c) इस वर्ष पहाड़ों पर जमकर तुषारपात हुआ है।
(d) हमें कभी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य शुद्ध है, जबकि विकल्प (a) में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। इसमें 'पृभारी' के स्थान पर 'प्रभारी' होना चाहिए। विकल्प (b) में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'इकतिस' के स्थान पर 'इकतीस' होना चाहिए। विकल्प (d) में प्रयुक्त 'हतोत्साहित' वर्तनी त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर शुद्ध वर्तनी 'हतोत्साह' होनी चाहिए।

74. इनमें से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

- (a) मेरा गुप्त रहस्य कोई नहीं जानता।
(b) श्याम सज्जन आदमी है।
(c) उत्तर का अधिकांश भाग पहाड़ी है।
(d) इनमें से एक भी वाक्य शुद्ध नहीं है।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रश्नगत (a), (b) तथा (c) तीनों वाक्य अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य में 'गुप्त' का प्रयोग असंगत है, जबकि विकल्प (b) में 'आदमी' का प्रयोग अनुचित है। इसी प्रकार विकल्प (c) में 'भाग' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर 'क्षेत्र' होना चाहिए।

75. निम्नलिखित में एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) उसका कहना था कि आप उसे जानते हैं।
(b) राम गाते-गाते सरोवर तक गया।
(c) वह प्रायः मेरे यहाँ आता था।
(d) आम सभा में प्रत्येक वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थिति थे।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में 'प्रत्येक वर्गों' का प्रयोग गलत है। इसके स्थान पर 'प्रत्येक वर्ग' होना चाहिए।

76. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

- (a) कवि ने संपादक को एक कविता भेजी।
(b) अध्यापका ने शिष्य से प्रश्न पूछा।
(c) बच्चे ने कहा था, पर आप ने नहीं सुना।
(d) अमित ने जेब से दस रुपये का नोट निकाला।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत 'अध्यापका' त्रुटिपूर्ण वर्तनी है। इसके स्थान पर या तो 'अध्यापक' या 'अध्यापिका' होना चाहिए।

77. निम्नलिखित वाक्यों में एक वाक्य शुद्ध है—

- (a) पेड़ की पत्ता गिरी।
(b) पेड़ में से पत्ता गिरा।
(c) पत्ता गिर पड़ा पेड़ों से।
(d) पेड़ से पत्ता गिरा।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'पेड़ से पत्ता गिरा।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं।

78. निम्नलिखित में एक वाक्य त्रुटिपूर्ण है—

- (a) संभवतः मैं रविवार को आ जाऊँगा।
(b) जीती मक्खी निगली नहीं जाती।
(c) विद्या सदेव साथ रहने वाला धन होता है।
(d) मुझे आश्चर्य है कि निष्पक्ष चुनाव नहीं हो पाएँगे।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वाक्य त्रुटिपूर्ण है। इसमें 'सदेव' वर्तनी अशुद्ध है। 'सदेव' के स्थान पर 'सदैव' होना चाहिए।

79. निम्नलिखित में एक वाक्य शुद्ध नहीं है—

- (a) उसने केवल मुझे निमंत्रित किया।
(b) सभी को देश की संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।
(c) आपने उसे टका सा जवाब दे दिया।
(d) शिष्य गुरु जी के पैर में गिर पड़े।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य में 'गुरु जी के पैर में' के स्थान पर 'गुरु जी के चरणों पर' अथवा 'गुरु जी के पैरों पर' होना चाहिए। शेष विकल्प शुद्ध हैं।

80. निम्नलिखित में एक वाक्य त्रुटिपूर्ण है—

- (a) निरपराधी को सज़ा नहीं देनी चाहिए।
(b) वह सकुशल घर पहुँच गया।
(c) मोती सीप में पलता है।
(d) व्यापारी ने पाँच कुंतल कोयला खरीदा।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' होना चाहिए। शेष विकल्प शुद्ध हैं।

81. अशुद्ध वाक्य : निरपराधी को दण्ड नहीं देना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : निरपराध को दण्ड नहीं देना चाहिए।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. निम्नलिखित में एक वाक्य अशुद्ध है—

- (a) हम लोग आपका आभार मानते हैं।
- (b) तुमने उसे बैठने को क्यों नहीं कहा?
- (c) अगले शनिवार को शीला छुट्टी पर रहेगी।
- (d) वह कमरे में जाकर सो गया है।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत वाक्य में 'जाकर' असंगत प्रयोग हुआ है। इस वाक्य में 'जाकर' नहीं होना चाहिए।

83. निम्नलिखित वाक्यों में एक अशुद्ध है—

- (a) उसने अपने प्राण की बाजी लगा दी थी।
- (b) राम, सीता और लक्ष्मण वन को गये।
- (c) उसकी आँखों से आँसू निकल पड़े।
- (d) आपकी महत्ता से सभी लोग परिचित हैं।

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में 'को' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

84. 'श्याम जल से पौधे सींच रहा है' वाक्य का शुद्ध रूप होगा—

- (a) श्याम पौधे को जल से सींच रहा है
- (b) पौधे को जल से सींच रहा है श्याम
- (c) श्याम पौधे सींच रहा है
- (d) जल से सींच रहा है श्याम पौधे को

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) शुद्ध वाक्य है, क्योंकि पौधे को जल से ही सींचा जाता है। इसलिए सींचने के साथ 'जल' का प्रयोग अनुचित है।

85. निम्नलिखित विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को चयनित कीजिए—

- (a) वह उदण्डनीय है।
- (b) वह दण्ड भोगने के योग्य है।
- (c) वह दण्ड योग्य है।
- (d) वह दण्ड देने के योग्य है।

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) शुद्ध वाक्य है, जबकि अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

86. इन वाक्यांशों में से एक अशुद्ध वाक्य है, उसका चयन कीजिए—

- (a) उसमें बचपन है।
- (b) उसमें बचपना है।
- (c) वह बचपन से नटखट है।
- (d) तुम बचपन से सीधे हो।

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उसमें बचपन है'। यह वाक्य अशुद्ध है।

87. 'बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती हैं' वाक्य का शुद्ध रूप है—

- (a) बाघ-बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।
- (b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं।
- (c) बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीती हैं।
- (d) बाघ और बकरी पानी पीती हैं।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्प में विकल्प (b) शुद्ध रूप है। यदि वाक्य में भिन्न लिंग के एकवचन का प्रयोग हो, तो क्रिया पुल्लिङ्ग एवं बहुवचन हो जाती है।

88. नीचे दिये वाक्यों में कौन-सा वाक्य त्रुटिहीन है?

- (a) मेरे घर के पास एक पान की दूकान है।
- (b) मेरे घर के पास एक पान की दूकान स्थित है।
- (c) मेरे घर के पास एक पानों की दूकान है।
- (d) मेरे घर के पास पान की एक दूकान है।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्प में विकल्प (d) त्रुटिहीन है। विकल्प (a) तथा (b) में प्रयुक्त 'एक पान की दूकान' गलत है। यहाँ 'एक पान की एक दूकान' होना चाहिए। इसी प्रकार विकल्प (c) में 'एक पानों की दूकान' प्रयुक्त किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। ध्यातव्य है कि 'दूकान' एवं 'दूकान' दोनों शब्द सही हैं। जब वाक्य में पुल्लिङ्ग का प्रयोग हो रहा हो, तब 'दूकान' का प्रयोग किया जाएगा। इसके विपरीत जब वाक्य में स्त्रीलिङ्ग का प्रयोग हो रहा, तब 'दूकान' का प्रयोग किया जाएगा।

89. 'पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है' वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए।

- (a) पति-पत्नी के झगड़े का क्या हेतु हो सकता है?
- (b) पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या है?
- (c) पति-पत्नी के झगड़े का कारण क्या हो सकता है?
- (d) पति और पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है?

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्प में विकल्प (c) सही है, क्योंकि 'झगड़े का हेतु' नहीं वरन् इसका कारण होता है।

90. अशुद्ध वाक्य : वह पतिव्रता स्त्री है।

शुद्ध वाक्य : वह पतिव्रता है।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'स्त्री' शब्द अनुचित है, क्योंकि 'पतिव्रता' कोई स्त्री ही होगी। अतः 'स्त्री' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

91. अशुद्ध वाक्य : वह मन से डरा करता है।

शुद्ध वाक्य : वह डरा करता है।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'मन से' अनुचित है। इसका प्रयोग नहीं होना चाहिए।

92. अशुद्ध वाक्य : उपरोक्त वाक्य सही है।

शुद्ध वाक्य : उपर्युक्त वाक्य सही है।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है, 'उपरोक्त' के स्थान पर 'उपर्युक्त' होना चाहिए।

93. अशुद्ध वाक्य : उसे मृत्युदण्ड की सजा मिली है।

शुद्ध वाक्य : उसे मृत्युदण्ड मिला है।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'मृत्युदण्ड की सजा' त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि 'मृत्युदण्ड' स्वयं में सजा है। इसलिए 'सजा' का प्रयोग अनुचित है।

94. अशुद्ध वाक्य : शराब पीना विष से भयंकर है।

शुद्ध वाक्य : शराब पीना विष से हानिकारक है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में 'भयंकर' के स्थान पर 'हानिकारक' होना चाहिए, क्योंकि स्वास्थ्य एवं शरीर के संदर्भ में बात की जा रही है।

95. अशुद्ध वाक्य : अश्वमेध का घोड़ा निर्विघ्न चतुर्दिक घूमता रहा।

शुद्ध वाक्य : अश्वमेध का घोड़ा निर्विघ्न चतुर्दिक दौड़ता रहा।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में 'घूमता' का प्रयोग असंगत है। इसके स्थान पर 'दौड़ता' होना चाहिए।

96. अशुद्ध वाक्य : पेटूक सम्पत्ति में उसका भी हिस्सा है।

शुद्ध वाक्य : पैतृक सम्पत्ति में उसका भी हिस्सा है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। पेटूक के स्थान पर 'पैतृक' का प्रयोग होना चाहिए।

97. अशुद्ध वाक्य : मेरा प्राण संकट में है।

शुद्ध वाक्य : मेरे प्राण संकट में हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

व्याख्या—'प्राण' सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है। अतः 'मेरा' के स्थान पर 'मेरे' होना चाहिए।

98. अशुद्ध वाक्य : पद्मावती अपनी सौंदर्यता के लिए प्रसिद्ध है।

शुद्ध वाक्य : पद्मावती अपने सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में पद्मावती की विशेषता बतायी जा रही है। अतः 'सौंदर्य' विशेषण का प्रयोग करना उचित होगा।

99. अशुद्ध वाक्य : उन्होंने मुस्कुरा दिया।

शुद्ध वाक्य : वे मुस्कुरा दिये।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'उन्होंने मुस्कुरा दिया' के स्थान पर 'वे मुस्कुरा दिये' होना चाहिए।

100. अशुद्ध वाक्य : दर्शकगणों से अनुरोध है।

शुद्ध वाक्य : दर्शकों से अनुरोध है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'दर्शकगणों' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'दर्शकगणों' के स्थान पर 'दर्शकों' होना चाहिए।

101. अशुद्ध वाक्य : घड़ी में कितना बजा है?

शुद्ध वाक्य : घड़ी में कितने बजे हैं?

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'बजा' के स्थान पर 'बजे' होना चाहिए।

102. अशुद्ध वाक्य : मुझे संतोष अनुभव हो रहा है।

शुद्ध वाक्य : मुझे संतोष हो रहा है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'अनुभव' का प्रयोग असंगत है, क्योंकि संतोष का अनुभव नहीं किया जा सकता, बल्कि संतोष की अनुभूति की जा सकती है।

103. अशुद्ध वाक्य : वे चुप लगा गये।

शुद्ध वाक्य : वे चुप हो गये।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'चुप लगा' के स्थान पर 'चुप हो' होना चाहिए।

104. अशुद्ध : माननीय मुख्यमंत्री को अभिनन्दन ग्रन्थ प्रदत्त किया गया।

शुद्ध : माननीय मुख्यमंत्री को अभिनन्दन-पत्र भेंट किया गया।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'अभिनन्दन' के साथ 'ग्रन्थ' का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'अभिनन्दन-पत्र' का प्रयोग होना चाहिए। इसके अतिरिक्त वाक्य में 'प्रदत्त' के स्थान पर 'भेंट' अथवा अर्पित का प्रयोग होना चाहिए।

105. अशुद्ध : विंध्याचल पर्वत मध्य प्रदेश में है।

शुद्ध : विंध्याचल मध्य प्रदेश में स्थित है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'में' के साथ 'स्थित' का प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि किसी क्षेत्र अथवा स्थान के संदर्भ में 'स्थित' का प्रयोग करना उचित होता है।

106. अशुद्ध : पुलिस ने चोरी के भ्रम में दीनदयाल को पकड़ लिया।

शुद्ध : पुलिस ने चोरी के शक में दीनदयाल को पकड़ लिया।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'भ्रम' का प्रयोग अनुचित है। 'भ्रम' का प्रयोग किसी वस्तु को कुछ और समझ लेने के लिए किया जाता है। अशुद्ध वाक्य में 'भ्रम' के स्थान पर 'शक' होगा, क्योंकि यह निश्चित नहीं है कि उक्त व्यक्ति चोर है।

107. अशुद्ध : तुलसी और सूर ब्रजभाषा और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं।

शुद्ध : तुलसी और सूर क्रमशः अवधी और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि हैं।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में दो कवियों द्वारा प्रयुक्त भाषा को संदर्भित किया गया है। अतः कवियों के बाद 'क्रमशः' का प्रयोग करना उचित है।

108. अशुद्ध : इन्दिरा गाँधी की मृत्यु पर भारत में दुःख छा गया।

शुद्ध : इन्दिरा गाँधी की मृत्यु पर भारत में शोक छा गया।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'दुःख' का प्रयोग अनुचित है। किसी के देहान्त होने पर शोक मनाया जाता है, न कि दुःख व्यक्त किया जाता है। अतः इस वाक्य में 'दुःख' के स्थान पर 'शोक' होना चाहिए।

109. अशुद्ध वाक्य : जीवन और विज्ञान का घोर सम्बन्ध है।

शुद्ध वाक्य : जीवन और विज्ञान का घनिष्ठ सम्बन्ध है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'घोर' का प्रयोग अनुचित है। सम्बन्ध के लिए 'घनिष्ठ' का ही प्रयोग करना उचित है।

110. अशुद्ध वाक्य : वह एक महान् अपराधी है।

शुद्ध वाक्य : वह एक कुख्यात अपराधी है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'महान्' शब्द का प्रयोग अनुचित है। असामाजिक कार्यों में लिप्त लोगों के लिए 'महान्' का प्रयोग उचित नहीं होता। इस वाक्य में 'महान्' के स्थान पर 'कुख्यात' का प्रयोग करना उचित है।

111. अशुद्ध वाक्य : वह मुझे देखा तो चकरा गया।

शुद्ध वाक्य : उसने मुझे देखा तो चकित रह गया।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'वह' के स्थान पर 'उसने' तथा 'चकरा' के स्थान पर 'चकित' होना चाहिए।

112. अशुद्ध वाक्य : सूरदास अनेक पद लिखे हैं।

शुद्ध वाक्य : सूरदास ने अनेक पदों की रचना की।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'लिखे' के स्थान पर 'रचना की' होना चाहिए, क्योंकि पद 'लिखे' नहीं, बल्कि 'रचे' जाते हैं और 'पद' के स्थान पर 'पदों' होना चाहिए। साथ ही कर्ता कारक 'ने' का प्रयोग किया जाना चाहिए।

113. अशुद्ध वाक्य : भाषण सुनने के बाद मैं वापस लौट आया।

शुद्ध वाक्य : भाषण सुनने के बाद मैं लौट आया।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'वापस लौट आया' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि 'लौट आया' शब्द में 'वापस' का अर्थ समाहित है।

114. अशुद्ध वाक्य : एक लड़का, दो जवान और कई महिलाएँ आते हैं।

शुद्ध वाक्य : एक लड़का, दो जवान और कई महिलाएँ आती हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में लड़का, जवान और महिलाएँ का प्रयोग किया गया है, जिसमें स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग दोनों का प्रयोग हुआ है। अतः जिस शब्द या संज्ञा का सबसे बाद में प्रयोग किया जाता है, तदनु रूप क्रिया के लिंग का प्रयोग किया जाता है। चूँकि वाक्य में सबसे बाद में 'महिलाएँ' शब्द का प्रयोग हुआ है। अतः 'आते' के स्थान पर 'आती' का प्रयोग होगा।

115. अशुद्ध वाक्य : मेरे पीछे तुम्हारा नम्बर है।

शुद्ध वाक्य : मेरे बाद तुम्हारा नम्बर है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'पीछे' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'पीछे' के स्थान पर 'बाद' होना चाहिए।

116. अशुद्ध वाक्य : ऐसी एकाध बातें और देखने में आती हैं।

शुद्ध वाक्य : ऐसी एकाध बात और देखने में आती है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

व्याख्या—'एकाध' शब्द एकवचन है। अतः एकाध के साथ 'बात' होगा, बातें नहीं तथा 'हैं' के स्थान पर 'है' लिखा जायेगा।

117. अशुद्ध वाक्य : प्रत्येक आदमियों को वहाँ जाना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : प्रत्येक आदमी को वहाँ जाना चाहिए।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'आदमियों' त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'प्रत्येक' शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एकवचन को प्रदर्शित कर रहा है। अतः वाक्य में 'आदमियों' के स्थान पर 'आदमी' होना चाहिए।

118. अशुद्ध वाक्य : अगले वर्ष हमने नौकरी शुरू की थी।

शुद्ध वाक्य : पिछले वर्ष (गत वर्ष) हमने नौकरी शुरू की थी।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में 'अगले' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि 'अगले' का प्रयोग तब होगा, जब भविष्यकाल की बात कही जायेगी, जबकि इस वाक्य में भूतकाल की बात हो रही है, तो 'अगले' के स्थान पर 'पिछले' अथवा 'गत' का प्रयोग करना उचित होगा।

119. अशुद्ध वाक्य : यहाँ प्रातःकाल के समय का दृश्य बड़ा ही सुहावना होता है।

शुद्ध वाक्य : यहाँ प्रातःकाल का दृश्य बड़ा ही सुहावना होता है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में 'प्रातःकाल के समय' का प्रयोग गलत है। 'प्रातःकाल' स्वयं समय को परिभाषित कर रहा है। अतः 'के समय' का प्रयोग उचित नहीं है।

120. अशुद्ध वाक्य : आज मैं प्रातःकाल के समय वहाँ गया।

शुद्ध वाक्य : आज मैं प्रातःकाल वहाँ गया।

U.P. A.P.O. (Mains), 1994

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. अशुद्ध वाक्य : मैं प्रातःकाल के समय आऊँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं प्रातःकाल आऊँगा।

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

122. अशुद्ध वाक्य : यह कविता अनेकों भावों को प्रकट करती है।

शुद्ध वाक्य : यह कविता अनेक भावों को प्रकट करती है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

व्याख्या—'अनेक' स्वयं बहुवचन के लिए प्रयुक्त होता है। अतः 'अनेकों' का प्रयोग अनुचित है।

123. अशुद्ध वाक्य : अनेकों बार देख चुका हूँ।

शुद्ध वाक्य : अनेक बार देख चुका हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. अशुद्ध वाक्य : वहाँ अनेकों लोग थे।

शुद्ध वाक्य : वहाँ अनेक लोग थे।

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. अशुद्ध वाक्य : श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।

शुद्ध वाक्य : श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. अशुद्ध वाक्य : अनेकों लोगों ने मुझे पकड़ लिया।

शुद्ध वाक्य : अनेक लोगों ने मुझे पकड़ लिया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

127. अशुद्ध वाक्य : मैं अनेकों बार बनारस गया हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं अनेक बार बनारस गया हूँ।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. अशुद्ध वाक्य : अनेकों स्त्री-पुरुष उसे देखने गये।

शुद्ध वाक्य : अनेक स्त्री-पुरुष उसे देखने गये।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. अशुद्ध वाक्य : आप अपने कथन का स्पष्टीकरण करने के लिए बाध्य हैं।

शुद्ध वाक्य : आप अपने कथन का स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'स्पष्टीकरण करने के लिए' के स्थान पर 'स्पष्टीकरण देने के लिए' का प्रयोग होना चाहिए।

130. अशुद्ध वाक्य : मैंने बाजार से धागा, कंघी, दर्पण और पुस्तकें खरीदीं।

शुद्ध वाक्य : मैंने बाजार से धागा, कंघी, दर्पण और पुस्तकें खरीदीं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में कई वस्तुओं का प्रयोग किया गया है, जो वस्तु सबसे बाद में प्रयोग होती है, उसी के अनुरूप क्रिया के लिंग का प्रयोग किया जाता है। चूँकि वाक्य में 'पुस्तकें' सबसे बाद में प्रयोग हुआ है और स्त्रीलिंग है। इसलिए क्रिया 'खरीदीं' होनी चाहिए।

131. अशुद्ध वाक्य : वे इन्दौर के वजनदार विद्वान हैं।

शुद्ध वाक्य : वे इन्दौर के प्रतिष्ठित विद्वान हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त विशेषण 'वजनदार' का प्रयोग अशुद्ध है। इसके स्थान पर 'प्रतिष्ठित' होना चाहिए।

132. अशुद्ध वाक्य : उसका गुस्सा उबल रहा था।

शुद्ध वाक्य : उसका गुस्सा उफान पर था।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'उबल रहा' के स्थान पर 'उफान पर' होना चाहिए।

133. अशुद्ध वाक्य : आम और कलम शब्द संज्ञा हैं।

शुद्ध वाक्य : आम और कलम संज्ञा हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'शब्द' का प्रयोग असंगत है। इस वाक्य में 'शब्द' का प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त बहुवचन का प्रयोग होने के कारण 'हैं' का प्रयोग होना चाहिए।

134. अशुद्ध वाक्य : मुझे आज मेरी बहन को इन्दौर भेजना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे आज अपनी बहन को इन्दौर भेजना है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मेरी' के स्थान पर 'अपनी' होना चाहिए।

135. अशुद्ध वाक्य : हम एक शपथ के नीचे इकट्ठा हुए हैं।

शुद्ध वाक्य : हम एक ध्वज के नीचे इकट्ठा हुए हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'शपथ' त्रुटिपूर्ण है। 'शपथ' के स्थान पर 'ध्वज' होना चाहिए।

136. अशुद्ध वाक्य : उसे अनुत्तीर्ण होने की आशा है।

शुद्ध वाक्य : उसे अनुत्तीर्ण होने का भय है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'आशा' का प्रयोग अनुचित है। सकारात्मक परिणाम के लिए 'आशा' का प्रयोग किया जाता है, जबकि इस वाक्य में 'अनुत्तीर्ण' के लिए 'भय' या 'आशंका' का प्रयोग होना चाहिए।

137. अशुद्ध वाक्य : ये लोग परस्पर एक-दूसरे से घृणा करते हैं।

शुद्ध वाक्य : ये लोग एक-दूसरे से घृणा करते हैं।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'परस्पर' तथा 'एक-दूसरे' दोनों का प्रयोग किया गया है जो कि गलत है, क्योंकि दोनों का अर्थ एक ही है। अतः दोनों में से एक का प्रयोग होना चाहिए।

138. अशुद्ध वाक्य : हमें परस्पर एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।

शुद्ध वाक्य : हमें एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।

U.P. A.P.O. (Mains), 1988

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

139. अशुद्ध वाक्य : राजेश्वर चित्र खींच रहा है।

शुद्ध वाक्य : राजेश्वर चित्र बना रहा है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। 'खींच' के स्थान पर 'बना' का प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि चित्र खींचा नहीं जाता, बल्कि बनाया जाता है।

140. अशुद्ध वाक्य : सुधीर बुरी तरह से प्रसिद्ध है।

शुद्ध वाक्य : सुधीर कुख्यात है।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी त्रुटि है, क्योंकि आपराधिक कार्यों में कुख्यात का प्रयोग उचित होगा। 'बुरी तरह से प्रसिद्ध' के स्थान पर 'कुख्यात' होना चाहिए।

141. अशुद्ध वाक्य : यह दवात मत छुओ, टूट जायेगी।

शुद्ध वाक्य : दवात मत छुओ, टूट जायेगी।

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'यह' का प्रयोग असंगत है। इस वाक्य में यह का प्रयोग नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह वाक्य आदेशात्मक है।

142. अशुद्ध वाक्य : उसे बीना बजाना नहीं आता है।

शुद्ध वाक्य : उसे वीणा बजाना नहीं आता।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'बीना' के स्थान पर 'वीणा' का प्रयोग होना चाहिए।

143. अशुद्ध वाक्य : कमीज की अस्तीन फटी है।

शुद्ध वाक्य : कमीज की आस्तीन फटी है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'अस्तीन' के स्थान पर 'आस्तीन' होना चाहिए।

144. अशुद्ध वाक्य : चहारदीवारी के उस पार खाई है।

शुद्ध वाक्य : चहारदीवारी के पार खाई है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'उस' का प्रयोग असंगत है। वाक्य में 'उस' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

145. अशुद्ध वाक्य : नायक का पति विदेश में है।

शुद्ध वाक्य : नायिका का पति विदेश में है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। 'नायक' के स्थान पर 'नायिका' होना चाहिए।

146. अशुद्ध वाक्य : दिवाकर वैद्य को नारी का ज्ञान अच्छा है।

शुद्ध वाक्य : दिवाकर वैद्य को नाड़ी का अच्छा ज्ञान है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'नारी' के स्थान पर 'नाड़ी' होना चाहिए।

147. अशुद्ध वाक्य : मनोहर का मकान श्याम से ज्यादा बेहतर है।

शुद्ध वाक्य : मनोहर का मकान श्याम से बेहतर है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

व्याख्या—वाक्य में 'ज्यादा' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि दोनों मकानों की तुलना हो रही है। इसके लिए वाक्य में 'बेहतर' शब्द का प्रयोग करना उचित होगा।

148. अशुद्ध वाक्य : पर्वत का शिखर ऊँचे हैं।

शुद्ध वाक्य : पर्वत के शिखर ऊँचे हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। वाक्य में 'का' के स्थान पर 'के' होना चाहिए।

149. अशुद्ध वाक्य : डाल में चिड़िया बैठी है।

शुद्ध वाक्य : डाल पर चिड़िया बैठी है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

व्याख्या—वाक्य में अधिकरण कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। यहाँ 'में' के स्थान पर 'पर' विभक्ति का प्रयोग होना चाहिए।

150. अशुद्ध वाक्य : वह विलाप करके रोने लगी।

शुद्ध वाक्य : वह विलाप करने लगी।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

I.A.S. (Mains), 2000

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। इसमें 'रोने' का प्रयोग असंगत है। 'विलाप करने' में 'रोने' का अर्थ प्रकट होता है। अतः 'विलाप करके रोने' के स्थान पर 'विलाप करने' का प्रयोग उचित होगा।

151. अशुद्ध वाक्य : प्रेमचन्द का श्रेष्ठतम उपन्यास 'गोदान' है।

शुद्ध वाक्य : 'गोदान' प्रेमचन्द का सर्वश्रेष्ठ उपन्यास है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि है। 'श्रेष्ठतम' के स्थान पर 'सर्वश्रेष्ठ' होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 'गोदान' का प्रयोग पहले करना चाहिए।

152. अशुद्ध वाक्य : 'गोदान' प्रेमचन्द की एक श्रेष्ठ उपन्यास है।

शुद्ध वाक्य : 'गोदान' प्रेमचन्द का एक श्रेष्ठ उपन्यास है।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में 'प्रेमचन्द की' के स्थान पर 'प्रेमचन्द का' होगा, क्योंकि उपन्यास पुल्लिङ्ग शब्द है। अतः 'का' विभक्ति का प्रयोग होगा।

153. अशुद्ध वाक्य : आप क्या अभी भोजन नहीं किये हैं।

शुद्ध वाक्य : क्या आपने अभी तक भोजन नहीं किया है?

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में प्रश्नवाचक का प्रयोग किया गया है, अतः प्रश्नवाचक शब्द 'क्या' पहले होना चाहिए एवं 'किये' के स्थान पर 'किया' तथा पूर्ण विराम के स्थान पर 'प्रश्नचिह्न' होना चाहिए।

154. अशुद्ध वाक्य : मेरा अनुग्रह है कि आप मेरे घर पर आने का आग्रह करें।

शुद्ध वाक्य : मेरा आग्रह है कि आप मेरे घर आने का कष्ट करें।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में 'अनुग्रह' का प्रयोग अनुचित है। 'अनुग्रह' के स्थान पर 'आग्रह' होना चाहिए। इसी प्रकार वाक्य के अन्त में प्रयुक्त 'आग्रह' शब्द त्रुटिपूर्ण है। 'आग्रह' के स्थान पर 'कष्ट' होना चाहिए।

155. अशुद्ध वाक्य : अपने को यहाँ से जाने की कोई जल्दी नहीं है।

शुद्ध वाक्य : मुझे यहाँ से जाने की कोई जल्दी नहीं है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'अपने को' के स्थान पर 'मुझे' का प्रयोग होना चाहिए।

156. अशुद्ध वाक्य : तुम मेरे तरफ इस तरह क्या देख रहे हो?

शुद्ध वाक्य : तुम मेरी तरफ इस तरह क्या देख रहे हो?

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मेरे' के स्थान पर 'मेरी' होना चाहिए।

157. अशुद्ध वाक्य : मैंने भगवद्गीता पढ़ा है।

शुद्ध वाक्य : मैंने भगवद्गीता पढ़ी है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी त्रुटि है। 'पढ़ा' के स्थान पर 'पढ़ी' होना चाहिए।

158. अशुद्ध वाक्य : मैंने कल बम्बई जाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे कल बम्बई जाना है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मैंने' के स्थान पर 'मुझे' होना चाहिए।

159. अशुद्ध वाक्य : तुम अपनी सुविधानुसार यह काम करना।

शुद्ध वाक्य : तुम अपनी सुविधानुसार यह काम करो।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। 'करना' के स्थान पर 'करो' का प्रयोग होना चाहिए।

160. अशुद्ध वाक्य : उसको यहाँ से गये मात्र केवल दस मिनट हुआ है।

शुद्ध वाक्य : उसको यहाँ से गये मात्र दस मिनट हुए हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1985

व्याख्या—वाक्य में 'केवल' और 'मात्र' दोनों का प्रयोग हुआ है। चूँकि दोनों का अर्थ एक ही है। अतः दोनों में से एक का ही प्रयोग होना चाहिए तथा 'दस मिनट' बहुवचन के प्रयोग होने के कारण 'हुआ है' के स्थान पर 'हुए हैं' का प्रयोग होना चाहिए।

161. अशुद्ध वाक्य : तुम केवल बोलना मात्र जानते हो।

शुद्ध वाक्य : तुम केवल बोलना जानते हो।

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

162. अशुद्ध वाक्य : केवल चार रुपये मात्र दीजिए।

शुद्ध वाक्य : चार रुपये मात्र दीजिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

163. अशुद्ध वाक्य : केवल मात्र आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।

शुद्ध वाक्य : केवल आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

164. अशुद्ध वाक्य : इस कविता में प्रयुक्त शब्द केवल संकेत मात्र है।

शुद्ध वाक्य : इस कविता में प्रयुक्त शब्द केवल संकेत हैं।

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

165. अशुद्ध वाक्य : शब्द केवल संकेत मात्र है।

शुद्ध वाक्य : शब्द केवल संकेत हैं।

U.P. A.P.O. (Mains), 1994

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

166. अशुद्ध वाक्य : पूज्यनीय पिताजी को नमस्कार कहना।

शुद्ध वाक्य : पूज्य पिताजी को प्रणाम कहना।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धित त्रुटि है। 'पूज्यनीय' वर्तनी अशुद्ध है, इसके स्थान पर 'पूज्य' अथवा 'पूजनीय' का प्रयोग करना उचित होगा। इसके अतिरिक्त 'नमस्कार' का प्रयोग भी अनुचित है। 'नमस्कार' अपने समकक्ष लोगों के लिए प्रयोग किया जाता है। अपने से बड़ों के लिए 'प्रणाम' का प्रयोग करना उचित होगा।

167. अशुद्ध वाक्य : हमारे ऊपर पूज्यनीय पिताजी का आशीर्वाद है।

शुद्ध वाक्य : हमारे ऊपर पूज्य पिताजी का आशीर्वाद है।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

168. अशुद्ध वाक्य : अब तुम आओगे तो मैं जाऊँगा।

शुद्ध वाक्य : जब तुम आओगे तब मैं जाऊँगा।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में 'अब' के स्थान पर 'जब' तथा 'तो' के स्थान पर 'तब' का प्रयोग होना चाहिए।

169. अशुद्ध वाक्य : मैंने करा।

शुद्ध वाक्य : मैंने किया।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। 'करा' के स्थान पर 'किया' होना चाहिए।

170. अशुद्ध वाक्य : मैं आपको श्रद्धा करता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं आपका आदर करता हूँ।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में 'श्रद्धा' शब्द का प्रयोग अनुचित है। 'श्रद्धा' के स्थान पर 'आदर' तथा 'आपको' के स्थान पर 'आपका' होना चाहिए।

171. अशुद्ध वाक्य : तुमने अपने स्वेच्छा से यह काम किया है।

शुद्ध वाक्य : तुमने स्वेच्छा से यह काम किया है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में 'अपने' का प्रयोग निरर्थक है। 'स्वेच्छा' का अर्थ ही होता है—अपनी इच्छा।

172. अशुद्ध वाक्य : मेरे को पुस्तक चाहिए।

शुद्ध वाक्य : मुझे पुस्तक चाहिए।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मेरे को' के स्थान पर 'मुझे' होना चाहिए।

173. अशुद्ध वाक्य : दो पूड़ियाँ सेंक दो।

शुद्ध वाक्य : दो पूड़ियाँ बना दो।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। पूड़ियाँ सेंकी नहीं, बल्कि बनायी जाती हैं। अतः 'सेंक' के स्थान पर 'बना' का प्रयोग होना चाहिए।

174. अशुद्ध वाक्य : वह रुग्ण शय्या पर पड़ा है।

शुद्ध वाक्य : वह रुग्ण अवस्था में पड़ा है।

U.P. Lower Sub. (Mains), 1979

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'रुग्ण शय्या' अशुद्ध है। इसके स्थान पर 'रुग्ण अवस्था' होना चाहिए।

175. अशुद्ध वाक्य— तुम्हारे हर काम गलत होते हैं।

शुद्ध वाक्य— तुम्हारे हर एक काम गलत होते हैं।

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में 'हर एक' या 'प्रत्येक' का प्रयोग करना उचित होगा।

176. अशुद्ध वाक्य— दंगे में कई निरपराधी मारे गए।

शुद्ध वाक्य— दंगे में कई निरपराध मारे गए।

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में प्रयुक्त 'निरपराधी' शब्द त्रुटिपूर्ण है। यहाँ 'निरपराध' शब्द का प्रयोग होगा।

177. अशुद्ध वाक्य— तुम कौन गाँव में रहते हो?

शुद्ध वाक्य— तुम किस गाँव में रहते हो?

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में 'कौन' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण रूप से किया गया है। यहाँ 'कौन' के स्थान पर 'किस' प्रश्नवाचक शब्द का प्रयोग होगा।

178. अशुद्ध वाक्य— यह बात उदाहरण से स्पष्ट किया जा सकता है।

शुद्ध वाक्य— इस बात को उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में कारक सम्बन्धी अशुद्धि है, वाक्य में कर्म कारक एवं करण कारक 'यह' के स्थान पर 'इस' का प्रयोग करना उचित होगा।

179. अशुद्ध वाक्य— प्रेमचन्द अच्छी कहानी लिखे हैं।

शुद्ध वाक्य— प्रेमचन्द ने अच्छी कहानियाँ लिखी हैं।

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में कर्ता कारक 'ने' का प्रयोग नहीं हुआ है, तथा कहानी एकवचन, जबकि सहायक क्रिया बहुवचन में प्रयुक्त हुई है।

180. अशुद्ध वाक्य— तुम तुम्हारी किताब ले जाओ।

शुद्ध वाक्य— तुम अपनी किताब ले जाओ।

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में सर्वनाम का त्रुटिपूर्ण प्रयोग है। 'तुम्हारी' के स्थान पर 'अपनी' होना चाहिए।

181. अशुद्ध वाक्य— यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।

शुद्ध वाक्य— यही महिलाओं का सरकारी अस्पताल है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'सरकारी' शब्द का प्रयोग गलत स्थान पर किया गया है। 'सरकारी' का प्रयोग अस्पताल के पूर्व करना उचित है।

182. अशुद्ध वाक्य— यह एक गहरी समस्या है।

शुद्ध वाक्य— यह एक गम्भीर समस्या है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'गहरी' के स्थान पर 'गम्भीर' का प्रयोग उचित है।

183. अशुद्ध वाक्य— मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता गया था।

शुद्ध वाक्य— मोहन विगत वर्ष कलकत्ता गया था।

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'आगामी' के स्थान पर 'विगत' का प्रयोग होगा। चूँकि वाक्य भूतकाल का है, अतः 'विगत' का प्रयोग किया जाएगा।

184. अशुद्ध वाक्य— गणित एक कठोर विषय है।

शुद्ध वाक्य— गणित एक कठिन विषय है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'कठोर' का प्रयोग उचित नहीं है। चूँकि वाक्य में एक विषय (गणित) की बात हो रही है। अतः यहां 'कठिन' शब्द का प्रयोग उचित होगा।

185. अशुद्ध वाक्य - निरपराधी को दण्ड नहीं मिलनी चाहिए।

शुद्ध वाक्य - निरपराध को दण्ड नहीं मिलनी चाहिए।

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

व्याख्या— वाक्य में प्रयुक्त 'निरपराधी' शब्द वर्तनी की दृष्टिकोण से अशुद्ध है। अतः शुद्ध वर्तनी 'निरपराध' होना चाहिए।

186. अशुद्ध वाक्य - आप खाए कि नहीं?

शुद्ध वाक्य - आप खाए या नहीं?

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

व्याख्या— प्रस्तुत वाक्य प्रश्नवाचक है, जिसमें सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों शब्दों का प्रयोग किया गया। वाक्य में संयोजक शब्द का प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। यहाँ 'या' या 'अथवा' का प्रयोग होना चाहिए।

187. अशुद्ध वाक्य - लड़की ने दही गिरा दी।

शुद्ध वाक्य - लड़की ने दही गिरा दिया।

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

व्याख्या— 'दही' पुल्लिंग शब्द है। अतः क्रिया भी पुल्लिंग होगी।

188. अशुद्ध वाक्य - आपके दवा से वह आरोग्य हुआ।

शुद्ध वाक्य - आपकी दवा से वह आरोग्य हुआ।

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

व्याख्या— 'दवा' स्त्रीलिंग शब्द है। अतः उसी के अनुरूप सर्वनाम का प्रयोग किया जायेगा।

189. अशुद्ध वाक्य - कमरा लोगों से लबालब भरा है।

शुद्ध वाक्य - कमरा लोगों से खचाखच भरा है।

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

व्याख्या— वाक्य में 'लबालब' का प्रयोग किया गया। 'लबालब' तरल पदार्थ के लिए प्रयोग होता है। भौतिक रूप से उपस्थिति के लिए 'खचाखच' का प्रयोग उचित है।

190. अशुद्ध वाक्य - राम घर जाती है।

शुद्ध वाक्य - राम घर जाता है।

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

व्याख्या— वाक्य में 'राम' का प्रयोग पुल्लिंग के रूप में किया गया है। अतः क्रिया भी पुल्लिंग के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

191. अशुद्ध वाक्य - मैंने जाना है।

शुद्ध वाक्य - मुझे जाना है।

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

व्याख्या— वाक्य में उचित सर्वनाम का प्रयोग नहीं किया गया है। 'मैंने' के स्थान 'मुझे' का प्रयोग होगा।

192. अशुद्ध वाक्य - मैंने आपके घर में रखी पुस्तक को देख ली।
शुद्ध वाक्य - आपके घर में रखी पुस्तक को मैंने देख ली।
U.P. P. C. S. (Mains), 2019

व्याख्या— किसी वाक्य में एक साथ दो सर्वनाम का प्रयोग करना उचित नहीं है। अतः मैंने का प्रयोग अंतिम क्रिया 'देख' के पहले होना चाहिए।

193. अशुद्ध वाक्य - विद्यालय में सभी कक्षा के विद्यार्थी बुलाए गए हैं।
शुद्ध वाक्य - सभी कक्षा के विद्यार्थी विद्यालय में बुलाए गए हैं।
U.P. P. C. S. (Mains), 2019

व्याख्या— वाक्य में क्रमबद्धता का अभाव है। अतः सही क्रम उपर्युक्तानुसार होना चाहिए।

194. अशुद्ध वाक्य - मनोज रोती है।
शुद्ध वाक्य - मनोज रोता है।
U.P. P. C. S. (Mains), 2019

व्याख्या— वाक्य में 'मनोज' का प्रयोग पुल्लिंग के रूप में किया गया है। अतः क्रिया भी पुल्लिंग के रूप में प्रयोग होगी।

195. अशुद्ध वाक्य : सौ रुपया सधन्यवाद प्राप्त हुआ।
शुद्ध वाक्य : सौ रुपये प्राप्त हुए, धन्यवाद।
U.P.P.C.S. (Mains), 2018

व्याख्या— वाक्य में वचन सम्बन्धी त्रुटि है। यहाँ 'रुपया' के स्थान पर 'रुपये' होगा। साथ ही क्रिया भी बहुवचन होगी।
नोट—'सधन्यवाद' का प्रयोग अनुचित है। इसका अर्थ यह हुआ कि धन्यवाद सहित सौ रुपये प्राप्त हैं। यहाँ प्राप्तकर्ता रुपये प्राप्त करने के बाद धन्यवाद देगा न कि धन्यवाद सहित।

196. अशुद्ध वाक्य : गीता ने सीता से पूछा कि सीता कहाँ चली गई थी।
शुद्ध वाक्य : गीता ने सीता से पूछा कि तुम कहाँ चली गई थी?
U.P.P.C.S. (Mains), 2018

व्याख्या— वाक्य में दो बार 'सीता' का प्रयोग हुआ है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। जब वाक्य में एक बार संज्ञा का प्रयोग हो चुका हो, तो उसी संज्ञा का दुबारा प्रयोग करना अनुचित है। यहाँ पर संज्ञा का प्रयोग न करके सर्वनाम का प्रयोग किया जाना उचित है।

197. अशुद्ध वाक्य : दक्षिण का अधिकांश भाग पठार है।
शुद्ध वाक्य : दक्षिण का अधिकांश पठार है।
U.P.P.C.S. (Mains), 2018

व्याख्या— वाक्य में 'भाग' का अनुचित प्रयोग किया गया है। 'अधिकांश' में 'भाग' का अर्थ निहित है। 'अधिकांश' का अर्थ 'अधिक अंश' या 'भाग' होता है।

198. अशुद्ध वाक्य : मैंने बोला कि कल मत आना।
शुद्ध वाक्य : मैंने कह दिया कि कल मत आना।
U.P.P.C.S. (Mains), 2018

व्याख्या— वाक्य में 'बोला' के स्थान पर 'कह दिया' होना चाहिए, क्योंकि किसी के लिए कोई बात कही गई है।

199. अशुद्ध वाक्य : एक रुपये में कितना पैसा होता है?
शुद्ध वाक्य : एक रुपया में कितने पैसे होते हैं?
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में वचन सम्बन्धी त्रुटि है। यहाँ 'रुपये' न होकर 'रुपया' होगा क्योंकि 'रुपया' का प्रयोग एकवचन के रूप में किया जा रहा है। इसी प्रकार 'कितना पैसा' के स्थान पर 'कितने पैसे' होगा, क्योंकि 'पैसे' को बहुवचन के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

200. अशुद्ध वाक्य : वह सीधा-साधा आदमी हैं।
शुद्ध वाक्य : वह सीधा-सादा आदमी है।
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में वर्तनी तथा क्रिया की त्रुटि है। 'साधा' के स्थान पर 'सादा' तथा 'हैं' के स्थान पर 'है' का प्रयोग होना चाहिए।

201. अशुद्ध वाक्य : वहाँ भारी भीड़ एकत्रित हो गई।
शुद्ध वाक्य : वहाँ पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई।
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में अधिकरण कारक का प्रयोग नहीं किया गया है। अतः इसमें 'पर' का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसी प्रकार वर्तनी त्रुटि भी है। 'भीड़' के स्थान पर 'भीड़' होना चाहिए।

202. अशुद्ध वाक्य : गोलियों की बाढ़ के सामने कोई न टिक सका।
शुद्ध वाक्य : गोलियों की बौछार के सामने कोई न टिक सका।
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में 'बाढ़' का प्रयोग अनुचित है। इसके स्थान पर 'बौछार' होना चाहिए।

203. अशुद्ध वाक्य : हम गाँधी जी की मूर्ति का दर्शन करने गए थे।
शुद्ध वाक्य : हम गाँधी जी की मूर्ति देखने गए थे।
U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में वर्तनी त्रुटि है। 'मूर्ति' के स्थान पर 'मूर्ति' होना चाहिए। इसी प्रकार 'दर्शन' का प्रयोग अनुचित है। 'दर्शन' के स्थान पर 'देखने' होना चाहिए।

204. अशुद्ध वाक्य : रमा पढ़ती-पढ़ती सो गयी।

शुद्ध वाक्य : रमा पढ़ते-पढ़ते सो गयी।

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

व्याख्या— जब क्रिया सतत् होती है और पहली क्रिया के होते ही दूसरी क्रिया प्रारम्भ हो जाती है, तब क्रिया बहुवचन में होती है।

205. अशुद्ध वाक्य : सिवाय आपको छोड़कर सभी आये थे।

शुद्ध वाक्य : आपके सिवाय सभी आये थे।

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में 'छोड़कर' एवं 'सिवाय' दोनों प्रयोग हुआ है, जो कि एक ही अर्थ प्रकट करते हैं। यहाँ 'छोड़कर' निरर्थक प्रयोग किया गया है। साथ ही सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है। 'आपको' के स्थान पर 'आपके' होना चाहिए और सर्वनाम का प्रयोग पहले होना चाहिए।

206. अशुद्ध वाक्य : शिवा और उमा आज मेरे घर आएगा।

शुद्ध वाक्य : शिवा और उमा आज मेरे घर आएंगी।

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में दो कर्ता का प्रयोग हुआ है और दोनों स्त्रीलिंग हैं। अतः क्रिया भी बहुवचन और स्त्रीलिंग में होगी।

207. अशुद्ध वाक्य : मुझे केवल सौ रुपये मात्र मिले।

शुद्ध वाक्य : मुझे केवल सौ रुपये मिले।

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में 'केवल' एवं 'मात्र' दोनों का प्रयोग हुआ है। दोनों समानार्थी हैं। अतः दोनों में से किसी एक का प्रयोग करना उचित है।

208. अशुद्ध वाक्य : गुप्तकालीन समय में सभी लोग सुखी थे।

शुद्ध वाक्य : गुप्तकाल में सभी लोग सुखी थे।

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

व्याख्या— वाक्य में 'समय' का प्रयोग अनुचित है। 'गुप्तकालीन' का अर्थ 'गुप्त का काल या समय' होता है। गुप्तकालीन में 'समय' का अर्थ छिपा हुआ है। अतः यहाँ 'समय' का प्रयोग करना व्याकरणिक दृष्टि से गलत है। साथ ही 'गुप्तकालीन' के स्थान पर 'गुप्तकाल' होना चाहिए।

209. अशुद्ध वाक्य : रविता हिन्दी की शोधार्थिनी है।

शुद्ध वाक्य : रविता हिन्दी की शोधार्थी है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

व्याख्या— वाक्य में 'शोधार्थिनी' वर्तनी अशुद्ध है। शुद्ध वर्तनी 'शोधार्थी' होना चाहिए। 'शोधार्थी' शब्द स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग दोनों में प्रयुक्त होता है।

210. अशुद्ध वाक्य : हजारों वर्षों पूर्व पृथ्वी आग की गोला थी।

शुद्ध वाक्य : हजारों वर्ष पूर्व पृथ्वी आग की गोला थी।

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

व्याख्या— वाक्य में 'वर्षों' का प्रयोग असंगत है। इससे पूर्व पद 'हजारों' बहुवचन का द्योतक है। अतः यहाँ 'वर्षों' का प्रयोग अनुचित है। 'वर्षों' के स्थान पर 'वर्ष' होना चाहिए।

211. अशुद्ध वाक्य : पुस्तकों का प्राक्थन परिचयात्मक होता है।

शुद्ध वाक्य : पुस्तकों का प्राक्थन परिचयात्मक होता है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

व्याख्या— वाक्य में प्रयुक्त 'प्राक्थन' अशुद्ध वर्तनी है। शुद्ध वर्तनी 'प्राक्थन' है।

212. अशुद्ध वाक्य : शाहजहाँ ने सड़क को बनवाई।

शुद्ध वाक्य : शाहजहाँ ने सड़कें बनवाई।

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

व्याख्या— वाक्य में 'को' का प्रयोग असंगत है। इस वाक्य में 'को' का प्रयोग अनुचित है। साथ ही 'सड़क' का प्रयोग बहुवचन के रूप में किया जाएगा।

213. अशुद्ध वाक्य : आपकी सूचनार्थ निवेदन है।

शुद्ध वाक्य : सूचनार्थ निवेदन है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

व्याख्या— वाक्य में प्रयुक्त 'आपकी' शब्द असंगत है। इस वाक्य में 'आपकी' प्रयोग अनुचित है।

214. अशुद्ध वाक्य— अच्छे कार्य में अनेकों संकट आते हैं।

शुद्ध वाक्य— अच्छे कार्य में अनेक संकट आते हैं।

U.P.P.C.S. (Mains), 2015

व्याख्या— 'अनेक' का प्रयोग बहुवचन के रूप में किया जाता है। अतः 'अनेकों' के स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए।

215. अशुद्ध वाक्य— समाज के भिखारियों से कृपा करनी चाहिए।

शुद्ध वाक्य— समाज के भिखारियों पर कृपा करनी चाहिए।

U.P.P.C.S. (Mains), 2015

व्याख्या— प्रस्तुत वाक्य में कारक का उचित प्रयोग नहीं हुआ है। इस वाक्य में 'से' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

216. अशुद्ध वाक्य— आपवाली किताब छत में पड़ी है।

शुद्ध वाक्य— आपकी किताब छत पर पड़ी है।

U.P.P.C.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में कारक का उचित प्रयोग नहीं हुआ है। वाक्य में 'में' के स्थान पर 'पर' का प्रयोग होना चाहिए। साथ ही आपवाली के स्थान पर 'आपकी' होना चाहिए।

217. अशुद्ध वाक्य— 'यामा' महादेवी के काव्यों का संकलन है।

शुद्ध वाक्य— 'यामा' महादेवी के काव्य-संकलन है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'काव्यों' का संकलन अनुचित है। यहाँ पर 'काव्य-संकलन' होना चाहिए।

218. अशुद्ध वाक्य—आप दस आदमी के रुकने का प्रबन्ध करो।

शुद्ध वाक्य—आप दस आदमियों के रुकने का प्रबन्ध करें।

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में कर्ता का प्रयोग बहुवचन के रूप में हो रहा है। अतः 'आदमी' के स्थान पर 'आदमियों' होना चाहिए। साथ ही 'करो' के स्थान पर 'करें' होना चाहिए।

219. अशुद्ध वाक्य— जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है।

शुद्ध वाक्य— जीवन और साहित्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'घोर' का प्रयोग अनुचित है। इसके स्थान पर 'घनिष्ठ' होना चाहिए।

220. अशुद्ध वाक्य— उसके ऊपर उचित न्याय किया जायेगा।

शुद्ध वाक्य— उसके साथ उचित न्याय किया जायेगा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'उसके ऊपर' का प्रयोग अनुचित है। उसके स्थान पर 'उसके साथ' होना चाहिए।

221. अशुद्ध वाक्य— इतने में हल्की-सी हवा का झोंका आया।

शुद्ध वाक्य— इतने में हल्की-हवा का झोंका आया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में हल्की के साथ 'सी' का प्रयोग निरर्थक है। इस वाक्य में 'हल्की-हवा' होना चाहिए।

222. अशुद्ध वाक्य— इस बात का स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता है।

शुद्ध वाक्य— इस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता' का त्रुटिपूर्ण प्रयोग किया गया है। इसके स्थान पर 'स्पष्टीकरण आवश्यक' होना चाहिए।

223. अशुद्ध वाक्य— उन्हें चार घोड़े और एक बैल का दाम मिला।

शुद्ध वाक्य— उन्हें चार घोड़े और एक बैल के दाम मिले।

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में बहुवचन का प्रयोग हो रहा है। अतः 'का दाम मिला' के स्थान पर 'के दाम मिले' होना चाहिए।

224. अशुद्ध वाक्य— भले ही दस अपराधी छूट जाएँ, पर एक भी निरपराधी को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।

शुद्ध वाक्य— भले ही दस अपराधी छूट जाएँ, पर एक भी निरपराध को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'निरपराधी' त्रुटिपूर्ण है। निरपराधी के स्थान पर 'निरपराध' होना चाहिए।

225. अशुद्ध वाक्य— प्रभु, आप मेरी कुटिया में पधारे, मैं कृत्यकृत्य हुआ।

शुद्ध वाक्य— प्रभु, आप मेरी कुटिया में पधारे, मैं कृतकृत्य हुआ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'कृत्यकृत्य' शब्द त्रुटिपूर्ण है। 'कृत्यकृत्य' के स्थान पर 'कृतकृत्य' होना चाहिए।

226. अशुद्ध वाक्य— एक माँ की दृष्टि में उसका बालक ही सबसे सुन्दरतम होता है।

शुद्ध वाक्य— माँ की दृष्टि में उसका बालक ही सुन्दरतम होता है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'एक' का प्रयोग असंगत है। 'सबसे सुन्दरतम' का प्रयोग भी अनुचित है। 'सुन्दरतम' का अर्थ ही 'सबसे सुन्दर' होता है। अतः 'सबसे' का प्रयोग करना उचित नहीं है।

227. अशुद्ध वाक्य— यह सम्पदा मैंने सिर्फ अपनी ताकत के बल पर अर्जित की है।

शुद्ध वाक्य— यह सम्पदा मैंने अपनी मेहनत के बल पर अर्जित की है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में प्रयुक्त 'सिर्फ' का प्रयोग अनावश्यक है। 'ताकत' का प्रयोग अनुचित है। 'ताकत' के स्थान पर 'मेहनत' होना चाहिए।

228. अशुद्ध वाक्य— दरवाजे का ताला टूटा देखकर मैं सशंकित हो उठा।

शुद्ध वाक्य— दरवाजे का ताला टूटा देखकर मैं आश्चर्यचकित हो गया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'सशंकित' के स्थान पर 'आश्चर्यचकित' होना चाहिए, क्योंकि घटना के बाद परिणाम पर आश्चर्य व्यक्त किया जाता है, जबकि घटना के पूर्व परिणाम की आशंका व्यक्त की जाती है। साथ ही सशंकित शब्द त्रुटिपूर्ण है। शुद्ध शब्द सशंक अथवा शंकित है।

229. अशुद्ध वाक्य : वह स्त्री अपराधी है।

शुद्ध वाक्य : वह अपराधिनी है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'स्त्री अपराधी' का प्रयोग किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'अपराधी' के स्थान पर 'अपराधिनी' होना चाहिए।

230. अशुद्ध वाक्य : आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत शोकाकुल हूँ।

शुद्ध वाक्य : आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत दुःखी हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'शोकाकुल' का प्रयोग गलत है। किसी के देहान्त इत्यादि में 'शोकाकुल' शब्द का प्रयोग किया जाता है। किसी कार्यक्रम अथवा समारोह में उपस्थित न होने पर दुःख अथवा खेद प्रकट किया जाता है।

231. अशुद्ध वाक्य : डाकुओं की मण्डली कल रात इधर से ही गुजरी थी।

शुद्ध वाक्य : डाकुओं का गिरोह कल रात इधर से गुजरा था।

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

व्याख्या—सामाजिक कार्यों अथवा अच्छे कार्यों के लिए जुड़े संगठन के लिए 'मण्डली' शब्द का प्रयोग किया जाता है, जबकि समाज-विरोधी कार्यों के लिए जुड़े संगठन के लिए 'गिरोह' का प्रयोग किया जाना उचित है।

232. अशुद्ध वाक्य : कुछ दिनों में आप द्वारा लगाया गया यह पौधा बड़ा विशाल वृक्ष बन जायेगा।

शुद्ध वाक्य : कुछ दिनों में आप द्वारा लगाया गया यह पौधा विशाल वृक्ष बन जायेगा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'बड़ा' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'विशाल' शब्द में वृक्ष का आकार प्रतीत हो रहा है तथा 'विशाल' शब्द 'बड़ा' का समानार्थी भी है।

233. अशुद्ध वाक्य : बाजार में साप्ताहिक अवकाश सोमवार का रहता है।

शुद्ध वाक्य : बाजार में साप्ताहिक बंदी सोमवार को होती है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'अवकाश' के स्थान पर 'बंदी' और 'का रहता' के स्थान पर 'को होती' का प्रयोग होना चाहिए।

234. अशुद्ध वाक्य : इस पुस्तक में यही विशेषता है।

शुद्ध वाक्य : इस पुस्तक की यही विशेषता है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में 'में' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'में' के स्थान पर 'की' का प्रयोग उचित है।

235. अशुद्ध वाक्य : उसके प्राण पखेरू चले गये।

शुद्ध वाक्य : उसके प्राण पखेरू उड़ गये।

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में 'चले' के स्थान पर 'उड़' का प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि वाक्य में 'प्राण पखेरू' का प्रयोग किया गया है और पखेरू (पक्षी) उड़ता है न कि चलता है।

236. अशुद्ध वाक्य : आप की रचना श्रेष्ठतम है।

शुद्ध वाक्य : आप की रचना श्रेष्ठतम है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। 'श्रेष्ठतम' के स्थान पर 'श्रेष्ठतम' होना चाहिए।

237. अशुद्ध वाक्य : लड्डू और लस्सी पीकर हमने यात्रा की।

शुद्ध वाक्य : लड्डू खाकर और लस्सी पीकर हमने यात्रा की।

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। वाक्य में 'लड्डू खाकर' प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि लड्डू पिया नहीं, बल्कि खाया जाता है।

238. अशुद्ध वाक्य : वह नगर दृष्टव्य है।

शुद्ध वाक्य : वह नगर द्रष्टव्य है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। 'दृष्टव्य' के स्थान पर 'द्रष्टव्य' होना चाहिए।

239. अशुद्ध वाक्य : व्यक्ति को अपने समय का अच्छा सदुपयोग करना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : व्यक्ति को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में 'अच्छा' का प्रयोग अनुचित है। 'सदुपयोग' में ही 'अच्छा' का अर्थ समाहित है।

240. अशुद्ध वाक्य : मित्र कहाँ थे? इतने वर्षों के बीच दिखाई नहीं दिए।

शुद्ध वाक्य : मित्र कहाँ थे? इतने वर्षों में दिखाई नहीं दिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में 'के बीच' के स्थान पर 'में' होना चाहिए।

241. अशुद्ध वाक्य : मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड के योग्य है।

शुद्ध वाक्य : मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड का पात्र है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में 'के योग्य' के स्थान पर 'का पात्र' होना चाहिए, क्योंकि मृत्युदण्ड एक सजा है और सम्बन्धित व्यक्ति उसका पात्र होता है।

242. अशुद्ध वाक्य : छात्रों ने मुख्य अतिथि को मान पत्र प्रदान किया।

शुद्ध वाक्य : छात्रों ने मुख्य अतिथि को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में 'मान' के स्थान पर 'प्रशस्ति' होना चाहिए। वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'मान' अनुचित है।

243. अशुद्ध वाक्य : तितली के पास सुंदर पंख होते हैं।

शुद्ध वाक्य : तितली के पंख सुंदर होते हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में 'पास' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है जो 'पास' या 'होने' का बोध करा रहा है।

244. अशुद्ध वाक्य : राकेश नया पोशाक पहनकर आया है।

शुद्ध वाक्य : राकेश नई पोशाक पहनकर आया है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'नया' के स्थान पर 'नई' तथा 'पोशाक' के स्थान पर 'पोशाक' होना चाहिए।

245. अशुद्ध वाक्य : जब भी आप आओ मुझसे मिलो।

शुद्ध वाक्य : जब भी आप आइये, मुझसे मिलिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में 'आप' के साथ सम्मानसूचक शब्द का प्रयोग होना चाहिए। 'आओ' के स्थान पर 'आइये' तथा 'मिलो' के स्थान पर 'मिलिए' का प्रयोग होना चाहिए। साथ ही 'आइये' के बाद अल्प विराम (,) का प्रयोग होना चाहिए।

246. अशुद्ध वाक्य : गत रविवार को वह मुंबई जाएगा।

शुद्ध वाक्य : गत रविवार वह मुंबई गया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में 'गत' और 'जाएगा' दोनों का प्रयोग गलत है, क्योंकि 'गत' भूतकाल तथा 'जाएगा' भविष्यत काल का बोध करा रहा है। दोनों में से एक का प्रयोग होना चाहिए। यदि वाक्य में 'गत' का प्रयोग होगा, तो सबसे बाद में क्रिया 'गया' लगेगी तथा यदि वाक्य के अन्त में क्रिया 'जाएगा' रहेगा, तो 'गत' का प्रयोग नहीं होगा।

247. अशुद्ध वाक्य : मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पेत्रिक सम्पत्ति है।

शुद्ध वाक्य : मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पैतृक सम्पत्ति है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'पेत्रिक' के स्थान पर 'पैतृक' होना चाहिए।

248. अशुद्ध वाक्य : उसने मोती का एक हार खरीदा।

शुद्ध वाक्य : उसने मोतियों का एक हार खरीदा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मोती' के स्थान पर 'मोतियों' होना चाहिए।

249. अशुद्ध वाक्य : हमें अपनी काम करना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : हमें अपना काम करना चाहिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'अपनी' के स्थान पर 'अपना' होना चाहिए।

250. अशुद्ध वाक्य : निराशा छापी हुई है।

शुद्ध वाक्य : निराशा छापी है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'हुई' का प्रयोग निरर्थक है। यहाँ 'हुई' शब्द का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

251. अशुद्ध वाक्य : श्री सिंह मेरे पिता है।

शुद्ध वाक्य : श्री मोहन सिंह मेरे पिता हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में केवल 'श्री सिंह' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि किसी का परिचय देने के लिए पूरे नाम का प्रयोग करना चाहिए।

252. अशुद्ध वाक्य : दोनों चोटियों में से कौन-सी उच्चतम हैं।

शुद्ध वाक्य : दोनों चोटियों में से कौन-सी उच्चतर है?

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में तुलनात्मक विशेषण का प्रयोग हुआ है। इसके अन्तर्गत उत्तमावस्था विशेषण का प्रयोग किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में चूँकि दो चोटियों की तुलना हो रही है। अतः इसमें उत्तरावस्था विशेषण अर्थात् 'उच्चतर' का प्रयोग करना उचित होगा। इसके साथ वाक्य प्रश्नवाचक है। अतः वाक्य के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न होना चाहिए।

253. अशुद्ध वाक्य : मोहन की आँख से आँसू बह रहे थे।

शुद्ध वाक्य : मोहन की आँखों से आँसू बह रहे थे।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'आँख' के स्थान पर 'आँखों' होना चाहिए, क्योंकि आँसू दोनों आँखों से बहते हैं।

254. अशुद्ध वाक्य : आँखों से आँसू निकल पड़ा।

शुद्ध वाक्य : आँखों से आँसू निकल पड़े।

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में 'पड़ा' के स्थान पर 'पड़े' होना चाहिए, क्योंकि 'आँसू' शब्द का प्रयोग बहुवचन के रूप में होता है। अतः यहाँ आँसू बहुवचन के रूप में प्रयुक्त होगा।

255. अशुद्ध वाक्य : उनका आँसू बहने लगा।

शुद्ध वाक्य : उनके आँसू बहने लगे।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

256. अशुद्ध वाक्य : अनेक विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने हड़ताल किया है।

शुद्ध वाक्य : अनेक विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों ने हड़ताल की है।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'विश्वविद्यालय' के स्थान पर 'विश्वविद्यालयों' होना चाहिए, क्योंकि कई विश्वविद्यालयों के कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं।

257. अशुद्ध वाक्य : इस समय मेरी आयु तीस वर्षों की है।

शुद्ध वाक्य : इस समय मेरी उम्र तीस वर्ष की है।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में 'आयु' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'आयु' के स्थान पर 'उम्र' या 'अवस्था' होना चाहिए, क्योंकि 'आयु' का प्रयोग सम्पूर्ण जीवनकाल के लिए होता है, जबकि 'उम्र' या 'अवस्था' सम्पूर्ण जीवनकाल का एक अंश होता है।

258. अशुद्ध वाक्य : इस समय मेरी आयु बीस वर्ष की है।

शुद्ध वाक्य : इस समय मेरी अवस्था बीस वर्ष है।

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

259. अशुद्ध वाक्य : इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष है।

शुद्ध वाक्य : इस समय आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

260. अशुद्ध वाक्य : मैंने तुमको अनेकों बार कहा।

शुद्ध वाक्य : मैंने तुमसे अनेक बार कहा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में कर्म कारक 'तुमको' प्रयोग किया गया है, जो कि गलत है। इसके स्थान पर करण कारक 'तुमसे' होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 'अनेकों' शब्द त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' स्वयं बहुवचन है।

261. अशुद्ध वाक्य : तुम मोहन को देखे हो।

शुद्ध वाक्य : तुमने मोहन को देखा है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में कर्ता कारक 'तुम' के स्थान पर 'तुमने' होना चाहिए तथा क्रिया का एकवचन 'देखा' प्रयोग होना चाहिए।

262. अशुद्ध वाक्य : बच्चों से गुस्सा न करो।

शुद्ध वाक्य : बच्चों पर गुस्सा न करो।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में अधिकरण कारक का प्रयोग होना चाहिए, जबकि इस वाक्य में करण कारक का प्रयोग हो रहा है। अतः 'से' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

263. अशुद्ध वाक्य : दस रुपया में क्या आता है?

शुद्ध वाक्य : दस रुपये में क्या मिलता है?

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में 'रुपया' बहुवचन के रूप में प्रयोग होना चाहिए अर्थात् 'रुपये' होना चाहिए तथा 'आता' की जगह 'मिलता' होना चाहिए।

264. अशुद्ध वाक्य : उसकी सौजन्यता से यह कार्य हुआ है।

शुद्ध वाक्य : उनके सौजन्य से यह कार्य हुआ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में 'उसकी' के स्थान पर 'उनके' होना चाहिए, क्योंकि यह वाक्य किसी के सम्मान में प्रयोग हो रहा है।

265. अशुद्ध वाक्य : तमाम देश भर में ये बात फैल गयी।

शुद्ध वाक्य : देशभर में यह बात फैल गयी।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007, 1998

व्याख्या—वाक्य में 'तमाम' का प्रयोग निरर्थक है। इस वाक्य में 'तमाम' नहीं होना चाहिए, साथ ही चूँकि 'बात' एकवचन शब्द का प्रयोग किया गया है। अतः 'ये' के स्थान पर 'यह' होना चाहिए। इस वाक्य में 'देश भर' एक साथ होना चाहिए।

266. अशुद्ध वाक्य : सारे देश भर में यह बात फैल गयी।

शुद्ध वाक्य : देशभर में यह बात फैल गयी।

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

267. अशुद्ध वाक्य : मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं सप्रमाण कहता हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में 'सहित' का प्रयोग गलत है, क्योंकि 'सप्रमाण' में 'प्रमाण सहित' का बोध हो रहा है।

268. अशुद्ध वाक्य : भोजन बहुत सुन्दर बना है।

शुद्ध वाक्य : भोजन बहुत स्वादिष्ट बना है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—इस वाक्य में 'सुन्दर' के स्थान पर 'स्वादिष्ट' होना चाहिए, क्योंकि 'स्वादिष्ट' शब्द 'भोजन' की विशेषता बता रहा है, जो कि भोजन करने पर ही पता चलेगा, न कि उसे देखने से। यहाँ यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि 'स्वादिष्ट' एवं 'स्वादिष्ट दोनों शब्द सही हैं। 'स्वादिष्ट' का प्रयोग रोचक के संदर्भ में होता है, जबकि 'स्वादिष्ट' भोजन के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।

269. अशुद्ध वाक्य : मैं गुरुजी से श्रद्धा करता हूँ।

शुद्ध वाक्य : गुरुजी में मेरी श्रद्धा है/मैं गुरुजी का आदर करता हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में 'से श्रद्धा' के स्थान पर 'में श्रद्धा' होना चाहिए। चूँकि किसी में श्रद्धा रखी जाती है, न कि किसी से श्रद्धा।

270. अशुद्ध वाक्य : मैं सौ रुपये का टिकट खरीदा।

शुद्ध वाक्य : मैंने सौ रुपये का टिकट खरीदा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम 'मैं' के स्थान पर 'मैंने' का प्रयोग होना चाहिए।

271. अशुद्ध वाक्य : आपका पत्र सधन्यवाद सहित मिला।

शुद्ध वाक्य : आपका पत्र मिला, धन्यवाद।

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'सधन्यवाद सहित' प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'सधन्यवाद' नहीं होना चाहिए, क्योंकि सधन्यवाद के प्रयोग का अर्थ आपका पत्र भी मिला और धन्यवाद भी मिला। इसके स्थान पर 'आपका पत्र मिला, धन्यवाद' का प्रयोग होना चाहिए।

272. अशुद्ध वाक्य : एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में हरी घास चर रहे हैं।

शुद्ध वाक्य : एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में हरी घास चर रही हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। क्रिया का प्रयोग वाक्य में प्रयुक्त अन्तिम कर्ता के लिंग के अनुसार होना चाहिए।

273. अशुद्ध वाक्य : आपकी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।

शुद्ध वाक्य : आपकी आयुष्मती कन्या का विवाह होने जा रहा है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'सौभाग्यवती' के स्थान पर 'आयुष्मती' का प्रयोग होना चाहिए। 'सौभाग्यवती' का प्रयोग विवाहोपरान्त किया जाता है।

274. अशुद्ध वाक्य : एक पानी का गिलास दीजिए।

शुद्ध वाक्य : एक गिलास पानी दीजिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988, 1999, 2005

व्याख्या—इस वाक्य में 'एक पानी का' प्रयोग गलत है। चूँकि पानी तरल पदार्थ है, इसलिए इसका मापन किसी बर्तन या लीटर अथवा मिलीलीटर से ही संभव है। अतः 'एक पानी का' के स्थान पर 'एक गिलास पानी' होगा।

275. अशुद्ध वाक्य : मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा।

शुद्ध वाक्य : मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा।

U.P. P.C.S. (Mains), 1999, 2005

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'प्रतीक्षा' के स्थान पर 'प्रतीक्षा' होना चाहिए।

276. अशुद्ध वाक्य : प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : प्रत्येक प्राणी को आत्मनिर्भर होना चाहिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1999, 2005

व्याख्या—वाक्य में 'स्वयं' का प्रयोग असंगत है। 'आत्मनिर्भर' में ही 'स्वयं' का बोध हो रहा है।

277. अशुद्ध वाक्य : मैं कपड़े नहीं दिया हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैंने कपड़े नहीं दिये हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 1999, 2005

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। 'मैं' के स्थान पर 'मैंने' तथा 'दिया हूँ' के स्थान पर 'दिये हैं' होना चाहिए।

278. अशुद्ध वाक्य : वे दो नौ ग्यारह हो गया।

शुद्ध वाक्य : वह नौ दो ग्यारह हो गया।

U.P. P.C.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में मुहावरे का प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। सही मुहावरा 'नौ दो ग्यारह' है तथा बहुवचन 'वे' का प्रयोग है, इसके स्थान पर एकवचन 'वह' होना चाहिए।

279. अशुद्ध वाक्य : मैं अपनी बात को स्पष्टीकरण करना चाहता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण देना चाहता हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में सम्बन्ध कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। यहाँ पर 'को' के स्थान पर 'का' तथा 'करना' के स्थान पर 'देना' होना चाहिए।

280. अशुद्ध वाक्य : मुझे आप पुराने पते से पत्र दीजिएगा।

शुद्ध वाक्य : मुझे आप पुराने पते पर पत्र दीजिएगा।

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। वाक्य में 'से' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

281. अशुद्ध वाक्य : उनकी अपनी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रगट होती है।

शुद्ध वाक्य : उनकी प्रखर बुद्धि हर काम में दृष्टिगत होती है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में दो सर्वनाम 'उनकी' तथा 'अपनी' का प्रयोग किया गया है। इस वाक्य में 'अपनी' का प्रयोग असंगत है। वाक्य में 'प्रगट' के स्थान पर 'दृष्टिगत' का प्रयोग उपयुक्त होगा।

282. अशुद्ध वाक्य : आप इस पत्र में हस्ताक्षर बना दीजिए।

शुद्ध वाक्य : आप इस पत्र पर हस्ताक्षर कर दीजिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में सम्बन्ध कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। वाक्य में 'में' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए। 'बना' के स्थान पर 'कर' का प्रयोग होना चाहिए।

283. अशुद्ध वाक्य : शेर को देखकर उसका प्राण सूख गया।

शुद्ध वाक्य : शेर को देखकर उसके प्राण सूख गये।

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। 'प्राण' शब्द हमेशा बहुवचन के रूप में प्रयोग होता है। अतः 'सूख गया' के स्थान पर 'सूख गये' होना चाहिए।

284. अशुद्ध वाक्य : मेरा प्राण सूख गया।

शुद्ध वाक्य : मेरे प्राण सूख गये।

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

285. अशुद्ध वाक्य : उसका प्राण निकल गया।

शुद्ध वाक्य : उसके प्राण निकल गये।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

286. अशुद्ध वाक्य : अधिकांश विद्यार्थी शान्त रहें।

शुद्ध वाक्य : अधिकतर विद्यार्थी शान्त रहे।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'अधिकांश' शब्द त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि जहाँ अधिक भाग का प्रयोग होता है, वहाँ 'अधिकांश' का प्रयोग करते हैं, जबकि जहाँ गणना योग्य होता है, वहाँ 'अधिकतर' का प्रयोग करते हैं।

287. अशुद्ध वाक्य : दोषी छात्रों ने अपने सिर नीचे को कर लिए।

शुद्ध वाक्य : दोषी छात्रों ने अपना सिर झुका लिया।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'सिर नीचे को कर लिए' अशुद्ध है। इस वाक्य में 'सिर नीचे झुका लिया' या 'सिर नीचे कर लिया' होना चाहिए।

288. अशुद्ध वाक्य : आपकी महान् कृपा होगी।

शुद्ध वाक्य : आपकी महती कृपा होगी।

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में 'महान्' के स्थान पर 'महती' होगा।

289. अशुद्ध वाक्य : हवन सामग्री जल गया।

शुद्ध वाक्य : हवन सामग्री जल गयी।

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में 'गया' के स्थान पर 'गयी' होना चाहिए, क्योंकि हवन सामग्री 'स्त्रीलिंग' शब्द है।

290. अशुद्ध वाक्य : उसे कह दो कि भाग जाय।

शुद्ध वाक्य : उससे कह दो कि भाग जाये।

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—वाक्य में 'उसे' के स्थान पर 'उससे' होना चाहिए। यह सर्वनाम की विभक्ति सम्बन्धी अशुद्धि है।

291. अशुद्ध वाक्य : अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद है।

शुद्ध वाक्य : अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

व्याख्या—वाक्य में 'हानिप्रद' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। वाक्य में स्वास्थ्य के कारणों की चर्चा की जा रही है। अतः 'हानिकारक' का प्रयोग करना उचित होगा।

292. अशुद्ध वाक्य : मेरे मन के अन्दर कोई बुरी बात नहीं है।

शुद्ध वाक्य : मेरे मन में कोई बुरी बात नहीं है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'मन के अन्दर' के स्थान पर 'मन में' होना चाहिए।

293. अशुद्ध वाक्य : यद्यपि मैं आपका बहुत कृतज्ञ हूँ पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।

शुद्ध वाक्य : यद्यपि मैं आपका बहुत आभारी हूँ, पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'कृतज्ञ' के स्थान पर 'आभारी' होना चाहिए। 'कृतज्ञ', 'किये गये उपकार को मानने वाले' के लिए प्रयोग किया जाता है।

294. अशुद्ध वाक्य : मेरी पूजनीय माँ अब इस संसार में नहीं हैं।

शुद्ध वाक्य : मेरी पूजनीया माँ अब इस संसार में नहीं हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'पूजनीय' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर 'पूजनीया' होना चाहिए।

295. अशुद्ध वाक्य : पुस्तक को जहाँ से उठाओ, वहीं रख दो।

शुद्ध वाक्य : पुस्तक जहाँ से उठाओ, वहीं रख दो।

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

व्याख्या—इस वाक्य में 'को' का प्रयोग निरर्थक है।

296. अशुद्ध वाक्य : हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं।

शुद्ध वाक्य : मैं अपने पिता का सबसे बड़ा लड़का हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में व्यक्ति विशेष अर्थात् स्वयं कर्ता परिचय दे रहा है, तो 'हम' बहुवचन का प्रयोग उचित नहीं है। 'हम' के स्थान पर 'मैं' होना चाहिए।

297. अशुद्ध वाक्य : मैं मेरी कलम से लिखता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं अपनी कलम से लिखता हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में 'मेरी' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि यहाँ निजवाचक सर्वनाम के साथ 'अपनी' का प्रयोग उचित होगा।

298. अशुद्ध वाक्य : यह भाग्यवान स्त्री है।

शुद्ध वाक्य : यह सौभाग्यवती है।

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में 'भाग्यवान' के स्थान पर 'सौभाग्यवती' होना चाहिए तथा 'स्त्री' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि 'सौभाग्यवती' कोई स्त्री ही होगी।

299. अशुद्ध वाक्य : कृष्ण पीताम्बर धारण करते थे।

शुद्ध वाक्य : कृष्ण पीताम्बरधारी थे।

U.P. P.C.S. (Mains), 1999

व्याख्या—इस वाक्य में 'पीताम्बरधारी' शब्द का प्रयोग उचित है।

300. अशुद्ध वाक्य : मेरा नाम श्री मोहन जी है।

शुद्ध वाक्य : मेरा नाम मोहन है।

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में सम्मानसूचक शब्द 'श्री' और 'जी' दोनों का प्रयोग हुआ है। अपना परिचय देते समय सम्मानसूचक शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता है।

301. अशुद्ध वाक्य : शिकारी ने उस पर गोली चलाई पर शेर बच निकला।

शुद्ध वाक्य : शिकारी ने गोली चलाई, पर शेर बच निकला।

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

व्याख्या—इस वाक्य में सर्वनाम का पहले प्रयोग किया गया है, जबकि संज्ञा का प्रयोग बाद में हुआ है, जो व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'उस पर' का प्रयोग करना अनुचित है।

302. अशुद्ध वाक्य : वह पेड़ जो कोने पर लगा है, उसके फल मीठे हैं।

शुद्ध वाक्य : कोने पर लगे पेड़ के फल मीठे हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में 'वह पेड़ जो' तथा 'उसके' का प्रयोग अनुचित है। यहाँ संज्ञा के पहले सर्वनाम तथा सर्वनाम का उसी वाक्य में दो बार प्रयोग हुआ है।

303. अशुद्ध वाक्य : सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञानता है।

शुद्ध वाक्य : सामाजिक कुरीतियों का कारण अज्ञानता है।

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में प्रयोग 'एकमात्र' शब्द त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञानता नहीं है। अज्ञानता कई कारणों में से एक कारण है।

304. अशुद्ध वाक्य : विद्यालय के लड़के गेंद खेल रहे थे।

शुद्ध वाक्य : विद्यालय के छात्र गेंद खेल रहे थे।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में 'लड़के' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि एक निश्चित स्थान अर्थात् विद्यालय में छात्र ही रहेंगे। 'लड़के' से विविधता का बोध हो रहा है।

305. अशुद्ध वाक्य : आपका भविष्य उज्ज्वल है।

शुद्ध वाक्य : आपका भविष्य उज्ज्वल है।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—वर्तनी के दृष्टिकोण से 'उज्ज्वल' त्रुटिपूर्ण है। सही वर्तनी वाला शब्द 'उज्ज्वल' होगा।

306. अशुद्ध वाक्य : मैं घर ही हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं घर में हूँ।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में 'ही' का प्रयोग गलत है। 'ही' के स्थान पर 'अधिकरण कारक' की 'में' विभक्ति होनी चाहिए।

307. अशुद्ध वाक्य : ठण्डा घड़े का पानी पिलाइए।

शुद्ध वाक्य : घड़े का ठण्डा पानी पिलाइए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में विशेषण का त्रुटिपूर्ण प्रयोग हुआ है। विशेषण 'ठण्डा' का प्रयोग 'घड़े' के साथ नहीं 'पानी' के साथ किया जाना चाहिए।

308. अशुद्ध वाक्य : पति-पत्नी आई है।

शुद्ध वाक्य : पति-पत्नी आये हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य के चूँकि बहुवचन (पति-पत्नी) का प्रयोग हुआ है। अतः यहाँ पर 'आई' के स्थान पर 'आये' का प्रयोग होगा।

309. अशुद्ध वाक्य : हम हमारे देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।

शुद्ध वाक्य : हम अपने देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में 'हमारे' के स्थान पर 'अपने' होगा, क्योंकि 'हम' सर्वनाम के साथ सम्बन्ध कारक 'अपने' का प्रयोग होता है।

310. अशुद्ध वाक्य : उसके बाद फिर राम का राज्याभिषेक हुआ।

शुद्ध वाक्य : उसके बाद राम का राज्याभिषेक हुआ।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—इस वाक्य में 'फिर' का प्रयोग अनुचित है। अतः यहाँ 'फिर' का प्रयोग नहीं होगा।

311. अशुद्ध वाक्य : एक फूलों की माला चाहिए।

शुद्ध वाक्य : फूलों की एक माला चाहिए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—वाक्य में 'एक फूलों की माला' त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि 'फूलों' बहुवचन है, इसके साथ एक का प्रयोग अनुचित है, जो एकवचन को प्रदर्शित करता है। इस वाक्य में 'फूलों की एक माला' होना चाहिए।

312. अशुद्ध वाक्य : माली एक फूलों की माला लाया।

शुद्ध वाक्य : माली फूलों की एक माला लाया।

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

313. अशुद्ध वाक्य : आप जाओ।

शुद्ध वाक्य : आप जाइए।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—‘आप’ शब्द अपने से बड़े या श्रेष्ठ के लिए प्रयोग किया जाता है, जो सम्मानसूचक शब्द है, इसके साथ ‘जाइए’ शब्द का प्रयोग होगा।

314. अशुद्ध वाक्य : मेरे को बुलाया।

शुद्ध वाक्य : मुझे बुलाया।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—‘मेरे को बुलाया’, वाक्य व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है। इसे बोलचाल की भाषा में प्रयोग किया जाता है। व्याकरण की दृष्टि से ‘मुझे बुलाया’ सही है।

315. अशुद्ध वाक्य : वह घोड़े में सवार था।

शुद्ध वाक्य : वह घोड़े पर सवार था।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—‘वह घोड़े में सवार था’ वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में ‘अधिकरण कारक’ की ‘पर’ विभक्ति प्रयोग किया जाएगा अर्थात् ‘वह घोड़े पर सवार था’ वाक्य शुद्ध होगा।

316. अशुद्ध वाक्य : वे बड़े सज्जन व्यक्ति हैं।

शुद्ध वाक्य : वे बड़े सज्जन हैं।

U.P. P.C.S. (Mains), 1988

व्याख्या—इस वाक्य में व्यक्ति का प्रयोग गलत है। यहाँ ‘सज्जन’ विशेषण के साथ व्यक्ति का बोध हो रहा है।

317. अशुद्ध वाक्य : वह सज्जन व्यक्ति हैं।

शुद्ध वाक्य : वह सज्जन हैं।

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

318. अशुद्ध वाक्य—आप कभी भी आओ, मैं आपसे मिलूँगा।

शुद्ध वाक्य—आप कभी भी आइए, मैं मिलूँगा।

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। अतः ‘आओ’ के स्थान पर ‘आइए’ होगा।

319. अशुद्ध वाक्य—दुर्घटना में हताहत हुए लोगों की मरहम-पट्टी की गयी।

शुद्ध वाक्य—दुर्घटना में हताहत लोगों की मरहम-पट्टी की गयी।

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में ‘हुए’ का असंगत प्रयोग हुआ है। इस वाक्य में ‘हुए’ का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

320. अशुद्ध वाक्य—मेरे पुकारने पर किताब में तल्लीन युवक ने किताब से मुँह उठाकर मेरी ओर देखा।

शुद्ध वाक्य—मेरे पुकारने पर किताब में तल्लीन युवक ने मुँह उठाकर मेरी ओर देखा।

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में संज्ञा शब्द ‘किताब’ का दो बार प्रयोग हुआ है, जो अनुचित है। अतः संज्ञा शब्द ‘किताब’ का प्रयोग एक ही बार करना उचित है।

321. अशुद्ध वाक्य—धार्मिक असहिष्णुता को देखकर महात्मा गाँधी की मृतक आत्मा को कितना संताप होता होगा।

शुद्ध वाक्य—धार्मिक असहिष्णुता को देखकर महात्मा गाँधी की आत्मा को कितना संताप होता होगा?

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में ‘मृतक’ का प्रयोग अनुचित है। चूँकि आत्मा मृतक होती ही नहीं, साथ ही वाक्य प्रश्नवाचक है। अतः वाक्य के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होना चाहिए।

322. अशुद्ध वाक्य—आप कौन-से मकान में रहते हैं?

शुद्ध वाक्य—आप किस मकान में रहते हैं?

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में प्रश्नवाचक शब्द का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, ‘कौन-से’ के स्थान पर ‘किस’ का प्रयोग करना उचित होगा।

323. अशुद्ध वाक्य : वह गर्म आग में हाथ सेंक रहा था।

शुद्ध वाक्य : वह आग से हाथ सेंक रहा था।

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में ‘गर्म’ का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि ‘आग’ स्वयं गर्म होती है। अतः ‘गर्म’ का प्रयोग उचित नहीं है। साथ ही कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। यहाँ ‘में’ के स्थान पर ‘से’ का प्रयोग उचित है।

324. अशुद्ध वाक्य : मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं आपके दर्शन हेतु आया हूँ।

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

U.P. P.C.S. (Mains), 1989

व्याख्या—वाक्य में ‘आपका’ के स्थान पर ‘आपके’ होना चाहिए, क्योंकि दर्शन बहुवचन शब्द है। ‘करने’ के स्थान पर ‘हेतु’ शब्द का प्रयोग अधिक उपयुक्त है।

325. अशुद्ध वाक्य : पिताजी कल सबेरे आ गया है।

शुद्ध वाक्य : पिताजी कल सबेरे आ गये थे।

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया एवं काल सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। यहाँ भूतकाल के लिए 'थे' तथा सम्मान प्रदान करने के लिए 'गये' का प्रयोग होना चाहिए।

326. अशुद्ध वाक्य : प्रत्येक भारत के राज्य में एक मुख्यमंत्री है।

शुद्ध वाक्य : भारत के प्रत्येक राज्य में एक मुख्यमंत्री होता है।

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'प्रत्येक भारत' का प्रयोग है, जो कि त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि भारत एक है और उसमें कई राज्य हैं अर्थात् भारत, 'राज्यों का संघ' है। अतः 'प्रत्येक भारत' के स्थान पर 'भारत के प्रत्येक राज्य' होना चाहिए।

327. अशुद्ध वाक्य : वह आरोग्य हो गया।

शुद्ध वाक्य : वह स्वस्थ हो गया।

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में 'आरोग्य' का प्रयोग उचित नहीं है, आरोग्य के स्थान पर 'स्वस्थ' होना चाहिए।

328. अशुद्ध वाक्य : नेताजी को एक गुलाब की माला पहनायी गयी।

शुद्ध वाक्य : नेताजी को गुलाब की एक माला पहनायी गयी।

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'एक गुलाब की माला' अशुद्ध है, क्योंकि 'गुलाब की माला' कई गुलाबों से बनती है न कि एक गुलाब से। अतः वाक्य में 'गुलाब की एक माला' होना चाहिए।

329. अशुद्ध वाक्य : वाक्य के अन्तर्गत प्रयुक्त शब्द सदोष है।

शुद्ध वाक्य : वाक्य के अन्तर्गत प्रयुक्त शब्द त्रुटिपूर्ण है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'सदोष' शब्द त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि वाक्य में दोष नहीं होगा, बल्कि त्रुटि होगी। अतः 'सदोष' के स्थान पर 'त्रुटिपूर्ण' होना चाहिए।

330. अशुद्ध वाक्य : वर्षा में न जाने कितने बेशुमार जीव उत्पन्न होते हैं।

शुद्ध वाक्य : वर्षा में न जाने कितने जीव उत्पन्न होते हैं।

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'बेशुमार' शब्द अनुचित है, क्योंकि 'न जाने कितने' में बेशुमार के अर्थ का बोध हो रहा है। अतः इस वाक्य में 'बेशुमार' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

331. अशुद्ध वाक्य : उस पतिव्रता को छूने का उत्साह कौन करेगा?

शुद्ध वाक्य : उस पतिव्रता को छूने का दुस्साहस कौन करेगा?

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में 'उत्साह' का प्रयोग अनुचित है। किसी उचित कार्य करने में 'साहस' का प्रयोग होता है, किन्तु उसके विपरीत अनुचित कार्य करने में 'दुस्साहस' का प्रयोग किया जाता है।

332. अशुद्ध वाक्य : मुझे रोटी खाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे रोटी खानी है।

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। 'रोटी' स्त्रीलिंग है, अतः खाना के स्थान पर 'खानी' होना चाहिए।

333. अशुद्ध वाक्य : कुछ स्थलों में ऐसा कहा गया है।

शुद्ध वाक्य : कुछ स्थलों पर ऐसा कहा गया है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'अधिकरण कारक' की त्रुटि है। 'कुछ स्थलों में' के स्थान पर 'कुछ स्थलों पर' होना चाहिए।

334. अशुद्ध वाक्य : उसने तरह-तरह का रूप धारण किया।

शुद्ध वाक्य : उसने तरह-तरह के रूप धारण किये।

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'तरह-तरह' बहुवचन का प्रयोग किया गया है। अतः 'किया' के स्थान पर 'किये' होना चाहिए।

335. अशुद्ध वाक्य : ऐक्यता से उन्नति होती है।

शुद्ध वाक्य : एकता से उन्नति होती है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है। 'ऐक्यता' के स्थान पर 'एकता' होना चाहिए।

336. अशुद्ध वाक्य : कोयल का कंठ सबसे मधुर है।

शुद्ध वाक्य : कोयल का कंठ मधुरतम है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1994

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'सबसे मधुर' के स्थान पर 'मधुरतम' शब्द का प्रयोग करना उचित होगा, क्योंकि इस वाक्य में विशेषण 'मधुर' की उत्तमावस्था का प्रयोग अर्थात् 'मधुरतम' का प्रयोग होगा।

337. अशुद्ध वाक्य : उसे मरणोपरान्त के बाद राष्ट्रीय सम्मान मिला।

शुद्ध वाक्य : उसे मरणोपरान्त राष्ट्रीय सम्मान मिला।

U.P. A.P.O. (Mains), 1994

व्याख्या—वाक्य में 'के बाद' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि 'मरणोपरान्त' का अर्थ होता है 'मृत्यु के उपरान्त (बाद)', जिसमें 'के बाद' समाहित है।

338. अशुद्ध वाक्य : यह घी की शुद्ध दुकान है।

शुद्ध वाक्य : यह शुद्ध घी की दुकान है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1994

व्याख्या—वाक्य में 'शुद्ध दुकान' का प्रयोग अनुचित है। वाक्य में 'शुद्ध घी की दुकान' होना चाहिए।

339. अशुद्ध वाक्य : दिल्ली अपने देश की सबसे बड़ी राजधानी है।

शुद्ध वाक्य : दिल्ली अपने देश की राजधानी है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1988

व्याख्या—वाक्य में 'सबसे बड़ी' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि अपने देश की राजधानी एक ही है, न कि कई।

340. अशुद्ध वाक्य : मैं बोल दिया था कि आज न आयाँ।

शुद्ध वाक्य : मैंने कह दिया था कि आज न आएँ।

U.P. A.P.O. (Mains), 1988

व्याख्या—वाक्य में 'बोल दिया' के स्थान पर 'कह दिया' होना चाहिए, क्योंकि किसी के लिए कोई बात कही गई है।

341. अशुद्ध वाक्य : आधा किलो शुद्ध गाय का दूध ले आओ।

शुद्ध वाक्य : गाय का आधा किलो शुद्ध दूध ले आओ।

U.P. A.P.O. (Mains), 1988

व्याख्या—वाक्य में संज्ञा का प्रयोग पहले होना चाहिए, जो कि नहीं हुआ है तथा 'शुद्ध गाय का दूध' के स्थान पर 'शुद्ध दूध' होना चाहिए। अतः वाक्य 'गाय का आधा किलो शुद्ध दूध ले आओ' शुद्ध है।

342. अशुद्ध वाक्य : महात्मा गाँधी ने देश के लिए अनेक यंत्रणाओं को सहन किया।

शुद्ध वाक्य : महात्मा गाँधी ने देश के लिए अनेक यंत्रणाएँ सहन कीं।

U.P. A.P.O. (Mains), 1988

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'यंत्रणाओं' का प्रयोग गलत है। इसके स्थान पर 'यंत्रणाएँ' सही शब्द है।

343. अशुद्ध वाक्य : वहाँ चेचक के खतरे का डर है।

शुद्ध वाक्य : वहाँ चेचक का डर है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'खतरे' का प्रयोग असंगत है। वाक्य में 'खतरे' का प्रयोग नहीं होना चाहिए, क्योंकि बीमारी के बारे में 'डर' या 'भय' का प्रयोग करना उचित है।

344. अशुद्ध वाक्य : भारत की आज भी वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है।

शुद्ध वाक्य : भारत की वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

व्याख्या—वाक्य में 'आज भी' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि वाक्य में वर्तमान का प्रयोग हो रहा है, जिसमें 'आज' का परिदृश्य शामिल है।

345. अशुद्ध वाक्य : हिमालय पर्वत सबसे ऊँचा पर्वत है।

शुद्ध वाक्य : हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

व्याख्या—वाक्य में 'पर्वत' का उल्लेख दो बार किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'पर्वत' का प्रयोग एक बार होना चाहिए।

346. अशुद्ध वाक्य : वे जब वाराणसी आये तो अपने साथ कई मित्रों को ले गये।

शुद्ध वाक्य : वे जब वाराणसी आये, तो अपने साथ कई मित्रों को ले आये।

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

व्याख्या—वाक्य के अन्तिम खण्ड में त्रुटि है, क्योंकि आने पर 'वे' अपने साथ कई मित्रों को ले आये' होगा न कि 'ले गये'।

347. अशुद्ध वाक्य— कई रेलवे के कर्मचारियों ने अवकाश लिया।

शुद्ध वाक्य— रेलवे के कई कर्मचारियों ने अवकाश लिया।

I.A.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य विन्यास में त्रुटि है। 'कई' शब्द का प्रयोग रेलवे शब्द के पूर्व करना अनुचित है। 'कई' शब्द का प्रयोग 'कर्मचारियों' के पूर्व करना उचित होगा।

348. अशुद्ध वाक्य— साहित्य और समाज का घोर संबंध है।

शुद्ध वाक्य— साहित्य और समाज का घनिष्ठ सम्बन्ध है।

I.A.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में 'घोर' के स्थान पर 'घनिष्ठ' शब्द का प्रयोग होगा तथा व्याकरणिक दृष्टि से 'सम्बन्ध' शब्द का प्रयोग करना उचित होगा।

349. अशुद्ध वाक्य— तब शायद यह कल जरूर हो जाएगा।

शुद्ध वाक्य— तब शायद यह कल हो जाएगा।

I.A.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में संदेहवाचक शब्द (शायद) का प्रयोग और निश्चयवाचक शब्द (जरूर) का प्रयोग एक साथ किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। दोनों शब्द विरोधाभास प्रदर्शित करते हैं। अतः दोनों में से एक ही शब्द का उपयोग करना उचित है।

350. अशुद्ध वाक्य— लड़का मिठाई लेकर भागता हुआ घर आया।

शुद्ध वाक्य— लड़का मिठाई लेकर दौड़ता हुआ घर आया।

I.A.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में 'भागता' शब्द का प्रयोग उचित नहीं है। इसके स्थान पर 'दौड़ता' का प्रयोग उचित होगा।

351. अशुद्ध वाक्य— हमारे यहाँ तरुण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबंध है।

शुद्ध वाक्य— हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबंध है।

I.A.S. (Mains), 2022

व्याख्या— वाक्य में 'तरुण' और 'नवयुवकों' का एक साथ प्रयोग हुआ है, जो त्रुटिपूर्ण है। 'तरुण' का अर्थ ही 'नवयुवक' होता है। अतः दोनों में किसी एक का प्रयोग करना उचित होगा। चूँकि वाक्य बहुवचन के संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है। अतः 'नवयुवकों' का प्रयोग करना उचित है।

352. अशुद्ध वाक्य— पक्षी अंडे देता है।

शुद्ध वाक्य— पक्षी अंडे देते हैं।

I.A.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'अंडे' का प्रयोग बहुवचन के रूप में हुआ है। अतः क्रिया भी बहुवचन होगी। यहाँ 'देता है' के स्थान पर 'देते हैं' होगा।

353. अशुद्ध वाक्य— ये लड़का गानेवाला है।

शुद्ध वाक्य— यह लड़का गायक है।

I.A.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य 'एकवचन' का है, इसलिए वाक्य में 'ये' के स्थान पर 'यह' होगा।

354. अशुद्ध वाक्य— मरते क्या नहीं करते।

शुद्ध वाक्य— मरता क्या नहीं करता?

I.A.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'मरते' के स्थान पर 'मरता' और 'करते' के स्थान पर 'करता' होगा, क्योंकि वाक्य एकवचन में प्रयुक्त हो रहा है। साथ ही अन्त में पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्नवाचक चिह्न होगा।

355. अशुद्ध वाक्य— घोड़ा लँगड़ाते हुए भागा।

शुद्ध वाक्य— घोड़ा लड़खड़ाते हुए भागा।

I.A.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'लँगड़ाते' के स्थान पर 'लड़खड़ाते' हुए का प्रयोग होगा।

356. अशुद्ध वाक्य— जहाँ अभी जंगल है यहाँ कभी नदी थी।

शुद्ध वाक्य— जहाँ अब जंगल है, वहाँ कभी नदी थी।

I.A.S. (Mains), 2021

व्याख्या— वाक्य में 'अभी' के स्थान पर 'अब' तथा 'यहाँ' के स्थान पर 'वहाँ' होगा।

357. अशुद्ध वाक्य - आप अपना काम करो।

शुद्ध वाक्य - अपना काम स्वयं करो।

I. A. S. (Mains), 2020

व्याख्या— वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में क्रमबद्ध रूप में 'अपना' के स्थान पर 'स्वयं' होना चाहिए।

358. अशुद्ध वाक्य - मेरे भाई अध्यापक है।

शुद्ध वाक्य - मेरे भाई अध्यापक हैं।

I. A. S. (Mains), 2020

व्याख्या— वाक्य में सम्मानजनक शब्द का प्रयोग हो रहा है। अतः क्रिया भी सम्मानजनक रूप में होनी चाहिए।

359. अशुद्ध वाक्य - अगर आप चाहें तो मैं यह कलम आप को दे सकता था।

शुद्ध वाक्य - अगर आप चाहें तो मैं यह कलम आप को दे सकता हूँ।

I. A. S. (Mains), 2020

व्याख्या— वाक्य में वर्तमान काल की बात हो रही है। अतः क्रिया भी वर्तमान काल की होनी चाहिए।

360. अशुद्ध वाक्य - दो ग्लास में दूध लाओ।

शुद्ध वाक्य - दो गिलास में दूध लाओ।

I. A. S. (Mains), 2020

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी त्रुटि है। यहाँ 'ग्लास' अंग्रेजी शब्द के रूप में प्रयोग किया गया, जबकि यह हिन्दी शब्द के रूप में प्रयोग होना चाहिए। अतः 'ग्लास' के स्थान पर 'गिलास' का प्रयोग करना उचित है।

361. अशुद्ध वाक्य - आकाश में बादल मंडरा रही है।

शुद्ध वाक्य - आकाश में बादल मंडरा रहे हैं।

I. A. S. (Mains), 2020

व्याख्या—'बादल' शब्द एकवचन एवं बहुवचन में समान रहता है। यहां बादल पुल्लिङ्ग है। अतः क्रिया पुल्लिङ्ग एवं बहुवचन में होगी।

362. अशुद्ध वाक्य : शायद आज वर्षा अवश्य होगी।

शुद्ध वाक्य : शायद आज वर्षा होगी।

I. A. S. (Mains), 2019

व्याख्या—वाक्य में 'शायद' का प्रयोग सम्भावना व्यक्त कर रही है, जबकि 'अवश्य' का प्रयोग निश्चितता का बोध करा रहा है। प्राकृतिक घटनाओं की निश्चितता नहीं व्यक्त की जा सकती है, केवल सम्भावना व्यक्त की जा सकती है। अतः 'अवश्य' का प्रयोग उचित नहीं है।

363. अशुद्ध वाक्य : मुझे एक पानी का गिलास चाहिए।

शुद्ध वाक्य : मुझे पानी का एक गिलास चाहिए।

I. A. S. (Mains), 2019

व्याख्या—वाक्य में वाक्य विन्यास की त्रुटि है। 'एक पानी' के स्थान पर पानी का 'एक गिलास' होना चाहिए।

364. अशुद्ध वाक्य : मैंने खाना खाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे खाना खाना है।

I. A. S. (Mains), 2019

व्याख्या—वाक्य में उचित सर्वनाम का प्रयोग नहीं हुआ है। 'मैंने' के स्थान पर 'मुझे' होना चाहिए।

365. अशुद्ध वाक्य : मोहन और शीला बाजार जा रही हैं।

शुद्ध वाक्य : मोहन और शीला बाजार जा रहे हैं।

I. A. S. (Mains), 2019

व्याख्या—वाक्य में दो कर्ता का प्रयोग हुआ है। इसलिए क्रिया भी बहुवचन होगी। अतः 'रही हैं' के स्थान पर 'रहे हैं' होगा।

366. अशुद्ध वाक्य : जुलूस में सैंकड़ों हाथियाँ शामिल थे।

शुद्ध वाक्य : जुलूस में सैंकड़ों हाथी शामिल थे।

I. A. S. (Mains), 2019

व्याख्या—वाक्य में 'सैंकड़ों' का प्रयोग उचित नहीं है। 'सैंकड़ों' के स्थान पर 'सैकड़ों' होना चाहिए। इसी तरह 'हाथियों' के स्थान पर 'हाथी' होना चाहिए, क्योंकि सैंकड़ों का प्रयोग बहुवचन के रूप में किया जा चुका है।

367. अशुद्ध वाक्य : आप अपना काम स्वयं कर लो।

शुद्ध वाक्य : अपना काम स्वयं कर लो।

I. A. S. (Mains), 2018

व्याख्या—वाक्य में निर्देशात्मक वाक्य का प्रयोग हुआ है। अतः 'आप' का प्रयोग उचित नहीं है।

368. अशुद्ध वाक्य : मुझे भगवान पर आत्मविश्वास है।

शुद्ध वाक्य : मुझे भगवान पर विश्वास है।

I. A. S. (Mains), 2018

व्याख्या—वाक्य में 'आत्मविश्वास' का प्रयोग उचित नहीं है। 'आत्मविश्वास' स्वयं का होता है। यहाँ दूसरे (भगवान) की बात हो रही है, तो 'विश्वास' का प्रयोग होगा।

369. अशुद्ध वाक्य : इस गीत की दो चार लड़ियाँ सुना दो।

शुद्ध वाक्य : इस गीत की दो-चार कड़ियाँ सुना दो।

I. A. S. (Mains), 2018

व्याख्या—गीत के लिए 'कड़ियाँ' का प्रयोग होता है, 'लड़ियाँ' का प्रयोग नहीं।

370. अशुद्ध वाक्य : मेरे को खाना दे दीजिए।

शुद्ध वाक्य : मुझे खाना दे दीजिए।

I. A. S. (Mains), 2018

व्याख्या—वाक्य में त्रुटिपूर्ण सर्वनाम का प्रयोग हुआ है। यहाँ पर 'मेरे को' के स्थान पर 'मुझे' प्रयोग होगा।

371. अशुद्ध वाक्य : वे इस जिले के धनी व्यक्ति हैं।

शुद्ध वाक्य : वे इस जिले के धनी हैं।

I. A. S. (Mains), 2018

व्याख्या—वाक्य में 'व्यक्ति' का प्रयोग उचित नहीं है, क्योंकि व्यक्ति ही धनी होगा। साथ ही वाक्य में सम्मानजनक शब्द का प्रयोग हो रहा है। अतः क्रिया भी बहुवचन होगी अर्थात् 'हैं' के स्थान पर 'हैं' होगा।

372. अशुद्ध वाक्य—उन्होंने हाथ जोड़ा।

शुद्ध वाक्य—उसने हाथ जोड़ा।

I. A. S. (Mains), 2017

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम की त्रुटि है। 'उन्होंने' के स्थान पर 'उसने' का प्रयोग होना चाहिए।

373. अशुद्ध वाक्य-शेर को देखकर उसके प्राण सूख गया।
शुद्ध वाक्य-शेर को देखकर उसके प्राण सूख गये।

I.A.S. (Mains), 2017

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'प्राण' बहुवचन के रूप में प्रयुक्त हुआ है। अतः यहाँ पर 'गया' के स्थान पर 'गये' का प्रयोग होना चाहिए।

374. अशुद्ध वाक्य-कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।
शुद्ध वाक्य-कृपया आज अवकाश देने का कष्ट करें।

I.A.S. (Mains), 2017

व्याख्या—वाक्य में 'कृपया' तथा 'कृपा' का प्रयोग दो बार हुआ है। यहाँ पर 'कृपा' के स्थान पर 'कष्ट' होना चाहिए। साथ ही आज के बाद 'का' का प्रयोग अनुचित है। यहाँ 'का' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

375. अशुद्ध वाक्य-कुछ प्रकाशक लेखकों को निराशा देते हैं।
शुद्ध वाक्य-कुछ प्रकाशक लेखकों को निराश कर देते हैं।

I.A.S. (Mains), 2017

व्याख्या—वाक्य में 'निराशा देते हैं' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। यहाँ पर 'निराश कर देते हैं' का प्रयोग होना चाहिए।

376. अशुद्ध वाक्य-नीता खाता है।
शुद्ध वाक्य-नीता खाती है।

I.A.S. (Mains), 2017

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। जब वाक्य में स्त्रीलिंग का प्रयोग हो रहा हो, तब क्रिया भी स्त्रीलिंग होनी चाहिए।

377. अशुद्ध वाक्य-गलीमत है कि मैं गिरते-गिरते बच गया।
शुद्ध वाक्य-गनीमत है कि मैं गिरते-गिरते बच गया।

I.A.S. (Mains), 2016

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी की त्रुटि है। 'गलीमत' के स्थान पर 'गनीमत' होना चाहिए।

378. अशुद्ध वाक्य-हम जाता हूँ।
शुद्ध वाक्य-मैं जाता हूँ।

I.A.S. (Mains), 2016

व्याख्या—वाक्य में एकवचन का प्रयोग हो रहा है। अतः 'हम' के स्थान पर 'मैं' का प्रयोग होना चाहिए।

379. अशुद्ध वाक्य-लड़की खाता है।
शुद्ध वाक्य-लड़की खाती है।

I.A.S. (Mains), 2016

व्याख्या—वाक्य में कर्ता (लड़की) के रूप में प्रयोग हो रहा है। अतः यहाँ क्रिया भी पुल्लिंग (लड़का) स्त्रीलिंग होगी।

380. अशुद्ध वाक्य-हमने स्कूल जाना है।
शुद्ध वाक्य-मुझे स्कूल जाना है।

I.A.S. (Mains), 2016

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम की त्रुटि है। 'हमने' के स्थान पर 'मुझे' का प्रयोग होना चाहिए।

381. अशुद्ध वाक्य-उसने मुझे दिल्ली बुलाई।
शुद्ध वाक्य-वह मुझे दिल्ली बुलाया।

I.A.S. (Mains), 2016

व्याख्या—वाक्य में 'उसने' के स्थान पर 'वह' होना चाहिए। क्रिया का प्रयोग स्त्रीलिंग के रूप में हुआ है, जबकि यहाँ पुल्लिंग का प्रयोग होना चाहिए।

382. अशुद्ध वाक्य-हम कॉलेज जाऊँगा।
शुद्ध वाक्य-मैं कॉलेज जाऊँगा।

I.A.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में सर्वनाम का उचित प्रयोग नहीं हुआ है। वाक्य में कर्ता एकवचन होने के कारण 'मैं' सर्वनाम का प्रयोग होगा।

383. अशुद्ध वाक्य-प्रातःकाल सूरज उगता है।
शुद्ध वाक्य-प्रातःकाल सूर्योदय होता है।

I.A.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में क्रिया का उचित प्रयोग नहीं हुआ है। शुद्ध वाक्य होगा— प्रातःकाल सूर्योदय होता है।

384. अशुद्ध वाक्य-वह अपने माता-पिता का इकलौता संतान है।
शुद्ध वाक्य-वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है।

I.A.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में लिंग सम्बन्धी त्रुटि है। चूँकि 'संतान' का प्रयोग स्त्रीलिंग के रूप में किया जाता है। अतः 'इकलौता संतान' के स्थान पर 'इकलौती संतान' होगा।

385. अशुद्ध वाक्य-उसने कल मुझे गाली दिया।
शुद्ध वाक्य-उसने कल मुझे गाली दी थी।

I.A.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में लिंग सम्बन्धी त्रुटि है। चूँकि 'गाली' स्त्रीलिंग है। अतः यहाँ 'गाली दिया' के स्थान पर 'गाली दी थी' होना चाहिए।

386. अशुद्ध वाक्य-नौकर आटा पिसा लाया।
शुद्ध वाक्य-नौकर गेहूँ पिसा लाया।

I.A.S. (Mains), 2015

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'नौकर आटा पिसा लाया' का प्रयोग किया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। आटा नहीं, बल्कि गेहूँ पिसाया जाता है।

387. अशुद्ध वाक्य— हम कहे थे।

शुद्ध वाक्य— मैंने कहा था।

I.A.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में सर्वनाम तथा क्रिया का उचित प्रयोग नहीं हुआ है।

388. अशुद्ध वाक्य— युवा पीढ़ी शुद्ध हिन्दी लिखने का प्रयास कर रहा है।

शुद्ध वाक्य— युवा पीढ़ी शुद्ध हिन्दी लिखने का प्रयास कर रही है।

I.A.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'पीढ़ी' का प्रयोग पुल्लिङ्ग के रूप में किया जा रहा है, जो कि गलत है। 'पीढ़ी' स्त्रीलिङ्ग के रूप में प्रयोग की जाती है। अतः क्रिया 'रही' का प्रयोग होगा।

389. अशुद्ध वाक्य— मैं लिख लिया हूँ।

शुद्ध वाक्य— मैं लिख चुका हूँ।

I.A.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'लिया' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर 'चुका' होना चाहिए।

390. अशुद्ध वाक्य— लड़की प्रणाम करता है।

शुद्ध वाक्य— लड़की प्रणाम करती है।

I.A.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में क्रिया का उचित प्रयोग नहीं हुआ है। चूँकि लड़की स्त्रीलिङ्ग के रूप में प्रयुक्त की जाती है। अतः क्रिया में 'करती' का प्रयोग होना चाहिए।

391. अशुद्ध वाक्य— पुलिस ने राम में आरोप लगाया।

शुद्ध वाक्य— पुलिस ने राम पर आरोप लगाया।

I.A.S. (Mains), 2014

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में अधिकरण कारक का उचित प्रयोग नहीं किया गया है। इस वाक्य में 'में' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

392. अशुद्ध वाक्य—तुम ताजी भैंस का दूध लेकर आओ।

शुद्ध वाक्य—तुम भैंस का ताजा दूध लेकर आओ।

I.A.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में 'ताजी भैंस' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में सर्वनाम 'तुम' के बाद भैंस का 'ताजा दूध' होना चाहिए।

393. अशुद्ध वाक्य—पेड़ पर अनेकों चिड़ियाँ बैठी हैं।

शुद्ध वाक्य—पेड़ पर अनेक चिड़ियाँ बैठी हैं।

I.A.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में 'अनेकों' के स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' शब्द स्वयं बहुवचन प्रदर्शित कर रहा है, साथ ही 'बैठे' के स्थान पर बैठी होना चाहिए, क्योंकि चिड़ियाँ स्त्रीलिङ्ग है।

394. अशुद्ध वाक्य—मेरे पड़ोस में एक बड़ी सुन्दर लड़की रहता है।

शुद्ध वाक्य—मेरे पड़ोस में एक बड़ी सुन्दर लड़की रहती है।

I.A.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। चूँकि लड़की स्त्रीलिङ्ग है, इसलिए 'रहता' के स्थान पर 'रहती' का प्रयोग होना चाहिए।

395. अशुद्ध वाक्य—कल सड़क पर एक भयानक दुर्घटना हुआ।

शुद्ध वाक्य—कल सड़क पर एक भयानक दुर्घटना हुई।

I.A.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। चूँकि दुर्घटना को स्त्रीलिङ्ग में प्रयुक्त किया जाता है। इसलिए 'हुआ' के स्थान पर 'हुई' होना चाहिए।

396. अशुद्ध वाक्य—तुम्हारे को मेरे घर आने का निमन्त्रण-पत्र मिला ?

शुद्ध वाक्य—तुम्हें मेरे घर आने के लिए निमन्त्रण मिला।

I.A.S. (Mains), 2013

व्याख्या—वाक्य में 'सर्वनाम' के साथ 'कारक' की भी त्रुटि है, साथ ही साधारण वाक्य में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में सर्वनाम 'तुम्हें या तुमको' होना चाहिए तथा कारक 'का' के स्थान पर 'के लिए' होना चाहिए और प्रश्नवाचक चिह्न के स्थान पर 'पूर्ण विराम' होना चाहिए।

397. अशुद्ध वाक्य : "मैं नहीं आऊँगा" रागिनी ने कहा।

शुद्ध वाक्य : रागिनी ने कहा, "मैं नहीं आऊँगी।"

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में लिङ्ग सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'आऊँगा' के स्थान पर 'आऊँगी' का प्रयोग होना चाहिए।

398. अशुद्ध वाक्य : तीन लीटर आटा लाओ।

शुद्ध वाक्य : तीन किलो आटा लाओ।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'लीटर' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि लीटर से तरल पदार्थ का मापन किया जाता है, न कि ठोस पदार्थ का। अतः इस वाक्य में 'लीटर' के स्थान पर 'किलो' का प्रयोग होना चाहिए।

399. अशुद्ध वाक्य : अध्यक्ष पढ़ने आए।

शुद्ध वाक्य : अध्यापक पढ़ने आए।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'अध्यपक' के स्थान पर 'अध्यापक' होना चाहिए।

400. अशुद्ध वाक्य : हम घर जाऊँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं घर जाऊँगा।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'हम' के स्थान पर 'मैं' का प्रयोग होना चाहिए।

401. अशुद्ध वाक्य : दीपक जलाने का समय है।

शुद्ध वाक्य : दीपक जलाने का समय है।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'दीपक' के स्थान पर 'दीपक' होना चाहिए।

402. अशुद्ध वाक्य : बच्चे ने विस्तर गीली कर दिया।

शुद्ध वाक्य : बच्चे ने बिस्तर गीला कर दिया।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी तथा लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'विस्तर' के स्थान पर 'बिस्तर' तथा 'गीली' के स्थान पर 'गीला' का प्रयोग होना चाहिए।

403. अशुद्ध वाक्य : हमारे मेहमान घर में हैं।

शुद्ध वाक्य : हमारे मेहमान घर में हैं।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मेहमान' के स्थान पर 'मेहमान' तथा 'हैं' के स्थान पर 'हैं' होना चाहिए।

404. अशुद्ध वाक्य : सड़क पर दुर्घटना हो गई।

शुद्ध वाक्य : सड़क पर दुर्घटना हो गई।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में 'दुर्घटना' अशुद्ध वर्तनी है, 'दुर्घटना' के स्थान पर 'दुर्घटना' का प्रयोग होगा।

405. अशुद्ध वाक्य : सुबह सूरज उगता है।

शुद्ध वाक्य : सूर्य सुबह उदय होता है।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि और संज्ञा का प्रयोग बाद में हुआ है। इस वाक्य में 'सूरज' के स्थान पर 'सूर्य' होना चाहिए तथा संज्ञा का प्रयोग पहले और 'उगता' के स्थान पर 'उदय होता' होना चाहिए।

406. अशुद्ध वाक्य : नई कीताब बहुत अच्छा हैं।

शुद्ध वाक्य : नई किताब बहुत अच्छी है।

I. A.S. (Mains), 2012

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी तथा लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'कीताब' के स्थान पर 'किताब', 'अच्छा' के स्थान पर 'अच्छी', 'बहुत' के स्थान पर 'बहुत' तथा 'हैं' के स्थान पर 'है' होना चाहिए।

407. अशुद्ध वाक्य : मैं ऐसा नहीं समझता जैसा कि आप।

शुद्ध वाक्य : मैं वैसा नहीं समझता जैसा कि आप।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में 'ऐसा' के स्थान पर 'वैसा' का प्रयोग होना चाहिए।

408. अशुद्ध वाक्य : उसने अपने हस्ताक्षर नहीं किया।

शुद्ध वाक्य : उसने हस्ताक्षर नहीं किये।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में 'अपने' का प्रयोग असंगत है, क्योंकि कोई भी अपना ही हस्ताक्षर करेगा। अतः 'अपने' का प्रयोग उचित नहीं है। 'हस्ताक्षर' बहुवचन के रूप में प्रयुक्त होता है। इसलिए क्रिया भी बहुवचन अर्थात् 'किया' के स्थान पर 'किये' होगी।

409. अशुद्ध वाक्य : मैं तुम्हें केवल पाँच पुस्तकें ही देने पाऊँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं तुम्हें केवल पाँच पुस्तकें ही दे पाऊँगा।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'पुस्तकें ही देने पाऊँगा' के स्थान पर 'पुस्तकें ही दे पाऊँगा' का प्रयोग होना चाहिए।

410. अशुद्ध वाक्य : परीक्षक की दृष्टि अशुद्धि पर अवश्य पड़ती है।

शुद्ध वाक्य : परीक्षक की दृष्टि अशुद्धि पर अवश्य पड़ती है।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'परिक्षक' के स्थान पर 'परीक्षक' तथा 'अशुद्धि' के स्थान पर 'अशुद्धि' होना चाहिए।

411. अशुद्ध वाक्य : कोयल बोलता है।

शुद्ध वाक्य : कोयल बोलती है।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बोलता' के स्थान पर 'बोलती' का प्रयोग करना उचित है।

412. अशुद्ध वाक्य : राजा ने चोर को फाँसी पर चढ़ाया।

शुद्ध वाक्य : राजा ने चोर को फाँसी दी।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'फाँसी पर चढ़ाया' के स्थान पर 'फाँसी दी' का प्रयोग होना चाहिए। वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी भी अशुद्धि है, फाँसी के स्थान पर 'फाँसी' होगा।

413. अशुद्ध वाक्य : वह पाठ को याद नहीं करने पाया।

शुद्ध वाक्य : वह पाठ को याद नहीं कर पाया।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'करने पाया' के स्थान पर 'कर पाया' का प्रयोग करना उचित होगा।

414. अशुद्ध वाक्य : आप देर न करें, भोजन करो जी।

शुद्ध वाक्य : आप देर न करें, भोजन करें।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'करो जी' के स्थान पर 'करें' होना चाहिए।

415. अशुद्ध वाक्य : वह मकान बिल्कुल फूटा हुआ था।

शुद्ध वाक्य : वह मकान खण्डहर था।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बिल्कुल फूटा हुआ' के स्थान पर 'खण्डहर' का प्रयोग करना उचित है।

416. अशुद्ध वाक्य : वह पुराने कपड़े के व्यापारी हैं।

शुद्ध वाक्य : वह पुराने कपड़ों का व्यापारी है।

I. A.S. (Mains), 2011

व्याख्या—वाक्य में कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में कपड़े के स्थान पर कपड़ों, 'के' के स्थान पर 'का' तथा 'हैं' के स्थान पर 'है' का प्रयोग होना चाहिए।

417. अशुद्ध वाक्य : माँ ने पुत्र को लौटने का आदेश दिया।

शुद्ध वाक्य : माँ ने पुत्र को लौटने का आदेश दिया।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'आदेश' के स्थान पर 'आदेश' होना चाहिए।

418. अशुद्ध वाक्य : यह संस्कृति विभाग का मामला है।

शुद्ध वाक्य : यह संस्कृति विभाग का मामला है।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'विभाग' के स्थान पर 'विभाग' होना चाहिए।

419. अशुद्ध वाक्य : भारत में नैतिकता की कमी से समस्याएँ बढ़ रही हैं।

शुद्ध वाक्य : भारत में नैतिकता की कमी से समस्याएँ बढ़ रही हैं।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'नैतिकता' के स्थान पर 'नैतिकता' होना चाहिए।

420. अशुद्ध वाक्य : सड़क दुर्घटनाओं में बहुत लोक मरते हैं।

शुद्ध वाक्य : सड़क दुर्घटनाओं में बहुत लोग मरते हैं।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'लोक' के स्थान पर 'लोग' होना चाहिए।

421. अशुद्ध वाक्य : अखबारों में सब तरह की खबरें छपता है।

शुद्ध वाक्य : अखबारों में सभी तरह की खबरें छपती हैं।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'सब' के स्थान पर 'सभी' तथा 'छपता' के स्थान पर 'छपती' होना चाहिए, साथ ही 'है' के स्थान पर 'हैं' का प्रयोग होना चाहिए।

422. अशुद्ध वाक्य : घोड़े बैलों से तेज दौड़ती हैं।

शुद्ध वाक्य : घोड़े, बैलों से तेज दौड़ते हैं।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'दौड़ती' के स्थान पर 'दौड़ते' होना चाहिए।

423. अशुद्ध वाक्य : सूरज पश्चिम से निकलता है और पूरब में डूबता है।

शुद्ध वाक्य : सूरज पूरब से उदय होता है और पश्चिम में अस्त होता है।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में तथ्य त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि सूरज पूरब से उदय होता है और पश्चिम में अस्त होता है।

424. अशुद्ध वाक्य : वीरता मनुष्य की गुण है।

शुद्ध वाक्य : वीरता मनुष्य का गुण है।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'की' के स्थान पर 'का' का प्रयोग होना चाहिए।

425. अशुद्ध वाक्य : अर्जुन आई द्रौपदी गया।

शुद्ध वाक्य : अर्जुन आया, द्रौपदी गई।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में अर्जुन (पुल्लिंग) के अनुरूप क्रिया 'आई' के स्थान पर 'आया' तथा द्रौपदी (स्त्रीलिंग) के अनुरूप क्रिया 'गया' के स्थान पर 'गई' का प्रयोग करना उचित है।

426. अशुद्ध वाक्य : झूककर प्रणाम करों।

शुद्ध वाक्य : झुककर प्रणाम करो।

I. A.S. (Mains), 2010

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'झूककर' के स्थान पर 'झुककर' तथा 'करों' के स्थान पर 'करो' का प्रयोग होना चाहिए।

427. अशुद्ध वाक्य : सन्यासी सत्यभाषण करते हैं।

शुद्ध वाक्य : संन्यासी सत्य भाषण करते हैं।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'सन्यासी' के स्थान पर 'संन्यासी' तथा 'सत्यभाषण' के स्थान पर 'सत्य भाषण' होना चाहिए।

428. अशुद्ध वाक्य : वह पेड़ पर नीचे गिरा।

शुद्ध वाक्य : वह पेड़ से नीचे गिरा।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में अपादान कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'पर' के स्थान पर 'से' का प्रयोग होना चाहिए।

429. अशुद्ध वाक्य : बालक छत से गिर पड़ी।

शुद्ध वाक्य : बालक छत से गिर पड़ा।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'पड़ी' के स्थान पर 'पड़ा' होना चाहिए।

430. अशुद्ध वाक्य : कल मन्दिर का स्थापना हुआ।

शुद्ध वाक्य : कल मन्दिर की स्थापना हुई।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'का' के स्थान पर 'की' तथा 'हुआ' के स्थान पर 'हुई' होना चाहिए।

431. अशुद्ध वाक्य : राजनीति की रूप बदल गयी है।

शुद्ध वाक्य : राजनीति का रूप बदल गया है।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'की' के स्थान पर 'का' तथा 'गयी' के स्थान पर 'गया' का प्रयोग होना चाहिए।

432. अशुद्ध वाक्य : कुछ बालक रेल की पटरी में चढ़ रहे थे।

शुद्ध वाक्य : कुछ बालक रेल की पटरी पर चढ़ रहे थे।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में अधिकरण कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'में' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

433. अशुद्ध वाक्य : मैं बाजार नहीं जा सकता।

शुद्ध वाक्य : मैं बाजार नहीं जा सकता।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'सकते' के स्थान पर 'सकता' होना चाहिए।

434. अशुद्ध वाक्य : मेरे को खाना नहीं खाना।

शुद्ध वाक्य : मुझे खाना नहीं खाना है।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मेरे को' के स्थान पर 'मुझे' का प्रयोग होना चाहिए।

435. अशुद्ध वाक्य : राकेश का हड्डी टूट गया है।

शुद्ध वाक्य : राकेश की हड्डी टूट गयी है।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'का' के स्थान पर 'की' का तथा 'गया' के स्थान पर 'गयी' का प्रयोग होना चाहिए।

436. अशुद्ध वाक्य : मैं ये सारे व्यंजन नहीं कर सकते।

शुद्ध वाक्य : मैं ये सभी व्यंजन नहीं खा सकता।

I. A.S. (Mains), 2009

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'सारे' के स्थान पर 'सभी' तथा 'कर सकते' के स्थान पर 'खा सकता' होना चाहिए।

437. **अशुद्ध वाक्य** : चलता गाड़ी के आगे जाना ठीक नहीं।

शुद्ध वाक्य : चलती गाड़ी के आगे जाना ठीक नहीं है।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'चलता' के स्थान पर 'चलती' होना चाहिए तथा वाक्य के अन्त में 'है' का प्रयोग करना उचित है।

438. **अशुद्ध वाक्य** : मैं चावल-दाल खाकर मूटा हो गया।

शुद्ध वाक्य : मैं चावल-दाल खाकर मोटा हो गया हूँ।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मूटा' के स्थान पर 'मोटा' तथा वाक्य के अन्त में 'हूँ' का प्रयोग करना उचित होगा।

439. **अशुद्ध वाक्य** : मां ने आशीर्वाद दिया।

शुद्ध वाक्य : माँ ने आशीर्वाद दिया।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। 'आशीर्वाद' के स्थान पर 'आशीर्वाद' तथा 'मां' के स्थान पर 'माँ' होना चाहिए।

440. **अशुद्ध वाक्य** : मेरे बड़े बहन ने राखी भेजी।

शुद्ध वाक्य : मेरी बड़ी बहन ने राखी भेजी।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बड़े' के स्थान पर 'बड़ी' का प्रयोग होना चाहिए।

441. **अशुद्ध वाक्य** : हल चलाते समय बैल का हड्डी टूटा।

शुद्ध वाक्य : हल चलाते समय बैल की हड्डी टूटी।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'का' के स्थान पर 'की' तथा 'टूटा' के स्थान पर 'टूटी' का प्रयोग होना चाहिए।

442. **अशुद्ध वाक्य** : समाज व्यक्तियों से बनती है।

शुद्ध वाक्य : समाज व्यक्तियों से बनता है।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बनती' के स्थान पर 'बनता' होना चाहिए।

443. **अशुद्ध वाक्य** : वह अधीक पैसा मांगता है।

शुद्ध वाक्य : वह अधिक पैसे माँगता है।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'अधीक' के स्थान पर 'अधिक', पैसा के स्थान पर 'पैसे' तथा 'मांगता' के स्थान पर माँगता का प्रयोग होना चाहिए।

444. **अशुद्ध वाक्य** : भारत एक सवतंत्र राष्ट्र है।

शुद्ध वाक्य : भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'सवतंत्र' के स्थान पर 'स्वतंत्र' होना चाहिए।

445. **अशुद्ध वाक्य** : बच्चों को नैतीक शिक्षा की जाये।

शुद्ध वाक्य : बच्चों को नैतिक शिक्षा दी जाये।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'नैतीक' के स्थान पर 'नैतिक' तथा 'की' के स्थान पर 'दी' का प्रयोग होना चाहिए।

446. **अशुद्ध वाक्य** : विश्व-वयापार में हमें आगे आना है।

शुद्ध वाक्य : विश्व-व्यापार में हमें आगे आना है।

I. A.S. (Mains), 2008

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'वयापार' के स्थान पर 'व्यापार' होना चाहिए।

447. **अशुद्ध वाक्य** : हवाई जहाज से चेन्नै जाऊँगा।

शुद्ध वाक्य : हवाई जहाज से चेन्नई जाऊँगा।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'चेन्नै' के स्थान पर 'चेन्नई' होना चाहिए।

448. **अशुद्ध वाक्य** : सरिता साड़ी पहनकर आया।

शुद्ध वाक्य : सरिता साड़ी पहनकर आयी।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'आया' के स्थान पर 'आयी' होना चाहिए।

449. अशुद्ध वाक्य : माँ खाट पर बैठा पिताजी खड़ी रही।

शुद्ध वाक्य : माँ खाट पर बैठी, पिताजी खड़े रहे।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। लिंग के अनुसार क्रिया का प्रयोग होना चाहिए। इस वाक्य में 'बैठा' के स्थान पर 'बैठी' तथा 'खड़ी रही' के स्थान पर 'खड़े रहे' का प्रयोग होना चाहिए।

450. अशुद्ध वाक्य : लड़का सिधा है।

शुद्ध वाक्य : लड़का सीधा है।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'सिधा' के स्थान पर 'सीधा' होना चाहिए।

451. अशुद्ध वाक्य : रात में वह खुब सोया।

शुद्ध वाक्य : वह रात में खूब सोया।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इसके अतिरिक्त सर्वनाम का प्रयोग बाद में किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। अतः सर्वनाम का प्रयोग पहले तथा 'खुब' के स्थान पर 'खूब' का प्रयोग होना चाहिए।

452. अशुद्ध वाक्य : उसका शादी में खाना खाया।

शुद्ध वाक्य : उसकी शादी में खाना खाया।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—'शादी' स्त्रीलिंग के रूप में प्रयुक्त होती है। अतः इस वाक्य में 'उसका' के स्थान पर 'उसकी' होना चाहिए।

453. अशुद्ध वाक्य : सुनो! दवाई खाने का समय हो गया है।

शुद्ध वाक्य : सुनो! दवा खाने का समय हो गया है।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'दवाई' के स्थान पर 'दवा' होना चाहिए।

454. अशुद्ध वाक्य : सीताजी जनकपुर की था।

शुद्ध वाक्य : सीताजी जनकपुर की थीं।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। लिंग के अनुसार क्रिया का प्रयोग होना चाहिए। इस वाक्य में 'था' के स्थान पर 'थीं' होना चाहिए।

455. अशुद्ध वाक्य : मेरे माँ ने मुझे खाना दिया।

शुद्ध वाक्य : मेरी माँ ने मुझे खाना दिया।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मेरे' के स्थान पर 'मेरी' होना चाहिए।

456. अशुद्ध वाक्य : इस बार नदि नाव से पार की।

शुद्ध वाक्य : इस बार नाव से नदी पार की।

I. A.S. (Mains), 2007

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी तथा करण कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'नदि' के स्थान पर 'नदी' तथा नदी के पहले करण कारक 'नाव से' का प्रयोग करना उचित है।

457. अशुद्ध वाक्य : मैंने कानपुर जाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे कानपुर जाना है।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मैंने' के स्थान पर 'मुझे' होना चाहिए।

458. अशुद्ध वाक्य : कमाल के पास में बैठो।

शुद्ध वाक्य : कमाल के पास बैठो।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'में' का प्रयोग 'असंगत' है। इस वाक्य में 'में' नहीं होना चाहिए।

459. अशुद्ध वाक्य : अपना माता-पिता की सेवा करना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'अपना' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'अपना' के स्थान पर 'अपने' का प्रयोग होना चाहिए तथा 'करना' के स्थान पर 'करनी' का प्रयोग करना चाहिए।

460. अशुद्ध वाक्य : ताजमहल की शान निराली है।

शुद्ध वाक्य : ताजमहल की छटा निराली है।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'शान' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'शान' के स्थान पर 'छटा' होना चाहिए।

461. अशुद्ध वाक्य : प्रत्येक व्यक्तियों को काम करना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : प्रत्येक व्यक्ति को काम करना चाहिए।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'व्यक्तियों' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'प्रत्येक' का प्रयोग किया गया है, जो एकवचन को प्रदर्शित कर रहा है। अतः 'व्यक्तियों' के स्थान पर 'व्यक्ति' होना चाहिए।

462. अशुद्ध वाक्य : राम और लक्ष्मण का जन्म अयोध्या में हुआ था।

शुद्ध वाक्य : राम और लक्ष्मण का जन्म अयोध्या में हुआ था।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'हुए थे' का प्रयोग अशुद्ध है। इस वाक्य में 'हुए थे' के स्थान पर 'हुआ था' होना चाहिए।

463. अशुद्ध वाक्य : मैंने उसकी प्रतीक्षा देखी।

शुद्ध वाक्य : मैंने उसकी प्रतीक्षा की।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'प्रतीक्षा देखी' के स्थान पर 'प्रतीक्षा की' होना चाहिए।

464. अशुद्ध वाक्य : तुम कौन से गाँव से आये हो।

शुद्ध वाक्य : तुम किस गाँव से आये हो?

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—यह प्रश्नवाचक वाक्य है, अतः पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्नचिह्न रहेगा। इसके अतिरिक्त 'कौन से' के स्थान पर 'किस' का प्रयोग होना चाहिए।

465. अशुद्ध वाक्य : मैंने अपना काम पूरा करी लिया हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैंने अपना कार्य पूरा कर लिया है।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में 'काम', 'करी' तथा 'हूँ' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'काम' के स्थान पर 'कार्य', 'करी' के स्थान पर 'कर' तथा 'हूँ' के स्थान पर 'है' का प्रयोग होना चाहिए।

466. अशुद्ध वाक्य : सीता खाना खायी।

शुद्ध वाक्य : सीता ने खाना खाया।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। 'खाना' शब्द पुल्लिङ्ग है, अतः उसी के अनुसार क्रिया का प्रयोग होना चाहिए। इसलिए शुद्ध वाक्य होगा—सीता ने खाना खाया।

467. अशुद्ध वाक्य : मैंने आगरा जाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे आगरा जाना है।

I. A.S. (Mains), 2006

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मैंने' के स्थान पर 'मुझे' होना चाहिए।

468. अशुद्ध वाक्य : मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'धन्यवाद करता हूँ' के स्थान पर 'धन्यवाद देता हूँ' का प्रयोग होना चाहिए।

469. अशुद्ध वाक्य : यह एक राजनीतिक समस्या है।

शुद्ध वाक्य : यह राजनीतिक समस्या है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में 'एक' का प्रयोग असंगत है।

470. अशुद्ध वाक्य : मैंने तुम्हें कल बोल दिया था।

शुद्ध वाक्य : मैंने तुमको कल बता दिया था।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बोल' के स्थान पर 'बता' का प्रयोग करना उचित है।

471. अशुद्ध वाक्य : मैं इस चित्र को खरीदूँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं यह चित्र खरीदूँगा।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में 'इस' का प्रयोग अनुचित है, साथ ही 'को' का प्रयोग असंगत है। अतः इस वाक्य में 'इस' के स्थान पर 'यह' होना चाहिए तथा 'को' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

472. अशुद्ध वाक्य : यह भोजन दस आदमी के लिए है।

शुद्ध वाक्य : यह भोजन दस आदमियों के लिए है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। अतः 'आदमी' के स्थान पर 'आदमियों' होना चाहिए।

473. अशुद्ध वाक्य : वह बहुत निर्दयी है।

शुद्ध वाक्य : वह बहुत निर्दय है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि है। अतः इस वाक्य में 'निर्दयी' के स्थान पर 'निर्दय' होना चाहिए।

474. अशुद्ध वाक्य : हर एक ने कमीजें पहन रखी हैं।

शुद्ध वाक्य : हर एक ने कमीज पहन रखी है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में 'कमीजें' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। चूंकि हर एक की बात हो रही है। अतः 'कमीजें' के स्थान पर 'कमीज' होना चाहिए तथा 'हैं' के स्थान पर 'है' का प्रयोग होना चाहिए।

475. अशुद्ध वाक्य : वह दण्ड देने योग्य है।

शुद्ध वाक्य : वह दण्ड का पात्र है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में 'देने' का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'देने' योग्य के स्थान पर 'का पात्र' होना चाहिए।

476. अशुद्ध वाक्य : मैं सारी पुस्तकों का नाम लिख लिया है।

शुद्ध वाक्य : मैंने सभी पुस्तकों का नाम लिख लिया है।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'सारी' शब्द त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'सारी' के स्थान पर 'सभी' होना चाहिए।

477. अशुद्ध वाक्य : कल रात मैं वह सो न सका।

शुद्ध वाक्य : कल रात वह सो न सका।

I. A.S. (Mains), 2005

व्याख्या—इस वाक्य में 'मैं' का प्रयोग निरर्थक है। अतः इस वाक्य में 'मैं' का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

478. अशुद्ध वाक्य : आगामी अफसर कोलकाता से आ रहा है।

शुद्ध वाक्य : इस बार अफसर कोलकाता से आ रहे हैं।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में 'आगामी' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि किसी व्यक्ति विशेष के आगमन के लिए 'आगामी' नहीं, बल्कि 'इस बार' का प्रयोग उचित है तथा 'है' के स्थान पर 'हैं' का प्रयोग होना चाहिए।

479. अशुद्ध वाक्य : बेफिजूल बोल रहे हो।

शुद्ध वाक्य : फिजूल बोल रहे हो।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में 'बेफिजूल' का प्रयोग उचित नहीं है। इस वाक्य में 'बेफिजूल' के स्थान पर 'फिजूल' होना चाहिए।

480. अशुद्ध वाक्य : हर व्यक्ति को कोई न कोई दस्तकारी का काम सीखना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : प्रत्येक व्यक्ति को कोई न कोई दस्तकारी सीखनी चाहिए।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'हर' शब्द त्रुटिपूर्ण है। 'हर' के स्थान पर 'प्रत्येक' होना चाहिए। इसी प्रकार 'दस्तकारी का काम' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि दस्तकारी स्वयं काम है। अतः 'दस्तकारी का काम सीखना' के स्थान पर 'दस्तकारी सीखनी' होना चाहिए।

481. अशुद्ध वाक्य : तुम्हें पग-पग में काँटे मिलेंगे।

शुद्ध वाक्य : तुम्हें पग-पग पर काँटे मिलेंगे।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में अधिकरण कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'में' के स्थान पर 'पर' होना चाहिए।

482. अशुद्ध वाक्य : राधा एक विधवा स्त्री है।

शुद्ध वाक्य : राधा विधवा है।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में 'एक विधवा स्त्री' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि 'विधवा' स्त्री ही होती है। अतः वाक्य में 'राधा विधवा है' का प्रयोग करना उचित है।

483. अशुद्ध वाक्य : वहाँ जाने से तुम्हें क्या लाभ प्राप्त होगा।

शुद्ध वाक्य : वहाँ जाने से तुम्हें क्या लाभ होगा?

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में 'लाभ प्राप्त होगा' के स्थान पर 'लाभ होगा' का प्रयोग उचित है तथा पूर्णविराम के स्थान पर प्रश्नवाचक चिह्न लगना चाहिए।

484. अशुद्ध वाक्य : दस स्त्रियाँ और पाँच बालकों को भोजन दो।

शुद्ध वाक्य : दस स्त्रियों और पाँच बालकों को भोजन दो।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'स्त्रियाँ' शब्द त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'स्त्रियों' के स्थान पर 'स्त्रियों' होना चाहिए।

485. अशुद्ध वाक्य : प्रेमचन्द ने पर्याप्त मात्रा में उपन्यास/कहानियाँ लिखे।

शुद्ध वाक्य : प्रेमचन्द ने पर्याप्त संख्या में कहानियाँ एवं उपन्यास लिखे हैं।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'मात्रा' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि 'मात्रा' का प्रयोग वहाँ किया जाता है, जहाँ गणना न हो सके या गणना निश्चित न हो। अतः 'मात्रा' के स्थान पर 'संख्या' होना चाहिए। इसी प्रकार 'उपन्यास' के बाद 'तिर्यक रेखा' (स्लैश) का प्रयोग किया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इसके स्थान पर 'कहानियाँ एवं उपन्यास' होना चाहिए।

486. अशुद्ध वाक्य : लिखने से शुद्धताई बरतो।

शुद्ध वाक्य : लिखने में शुद्धता बरतो।

I. A.S. (Mains), 2004

व्याख्या—वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'शुद्धताई' के स्थान पर 'शुद्धता' होना चाहिए।

487. अशुद्ध वाक्य : इसका मूल्य नापा या तौला नहीं जा सकता है।

शुद्ध वाक्य : इसका मूल्य आँका नहीं जा सकता है।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मापा या तौला' के स्थान पर 'आँका' होना चाहिए, क्योंकि मूल्य 'अभौतिक' है। इसको मापा या तौला नहीं जा सकता, केवल आकलन किया जा सकता है।

488. अशुद्ध वाक्य : इस काम में देर होनी स्वाभाविक थी।

शुद्ध वाक्य : इस काम में देर होना स्वाभाविक था।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'होनी' के स्थान पर 'होना' तथा 'थी' के स्थान पर 'था' होना चाहिए।

490. अशुद्ध वाक्य : यह बात एक उदाहरण से स्पष्ट किया जा सकता है।

शुद्ध वाक्य : इस बात को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में कर्म कारक सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'यह' के स्थान पर 'इस' तथा बात के बाद 'को' का प्रयोग होना चाहिए।

491. अशुद्ध वाक्य : तुमने अच्छा काम करा।

शुद्ध वाक्य : तुमने अच्छा काम किया।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'करा' के स्थान पर 'किया' होना चाहिए।

492. अशुद्ध वाक्य : प्रयाग विश्वविद्यालय ने नेहरू जी को उपाधि वितरित की।

शुद्ध वाक्य : प्रयाग विश्वविद्यालय ने नेहरू जी को उपाधि प्रदान की थी।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'वितरित' के स्थान पर 'प्रदान' होना चाहिए, क्योंकि इस वाक्य में केवल एक व्यक्ति की बात हो रही है।

493. अशुद्ध वाक्य : परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : परीक्षा-प्रणाली बदलनी चाहिए।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'परीक्षा की प्रणाली' के स्थान पर 'परीक्षा-प्रणाली' तथा 'बदलना' के स्थान पर 'बदलनी' होना चाहिए।

494. अशुद्ध वाक्य : दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गईं।

शुद्ध वाक्य : दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सभी पकड़े गये।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में बहुवचन का प्रयोग किया जा रहा है। अतः 'सब' के स्थान पर 'सभी' तथा 'पकड़ी गईं' के स्थान पर 'पकड़े गये' होगा।

495. अशुद्ध वाक्य : जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कथा चरितार्थ होती है।

शुद्ध वाक्य : जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत चरितार्थ होती है।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'कथा' का प्रयोग अनुचित है, क्योंकि इस वाक्य में कहावत का प्रयोग किया गया है न कि कथा का।

496. अशुद्ध वाक्य : आप हमसे नहीं बोलो।

शुद्ध वाक्य : आप मुझसे न बोलें।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'हमसे नहीं बोलो' के स्थान पर 'मुझसे न बोलें' का प्रयोग होना चाहिए।

497. अशुद्ध वाक्य : तुम्हारे से कोई काम नहीं हो सकता है।

शुद्ध वाक्य : तुमसे कोई काम नहीं हो सकता है।

I. A.S. (Mains), 2002

व्याख्या—वाक्य में 'तुम्हारे से' का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'तुम्हारे से' के स्थान पर 'तुमसे' होना चाहिए।

498. अशुद्ध वाक्य : वह सकुशल सहित अपने घर पहुँच गया।

शुद्ध वाक्य : वह सकुशल अपने घर पहुँच गया।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—इस वाक्य में 'सहित' का प्रयोग उचित नहीं है, क्योंकि 'सकुशल' में 'सहित' का अर्थ समाहित है।

499. अशुद्ध वाक्य : थोड़ी देर बाद सन्यासी वापस लौट जाये।

शुद्ध वाक्य : थोड़ी देर बाद संन्यासी लौट आये।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'सन्यासी' के स्थान पर 'संन्यासी' होना चाहिए। इसी प्रकार 'वापस लौट जाये' के स्थान पर 'लौट आये' का प्रयोग होगा, क्योंकि 'वापस' तथा 'लौटना' दोनों शब्द एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं।

500. अशुद्ध वाक्य : कई सौ बरस तक भारत माता के गले में बेड़ियाँ पड़ी रहीं।

शुद्ध वाक्य : कई सौ वर्षों तक भारत माता के पैरों में बेड़ियाँ पड़ी रहीं।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'बरस' के स्थान पर 'वर्षों' होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 'गले में बेड़ियाँ' के स्थान पर 'पैरों में बेड़ियाँ' का प्रयोग उचित है, क्योंकि बेड़ियाँ पैरों में डाली जाती हैं।

501. अशुद्ध वाक्य : हमारे देश में बहुत सारे नदिया प्रमात्मा की देन हैं।

शुद्ध वाक्य : हमारे देश में बहुत सारी नदियाँ परमात्मा की देन हैं।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में लिंग तथा वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'सारे' के स्थान पर 'सारी' तथा 'प्रमात्मा' के स्थान पर 'परमात्मा' होना चाहिए।

502. अशुद्ध वाक्य : यहाँ अनाधिकार परवेश वर्जित है।

शुद्ध वाक्य : यहाँ अनधिकार प्रवेश वर्जित है।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ हैं। इस वाक्य में 'अनाधिकार' के स्थान पर 'अनधिकार' तथा 'परवेश' के स्थान पर 'प्रवेश' का प्रयोग करना उचित है।

503. अशुद्ध वाक्य : आदर्श और यथार्थ में, ज्योतसना और अमा में क्या अन्तर है।

शुद्ध वाक्य : आदर्श एवं यथार्थ तथा ज्योत्स्ना एवं अमा में क्या अन्तर है?

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'ज्योतसना' के स्थान पर 'ज्योत्स्ना' का प्रयोग उचित है। इसके अतिरिक्त प्रश्नवाचक वाक्य का प्रयोग किया गया है। अतः पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्नवाचक चिह्न होना चाहिए।

504. अशुद्ध वाक्य : उसका उद्देश्य आपके आँखों से आँसू बहाना नहीं था।

शुद्ध वाक्य : उसका उद्देश्य आपकी आँखों से आँसू बहाना नहीं था।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'आपके' के स्थान पर 'आपकी' होना चाहिए।

505. अशुद्ध वाक्य : मेरे अध्ययन अस्थान पर किसी की भी मन पढ़ने को मचलेगी।

शुद्ध वाक्य : मेरे अध्ययन स्थान पर किसी का भी मन पढ़ने के लिए मचलेगा।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'अस्थान' के स्थान पर 'स्थान' तथा 'को मचलेगी' के स्थान पर 'के लिए मचलेगा' का प्रयोग करना उचित होगा।

506. अशुद्ध वाक्य : सिवा आपको छोड़कर कोई ऐसा बात नहीं कहेगा।

शुद्ध वाक्य : आपके सिवाय कोई ऐसी बात नहीं कहेगा।

I. A.S. (Mains), 2000

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि है, क्योंकि 'सिवा' तथा 'छोड़कर' दोनों का प्रयोग हुआ है, जो कि एक ही अर्थ प्रकट करते हैं। इस वाक्य में 'सिवा' के स्थान पर 'सिवाय' होना चाहिए तथा इसका प्रयोग सर्वनाम के बाद होना चाहिए, जबकि 'छोड़कर' का प्रयोग निरर्थक है।

507. अशुद्ध वाक्य : गलियों की चौड़ी करना आवश्यक हो गयी।

शुद्ध वाक्य : गलियों को चौड़ा करना आवश्यक है।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में कारक एवं क्रिया सम्बन्धी त्रुटियाँ हैं। इस वाक्य में 'की चौड़ी' के स्थान पर 'को चौड़ा' तथा 'हो गयी' के स्थान पर 'है' का प्रयोग करना उचित है।

508. अशुद्ध वाक्य : तुम्हारे से कोई काम नहीं हो सकती है।

शुद्ध वाक्य : तुमसे कोई काम नहीं हो सकता।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम तथा क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'तुम्हारे' के स्थान पर 'तुमसे' तथा 'सकती' के स्थान पर 'सकता' का प्रयोग करना उचित है।

- 509. अशुद्ध वाक्य :** मैं ऐसा करना पहले निश्चय कर रखा था।
शुद्ध वाक्य : मैंने ऐसा करना पहले ही निश्चय कर रखा था।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'मैं' के स्थान पर 'मैंने' होना चाहिए।

- 510. अशुद्ध वाक्य :** मैंने दो घड़ियों को खरीदी।
शुद्ध वाक्य : मैंने दो घड़ियाँ खरीदीं।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'घड़ियों को' के स्थान पर 'घड़ियाँ' का प्रयोग होना चाहिए तथा 'खरीदी' के स्थान पर 'खरीदीं' का प्रयोग होना चाहिए।

- 511. अशुद्ध वाक्य :** हम नयी प्रकार की वस्तु देखना चाह।
शुद्ध वाक्य : हमने नयी प्रकार की वस्तु देखनी चाही।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'हम' के स्थान पर 'हमने' तथा 'देखना चाह' के स्थान पर 'देखनी चाही' का प्रयोग करना उचित है।

- 512. अशुद्ध वाक्य :** यह लोग क्या करेंगे।
शुद्ध वाक्य : ये लोग क्या करेंगे?

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि है। इस वाक्य में 'यह' के स्थान पर बहुवचन 'ये' का प्रयोग करना उचित है तथा पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्नवाचक चिह्न लगना चाहिए।

- 513. अशुद्ध वाक्य :** आपका बातें बहुत मीठा है।
शुद्ध वाक्य : आपकी बातें बहुत मीठी हैं।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'आपका' शब्द अनुचित है। इस वाक्य में 'आपका' के स्थान पर 'आपकी' तथा मीठा के स्थान पर 'मीठी' और 'है' के स्थान पर 'हैं' का प्रयोग करना उचित होगा।

- 514. अशुद्ध वाक्य :** इसका बात को वे नहीं समझ सकते न बोल सकते हैं।
शुद्ध वाक्य : इसकी बात को वे न तो समझ सकते हैं, न ही बोल सकते हैं।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'इसका' के स्थान पर 'इसकी' तथा 'नहीं' के स्थान पर 'न तो' का प्रयोग होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 'न बोल' के स्थान पर 'न ही बोल' का प्रयोग होना चाहिए।

- 515. अशुद्ध वाक्य :** उसने अनेकों ग्रन्थ लिख डाला।
शुद्ध वाक्य : उसने अनेक ग्रन्थ लिख डाले।

I. A.S. (Mains), 1999

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'अनेकों' शब्द त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'अनेकों' के स्थान पर 'अनेक' का प्रयोग करना उचित होगा, क्योंकि अनेक स्वयं में बहुवचन का अर्थ प्रदर्शित करता है। इसी प्रकार 'डाला' के स्थान पर 'डाले' का प्रयोग करना उचित होगा।

- 516. अशुद्ध वाक्य :** मैंने कल मुम्बई जाने का है।
शुद्ध वाक्य : मुझे कल मुम्बई जाना है।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। 'मैंने' के स्थान पर 'मुझे' तथा 'जाने का' के स्थान पर 'जाना' का प्रयोग करना उचित होगा।

- 517. अशुद्ध वाक्य :** मोहन का व्यवहार अच्छी नहीं।
शुद्ध वाक्य : मोहन का व्यवहार अच्छा नहीं।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी त्रुटि है। चूँकि 'व्यवहार' पुल्लिंग शब्द है। अतः उसी के अनुरूप विशेषण का प्रयोग करना उचित है। इस वाक्य में 'अच्छी' के स्थान पर 'अच्छा' होना चाहिए।

- 518. अशुद्ध वाक्य :** फूलों पर हिम बिन्दुएँ चमक रही हैं।
शुद्ध वाक्य : फूलों पर हिम के कण चमक रहे हैं।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में 'हिम बिन्दुएँ' का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'हिम बिन्दुएँ' के स्थान पर 'हिम के कण' होना चाहिए। 'रही' के स्थान पर 'रहे' होना चाहिए।

- 519. अशुद्ध वाक्य :** इस दुकान पर आलू और सब्जी नहीं मिलते।
शुद्ध वाक्य : इस दुकान में सब्जियाँ नहीं मिलतीं।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में 'आलू और सब्जी' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। चूँकि आलू स्वयं एक सब्जी है। अतः इस वाक्य में 'आलू और सब्जी' के स्थान पर 'सब्जियाँ' का प्रयोग करना उचित होगा। इसके अतिरिक्त क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। अतः 'मिलते' के स्थान पर 'मिलतीं' होना चाहिए।

520. अशुद्ध वाक्य : माता-पिता का आदर रखना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : माता-पिता का आदर करना चाहिए।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'आदर रखना' त्रुटिपूर्ण है। इस वाक्य में 'आदर रखना' के स्थान पर 'आदर करना' होना चाहिए।

521. अशुद्ध वाक्य : घी बहुत अच्छी नहीं है।

शुद्ध वाक्य : घी बहुत अच्छा नहीं है।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में लिंग सम्बन्धी अशुद्धि है। चूँकि 'घी' पुल्लिंग शब्द है। अतः उसी के अनुरूप विशेषण का प्रयोग करना उचित है। इस वाक्य में 'अच्छी' के स्थान पर 'अच्छा' होना चाहिए।

522. अशुद्ध वाक्य : वह कक्षा का सर्वश्रेष्ठ अच्छा छात्र है।

शुद्ध वाक्य : वह कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र है।

I. A.S. (Mains), 1998

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'अच्छा' शब्द का प्रयोग निरर्थक है। इस वाक्य में 'सर्वश्रेष्ठ' का प्रयोग हुआ है, जो 'सबसे अच्छे' का बोध करा रहा है।

523. अशुद्ध वाक्य : पाप बढ़ती है तो वर्षा नहीं होता।

शुद्ध वाक्य : पाप बढ़ता है, तो वर्षा नहीं होती है।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में क्रिया के लिंग सम्बन्धी त्रुटि है। अतः 'बढ़ती' के स्थान पर 'बढ़ता' तथा 'होता' के स्थान पर 'होती' का प्रयोग करना उचित है।

524. अशुद्ध वाक्य : चक्की के दो पाटन में कितना साबुत नहीं बचता।

शुद्ध वाक्य : चक्की के दो पाट में कोई साबुत नहीं बचता।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'पाटन' एवं 'कितना' त्रुटिपूर्ण हैं। 'पाटन' के स्थान पर 'पाट' तथा 'कितना' के स्थान पर 'कोई' का प्रयोग करना उचित है।

525. अशुद्ध वाक्य : सब चली-चलो का बेला है।

शुद्ध वाक्य : सब चला-चली की बेला है।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'चली-चलो का' प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि यह लोकोक्ति है। अतः इसके स्थान पर 'चला-चली की बेला' का प्रयोग होना चाहिए।

526. अशुद्ध वाक्य : राम और श्याम बाहर खेल रहा है।

शुद्ध वाक्य : राम और श्याम बाहर खेल रहे हैं।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में क्रिया के वचन सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में राम और श्याम दोनों का प्रयोग हुआ है, इसलिए यह बहुवचन है। अतः 'खेल रहा है' के स्थान पर 'खेल रहे हैं' का प्रयोग उचित है।

527. अशुद्ध वाक्य : मरे राम, जलावे राम।

शुद्ध वाक्य : मारे राम, जिलावे राम।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में कहावत का प्रयोग हुआ है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। सही कहावत 'मारे राम, जिलावे राम' है।

528. अशुद्ध वाक्य : मेरी रोम रोम खील उठी।

शुद्ध वाक्य : मेरा रोम-रोम खिल उठा।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सर्वनाम एवं क्रिया सम्बन्धी त्रुटियाँ हैं। चूँकि 'रोम' पुल्लिंग है, इसलिए 'उठी' के स्थान पर 'उठा' तथा 'खील' के स्थान पर 'खिल' होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 'मेरी' के स्थान पर 'मेरा' होना चाहिए।

529. अशुद्ध वाक्य : तुम्हारा गाँव किधर है?

शुद्ध वाक्य : तुम्हारा गाँव कहाँ है?

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में 'किधर' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'किधर' के स्थान पर 'कहाँ' होना चाहिए।

530. अशुद्ध वाक्य : मैं मेरा कार्य समाप्त कर चुका है।

शुद्ध वाक्य : मैं अपना कार्य समाप्त कर चुका हूँ।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है। 'मेरा' के स्थान पर 'अपना' होना चाहिए तथा 'है' के स्थान पर 'हूँ' होना चाहिए।

531. अशुद्ध वाक्य : कभी चाँदनी की नाम सुना है?

शुद्ध वाक्य : कभी चाँदनी का नाम सुना है?

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में कारक सम्बन्धी त्रुटि है। अतः 'चाँदनी की' के स्थान पर 'चाँदनी का' प्रयोग होना चाहिए।

532. अशुद्ध वाक्य : बुराई सुनते-सुनते मेरा कान पक गया है।

शुद्ध वाक्य : बुराई सुनते-सुनते मेरे कान पक गये हैं।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में वचन सम्बन्धी अशुद्धि है। चूँकि सुनने में दोनों कानों का प्रयोग होता है। अतः 'बुराई सुनते-सुनते मेरे कान पक गये हैं', शुद्ध वाक्य है।

533. अशुद्ध वाक्य : पियार और धिरणा मनुष्य जीवन की परभावी संवेदनाएँ हैं।

शुद्ध वाक्य : प्यार और घृणा मनुष्य जीवन की प्रभावी संवेदनाएँ हैं।

I. A.S. (Mains), 1997

व्याख्या—वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। 'पियार' के स्थान पर 'प्यार', 'धिरणा' के स्थान पर 'घृणा' तथा 'परभावी' के स्थान पर 'प्रभावी' होना चाहिए।

534. अशुद्ध वाक्य : दिल्ली से अनेक पत्र और पत्रिकाओं का प्रकाशन होता है।

शुद्ध वाक्य : दिल्ली से अनेक पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन होता है।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'पत्र और पत्रिकाओं' का प्रयोग उचित नहीं है। इन दोनों के बीच 'और' का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'पत्र-पत्रिकाओं' का प्रयोग होना चाहिए।

535. अशुद्ध वाक्य : वह नगर का सर्वोत्तम बढिया खिलाड़ी है।

शुद्ध वाक्य : वह नगर का सर्वोत्तम खिलाड़ी है।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'बढ़िया' का प्रयोग अनावश्यक है, क्योंकि 'सर्वोत्तम' शब्द से ही 'सबसे अच्छा' या 'सबसे बढ़िया' का बोध हो रहा है।

536. अशुद्ध वाक्य : उसने कहा कि मैं चार भाई हूँ।

शुद्ध वाक्य : उसने कहा कि हम चार भाई हैं।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'मैं' के स्थान पर 'हम' होना चाहिए, क्योंकि 'चार भाई' के रूप में बहुवचन का प्रयोग हो रहा है।

537. अशुद्ध वाक्य : राम ने आपके ऊपर मुकदमा चलाया है।

शुद्ध वाक्य : राम ने आप पर मुकदमा किया है।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में अधिकरण कारक एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ हैं। इस वाक्य में 'आपके ऊपर' के स्थान पर 'आप पर' तथा 'मुकदमा चलाया' के स्थान पर 'मुकदमा किया' होना चाहिए।

538. अशुद्ध वाक्य : साहित्य और जीवन का घनघोर सम्बन्ध है।

शुद्ध वाक्य : साहित्य और जीवन का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'घनघोर' शब्द का प्रयोग अनुचित है। इस वाक्य में 'अन्योन्याश्रित' अथवा 'घनिष्ठ' का प्रयोग उचित है, क्योंकि साहित्य और जीवन के सम्बन्ध या तो एक-दूसरे पर आश्रित होंगे अथवा दोनों में घनिष्ठ सम्बन्ध होगा।

539. अशुद्ध वाक्य : यह कहानी जो है, वह सुदर्शन की लिखी है।

शुद्ध वाक्य : यह कहानी सुदर्शन द्वारा लिखी गयी है।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'जो है, वह' का प्रयोग अनुचित है।

540. अशुद्ध वाक्य : देश की जितनी दुर्गति पहले कभी नहीं हुई।

शुद्ध वाक्य : देश की इतनी दुर्गति पहले कभी नहीं हुई।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'जितनी' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'जितनी' के स्थान पर 'इतनी' होना चाहिए।

541. अशुद्ध वाक्य : सभा के प्रत्येक सदस्यों की यही राय थी।

शुद्ध वाक्य : सभा के प्रत्येक सदस्य की यही राय थी।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में 'वचन' सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'सदस्यों' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है। 'प्रत्येक' शब्द में एकवचन का बोध हो रहा है। अतः 'सदस्यों' के स्थान पर 'सदस्य' का प्रयोग होना चाहिए।

542. अशुद्ध वाक्य : मैं पढ़ने का नित्य व्यायाम करता हूँ।

शुद्ध वाक्य : मैं पढ़ने का नित्य अभ्यास करता हूँ।

I. A.S. (Mains), 1996

व्याख्या—वाक्य में क्रिया सम्बन्धी त्रुटि है। इस वाक्य में 'व्यायाम' के स्थान पर 'अभ्यास' होना चाहिए, क्योंकि पढ़ने में व्यायाम नहीं, बल्कि अभ्यास किया जाता है।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

पूर्वावलोकन खण्ड इतना व्यापक है कि वहीं से अधिकांश प्रश्नों का समाधान हो जायेगा; फिर भी कुछ अन्य महत्वपूर्ण वाक्यों एवं उनकी अशुद्धियों के समाधान के लिए अध्ययन सामग्री खण्ड जोड़ा जा रहा है।

इस खण्ड में सभी स्तर की अशुद्धियों यथा व्याकरण सम्बन्धी, क्रम सम्बन्धी एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि वाले प्रश्नों को शामिल किया गया है।

□ संज्ञा सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : महात्मा गाँधी के सन्देशों से देश सर्वाधिक प्रभावित हुआ।

शुद्ध वाक्य : महात्मा गाँधी के सन्देश से देश सर्वाधिक प्रभावित हुआ।

अशुद्ध वाक्य : मैं तुमसे रविवार के दिन मिलूँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं तुमसे रविवार को मिलूँगा।

अशुद्ध वाक्य : अब विंध्याचल पर्वत हरा-भरा हो गया।

शुद्ध वाक्य : अब विंध्याचल हरा-भरा हो गया।

अशुद्ध वाक्य : तुम बीस तारीख के दिन कहाँ रहोगे?

शुद्ध वाक्य : तुम बीस तारीख को कहाँ रहोगे?

अशुद्ध वाक्य : भारत गुलामी की दासता से मुक्त हुआ।

शुद्ध वाक्य : भारत गुलामी/दासता से मुक्त हुआ।

अशुद्ध वाक्य : प्रातःकाल के समय घूमना चाहिए।

शुद्ध वाक्य : प्रातःकाल घूमना चाहिए।

अशुद्ध वाक्य : तुम गीता की पुस्तक पढ़ो।

शुद्ध वाक्य : तुम गीता पढ़ो।

अशुद्ध वाक्य : प्रेम करना तलवार की नोक पर चलने के बराबर है।

शुद्ध वाक्य : प्रेम करना तलवार की धार पर चलने के बराबर है।

अशुद्ध वाक्य : तुम्हारे आने से मेरा मन गद्-गद् हो गया।

शुद्ध वाक्य : तुम्हारे आने से मैं गद्-गद् हो गया।

अशुद्ध वाक्य : वर्षा कालीन दिनों में कीचड़ हो जाता है।

शुद्ध वाक्य : वर्षा काल में (वर्षा के दिनों में) कीचड़ हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य : 'उत्साह' नामक शीर्षक निबन्ध अच्छा है।

शुद्ध वाक्य : 'उत्साह' शीर्षक निबन्ध अच्छा है।

अशुद्ध वाक्य : कल से अखबार में छपने की व्यवस्था का प्रबन्ध कर दें।

शुद्ध वाक्य : कल से अखबार में छपने की व्यवस्था कर दें।

□ सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : मैं तेरे को बता दूँगा।

शुद्ध वाक्य : मैं तुमको बता दूँगा।

अशुद्ध वाक्य : पिताजी ने मुझे कहा।

शुद्ध वाक्य : पिताजी ने मुझसे कहा।

अशुद्ध वाक्य : उसने जल्दी घर जाना था।

शुद्ध वाक्य : उसे जल्दी घर जाना था।

अशुद्ध वाक्य : यह लोग कहाँ जा रहे हैं?

शुद्ध वाक्य : ये लोग कहाँ जा रहे हैं?

अशुद्ध वाक्य : दही में कौन पड़ा है?

शुद्ध वाक्य : दही में क्या पड़ा है?

अशुद्ध वाक्य : तुम्हारे में से कौन वहाँ जायेगा?

शुद्ध वाक्य : तुम में से कौन वहाँ जायेगा?

अशुद्ध वाक्य : लीजिए प्याला भर दें।

शुद्ध वाक्य : लीजिए, आपका प्याला भर देता हूँ।

अशुद्ध वाक्य : वह लोग जा रहे हैं।

शुद्ध वाक्य : वे लोग जा रहे हैं।

अशुद्ध वाक्य : उन्हें सब पता लग जायेगा।

शुद्ध वाक्य : उनको सब पता लग जायेगा।

अशुद्ध वाक्य : किसानों में रोष था इसलिए घेराव किया।

शुद्ध वाक्य : किसानों में रोष था, इसलिए उन्होंने घेराव किया।

अशुद्ध वाक्य : वह स्कूटर जिसे मैंने कल खरीदा था, वह आज बिक गया।

शुद्ध वाक्य : वह स्कूटर आज बिक गया, जिसे मैंने कल खरीदा था।

अशुद्ध वाक्य : कमल यहाँ आया और बताया कि सब ठीक है।

शुद्ध वाक्य : कमल यहाँ आया और उसने बताया कि सब ठीक है।

□ विशेषण सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : भक्तियुग का काल स्वर्णयुग माना जाता है।

शुद्ध वाक्य : भक्तिकाल को स्वर्णयुग माना जाता है।

अशुद्ध वाक्य : मौर्यकालीन समय में लोग सुखी थे।

शुद्ध वाक्य : मौर्यकाल में लोग सुखी थे।

अशुद्ध वाक्य : रेशमी कढ़ाई के धागे उत्तम होते हैं।

शुद्ध वाक्य : कढ़ाई के लिए रेशमी धागे उत्तम होते हैं।

अशुद्ध वाक्य : आकाश में दीर्घकाय बादल दिखायी दिया।

शुद्ध वाक्य : आकाश में एक विशालकाय बादल दिखायी दिया।

अशुद्ध वाक्य : दादा जी की बीमारी चिंतनीय है।

शुद्ध वाक्य : दादा जी की बीमारी चिंताजनक है।

अशुद्ध वाक्य : वह मुझसे सभित है।

शुद्ध वाक्य : वह मुझसे भयभीत है।

अशुद्ध वाक्य : अधिकांश लोगों का यही विचार है।
 शुद्ध वाक्य : अधिकतर लोगों का यही विचार है।
 अशुद्ध वाक्य : प्रायः सभी लोग ऐसा सोचते हैं।
 शुद्ध वाक्य : प्रायः (अथवा सभी) लोग ऐसा सोचते हैं।
 अशुद्ध वाक्य : खिलाड़ियों ने अपनी हिम्मत नहीं हारी।
 शुद्ध वाक्य : खिलाड़ियों ने हिम्मत नहीं हारी।
 अशुद्ध वाक्य : आप लोग अपनी रजाइयाँ ले लीजिए।
 शुद्ध वाक्य : आप लोग अपनी-अपनी रजाई ले लीजिए।
 अशुद्ध वाक्य : पहले आप लोग अपनी कविताएँ सुनाइये।
 शुद्ध वाक्य : पहले आप लोग अपनी-अपनी कविता सुनाइये।
 अशुद्ध वाक्य : मेरा और आपका घोर सम्बन्ध है।
 शुद्ध वाक्य : मेरा और आपका घनिष्ठ सम्बन्ध है।

□ क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : यह ग्रन्थ विद्वत्तापूर्ण लिखा गया है।
 शुद्ध वाक्य : यह ग्रन्थ विद्वत्तापूर्ण है/यह ग्रन्थ विद्वत्ता से लिखा गया है।
 अशुद्ध वाक्य : राजा के दो पुत्र और दो पुत्रियाँ थे।
 शुद्ध वाक्य : राजा के दो पुत्र और दो पुत्रियाँ थीं।
 अशुद्ध वाक्य : खबर सुनकर मैं विस्मय हो गया।
 शुद्ध वाक्य : खबर सुनकर मैं विस्मित हो गया।
 अशुद्ध वाक्य : युग की माँग का यह बीड़ा कौन चबाता है।
 शुद्ध वाक्य : युग की माँग का यह बीड़ा कौन उठाता है ?
 अशुद्ध वाक्य : यहाँ अशोभनीय वातावरण उपस्थित है।
 शुद्ध वाक्य : यहाँ अशोभनीय वातावरण है।
 अशुद्ध वाक्य : उसने मेरा गाना और घर देखा।
 शुद्ध वाक्य : उसने मेरा गाना सुना और घर देखा।
 अशुद्ध वाक्य : वह कमीज डालकर सो गया।
 शुद्ध वाक्य : वह कमीज पहनकर सो गया।
 अशुद्ध वाक्य : मैं आप सबका धन्यवाद करता हूँ।
 शुद्ध वाक्य : मैं आप सबको धन्यवाद देता हूँ।
 अशुद्ध वाक्य : शिक्षा लेने में कंजूसी क्यों ?
 शुद्ध वाक्य : शिक्षा पाने में कंजूसी क्यों ?
 अशुद्ध वाक्य : वह गालियाँ निकालता रहा।
 शुद्ध वाक्य : वह गालियाँ बकता रहा।
 अशुद्ध वाक्य : तुम्हें मेरी प्रतीक्षा देखनी चाहिए थी।
 शुद्ध वाक्य : तुम्हें मेरी प्रतीक्षा करनी चाहिए थी।
 □ कर्ता कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ
 अशुद्ध वाक्य : मैंने क्या करना है।
 शुद्ध वाक्य : मुझे क्या करना है ?
 अशुद्ध वाक्य : दानादार चाय।
 शुद्ध वाक्य : दानेदार चाय।

अशुद्ध वाक्य : मैं सारी पुस्तक पढ़ डाली।
 शुद्ध वाक्य : मैंने सारी पुस्तकें पढ़ डाली।
 अशुद्ध वाक्य : टेलावाले से सब्जी खरीदी।
 शुद्ध वाक्य : टेले वाले से सब्जियाँ खरीदीं।

□ कर्म कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : इस पाठ को पढ़ो।
 शुद्ध वाक्य : यह पाठ पढ़ो।
 अशुद्ध वाक्य : तुमको इस पाठ को पढ़ना है।
 शुद्ध वाक्य : तुम्हें यह पाठ पढ़ना है।
 अशुद्ध वाक्य : मुझे बहुत पुस्तकों को पढ़ना पड़ता है।
 शुद्ध वाक्य : मुझे बहुत पुस्तकें पढ़नी पड़ती हैं।
 अशुद्ध वाक्य : उसको तो समझ में आता नहीं।
 शुद्ध वाक्य : उसे तो समझ में आता नहीं।
 अशुद्ध वाक्य : वह रोज ऑफिस को जाता है।
 शुद्ध वाक्य : वह रोज ऑफिस जाता है।

□ करण कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : वह बस के साथ ही यात्रा कर रहा है।
 शुद्ध वाक्य : वह बस से यात्रा कर रहा है।
 अशुद्ध वाक्य : 'बिहारी सतसई' की हस्त से लिखित प्रति सुरक्षित है।
 शुद्ध वाक्य : 'बिहारी सतसई' की हस्तलिखित प्रति सुरक्षित है।

□ सम्प्रदान कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : सीमा ने अपनी सहेली के लिए उपहार दिया।
 शुद्ध वाक्य : सीमा ने अपनी सहेली को उपहार दिया।
 अशुद्ध वाक्य : पंडित जी ने भक्तों के लिए कथा सुनाई।
 शुद्ध वाक्य : पंडित जी ने भक्तों को कथा सुनाई।

□ अपादान कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : उन सभी में मैं ही पहले पहुँचा।
 शुद्ध वाक्य : उन सभी में से मैं ही पहले पहुँचा।
 अशुद्ध वाक्य : वह शहर का कपड़ा लाकर बेचता है।
 शुद्ध वाक्य : वह शहर से कपड़े लाकर बेचता है।

□ सम्बन्ध कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : तुमका यहाँ क्या काम है ?
 शुद्ध वाक्य : तुम्हारा यहाँ क्या काम है ?
 अशुद्ध वाक्य : यह पानी का कुआँ कैसे सूख गया ?
 शुद्ध वाक्य : यह कुआँ कैसे सूख गया ?
 अशुद्ध वाक्य : अपना-पराया की भावना।
 शुद्ध वाक्य : अपने-पराये की भावना।
 अशुद्ध वाक्य : यह विदेश का आदमी यहाँ कैसे आ गया ?
 शुद्ध वाक्य : यह विदेशी यहाँ कैसे आ गया ?
 अशुद्ध वाक्य : राधा का और कृष्ण का मंदिर प्रसिद्ध है।

शुद्ध वाक्य : राधा-कृष्ण का मंदिर प्रसिद्ध है।

अशुद्ध वाक्य : अपने का यहाँ कोई जानकार नहीं।

शुद्ध वाक्य : मेरा यहाँ कोई जानकार नहीं।

□ अधिकरण कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : लड़का शहर से अपने गाँव में चला गया।

शुद्ध वाक्य : लड़का शहर से अपने गाँव चला गया।

अशुद्ध वाक्य : कुत्ते पहले गाँव के बाहर भौंकते रहे फिर गाँव चले गए।

शुद्ध वाक्य : कुत्ते पहले गाँव के बाहर भौंकते रहे, फिर गाँव में चले गये।

अशुद्ध वाक्य : बारह बजने को दस मिनट हैं।

शुद्ध वाक्य : बारह बजने में दस मिनट हैं।

अशुद्ध वाक्य : आज बजट के ऊपर बहस होगी।

शुद्ध वाक्य : आज बजट पर बहस होगी।

अशुद्ध वाक्य : हमने मिलकर इसको विचार किया।

शुद्ध वाक्य : हमने मिलकर इस पर विचार किया।

अशुद्ध वाक्य : कुएँ में कौन पानी भर रहा है?

शुद्ध वाक्य : कुएँ पर कौन पानी भर रहा है?

अशुद्ध वाक्य : वह घर ही था, पर मिलने नहीं आया।

शुद्ध वाक्य : वह घर में ही था, पर मिलने नहीं आया।

अशुद्ध वाक्य : बाल्टी के अन्दर पानी है।

शुद्ध वाक्य : बाल्टी में पानी है।

अशुद्ध वाक्य : इत्र के भीतर सुगन्ध है।

शुद्ध वाक्य : इत्र में सुगन्ध है।

अशुद्ध वाक्य : उसे शक मत करो।

शुद्ध वाक्य : उस पर शक मत करो।

अशुद्ध वाक्य : खेत पर क्या बोया है?

शुद्ध वाक्य : खेत में क्या बोया है?

□ संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण की विभक्ति रूपों से सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : बिना अच्छा वेतन के काम नहीं होगा।

शुद्ध वाक्य : बिना अच्छे वेतन के काम नहीं होगा।

अशुद्ध वाक्य : भारत के भूगोल की एक प्रति खरीदनी है।

शुद्ध वाक्य : 'भारत का भूगोल' की एक प्रति खरीदनी है।

अशुद्ध वाक्य : तुम सबों ने मामला बिगाड़ दिया।

शुद्ध वाक्य : तुम सबने मामला बिगाड़ दिया।

□ लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : बेटी पराए घर का धन होता है।

शुद्ध वाक्य : बेटी पराया धन होती है।

अशुद्ध वाक्य : ताजमहल की सौन्दर्य अनुपम है।

शुद्ध वाक्य : ताजमहल का सौन्दर्य अनुपम है।

अशुद्ध वाक्य : हमारी प्रदेश की जनता शांत है।

शुद्ध वाक्य : हमारे प्रदेश की जनता शांत है।

□ वचन सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : मेरी घड़ी में अभी तीन बजा है।

शुद्ध वाक्य : मेरी घड़ी में अभी तीन बजे हैं।

अशुद्ध वाक्य : उसकी आँखों से आँसू बह रहा था।

शुद्ध वाक्य : उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे।

अशुद्ध वाक्य : हमारा सम्पर्क अनेकों व्यक्तियों से नित्य होता है।

शुद्ध वाक्य : हमारा सम्पर्क अनेक व्यक्तियों से नित्य होता है।

अशुद्ध वाक्य : मैंने गुरु का दर्शन किया।

शुद्ध वाक्य : मैंने गुरु के दर्शन किए।

अशुद्ध वाक्य : वहाँ सब श्रेणी के लोग उपस्थित हैं।

शुद्ध वाक्य : वहाँ सभी श्रेणियों के लोग उपस्थित हैं।

□ सामान्य वाक्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य : मेरे घर में केवल मात्र एक चारपाई है।

शुद्ध वाक्य : मेरे घर में केवल एक चारपाई है।

अशुद्ध वाक्य : सप्रमाण सहित उत्तर दीजिए।

शुद्ध वाक्य : प्रमाण सहित (सप्रमाण) उत्तर दीजिए।

अशुद्ध वाक्य : सुभद्रा कुमारी चौहान बड़ी जीवंत कवि थीं।

शुद्ध वाक्य : सुभद्रा कुमारी चौहान बड़ी जीवंत कवयित्री थीं।

अशुद्ध वाक्य : तब शायद यह काम अवश्य हो जायेगा।

शुद्ध वाक्य : तब शायद यह काम हो जाए/तब यह काम अवश्य हो जायेगा।

अशुद्ध वाक्य : उसकी सौन्दर्यता कभी कम न होगी।

शुद्ध वाक्य : उसका सौन्दर्य कभी कम न होगा या उसकी सुन्दरता कभी कम न होगी।

अशुद्ध वाक्य : इतनी आलस्यता ठीक नहीं है।

शुद्ध वाक्य : इतना आलस्य ठीक नहीं है।

अशुद्ध वाक्य : यह महिला बड़ी विद्वान है।

शुद्ध वाक्य : यह महिला बहुत विदुषी है।

अशुद्ध वाक्य : वह बालक जन्मते ही मर गया।

शुद्ध वाक्य : वह बालक जन्म लेते ही मर गया।

अशुद्ध वाक्य : मुझे मेला में जाना है।

शुद्ध वाक्य : मुझे मेला जाना है।

अशुद्ध वाक्य : देशभक्त बड़ी-बड़ी यातनाओं को सहते हैं।

शुद्ध वाक्य : देशभक्त कठोर यातनाओं को सहते हैं।

अशुद्ध वाक्य : इस विषय में मेरे विचार मैं पहले प्रकट कर चुका हूँ।

शुद्ध वाक्य : इस विषय में अपने विचार मैं पहले प्रकट कर चुका हूँ।

ब. वर्तनी शुद्धि

● मार्गदर्शिका

जिस वर्ण को जिस मात्रा के साथ शुद्ध रूप में लिखने की आवश्यकता हो, उससे अलग रूप में लिखने से वर्ण या वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि हो जाती है, उदाहरण के लिए कवयित्री (शुद्ध-कवयित्री), उज्ज्वल (शुद्ध-उज्ज्वल), गृहणी (शुद्ध-गृहिणी) अशुद्ध हैं। वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ अनेक प्रकार से हो सकती हैं; जैसे—

स्वर एवं मात्रा सम्बन्धी— मालुम (शुद्ध-मालूम), परिक्षा (शुद्ध-परीक्षा) आदि।

व्यंजन सम्बन्धी— बड़ई (शुद्ध-बढ़ई), योधा (शुद्ध-योद्धा) आदि।

उपसर्ग सम्बन्धी— निरजन (शुद्ध-निर्जन), अनचेत (शुद्ध-अचेत) आदि।

समास सम्बन्धी— अहोरात्रि (शुद्ध-अहोरात्र), अष्टवक्र (शुद्ध-अष्टावक्र) आदि।

प्रत्यय सम्बन्धी— धैर्यता (शुद्ध-धैर्य), आधीन (शुद्ध-अधीन) आदि।

सन्धि सम्बन्धी— उपरोक्त (शुद्ध-उपर्युक्त), अत्योक्ति (शुद्ध-अत्युक्ति) आदि।

अव्यय सम्बन्धी— मेरे को (शुद्ध-मुझे), अनूवादित (शुद्ध-अनूदित) आदि।

लिंग सम्बन्धी— घोड़ा से घोड़िन (शुद्ध-घोड़ी)।

वचन सम्बन्धी— पाँच बहन (पाँच बहनें)।

कारक सम्बन्धी— मेज में (शुद्ध-मेज पर)।

● पूर्वावलोकन

विगत वर्ष की परीक्षाओं को दृष्टिगत करने पर यह ज्ञात होता है कि यदि उन्हें ठीक ढंग से पढ़ लिया जाये, तो अधिकांश प्रश्न वहीं से हल किये जा सकते हैं; यद्यपि इस अध्याय से उ.प्र.पी.सी.एस. में कभी-कभी प्रश्न पूछे जाते हैं, तथापि उ.प्र. लोक सेवा आयोग की अन्य परीक्षाओं में इससे सम्बन्धित प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं। वर्ष 2012 से उ.प्र. पी.सी.एस. परीक्षा में सी-सैट लागू होने के बाद उ.प्र.पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा में भी इस अध्याय से प्रश्न पूछे जा रहे हैं। अतः पाठ्यक्रम के अनुरूप यहाँ प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ शैली में प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त नये पाठ्यक्रम के तहत समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी का प्रामाणिक हल प्रस्तुत किया जा रहा है।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द है—

- (a) लब्धप्रतिष्ठ (b) लब्धप्रतिष्ठ
(c) लब्धप्रतिष्ठत (d) लुब्धप्रतिष्ठ

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(b)

शुद्ध शब्द 'लब्धप्रतिष्ठ' है। शेष वर्तनियाँ अशुद्ध हैं।

2. निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी में हलन्त-संबंधी अशुद्धि है, वह शब्द है—

- (a) श्रीयुत् (b) सम्राट्
(c) श्रीमान् (d) परिषद्

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(a)

'श्रीयुत्' शब्द की वर्तनी में हलन्त-संबंधी अशुद्धि है। शुद्ध वर्तनी 'श्रीयुत' है। शेष वर्तनियाँ शुद्ध हैं।

3. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) कवयत्री (b) घनिष्ठ
(c) चिन्ह (d) ईर्षा

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'घनिष्ठ' है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं, इनके शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं — कवयित्री, चिह्न तथा ईर्ष्या।

4. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) निस्संदेह (b) निस्संकोच
(c) उज्ज्वल (d) महत्त्व

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'महत्त्व' अशुद्ध वर्तनी है। शुद्ध वर्तनी 'महत्त्व' है। शेष विकल्प सही हैं।

5. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) दधीचि (b) याज्ञवल्क्य
(c) निवृत्ति (d) घनिष्ट

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(a&d)

व्याख्या— 'दधीचि' एवं 'घनिष्ट' दोनों अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द हैं, इनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः 'दधीचि' एवं 'घनिष्ट' है। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न के दो उत्तर (a&d) माने हैं।

6. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है—

- (a) पूज्यनीय (b) तत्कालिक
(c) प्रामाणिक (d) पैत्रिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— वर्तनी की दृष्टि से 'प्रामाणिक' शब्द शुद्ध है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है—पूजनीय, तात्कालिक, पैतृक।

7. निम्नलिखित में से किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?

- (a) याज्ञवल्क्य (b) सदृश
(c) हस्तक्षेप (d) गृहिणी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'याज्ञवल्क्य' अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शुद्ध वर्तनी 'याज्ञवल्क्य' होती है। हस्तक्षेप, गृहिणी तथा सदृश वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

8. निम्नलिखित में से एक वर्तनी शुद्ध है—

- (a) नूपुर (b) स्मर्ण
(c) कवयित्री (d) परिस्थिती

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'कवयित्री' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। अन्य वर्तनी अशुद्ध हैं। शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं—नूपुर, स्मरण, परिस्थिति।

9. इसमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) रचइता (b) अनाधिकार
(c) चिन्ह (d) अनुकूल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— अनुकूल शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं—रचयिता, चिह्न, अनाधिकार।

10. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) अधिन (b) अधीन
(c) आधीन (d) आधिन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अधीन' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। अन्य वर्तनी अशुद्ध हैं।

11. एक ही वर्तनी शुद्ध है—

- (a) अधिकारिक (b) आधिकारिक
(c) अधिकारक (d) अधीकारिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आधिकारिक' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि अन्य शब्द की वर्तनी अशुद्ध हैं।

12. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है—

- (a) परिच्छा (b) परीच्छा
(c) परीक्षा (d) परिक्षा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'परीक्षा' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य शब्द की वर्तनी अशुद्ध है।

13. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?

- (a) सृष्टी (b) अनधिकार
(c) अभ्यंतरिक (d) समुद्रिक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अनधिकार' वर्तनी शुद्ध है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं—सृष्टि, आभ्यंतरिक तथा सामुद्रिक।

14. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उँगली (b) बाँस
(c) पांचवा (d) दाँत

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'पांचवा' अशुद्ध वर्तनी है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'पाँचवाँ' है। शेष वर्तनी शुद्ध हैं।

15. वर्तनी की दृष्टि से निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है—

- (a) अनुग्रहीत (b) अनूग्रहीत
(c) अनुगृहीत (d) अनुगृहित

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— वर्तनी की दृष्टि से 'अनुगृहीत' शुद्ध शब्द है, शेष अशुद्ध हैं।

16. निम्नलिखित शब्दों में वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द अशुद्ध है?

- (a) पुष्पांजलि (b) निरापराध
(c) भास्कर (d) उज्ज्वल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'निरापराध' शब्द अशुद्ध है। इसका शुद्ध शब्द 'निरपराध' होगा। शेष विकल्पों में वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

17. निम्नलिखित में अशुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) वाङ्मय
(b) उत्कर्ष
(c) वैमनस्य
(d) मिथलेशकुमारी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) में अशुद्ध वर्तनी है। शुद्ध वर्तनी 'मिथिलेशकुमारी' है। अन्य विकल्पों में शुद्ध वर्तनी हैं।

18. निम्नलिखित में एक शब्द अशुद्ध है—

- (a) दैहिक (b) नोकरी
(c) प्रौढ़ (d) पौरुष

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— विकल्प (b) में अशुद्ध वर्तनी है। इसका शुद्ध वर्तनी 'नौकरी' है। अन्य विकल्पों में शुद्ध वर्तनी हैं।

19. इनमें से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) चरमोत्कर्ष (b) वाङ्मय
(c) पुनुरुत्थान (d) हिरण्यकश्यपु

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c&d)

व्याख्या— विकल्प में दो शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है। 'पुनुरुत्थान' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'पुनरुत्थान' तथा 'हिरण्यकश्यपु' की शुद्ध वर्तनी 'हिरण्यकशिपु' है। अन्य वर्तनी शुद्ध हैं। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने अपनी संशोधित उत्तर-कुंजी में विकल्प (c) & (d) को सही माना है।

20. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) प्रतिदर्श (b) दृष्टा
(c) रचइता (d) अहार

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'प्रतिदर्श' की वर्तनी शुद्ध है। अन्य विकल्पों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं— दृष्टा - द्रष्टा, रचइता - रचयिता तथा अहार - आहार।

21. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उपलक्ष (b) कुशाशन
(c) प्रशंसा (d) दीपिका

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— शुद्ध वर्तनी वाला शब्द प्रशंसा है। उपलक्ष, कुशाशन तथा दीपिका अशुद्ध शब्द हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः उपलक्ष्य, कुशासन तथा दीपिका है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द शुद्ध है?

- (a) भष्म (b) फाल्गुण
(c) भीष्म (d) मृन्मय

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'भीष्म' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। भष्म, फाल्गुण तथा मृन्मय अशुद्ध शब्द हैं, इनके शुद्ध शब्द क्रमशः भस्म, फाल्गुन तथा मृन्मय हैं।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से गलत है?

- (a) पाँचवाँ (b) गँधी
(c) बाँस (d) आंख

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— वर्तनी की दृष्टि से 'आंख' शब्द गलत है, इसका शुद्ध शब्द 'आँख' है। अन्य शब्द वर्तनी की दृष्टि से सही हैं।

24. वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द शुद्ध है?

- (a) अनुग्रीहीत (b) अनुगृहीत
(c) अधिग्रहीत (d) अनुग्रहीत

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या— दिए गए विकल्पों में 'अनुगृहीत' शब्द शुद्ध है। शेष अशुद्ध हैं।

25. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए—

- (a) शोचनीय (b) भाष्कर
(c) ज्योत्स्ना (d) वाङ्मय

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—शोचनीय, ज्योत्स्ना तथा वाङ्मय शुद्ध वर्तनी वाले शब्द हैं, जबकि भाष्कर वर्तनी अशुद्ध है। इसकी शुद्ध वर्तनी भास्कर है।

26. अधोलिखित में वर्तनी की दृष्टि से एक शब्द अशुद्ध है—

- (a) अन्तर्धान (b) अनुगृहीत
(c) आध्यात्म (d) अधीन

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—आध्यात्म वर्तनी अशुद्ध है। शुद्ध वर्तनी अध्यात्म है।

27. अधोलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) रचयिता (b) अनुग्रहीत
(c) अहार (d) सृष्टा

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘रचयिता’ की वर्तनी शुद्ध है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है—अनुग्रहित-अनुगृहीत, अहार-आहार तथा सृष्टा-स्रष्टा।

28. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें।

- (a) दैदीप्यमान (b) देदीपमान
(c) दैदीपमान (d) देदीप्यमान

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘दैदीप्यमान’ शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

29. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) कौतूहल (b) अनधिकार
(c) निरपेक्ष (d) पौराणीक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पौराणीक’ अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, इसका शुद्ध रूप ‘पौराणिक’ होगा। शेष वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

30. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है—

- (a) चिन्ह (b) विवर्त
(c) अनुग्रहीत (d) विरहणी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से ‘विवर्त’ शुद्ध शब्द है। शेष शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं—चिह्न, अनुगृहीत तथा विरहिणी।

31. वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द अशुद्ध है?

- (a) कोमलांगी (b) सम्मिलित
(c) उत्कर्षता (d) अनुगृहीत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से ‘उत्कर्षता’ अशुद्ध शब्द है। शुद्ध शब्द ‘उत्कर्ष’ होगा। शेष शुद्ध शब्द हैं।

32. एक की वर्तनी शुद्ध है—

- (a) खिवैया (b) न्यौछावर
(c) अनन्नास (d) निर्पेक्ष

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अनन्नास’ वर्तनी शुद्ध है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है—खिवैया-खेवैया, न्यौछावर-न्योछावर, निर्पेक्ष-निरपेक्ष।

33. एक की वर्तनी शुद्ध है—

- (a) षट्दर्शन (b) अनापेक्षित
(c) किलिष्ट (d) पर्यवसान

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पर्यवसान’ शुद्ध वर्तनी है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है—षट्दर्शन-षड्दर्शन, अनापेक्षित-अनपेक्षित, किलिष्ट-क्लिष्ट।

34. एक की वर्तनी शुद्ध है—

- (a) उन्नयन (b) उन्नयन
(c) उन्नयन (d) उन्नयन

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘उन्नयन’ शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

35. एक की वर्तनी शुद्ध है—

- (a) आविष्कार (b) देवार्षि
(c) निशब्द (d) जमाता

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘आविष्कार’ शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है—देवार्षि-देवर्षि, निशब्द-निःशब्द तथा जमाता-जामाता।

36. एक की वर्तनी शुद्ध है—

- (a) राज्य महल (b) कोमलांगिनी
(c) निरोग (d) अक्षौहिणी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—अक्षौहिणी शुद्ध वर्तनी है। अन्य शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं—राज्य महल-राजमहल, कोमलांगिनी-कोमलांगी तथा निरोग-नीरोग। ज्ञातव्य हो कि विसर्ग संधि के नियम के अनुसार, यदि

विसर्ग के पहले अ, आ को छोड़कर अन्य कोई स्वर हो और बाद में र हो, तो विसर्ग का लोप हो जाता है और उसके पूर्व का ह्रस्व स्वर दीर्घ में कर दिया जाता है। जैसे-निः + रोग = नीरोग, निः + रस = नीरस, निः+रज = नीरज।

37. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है-

- (a) हिंस्त्र (b) भाष्कर
(c) रूपया (d) बदाम

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'हिंस्त्र' शुद्ध वर्तनी है। भाष्कर, रूपया तथा बदाम अशुद्ध वर्तनी हैं, जिनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः भास्कर, रुपया तथा बादाम हैं।

38. निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है—

- (a) हस्तलिखित (b) कुमुदिनी
(c) आजीवका (d) सत्याग्रह

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'आजीवका' अशुद्ध वर्तनी है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'आजीविका' है, शेष वर्तनी शुद्ध हैं।

39. कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है?

- (a) निरहंकारी (b) पैत्रिक
(c) जाग्रत् (d) निरदयी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जाग्रत्' वर्तनी शुद्ध है। 'पैत्रिक', 'निरदयी' तथा 'निरहंकारी' वर्तनी अशुद्ध हैं, इनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः इस प्रकार हैं - पैतृक, निर्दय तथा निरहंकार।

40. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है—

- (a) कुमुदनी (b) कुमुदिनी
(c) कुमूदिनी (d) कूमुदिनी

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'कुमुदिनी' शुद्ध शब्द है, शेष अशुद्ध हैं।

41. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) कलेश (b) क्लेश
(c) क्लेश (d) क्लेश

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या— दिये गये विकल्पों में विकल्प (c) अर्थात् 'क्लेश' शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

42. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) शृंगार (b) श्रंगार
(c) शृंगार (d) सुंगार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या— दिये गये विकल्पों में विकल्प (c) अर्थात् 'शृंगार' शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

43. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उज्जवल (b) उज्ज्वल
(c) उत्ज्वल (d) उत्जवल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या— दिये गये विकल्पों में विकल्प (b) अर्थात् 'उज्ज्वल' शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

44. निम्नलिखित शब्दों में किसकी वर्तनी शुद्ध है?

- (a) संन्यास (b) प्रत्यूपकार
(c) दुरावस्था (d) कैलाष

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'संन्यास' की वर्तनी शुद्ध है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है— प्रत्यूपकार-प्रत्युपकार, दुरावस्था-दुरवस्था तथा कैलाष-कैलास।

45. निम्न में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उद्घोष (b) एकता
(c) तात्कालिक (d) उपरोक्त

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपरोक्त वर्तनी अशुद्ध है। इसकी शुद्ध वर्तनी उपर्युक्त है, शेष वर्तनी शुद्ध हैं।

46. निम्न में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उज्ज्वल (b) वैमनस्यता
(c) कवित्री (d) प्रमाणिक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'उज्ज्वल' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः है—वैमनस्य, कवयित्री तथा प्रामाणिक।

47. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) आधीन (b) व्यवहारिक
(c) मिष्ठान्त (d) अत्यधिक

U.P.P.C.S. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में विकल्प (d) अर्थात् 'अत्यधिक' की वर्तनी शुद्ध है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है- आधीन-अधीन, व्यवहारिक-व्यावहारिक तथा मिष्ठान-मिष्ठान।

48. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है-

- (a) अनुषांगिक (b) अनुसांगिक
(c) आनुषंगिक (d) आनुसांगिक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर-(c)

व्याख्या—'आनुषंगिक' शुद्ध शब्द है। शेष अशुद्ध हैं।

49. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है-

- (a) परिच्छा (b) परीच्छा
(c) परीक्षा (d) परिक्षा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर-(c)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'परीक्षा' है। शेष अशुद्ध हैं।

50. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए-

- (a) अनुग्रहीत (b) अनुगृहीत
(c) अनुग्रहित (d) आनुगृहीत

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर-(b)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'अनुगृहीत' है। शेष अशुद्ध हैं।

51. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है-

- (a) नरक (b) नर्क
(c) ब्रक (d) नक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर-(a)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'नरक' है। शेष अशुद्ध हैं।

52. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए-

- (a) टिप्पड़ी (b) टिप्पणि
(c) टीप्पणी (d) टिप्पणी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर-(d)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'टिप्पणी' है। शेष अशुद्ध हैं।

53. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-

- (a) अन्त्याक्षरी (b) पूजनीय
(c) तदोपरांत (d) कवियित्री

U.P.P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर-(a)

व्याख्या—शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'अन्त्याक्षरी' है, जबकि शेष अशुद्ध हैं। इनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः पूजनीय, तदुपरांत तथा कवियित्री है।

54. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

- (a) प्रज्वलित (b) समुज्ज्वल
(c) उज्ज्वल (d) समुज्वल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर-(d)

व्याख्या—'समुज्ज्वल' अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, इसकी शुद्ध वर्तनी 'समुज्वल' है। शेष वर्तनी शुद्ध हैं।

55. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

- (a) पारलौकिक (b) निष्पेष्ट
(c) दुर्धर्ष (d) आशीर्वाद

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर-(b)

व्याख्या—अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'निष्पेष्ट' है, इसकी शुद्ध वर्तनी 'निश्पेष्ट' है। शेष विकल्पों की वर्तनी शुद्ध हैं।

56. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

- (a) धोबिन (b) धोबिनी
(c) धोबनी (d) धोबीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर-(a)

व्याख्या—शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'धोबिन' है, शेष विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

57. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

- (a) भगीरथी (b) भागीरथी
(c) भगिरथी (d) भागिरथी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर-(b)

व्याख्या—शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'भागीरथी' है। शेष विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

58. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

- (a) विरहिणी (b) विरहणी
(c) विरहिणी (d) विरिहणी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर-(c)

व्याख्या—'विरहिणी' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

59. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शुद्ध है?

- (a) विदुषी (b) बिदुषी
(c) वीदुषी (d) विदूषी

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में विकल्प (a) अर्थात् 'विदुषी' की शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

60. किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?

- (a) लंगड़ (b) बुझकड़
(c) कोंकण (d) भुखड़

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'भुखड़' शब्द अशुद्ध है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'भुखड़' होगी।

61. किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?

- (a) निरनुनासिक (b) छिद्रान्वेशी
(c) गत्यर्थ (d) अन्तश्चेतना

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'छिद्रान्वेशी' में अशुद्ध वर्तनी है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'छिद्रान्वेषी' होगी।

62. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) कवयित्री (b) कावियित्री
(c) कवियत्री (d) कवित्री

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2005, 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'कवयित्री' में शुद्ध वर्तनी है, शेष विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

63. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शुद्ध है?

- (a) कवियित्री (b) कवयित्री
(c) कवीयित्री (d) कवयीत्री

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. कवि का स्त्रीलिंग शब्द है—

- (a) कवित्री (b) कवियत्री
(c) कवियित्री (d) कवियित्री

U.P.P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—कवि का स्त्रीलिंग 'कवयित्री' है, अन्य शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

65. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) शुश्रूषा (b) सुश्रूषा
(c) सूश्रूषा (d) श्रुशूषा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'शुश्रूषा' है। शेष शब्द अशुद्ध हैं।

66. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) ईर्षा (b) ईर्षा
(c) ईर्षा (d) ईर्ष्या

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'ईर्ष्या' में शुद्ध वर्तनी है, शेष शब्द अशुद्ध हैं।

67. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) उल्लंघन (b) मनोरथ
(c) उज्ज्वल (d) वत्सल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'उज्ज्वल' अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'उज्ज्वल' होगी।

68. शुद्ध शब्दरूप है—

- (a) दुरनिवार (b) दुर्निवार
(c) दुःनिवार (d) दुर्निवार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—शुद्ध शब्दरूप 'दुर्निवार' / 'दुर्निवार्य' है, शेष शब्द अशुद्ध हैं।

69. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?

- (a) अन्ताक्षरी (b) अन्त्याक्षरी
(c) अन्ताक्षिरी (d) अन्ताक्षिणी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अन्त्याक्षरी' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

70. नीचे दिये शब्दों में से किसकी वर्तनी शुद्ध है?

- (a) द्वारका (b) पूज्यानीया
(c) अन्तर्ध्यान (d) अहिलिया

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘द्वारका’ शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि ‘द्वारिका’ अशुद्ध है। ‘पूज्यानीया’ अशुद्ध वर्तनी है, इसकी शुद्ध वर्तनी ‘पूजनीया’ या ‘पूज्या’ होगी। इसी प्रकार ‘अन्तर्धान’ में भी अशुद्ध वर्तनी है, इसकी शुद्ध वर्तनी ‘अन्तर्धान’ होगी तथा ‘अहिल्यया’ में अशुद्ध वर्तनी है, शुद्ध वर्तनी वाला शब्द ‘अहल्या’ है।

71. नीचे दिये शब्दों में किसकी वर्तनी शुद्ध है?

- (a) संन्यासी (b) आकाल
(c) अनुग्रहीत (d) आजीवका

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘संन्यासी’ शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि ‘आकाल’, अनुग्रहीत तथा आजीवका की शुद्ध वर्तनी क्रमशः अकाल, अनुगृहीत तथा आजीविका हैं।

72. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) वॉङ्मय (b) वाङ्मय
(c) वाङ्मय (d) वॉङ्मय

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्पों की वर्तनी त्रुटिपूर्ण है।

73. वर्तनी की दृष्टि से शब्द का शुद्ध रूप कौन है?

- (a) बन्दना (b) वंदना
(c) बनदना (d) वन्दना

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द ‘वंदना’ है, शेष विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी है। वन्दना शब्द भी प्रयोग में है, किन्तु जब शुद्ध हिन्दी की बात होगी, तो विकल्प (b) का ही चयन करना होगा।

74. इनमें से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है—

- (a) अन्तर्धान (b) षष्ठम
(c) सहस्त्र (d) अनुषंगिक

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है। विकल्प (b) में प्रस्तुत ‘षष्ठम’ के स्थान पर ‘षष्ठ’ तथा विकल्प (c) में प्रस्तुत ‘सहस्त्र’ के स्थान पर ‘सहस्र’ सही वर्तनी वाला शब्द होगा। विकल्प (d) में प्रस्तुत वर्तनी ‘अनुषंगिक’ के स्थान पर ‘आनुषंगिक’ शुद्ध वर्तनी है।

75. इन नामों में से एक की वर्तनी अशुद्ध है—

- (a) कौसल्या (b) मैथिलीशरण गुप्त
(c) मेघनाद (d) राहुल साँस्कृत्यायन

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—राहुल साँस्कृत्यायन की जगह शुद्ध वर्तनी होगी—‘राहुल सांकृत्यायन’।

76. इनमें से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है—

- (a) अधीन (b) भागीरथी
(c) जागृत (d) अनुगृहीत

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वर्तनी अशुद्ध है। शुद्ध वर्तनी वाला शब्द ‘जाग्रत्’ अथवा ‘जागरित’ अथवा जागृति है।

77. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) ज्योत्सना (b) ज्योत्सना
(c) ज्योत्स्ना (d) ज्यौत्स्ना

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत ‘ज्योत्स्ना’ की वर्तनी शुद्ध है। शेष अशुद्ध हैं।

78. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें।

- (a) ज्योत्सिना (b) ज्योत्सना
(c) ज्योतसना (d) ज्योत्स्ना

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

79. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) हिरण्यकशिपु (b) हिरण्यकश्यपु
(c) हिरण्यकश्यप (d) हिरण्यकस्यप

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत ‘हिरण्यकशिपु’ शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

80. इनमें से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) महत्त्व (b) वाल्मीकी
(c) पैतृक (d) सन्यासी

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b&d)

व्याख्या—विकल्प (b) एवं (d) में प्रस्तुत वर्तनी अशुद्ध हैं। इस शब्दों की शुद्ध वर्तनी क्रमशः वाल्मीकि एवं 'संन्यासी' हैं।

81. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) जाज्वल्यमान (b) जाज्वल्यमान्
(c) जाजवलयमान (d) जाजज्वल्यमान

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जाज्वल्यमान्' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष अशुद्ध हैं।

82. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी है—

- (a) संप्रदायिकता (b) सांप्रदायिकता
(c) सामप्रदायिकता (d) समप्रदायिकता

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सांप्रदायिकता' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष अशुद्ध हैं।

83. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है—

- (a) निरापराधी (b) निरापराध
(c) निःपराध (d) निरपराध

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(d)

व्याख्या—'निरपराध' में शुद्ध वर्तनी है। शेष अशुद्ध हैं।

84. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) अतिशयोक्ति (b) अतिशयोक्ति
(c) अतिशोक्ति (d) अतिस्वोक्ति

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अतिशयोक्ति' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष अशुद्ध हैं।

85. निम्नलिखित में एक की वर्तनी अशुद्ध है—

- (a) शुश्रूषा (b) सश्रूषा
(c) वेशभूषा (d) मनीषा

U.P.N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सश्रूषा' की वर्तनी अशुद्ध है, शेष शब्दों की वर्तनी शुद्ध हैं।

86. निम्नलिखित में एक वर्तनी अशुद्ध है। उसे चयनित कीजिए—

- (a) उज्ज्वल (b) शृंगार
(c) कवयित्री (d) श्रद्धा

U.P.S.D.I., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'शृंगार' में अशुद्ध वर्तनी है। शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'शृंगार' है।

87. 'अनुसुइया' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) अनुसुइया (b) अनूसुइया
(c) अनसूया (d) अनसुया

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अनुसुइया' की शुद्ध वर्तनी 'अनसूया' है। शेष वर्तनी अशुद्ध है।

88. 'बहिर्गमन' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) बहिरगमन (b) बहिर्गमन
(c) बर्हिगमन (d) बहीरगमन

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या—'बहिर्गमन' की शुद्ध वर्तनी 'बहिर्गमन' है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

89. 'मध्याह्न' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) मध्याहन (b) मध्याह्न
(c) मधयाहन (d) मध्यहन

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या—'मध्याह्न' की शुद्ध वर्तनी 'मध्याह्न' है। शेष वर्तनी अशुद्ध है।

90. 'प्रज्जवल' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) प्रज्वल (b) प्रज्जवल
(c) प्रज्वल (d) प्रज्जवल

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(c)

व्याख्या—'प्रज्जवल' की शुद्ध वर्तनी 'प्रज्वल' है। शेष अशुद्ध हैं।

91. 'कृशांगिनी' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) कृशांगी (b) कृशांगीनी
(c) कृशांगिनि (d) कृशांगि

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या—'कृशांगिनी' की शुद्ध वर्तनी 'कृशांगी' है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

92. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) वैयवहारिक (b) व्यवहारिक
(c) व्यावहारिक (d) वयवहारिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'व्यावहारिक' वर्तनी शुद्ध है। शेष अशुद्ध हैं।

93. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) तत्कालीक (b) ततकालीक
(c) ततकालिक (d) तत्कालिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'तत्कालिक' वर्तनी शुद्ध है। शेष अशुद्ध हैं।

94. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) आशीर्वाद (b) आशीर्वाद
(c) आर्शिवाद (d) आशीवार्द

U.P.P.C.S. (Mains), 2021, 2017 (पुनर्परीक्षा), 2005

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'आशीर्वाद' शुद्ध वर्तनी है। शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

95. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) पुज्यनीय (b) पूजनीय
(c) पूज्यनीय (d) पुजनीय

U.P.P.C.S. (Mains), 2021, 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'पूजनीय' शुद्ध वर्तनी है। शेष अशुद्ध हैं।

96. किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

- (a) इच्छिक (b) एच्छिक
(c) ऐच्छिक (d) ऐच्छिक

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'ऐच्छिक' शुद्ध वर्तनी है। शेष अशुद्ध हैं।

97. 'सिंहिनी' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) सींहनी (b) सिंहनी
(c) सिंहनि (d) सिंहीं

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सिंहिनी' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'सिंहनी' है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

98. 'छुद्र' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) छुद्र (b) क्षुद्र
(c) क्षुद्र (d) छूद्र

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'छुद्र' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'क्षुद्र' है, शेष अशुद्ध वर्तनी हैं।

99. 'चिन्ह' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) चिहन (b) चीन्ह
(c) चिह्न (d) चिन्ह

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'चिन्ह' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'चिह्न' है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

100. 'बरबर्ता' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) बर्बरता (b) बरबरता
(c) बर्बर्ता (d) बरबर्ता

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'बरबर्ता' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'बर्बरता' है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

101. 'निष्पापी' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) निःपाप (b) निष्पाप
(c) निस्पाप (d) निशपाप

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'निष्पापी' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'निष्पाप' है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

102. 'पूर्ती' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) पुर्ती (b) पुर्ति
(c) पूर्ति (d) पूर्ती

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'पूर्ती' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'पूर्ति' है, शेष अशुद्ध वर्तनी हैं।

103. 'मुनी' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) मूनी (b) मुनी
(c) मुनि (d) मूनि

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'मुनी' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'मुनि' है, शेष अशुद्ध वर्तनी हैं।

104. 'लिपी' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) लिपी (b) लीपी
(c) लीपि (d) लिपि

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'लिपी' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'लिपि' है, शेष अशुद्ध वर्तनी हैं।

105. 'नीती' शब्द की शुद्ध वर्तनी है-

- (a) नीति (b) नीती
(c) निति (d) निती

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'नीती' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'नीति' है, शेष वर्तनी अशुद्ध हैं।

106. निम्नलिखित विकल्पों में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द का चयन कीजिए—

- (a) ऊपरोक्त (b) अपरियुक्त
(c) ऊपरयुक्त (d) उपर्युक्त

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

U.P.S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, जबकि शेष शब्दों की वर्तनी त्रुटिपूर्ण हैं।

107. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) शिच्छणेतार (b) शिक्षणेतार
(c) शिक्षणेतार (d) शिच्छणेतार

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— शुद्ध वर्तनी 'शिक्षणेतार' है। शेष अशुद्ध हैं।

108. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) सौहार्द्र (b) सौहार्द
(c) सौहाद (d) सौहाद्र

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'सौहार्द' शुद्ध वर्तनी है। शेष अशुद्ध हैं।

109. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) सौजन्यता (b) सोजन्यता
(c) सौजन्य (d) सौजनयन

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सौजन्य' शुद्ध वर्तनी है। शेष अशुद्ध हैं।

110. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी कौन-सी है?

- (a) अनधिकार (b) अनाधिकार
(c) अनधीकार (d) अनाधीकार

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, जबकि अन्य विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी हैं।

111. 'सन्न्यासी' की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) सन्यासी (b) सन्नयासी
(c) संन्यासी (d) सनन्यासी

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सन्न्यासी' की शुद्ध वर्तनी 'संन्यासी' है। शेष अशुद्ध हैं।

112. 'अनिरवचनीय' शब्द का शुद्ध वर्तनी है—

- (a) अनिर्वचनीय (b) अनिवर्चनीय
(c) अर्निवचनीय (d) अनिर्बचनीय

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अनिर्वचनीय' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष अशुद्ध हैं।

113. 'अन्तरतलेय' शब्द का शुद्ध वर्तनी है—

- (a) अन्तर्तलेय (b) अन्तर्तलीय
(c) अन्तरतलीय (d) अन्तर्तलेय

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अन्तरतलेय' शब्द का शुद्ध वर्तनी 'अन्तर्तलीय' है। शेष अशुद्ध हैं।

114. 'बहुब्रीहि' शब्द का शुद्ध वर्तनी है—

- (a) बहुब्रीह (b) बहुब्रीहि
(c) बहुब्रीहि (d) बहुब्रीह

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'बहुब्रीहि' शब्द का शुद्ध वर्तनी 'बहुब्रीहि' है। शेष अशुद्ध हैं।

115. इनमें से शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) अधिन (b) अधीन
(c) आधीन (d) आधिन

U.P.P.C.S. (Mains), 2007, 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत शब्द 'अधीन' में शुद्ध वर्तनी है, जबकि अन्य विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी हैं।

116. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी है—

- (a) चर्मोत्कर्ष (b) चर्मोत्कर्ष
(c) चरमोत्कर्ष (d) चरमोत्कर्ष

U.P.P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

117. 'चर्मोत्कर्ष' शब्द की शुद्ध वर्तनी है—

- (a) चर्मोत्कर्ष (b) चरमोत्कर्ष
(c) चर्मोत्कर्ष (d) चरमोत्कर्ष

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

118. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) श्रमति (b) श्रीमती
(c) श्रीमति (d) श्रमती

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

119. इनमें से कौन-सी वर्तनी शुद्ध है?

- (a) कालीदास
(b) कालिदास
(c) कालीदाश
(d) कालिदाष

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

120. इनमें से शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) प्रज्वलित (b) प्रज्जवलित
(c) प्रजलित (d) प्रजवलित

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

121. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी कौन-सी है?

- (a) रचइता (b) रचयिता
(c) रचयीता (d) रचीयता

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्पों में प्रस्तुत वर्तनी अशुद्ध हैं।

122. इनमें से कौन-सी शुद्ध वर्तनी है?

- (a) पौरुष (b) पौरुष
(c) पोरुष (d) पौरुख

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, जबकि अन्य विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी हैं।

123. इनमें से शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) सृष्टा (b) स्रष्टा
(c) सृस्टा (d) स्रिष्टा

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, जबकि शेष विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी हैं।

124. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला कौन-सा शब्द है?

- (a) जाग्रित (b) जागृत
(c) जाग्रत् (d) जागरीत

U.P. A.P.O. (Mains), 2015, U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत शब्द में शुद्ध वर्तनी है, जबकि शेष विकल्पों में प्रस्तुत शब्द अशुद्ध वर्तनी वाले हैं।

125. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) अक्षण्य (b) अक्षुण्य
(c) अक्षुण्ण (d) अक्षुण्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत वर्तनी शुद्ध है। शेष विकल्पों में प्रस्तुत शब्द अशुद्ध हैं।

126. निम्नलिखित में से सर्वोत्तम वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) गरष्ट (b) गरीष्ट
(c) गरिष्ट (d) गरिष्टि

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, जबकि अन्य विकल्पों में प्रस्तुत शब्द अशुद्ध वर्तनी वाले हैं।

127. निम्नलिखित में से कौन-सी शुद्ध वर्तनी है?

- (a) अंजली (b) अंजलि
(c) अनजलि (d) अनजली

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत शब्द में शुद्ध वर्तनी है, जबकि अन्य विकल्पों में अशुद्ध वर्तनी हैं।

128. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) मैथलीशरण (b) मथिलीशरण
(c) मैथिलीशरण (d) मेथिलीशरण

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, शेष शब्दों में अशुद्ध वर्तनी का प्रयोग किया गया है।

129. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है—

- (a) अनधिकृत (b) अनाधिकृत
(c) अनधिक्रित (d) अनधिकृत

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

130. इनमें से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है—

- (a) कोशल्या (b) कैशल्या
(c) कोसल्या (d) कौशल्या

U.P.P.C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध है। कौशल्या एवं कौसल्या दोनों शुद्ध हैं। शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

131. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) प्रेमचन्द्र
(b) प्रेमचनद्र
(c) परेमचन्द
(d) प्रेमचन्द

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(d)

व्याख्या—विकल्प (d) में प्रस्तुत शब्द शुद्ध वर्तनी वाला है, शेष शब्दों की वर्तनी त्रुटिपूर्ण हैं।

132. शुद्ध वर्तनी कौन-सी है?

- (a) उत्तीर्ण (b) उत्तेर्ण
(c) उत्तीर्ण (d) उत्तिर्ण

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) में प्रस्तुत शब्द में शुद्ध वर्तनी है, शेष शब्दों की वर्तनी अशुद्ध हैं।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

पूर्वावलोकन खण्ड में पर्याप्त संख्या में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों के प्रश्न नहीं प्राप्त हुए हैं। इस कमी की पूर्ति हेतु अध्ययन सामग्री खण्ड के अंतर्गत प्रभूत संख्या में वर्तनीगत अशुद्धियों वाले शब्दों का कोश प्रस्तुत किया गया है।

वर्ण सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अरपण	- अर्पण	अनुग्रहीत	- अनुगृहीत	अनुशरण	- अनुसरण
अनभिगय	- अनभिज्ञ	आधीन	- अधीन	आशीवाद	- आशीर्वाद
अहार	- आहार	अनुवादित	- अनूदित	अमावश्या	- अमावस्या
अस्विकार	- अस्वीकार	अन्तर्कथा	- अन्तःकथा	अपन्हुति	- अपह्नुति
अपरान्ह	- अपराह्न	अकृतिम	- अकृत्रिम	असुद्ध	- अशुद्ध
अभिसेक	- अभिषेक	अनाधिकार	- अनधिकार	अध्यन	- अध्ययन

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
आर्द्र	- आर्द्र	करय	- क्रय	देश-निकाला	- देशनिकाला
आतीथेय	- आतिथेय	कृप्या	- कृपया	दयाल	- दयालु
आकंक्षा	- आकांक्षा	कवियत्री	- कवयित्री	द्रष्टव्य	- द्रष्टव्य
आट्टालिका	- अट्टालिका	कैलाश	- कैलास	दृष्य	- दृश्य
आधिक्यता	- आधिक्य	कन्हैया	- कन्हैया	दोस	- दोष
अवश्यकीय	- आवश्यक	कालीदास	- कालिदास	द्विग	- द्वग
अन्तराष्ट्रीय	- अन्तराष्ट्रीय/ अन्तरराष्ट्रीय	कर्तव्यपालन	- कर्तव्य-पालन	धनुस	- धनुष
अक्षादन	- आच्छादन	ईर्षा	- ईर्ष्या	धिमान्	- धीमान्
अध्यात्मक	- आध्यात्मिक	इश्वर	- ईश्वर	धराहर	- धरोहर
आजिवका	- आजीविका	उपाशना	- उपासना	निलकंठ	- नीलकंठ
अद्वितीय	- अद्वितीय	उद्धरड़	- उद्धरण	नीवारण	- निवारण
अमिस	- आमिष	गायिकी	- गायकी	नीरवाण	- निर्वाण
अराधना	- आराधना	गृहीणी	- गृहिणी	निस्चेष्ट	- निश्चेष्ट
आसा	- आशा	गौवें	- गायें	नारायड़	- नारायण
आसाढ़	- आषाढ़	गाधी	- गाँधी	नबाब	- नवाब
अश्मसान	- श्मशान	गरुण	- गरुड़	निःपराध	- निरपराध
उज्ज्वल	- उज्ज्वल	गरीष्ठ	- गरिष्ठ	निर्दयी	- निर्दय
उलंघन	- उल्लंघन	गोपनीय	- गोपनीय	निरसता	- नीरसता
उत्पात	- उत्पात	ग्रीहस्थ	- गृहस्थ	निष्कपटी	- निष्कपट
उन्नती	- उन्नति	गर्मीयों	- गर्मियों	नराज	- नाराज
उन्मिलित	- उन्मीलित	गाव	- गाँव	नारि	- नारी
उरीड़	- उन्मूलन	विहन	- विह्व	निरोग	- नीरोग
ऊर्मिला	- उर्मिला	चन्चल	- चंचल	पतीत	- पतित
उद्विग्न	- उद्विग्न	छत्री	- क्षत्रिय	पुष्पवलि	- पुष्पावली
उपर	- ऊपर	छमा	- क्षमा	प्रेयसि	- प्रेयसी
उद्देश्य	- उद्देश्य	छुधा	- क्षुधा	प्रदर्शीनी	- प्रदर्शनी
उपलक्ष	- उपलक्ष्य	छेम	- क्षेम	प्रतीज्ञा	- प्रतिज्ञा
ऐक्यता	- ऐक्य	ज्योत्सना	- ज्योत्स्ना	प्रत्यक्ष	- प्रत्यक्ष
ऐकदन्त	- एकदन्त	जमाता	- जामाता	प्रशन्न	- प्रसन्न
एश्वर्य	- ऐश्वर्य	जाग्रिति	- जागृति	प्राशाद	- प्रासाद
ऐतिहासिक	- ऐतिहासिक	जात्याभिमान	- जात्यभिमान	पुरष्कार	- पुरस्कार
कुवर	- कुंअर	जगत जननी	- जगज्जननी	पोशक	- पोषक
कौशल्या	- कौशल्या/कौसल्या	जगधात्री	- जगद्धात्री	पद्मीनी	- पद्मिनी
कृत्यकृत्य	- कृतकृत्य	तलाव	- तालाब	परिछेद	- परिच्छेद
कार्यकर्म	- कार्यक्रम	त्यज्य	- त्याज्य	पुस्प	- पुष्प
कृतघ्नी	- कृतघ्न	तत्कालिक	- तात्कालिक	परिणाम	- परिणाम
करोण	- करोड़	तृकाल	- त्रिकाल	पृष्ट	- पृष्ठ
केंद्रीयकरण	- केंद्रीकरण	तालासी	- तलाशी	पारड़	- पारण
क्रियारी	- क्यारी	त्रिगूड़	- त्रिगुण	पयपान	- पयःपान
क्रिपा	- कृपा	तिलांजली	- तिलांजलि	पिता भक्ति	- पितृभक्ति
किर्ति	- कीर्ति	दारिद्रता	- दरिद्रता	पैत्रिक	- पैतृक
		दांत	- दाँत		

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
परीक्षा	-	परीक्षा	महात्म	-	माहात्म्य
पूजा	-	पूजा	म्रित्युञ्जय	-	मृत्युञ्जय
पौरुस	-	पौरुष	मान्यनीय	-	माननीय
परिसद	-	परिषद्	मनोग्य	-	मनोज्ञ
परेम	-	प्रेम	मेनहत	-	मेहनत
पुलिंग	-	पुल्लिंग	मन्त्रीमंडल	-	मन्त्रिमंडल
पिशाचिनी	-	पिशाची	मट्टी	-	मिट्टी
प्रादेशिक	-	प्रादेशिक	महायग्य	-	महायज्ञ
पूर्णय	-	पूर्ण	यद्यपि	-	यद्यपि
प्राप्ती	-	प्राप्ति	योधा	-	योद्धा
प्रमाणिक	-	प्रामाणिक	यस	-	यश
प्रनाम	-	प्रणाम	यावत जीवन	-	यावज्जीवन
प्राज्वलित	-	प्रज्वलित	यसस्वी	-	यशस्वी
प्रतिछाया	-	प्रतिच्छाया	राजनैतिक	-	राजनीतिक
प्रसंसा	-	प्रशंसा	राजागण	-	राजगण
वृक्ष	-	वृक्ष	रीतु	-	ऋतु
वीराजमान	-	विराजमान	रिण	-	ऋण
वाल्मीकी	-	वाल्मीकि	विश्वभर	-	विश्वम्भर
विरहीणी	-	विरहिणी	विसमृत	-	विस्मृत
वाहनी	-	वाहिनी	वीदेह	-	विदेह
ब्रम्हा	-	ब्रह्मा	विकाश	-	विकास
वीधि	-	विधि	विशम	-	विषम
व्यापित	-	व्याप्त	वेष	-	वेश
बहुल्यता	-	बहुलता	व्यवहारिक	-	व्यावहारिक
विश्लेषण	-	विश्लेषण	शिरोपीड़ा	-	शिरःपीड़ा
बहिष्कार	-	बहिष्कार	शशी	-	शशि
विषेस	-	विशेष	शताब्दि	-	शताब्दी
भस्मभूत	-	भस्मीभूत	शान्तमय	-	शान्तिमय
भव-सागर	-	भवसागर	साप्ताहिक	-	साप्ताहिक

स्वर और मात्रा सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
युधिष्ठिर	-	युधिष्ठिर	दृष्टा	-	द्रष्टा
द्वारिका	-	द्वारका	जागृत	-	जाग्रत्
निरपराधी	-	निरपराध	सृष्टा	-	स्रष्टा
तदान्तर	-	तदनन्तर	अनुदित	-	अनूदित
बृज	-	ब्रज	सुश्रूषा	-	शुश्रूषा
विशिष्ट	-	विशिष्ट	विक्ष	-	वृक्ष
निष्कपटी	-	निष्कपट	ऐषणा	-	एषणा
उर्ध्व	-	ऊर्ध्व	एकान्तिक	-	ऐकान्तिक
ग्रहीत	-	गृहीत	अन्त्यक्षरी	-	अन्त्याक्षरी
प्रिथा	-	प्रथा	परलौकिक	-	पारलौकिक
मालन	-	मालिन			
अहिल्या	-	अहल्या			
निरसता	-	नीरसता			
अनुगृह	-	अनुग्रह			
अनाधिकृत	-	अनधिकृत			
भगीरथी	-	भागीरथी			
स्थायीत्व	-	स्थायित्व			
कुमदनी	-	कुमुदिनी			

3. अनेक शब्दों के एक शब्द

● मार्गदर्शिका

संचार क्रांति के युग में समय कम होने के साथ-साथ पारस्परिक सम्प्रेषण में भी कमी आई है। अतः सामाजिक से लेकर राजनैतिक, व्यावसायिक से लेकर व्यापारिक, राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में संक्षिप्त और सारगर्भित वार्ता को प्रासंगिक माना जा रहा है।

भाषा अपनी विकास यात्रा में क्रमशः ऐसे शब्दों और मुहावरों के निर्माण की ओर उन्मुख होती है, जो अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं तथा अर्थ के दबाव को अधिकाधिक वहन कर सकते हैं। भाषा मूल संकेत है, इसलिए वह संकेत को अधिक से अधिक सूक्ष्म बनाती जाती है। विश्व की समृद्ध भाषाओं की यही प्रवृत्ति रही है। भाषा की सुदृढ़ता, भावों की गम्भीरता और चुस्त शैली के लिए यह आवश्यक है कि लेखक शब्दों (पदों) के प्रयोग में संयम से काम ले, ताकि वह विस्तृत विचारों या भावों को कम-से-कम शब्दों में व्यक्त कर सके। 'गागर में सागर भरना' कहावत यही चरितार्थ करती है। समास, तद्धित और कृदन्त वाक्यांश या वाक्य एक शब्द या पद के रूप में संक्षिप्त किये जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में मूल वाक्यांश या वाक्य के शब्दों के अनुसार ही एक शब्द या पद का निर्माण होना चाहिए। दूसरी बात यह कि वाक्यांश को संक्षेप में सामासिक पद का भी रूप दिया जाता है। कुछ ऐसे लाक्षणिक पद या शब्द भी हैं, जो अपने में पूरे एक वाक्य या वाक्यांश का अर्थ रखते हैं।

संस्कृत भाषा ऐसे शब्दों की धनी रही है, जो एक वाक्य या वाक्यांश के बदले आ सकते हैं। हिन्दी ने इस प्रकार के अधिकांश शब्द संस्कृत से ही प्राप्त किये हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में संक्षिप्तीकरण महत्वपूर्ण अंकों वाला भाग है और संक्षिप्तीकरण तभी शुद्ध हो सकता है जब कम से कम शब्दों के माध्यम से अधिकाधिक अर्थ को व्यक्त करने का सामर्थ्य अभ्यर्थी में होगी इस हेतु हमने पूर्व की भाँति अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द खण्ड को पूर्णतः परीक्षोपयोगी बनाने का प्रयास किया है।

● पूर्वावलोकन

विगत वर्षों की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का अवलोकन करने पर यह पता चलता है कि यदि उन प्रश्नों का हल सावधानीपूर्वक कर लिया जाय, तो लगभग सभी प्रश्न हल किये जा सकते हैं। इसी रणनीति के तहत यहाँ अभी तक आयोजित सभी प्रांतीय सिविल सेवा की परीक्षाओं (यथा उ.प्र.पी.सी.एस., उत्तराखण्ड पी.सी.एस., बी.पी.एस.सी.) का प्रामाणिक हल देने का प्रयास किया गया है। वर्ष 2012 से उ.प्र. पी.सी.एस. परीक्षा में सी-सैट लागू होने के उपरान्त इस खण्ड से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गये हैं। वर्ष 2010 से समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा के पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर दिया गया है। इसके अन्तर्गत अब इस खण्ड से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं। नये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत इन मूल प्रश्नों को, जो वस्तुनिष्ठ रूप में पूछे गये हैं, को शामिल करते हुए विगत वर्षों के वर्णनात्मक प्रश्नों को भी वस्तुनिष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस खण्ड में उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा दिसम्बर 2017 में प्रथम बार आयोजित स्टाफ नर्स की परीक्षा के प्रश्नों को भी शामिल कर लिया गया, ताकि परीक्षार्थियों को अत्यधिक लाभ पहुँच सके।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. 'जिसका उत्तर देकर खण्डन किया गया हो।' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-
- (a) प्रत्युक्त
 - (b) विवृति
 - (c) प्रत्युत्तर
 - (d) प्रत्युच्चार

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(a)

'जिसका उत्तर देकर खण्डन किया गया हो।' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'प्रत्युक्त' है। 'किसी को कही या लिखी हुई बात की अपनी बुद्धि से प्रसंगानुकूल अर्थ लगाना या स्थिर करना' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'विवृति', 'उत्तर मिलने पर दिया हुआ उत्तर' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'प्रत्युत्तर' तथा 'पुनः उच्चारण करना' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'प्रत्युच्चार' है।

2. 'उत्तर देकर खण्डन करना' के लिए एक शब्द है—

- (a) प्रत्यागत
- (b) प्रत्युक्त

(c) प्रश्नोत्तर

(d) प्रतिकृत

U.P.P.C.S. (Mains) 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. 'अज' का अर्थ नहीं है—

- (a) जिसका जन्म न हो (b) दशरथ के पिता
(c) मोती (d) ब्रह्मा, विष्णु, शिव

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

'अज' का अर्थ है— जिसका जन्म न हो, दशरथ के पिता तथा ब्रह्मा, विष्णु, शिव। 'मोती' अज का अर्थ नहीं है।

4. 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' के लिए एक शब्द है—

- (a) विदुषी (b) अलक्ष्या
(c) असूर्यम्पश्या (d) शास्त्रज्ञा

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' के लिए एक शब्द 'असूर्यम्पश्या' है। ज्ञातव्य हो कि 'असूर्यम्पश्या' तथा 'असूर्यपश्या' दोनों सही हैं। 'जो स्त्री सूर्य को भी न देख सके' उसे 'असूर्यपश्या' कहते हैं। यह शब्द पर्दे में रहने वाली उस स्त्री के लिए भी प्रयुक्त होता है, जो पर्दे के कारण सूर्य के दर्शन नहीं कर पाती है। 'असूर्यम्पश्या' संस्कृत शब्द है, जबकि 'असूर्यपश्या' हिन्दी शब्द है। 'जो स्त्री किसी विषय को अच्छी तरह जानती हो' उसे 'विदुषी' कहते हैं। 'जो स्त्री शास्त्र की ज्ञाता हो' उसे 'शास्त्रज्ञा' कहते हैं।

5. इनमें से एक के लिए प्रयोज्य शब्द है— 'असूर्यपश्या'

- (a) वह स्थान जहाँ सूर्य दिखायी न दे।
(b) वह स्थान जहाँ सूर्य का प्रखर प्रकाश बड़ा कष्टकारी होता है।
(c) जिसको सूर्य भी न देख सके।
(d) रनिवास में कड़े पर्दे में रहने वाली स्त्री।

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. 'अज्ञ' का क्या अर्थ है?

- (a) जो कुछ भी नहीं जानता हो
(b) जो सब कुछ जानता हो
(c) जो बहुत थोड़ा जानता हो
(d) जो जानता भी हो और नहीं भी जानता हो

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जो कुछ भी नहीं जानता हो' उसे 'अज्ञ' कहते हैं। 'जो सब कुछ जानता हो' उसे 'सर्वज्ञ' कहते हैं। 'जो बहुत थोड़ा जानता हो' उसे 'अल्पज्ञ' कहते हैं।

7. 'वह कवि जो तत्काल कविता करे' के लिए एक शब्द है—

- (a) सुकवि (b) रससिद्ध कवि
(c) महाकवि (d) आशुकवि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'वह कवि जो तत्काल कविता करे' उसके लिए एक शब्द 'आशुकवि' होता है। 'महान या सर्वश्रेष्ठ कवि' को 'महाकवि' कहते हैं।

8. 'जिसकी आशा न की गई हो' के लिए उपयुक्त एक शब्द है—

- (a) आशातीत (b) अप्रत्याशित
(c) आशान्वित (d) प्रत्याशा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिसकी आशा न की गई हो' के लिए उपयुक्त शब्द 'अप्रत्याशित' है। 'आशा से बहुत अधिक/जो आशा से परे हो' के लिए एक शब्द 'आशातीत' होता है। 'आशा से बैँधा हुआ' के लिए एक शब्द 'आशान्वित' होता है। 'की गई आशा' के लिए एक शब्द 'प्रत्याशा' होता है।

9. 'जिसकी आशा न की गयी हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) नाउम्मीदी (b) आशातीती
(c) अग्रसोची (d) अप्रत्याशित

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. 'बिना पलक झपकाए' के लिए एक शब्द होगा—

- (a) चकित (b) देखते रहना
(c) विपलक (d) निर्निमेष

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'बिना पलक झपकाए' के लिए एक शब्द 'निर्निमेष' होगा। अपलक तथा एकटक शब्द का प्रयोग भी इसी सन्दर्भ में होता है।

11. 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' - इन अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है—

- (a) धरोहर (b) उत्तराधिकृत

(c) रिक्थ

(d) परिसम्पत्ति

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति को 'रिक्थ' कहते हैं। किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु को 'धरोहर' कहते हैं। जो उत्तराधिकार के लिए उपयुक्त हो उसे 'उत्तराधिकृत' कहते हैं। 'किसी व्यक्ति या संस्था की आधिकारिक सम्पत्ति' 'परिसम्पत्ति' कहलाती है।

12. 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' के लिए एक शब्द है—

(a) रिक्थ

(b) धरोहर

(c) वसीयत

(d) संदाय

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

U.P.P.C.S. (Mains) 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. 'जो युद्ध में स्थिर रहता है' इन अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है—

(a) युद्ध स्थित

(b) युद्ध स्थिरी

(c) युधिष्ठिर

(d) युद्ध प्रेमी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— जो युद्ध में स्थिर रहता है, उसे 'युधिष्ठिर' कहते हैं।

14. 'जो युद्ध में स्थिर है' उसे कहते हैं—

(a) युद्ध-स्थविर

(b) युद्ध-थिरक

(c) युधिष्ठिर

(d) युद्धस्थायी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. 'कम बोलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

(a) मितभाषी

(b) मृदुभाषी

(c) बहुभाषी

(d) अभाषी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'कम बोलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'मितभाषी' कहा जाता है। 'कई भाषाओं को बोलने वाला' 'बहुभाषी' कहलाता

है। 'मधुर भाषा बोलने वाला' 'मृदुभाषी' कहलाता है। 'जो भाषा नहीं बोलता हो' वह 'अभाषी' कहलाता है।

16. 'जो तौला जा सके' के लिए एक शब्द होगा—

(a) अपरिमेय

(b) अनुमेय

(c) परिमेय

(d) विनिमय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो तौला या मापा जा सके' उसे 'परिमेय' कहते हैं। 'जो मापा या तौला न जा सके' के लिए एक शब्द 'अपरिमेय' होता है। 'किसी वस्तु की अदला-बदली' 'विनिमय' कहलाती है। 'जो अनुमान करने योग्य हो' उसे 'अनुमेय' कहते हैं।

17. 'जो ईश्वर में विश्वास रखता हो' के लिए एक शब्द है—

(a) आस्थावान

(b) आस्तिक

(c) विश्वासी

(d) आसुरी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो ईश्वर में विश्वास रखता हो' उसके लिए एक शब्द 'आस्तिक' है। 'किसी के प्रति आस्था रखने वाले' को 'आस्थावान' कहते हैं। 'जो विश्वास के लायक हो' उसे 'विश्वासी' कहते हैं।

18. 'सब कुछ जानने वाले' के लिए एक शब्द है—

(a) ज्ञानी

(b) महाज्ञानी

(c) सर्वज्ञ

(d) जानकार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सब कुछ जानने वाले' के लिए एक शब्द 'सर्वज्ञ' है। ज्ञानी, महाज्ञानी तथा जानकार परस्पर पर्याय शब्द हैं।

19. 'जो किसी विषय का ज्ञाता हो' के लिए एक शब्द है—

(a) अभिज्ञ

(b) चैतन्य

(c) विशिष्ट

(d) विशेषज्ञ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'जो किसी विषय का ज्ञाता हो' उसके लिए एक शब्द 'विशेषज्ञ' है। 'अभिज्ञ' जानने वाला या जानकार को कहते हैं।

20. 'अपने सहारे पर रहने वाले' के लिए एक शब्द है—

(a) स्वावलंबी

(b) आत्मनिर्भरी

(c) बलिष्ठ

(d) आत्मविश्वासी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अपने सहारे पर रहने वाला' के लिए एक शब्द 'स्वावलंबी' होता है। 'जो अपने ऊपर निर्भर रहता हो', उसे 'आत्मनिर्भर' कहते हैं। अधिक बलवान को 'बलिष्ठ' कहते हैं।

21. 'अप्रमेय' किस वाक्यांश के लिए एक शब्द है?

- (a) जो तौला या नापा न जा सके।
- (b) जो अवश्य होने वाला हो।
- (c) जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके।
- (d) जो समय पर संभव न हो।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a&c)

व्याख्या— 'अप्रमेय' शब्द 'जो नापा या तौला न जा सके' तथा 'जो तर्क या प्रमाण से सिद्ध न हो' दोनों के लिए होता है। यही कारण है कि उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने जारी संशोधित उत्तर-कुंजी में विकल्प (a) & (c) दोनों को सही माना है।

22. 'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) विजित
- (b) विजेता
- (c) जिगीषु
- (d) जिज्ञासु

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'जिगीषु' होता है। 'जो जीत लिया गया हो' उसे 'विजित' तथा 'जिसने विजय प्राप्त की हो' वह 'विजेता' कहलाता है। जानने की इच्छा रखने वाला 'जिज्ञासु' कहलाता है।

23. 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) शास्त्रज्ञा
- (b) असूर्यम्भश्या
- (c) स्त्रैण
- (d) दुर्निवार

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'असूर्यम्भश्या' होता है। 'शास्त्र को अच्छी तरह जानने वाली' 'शास्त्रज्ञा' कहलाती है। 'स्त्री के वश में रहने वाला' 'स्त्रैण' तथा 'जो जल्दी रोका या हटाया न जा सके' 'दुर्निवार' (दुर्निवार्य) कहलाता है।

24. 'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता' के लिए एक शब्द है-

- (a) कर्मठता
- (b) बेलदारी
- (c) ठेकेदारी
- (d) संविदा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता' के लिए एक शब्द 'संविदा' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

25. 'जिसकी पहले से कोई आशा न हो' के लिए एक शब्द है-

- (a) अप्रत्याशित
- (b) आशातीत
- (c) आशाजनक
- (d) प्रत्याशित

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसकी पहले (पूर्व) से कोई आशा न हो' के लिए एक शब्द 'अप्रत्याशित' होता है। 'जो आशा से अधिक हो' उसे 'आशातीत' कहते हैं। 'ऐसी बात जिससे कार्य पूर्ण होने की उम्मीद जगे' उसे 'आशाजनक' तथा 'जिसकी पहले से कोई आशा हो' उसे 'प्रत्याशित' कहते हैं।

26. 'जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) प्रत्याशित
- (b) अप्रत्यासित
- (c) अप्रत्याषित
- (d) अप्रत्याशित

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. 'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) अधिनियम
- (b) अध्यादेश
- (c) अध्याचन
- (d) अधिसूचना

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' वाक्यांश के लिए शब्द 'अध्यादेश' होता है। 'शासन द्वारा जारी किया गया कानून', 'अधिनियम' तथा 'वह आधिकारिक सूचना विशेषतः जो राज-पत्र में प्रकाशित हुई हो' 'अधिसूचना' कहलाती है।

28. 'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' वाक्य के लिए एक शब्द है-

- (a) नवोद्गा
- (b) प्रवत्स्यतपत्तिका

(c) प्रोषितपतिका

(d) आगतपतिका

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' वाक्य के लिए एक शब्द 'प्रोषितपतिका' है। 'नयी ब्याही हुई स्त्री' 'नवोद्गा' तथा 'वह स्त्री जिसका पति विदेश जाने को हो और जो उसके वियोग की कल्पना से दुखी हो' उसे 'प्रवत्स्यतपतिका' कहते हैं। 'वह स्त्री जिसका पति अभी परदेश से लौटा हो' उसे 'आगतपतिका' कहते हैं।

29. 'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

(a) शिख-नख

(b) शिरोपर

(c) पादमस्तक

(d) आपादमस्तक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

U.P.P.C.S. (Mains), 2007, 2017 (निस्त परीक्षा)

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'आपादमस्तक' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

30. 'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

(a) दुराग्रह

(b) अनाग्रही

(c) दुराग्रही

(d) कुआग्रही

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला', 'दुराग्रही' कहलाता है। 'अनुचित बात के लिए अड़ना' 'दुराग्रह' होता है।

31. 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' के नीचे लिखे विकल्पों में कौन-सा विकल्प गलत है?

(a) जंगल की आग - दावानल

(b) समुद्र की आग - बड़वानल

(c) पेट की आग - जठराग्नि

(d) आदि से अन्त तक - अनंत

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'आदि से अन्त तक' के लिए एक शब्द 'आद्योपांत' होता है, जबकि 'जिसका अन्त न हो' के लिए एक शब्द 'अनंत' होता है। शेष सभी युग्म सही हैं।

32. 'अपनी विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र' - इन अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है—

(a) जरायुज

(b) जारज

(c) दत्तक

(d) औरस

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'अपनी विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र' के लिए एक शब्द 'औरस' है। 'वह शिशु या जीव जो खेड़ी में लिपटा हुआ पैदा हो' 'जरायुज' कहलाता है। 'विवाहेतर सम्बन्ध से इतर संतान' 'जारज' तथा 'गोद ली गई संतान' 'दत्तक' कहलाता है।

33. 'जो ज्ञात इतिहास से पहले का हो' के लिए एक शब्द है—

(a) अनैतिहासिक

(b) ऐतिहासिक

(c) प्रागैतिहासिक

(d) इनमें से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो ज्ञात इतिहास से पहले का हो' के लिए एक शब्द 'प्रागैतिहासिक' है। 'जो इतिहास से सम्बन्धित हो' के लिए एक शब्द 'ऐतिहासिक' है।

34. 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो' - इन अनेक शब्दों के लिए एक शुद्ध शब्द है—

(a) अन्तर्ध्यान

(b) अन्तरध्यान

(c) अन्तर्धान

(d) अन्तरधान

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो' के लिए एक शब्द 'अन्तर्धान' है।

35. 'जो बायें हाथ से सधा हुआ है' के लिए एक शब्द है—

(a) सव्यसाची

(b) वामपंथी

(c) वज्रपाणि

(d) वीणापाणि

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जो बायें हाथ से सधा हुआ है' के लिए एक शब्द 'सव्यसाची' है। 'जो बायें रास्ते पर चले' के लिए एक शब्द 'वामपंथी', 'जिसके पाणि (हाथ) में वज्र हो' के लिए एक शब्द 'वज्रपाणि', 'जिसके पाणि में वीणा हो' के लिए एक शब्द 'वीणापाणि' है।

36. 'मोक्ष पाने की इच्छा करने वाला' इन अनेक शब्दों के लिए शुद्ध शब्द इनमें से है—

- (a) तितिक्षा (b) तितीर्षु
(c) तितिक्षु (d) मरजीवा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'मोक्ष पाने की इच्छा करने वाला' या 'तैरकर पार करने की इच्छुक' के लिए एक शब्द 'तितीर्षु' है। 'सर्दी-गर्मी, दुःख आदि सहन करने की शक्ति' के लिए एक शब्द 'तितिक्षा', 'सहनशील' के लिए एक शब्द 'तितिक्षु' तथा 'मरना-जीना' के लिए एक शब्द 'मरजीवा' है।

37. 'तैरने या पार होने का इच्छुक' के लिए एक शब्द है—

- (a) तैराक (b) तितीर्षु
(c) तारक (d) तारणक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. 'जिसका निवारण अत्यन्त कष्ट से किया जा सके' के लिए एक शब्द है—

- (a) अनिवार (b) निर्निवार
(c) दुर्निवार (d) कुनिवार

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जिसका निवारण अत्यन्त कष्ट से किया जा सके' उसके लिए एक शब्द 'दुर्निवार' है।

39. 'कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग' के लिए एक शब्द है—

- (a) कर्णफूल (b) कर्णाभरण
(c) कर्णपाली (d) कर्ण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग' 'कर्णपाली' कहलाता है। 'कर्णफूल' कान में पहनने वाला एक आभूषण होता है।

40. 'जो पान करने योग्य नहीं है' के लिए एक शब्द है—

- (a) अपथ्य (b) अभक्ष्य
(c) आगम्य (d) अपेय

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'जो पान करने योग्य नहीं है' के लिए एक शब्द 'अपेय' होता है। 'जो भक्षण करने योग्य न हो' वह 'अभक्ष्य' कहलाता है। 'जो बुरा या अहितकर है', 'अपथ्य' कहलाता है।

41. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के निम्नलिखित विकल्पों में से कौन गलत है?

- (a) जंगल की आग - दावानल
(b) आगे की सोचने वाला - अग्रगामी
(c) समुद्र की आग - बड़वानल
(d) पेट की आग - जठराग्नि

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आगे की सोचने वाला' के लिए एक शब्द 'अग्रसोची' होता है। 'आगे चलने वाला' 'अग्रगामी' कहलाता है। शेष विकल्प सही हैं।

42. 'जो बहुत बोलता है' वाक्य के लिए एक शब्द है—

- (a) वक्ता (b) प्रवक्ता
(c) वाचाल (d) प्रखर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो बहुत बोलता है' वाक्य के लिए एक शब्द 'वाचाल' होता है। 'जो बोलता हो' वाक्य के लिए एक शब्द 'वक्ता' है। 'जो किसी विषय विशेष पर बोलता है' वह 'प्रवक्ता' कहलाता है। 'जो खर की तरह तेज हो', 'प्रखर' कहलाता है।

43. 'बहुत अधिक बोलने वाला व्यक्ति'—

- (a) वक्ता (b) अधिवक्ता
(c) प्रवक्ता (d) वाचाल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975, 1998, 1990

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अभेद्य (b) दुर्भेद्य
(c) संवेद्य (d) नैवेद्य

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अभेद्य' है। 'जो कठिनाई से भेदा जा सके' उसे 'दुर्भेद्य' कहते हैं। 'जो अनुभव करने योग्य है', वह 'संवेद्य' है। 'भोग' को 'नैवेद्य' कहते हैं।

45. 'जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके' के लिए एक शब्द है—

- (a) सदावर्त (b) स्थावर
(c) स्थानीय (d) सार्थक

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके' के लिए एक शब्द 'स्थाय' है। 'जहाँ खाना सदैव मुफ्त में दिया जाता है' के लिए एक शब्द 'सदावर्त' है।

46. 'जिसका शत्रु जन्मा ही न हो' के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) अजन्मा (b) अजेय
(c) अजातशत्रु (d) आक्रान्त

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

U.P. P.C.S. (Mains), 1993, 1995, 2003

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

U.P. A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जिसका शत्रु जन्मा ही न हो' अर्थात् 'जिसको जीतने वाला कोई शत्रु पैदा न हुआ हो', के लिए एक शब्द 'अजातशत्रु' है। 'जिसका जन्म ही न हुआ हो' उसके लिए 'अजन्मा' तथा 'जिस पर आक्रमण हो' उसके लिए 'आक्रान्त' शब्द का प्रयोग होता है। 'जिसे जीता न जा सके' उसे 'अजेय' कहते हैं।

47. 'जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अजातशत्रु (b) शत्रुघ्न
(c) शत्रुहीन (d) शत्रुविहीन

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. 'जिसे जीता न जा सके' उसके लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अजेय (b) अज्ञेय
(c) अपराजेय (d) दुर्जेय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.P.C.S. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसे जीता न जा सके' उसे 'अजेय' कहते हैं। 'जिसे जाना न जा सके' उसे 'अज्ञेय', 'जिसे कठिनता से जीता जा सके' उसे 'दुर्जेय' एवं 'जिसे पराजित न किया जा सके' उसे 'अपराजेय' कहते हैं।

49. 'जिसे पराजित न किया जा सके' के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

- (a) अपराजेय (b) अजातशत्रु
(c) धीरोदात्त (d) अजेय

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. 'जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अजेय (b) शत्रुजयी
(c) अजातशत्रु (d) शत्रुविहीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. 'जिसका शत्रु पैदा न हुआ हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) शत्रुहीन (b) अशत्रु
(c) निशत्रु (d) अजातशत्रु

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(d)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. 'अपना मंतव्य साधने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) परमार्थी (b) धर्मार्थी
(c) स्वार्थी (d) सत्यार्थी

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'अपना मंतव्य साधने वाला' के लिए एक शब्द 'स्वार्थी' है।

53. 'जिसका उच्चारण न किया गया हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) समुच्चरित (b) अनुत्तरित
(c) मौन (d) अनुच्चरित

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिसका उच्चारण न किया गया हो’ के लिए एक शब्द ‘अनुच्चारित’ है।

54. वाक्यांशों और उनके लिए प्रयुक्त शब्दों के निम्नलिखित युग्मों में सही युग्म का चयन कीजिए।

- (a) जो स्त्री अभिनय करे - अभिनेता
- (b) जो व्याकरण जानता हो - व्याकरणिक
- (c) आँखों से परे - प्रत्यक्ष
- (d) लौटकर आया हुआ - प्रत्यागत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— ‘लौटकर आया हुआ’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘प्रत्यागत’ है। अन्य युग्म त्रुटिपूर्ण हैं। इनके शुद्ध वाक्यांश एवं शब्द इस प्रकार हैं—

जो स्त्री अभिनय करे - अभिनेत्री

जो व्याकरण जानता हो - वैयाकरण/व्याकरणज्ञ

आँखों से परे - अप्रत्यक्ष/परोक्ष

55. ‘अपरिणीत’ शब्द निम्नलिखित में से किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होता है?

- (a) जिसका परिणाम न निकलता हो।
- (b) जिसका विवाह न हुआ हो।
- (c) जिसका विवाह हो चुका हो।
- (d) जो देखने में प्रीतिकर न हो।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— ‘जिसका विवाह न हुआ हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘अपरिणीत’ है। ‘जिसका विवाह हुआ हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘परिणीत’ है।

56. निम्नलिखित में से किस वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘दुर्निवार’ प्रयुक्त होता है?

- (a) जिसे दूर करना कठिन हो।
- (b) जिस पर वार करना कठिन हो।
- (c) जिसे देख पाना कठिन हो।
- (d) जिसे जीत पाना कठिन हो।

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसे दूर करना कठिन हो’ वाक्यांश के लिए ‘दुर्निवार’ शब्द प्रयुक्त होता है। ‘जिसे जीत पाना कठिन हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘दुर्जेय’ है।

57. ‘युद्ध की इच्छा रखने वाला’ के लिए एक शब्द है—

- (a) योद्धा
- (b) युद्धरत
- (c) युद्धवीर
- (d) युयुत्सु

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘युद्ध की इच्छा रखने वाला’ के लिए एक शब्द ‘युयुत्सु’ है। ‘जो युद्ध करता है’ उसे ‘योद्धा’ कहते हैं। ‘जो युद्ध में लिप्त हो’ उसे ‘युद्धरत’ कहते हैं।

58. ‘जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो’, के लिए एक शब्द है—

- (a) विस्थापित
- (b) अवस्थापित
- (c) संस्थापित
- (d) संस्थाजित

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो’, के लिए एक शब्द ‘विस्थापित’ है। ‘संस्थापित’ विशेषण है, जिसका अर्थ निर्मित, बैठाया हुआ तथा संचित होता है।

59. ‘बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा’ के लिए एक शब्द है—

- (a) दुरतिक्रम
- (b) दुरधिगम
- (c) दुरभिसंधि
- (d) दुरभियोजन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा’ के लिए एक शब्द ‘दुरभिसंधि’ है। ‘किसी को संकट में डालने के लिए बनायी जाने वाली योजना’ अथवा ‘किसी को हानि पहुँचाने के लिए होने वाली गुप्त कार्यवाही’, ‘दुरभियोजन’ कहलाती है। ‘जिसका या जिससे पार पाना बहुत कठिन हो’ उसे ‘दुरतिक्रम’ कहते हैं। ‘जिसके पार पहुँचना कठिन हो’ उसे ‘दुरधिगम’ कहते हैं।

60. ‘सवाल-जवाब’, ‘बहस-हुज्जत’ या ‘दिए गए उत्तर पर उत्तर’ के लिए एक शब्द है—

- (a) उत्तरापेक्षी
- (b) उत्तरण
- (c) प्रत्युत्तर
- (d) उत्तरोत्तर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘सवाल-जवाब’, ‘बहस-हुज्जत’ या ‘दिए गए उत्तर पर उत्तर’ के लिए एक शब्द प्रत्युत्तर है। ‘वह जिसने उत्तर की अपेक्षा की’ उसे ‘उत्तरापेक्षी’ कहते हैं। ‘पार उतरने की क्रिया या भाव’ ‘उत्तरण’ कहलाता है। ‘एक के पीछे एक क्रम’ को ‘उत्तरोत्तर’ कहते हैं।

61. 'खोज करने वाला' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) अन्वेषक (b) अनुपम
(c) अन्विति (d) निवेशक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'खोज करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अन्वेषक' है। 'जिसकी उपमा न हो' वाक्यांश को 'अनुपम' कहते हैं। 'निवेश करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'निवेशक' होता है।

62. 'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है'—के लिए एक शब्द है—

- (a) वाग्दत्ता (b) वाग्दान
(c) वाग्बद्ध (d) वाग्विदग्ध

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है', के लिए एक शब्द 'वाग्दत्ता' है। 'कन्या का विवाह कर देने का वचन देने की रस्म' को 'वाग्दान' कहा जाता है। 'मौन' अथवा वचनबद्ध को 'वाग्बद्ध' कहते हैं। 'वाक्चतुर' को 'वाग्विदग्ध' कहते हैं।

63. 'मदिरा पीने का प्याला' के लिए एक शब्द है—

- (a) चश्म (b) चशक
(c) चश्क (d) चषक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'मदिरा पीने का प्याला' के लिए एक शब्द 'चषक' है। 'चश्म' का अर्थ नेत्र अथवा आँख होता है।

64. जो स्त्री के वशीभूत है, के लिए एक शब्द है—

- (a) स्त्री प्रेमी (b) स्त्रैण
(c) स्त्रियोचित (d) त्रियावशी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— स्त्रैण का अर्थ जनखा, जनाना, मेहरा, स्त्रित्वपूर्ण आदि होता है। 'मेहरा' शब्द ऐसे पुरुष के लिए भी प्रयुक्त किया जाता है, जो अपनी स्त्री के वश में हो। अतः स्त्री के वशीभूत के लिए 'स्त्रैण' शब्द उपयुक्त है। त्रियावशी शब्द से भी 'स्त्री के वशीभूत' का अर्थ निर्गत होता है, किन्तु यह शब्द (त्रियावशी) किसी शब्दकोश में नहीं है।

65. 'जो जोता - बोया न गया हो' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) अकर्षित (b) अकृषित
(c) ऊसर (d) अकोर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो जोता - बोया न गया हो' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अकृषित' है। जिस जमीन में उत्पन्न करने की शक्ति नहीं हो उसे 'ऊसर' कहते हैं।

66. 'सब कुछ खाने वाला' के लिए एक शब्द है -

- (a) सर्वभक्षी (b) सर्वहारी
(c) सर्वग्राही (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'सब कुछ खाने वाला' के लिए एक शब्द 'सर्वहारी' है। 'जो सब कुछ भक्षण करने वाला है' के लिए एक शब्द 'सर्वभक्षी' है। 'जो सब कुछ ग्रहण करता है' के लिए एक शब्द 'सर्वग्राही' है।

67. 'वह समारोह, जिसमें गुरुकुल के स्नातकों को विद्याध्ययन कर लेने के उपरांत विदाई दी जाती थी' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) समावर्जन (b) समावास
(c) समावरण (d) समावर्तन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'वह समारोह, जिसमें गुरुकुल के स्नातकों को विद्याध्ययन कर लेने के उपरांत विदाई दी जाती थी' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'समावर्तन' है।

68. प्रतिपदा का उपयुक्त अर्थ है—

- (a) एकादशी (b) पूर्णिमा
(c) विरोधिनी (d) पक्ष की पहली तिथि

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— पक्ष की पहली तिथि को 'प्रतिपदा' कहते हैं। मास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि 'एकादशी' तथा मास की तीसवीं तिथि या शुक्ल पक्ष की पंद्रहवीं तिथि 'पूर्णिमा' कहलाती है।

69. 'कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अँगुली' को कहते हैं—

- (a) अनामी (b) अनिमिका
(c) अनामीका (d) अनामिका

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अँगुली’ को ‘अनामिका’ कहते हैं।

70. ‘जिसके पेट में माँ ने रस्सी (दाम) बाँध दी हो’ उसे कहते हैं—

- (a) दामाद (b) दामाद इतर
(c) दाम (d) दामोदर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिसके पेट में माँ ने रस्सी (दाम) बाँध दी हो’, उसे ‘दामोदर’ कहते हैं।

71. ‘पीछे-पीछे चलने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अनुचर (b) अनुगामी
(c) अनुवर्ती (d) अनुगमनीय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a & b)

व्याख्या—‘पीछे-पीछे चलने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘अनुगामी’ है। पीछे-पीछे चलने वाले को ‘अनुचर’ भी कहते हैं, इसीलिए उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने संशोधित उत्तर-पत्रक में (a) एवं (b) दोनों को ही सही उत्तर के रूप में स्वीकार किया है।

72. ‘जिसकी कोई कीमत न हो सके’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) कीमती
(b) अमूल्य
(c) बहुमूल्य
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसकी कोई कीमत न हो सके’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘अमूल्य’ होगा। ‘जिसका मूल्य बहुत अधिक हो’, के लिए एक शब्द ‘बहुमूल्य’ होगा।

73. ‘थोड़ा नपा-तुला भोजन करने वाला’ वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) मितव्ययी (b) मितव्यय
(c) मिताहारी (d) मितहारीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘थोड़ा नपा-तुला भोजन करने वाला’ वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द ‘मिताहारी’ है। ‘कम या नपा-तुला खर्च करने वाला’ के लिए एक शब्द ‘मितव्ययी’ है।

74. ‘गुरु के समीप रहकर अध्ययन करने वाला’ के लिए एक शब्द है—

- (a) शिष्य (b) आश्रमवासी
(c) विद्यार्थी (d) अन्तेवासी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 1994, 2004, 2015

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘गुरु के समीप रहकर अध्ययन करने वाला’ के लिए एक शब्द ‘अन्तेवासी’ है। ‘आश्रम में निवास करने वाला’, ‘आश्रमवासी’ कहलाता है।

75. ‘जिसके हृदय पर आघात हुआ हो’ वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) मर्माहित (b) मर्माहत
(c) मर्माहुत (d) मर्माहूत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसके हृदय पर आघात हुआ हो’ वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द ‘मर्माहत’ होगा।

76. ‘जो अपने पद से हटाया गया हो’ के लिए एक उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) पदभ्रष्ट (b) पदानवत
(c) पदानुगत (d) पदच्युत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जो अपने पद से हटाया गया हो’, के लिए एक उपयुक्त शब्द ‘पदच्युत’ होगा।

77. ‘जिसे किसी वस्तु की स्पृहा न हो’ के लिए उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) निःस्पृहा (b) निःस्पृह
(c) निस्पृह (d) निस्पृहीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b & c)

व्याख्या—‘जिसे किसी वस्तु की स्पृहा न हो’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘निःस्पृह’ होगा। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने संशोधित उत्तर-पत्रक में निस्पृह अर्थात् विकल्प (c) को भी उत्तर के रूप में स्वीकार किया है।

78. ‘झगड़ा लगाने वाला मनुष्य’ एक शब्द में कहा जाता है—

- (a) जयचन्द (b) शकुनी

(c) विभीषण

(d) नारद

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘झगड़ा लगाने वाला मनुष्य’ नारद कहलाता है, जबकि ‘रहस्य या भेद बताने वाले’ को विभीषण कहते हैं। इसी प्रकार ‘चाल चलने वाला’ शकुनी कहलाता है।

79. ‘महल के भीतरी भाग’ को किस शब्द में जानते हैं?

(a) गर्भगृह

(b) भीतरी तल

(c) अन्तःपुर

(d) रनिवास

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘महल के भीतरी भाग’ को अन्तःपुर के नाम से जानते हैं।

80. ‘जो क्षीण न हो सके’ उसके लिए उपयुक्त शब्द है—

(a) अमिट

(b) अपार

(c) अक्षय

(d) अनंत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जो क्षीण अथवा क्षय न हो सके’ उसे ‘अक्षय’ कहते हैं। ‘जो मिट न सके’ उसे ‘अमिट’ तथा ‘जिसका अंत न हो’ उसे ‘अनंत’ कहते हैं।

81. ‘जिसके सिर पर चन्द्र हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

(a) चन्द्रशिखर

(b) चन्द्रशेखर

(c) चक्रधर

(d) चन्द्रग्रहण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.P.C.S. (Mains), 1999

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसके सिर पर चन्द्र हो’ उसे ‘चन्द्रशेखर’ कहते हैं। ‘जो चक्र को धारण करता है’ उसे ‘चक्रधर’ तथा ‘चन्द्रमा की वह स्थिति जब उस पर पृथ्वी की छाया पड़ने से उसका कुछ या सारा भाग दिखायी नहीं देता’ उसे ‘चन्द्रग्रहण’ कहते हैं।

82. ‘जिसके हृदय में ममता न हो’ उसे कहेंगे—

(a) निर्दय

(b) निर्भीक

(c) नृशंस

(d) निर्मम

U.P. R.O./A.R.O (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिसके हृदय में ममता न हो’ उसे ‘निर्मम’ कहेंगे। ‘जिसके हृदय में क्षमा न हो’ उसे ‘निर्दय’ कहेंगे।

83. ‘जिसके हृदय में ममता नहीं है’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

(a) मर्माहत

(b) क्रूर

(c) निर्मम

(d) निर्दय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P.P.C.S. (Mains), 1993

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. तिलक लगाने में किस अन्न का प्रयोग उपयुक्त होता है?

(a) गोहूँ

(b) अक्षत

(c) जौ

(d) उड़द

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—तिलक लगाने में प्रयोग किया जाने वाला अन्न ‘अक्षत’ (चावल) होता है। ‘जौ’ का प्रयोग हवन सामग्री में करते हैं।

85. ‘जिसका जन्म छोटी जाति (निचले वर्ण) में हुआ हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

(a) अण्डज

(b) शूद्र

(c) अन्त्यज

(d) अछूत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसका जन्म छोटी जाति (निचले वर्ण) में हुआ हो’ उसे ‘अन्त्यज’ कहते हैं। ‘जो अण्डे से जन्म लेता है’ उसे ‘अण्डज’ कहते हैं। ‘चारों वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) में जिसे अंतिम स्थान प्राप्त है’ उसे ‘शूद्र’ कहा जाता है। ‘जिसे छूना मना हो’ अथवा ‘जो छूने योग्य न हो’ उसे ‘अछूत’ कहते हैं।

86. ‘अन्त्यज’ शब्द के लिए सही वाक्यांश है—

(a) अण्डे से पैदा होने वाला

(b) किसी के अन्तर से उत्पन्न

(c) अपने सगे-सम्बन्धियों को छोड़ देने वाला

(d) तथाकथित निम्नजाति में जन्म लेने वाला

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. ‘जिसका उपचार न हो सके’ के लिए एक शब्द है—

(a) दुःसाध्य

(b) असाध्य

(c) श्रमसाध्य

(d) साधनहीन

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसका उपचार न हो सके’ के लिए एक शब्द ‘असाध्य’ है। ‘जिसकी सहायता कठिनाई (दुर्) से किया जा सके’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘दुःसाध्य’ है। ‘जिसका उपचार श्रम से हो’ के लिए एक शब्द ‘श्रमसाध्य’ है, जबकि ‘साधन से रहित’ के लिए एक शब्द ‘साधनहीन’ है। अतः विकल्प (b) सही है।

88. ‘वीर पुत्र को जन्म देने वाली’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) वीरांगना (b) पुत्रवती
(c) वीरप्रसू (d) वीरबहूरी

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘वीर पुत्र को जन्म देने वाली’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘वीरप्रसू’ है। ‘वीर स्त्री’ के लिए एक शब्द ‘वीरांगना’, ‘पुत्र को जन्म देने वाली’ के लिए एक शब्द ‘पुत्रवती’ और ‘वीर बहू’ के लिए एक शब्द ‘वीरबहूरी’ है। अतः विकल्प (c) सही है।

89. ‘शक्तिशाली, दयालु, शांत-धीर और योद्धा नायक’ के लिए एक शब्द है—

- (a) धीरललित (b) धीरोद्धत
(c) धीरोदात्त (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘शक्तिशाली, दयालु, शांत-धीर और योद्धा नायक’ के लिए एक शब्द ‘धीरोदात्त’ है। ‘शूरवीर किन्तु अभिमानी नायक’ के लिए एक शब्द ‘धीरोद्धत’ है, जबकि ‘शूरवीर किन्तु ललित कलाओं का प्रेमी नायक’ के लिए एक शब्द ‘धीरललित’ है। अतः विकल्प (c) सही है।

90. ‘वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो’ वह है—

- (a) प्रोषितपतिका (b) वियोगिनी
(c) विरहविदग्धा (d) खंडिता

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो’ के लिए एक शब्द ‘वियोगिनी’/‘विरहिणी’ है। ‘जिस स्त्री का पति विदेश चला गया हो’, के लिए एक शब्द ‘प्रोषितपतिका’ है, ‘विरह (दुःख) में जलने वाली स्त्री’ के लिए एक शब्द ‘विरहविदग्धा’ है और ‘वह स्त्री, जिसका पति रात में दूसरी स्त्री के पास रहकर प्रातः आया हो’, के लिए एक शब्द ‘खंडिता’ है। अतः विकल्प (b) सही है।

91. खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपभोग के लिए दी जाती है—

- (a) स्वल्पाहार (b) पथ्य
(c) पाथेय (d) उपाहार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपभोग के लिए दी जाती है’, उसे ‘पाथेय’ कहते हैं। ‘स्वल्पाहार’ का अर्थ ‘स्वयं के लिए वह आहार जो थोड़ा या कम हो’। उपाहार एवं पथ्य अन्य अर्थ प्रकट करते हैं।

92. आधी रात का समय—

- (a) शर्वरी (b) विभावरी
(c) निशा (d) निशीथ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘आधी रात के समय’ को ‘निशीथ’ कहते हैं। ‘शर्वरी’, ‘विभावरी’ तथा ‘निशा’ रात के पर्यायवाची हैं।

93. ‘जिसके पास कुछ भी न हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अकिंचन (b) किंचित्
(c) आकुंचन (d) अलभ्य

U.P.S.D.I., 2006

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसके पास कुछ भी न हो’ उसके लिए एक शब्द ‘अकिंचन’ होगा। ‘किंचित्’ का अर्थ ‘कुछ’ अथवा ‘थोड़ा’ होता है, जबकि ‘आकुंचन’ का अर्थ सिमटना होता है। ‘अलभ्य’ उसे कहते हैं, ‘जिसे प्राप्त न किया जा सके’।

94. ‘जिसके पास कुछ न हो’ उसके लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अभावग्रस्त (b) अकिंचन
(c) दीनहीन (d) महादीन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. ‘जिसके पास कुछ न हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) अक्षम (b) अकिंचन
(c) अक्ष (d) असमर्थ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. 'जिसे बुलाया न गया हो' वाक्य के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है—

- (a) अतिथि (b) अभ्यागत
(c) अनाहूत (d) रिश्तेदार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P.P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जिसे बुलाया न गया हो' उसे 'अनाहूत' कहते हैं। शेष विकल्पों में प्रयुक्त शब्द अन्य अर्थ प्रकट करते हैं।

97. 'मोक्ष की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) योगी (b) मुक्तिकामी
(c) मुमुक्षु (d) तपस्वी

Uttarakhand P.C.S. (Pre), 2012

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'मोक्ष की इच्छा रखने वाला' (कामना करना), 'मुमुक्षु' कहलाता है। 'योग करने वाले' को 'योगी' कहते हैं, जबकि 'तप में लीन रहने वाले' को 'तपस्वी' कहते हैं। 'काम से मुक्ति वाले व्यक्ति' को 'मुक्तिकामी' कहते हैं।

98. 'मोक्ष की कामना करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) मोक्षकामी (b) मौक्तिक
(c) मुमुक्षु (d) मुमुक्षी

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. 'रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान कहा जाता है—

- (a) पृष्ठभूमि (b) नेपथ्य
(c) मंचपृष्ठ (d) गुह्यमंच

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान', 'नेपथ्य' कहा जाता है। 'पृष्ठभूमि', 'मंचपृष्ठ' तथा 'गुह्यमंच' इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

100. 'हवन में जलाने वाली लकड़ी' के लिए शुद्ध शब्द है—

- (a) हवनसामग्री (b) वनकाष्ठ
(c) शुष्ककाष्ठ (d) समिधा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'हवन में जलाने वाली लकड़ी' के लिए शुद्ध शब्द 'समिधा' है। 'हवनसामग्री', 'वनकाष्ठ' तथा 'शुष्ककाष्ठ' इस संदर्भ में सही नहीं हैं।

101. 'दिशाएं ही जिनका वस्त्र है' उन्हें कहा जाता है—

- (a) विश्वम्भर (b) दिक्पाल
(c) दिगम्बर (d) पैगम्बर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'दिशाएं ही जिनका वस्त्र है' उन्हें 'दिगम्बर' कहा जाता है। 'विश्वम्भर', विष्णु का पर्यायवाची है। 'पैगम्बर', दूत को कहते हैं। 'दिक्पाल' का अर्थ 'दिशा का स्वामी' होता है।

102. जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो—

- (a) कन्यापुत्र (b) कानीन
(c) अवैधपुत्र (d) कुमारीसुत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो', उसे 'कानीन' कहते हैं, शेष विकल्प सही नहीं हैं।

103. 'वन में लगने वाली आग' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) बड़वाग्नि (b) दावाग्नि
(c) विरहाग्नि (d) जठराग्नि

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'वन में लगने वाली आग' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दावाग्नि' है। 'समुद्र (बड़वा) में लगने वाली आग' के लिए एक शब्द 'बड़वाग्नि', 'विरह की आग' के लिए एक शब्द 'विरहाग्नि' और 'पेट की आग' के लिए एक शब्द 'जठराग्नि' है। अतः विकल्प (b) सही है।

104. 'पेट की अग्नि' के लिए शुद्ध शब्द है—

- (a) दावाग्नि (b) बड़वाग्नि
(c) जठराग्नि (d) मन्दाग्नि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. 'जो हमेशा रहने वाला है' उसको कहते हैं—

- (a) शाश्वत् (b) अनवरत

(c) अप्रतिहत

(d) आजीवक

U.P.P.C.S. (Mains), 2018
U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010
U.P. P.C.S. (Mains), 1993

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो हमेशा रहने वाला है’ उसको ‘शाश्वत्’ कहते हैं। ‘अनवरत’ का अर्थ लगातार होता है, जबकि ‘जिसे कोई रोक न सके’ उसे ‘अप्रतिहत’ कहते हैं। ‘आजीवक’ एक संप्रदाय है।

106. ‘जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

(a) अपत्नीक

(b) वियोगी

(c) विधुर

(d) विपत्नीक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है’ उसे ‘विपत्नीक’ कहते हैं। ‘विधुर’ उसे कहते हैं, ‘जिसकी पत्नी मर गई हो’। ‘किसी के वियोग में दुःखी व्यक्ति’ को ‘वियोगी’ कहते हैं। ‘जिसकी पत्नी न हो’ उसे ‘अपत्नीक’ कहते हैं।

107. ‘जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हों’ के लिए एक शब्द है—

(a) प्रपर्ण

(b) अपर्णा

(c) पत्रहीन

(d) अपत

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हों’ उसे ‘अपत’ कहते हैं। यद्यपि इसके लिए ‘पत्रहीन’ भी एक शब्द हो सकता है, किन्तु सर्वाधिक उपयुक्त शब्द ‘अपत’ है। ‘गिरा हुआ पत्ता’, ‘प्रपर्ण’ कहलाता है।

108. ‘तैरने की इच्छा’ को कहते हैं—

(a) तरणेच्छा

(b) तितीर्षा

(c) संतरणेच्छा

(d) जलवतरणेच्छा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘तैरने की इच्छा’ को ‘तितीर्षा’ कहते हैं। विकल्प में प्रयुक्त अन्य शब्द इस संदर्भ में गलत हैं।

109. ‘हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले आसन’ के लिए शुद्ध शब्द है—

(a) जीन

(b) हौदा

(c) काठी

(d) बख्तर

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले आसन’ के लिए शुद्ध शब्द ‘हौदा’ है। ‘घोड़े की पीठ पर रखने की गद्दी’ को ‘जीन’ कहते हैं। ‘घोड़े आदि की पीठ पर कसने की जीन’ को ‘काठी’ तथा ‘लोहे के जाल का बना कवच, जिसे युद्ध के समय पहना जाता है’, उसे ‘बकतर’ या ‘बख्तर’ कहते हैं।

110. ‘जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके’ के लिए एक शब्द है—

(a) अप्रमाणित

(b) अप्रमेय

(c) अपरिमित

(d) अनप्रमाणित

U.P. P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके’ के लिए एक शब्द ‘अप्रमेय’ है। ‘जिसे प्रमाणों से सिद्ध न किया गया हो’, के लिए एक शब्द ‘अप्रमाणित’ है, जबकि ‘जो मापा न जा सके’, के लिए एक शब्द ‘अपरिमित’ और ‘अपरिमित’ दोनों होता है। डॉ. हरदेव बाहरी के हिन्दी शब्दकोश में ‘अप्रमेय’ शब्द का प्रयोग ‘जिसे मापा न जा सके’ के लिए प्रयोग किया गया है। ‘अनप्रमाणित’ में व्याकरणिक दृष्टि से दोहरे ‘अन्’ और ‘अ’ उपसर्ग का प्रयोग हुआ है, जिसका अर्थ ‘प्रमाणित’ है। अतः विकल्प (b) सही है।

111. ‘जिसे प्रमाण द्वारा सिद्ध न किया जा सके’ उसके लिए सही शब्द है—

(a) अप्रमाणित

(b) अनुप्रमेय

(c) अप्रमेय

(d) अप्रामाणिक

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

112. ‘उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका’ उसके लिए एक शब्द है—

(a) उपनिवेशिक

(b) औपनिवेशिक

(c) औपन्यासिक

(d) उपनिवेशवाद

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका’ उसके लिए एक शब्द ‘औपनिवेशिक’ है। ‘जिसका सम्बन्ध उपन्यास से हो’ उसे ‘औपन्यासिक’ कहते हैं। ‘उपनिवेशों का अपने अधीन रखने का सिद्धान्त’ ‘उपनिवेशवाद’ कहलाता है।

113. ‘जो स्त्री सूर्य भी न देख सके’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

(a) असूर्यदर्शना

(b) असूर्यदृष्टा

(c) असूर्यस्पर्शा

(d) असूर्यपश्या

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

114. 'जो सूर्य न देखे ऐसी स्त्री' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) असूया (b) असूर्यपश्चा
(c) असूर्यपश्या (d) असूर्योदय

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जो सूर्य न देखे ऐसी स्त्री' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'असूर्यपश्या' है। 'दूसरे के गुण में दोष निकालना' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'असूया' है।

115. 'किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु' के लिए एक शब्द है—

- (a) वसीयत (b) धरोहर
(c) संरक्षण (d) रिक्थ

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

116. 'गिरा हुआ' के लिए एक शब्द है—

- (a) पतित (b) लुंठित
(c) धराशायी (d) पातकी

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'गिरा हुआ' के लिए एक शब्द 'पतित' है। 'जो जमीन पर गिरा या लुढ़का हुआ हो' उसे 'लुंठित' कहते हैं। 'पृथ्वी पर लेटा हुआ' के लिए एक शब्द 'धराशायी' कहलाता है।

117. निम्नलिखित वाक्य खण्डों में से एक के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है 'स्वयंसेवक'—

- (a) सबकी सेवा करने वाला।
(b) स्वयं की सेवा करने वाला।
(c) अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला।
(d) बिना वेतन के काम करने वाला सेवक।

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला', 'स्वयंसेवक' कहलाता है। 'बिना वेतन के काम करने वाला', 'अवैतनिक' कहलाता है।

118. 'अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट' ऐसे व्यक्ति के लिए एक शब्द है—

- (a) चिरप्रसन्न (b) कृतज्ञ
(c) आभारी (d) कृतार्थ

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट' ऐसे व्यक्ति के लिए एक शब्द 'कृतार्थ' होता है। 'किये हुए उपकार को मानने वाला', 'कृतज्ञ' तथा 'आभार मानने वाले' को 'आभारी' कहा जाता है।

119. 'नियमविरुद्ध, असामाजिक कार्य करने वालों की सूची' के लिए एक शब्द है—

- (a) अपराधसूची (b) कालीसूची
(c) अवैधसूची (d) श्वेतसूची

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'नियमविरुद्ध, असामाजिक कार्य करने वालों की सूची' के लिए एक शब्द 'कालीसूची' है। 'वैध कार्य न करने वालों की सूची' को 'अवैधसूची' तथा 'नियम के अनुरूप एवं सामाजिक कार्य करने वालों की सूची' को 'श्वेतसूची' कहते हैं।

120. 'उपकृत' शब्द के लिए सही वाक्यांश है—

- (a) जिससे उपकार हुआ हो
(b) जिसने उपकार किया हो
(c) जो उपकार न मानता हो
(d) जिस पर उपकार किया गया हो

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'जिस पर उपकार किया गया हो' उसे 'उपकृत' कहते हैं। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

121. 'जो जुड़ा या मिला न हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) चम्पू (b) असंहत
(c) संभूत (d) अनुभूत

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो जुड़ा या मिला न हो' के लिए एक शब्द 'असंहत' है। 'गद्य-पद्य मिश्रित काव्य' को 'चम्पू' कहते हैं। 'एक साथ उत्पन्न होने वाले' के लिए एक शब्द 'संभूत' तथा 'जिसका अनुभव किया गया है' के लिए एक शब्द 'अनुभूत' होता है।

122. 'अपना पेट भरने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) कुक्षिभर (b) भूखा
(c) कच्छप (d) कच्छ

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अपना पेट भरने वाला' के लिए एक शब्द 'कुक्षिभर' है। 'कच्छप' का अर्थ 'कछुआ' तथा 'कच्छ' का अर्थ 'दलदल जमीन' होता है।

123. 'जिस पर विश्वास किया गया है' के लिए एक शब्द है—

- (a) विश्वसनीय (b) विश्वस्त
(c) विश्वासपात्र (d) विशेषज्ञ

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिस पर विश्वास किया गया है' के लिए एक शब्द 'विश्वस्त', 'जिसका विश्वास किया जा सके' के लिए एक शब्द 'विश्वसनीय', 'जो विश्वास के योग्य हो' उसे 'विश्वासपात्र' तथा 'जो किसी विशेष विषय को जानता हो' उसे 'विशेषज्ञ' कहते हैं।

124. 'जो दायर मुकदमे का प्रतिवाद या बचाव करे' वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) अभियुक्त (b) प्रतिवादी
(c) वादी (d) शीघ्रगामी

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008, 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. 'जिसका रोकना कठिन हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) दुर्निवार (b) दुर्धर्ष
(c) दुर्घट (d) दुर्भर

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसका रोकना कठिन हो' या 'जिसका निवारण करना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्निवार' है। 'जिसे वश में करना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्धर्ष' है। 'जिसका घटित होना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्घट' तथा 'जिसे धारण करना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्भर' है।

126. 'तैरकर पार कर जाने की इच्छा' के लिए एक शब्द है—

- (a) तितीर्षा (b) तितीर्षु
(c) तितीक्षा (d) त्वरक

U.P.P.C.S. (Mains), 2022

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'तैरकर पार कर जाने की इच्छा' के लिए एक शब्द 'तितीर्षा' है। 'तैरने या मोक्ष पाने को इच्छुक' के लिए एक शब्द 'तितीर्षु' है। सर्दी-गर्मी दुःख आदि सहन करने की शक्ति को 'तितीक्षा' कहते हैं। 'रफ्तार तेज करने का उपकरण' के लिए एक शब्द 'त्वरक' है।

127. 'शत्रुओं का हनन करने वाला' के लिए एक शब्द होगा—

- (a) वीर (b) शत्रुघ्न
(c) रिपुसूदन (d) विष्णु

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'शत्रुओं का हनन करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'शत्रुघ्न' है। 'रिपु का मर्दन करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'रिपुसूदन' कहलाता है।

128. 'मुकदमा दायर करने वाला व्यक्ति' के लिए एक शब्द क्या होगा?

- (a) वादी (b) प्रतिवादी
(c) अभियुक्त (d) मुकदमेबाज

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'मुकदमा दायर करने वाला व्यक्ति' के लिए एक शब्द 'वादी' होगा। 'जो दायर मुकदमे का प्रतिवाद या बचाव करे' उसे 'प्रतिवादी' कहते हैं। जिस पर मुकदमा चलाया गया हो, उसे 'अभियुक्त' कहते हैं।

129. 'युद्ध की प्रबल इच्छा हो जिसमें' के लिए एक शब्द है—

- (a) झगड़ालू (b) योद्धा
(c) युयुत्सु (d) विद्रोही

U.P.P.C.S. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'युद्ध की प्रबल इच्छा हो जिसमें' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'युयुत्सु' है। 'युद्ध करने वाला' योद्धा तथा 'विद्रोह करने वाला' विद्रोही कहलाता है।

130. 'मरने की इच्छा' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) मुमूर्षा (b) मुमुक्षा
(c) मुमूर्ष (d) मुमुक्षु

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'मरने की इच्छा' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'मुमूर्षा' है। 'मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा' के लिए एक शब्द 'मुमुक्षा' है। 'जो मरना चाहता है' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'मुमूर्ष' है। 'जो मोक्ष चाहता है' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'मुमुक्षु' है।

131. 'जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो' उसके लिए एक शब्द है—

- (a) योद्धा (b) वीर
(c) युयुत्सु (d) विद्रोही

U.P. P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

132. 'जिसे दूर करना कठिन हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) दुरवग्रह (b) दुर्दम्य
(c) दुर्निवार (d) दुष्पूर

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जिसे दूर करना कठिन हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दुर्निवार' है। 'जिसे नियंत्रित करना कठिन हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दुरवग्रह' है। 'जिसे वश में करना दुष्कर हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दुर्दम्य' है। 'जिसे भरना कठिन हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दुष्पूर' है।

133. 'जो रुढ़ियों में विश्वास करता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) परम्परावादी (b) रुढ़िवादी
(c) रुढ़िबद्ध (d) रुढ़िवादिता

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो रुढ़ियों में विश्वास करता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'रुढ़िवादी' है। 'जो परम्परा में विश्वास करता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'परम्परावादी' है। 'जो रुढ़ि में बँधा हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'रुढ़िबद्ध' है। 'परम्परागत' बातों को मानते चले आदि का सिद्धांत 'रुढ़िवादिता' कहलाती है।

134. 'जो पूजा के योग्य हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

- (a) पूजयिता (b) पूजमान
(c) पूजनीय (d) पूजित

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो पूजा के योग्य हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'पूजनीय' है। 'पूजा करने वाला' के लिए एक शब्द 'पूजयिता' है। 'पूजित होने वाला' के लिए एक शब्द 'पूजमान' है। 'जिसे पूजा गया हो', के लिए एक शब्द 'पूजिता' है।

135. 'जो देश से प्रेम करता हो' के लिए एक शब्द है-

- (a) देशभक्त (b) देशरक्षक
(c) देशवासी (d) देशसेवा

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जो देश से प्रेम करता हो' के लिए एक शब्द 'देशभक्त' है। 'देश का रक्षा करने वाला' के लिए एक शब्द 'देशरक्षक', देश में रहने वाला 'देशवासी' तथा 'देश की सेवा', 'देशसेवा' कहलाती है।

136. 'सौ में सौ' के लिए एक शब्द है—

- (a) प्रतिशत (b) शत
(c) शत प्रतिशत (d) शताब्दी

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सौ में सौ' के लिए एक शब्द 'शत प्रतिशत' है। 'शत' का अर्थ 'सौ' से है। 'शताब्दी' 'सौ वर्षों के समूह' को कहते हैं।

137. 'जो बात वर्णन से परे हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) वर्णनीय (b) अवर्णनीय
(c) वर्णित (d) वर्णनातीत

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'जो बात वर्णन से परे हो' के लिए एक शब्द 'वर्णनातीत' कहलाता है। 'जिसे वाणी द्वारा व्यक्त किया जा सके', 'वर्णनीय' तथा 'जिसे वाणी द्वारा व्यक्त न किया जा सके' उसे 'अवर्णनीय' कहते हैं। 'जिसका वर्णन किया गया हो' उसे 'वर्णित' कहते हैं।

138. 'आकाश को चूमने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) ऊँचाई (b) आकाशचुम्बी
(c) गगनचुम्बी (d) आकाशदीप

U.P.P.C.S. (Mains), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आकाश को चूमने वाला' के लिए एक शब्द 'आकाशचुम्बी' है। 'गगन को चूमने वाला', 'गगनचुम्बी' कहलाता है। 'जहाजों को रात्रि में मार्ग दिखाने वाला प्रकाश स्तम्भ', 'आकाशदीप' कहलाता है।

139. 'क्षण भर में नष्ट हो जाने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) क्षणातुर (b) क्षुधातुर
(c) क्षणभंगुर (d) क्षणोद

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'क्षण भर में नष्ट हो जाने वाला' के लिए एक शब्द 'क्षणभंगुर' है। 'जो क्षण भर के लिए आतुर हो' उसे 'क्षणातुर' कहते हैं। 'जो क्षुधा (भूख) के लिए आतुर हो' उसे 'क्षुधातुर' कहते हैं।

140. 'जो शब्दों द्वारा व्यक्त न किया जा सके' के लिए एक शब्द है—

- (a) अव्यक्त (b) अकथनीय
(c) अल्पज्ञ (d) अकथ्य

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जो शब्दों द्वारा व्यक्त न किया जा सके' के लिए एक शब्द 'अव्यक्त' है। 'जो वाणी या वचन द्वारा न कहा जा सके' के लिए एक शब्द 'अकथनीय' है। 'जो कम जानता हो' उसे 'अल्पज्ञ' तथा 'जो कहा न जा सके' उसे 'अकथ्य' कहते हैं।

141. 'किसी पर विजय पाने की इच्छा रखने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) अजेय (b) जिज्ञासा
(c) जिगीषु (d) जिघांसा

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'किसी पर विजय पाने की इच्छा रखने वाला' के लिए एक शब्द 'जिगीषु' है। 'जिसे जीता न जा सके' उसके लिए एक शब्द 'अजेय' है। 'जानने की इच्छा' को 'जिज्ञासा' तथा 'जान से मारने की इच्छा' को 'जिघांसा' कहते हैं।

142. 'मध्यरात्रि का समय' के लिए एक शब्द है—

- (a) मार्तण्ड (b) निशीथ
(c) अपराह्न (d) मध्याह्न

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'मध्यरात्रि का समय' के लिए एक शब्द 'निशीथ' है। 'दोपहर के सूर्य' को 'मार्तण्ड', 'दोपहर के बाद का समय' 'अपराह्न' तथा 'दोपहर के समय' को 'मध्याह्न' कहते हैं।

143. 'जिसका दमन किया गया हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) दमित (b) दमनीय
(c) दयनीय (d) दमनशील

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसका दमन किया गया हो' के लिए एक शब्द 'दमित' है। 'जो दबाया जा सके' उसे 'दमनीय' तथा 'जो दया करने योग्य हो' वह 'दयनीय' होता है। 'दमन करने वाला' को 'दमनशील' कहते हैं।

144. 'जिस पर उपकार किया गया हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) उर्वरा (b) उपकृत
(c) कृतज्ञ (d) कृतार्थ

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिस पर उपकार किया गया हो' उसे 'उपकृत' कहते हैं। 'जो भूमि उपजाऊ हो' उसे 'उर्वरा' कहते हैं। 'किये हुए उपकार को मानने वाला', 'कृतज्ञ' तथा 'जो अपना उद्देश्य सिद्ध होने पर संतुष्ट हो' उसे 'कृतार्थ' कहते हैं।

145. 'तुरन्त उत्पन्न होने वाली सूझ-बूझ' के लिए एक शब्द है—

- (a) प्रत्यभिज्ञान (b) प्रत्युत्पन्नमति
(c) प्रत्यागत (d) प्रत्यावर्तन

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'तुरन्त उत्पन्न होने वाली सूझ-बूझ' के लिए एक शब्द 'प्रत्युत्पन्नमति' है। स्मृति की सहायता से होने वाला ज्ञान 'प्रत्यभिज्ञान' कहलाता है। 'लौटकर आया हुआ' को 'प्रत्यागत' तथा 'लौटकर अपने स्थान पर आना', 'प्रत्यावर्तन' कहलाता है।

146. 'जो तुरन्त कोई युक्ति सोच ले', उसे कहते हैं—

- (a) सर्वज्ञ (b) दूरदर्शी
(c) प्रत्युत्पन्नमति (d) दार्शनिक

U.P. R.O./A.R.O (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो तुरन्त कोई युक्ति सोच ले', इसे 'प्रत्युत्पन्नमति' कहते हैं। 'जो सब कुछ जानता हो' वह 'सर्वज्ञ' कहलाता है। 'दूर तक देखने वाला', 'दूरदर्शी' कहलाता है।

147. 'अतिथि सत्कार की भावना' के लिए एक शब्द है—

- (a) आतिथ्य (b) अतिथि पूजा
(c) अभ्यागत (d) आतिथेय

U.P.P.C.S. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'अतिथि सत्कार की भावना', 'आतिथ्य' कहलाती है। 'अतिथि' को 'अभ्यागत' कहते हैं। 'वह जिसके यहाँ अतिथि ठहरा हो', 'आतिथेय' कहलाता है।

148. 'जिसे बुढ़ापा न आये' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) निर्झर (b) निरजर
(c) अजर (d) अमर

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जिसे बुढ़ापा न आये' उसे 'अजर' कहते हैं। 'अमर', 'जिसकी मृत्यु न हो', के लिए एक शब्द है। शेष शब्द सही नहीं हैं।

149. 'अनेक युगों से चले आने वाले' वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) समीचीन (b) प्राचीन
(c) कालान्तर (d) सनातन

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अनेक युगों से चले आने वाले’ के लिए एक शब्द ‘सनातन’ होगा। ‘जो उपयुक्त हो’, उसे ‘समीचीन’ तथा ‘जो पुराना हो’ उसे ‘प्राचीन’ कहते हैं। ‘समय बीत जाना’, ‘कालान्तर’ कहलाता है।

150. ‘युगों से चले आने वाले’ के लिए एक शब्द होगा—

- (a) अर्वाचीन (b) युगान्तर
(c) युगांत (d) सनातन

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

151. ‘जिसे ईश्वर में विश्वास है’ के लिए एक शब्द है—

- (a) ईश्वरी (b) भक्त
(c) आस्तिक (d) पुजारी

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

U.P. N.T., 2006

Uttarakhand P.C.S. (Mains), 2004

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसे ईश्वर में विश्वास है’, के लिए एक शब्द ‘आस्तिक’ है। ‘भक्त’ एवं ‘पुजारी’ शब्द दूसरे संदर्भों में प्रयुक्त होते हैं।

152. ‘जो व्याकरण अच्छी तरह जानता है’ के लिए एक शब्द है—

- (a) वैयाकरण (b) व्याकरणक
(c) व्याकरणिक (d) व्याकरणी

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

B.P.S.C. (Mains), 1987

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो व्याकरण अच्छी तरह जानता है’ (व्याकरण का ज्ञाता) के लिए एक शब्द ‘वैयाकरण’ है। अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

153. ‘व्याकरण के ज्ञाता’ के लिए शब्द है—

- (a) व्याकरणी (b) व्याकर्ता
(c) वैयाकरण (d) व्याकरणज्ञ

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

154. ‘जो क्षमा करने योग्य नहीं है’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अदम्य (b) अक्षम्य
(c) निर्गुण (d) सक्षम

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो क्षमा करने योग्य नहीं है’, के लिए एक शब्द ‘अक्षम्य’ है। शेष विकल्प दूसरे संदर्भों में प्रयुक्त होते हैं।

155. ‘पश्चिम और उत्तर दिशाओं के मध्यस्थ कोण’ को कहते हैं—

- (a) ईशान (b) नैऋत्य
(c) वायव्य (d) आग्नेय

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पश्चिम और उत्तर दिशाओं के मध्यस्थ कोण’ को ‘वायव्य’ कहते हैं। ‘पूरब और उत्तर के मध्यस्थ कोण’ को ‘ईशान’ कहते हैं। ‘पूरब और दक्षिण दिशाओं के मध्यस्थ कोण’ को ‘आग्नेय’ कहते हैं।

156. ‘ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) आकाश कुसुम (b) आकाशवृत्ति
(c) आकाश सलिल (d) आकाशफल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो,’ के लिए एक शब्द ‘आकाशवृत्ति’ है। ‘आकाश में फूल खिलने की-सी असंभव बात’ को ‘आकाश कुसुम’ कहते हैं।

157. ‘अनिश्चित जीविका’ के लिए एक सही शब्द है—

- (a) आंशिक सेवा (b) अस्थायी सेवा
(c) अर्द्ध रोजगार (d) आकाशवृत्ति

U.P. S.D.I., 2006

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अनिश्चित जीविका’ के लिए एक शब्द ‘आकाशवृत्ति’ होगा। ‘थोड़े अंश में की गई सेवा’, ‘आंशिक सेवा’ है तथा ‘थोड़े समय के लिए की गई सेवा’, ‘अस्थायी सेवा’ कहलाती है। ‘आधा रोजगार’ को ‘अर्द्ध रोजगार’ कहते हैं।

158. 'जिस पर हमला न किया गया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) आक्रान्ता (b) आक्रामक
(c) अयोध्या (d) अनाक्रान्त

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'जिस पर हमला न किया गया हो' उसे 'अनाक्रान्त' कहते हैं। 'जो हमला या आक्रमण करता हो' उसे 'आक्रान्ता' कहते हैं।

159. 'जिस पर आक्रमण हो' के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) आक्रान्ता (b) अजेय
(c) आक्रान्त (d) अभियुक्त

U.P. P.C.S. (Mains), 1994, 2015

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जिस पर आक्रमण हो' के लिए 'आक्रान्त' शब्द उपयुक्त है। 'आक्रान्ता' या 'आक्रामक', 'आक्रमण करने वाला' कहलाता है। 'जिसे जीता न जा सके' उसे 'अजेय' तथा 'जिस पर मुकदमा चलाया गया हो' उसे 'अभियुक्त' कहते हैं।

160. 'जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो' उसके लिए एक शब्द है—

- (a) मंथर (b) दीर्घसूत्री
(c) सत्वर (d) मंदक्रान्ता

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो' उसे 'मंथर' कहते हैं। 'हर काम में बहुत देर लगाने वाला', 'दीर्घसूत्री' तथा 'शीघ्र' को 'सत्वर' कहते हैं। 'सत्रह अक्षरों के वर्णवृत्त का नाम', 'मंदक्रान्ता' कहलाता है।

161. 'उचित-अनुचित का ज्ञान रखने वाला' वाक्यांश के लिए सही शब्द है—

- (a) विवेकी (b) ज्ञानी
(c) चतुर (d) दूरदर्शी

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उचित-अनुचित का ज्ञान रखने वाला', 'विवेकी' कहलाता है। 'जो पुराण, उपनिषद्, शास्त्र आदि का ज्ञान रखता हो' उसे 'ज्ञानी' कहते हैं। 'जो आगे की सोचता हो' उसे 'दूरदर्शी' तथा 'जो चालाक हो' उसे 'चतुर' कहते हैं।

162. 'जो अपने कर्तव्य का निश्चय न कर सके' इस वाक्य को एक शब्द में कह सकते हैं—

- (a) द्वन्द्वग्रस्त (b) भ्रमित
(c) किर्कतव्यविमूढ़ (d) द्विविधाग्रस्त

U.P. S.D.I., 2006

U.P. P. C.S. (Mains), 2000

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जो अपने कर्तव्य का निश्चय न कर सके' अर्थात् 'जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो रहा हो' उसे 'किर्कतव्यविमूढ़' कहते हैं। 'जो द्वन्द्व में हो' उसे 'द्वन्द्वग्रस्त' तथा 'जो भ्रम में हो' उसे 'भ्रमित' कहते हैं। 'जो द्विविधा में हो' उसे 'द्विविधाग्रस्त' कहते हैं।

163. 'ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो' उसके लिए एक सही शब्द होगा—

- (a) कविराज (b) आशुकवि
(c) महाकवि (d) कवीश

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो' उसके लिए एक शब्द 'आशुकवि' होगा। 'कवियों में श्रेष्ठ' को 'कविराज' की उपाधि दी जाती है। कवियों में महान् के लिए 'महाकवि' तथा 'कवियों का ईश', 'कवीश' कहलाता है।

164. 'अव्यक्त' शब्द के लिए प्रयुक्त एक वाक्य है—

- (a) जिसे कहा न जा सके।
(b) जिसे व्यक्त न किया जा सके।
(c) जिसे कहा जा सके।
(d) जिसे व्यक्त किया जा सके।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अव्यक्त' शब्द के लिए एक वाक्य 'शब्द द्वारा जो व्यक्त न हो सके' है। 'जो बोल नहीं सकता', 'मूक' तथा 'जो वचन या वाणी द्वारा कहा जा सके' उसे 'कथनीय' कहेंगे। 'जिसके बारे में कुछ न कहा जा सके' उसके लिए 'अकथनीय' शब्द प्रयुक्त होगा।

165. 'जिसके हाथ में शूल हो' शब्द समूह के लिए प्रयुक्त शब्द है—

- (a) चक्रपाणि (b) शूलपाणि
(c) वज्रपाणि (d) पाणिग्रहण

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसके हाथ में शूल हो’ उसके लिए उपयुक्त शब्द ‘शूलपाणि’ है। ‘जिसके हाथ में चक्र हो’ उसे ‘चक्रपाणि’ तथा ‘जिसके हाथ में वज्र हो’ उसे ‘वज्रपाणि’ कहते हैं। ‘किसी का हाथ ग्रहण किया जाना’ अर्थात् विवाह ‘पाणिग्रहण’ कहलाता है।

166. ‘संध्या और रात्रि के बीच का समय’ होता है—

- (a) सायंकाल (b) सूर्यास्त
(c) निशा (d) गोधूलि

U.P.P.C.S. (Mains), 2018
U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006
U.P. P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘संध्या और रात्रि के बीच का समय’, ‘गोधूलि’ कहलाता है। ‘सायंकाल’, ‘संध्या का समय’ और ‘निशा’ रात्रि को कहते हैं। ‘सूर्यास्त’ शब्द ‘सूर्य के अस्त होने’ के लिए प्रयोग किया जाता है।

167. ‘जो सब कुछ जानता है’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) त्रिकालज्ञ (b) बहुज्ञ
(c) ज्ञानी (d) सर्वज्ञ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013
U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006
U.P. P.C.S. (Mains), 1995, 2000

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जो सब कुछ जानता है’ उसे ‘सर्वज्ञ’ कहते हैं। ‘भूत’, वर्तमान तथा भविष्य तीनों कालों को जानने वाला, ‘त्रिकालज्ञ’ तथा ‘जिसने ज्ञान प्राप्त किया हो’ वह ‘ज्ञानी’ कहलाता है।

168. ‘अकथनीय’ शब्द के लिए सर्वोत्तम वाक्य का चयन कीजिए—

- (a) जिसका खण्डन न हो सके
(b) जो घोर या भीषण न हो
(c) जिसके बारे में कुछ न कहा जा सके
(d) जो तर्क से सिद्ध न हो

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसके बारे में कुछ न कहा जा सके’ उसे ‘अकथनीय’ कहते हैं। ‘जिसका खण्डन न हो सके’ उसे ‘अकाट्य’ तथा ‘जो घोर या भीषण न हो’ उसे ‘अघोर’ कहते हैं। ‘जो तर्क से सिद्ध न हो’ उसे ‘अतर्क्य’ कहते हैं।

169. ‘बिना पलक गिराये हुए’ वाक्य के लिए एक शब्द का चयन कीजिए—

- (a) अनिमेष (b) अच्युत
(c) अतिस्वन (d) अदृष्ट

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बिना पलक गिराये हुए’ वाक्य के लिए एक शब्द ‘अनिमेष’ अथवा ‘अपलक’ है। ‘अपने स्थान से न हटने या गिरने वाला’, ‘अच्युत’ तथा ‘ध्वनि का अतिक्रमण करने वाला’ ‘अतिस्वन’ कहलाता है। ‘जो न देखा गया हो’ उसे ‘अदृष्ट’ कहते हैं।

170. ‘बिना पलक झपकाए’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अमोघ (b) अनिकेत
(c) अच्युत (d) अनिमेष

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(d)

‘बिना पलक झपकाए’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘अनिमेष’ है। ‘निष्फल न होने वाला’ के लिए एक शब्द ‘अमोघ’ है। ‘जो अपने स्थान से अलग न किया जा सके’ के लिए एक शब्द ‘अच्युत’ है। ‘जिसके पास घर न हो’ के लिए एक शब्द ‘अनिकेत’ है।

171. ‘जिस पर किसी का आतंक छाया हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) आतंकवाद (b) आतंकवादी
(c) आतंकिता (d) आत्मघाती

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिस पर किसी का आतंक छाया हो’ के लिए एक शब्द ‘आतंकिता’ होता है। ‘जो अपनी हत्या कर लेता है’ उसे ‘आत्मघाती’ कहते हैं।

172. ‘जो शोक करने योग्य न हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) अशोक (b) अशोच्य
(c) असमर्थ (d) अशौच

U.P.P.C.S. (Mains), 1994, 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो शोक करने योग्य न हो’ या ‘जिसके विषय में शोक करना उचित न हो’ के लिए एक शब्द ‘अशोच्य’ है। ‘जो शोक रहित हो’ उसे ‘अशोक’ कहते हैं। ‘जो समर्थ न हो’ उसे ‘असमर्थ’ तथा ‘जो शुद्ध या पवित्र न हो’ उसे ‘अशौच’ कहते हैं।

173. ‘जिसे ऊपर कहा गया हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) उच्चतम (b) कथित
(c) उपर्युक्त (d) उपत्यका

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जिसे ऊपर कहा गया हो' के लिए एक शब्द 'उपर्युक्त' है। 'जिससे बढ़कर ऊँचा कोई न हो' के लिए एक शब्द 'उच्चतम', 'जो कहा गया हो' उसे 'कथित' तथा 'पर्वत के पास की भूमि' 'उपत्यका' कहलाती है।

174. 'जिसके हृदय को चोट पहुँची हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) घायल (b) मनमोहक
(c) मृत्युंजय (d) मर्माहत

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'जिसके हृदय को चोट पहुँची हो' के लिए एक शब्द 'मर्माहत' है। 'मन को मोह लेने वाला' के लिए एक शब्द 'मनमोहक', 'जिसने मृत्यु को जीत लिया हो' के लिए एक शब्द 'मृत्युंजय' है।

175. 'वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य को मिलता हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) अनुदान (b) राजस्व
(c) रिक्थ (d) तकावी

U.P.P.C.S. (Mains), 2017 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य को मिलता हो' के लिए एक शब्द 'राजस्व' कहलाता है। 'आर्थिक सहायता' को 'अनुदान' कहते हैं। 'उत्तराधिकार में मिली जायदाद' 'रिक्थ' कहलाती है। 'ऋण के रूप में आर्थिक सहायता देना' 'तकावी' कहलाता है।

176. 'जिसकी माप-तोल हो सके' उसके लिए एक शब्द है—

- (a) मापन (b) परिमेय
(c) अचल (d) अजेय

U.P.P.C.S. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिसकी माप-तोल हो सके' उसके लिए एक शब्द 'परिमेय' होता है। 'जो चल न सके' उसे 'अचल' कहते हैं। 'जिसे जीता न जा सके' उसे 'अजेय' कहते हैं।

177. 'घुटने तक बाँह वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) अप्रत्याशित (b) लम्बोदर
(c) आजानुबाहु (d) आद्यांत

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'घुटने तक बाँह वाला' के लिए एक शब्द 'आजानुबाहु' सही है। 'जिसकी आशा न की गई हो' उसे 'अप्रत्याशित' तथा 'जिसका उदर लम्बा हो' उसे 'लम्बोदर' कहते हैं। 'शुरु से अंत तक' को 'आद्यांत' कहते हैं।

178. 'जिसकी बाँहें अधिक लम्बी हों' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) लम्बोदर (b) अप्रत्याशित
(c) आजानुबाहु (d) आलम्बन

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

179. 'जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो' के लिए दिये गये शब्दों में सही है—

- (a) जितेन्द्रिय (b) अतीन्द्रिय
(c) सर्वजीत (d) इन्द्रजीत

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

U.P.P.C.S. (Mains), 1999

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो' अर्थात् 'जो इन्द्रियों के ज्ञान के परे है' उसके लिए एक शब्द 'अतीन्द्रिय' होगा। 'जिसने इन्द्र को जीता हो' उसके लिए के शब्द 'इन्द्रजीत' तथा 'जिसने इन्द्रियों को जीत लिया हो' उसे 'जितेन्द्रिय' कहते हैं। 'सबको जीतने वाला', 'सर्वजीत' कहलाता है।

180. 'जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो सके' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) जीतेन्द्र (b) अतीन्द्रिय
(c) एन्द्रिक (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अतीन्द्रिय' है।

181. 'जो इन्द्रियों के ज्ञान के परे है' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) जितेन्द्रिय (b) अतिइन्द्रिय
(c) अतीन्द्रिय (d) अविइन्द्रिय

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'इन्द्रियों को जीत लिया हो जिने' के लिए एक शब्द 'जितेन्द्रिय' है।

182. 'इन्द्रियों को जीत लिया हो जिसने' के लिए एक शब्द है—

- (a) इन्द्रियाधिपति (b) जितेन्द्रिय
(c) जीतेन्द्रिय (d) इन्द्र

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

183. 'सबको समान भाव से देखने वाला' के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) बहुदर्शी (b) प्रियदर्शी
(c) समदर्शी (d) त्रिकालदर्शी

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(c)

व्याख्या—'सबको समान भाव से देखने वाला' के लिए उपयुक्त शब्द 'समदर्शी' है। 'जिसने बहुत कुछ देख लिया हो' उसे 'बहुदर्शी' तथा 'जो देखने में प्रिय लगता है' वह 'प्रियदर्शी' कहलाता है। 'भूत, वर्तमान और भविष्य को देखने वाला, 'त्रिकालदर्शी' होता है।

184. 'प्रियदर्शी' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जो कम बोलने वाला हो
(b) सबको समान भाव से देखने वाला
(c) जो प्रिय बोलता हो
(d) जो देखने में प्रिय लगे

B. P. S.C. (Mains), 1981

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

185. 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) दुर्गम (b) अभेद्य
(c) दुर्ज्ञेय (d) असम्भव

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द 'अभेद्य' है। 'जिसे कठिनाई से जाना जा सके' उसे 'दुर्ज्ञेय' तथा 'वह मार्ग जिस पर चलना कठिन हो', 'दुर्गम' कहलाता है। 'जो सम्भव न हो' उसके लिए 'असम्भव' शब्द उपयुक्त है।

186. 'प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री' के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) प्रियंवदा (b) प्रेयसी
(c) मधुरभाषी (d) प्राणप्रिया

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या—'प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री' के लिए उपयुक्त शब्द 'प्रियंवदा' है। प्रेमिका के लिए 'प्रेयसी' तथा 'जो मधुर बोलता है' उसके लिए 'मधुरभाषी' शब्द उपयुक्त है। 'जो प्राणों के समान प्यारी हो' वह 'प्राणप्रिया' कहलाती है।

187. 'जिसके पार न देखा जा सके' उसके लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

- (a) पारदर्शी (b) समदर्शी
(c) अपारदर्शी (d) त्रिकालदर्शी

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जिसके पार न देखा जा सके' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'अपारदर्शी' है। 'जिसके पार देखा जा सके' वह 'पारदर्शी' तथा 'सबको समान भाव से देखने वाला', 'समदर्शी' कहलाता है। 'जो भूत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों काल को देख लेता हो' उसे 'त्रिकालदर्शी' कहते हैं।

188. 'पारदर्शी' शब्द के लिए उचित वाक्य है—

- (a) जो सबको समान देखता हो
(b) अच्छे कार्य करने पर दिया जाने वाला इनाम
(c) जिसके आर-पार देखा जा सके
(d) परायी स्त्री से उत्पन्न पुरुष

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

189. 'जिसका दमन करना कठिन हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

- (a) दुर्दमनीय (b) अच्युत
(c) दुर्बोध (d) दुर्ज्ञेय

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जिसका दमन करना कठिन हो' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'दुर्दमनीय' है। 'जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके' उसे 'अच्युत' तथा 'जिसे कठिनाई से जाना जा सके' उसे 'दुर्ज्ञेय' कहते हैं। 'जो कठिनाई से समझ में आता है' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'दुर्बोध' है।

190. 'अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला' के लिए एक शब्द होगा—

- (a) अन्यत्र (b) अनन्य
(c) अन्योन्य सम्बन्धी (d) अन्योन्याश्रित

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला' 'अन्योन्य सम्बन्धी' कहलाता है। 'किसी और स्थान पर' के लिए एक शब्द 'अन्यत्र' तथा 'जिस जैसा कोई अन्य न हो' उसे 'अनन्य' एवं 'एक-दूसरे पर आश्रित होना', 'अन्योन्याश्रित' कहलाता है।

191. 'जिसे जानने की इच्छा है' के लिए एक शब्द है—

- (a) ज्ञानार्थी (b) जिज्ञासु
(c) जिगीषु (d) जिजीविषु

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जिसे जानने की इच्छा है' के लिए एक शब्द 'जिज्ञासु' है। 'ज्ञान को अर्जन करने की इच्छा वाला', 'ज्ञानार्थी' तथा 'किसी पर विजय पाने की इच्छा रखने वाला', 'जिगीषु' कहलाता है। 'अधिक समय तक जीवित रहने को इच्छुक' के लिए एक शब्द, 'जिजीविषु' है।

192. 'जानने की इच्छा रखने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) जिजीविषा (b) जिज्ञासु
(c) जिज्ञासा (d) ज्ञातज्ञ

U.P. P.C.S. (Pre), 2012

U.P. P.C.S. (Mains), 1993, 2006, 2008

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जानने की इच्छा रखने वाला', 'जिज्ञासु' कहलाता है। 'जीने की प्रबल इच्छा', 'जिजीविषा' तथा 'कुछ जानने या ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा', 'जिज्ञासा' कहलाती है।

193. 'जिजीविषा' शब्द हेतु उपयुक्त वाक्य का चयन कीजिए—

- (a) जानने की इच्छा रखने वाला (b) जानने की इच्छा
(c) जीने की इच्छा (d) जीतने की इच्छा

U.P. A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

194. 'दूसरे के दोष खोजने वाला' के लिए एक शब्द है—

- (a) अनुसन्धानकर्ता (b) छिद्रान्वेषी
(c) आलोचक (d) शत्रु

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—'दूसरे के दोष खोजने वाला' के लिए एक शब्द छिद्रान्वेषी है। 'अनुसन्धान करने वाला' अनुसन्धानकर्ता कहलाता है।

195. 'जो ढका ना हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) अनावृत (b) अनावर्त
(c) अनावृष्टि (d) अनावृष्टि

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो ढका ना हो' के लिए एक शब्द 'अनावृत' है। 'जो दोहराया न गया हो' के लिए एक शब्द 'अनावर्त' तथा 'मोक्ष अथवा 'न लौटना' को अनावृत्ति कहते हैं। 'अनावृष्टि' वर्षा का न होना अथवा सूखा को कहते हैं।

196. 'कही हुई बात को बार-बार कहना' के लिए एक शब्द है—

- (a) कथित (b) कहावत
(c) कटुभाषी (d) पुनरुक्ति

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(d)

व्याख्या—'कही गयी बात' कथित होती है, कटु बोलने वाला 'कटुभाषी' कहलाता है, जबकि कही हुई बात को बार-बार दुहराना 'पुनरुक्ति' है।

197. 'जो आसानी से प्राप्त किया जा सके' उसके लिए एक शब्द है—

- (a) सर्वज्ञ (b) सुलभ
(c) सर्वजीत (d) सुखद

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो आसानी से प्राप्त किया जा सके' उसे 'सुलभ' कहते हैं। 'सर्वज्ञ' उसे कहते हैं, 'जो सब कुछ जानता हो'। 'सबको जीतने वाला', 'सर्वजीत' तथा 'सुख देने वाला', 'सुखद' कहलाता है।

198. 'समान रूप से ठंडा और गरम' के लिए एक शब्द है—

- (a) समशीतोष्ण (b) समदर्शी
(c) समकालीन (d) शीतोष्ण

U.P. P.C.S. (Mains), 2012

उत्तर—(a)

व्याख्या—'समान रूप से ठंडा और गरम' के लिए एक शब्द 'समशीतोष्ण' प्रयुक्त होता है। 'जो सबको समान समझता हो', 'समदर्शी' कहलाता है। 'उसी समय में रहने वाला', 'समकालीन' तथा 'ठंडा और गरम', 'शीतोष्ण' कहलाता है।

199. 'अनुत्तरित' शब्द के लिए कौन-सा वाक्य सही है?

- (a) जिसका उत्तर दिया गया हो
(b) जिसका उत्तर न दिया गया हो
(c) जिसके अन्दर अर्थ भरा हो
(d) जो आलोचना के योग्य हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2011, 2016

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसका उत्तर न दिया गया हो’ वाक्य के लिए सही शब्द ‘अनुत्तरित’ है। ‘जिसका उत्तर दिया गया हो’, उसे ‘उत्तरित’ तथा ‘जिसके अन्दर अर्थ भरा हो’, उसके लिए उपयुक्त शब्द ‘अर्थगर्भित’ है। ‘जो आलोचना के योग्य हो’ उसे ‘आलोच्य’ कहते हैं।

200. ‘अपने मत को मानने वाला’ के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) स्वेच्छाचारी (b) स्ववश्य
(c) आत्माभिमत (d) मतानुयायी

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अपने मत को मानने वाला’ के लिए ‘आत्माभिमत’ शब्द सही है। ‘अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला’, ‘स्वेच्छाचारी’ तथा ‘अपने ही वश में रहने वाला’, ‘स्ववश्य’ कहलाता है। ‘मत के अनुसार चलने वाला’, ‘मतानुयायी’ कहलाता है।

201. ‘जो कहा न गया हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अकथनीय (b) कथनीय
(c) अव्यक्त (d) अकथित

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जो कहा न गया हो’ के लिए ‘अकथित’ शब्द उपयुक्त है। ‘जो वचन या वाणी द्वारा न कहा जा सके’ उसे ‘अकथनीय’ तथा ‘जो वाणी द्वारा कहा जा सके’ उसे ‘कथनीय’ कहते हैं। ‘जो शब्दों द्वारा व्यक्त न हो सके’ उसके लिए ‘अव्यक्त’ शब्द उपयुक्त है।

202. ‘अकथनीय’ शब्द से तात्पर्य है—

- (a) जो बात वर्णन से परे हो
(b) जो वाणी द्वारा व्यक्त किया जा सके
(c) जिसे वाणी व्यक्त न कर सके
(d) जो वचन या वाणी द्वारा न कहा जा सके

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

203. ‘अनुश्रुति’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) सुनकर भी न सुनने का नाटक करना
(b) परंपरा से सुना हुआ
(c) जो कानों को सुनने में कटु लगे
(d) जो सुनने योग्य हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘अनुश्रुति’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘परंपरा से सुना हुआ’ है। ‘जो कानों को सुनने में कटु लगे’ उसे ‘कर्णकटु’ तथा ‘सुनकर भी न सुनने का नाटक करना’ के लिए ‘अनसुना’ शब्द उपयुक्त है। ‘जो सुनने योग्य हो’ उसे ‘श्रव्य’ कहते हैं।

204. ‘परंपरा से चली आ रही बात’ के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है—

- (a) प्रतिश्रुति (b) व्याजस्तुति
(c) अनुलोम (d) अनुश्रुति

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

‘परंपरा से चली आ रही बात’ या ‘परंपरा से सुना हुआ’ के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द ‘अनुश्रुति’ है। शेष विकल्प असंगत हैं।

205. ‘जो देखने के योग्य हो’ उसके लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) दर्शनीय (b) प्रियदर्शी
(c) समदर्शी (d) सर्वप्रिय

U.P. P.C.S. (Mains), 2011

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो देखने के योग्य हो’ उसके लिए ‘दर्शनीय’ शब्द सही है। ‘जो देखने में प्रिय लगे’ उसे ‘प्रियदर्शी’ तथा ‘समान रूप से देखने वाला’ के लिए ‘समदर्शी’ शब्द सही है। ‘जो सभी को प्रिय हो’ उसे ‘सर्वप्रिय’ कहते हैं।

206. ‘जो पृथ्वी से सम्बद्ध है’—वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) पृथा (b) लौकिक
(c) भूगोलीय (d) पार्थिव

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जो पृथ्वी से सम्बद्ध है’, वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘पार्थिव’ है। ‘इस लोक (संसार) से सम्बन्ध रखने वाला’ के लिए एक शब्द ‘इहलौकिक’ है।

207. ‘पृथ्वी से सम्बद्ध’ वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) भूधर (b) पार्थिव
(c) स्वयंभू (d) भूमिज

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पृथ्वी से सम्बद्ध’ वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द ‘पार्थिव’ है। ‘जो भू को धारण करे’ उसे ‘भूधर’ तथा ‘जो स्वयं से उत्पन्न हो’ वह ‘स्वयंभू’ कहलाता है। ‘भूमि से जन्म लेने वाले’ को ‘भूमिज’ कहा जाता है।

208. 'भूधर' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) भूगर्भ विज्ञान का जानकार
- (b) भूमि से उत्पन्न होने वाला
- (c) जो भू को धारण करता है
- (d) भू (पृथ्वी) से सम्बद्ध

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. 'बढ़ा चढ़ा कर कहना' के लिए एक शब्द है—

- (a) अतिवादी
- (b) अतिशय
- (c) अत्यन्त
- (d) अतिशयोक्ति

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'बढ़ा चढ़ा कर कहना' के लिए एक शब्द 'अतिशयोक्ति' होता है। शेष विकल्पों के अर्थ भिन्न हैं।

210. 'जो पहले था, पर अब नहीं है' के लिए एक शब्द है—

- (a) पूर्वज
- (b) अंत्यज
- (c) भूतपूर्व
- (d) अनागत

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जो पहले था, पर अब नहीं है' के लिए 'एक शब्द 'भूतपूर्व' है। 'जो पहले जन्मा हो', 'पूर्वज' तथा 'जिसने अंतिम वर्ण में जन्म लिया हो' उसे 'अंत्यज' कहा जाता है।

211. 'जो कठिनाई से मिलता है' के लिए एक शब्द है—

- (a) दुर्लभ
- (b) अलभ्य
- (c) अप्राप्य
- (d) अनुपलब्ध

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 2010, 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो कठिनाई से मिलता है', के लिए एक शब्द 'दुर्लभ' है। 'जिससे लाभ न प्राप्त हो', 'अलभ्य' तथा 'जिसे प्राप्त न किया जा सके', 'अप्राप्य' कहलाता है। 'जो उपलब्ध न हो' उसे 'अनुपलब्ध' कहा जाता है।

212. 'जो कठिनाई से समझने योग्य है' के लिए एक शब्द है—

- (a) अगम
- (b) क्लिष्ट
- (c) दुर्बोध
- (d) दुर्गम

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

U.P. P.C.S. (Mains), 1993

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जो कठिनाई से समझने योग्य है' के लिए एक शब्द 'दुर्बोध' होगा। 'जो कठिन हो' उसे 'क्लिष्ट' तथा 'जिस रास्ते पर जाना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्गम' है।

213. 'जो आँखों से परे है' के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) प्रत्यक्ष
- (b) परोक्ष
- (c) प्रियदर्शी
- (d) द्रष्टव्य

U.P. P.C.S. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो आँखों से परे है' के लिए 'परोक्ष' शब्द सही है। 'जो आँखों के सामने है' उसे 'प्रत्यक्ष' तथा 'जो देखने में प्रिय लगे' उसे 'प्रियदर्शी' कहते हैं। 'जो देखने योग्य हो' उसे 'द्रष्टव्य' कहते हैं।

214. 'जो आँखों के आगे उपस्थित हो' शब्द समूह के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) प्रत्यक्ष
- (b) परोक्ष
- (c) अपारदर्शी
- (d) प्रियदर्शी

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो आँखों के आगे उपस्थित हो' वह 'प्रत्यक्ष' तथा 'जो आँखों से परे है' उसके लिए 'परोक्ष' शब्द सही है। 'जिसके पार न देखा जा सके' उसे 'अपारदर्शी' कहते हैं। 'जो देखने में प्रिय हो' उसे 'प्रियदर्शी' कहते हैं।

215. 'अथाह' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जिसकी गहराई नापी जा सके
- (b) जिसकी गहराई न नापी जा सके
- (c) जिसकी कोई सीमा न हो
- (d) जिसका अंत न हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अथाह' शब्द के लिए एक वाक्य 'जिसकी गहराई न नापी जा सके' है। 'जिसकी गहराई नापी जा सके' उसे 'थाह' कहते हैं तथा 'जिसका अंत न हो' उसे 'अनंत' कहते हैं, जबकि 'जिसकी कोई सीमा न हो' उसे 'असीमित' कहते हैं।

216. 'संदेश ले जाने वाला' वाक्य हेतु सही शब्द है—

- (a) पत्रवाहक
- (b) सूचनादाता
- (c) चपरासी
- (d) संदेशवाहक

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘संदेश ले जाने वाला’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘संदेशवाहक’ है। ‘पत्र को ले जाने वाला’, ‘पत्रवाहक’ तथा ‘सूचना देने वाला’, ‘सूचनादाता’ कहलाता है। ‘चपरासी’ या ‘अनुचर’ किसी संगठन/संस्थान अथवा कार्यालय में होते हैं, जो संदेश के अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

217. ‘अनश्वर’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) नष्ट होने वाला (b) ईश्वर को न मानने वाला
(c) नष्ट न होने वाला (d) जो इन्द्रियों द्वारा न जाना जा सके

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘नष्ट न होने वाला’ के लिए ‘अनश्वर’, ‘नष्ट होने वाला’, ‘नश्वर’ तथा ‘ईश्वर को न मानने वाला’ के लिए ‘नास्तिक’ होता है। ‘जो इन्द्रियों द्वारा न जाना जा सके’ उसे ‘अगोचर’ कहते हैं।

218. ‘सधवा’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जिस स्त्री के पुत्र, पति न हो
(b) वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले
(c) जिस स्त्री का पति जीवित हो
(d) वह स्त्री जिसका पति परदेश से लौटा हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिस स्त्री का पति जीवित हो’ (पति-युक्ता स्त्री) उसे ‘सधवा’ कहते हैं। ‘जिस स्त्री के पुत्र, पति न हो’ उसे ‘अवीरा’ तथा ‘वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले’ उसे ‘अध्यूदा’ कहते हैं, जबकि ‘वह स्त्री जिसका पति परदेश से लौटा हो’ उसे ‘आगतपतिका’ कहते हैं।

219. ‘जिस स्त्री का पति जीवित है’ उसके लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) पतिव्रता (b) सधवा
(c) विवाहिता (d) अनुरक्ता

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

220. ‘पति-युक्ता स्त्री’ को एक शब्द में कहते हैं—

- (a) दम्पती (b) जोड़ी
(c) सधवा (d) पति-पत्नी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

221. ‘व्यर्थ खर्च कर डालने वाला’ वाक्य हेतु कौन-सा शब्द सही है?

- (a) अपव्ययी (b) फिजूल खर्च
(c) मितव्ययी (d) कृपण

U.P. P.C.S. (Mains), 2009

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘व्यर्थ खर्च कर डालने वाला’ वाक्य हेतु ‘अपव्ययी’ शब्द सही है। ‘आय से अधिक बेकार में खर्च करने वाला’, ‘फिजूल खर्च’ तथा ‘कम खर्च करने वाला’ वाक्य के लिए ‘मितव्ययी’ शब्द सही है। ‘कठिनाई से पैसे निकालने वाला’ अर्थात् ‘जरा सा भी खर्च करने में आनाकानी करने वाला’, ‘कृपण’ कहलाता है।

222. ‘व्यर्थ खर्च करने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) मितव्ययी (b) अव्ययी
(c) अपव्ययी (d) निरव्ययी

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

223. ‘जो जरा सा भी खर्च करने में आनाकानी करता है’—

- (a) निर्धन (b) कृपण
(c) मितव्ययी (d) क्षिप्रहस्त

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

224. ‘परित्यक्ता’ शब्द के लिए दिये गये वाक्यों में कौन-सा वाक्य उपयुक्त है?

- (a) वह स्त्री जिसका पति मर चुका हो
(b) जिस स्त्री के पुत्र, पति हों
(c) पति के द्वारा छोड़ दी गयी स्त्री
(d) वह स्त्री जो परपुरुष से प्रेम करती हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘परित्यक्ता’ शब्द के लिए ‘पति के द्वारा छोड़ दी गई स्त्री’ वाक्य उपयुक्त है। ‘वह स्त्री जिसका पति मर चुका हो’, ‘विधवा’ तथा ‘जिस स्त्री के पुत्र, पति हों’ उसे ‘पुरन्ध्री’ कहते हैं। ‘वह स्त्री जो परपुरुष से प्रेम करती हो’ उसे ‘परकीया’ कहते हैं।

225. ‘गजगामिनी’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) मृग के समान आँख वाली स्त्री
(b) हाथी की तरह चलने वाली स्त्री

- (c) मीन की तरह सुंदर आँख वाली स्त्री
(d) हंस के समान चलने वाली स्त्री

U.P. P.C.S. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘गजगामिनी’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘हाथी की तरह चलने वाली स्त्री’ है, जबकि ‘मृग के समान आँख वाली स्त्री’ ‘मृगनयनी’ तथा ‘मीन की तरह सुंदर आँख वाली स्त्री’, ‘मीनाक्षी’ कहलाती है। ‘हंस के समान चलने वाली स्त्री’ को ‘हंसगामिनी’ कहते हैं।

226. ‘वह लड़की जिसका विवाह होने को हो’ के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) सधवा (b) वन्ध्या
(c) वैवाहिकी (d) विवाहिता

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘वह लड़की जिसका विवाह होने को हो’ के लिए ‘वैवाहिकी’ शब्द सही है। ‘जिस स्त्री को सन्तान पैदा न होती हो’, ‘वन्ध्या’ तथा ‘जिस स्त्री का पति जीवित हो’ उसे ‘सधवा’ कहते हैं। ‘जिस लड़की का विवाह हो चुका हो’ उसके लिए ‘विवाहिता’ शब्द का प्रयोग किया जाता है।

227. ‘वनस्पति का आहार करने वाला’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) फलाहारी (b) शाकाहारी
(c) वनस्पत्याहारी (d) निराहारी

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘वनस्पति का आहार करने वाला’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘वनस्पत्याहारी’ है। ‘फल का आहार करने वाला’, ‘फलाहारी’ तथा ‘शाक का आहार करने वाला’, ‘शाकाहारी’ कहलाता है। ‘आहार न करने वाला’, ‘निराहारी’ कहलाता है।

228. ‘जिस पर मुकदमा चलाया गया हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अभियोगी (b) प्रतिवादी
(c) अभियुक्त (d) द्रुतगामी

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

229. ‘जिसके आने की तिथि न हो’ के लिए एक शब्द है—

- (a) अतिथि (b) अनाहूत
(c) आतिथ्य (d) आगंतुक

U.P. P.C.S. (Mains), 2003, 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसके आने की तिथि न हो’ उसे ‘अतिथि’ तथा ‘जो इधर-उधर से घूमता-फिरता आ जाए’ उसे ‘आगंतुक’ कहते हैं। ‘अतिथि की सेवा-सत्कार करने वाला’, ‘आतिथ्य’ कहलाता है। ‘आतिथ्य’ द्वारा की गई सेवा के लिए भी ‘आतिथ्य’ शब्द प्रयुक्त होता है। ‘वह जिसके यहाँ अतिथि ठहरा हो’, ‘आतिथ्य’ कहलाता है।

230. ‘अतिथि की सेवा करने वाला’ वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अनागत (b) अनादृत
(c) सेवक (d) आतिथ्य

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

231. ‘जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अविवेकी (b) विवेकी
(c) दुर्बोध (d) दुर्ज्ञेय

U.P. P.C.S. (Mains), 2003, 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘अविवेकी’ है, जबकि ‘जिसे भले-बुरे का ज्ञान हो’ के लिए ‘विवेकी’ शब्द उपयुक्त है। ‘जो जल्दी समझ में न आए’ के लिए ‘दुर्बोध’ उपयुक्त शब्द है। ‘जिसे सरलता से जाना न जा सके’ उसे ‘दुर्ज्ञेय’ कहते हैं।

232. ‘नीले रंग का कमल’ के लिए दिये गये शब्दों में कौन-सा शब्द सही है?

- (a) इन्दीवर (b) नीलाभ
(c) पुण्डरीक (d) नीलाक्ष

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘नीले रंग का कमल’ के लिए ‘इन्दीवर’ शब्द सही है। ‘जिसकी आभा नीली हो’ उसे ‘नीलाभ’ कहते हैं। ‘सफेद रंग के कमल’ को ‘पुण्डरीक’ कहते हैं। ‘जिसकी आँखें नीली हों’ उसे ‘नीलाक्ष’ कहते हैं।

233. ‘जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) दत्तक (b) अद्यप्रसूत
(c) अंत्यज (d) प्रसू

U.P. P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘अद्यप्रसूत’ है। ‘गोद लिया हुआ’ पुत्र ‘दत्तक’ तथा ‘जिसने निम्न जाति में जन्म लिया हो’, के लिए ‘अंत्यज’ शब्द प्रयुक्त होगा। ‘जन्म देने वाली’, ‘प्रसू’ कहलाती है।

234. ‘जिसे ईश्वर में विश्वास नहीं है’ के लिए दिये गये शब्दों में सही शब्द है—

- (a) नास्तिक (b) आस्तिक
(c) पुजारी (d) भक्त

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

B. P. S.C. (Mains), 1981

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जिसे ईश्वर में विश्वास नहीं है’, के लिए ‘नास्तिक’ शब्द सही है। ‘जो ईश्वर में विश्वास करता हो’ उसे ‘आस्तिक’ तथा ‘पूजा करने वाले’ को ‘पुजारी’ कहते हैं। ‘किसी पर श्रद्धा रखने वाले’ को ‘भक्त’ कहते हैं।

235. ‘स्वेद से उत्पन्न होने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) स्वेदज (b) अण्डज
(c) पिण्डज (d) उभयज

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘स्वेद’ अर्थात् पसीने से उत्पन्न होने वाला ‘वाक्यांश’ के लिए शब्द ‘स्वेदज’ है। ‘अण्डे से उत्पन्न होने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘अण्डज’ तथा ‘पिण्ड’ से उत्पन्न होने वाला वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘पिण्डज’ होता है। ‘उभय (दोनों) से उत्पन्न होने वाला’ वाक्यांश के लिए एक शब्द ‘उभयज’ है।

236. ‘स्वेदज’ के लिए एक वाक्य है—

- (a) अण्डे से उत्पन्न होने वाला
(b) स्वयं उत्पन्न होने वाला
(c) पसीने से उत्पन्न होने वाला
(d) भूमि से उत्पन्न होने वाला

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

237. ‘निरामिष’ शब्द का किस वाक्य हेतु प्रयोग होगा?

- (a) जो मांस खाता है
(b) जो आमिष (मांस) नहीं खाता है
(c) जो मांस और शाक दोनों खाता है
(d) जो शाक खाता है।

U.P. P.C.S. (Mains), 1993, 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘निरामिष’ शब्द ‘जो आमिष (मांस) नहीं खाता है’, के लिए प्रयोग होता है। ‘जो मांस खाता है’ उसे ‘सामिष’ कहते हैं, जबकि ‘मांस और शाक दोनों खाने वाले’ को ‘सर्वाहारी’ तथा ‘शाक खाने वाले’ को ‘शाकाहारी’ कहते हैं।

238. ‘जहाँ खाना मुफ्त में मिलता है’, के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) सदावर्त (b) सदाशिव
(c) सदाभव (d) सदासुख

U.P. P.C.S. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जहाँ खाना मुफ्त में मिलता है’, के लिए ‘सदावर्त’ शब्द सही है। ‘सर्वदा कल्याण करने वाले’ को ‘सदाशिव’ तथा ‘सदा रहने वाले’ को ‘सदाभव’ कहते हैं। ‘हमेशा सुखी रहने वाले’ को ‘सदासुख’ कहते हैं।

239. ‘जिस समय बड़ी मुश्किल से भिक्षा मिलती है’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अकाल (b) दुर्दिन
(c) दुर्भिक्ष (d) दुर्धर्ष

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिस समय बड़ी मुश्किल से भिक्षा मिलती है’, के लिए एक शब्द ‘दुर्भिक्ष’ है। ‘जो बिना काल का हो’, के लिए एक शब्द ‘अकाल’ है। ‘बुरे दिन के लिए एक शब्द’, ‘दुर्दिन’ तथा ‘जिसे वश में करना कठिन हो’ उसे ‘दुर्धर्ष’ कहते हैं।

240. ‘जो कुछ नहीं जानता है’ के लिए दिये गये शब्दों में से कौन-सा शब्द सही है?

- (a) अज्ञ (b) विज्ञ
(c) अल्पज्ञ (d) सर्वज्ञ

U.P. P.C.S. (Mains), 1994, 1999, 2005

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो कुछ न जानता हो’, के लिए ‘अज्ञ’ अथवा ‘अज्ञानी’, ‘जो जानता हो’ के लिए, ‘विज्ञ’ तथा ‘जो थोड़ा जानता हो’, के लिए ‘अल्पज्ञ’ शब्द सही हैं। इसी प्रकार ‘जो सब कुछ जानता हो’, के लिए ‘सर्वज्ञ’ शब्द प्रयुक्त होगा।

241. ‘अंतरिक्ष’ शब्द किस वाक्य के लिए प्रयुक्त होगा?

- (a) जो आकाश में विचरण करता हो
(b) ग्रहों का समूह

- (c) धरती और आकाश के बीच का स्थान
(d) देवों का निवास स्थल

U.P. P.C.S. (Mains), 1999, 2001, 2005

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अंतरिक्ष’ शब्द का प्रयोग ‘धरती और आकाश के बीच का स्थान’ के लिए होता है। ‘देवों का निवास स्थल’, ‘देवलोक’ तथा ‘ग्रहों के समूह’ के लिए ‘सौरमंडल’ शब्द का प्रयोग किया जाता है। ‘आकाश में विचरण करने वाले’ को ‘नभचर’ कहते हैं।

242. ‘जो गणना के अयोग्य हो’, के लिए एक सही विकल्प है—

- (a) अगणनीय (b) नगण्य
(c) असंख्य (d) गणनीय

U.P. P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो गणना के अयोग्य हो’ या ‘जिसकी कोई गिनती न हो’ के लिए एक शब्द ‘नगण्य’ सही है। ‘जिसकी गणना न की जा सके’, के लिए ‘अगणनीय’ तथा ‘जिसकी संख्या सीमित न हो’, के लिए ‘असंख्य’ शब्द होगा। ‘जिसकी गणना की जा सके’ उसे ‘गणनीय’ कहते हैं।

243. ‘मर्मज्ञ’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जो कुछ नहीं जानता हो
(b) सब कुछ जानने वाला
(c) किसी बात का मर्म (गूढ़ रहस्य) जानने वाला
(d) जो थोड़ा जानता हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2005

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘मर्मज्ञ’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘किसी बात का मर्म जानने वाला’ है। ‘सब कुछ जानने वाला’ के लिए ‘सर्वज्ञ’ शब्द प्रयुक्त होगा। ‘जो कुछ नहीं जानता हो’ वह ‘अज्ञ’ तथा ‘जो थोड़ा जानता हो’ वह ‘अल्पज्ञ’ कहलाता है।

244. ‘जिसका आदि व अंत न हो’, के लिए दिये गये शब्दों में कौन-सा शब्द सही है?

- (a) अनंत (b) अनादि-अनंत
(c) मृत्युंजय (d) आद्योपांत

U.P. P.C.S. (Mains), 2000, 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसका आदि व अंत न हो’ वह ‘अनादि-अनंत’ कहलाता है। ‘आदि से अंत तक’ को ‘आद्योपांत’ कहा जाता है। ‘जिसने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर ली हो’ वह ‘मृत्युंजय’ कहलाता है। ‘जिसका अंत न हो’ वह ‘अनंत’ कहलाता है।

245. ‘जिसका आदि न हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) अनंत (b) अनादि
(c) अनश्वर (d) असंख्य

U.P. P. C. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसका आदि न हो’ के लिए एक शब्द ‘अनादि’ है। ‘जिसका अंत न हो’ वह ‘अनंत’ कहलाता है। ‘जो नष्ट न हो सके’ वह ‘अनश्वर’ कहलाता है। ‘जिसकी संख्या सीमित न हो’ के लिए एक शब्द ‘असंख्य’ है।

246. ‘औदार्यदाता’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जो दान करता रहता है
(b) जो सब कुछ उदारता से देना चाहता हो
(c) जो उदार न हो
(d) जो उदारता न दिखाता हो

U.P. P.C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘औदार्यदाता’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘जो सब कुछ उदारता से देना चाहता हो’ है, ‘जो उदारता दिखाता हो’ उसके लिए एक शब्द ‘औदार्य’ तथा ‘जो उदार न हो’ उसके लिए ‘अनुदार’ शब्द सही है। ‘जो दान करता रहता है’ उसके लिए ‘दानी’ शब्द सही है।

247. ‘जो बहुत आगे तक की बात सोच कर काम करता हो’, के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) जिज्ञासु (b) जिज्ञासा
(c) सर्वज्ञ (d) अग्रसोची

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिज्ञासा’, ‘जानने की इच्छा’ वाक्य के लिए उचित शब्द है। इसी प्रकार ‘जो सब कुछ जानता हो’, के लिए ‘सर्वज्ञ’, ‘जानने की इच्छा रखने वाला’, के लिए ‘जिज्ञासु’ तथा ‘जो बहुत आगे तक की बात सोच कर काम करता है’, के लिए ‘अग्रसोची’ शब्द का प्रयोग किया जाता है।

248. ‘जो मृत्यु के मुख में आने को है’ उसके लिए एक शब्द होगा—

- (a) मृत्युंजय (b) मरणासन्न
(c) मृत (d) मरणोन्मुख

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

U.P. P.C.S. (Mains), 1993

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जो मृत्यु के मुख में आने को है’ उसके लिए एक शब्द ‘मरणोन्मुख’ होगा। ‘जिसने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर ली हो’ उसे ‘मृत्युंजय’ तथा ‘मरा हुआ’ को ‘मृत’ कहते हैं।

249. ‘स्मरणीय’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य
- (b) जो भूलने योग्य हो
- (c) जो विश्वास करने योग्य न हो
- (d) जो विश्वास करने योग्य हो

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘स्मरणीय’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य’ है। ‘जो भूलने योग्य हो’ उसे ‘विस्मरणीय’ तथा ‘जो विश्वास करने योग्य न हो’ उसे ‘अविश्वसनीय’ कहते हैं। ‘जो विश्वास करने योग्य हो’ अथवा ‘जिस पर विश्वास किया जा सके’ उसे ‘विश्वसनीय’ कहते हैं।

250. ‘जो स्मरण करने योग्य है’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) संस्मरण
- (b) स्मरणीय
- (c) विस्मरणीय
- (d) स्मरारि

U.P. P.C.S. (Mains), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

251. ‘अविश्वसनीय’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य है—

- (a) जो परायों का हित चाहता हो
- (b) जो विश्वास करने योग्य न हो
- (c) जिस पर विश्वास किया गया हो
- (d) जिसका विश्वास किया जा सके

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

252. ‘जिस पर विश्वास किया गया’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) विश्वमित्र
- (b) विश्वसनीय
- (c) विश्वासघात
- (d) विश्वस्त

U.P. P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिस पर विश्वास किया जा सके’, वह ‘विश्वसनीय’ कहलाता है, जबकि ‘जिस पर विश्वास किया गया है’ वह ‘विश्वस्त’ कहलाता है।

253. ‘अवर्णनीय’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जो बात वर्णन से परे हो
- (b) जो वाणी द्वारा व्यक्त किया जा सके
- (c) जिसे वाणी व्यक्त न कर सके
- (d) जो वचन या वाणी द्वारा न कहा जा सके

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अवर्णनीय’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘जिसे वाणी व्यक्त न कर सके’ है, जबकि ‘जो बात वर्णन से परे हो’ उसे ‘वर्णनातीत’ कहते हैं। ‘वर्णनीय’ वह होता है, जिसे ‘वाणी द्वारा व्यक्त किया जा सके’, ‘जो वचन या वाणी द्वारा न कहा जा सके’, के लिए ‘अकथनीय’ शब्द का प्रयोग होता है।

254. ‘ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक जाए’, के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) खग्रास
- (b) चन्द्रग्रहण
- (c) पूर्णिमा
- (d) अमावस्या

U.P. P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक जाए’, के लिए उपयुक्त शब्द ‘खग्रास’ है। ‘जिस दिन पूर्ण चन्द्रमा दिखाई देता है’ उसे ‘पूर्णिमा’ तथा ‘जिस रात चन्द्रमा बिल्कुल दिखाई नहीं देता है’ उसे ‘अमावस्या’ कहते हैं। ‘चन्द्रग्रहण’, सूर्य और चन्द्रमा के बीच पृथ्वी के आ जाने से होता है।

255. ‘अवैध’ शब्द का एक वाक्य है—

- (a) ऐसा काम करना जिसमें कोई कानून टूटता हो
- (b) जो कानून के अनुसार मान्य है
- (c) जो विधि अथवा कानून के विरुद्ध हो
- (d) जो विधि की दृष्टि से उपयुक्त हो

U.P. P.C.S. (Mains), 1994, 2001

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जो विधि अथवा कानून के विरुद्ध हो’ उसे ‘अवैध’ कहते हैं। इसी प्रकार ‘जो कानून अथवा विधि के अनुसार मान्य है’, उसे ‘वैध’ तथा ‘ऐसा काम करना जिसमें कोई कानून टूटता हो’ उसे ‘विधिभंग’ एवं ‘जो विधि की दृष्टि से उपयुक्त हो’ उसे ‘विधि-सम्मत’ कहते हैं।

256. ‘ज्ञान-नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति’, के लिए कौन-सा विकल्प सही है?

- (a) ज्ञानचक्षु
- (b) त्रिकालदर्शी
- (c) दिव्यचक्षु
- (d) दृष्टिदोष

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ज्ञान-नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति’, के लिए ‘ज्ञानचक्षु’ शब्द सही है। ‘भूत, वर्तमान और भविष्य को देखने वाला’ के लिए ‘त्रिकालदर्शी’ तथा ‘आँखों द्वारा प्राप्त ज्ञान’, के लिए ‘चक्षुज्ञान’ शब्द सही है। ‘आँखों से सम्बन्धित बीमारी’ को ‘दृष्टिदोष’ कहते हैं।

257. ‘पंचामृत’ शब्द किस वाक्य के लिए उपयुक्त है?

- (a) पाँच ज्ञानेन्द्रियों का समूह
- (b) पाँच तत्वों का समूह
- (c) पाँच प्रकार के कोष का समूह
- (d) दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु मिश्रित वह पदार्थ, जो देवताओं/भगवान के स्नान हेतु बनाया जाता है

U.P. P.C.S. (Mains), 2001

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु मिश्रित पदार्थ, जो देवताओं/भगवान के स्नान हेतु बनाया जाता है’ उसे ‘पंचामृत’ कहा जाता है। ‘पाँच ज्ञानेन्द्रियों का समूह’, ‘पंचज्ञानेन्द्रिय’ तथा ‘पाँच तत्वों के समूह’ को ‘पंचतत्त्व’ कहा जाता है। ‘पाँच प्रकार के कोष का समूह’, ‘पंचकोष’ कहलाता है।

258. ‘दोपहर के बाद का समय’ के लिए एक शब्द है—

- (a) पूर्वाह्न
- (b) मध्याह्न
- (c) अपराह्न
- (d) गोधूलि

U.P. P.C.S. (Mains), 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘दोपहर के बाद का समय’, ‘अपराह्न’ तथा ‘दोपहर का समय’, ‘मध्याह्न’ कहलाता है। ‘पूर्वाह्न’, ‘दोपहर के पहले का समय’ तथा ‘गोधूलि’, ‘रात और संध्या के बीच का समय’ होता है।

259. ‘जो लिखना-पढ़ना जानता हो’ उसके लिए एक शब्द है—

- (a) साक्षर
- (b) सर्वज्ञ
- (c) विद्वान
- (d) निरक्षर

U.P. P.C.S. (Mains), 1995, 2000

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘साक्षर’ शब्द ‘जो लिखना-पढ़ना जानता हो’, के लिए प्रयोग किया जाता है, जबकि ‘निरक्षर’ शब्द ‘पढ़ना-लिखना न जानने वाले’ के लिए प्रयुक्त होता है। ‘सर्वज्ञ’ वह होता है ‘जो सब कुछ जानता हो’ तथा ‘विद्वान’ उसे कहते हैं, ‘जिसे किसी विषय का अच्छा ज्ञान हो’।

260. ‘जो व्यक्ति विदेश में रहता हो’, के लिए दिये गये विकल्पों में कौन-सा विकल्प सही है?

- (a) अन्तेवासी
- (b) प्रहरी
- (c) प्रवासी
- (d) प्रगल्भ

U.P. P.C.S. (Mains), 1993, 1998

B.P.S.C. (Mains), 1981

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जो व्यक्ति विदेश में रहता हो’, के लिए एक शब्द ‘प्रवासी’ है, जबकि ‘अन्तेवासी’, ‘गुरु के साथ या समीप रहने वाले छात्र’ के लिए प्रयुक्त होता है। ‘जो पहरा देने वाला हो’ उसे ‘प्रहरी’ तथा ‘चतुर’ व ‘होशियार’ को ‘प्रगल्भ’ कहते हैं।

261. ‘बहुत सी भाषाओं को जानने वाला’, के लिए एक शब्द है—

- (a) बहुभाषाविद्
- (b) बहुभाषाभाषी
- (c) दुभाषिया
- (d) बहुभाषिया

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बहुत सी भाषाओं को जानने वाला’, के लिए एक शब्द ‘बहुभाषाविद्’ है।

262. ‘जो एक से अधिक भाषाएँ जानता हो’, के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) दुभाषिया
- (b) बहुभाषाविद्
- (c) साक्षर
- (d) ज्ञानी

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

U.P. P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो एक से अधिक भाषाएँ जानता हो’, के लिए उपयुक्त शब्द ‘बहुभाषाविद्’ अथवा ‘भाषाविद्’ है। ‘दो पक्षों के मध्य भाषाओं को समझाने में भूमिका निभाने वाला’, ‘दुभाषिया’ तथा ‘जिसे ज्ञान हो’ उसे ‘ज्ञानी’ कहते हैं। ‘साक्षर’, ‘जो पढ़ना-लिखना जानता हो’, के लिए उपयुक्त शब्द है। ‘दो भाषाएँ बोलने वाला’, ‘द्विभाषी’ कहलाता है।

263. ‘दो भिन्न भाषा-भाषियों के बीच मध्यस्थता करने वाला’, के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) द्विभाषी
- (b) दुभाषिया
- (c) अनुवादक
- (d) बहुभाषी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

264. ‘दो भाषाएँ बोलने वाला’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) द्विज
- (b) द्विभाषी
- (c) दुभाषिया
- (d) ज्ञानी

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

265. 'जिसके समान दूसरा कोई न हो', के लिए एक शब्द होगा—

- (a) अनन्य (b) अतुलनीय
(c) असामान्य (d) असीम

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसके समान दूसरा कोई न हो' उसके लिए एक शब्द 'अनन्य' अथवा 'अनुपम' होगा। 'जिसकी तुलना न की जा सके', के लिए 'अतुलनीय', 'जो सामान्य न हो', के लिए 'असामान्य' तथा 'जो सीमा से परे हो', के लिए 'असीम' शब्द होगा।

266. 'जिसका कोई अर्थ न हो' वाक्य के लिए एक उपयुक्त शब्द है—

- (a) व्यर्थ (b) सार्थक
(c) अवैध (d) अव्यक्त

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'जिसका कोई अर्थ न हो' उसे 'व्यर्थ' अथवा 'अर्थहीन' कहते हैं। इसके लिए 'निरर्थक' शब्द भी हो सकता है। 'सार्थक' उस वाक्य के लिए प्रयोग किया जाता है 'जिसका अर्थ हो'। 'अवैध' उसे कहते हैं, 'जो विधि के विरुद्ध हो' तथा 'जिसे व्यक्त न किया जा सके', 'अव्यक्त' कहलाता है।

267. 'जो किये गये उपकार को मानता हो', के लिए एक शब्द लिखिए—

- (a) कृतघ्न (b) कृतज्ञ
(c) कृतकार्य (d) अज्ञ

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जो किये गये उपकार को मानता हो', के लिए एक शब्द 'कृतज्ञ' है। 'जो किये गये उपकार को नहीं मानता है' उसे 'कृतघ्न' कहते हैं तथा 'जिसका कार्य सिद्ध हो चुका हो' उसे 'कृतकार्य' कहते हैं। 'जो कुछ नहीं जानता हो' उसे 'अज्ञ' कहते हैं।

268. 'जो किये गये उपकारों को नहीं मानता' के लिए उपयुक्त एक शब्द है—

- (a) कृतज्ञ (b) परोपकारी
(c) कृतघ्न (d) उपकृत

U.P. P.C.S. (Mains), 1993

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

269. 'जो कृतज्ञ न हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) कृत (b) कृतघ्न
(c) कृपण (d) कृच्छ

U.P. P. C. S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

'जो कृतज्ञ न हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'कृतघ्न' है। 'कृतघ्न' का अर्थ उपकार न मानने वाला होता है। 'किया हुआ' के लिए एक शब्द 'कृत' है। 'कृपण' कंजूस को कहते हैं। 'कृच्छ' का अर्थ 'कष्टमय' होता है।

270. 'अच्छे कुल में जन्म लेने वाला' के लिए दिये गये शब्दों में कौन-सा शब्द सही है?

- (a) राजपुत्र (b) कुलीन
(c) द्विज (d) पूजनीय

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अच्छे कुल में जन्म लेने वाला' के लिए 'कुलीन' अथवा 'अभिजात' शब्द सही है, जबकि 'राजा का पुत्र', 'राजपुत्र' कहलाता है। 'जिसका जन्म दुबारा हो' उसे 'द्विज' तथा 'जिसकी पूजा की जा सके' वह 'पूजनीय' कहलाता है।

271. 'जो मृत्यु को जीत ले', के लिए दिये गये विकल्पों में कौन-सा विकल्प सही है?

- (a) मरणासन्न (b) विजयी
(c) मृत्युंजय (d) अमर

U.P. P.C.S. (Mains), 1995

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'जो मृत्यु को जीत ले', के लिए 'मृत्युंजय' शब्द सही है। इसी प्रकार 'अमर' शब्द उसके लिए प्रयुक्त होता है, 'जिसकी मृत्यु ही न हो'। 'मरणासन्न', 'जो मृत्यु के समीप हो', के लिए सही शब्द है। 'जिसकी जीत हुई हो', 'विजयी' कहलाता है।

272. 'अनुगृहीत' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जो अनुग्रह के योग्य हो
(b) जो अनुग्रह से युक्त हो
(c) जो जूठा न हो
(d) जो किये गये उपकार को न मानता हो

U.P. P.C.S. (Mains), 1994

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘अनुगृहीत’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘जो अनुग्रह से युक्त हो’ है। ‘जो अनुग्रह के योग्य हो’ उसे ‘अनुग्राह्य’ तथा ‘जो जूठा न हो’ उसे ‘अनुच्छिष्ट’ कहते हैं। ‘जो किये गये उपकार को न मानता हो’ उसे ‘कृतघ्न’ कहते हैं।

273. ‘अनिर्णीत’ के लिए एक वाक्य है—

- (a) जिसका निर्णय हो सकता है
- (b) जिसका निर्णय न हुआ हो
- (c) निर्णय के रूप में होने वाला
- (d) जिसका निर्देश न हो सके

U.P. P.C.S. (Mains), 1994

उत्तर—(b)

व्याख्या— ‘जिसका निर्णय न हुआ हो’ उसे ‘अनिर्णीत’ कहते हैं। ‘जिसका निर्णय हो चुका हो’ उसे ‘निर्णीत’ तथा ‘निर्णय के रूप में होने वाला’ को ‘निर्णयात्मक’ कहते हैं। ‘जिसका निर्देश न हो सके’, उसे ‘अनिर्देश्य’ कहते हैं।

274. ‘जिसका निवारण न हो सके’ के लिए एक शब्द है—

- (a) अविकल
- (b) अनिर्धार्य
- (c) अनिर्णीत
- (d) अनिवार्य

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जिसका निवारण न हो सके’ अर्थात् ‘जिसे करना आवश्यक हो’ उसके लिए एक शब्द ‘अनिवार्य’ है। ‘जिसका निर्णय न हो चुका हो’ उसे ‘अनिर्णीत’ कहते हैं। ‘अविकल’ ‘ज्यों का त्यों’ के लिए एक शब्द है।

275. ‘जो अवश्य होने वाला हो’ के लिए उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) निश्चित
- (b) अवश्य
- (c) अवश्यम्भावी
- (d) शाश्वत्

U.P. P.C.S. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अवश्यम्भावी’ शब्द ‘जो अवश्य होने वाला हो’ के लिए उपयुक्त होगा, जबकि ‘शाश्वत्’ शब्द ‘जो हमेशा रहने वाला हो’, के लिए उपयुक्त है।

276. ‘विद्वित’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य है—

- (a) जिस पर चिह्न न लगाया गया हो
- (b) जिसकी चिन्ता करना उचित हो
- (c) जो चिरकाल तक जीवित रहे
- (d) जिस पर चिह्न लगाया गया हो

U.P. P.C.S. (Mains), 1994

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘विद्वित’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य है ‘जिस पर चिह्न लगाया गया हो’, ‘जिसकी चिन्ता करना उचित हो’ उसे ‘चिन्तनीय’ तथा ‘जो चिरकाल तक जीवित रहे’ उसे ‘चिरंजीवी’ कहते हैं। ‘जिस पर चिह्न न लगाया गया हो’ उसे ‘अविद्वित’ कहते हैं।

277. ‘जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो’, के लिए उपयुक्त शब्द होगा—

- (a) सुलोचन
- (b) सुग्रीव
- (c) सुनयन
- (d) सुषुप्सा

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

U.P. P.C.S. (Mains), 1993

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सुग्रीव’ शब्द ‘जिसकी ग्रीवा (गर्दन) सुन्दर हो’ के लिए प्रयुक्त होता है। ‘जिसके लोचन सुन्दर हों’ उसे ‘सुलोचन’ तथा ‘जिसके नयन सुन्दर हों’ वह ‘सुनयन’ कहलाता है। ‘सुषुप्सा’ ‘सोने की इच्छा’ के लिए प्रयुक्त होगा।

278. ‘जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) पार्थिव
- (b) सुग्रीव
- (c) सुधीर
- (d) सुनील

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

279. ‘किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूँढ़ना’, के लिए एक शब्द है—

- (a) आलोचक
- (b) छिद्रान्वेषी
- (c) ईर्ष्यालु
- (d) अज्ञानी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूँढ़ना’, के लिए एक शब्द ‘छिद्रान्वेषी’ होगा, जबकि ‘किसी विषय या वस्तु पर आलोचना करने वाला’, ‘आलोचक’ तथा ‘किसी से ईर्ष्या रखने वाला’, ‘ईर्ष्यालु’ कहलाता है। ‘जो कुछ नहीं जानता’ उसे ‘अज्ञानी’ कहते हैं।

280. ‘सव्यसाची’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) सदा सत्य बोलने वाला
- (b) बाएं हाथ से कार्य करने वाला
- (c) जिसने बहुत कुछ सुना हो
- (d) अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सत्यसाची’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘बाएं हाथ से कार्य करने वाला’ है। ‘सदा सत्य बोलने वाला’ को ‘सत्यवादी’ तथा ‘जिसने बहुत कुछ सुना हो’ उसे ‘बहुश्रुता’ कहते हैं। ‘अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला’, ‘स्वेच्छाचारी’ कहलाता है।

281. ‘ऐसी कन्या जिसके विवाह का वचन दिया गया हो’ उसके लिए एक शब्द है—

- (a) नवोदा (b) प्रोषितपतिका
(c) वागदत्ता (d) आगतपतिका

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘ऐसी कन्या जिसके विवाह का वचन दिया गया हो’ उसे ‘वागदत्ता’ कहते हैं। ‘जिस कन्या का अभी-अभी विवाह हुआ हो’ उसे ‘नवोदा’ तथा ‘जिस स्त्री का पति विदेश गया हो’ उसे ‘प्रोषितपतिका’ कहते हैं। ‘जिस स्त्री का पति विदेश से आया हो’ उसे ‘आगतपतिका’ कहते हैं।

282. ‘जिसे वेतन न मिलता हो’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) भिखारी (b) वैतनिक
(c) अवैतनिक (d) आकाशवृत्ति

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998, 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसे वेतन न मिलता हो’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द ‘अवैतनिक’ है। ‘भिक्षा के सहारे जीविका चलाने वाला’, ‘भिखारी’ तथा ‘जो वेतन पर काम करता हो’ उसे ‘वैतनिक’ कहते हैं। ‘ईश्वर के सहारे अनिश्चित आय’ को ‘आकाशवृत्ति’ कहते हैं।

283. ‘जो किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर कार्यरत हो’ शब्द समूह के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) स्थानापन्न
(b) स्थानान्तरित
(c) एकाधिकार
(d) निरुपाय

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर कार्यरत हो’ उसके लिए ‘स्थानापन्न’ उपयुक्त शब्द है। ‘एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर किया हुआ’, ‘स्थानान्तरित’ तथा ‘जिस पर दूसरे का अधिकार न हो’ उसे ‘एकाधिकार’ कहते हैं। ‘जिसका कोई उपाय नहीं है’ उसे ‘निरुपाय’ कहते हैं।

284. ‘जो उस पद पर होने के कारण किसी कार्य में रत हो’ शब्द समूह के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) अधिकारी (b) पदेन
(c) पदाधिकारी (d) प्रतिष्ठित

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो उस पद पर रहने के कारण किसी कार्य में रत हो’ उसे ‘पदेन’ कहते हैं। ‘वह व्यक्ति जिसे कुछ पाने या करने का अधिकार हो’ उसे ‘अधिकारी’ तथा ‘वह जो किसी पद पर रहते हुए सब अधिकार प्राप्त करता है’ उसे ‘पदाधिकारी’ कहते हैं। ‘जिसकी प्रतिष्ठा हो’ उसे ‘प्रतिष्ठित’ कहते हैं।

285. ‘जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो’ उसके लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) अंशकालिक (b) अर्द्धकालिक
(c) पूर्णकालिक (d) समकालिक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो’ उसे ‘अंशकालिक’ कहते हैं। ‘जो आधी अवधि तक काम करता है’ उसे ‘अर्द्धकालिक’ तथा ‘जो पूरा समय कार्य करता है’ उसे ‘पूर्णकालिक’ कहते हैं। ‘जो उसी समय में हो’ उसे ‘समकालिक’ कहते हैं।

286. ‘जो आधी अवधि तक काम करता है’ दिये गये शब्द समूह के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) पूर्णकालिक (b) अंशकालिक
(c) अर्द्धकालिक (d) असामयिक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

287. ‘वह राजकीय धन जो किसानों की सहायतार्थ दिया जाता है’ उसके लिए उचित शब्द का चयन कीजिए—

- (a) ऋण (b) तकावी
(c) अनुबंध (d) अनुग्राह्य

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘वह राजकीय धन जो किसानों को सहायतार्थ दिया जाता है’, ‘तकावी’ कहलाता है। ‘उधार लिया हुआ धन’, ‘ऋण’, ‘किसी कार्य हेतु दो पक्षों में समझौता’, ‘अनुबंध’ कहलाता है। ‘जो अनुग्रह के योग्य हो’ इसे ‘अनुग्राह्य’ कहते हैं।

288. 'जिस भूमि में कुछ न पैदा होता हो' उसके लिए एक शब्द है—

- (a) उर्वरा (b) बंजर
(c) निर्जन (d) निर्जर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ऊसर' अथवा 'बंजर' के लिए एक वाक्य 'जिस भूमि में कुछ न पैदा होता हो' है। 'जिस भूमि में अन्न पैदा हो', 'उपजाऊ' या 'उर्वरा' तथा 'जहाँ आबादी न हो' उसके लिए 'निर्जन' शब्द प्रयोग होता है। 'जो वृद्ध न हो' उसे 'निर्जर' कहते हैं।

289. 'जहाँ आबादी न हो' वाक्य के लिए सही शब्द है—

- (a) निर्जन (b) रेगिस्तान
(c) ऊसर (d) उपत्यका

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

290. 'जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया प्रबन्ध काव्य' के लिए प्रयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

- (a) जीवनी (b) संस्मरण
(c) खण्डकाव्य (d) महाकाव्य

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया प्रबन्ध काव्य' के लिए प्रयुक्त शब्द 'खण्डकाव्य' है। 'किसी व्यक्ति के स्मरणीय घटनाओं का उल्लेख' को 'संस्मरण' तथा 'दूसरे के द्वारा लिखित जीवन-चरित्र' को 'जीवनी' कहते हैं। 'सम्पूर्ण जीवन के सर्गबद्ध काव्य' को 'महाकाव्य' कहते हैं।

291. 'वातानुकूलन' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जहाँ तापमान घटता-बढ़ता है
(b) जहाँ तापमान समान हो
(c) वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया गया हो
(d) वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी समान हो

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'वातानुकूलन' शब्द के लिए एक वाक्य 'वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया गया हो' है। 'जहाँ तापमान समान हो' उसे 'समताप' तथा 'जहाँ तापमान घटता-बढ़ता हो' उसे 'विषमताप' कहते हैं। 'वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी समान हो' उसे 'समशीतोष्ण' कहते हैं।

292. निम्न में कौन-सा शब्द 'जिसको छोड़ा नहीं जा सकता' वाक्य के लिए सही प्रतीत होता है?

- (a) अत्याज्य (b) त्याज्य
(c) अक्षम्य (d) अभियुक्त

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अत्याज्य' शब्द 'जिसको छोड़ा नहीं जा सकता' वाक्य का सही अर्थ व्यक्त करता है। 'जिसको छोड़ा जा सकता है', उसे 'त्याज्य', 'जिसको क्षमा न किया जा सके', 'अक्षम्य' तथा 'जिस पर अभियोग लगाया गया हो' वाक्य के लिए 'अभियुक्त' शब्द सही है।

293. 'श्रवणचक्षुक' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जिसके नयन सुन्दर हों
(b) जो आँखों से सुनता है
(c) जिसका मुख सुन्दर हो
(d) जिसे पुराण, उपनिषद् का अच्छा ज्ञान हो

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'श्रवणचक्षुक' शब्द के लिए एक वाक्य 'जो आँखों से सुनता है' है। 'जिसके नयन सुन्दर हों' वाक्य के लिए 'सुनयन' शब्द प्रयुक्त होगा। 'जिसका मुख सुन्दर हो' उसे 'सुमुख' तथा 'जिसे पुराण, उपनिषद् का अच्छा ज्ञान हो' उसे 'ज्ञानी' कहते हैं।

294. 'जो पेट के बल चलता हो' शब्द समूह के लिए सही शब्द है—

- (a) नभचर (b) उदरचर
(c) अगोचर (d) निरापद

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो पेट के बल चलता हो' शब्द समूह के लिए 'उदरचर' शब्द सही है। 'आकाश में विचरण करने वाला' 'नभचर', 'जो इन्द्रियों (गो) द्वारा न जाना जा सके', 'अगोचर', तथा 'जिससे किसी प्रकार की हानि न हो' के लिए 'निरापद' शब्द सही है।

295. 'जो छाती के बल गमन करता है' वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

- (a) भूचर (b) उरग
(c) उदरचर (d) अचल

U.P.P.C.S. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो छाती (उर) के बल गमन करता है’, उसे ‘उरग’ कहते हैं। ‘भूमि पर चलने वाला’, ‘भूचर’ तथा ‘उदर (पेट) के बल चलने वाला’, ‘उदरचर’ कहलाता है। जो स्थिर (चल न सके) हो उसे ‘अचल’ कहते हैं।

296. ‘जिसका किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा सके’ शब्द समूह के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) उल्लंघनीय (b) वायव्य
(c) अनुलंघनीय (d) महाप्राज्ञ

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसका किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा सके’ वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द ‘अनुलंघनीय’ है। ‘जिसका किसी भी तरह उल्लंघन किया जा सके’ उसे ‘उल्लंघनीय’ तथा ‘पश्चिम और उत्तर दिशाओं के मध्यस्थ कोण’ के लिए ‘वायव्य’ शब्द सही है। ‘जो बहुत बड़ा विद्वान हो’ उसे ‘महाप्राज्ञ’ कहते हैं।

297. ‘सौ वर्षों का समूह’ वाक्य के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

- (a) शताब्दी (b) दशक
(c) सहस्र (d) कोटि

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘सौ वर्षों का समूह’ वाक्य के लिए सही शब्द ‘शताब्दी’ है। ‘दस वर्षों का समूह’, ‘दशक’ तथा ‘हजार सम्बन्धी’ वाक्य के लिए ‘सहस्र’ शब्द सही है।

298. ‘वैष्णव’ शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) विष्णु का उपासक (b) शिव का उपासक
(c) सूर्य का उपासक (d) शक्ति का उपासक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘वैष्णव’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘विष्णु का उपासक’ है। ‘शिव का उपासक’, ‘शैव’ तथा ‘सूर्य का उपासक’, ‘सूर्योपासक’ कहलाता है। ‘शक्ति का उपासक’, ‘शाक्त’ कहलाता है।

299. ‘गोद लिया हुआ’ के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) स्वयंभू (b) दत्तक
(c) सहोदर (d) औरस

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘गोद लिया हुआ’ वाक्य हेतु सही शब्द ‘दत्तक’ है। ‘स्वयं से उत्पन्न होने वाले’ को ‘स्वयंभू’ तथा ‘एक ही उदर से उत्पन्न’, ‘सहोदर’ कहलाते हैं। ‘जो विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र हो’ उसे ‘औरस’ कहते हैं।

300. ‘जो स्त्री कविता रचती है’ वाक्य के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) कवि (b) कवयित्री
(c) आशुकवि (d) लेखिका

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो स्त्री कविता रचती है’ वाक्य के लिए सही शब्द ‘कवयित्री’ है। ‘जो पुरुष कविता रचता हो’ उसे ‘कवि’ तथा ‘जो कवि तत्काल कविता कर डालता हो’ उसे ‘आशुकवि’ कहते हैं। ‘जो स्त्री किसी विषय पर लिखती हो’ वह ‘लेखिका’ कहलाती है।

301. ‘पाण्डुलिपि’ किस वाक्य के लिए उचित है?

- (a) लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित सूचना
(b) जो इतिहास से सम्बन्धित है
(c) पुस्तक की हाथ से लिखी प्रति
(d) जो हाथ से लिखा गया हो

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पाण्डुलिपि’ शब्द के लिए एक वाक्य ‘पुस्तक की हाथ से लिखी प्रति’ है। ‘लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित सूचना’ को ‘विज्ञापन’ कहा जाता है। ‘जो इतिहास से सम्बन्धित है’ उसके लिए ‘ऐतिहासिक’ तथा ‘जो हाथ से लिखा गया हो’ उसे ‘हस्तलिखित’ कहते हैं।

302. ‘किशोरी’ शब्द के लिए उचित वाक्य है—

- (a) एक से दस वर्ष तक की लड़की
(b) बारह से सोलह वर्ष की आयु की लड़की
(c) नयी ब्याही वधू
(d) जिस लड़की की शादी नहीं हुई हो

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘किशोरी’ अथवा ‘बाला’, ‘बारह से सोलह वर्ष की आयु की लड़की’ को कहते हैं। नयी ब्याही वधू को ‘नववधू’ अथवा ‘नवोद्गा’ तथा ‘एक से दस वर्ष तक की लड़की’ को ‘कन्या’ कहते हैं। ‘जिस लड़की की शादी नहीं हुई हो’ उसे ‘कुमारी’ कहते हैं।

303. 'जो धरती फोड़कर जन्मता हो' वाक्य के लिए कौन-सा शब्द उपयुक्त है?

- (a) द्विज (b) उद्भिज
(c) स्वयंभू (d) भूधर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जो धरती फोड़कर जन्मता हो' वाक्य के लिए सही शब्द 'उद्भिज' है। 'दुबारा जन्म लेने वाला', 'द्विज' तथा 'स्वयं उत्पन्न होने वाला' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'स्वयंभू' है। 'भू' अर्थात् पृथ्वी को धारण करने वाला, 'भूधर' कहलाता है।

304. 'जो पराये का हित चाहता हो' वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) परोपकारी (b) महत्त्वाकांक्षी
(c) उपकारी (d) सुहृद

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो पराये का हित चाहता हो' वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द 'परोपकारी' है। 'जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों' वह 'महत्त्वाकांक्षी' तथा 'दूसरों का उपकार करने वाला', 'उपकारी' कहलाता है। 'सुन्दर हृदय वाला', वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द 'सुहृद' है।

305. 'आकाश को चूमने वाला' वाक्य के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) गगनचुम्बी (b) दूरदर्शी
(c) अनासक्त (d) अंतरिक्ष

U.P. Lower Sub. (Mains), 1998

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आकाश को चूमने वाला' वाक्य के लिए सही शब्द 'गगनचुम्बी' है। 'जो दूर की बात सोचे' उसे 'दूरदर्शी' तथा 'जो किसी वस्तु या विषय में आसक्त न हो' उसे 'अनासक्त' कहते हैं। 'धरती और आकाश के बीच का स्थान', 'अंतरिक्ष' कहलाता है।

306. 'जिसने उधार लिया हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) कृतज्ञ (b) ऋणी
(c) घूसखोर (d) उऋण

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(b)

व्याख्या—'जिसने उधार लिया हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'ऋणी' है। 'जो उपकार मानता हो' उसे 'कृतज्ञ' तथा 'जो घूस लेता हो' उसे 'घूसखोर' कहते हैं। 'जिसने ऋण चुका दिया हो' उसे 'उऋण' कहते हैं।

307. 'जो बदला न जा सके' के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अपरिवर्तनीय (b) प्राकृतिक
(c) प्रत्युक्त (d) आमूलचूल

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो बदला न जा सके' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'अपरिवर्तनीय' है। 'जो प्रकृति से संबद्ध है' उसे 'प्राकृतिक' तथा 'उत्तर द्वारा खण्डन करके कहा हुआ', 'प्रत्युक्त' कहलाता है। 'जड़ से लेकर चोटी तक' को 'आमूलचूल' कहते हैं।

308. 'जहाँ सेना रहती हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) अन्तःपुर (b) अन्तेवासी
(c) सैन्यावास (d) शयनागार

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जहाँ सेना रहती हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'सैन्यावास' अथवा 'छावनी' है। 'गुरु के साथ या समीप रहने वाला छात्र', 'अन्तेवासी' तथा 'महल के अन्दर का निवास' वाक्य के लिए 'अन्तःपुर' शब्द उपयुक्त है। 'सोने के स्थान या कमरा' को 'शयनागार' कहा जाता है।

309. 'नीतिज्ञ' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) नगर में रहने वाला
(b) मनन करने योग्य
(c) जिसका चित्त एक विषय में लगा हो
(d) जो नीतिवान हो

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(d)

व्याख्या—'नीतिज्ञ' शब्द के लिए एक वाक्य 'जो नीतिवान अथवा नीति का ज्ञाता हो' है। 'नगर में रहने वाला', 'नागरिक', 'मनन करने योग्य', 'मननीय' तथा 'जिसका चित्त एक विषय में लगा हो' के लिए 'एकाग्रचित्त' शब्द उपयुक्त है।

310. 'जो भवन गिर गया हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) कारावास (b) खेत
(c) खण्डहर (d) बंजर

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जो भवन गिर गया हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'खण्डहर' है। 'जिस स्थान पर कृषि कार्य होता है' उसे 'खेत' तथा 'जिस भूमि में कुछ न पैदा हो' उसे 'बंजर' कहते हैं। 'बंदियों के रहने का स्थान', 'बंदीगृह' अथवा 'कारावास' कहलाता है।

311. 'जिसमें उत्साह न हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) निरुत्साह
- (b) कूपमंडूक
- (c) किंकर्तव्यविमूढ़
- (d) कातर

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जिसमें उत्साह न हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द 'निरुत्साह' है। 'जिसे बाहरी जगत का ज्ञान न हो', 'कूपमंडूक' कहते हैं। 'जिसे यह न सूझे कि क्या करें, क्या न करें' उसे 'किंकर्तव्यविमूढ़' तथा 'जो भय से घबराया हो' उसे 'कातर' कहते हैं।

312. 'जिसे बाहरी जगत का ज्ञान न हो' के लिए कौन-सा शब्द सही है?

- (a) कूपमंडूक
- (b) अल्पज्ञ
- (c) अकिंचन
- (d) मंथर

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

313. 'खल्वाट' शब्द किस वाक्य के लिए उपयुक्त है?

- (a) वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले
- (b) पुत्री का पुत्र
- (c) शिला पर खुदा लेख
- (d) जिसके सिर पर बाल न हों

U.P. Lower Sub. (Mains), 1990

उत्तर—(d)

व्याख्या—'खल्वाट' शब्द 'जिसके सिर पर बाल न हों', के लिए उपयुक्त है। 'वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले' वह 'अध्यूढ़ा' तथा 'पुत्री का पुत्र', 'दौहित्र' कहलाता है। 'शिला पर खुदा लेख' के लिए 'शिलालेख' शब्द उपयुक्त है।

314. 'कष्ट सहकर होने वाला कार्य' के लिए सही शब्द है—

- (a) अभेद्य
- (b) दुष्कर
- (c) श्रमजीवी
- (d) दुर्गम

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(b)

व्याख्या—'कष्ट सहकर होने वाला कार्य' वाक्य के लिए सही शब्द 'दुष्कर' है। 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' उसे 'अभेद्य' तथा 'श्रम करके जीने वाला', 'श्रमजीवी' कहलाता है। 'जहाँ जाना कठिन हो' उसे 'दुर्गम' कहते हैं।

315. 'जिसका स्वर्गवास हो गया हो' के लिए एक शब्द है—

- (a) मृत्यु
- (b) मृत्युंजय
- (c) दिवंगत
- (d) मरणासन्न

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जिसका स्वर्गवास हो गया हो' उसके लिए 'दिवंगत' शब्द होता है। 'शरीर से प्राण निकलना', 'मृत्यु' तथा 'जिसने मृत्यु को जीत लिया हो' वह 'मृत्युंजय' कहलाता है। 'जो मृत्यु के समीप हो' उसके लिए 'मरणासन्न' शब्द उपयुक्त है।

316. 'नभचर' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) रात्रि में विचरण करने वाला
- (b) आकाश में विचरण करने वाला
- (c) छः पैरों वाला
- (d) बुरा आचरण करने वाला

U.P. Lower Sub. (Mains), 1975

उत्तर—(b)

व्याख्या—'नभचर' शब्द के लिए एक वाक्य 'आकाश में विचरण करने वाला' है। 'रात्रि में विचरण करने वाला', 'निशाचर' अथवा 'रात्रिचर' कहलाता है। 'छः पैरों वाला', 'षट्पद' तथा 'बुरा आचरण करने वाला', 'कदाचारी' अथवा 'दुराचारी' कहलाता है।

317. 'जो नभ में चलता है' के लिए शब्द है—

- (a) खेचर
- (b) खच्चर
- (c) नभोत्पन्न
- (d) नभवाली

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'जो नभ में चलता है' के लिए 'खेचर' अथवा 'नभचर' शब्द होता है। 'खच्चर' गधा के समरूप पशु होता है। 'नभ से उत्पन्न होने वाले को', 'नभोत्पन्न' कहते हैं।

318. 'जल में रहने वाला प्राणी' के लिए एक शब्द है—

- (a) जलज
- (b) जलनिधि
- (c) जलचर
- (d) जलधर

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जल में रहने वाले प्राणी' के लिए एक शब्द 'जलचर' है। 'जल से उत्पन्न होने वाला प्राणी', 'जलज' तथा 'जल को धारण करने वाला', 'जलधर' कहलाता है।

319. 'चतुर्भुज' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य है—

- (a) जिसकी चार भुजाएँ हों
- (b) जिसके चार आनन हैं
- (c) चार युगों का समूह
- (d) चार वर्णों का समूह

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'चतुर्भुज' शब्द के लिए 'जिसकी चार भुजाएँ हों' उपयुक्त वाक्य है। 'जिसके चार आनन हैं' उसे 'चतुरानन', 'चार युगों का समूह', 'चतुर्युग' तथा 'चार वर्णों का समूह', 'चतुर्वर्ण' कहलाता है।

320. 'दो बार जन्म लेने वाला' वाक्य के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) उद्भिज
- (b) स्वयंभू
- (c) द्विज
- (d) भूमिज

U.P.A.P.O. (Mains), 1996, 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'दो बार जन्म लेने वाला' वाक्य के लिए सही शब्द 'द्विज' है। 'जो धरती फोड़कर कर जन्मता हो' उसे 'उद्भिज' तथा 'स्वयं से उत्पन्न होने वाला', 'स्वयंभू' कहलाता है। 'भूमि से जन्म लेने वाला', 'भूमिज' कहलाता है।

321. 'बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत' है—

- (a) प्रभाती
- (b) विहाग
- (c) लोरी
- (d) सोहर

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत', 'लोरी' है। 'सोहर', 'बच्चों के जन्म पर गाया जाने वाला गीत' है।

322. 'भविष्य' शब्द के लिए उचित वाक्य है—

- (a) भविष्य में होने वाला
- (b) भूत, वर्तमान और भविष्य देखने वाला
- (c) जो पहले कभी नहीं सुना गया
- (d) भविष्य की बात बताने वाला

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'भविष्य' शब्द के लिए उचित वाक्य 'भविष्य में होने वाला' है। 'भूत, वर्तमान और भविष्य देखने वाला', 'त्रिकालदर्शी' तथा 'जो पहले कभी नहीं सुना गया' उसे 'अश्रुतपूर्व' कहते हैं। 'भविष्य की बात बताने वाला', 'भविष्यवक्ता' होता है।

323. 'भूत, वर्तमान और भविष्य को देखने वाला' वाक्य हेतु सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) भविष्यवक्ता
- (b) प्रियदर्शी
- (c) समदर्शी
- (d) त्रिकालदर्शी

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

324. 'जो पहले कभी नहीं सुना गया' वाक्यांश के लिए शब्द है—

- (a) अनुश्रुति
- (b) स्मृति
- (c) अनसुना
- (d) अश्रुतपूर्व

U.P.P.C.S. (Mains), 2014

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

325. 'विधुर' शब्द के लिए एक वाक्य है—

- (a) जिसकी पत्नी मर गयी हो
- (b) जिसकी पत्नी उसके साथ है
- (c) वह स्त्री जिसका पति परदेश से आ गया हो
- (d) वह पुरुष जिसकी पत्नी उसके साथ नहीं है

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—'विधुर' शब्द के लिए एक वाक्य 'जिसकी पत्नी मर गयी हो' है। 'जिसकी पत्नी उसके साथ है' उसे 'सपत्नीक' तथा 'वह पुरुष जिसकी पत्नी उसके साथ नहीं है', 'विपत्नीक' कहलाता है। 'वह स्त्री जिसका पति परदेश से आ गया हो' उसे 'आगतपतिका' कहते हैं।

326. मरणासन्न अवस्था वाला के लिए एक शब्द है—

- (a) मैमर्त्य
- (b) मुमूर्षु
- (c) मृतगामी
- (d) निर्विकारी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'मरणासन्न अवस्था वाला' या 'जो मरने के समीप हो' के लिए एक शब्द 'मुमूर्षु' है।

327. 'जो मरने को इच्छुक हो' शब्द समूह के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) मुमूर्षु
- (b) मुमुक्षु
- (c) मृत्युंजय
- (d) मरणासन्न

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो मरने को इच्छुक हो’ शब्द समूह के लिए सही शब्द ‘मुमुर्षु’ है। ‘जो मोक्ष का इच्छुक हो’ उसे ‘मुमुक्षु’ तथा ‘जिसने मृत्यु को जीत लिया हो’ उसे ‘मृत्युंजय’ कहते हैं। ‘जो मरने के समीप हो’ उसके लिए ‘मरणासन्न’ शब्द सही है।

328. ‘जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली हो’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) सदाचारी (b) महात्वाकांक्षी
(c) प्रतिष्ठित (d) प्रतिवाय

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली हो’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द ‘प्रतिष्ठित’ है। ‘अच्छे आचरण वाला’, ‘सदाचारी’ तथा ‘जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों’ उसे ‘महत्वाकांक्षी’ कहते हैं। ‘जो निवारण करने योग्य हो’ उसे ‘निवारणीय’ कहते हैं।

329. ‘अनुकरणीय’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य का चयन कीजिए—

- (a) जो अनुकरण करने योग्य हो
(b) पीछे चलने वाला
(c) जो अनुग्रह से युक्त हो
(d) जो उपयुक्त न हो

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अनुकरणीय’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य ‘जो अनुकरण करने योग्य हो’ है। ‘पीछे चलने वाला’, ‘अनुगामी’ तथा ‘जो अनुग्रह (कृपा) से युक्त हो’ उसके लिए ‘अनुगृहीत’ शब्द उपयुक्त है। ‘जो उपयुक्त न हो’ उसे ‘अनुपयुक्त’ कहते हैं।

330. ‘जिसका यश चारों ओर फैल गया हो’ उस वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) प्रतिष्ठित (b) यशस्वी
(c) पौरुषेय (d) महत्वाकांक्षी

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसका यश चारों ओर फैल गया हो’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द ‘यशस्वी’ है। ‘जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली हो’ वह ‘प्रतिष्ठित’ तथा ‘मनुष्य के पुरुषार्थ द्वारा रचा गया’, ‘पौरुषेय’ कहलाता है। ‘जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों’ उसके लिए उपयुक्त शब्द ‘महत्वाकांक्षी’ है।

331. ‘जो क्षमा पाने लायक है’ के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

- (a) क्षम्य (b) अक्षम्य
(c) दुर्धर्ष (d) सर्वमान्य

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो क्षमा पाने लायक है’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘क्षम्य’ है। ‘जो क्षमा पाने के योग्य नहीं है’ वह ‘अक्षम्य’ तथा ‘जिसे वश में करना कठिन हो’ उसे ‘दुर्धर्ष’ कहते हैं। ‘जो सबको मान्य है’ उसके लिए ‘सर्वमान्य’ शब्द उपयुक्त है।

332. ‘जिसके चार पद हैं’ के लिए उपयुक्त शब्द है—

- (a) चतुर्भुज (b) चतुष्पद
(c) चौराहा (d) चतुष्कोण

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसके चार पद हैं’ के लिए उपयुक्त शब्द ‘चतुष्पद’ अथवा ‘चौपाया’ है। ‘जिसकी चार भुजाएँ हों’ उसे ‘चतुर्भुज’ तथा ‘जिस स्थान से चार रास्ते निकलते हों’ के लिए ‘चौराहा’ शब्द उपयुक्त है। ‘जिसमें चार कोण हों’ उसे ‘चतुष्कोण’ कहते हैं।

333. ‘जिसकी तुलना न की जा सके’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) अनुपम (b) अद्वितीय
(c) अतुलनीय (d) अवन्दनीय

U.P.A.P.O. (Mains), 1982

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जिसकी तुलना न की जा सके’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द ‘अतुलनीय’ है। ‘जिसकी उपमा न हो’ उसे ‘अनुपम’ तथा ‘जिसके समान कोई दूसरा न हो’ उसे ‘अद्वितीय’ कहते हैं। ‘जो वन्दना के योग्य न हो’ उसे ‘अवन्दनीय’ कहते हैं।

334. ‘किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि’ के लिए उचित वाक्य है—

- (a) जन्मदिन (b) जन्मोत्सव
(c) पुण्यतिथि (d) वार्षिकोत्सव

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि’ के लिए ‘पुण्यतिथि’ शब्द प्रयुक्त होता है। ‘किसी के जन्म लेने का दिन’,

‘जन्मदिन’ तथा ‘किसी के जन्म के समय होने वाला उत्सव’, ‘जन्मोत्सव’ कहलाता है। ‘वर्ष में मनाया जाने वाला उत्सव’, ‘वार्षिकोत्सव’ कहलाता है।

335. ‘वह जिसका शोषण किया जाये’ उसके लिए उचित शब्द का चयन कीजिए—

- (a) शोषित (b) अंत्यज
(c) अनाक्रान्त (d) शोषक

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘वह जिसका शोषण किया जाये’ उसके लिए उचित शब्द ‘शोषित’ है। ‘निम्न जाति में जन्म लेने वाला’, ‘अंत्यज’ तथा ‘जिस पर हमला न किया गया हो’ उसे ‘अनाक्रान्त’ कहते हैं। ‘जो शोषण करता हो’ उसे ‘शोषक’ कहते हैं।

336. ‘जिसको भूमि के अन्दर की जानकारी हो’ के लिए सही शब्द का चयन कीजिए—

- (a) भूधर (b) भूगर्भवेत्ता
(c) पुराविद् (d) पार्थिव

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिसको भूमि के अन्दर की जानकारी हो’ के लिए सही शब्द ‘भूगर्भवेत्ता’ है। ‘जो भू (पृथ्वी) को धारण करे’ उसे ‘भूधर’ तथा ‘पृथ्वी से संबद्ध’, ‘पार्थिव’ होगा। ‘प्राचीन काल का ज्ञाता’ ‘पुराविद्’ कहलाता है।

337. ‘किसी कार्य के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द है—

- (a) अनुदान (b) तकावी
(c) दक्षिणा (d) ऋण

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘किसी कार्य के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता’ वाक्य हेतु उपयुक्त शब्द ‘अनुदान’ है। ‘किसानों की सहायता के लिए दिया जाने वाला धन’, ‘तकावी’ तथा ‘भेंट के रूप में नकद दिया जाने वाला धन’, ‘दक्षिणा’ कहलाता है। ‘जो धन उधार दिया जाता है’ उसे ‘ऋण’ कहते हैं।

338. दिए गये वाक्यों में कौन-सा वाक्य ‘निर्भय’ शब्द के लिये उपयुक्त है?

- (a) जो किसी से न डरे
(b) जिसे किसी का भय न हो

- (c) जो पुरुष कायर या कुत्सित है
(d) जिसमें उत्साह न हो

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘निर्भय’ शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य ‘जिसे किसी का भय न हो’ है। ‘जो किसी से न डरे’, ‘निडर’ तथा ‘जो पुरुष कायर या कुत्सित है’ उसके लिए उपयुक्त शब्द ‘कापुरुष’ है। ‘जिसे उत्साह न हो’ उसे ‘निरुत्साह’ कहते हैं।

339. ‘जो दान पर चलता हो’ के लिए दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द सही है?

- (a) दानवृत्ति (b) अकिंचन
(c) अनुदान (d) आकाशवृत्ति

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘जो दान पर चलता हो’ के लिए सही शब्द ‘दानवृत्ति’ है। ‘जिसके पास कुछ न हो’ के लिए ‘अकिंचन’ तथा ‘किसी कार्य के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता’ के लिए ‘अनुदान’ शब्द सही है। ‘ईश्वर के सहारे अनिश्चित आय वाले’ को ‘आकाशवृत्ति’ कहते हैं।

340. दिये गये शब्दों में से कौन-सा शब्द ‘जो अवैध संतान हो’ वाक्य के लिए उपयुक्त है?

- (a) कुलीन (b) जारज
(c) दत्तक (d) अंत्यज

Uttarakhand P. C.S. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जो अवैध संतान हो’ उसके लिए उपयुक्त शब्द ‘जारज’ है। ‘गोद लिया हुआ पुत्र’, ‘दत्तक’, ‘जो ऊँचे कुल में उत्पन्न हुआ हो’ उसे ‘कुलीन’ तथा ‘जिसका जन्म शूद्र वर्ण में हुआ हो’ उसे ‘अंत्यज’ कहते हैं।

341. ‘बहुत तेज चलने वाला’ के लिए एक शब्द है—

- (a) पश्चगामी (b) द्रुतगामी
(c) शीघ्रगामी (d) अनुगामी

B. P. S.C. (Mains), 1981

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘बहुत तेज चलने वाला’ शब्द समूह के लिए ‘द्रुतगामी’ शब्द सही है। पीछे की ओर चलने वाला ‘पश्चगामी’ तथा ‘शीघ्र चलने वाला’, ‘शीघ्रगामी’ होता है। ‘पीछे-पीछे चलने वाला’, ‘अनुगामी’ कहलाता है।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

शब्द समूहों के लिए एक शब्द की व्यापकता बहुत अधिक है। यद्यपि हमने पूर्व परीक्षाओं का हल देकर उसे काफी हद तक समेटने का प्रयास किया है, फिर भी सावधानी के तौर पर निम्नलिखित अध्ययन सामग्री को भी समाहित किया है।

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• बिना हल जोते उगने वाली फसल	अकृष्टपच्या	• जो विधि या कानून के विरुद्ध हो	अवैध/गैर-कानूनी
• वह भूमि जो पहले न जोती गई हो	अकृष्टपूर्वा	• जो भला-बुरा न समझता हो/सोच-समझकर	
• जो कुछ न कहे/जो कहा न जा सके	अकथ्य	काम न करता हो	अविवेकी
• जो घबराने वाला न हो	अकातर	• जो शोक करने योग्य नहीं हो	अशोच्य
• जो जोता-बोया न गया हो	अकृष्ट/अकृषित	• जिसकी चिंता नहीं हो सकती/	
• वह सेना जिसमें बहुत से हाथी, घोड़े, रथ और पैदल सिपाही हों	अक्षौहिणी	जिसका चिंतन न किया जा सके	अचिंतनीय/अचिंत्य
• जो तर्क से सिद्ध न हो	अतर्क्य	• जिसका उत्तर नहीं दिया गया हो	अनुत्तरित
• अत्यंत सूक्ष्म या छोटा होने की शक्ति प्राप्त होना	अणिमा	• वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले	अध्युक्ता
• जैनों का सूर्यास्त से पहले होने वाला भोजन	अथरु	• जिसे बुलाया न गया हो	अनाहूत
• पश्चिम दिशा जहाँ सूर्य अस्त होता है	अधमना	• परम्परा से चली आई हुई बात या कथा	अनुश्रुति
• वह जिसने किसी से ऋण लिया हो	अधमर्ण	• एक-एक अक्षर तक	अक्षरशः
• वह वस्तु जिस पर अधिकार जताया जाय	अध्यर्थ	• जिस पर अभियोग लगाया गया हो	अभियुक्त
• जिसकी कीमत कम हो	अनर्थ	• जिसके अंदर अर्थ भरा हो	अर्थगर्भित
• जो वश में न हुआ हो	अनायत	• जिसकी गिनती न हो सके	अनगिनत
• ऐसी प्रशंसा जिससे निंदा का भाव निकले	अपस्तुति	• जो शुद्ध न हो	अशुद्ध
• जिसे मारना उचित न हो/जिसे कोई मार न सके	अबध्य	• जिसे पढ़ा न जा सके	अपठ्य
• वह बात या भाव जिसे प्रकट करने की इच्छा हो	अभिप्रेत	• जो प्रमाण द्वारा सिद्ध न हो सके	अप्रमेय
• निष्फल न होने वाला	अमोघ	• जिस जमीन में उत्पन्न करने की शक्ति नहीं है	अनुर्वरा/ऊसर/बंजर
• किसी के गुण को भी अवगुण समझना	असूया	• गुरु के निकट रहने वाला विद्यार्थी	अन्तेवासी
• सबसे आगे रहने वाला	अग्रणी	• जो कम खाता हो	अल्पाहारी
• जिसको न जीता जा सके	अजेय	• जिसकी तुलना न की जा सके	अतुलनीय
• जिसके बारे में कोई निश्चय न हो	अनिश्चित	• जिसकी दाढ़ी-मूँछ नहीं निकली हो	अजातस्मश्र
• जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके/जो कभी च्युत न हुआ हो	अच्युत	• मृतक की अन्तिम क्रिया	अजातश्मश्रु
• जो अपनी बात से टले नहीं	अटल	• जो परीक्षा में उत्तीर्ण न हो	अनुत्तीर्ण
• जिसका निवारण न किया जा सके/जिसे करना आवश्यक हो	अनिवार्य	• जिसकी संख्या सीमित न हो	असंख्य
• जो अनुग्रह (कृपा) से युक्त हो	अनुगृहीत	• जो नष्ट न हो सके	अनश्वर
• पीछे-पीछे चलने वाला	अनुगामी	• जिसके पास घर न हो	अनिकेत
• जो सबके मन की बात जानता हो	अंतर्दामी	• जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हों	अपर्ण/अपत
• जो कुछ नहीं जानता हो	अज्ञ/अज्ञानी	• अल्प वेतन पाने वाला	अल्पवेतनभोगी
• जो धन को व्यर्थ खर्च करता हो	अपव्ययी	• जहाँ जाया न जा सके	अगम्य
• जो किसी पर अभियोग लगाए	अभियोगी	• अग्र (आगे) की बात सोचने वाला	अग्रसोची
• जो कम जानता हो	अल्पज्ञ	• अध्ययन प्राप्त कराने वाला	अध्यापक
		• जिसका दूसरा उपाय नहीं है	अनन्योपाय
		• जिसका अनुभव किया गया है	अनुभूत

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• जिसका ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा न हो/ जो इन्द्रियों (गो) द्वारा न जाना जा सके	अगोचर/अतीन्द्रिय	• जो पुरुष अभिनय करता है	अभिनेता
• जिसकी आशा न की जाय	अप्रत्याशित	• जो स्त्री सूर्य को भी न देख सके	असूर्यपश्या/असूर्यम्पश्या
• जिसकी उपमा न हो	अनुपम	• जो जन्म नहीं लेता है	अज/अजन्मा
• जिसकी कल्पना न की जा सके	अकल्पनीय/कल्पनातीत	• जो जन्म नहीं लेती	अजा
• जिस हँसी से अट्टालिका तक हिल सके	अट्टहास	• जो नहीं हो सकता है	असम्भव
• जिसकी सीमा न हो	असीम	• जो कार्य अवश्य होने वाला है	अवश्यम्भावी
• कभी नहीं मरने वाला	अमर	• जो चलता नहीं	अचल
• दोपहर के बाद का समय	अपराह्न	• जो अल्प बोलता है	अल्पभाषी
• बिना पलक गिराये या बिना पलक झपके	अनिमेष/अपलक/एकटक	• जो मापा न जा सके	अपरिमित/अपरिमित
• जिसके माता-पिता नहीं हैं	अनाथ	• जो अण्डा से जन्म लेता है	अण्डज
• वह यंत्र जो छोटी चीज को बड़ा दिखाता है	अणुदीक्षण	• जो खाने योग्य नहीं हो	अखाद्य
• कई व्यक्तियों में एक	अन्यतम	• जो नहीं आता हो	अनागत
• काल से पहले आने वाली मृत्यु	अकालमृत्यु	• जो अल्प जानता है	अल्पज्ञ
• कहीं आसक्त न रहने वाला	अनासक्त	• जो भक्षण करने योग्य न हो	अभक्ष्य
• ज्यों का त्यों	अविकल	• जो पहले कभी नहीं हुआ	अभूतपूर्व
• जिस कल्पित पर्वत के पीछे सूर्य अस्त होता है	अस्ताचल	• जो पहले कभी नहीं सुना गया	अश्रुतपूर्व
• जिसके समान दूसरा नहीं है	अद्वितीय	• जो पहले कभी नहीं देखा गया	अदृष्टपूर्व
• जिसके पास कुछ भी नहीं हो	अकिंचन	• जो देखा नहीं जा सकता है	अदृश्य
• जिसके कुल का पता न हो	अज्ञातकुल	• बड़ा-चढ़ाकर कही गयी बात/उक्ति	अतिशयोक्ति/अत्युक्ति
• जिसके आने की तिथि मालूम न हो	अतिथि	• जो इस लोक में सम्भव नहीं है	अलौकिक
• जिसमें शक्ति नहीं है	अशक्त	• जो अनुकरण करने योग्य है	अनुकरणीय
• जिसमें सामर्थ्य नहीं है	असमर्थ	• जो सबसे आगे गिनाने योग्य हो	अग्रगण्य
• जिसका जन्म पहले हुआ हो	अग्रज	• जिसके पार न देखा जा सके	अपारदर्शी
• जिसका जन्म पीछे हुआ हो	अनुज	• जो ईश्वर में विश्वास करता है	आस्तिक
• जिसका मन कहीं और हो	अनमना/अन्यमनस्क	• जहाजों को रात्रि में मार्ग दिखाने वाला प्रकाश स्तंभ	आकाशदीप
• जिसका शत्रु जन्मा तक न हो	अजातशत्रु	• जिसे शास्त्र का ज्ञान न हो	आगमरहित
• जिसे कभी भेदा न जा सके	अभेद्य	• वह जिसकी अब कामनाएँ पूर्ण हो चुकी हों	आप्तकाम
• अत्यधिक वर्षा होना	अतिवृष्टि	• छिपाने या ढंकने का कार्य	आवेष्टन
• वर्षा का न होना	अनावृष्टि	• वह जो किसी के बंधन का कारण हो	आश्रव
• आत्मा और परमात्मा का द्वैत-भाव न मानने वाला	अद्वैतवादी	• जो आया हो	आगत
• जिसके समान दूसरा नहीं है अथवा जिसका जोड़ नहीं है	अनन्य	• जो अपनी हत्या करता है	आत्महन्ता/आत्मघाती
• जो साधा न जा सके या ठीक न किया जा सके	असाध्य	• जो अपना है	आत्मीय
• जो वचन के द्वारा प्रकट करने योग्य न हो	अनिर्वचनीय	• अग्नि से उत्पन्न, अग्नि-सा या अग्नि से सम्बद्ध	आग्नेय
• जो समय के अनुकूल न हो	असामयिक	• अपने ऊपर निर्भर रहने वाला	आत्मनिर्भर
• जिसके समान कोई दूसरा भक्त न हो	अनन्यभक्त	• जीवन भर	आजीवन
• जो बिना वेतन के काम करता है	अवैतनिक	• तत्काल कविता रचने वाला	आशुकवि
• जो स्त्री अभिनय करती है	अभिनेत्री	• जिसकी बाँहें जानु (घुटने) तक पहुँचती हों	आजानुबाहु
		• आलोचना करने वाला	आलोचक
		• वह स्त्री जिसका पति परदेश से आ गया हो	आगतपतिका

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• सेतुबंध से हिमालय पर्वत तक	आसेतुहिमालय	• जिसका मन उदार हो	उदारमना
• बालक से वृद्ध तक सभी	आबालवृद्ध	• जिसकी उपमा दी जा सके	उपमेय
• आशा से अतीत	आशातीत	• जिससे उपमा दी जाय	उपमान
• देवता को दिखाया जाने वाला दीपक	आरती	• जो उद्धार करता है	उद्धारक
• जो किसी के निमंत्रण पर आया हो	आमंत्रित	• जिसका चित्त एक विषय में लगा हो	एकाग्रचित्त
• पाद से मस्तक तक	आपादमस्तक	• जो दिन में एक बार भोजन करता है	एकाहारी
• ऋषि का कहा हुआ वचन	आर्षवचन	• जिस पर दूसरे का अधिकार न हो	एकाधिकार
• वह जिस पर हमला किया गया हो	आक्रान्त	• जो इच्छा के अधीन है	ऐच्छिक/इच्छाधीन
• आदि से अन्त तक	आद्योपान्त	• जो इतिहास से सम्बन्ध रखता है	ऐतिहासिक
• आदि और अन्त	आद्यन्त	• सुन्दर जाँघों वाली/हाथी की सूँड़ के समान जाँघ वाली	करभोरु
• जो मृत्यु के समीप हो	आसन्नमृत्यु/मरणासन्न	• पूर्वजन्म में किए हुए कर्मों का फल	कर्मविपाक
• धरती और स्वर्ग (आकाश) के बीच का स्थान	अंतरिक्ष	• जो कहने योग्य है	कथ्य/कथनीय
• महल के अन्दर का निवास	अन्तःपुर	• कर्म में बाधा डालने वाला	कर्मोपघात
• जिसका जन्म निम्न जाति में हुआ हो	अंत्यज	• जो कहा गया है	कथित
• जो अंग से उत्पन्न हो	अंगज	• जो कर्तव्य से च्युत हो गया है	कर्तव्यच्युत
• हाथ जोड़कर प्रणाम की मुद्रा	अंजलिबद्ध	• जो पुरुष कविता लिखता है	कवि
• एक कथा या निबन्ध के बीच आने वाली कहानी	अन्तःकथा	• जो कला जानता है	कलाविद्/कलाकार
• दो घटनाओं या कालों के बीच	अन्तःकालीन	• जो स्त्री कविता लिखती है	कवयित्री
• अपने आप मन में होने वाली प्रेरणा	अन्तःप्रेरणा	• जो कष्ट सहन कर सके	कष्टसहिष्णु
• अन्त या नाश करने वाला	अन्तक	• जो कानों को सुनने में कटु लगे	कर्णकटु
• पृथ्वी का वह भाग जो दूर तक समुद्र में चला गया हो	अंतरीप	• जो कल्पना से परे (अतीत) हो	कल्पनातीत
• जो किसी संपत्ति आदि में अंश का हकदार हो	अंशभाजन	• जहाँ मुर्दे गाड़े जाते हैं	कब्रगाह/समाधिभूमि
• ताजिया रखने की जगह	इमामबाड़ा	• कष्ट से साध्य होने वाला	कष्टसाध्य
• कोई काम करने के लिए मन में होने वाला विचार या उद्देश्य	ईप्सा	• कुछ समय के लिए नियुक्त अधिकारी	कार्यवाहक
• पूरब और उत्तर के बीच की दिशा	ईशान	• जिस स्त्री के एक ही संतान होकर फिर कोई संतान न हुई हो	काकबंध्या
• किसी के खाने से बचा हुआ (जूठा)	उच्छिष्ट	• जो पुरुष कायर या कुत्सित है	कापुरुष
• ऋण देने वाला व्यक्ति	उत्तमर्ण	• किसी वस्तु को देखने की बलवती इच्छा	कौतूहल
• पर्वत के पास की भूमि/पर्वत के नीचे तलहटी की भूमि	उपत्यका	• कुश के अग्र के समान तीक्ष्ण बुद्धि वाला	कुशाग्रबुद्धि
• वह सामग्री जिससे कोई पदार्थ बने	उपादान	• कुर-कुर शब्द करता हुआ चलने वाला	कुरंग
• जिसने ऋण चुका दिया हो	उत्तुण	• केवल पेट भरने वाला	कुक्षिभर
• जो धरती फोड़कर जन्मता है	उद्भिज	• धन देने वाला देवता या व्यक्ति	कुबेर/धनद
• जिसमें खूब उपज होती हो	उर्वर/उपजाऊ	• कुन्ती का पुत्र	कौंतेय
• जिस कल्पित पर्वत से सूर्य का उदय होता है	उदयाचल	• जो बात पूर्वकाल से लोगों में कह-सुनकर प्रचलित हो	किंवदंती/जनश्रुति
• दूसरों का उपकार करने वाला	उपकारी	• क्रम के अनुसार	क्रमानुसार
• जिसकी उपासना की जाती है	उपास्य	• जो यह समझ नहीं पाये कि क्या करे, क्या न करे	किंकर्तव्यविमूढ़
• जो उपासना करता है	उपासक	• जिसे खरीद/मोल लिया गया हो	क्रीत
• उर (छाती) के बल चलने वाला	उरग		
• जो ऊपर कहा गया हो	उपर्युक्त		
• जिस जमीन में उत्पन्न करने की शक्ति है	उर्वरा		

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• जिसे बाहरी जगत का ज्ञान न हो	कूपमंडूक	• जहाँ अनेक प्रकार के पशु-पक्षी रखे जाते हैं	चिड़ियाघर/चिड़ियाखाना
• जिसका जन्म उच्च-कुल में हुआ हो/ जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो	कुलीन/अभिजात	• चार वेदों को जानने वाला	चतुर्वेदी
• जो किये हुए उपकार को मानता है	कृतज्ञ	• जिसके चार पद हैं	चतुष्पद
• जो किये हुए उपकार को नहीं मानता है	कृतघ्न	• जिसके पाणि में चक्र हो	चक्रपाणि
• जिसका कार्य सिद्ध हो चुका हो	कृतकार्य	• चक्र को धारण करने वाला	चक्रधारी
• कार्य सम्पन्न होने पर जो अत्यंत प्रसन्न हो	कृतकृत्य	• गद्य-पद्य मिश्रित काव्य	चम्पू
• जो सब शास्त्र पढ़ चुका हो	कृतागम	• जो दूसरों में केवल दोषों को ही खोजता है	छिद्रान्वेषी
• करने योग्य व न करने योग्य कर्म	कृत्याकृत्य	• जिसका जन्म जल में हुआ हो	जलज (कमल)
• कौंटों से भरा हुआ	कंटकाकीर्ण	• जो जन्म से ही अंधा है	जन्मांध
• जिसके सिर पर बाल न उगे	खत्वाट	• इन्द्रियों को जीतने वाला	जितेन्द्रिय
• जिसके घरबार न हो	खानाबदोश/बेघरबार	• जठर (पेट) की अग्नि	जठराग्नि
• जो हमेशा खड्ग हाथ में लिये रहता है	खड्गहस्त	• जान से मारने की इच्छा	जिघांसा
• जो खाने योग्य हो	खाद्य	• जीतने की इच्छा	जिगीर्षा
• खेलने वाला	खिलाड़ी	• जानने की इच्छा	जिज्ञासा
• जो नभ में चलता है	खेचर/नभचर	• जो जल में चलने-फिरने वाला हो	जलचर
• गांडीव को धारण करने वाला	गांडीवधारी	• जो जीना चाहता है	जिजीविषु
• जो इन्द्रियों के ज्ञान से परे हो	गोतीय/इन्द्रियातीत	• जो जरायु (गर्भ की थैली) से जन्म लेता है	जरायुज
• गृह बसाकर रहने वाला	गृहस्थ	• जो जानना चाहता है	जिज्ञासु
• हाथी के समान मंद गति से चलने वाली स्त्री	गजगामिनी	• जो यान जल में चलता है	जलयान
• गगन को चूमने वाला	गगनचुंबी	• जिंदा रहने/जीने की इच्छा	जिजीविषा
• गंगा का पुत्र	गांगेय	• जिसके पास अपार धन-संपत्ति हो	टकैत
• रात और संध्या के बीच की बेला	गोधुलि	• वह साधना जिसके द्वारा तत्त्व ज्ञान प्राप्त हो	तत्त्वबोधिनी
• ग्राम में रहने वाला अथवा ग्राम से सम्बद्ध	ग्रामीण	• जिसका तेज नष्ट हो गया हो	तेजोहत/श्रीहत
• वह काव्य-ग्रंथ जिसमें गाने योग्य गीत हों	गीतिकाव्य	• वेगपूर्वक गमन करने वाला	तुरंग
• वह रूपक जिसमें गद्य कम और पद्य अधिक हों	गीतिरूपक	• तुलना करने योग्य	तुलनीय
• जिसके अंग-प्रत्यंग गल गये हों	गलितांग	• तैरने की इच्छा	तितीर्षा
• पंजाबी भाषा की लिपि	गुरुमुखी	• जो तर्कशास्त्र जानता हो	तार्किक/तर्कशास्त्री
• जो गाने योग्य हो	गेय	• वह पुत्र जो शास्त्र या विधि द्वारा अपनाया गया हो	दत्तक
• गुरु की हत्या करने वाला मनुष्य	गुरुघ्न	• जिसने अपने प्राण उत्सर्ग किए हों	दत्तप्राण
• स्वयं गुरु बनकर दूसरों से अपनी पूजा कराना	गुरुडम	• जिसे अभय दान या सहारा दिया गया हो	दत्तहस्त
• बादल के समान श्याम	घनश्याम	• जिसे पकड़ना कठिन हो	दुर्द्धर
• घास खोदकर जीवन-निर्वाह करने वाला	घसियारा	• पहले या एक बार कही हुई बात फिर से कहना	द्विरुक्ति
• जिसके सिर पर चन्द्र-कला हो/ जिसके सिर पर चन्द्रमा हो	चन्द्रचूड़/चन्द्रशेखर	• जिसे कठिनाई से जाना जा सके	दुर्ज्ञेय
• जिस पर चिह्न लगाया गया हो	चिह्नित	• जो देने योग्य है	देय
• जो चर्चा का विषय हो	चर्चित	• हिन्दी की लिपि	देवनागरी
• जिसकी चार भुजाएँ हों	चतुर्भुज	• दाव (जंगल) की अग्नि	दावाग्नि
• करने की इच्छा	चिकीर्षा	• जो कठिनाई से समझ में आता है/ जो शीघ्र समझ में न आये	दुर्बोध
• चार राहों के मिलने का स्थान	चौराहा		

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• वह मार्ग जो चलने में कठिनाई पैदा करता है/जहाँ पहुँचना कठिन हो	दुर्गम	• जो धर्माचरण करता है	धर्मात्मा
• दोनों पक्षों की भाषा समझने वाला	दुभाषिया	• दौड़ने वाला	धावक
• दीक्षा (शिक्षा) की समाप्ति पर दिया जाने वाला उपदेश	दीक्षांत भाषण	• धनुष धारण करने वाला	धनुर्धर
• पुत्री का पुत्र	दौहित्र	• किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु	धरोहर/थाती/अमानत
• पुत्री की पुत्री	दौहित्री	• जो धीरज धारण करता है	धीर/धैर्यवान
• दिन के बाद दिन	दिनानुदिन	• श्रेष्ठ गुणों से सम्पन्न शूरवीर नायक	धीरोदात्त
• दो पदों (पैरों) वाला	द्विपद	• शूरवीर किन्तु अभिमानी नायक	धीरोद्धत
• जिस स्त्री का भाग्य खराब हो	दुर्भगा	• ध्यान देने योग्य	ध्यातव्य
• जिसका जन्म द्वीप में हुआ हो	द्वैपायन	• ऋण न चुकाने वाला	नादिहंद
• देखने की इच्छा	दिदृक्षा	• जिसके शरीर पर आघात न हो	नासेतुद
• देने की इच्छा	दित्सा	• जो बड़ों का आदर करना न जानता हो	निरीस
• दूर तक देखने वाला	दूरदर्शी	• जिसका कोई उद्देश्य न हो	निरुद्देश्य
• दो वेदों को जानने वाला	द्विवेदी	• जिसके हाथ में कोई उद्यम या काम न हो	निरुद्यम
• जो दमन योग्य हो	दमनीय	• जिसके मन में मत्सर या ईर्ष्या न हो	निर्मत्सर
• जिसको लौंघना कठिन हो	दुर्लघ्य	• जिसके अवयव न हो	निरवयव
• जो देखने वाला है	दर्शक	• जिस काम के लिए धन न दिया जाय	निश्शुल्क
• जो केवल दूध पीता हो	दुग्धाहारी	• जिसके संतान न हो	निस्संतान
• जिसे कठिनाई से भेदा जा सके	दुर्भेद्य	• जिसको कोई इच्छा (स्पृहा) न हो	निस्पृह
• जिसका दमन कठिन हो	दुर्दम्य	• अर्द्धरात्रि का समय	निशीथ
• जिस समय मुश्किल से भिक्षा मिलती है	दुर्भिक्ष	• रंगमंच पर पर्दे के पीछे का स्थान	नेपथ्य
• जिसने किसी विषय में चित्त लगा दिया है	दत्तचित्त	• आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लेने वाला	नैष्ठिक
• जिसके दस आनन हों	दशानन (रावण)	• जिसका उदय हाल में हुआ हो	नवोदित
• जो कठिनाई से पचता है	दुष्पाच्य	• जिसकी कोई अवधि निश्चित न हो	निरावधि
• जो बड़े कष्ट से निवारित किया जा सके	दुर्निवार	• जिसमें हानि या अनर्थ का डर न हो	निरापद
• जो द्वार की रक्षा करता है	द्वारपाल	• जिसमें जीव अर्थात् जीवन न हो	निर्जीव
• जिसे वश में करना कठिन है	दुर्धर्ष	• जहाँ एक भी मनुष्य न हो	निर्जन
• जो विलम्ब से काम करे	दीर्घसूत्री	• नयी ब्याही वधू/जिस स्त्री का विवाह अभी हुआ हो	नववधू/नवोद्वा
• जो आसानी से उपलब्ध न हो/जो कठिनाई से मिलता हो	दुर्लभ	• जिसका उत्साह नष्ट हो गया हो	निरुत्साह
• तेज चलने वाला	द्रुतगामी	• जो नीति का विशेष ज्ञाता हो	नीतिज्ञ
• वह यंत्र जिससे दूर की चीज पास नजर आये	दूरबीन	• जिसका कहीं आश्रय नहीं हो	निराश्रय
• बुरा आचरण करने वाला	दुराचारी/कदाचारी	• जिसको लज्जा नहीं हो	निरलज्ज
• जिसके चित्त में दृढ़ निश्चय हो	दृढ़निश्चयी	• जिसका कंठ नीला हो	नीलकंठ
• दशरथ का पुत्र	दाशरथि	• जिसका कोई सहायक न हो	निस्सहाय
• जो कठिनाई से साधा जा सके	दुस्साध्य	• जिसने कुछ खाया-पीया न हो	निराहार
• दो बार जन्म लेने वाला	द्विज	• जो इन्द्रियरहित हो	निरिन्द्रिय
• जो देखने योग्य है	दृष्टव्य/दर्शनीय	• जिसमें कोई विवाद न हो	निर्विवाद
• अनुचित बात के लिए आग्रह	दुराग्रह	• जिसकी कोई कामना न हो	निष्काम
• अपने धर्म से गिरा हुआ	धर्मच्युत	• नगर में रहने वाला	नागरिक
		• जो बिना किसी विरोध के चुना गया हो	निर्विरोध

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• जिसका कोई उपाय नहीं है	निरुपाय	• जो पीना चाहता है	पिपासु
• जिसका मूल नहीं है	निर्मूल	• जो पराये का हित चाहता है	परार्थी/परमार्थी
• जो मांस नहीं खाता है	निरामिष	• जो उक्ति पुनः-पुनः कही जाय	पुनरुक्ति
• जो बहुत बड़ा नहीं है	नातिदीर्घ	• जिसकी बाहुएँ लंबी हों	प्रलंबबाहु/दीर्घबाहु
• जो तुरन्त जन्मा हो	नवजात	• जो पिंड से जन्म लेता है	पिंडज
• जो बहुत छोटा नहीं है	नातिलघु	• जो पीने योग्य हो	पेय
• जो नया आया हुआ हो	नवागत/नवागतुक	• पर्यटन करने वाला	पर्यटक
• जो पढ़ना-लिखना नहीं जानता है	निरक्षर	• विज्ञान के परीक्षणों के लिए सामग्रीयुक्त स्थान	प्रयोगशाला
• जो न्याय जानता है	नैयायिक/न्यायविद्	• प्रजा द्वारा चलाया गया राज्य	प्रजातंत्र
• जो ईश्वर में विश्वास नहीं रखता है	नास्तिक	• प्रकृष्ट (बड़ा कॉलेज या विश्वविद्यालय) अध्यापक	प्राध्यापक
• नीली है आभा जिसकी	नीलाभ	• जो पृथ्वी से सम्बद्ध हो	पार्थिव
• जिसका अर्थ न हो	निरर्थक	• विदेश में प्रवास करने या रहने वाला	प्रवासी
• जो नृत्य करता है	नर्तक	• पिता की हत्या करने वाला	पितृघाती/पितृहंता
• जो नष्ट होने वाला है	नश्वर	• पर्वत की पुत्री	पार्वती
• जो आकाश में विचरण करता हो	नभचर/खेचर/खग	• वह स्त्री जिसका पति परदेश गया हो	प्रोषितपतिका
• नदी से सींचा जाने वाला प्रदेश	नदीमातृक	• वह स्त्री जिसे पति ने त्याग दिया है	परित्यक्ता
• निद्रा पर विजय पाने वाला	निद्राजयी	• प्राण देने वाला/देने वाली	प्राणद/प्राणदा
• जो तीनों गुणों (सत्य, रज और तम) से परे हो	निर्गुण/त्रिगुणातीत	• आँखों के सामने	प्रत्यक्ष
• जिस स्थान पर अभिनेता अपना श्रृंगार करते हैं	नेपथ्य	• आँखों से परे	अप्रत्यक्ष/परोक्ष
• जिसके हृदय में दया नहीं है	निर्दय	• जिसमें प्रतिभा है	प्रतिभावान
• जिसमें तेज नहीं है	निस्तेज	• पूजा करने वाला	पुजारी/पूजक
• जिसमें मल न हो	निर्मल	• जो अभियोग का विरोध करता है	प्रतिवादी
• जिसमें पाप नहीं हो	निष्पाप	• जो लौट गया हो	प्रत्यागत
• पापों में डूबा हुआ	पापनिमज्जित	• जो पूछने योग्य है	प्रष्टव्य
• जिसका बदला दिया जा चुका हो	प्रतिकृत	• जो कथन पुस्तक के आरम्भ में लिखा जाता है	प्राक्कथन/भूमिका
• किसी को कोई काम करने के लिए उत्तेजित या विवश करना	प्रतोद	• जो पांचाल देश की रहने वाली है	पांचाली
• मनुष्य की साधारण (प्रकृत रूप से) मृत्यु	प्रमीति	• जिसके पार देखा जा सके	पारदर्शी
• जो प्रमाणित किया जाने का हो/जो मापा जा सके	प्रमेय/परिमेय	• वह ध्वनि जो कहीं से टकराकर आए	प्रतिध्वनि
• किसी काम या बात के होने के संबंध में पहले से की जाने वाली आशा या अनुमान	प्रवेक्षा	• पिता एवं प्रपिताओं से सम्बन्धित	पैतृक
• पति को चुनने की इच्छावाली कन्या	पतिम्बरा	• मार्ग में खाने के लिए भोजन	पाथेय
• उपाय/मार्ग बताने वाला	पथ-प्रदर्शक/मार्गदर्शक	• जो पहनने लायक हो	परिधेय
• परपुरुष से प्रेम करने वाली	परकीया	• मनुष्य के पुरुषार्थ द्वारा रचा गया	पौरुषेय
• जो दूसरे का श्री-सौभाग्य देखकर दुःखी होता है	परश्रीकातर	• जो गिरा हुआ है	पतित
• जो इतिहास के पहले का है	प्रागैतिहासिक	• जो परदा में रहे	परदानशीन
• जो स्त्री प्रिय बोलती है	प्रियंवदा	• जो दूसरों के अधीन है	पराधीन
• जो किसी के बदले में बोलता या कुछ करता है	प्रतिनिधि	• जो प्रकृति से सम्बद्ध है	प्राकृतिक
		• शिष्य का शिष्य	प्रशिष्य
		• दोपहर के पहले का समय	पूर्वाह्न
		• बहुत दिन पहले ब्याही स्त्री	प्रौढ़ा

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• जो व्यक्ति विदेश में रहता हो	प्रवासी	• जिसका मन महान हो	महामना
• पत्र को ले जाने वाला	पत्रवाहक	• जो मुकदमा लड़ता रहता है	मुकदमेबाज
• वह जिसमें तुरन्त सोचने की शक्ति है	प्रत्युत्पन्नमति	• जो हाथ से मुक्त है	मुक्तहस्त
• जिसकी नाभि में पद्म (कमल) हो	पद्मनाभ	• जो नपा-तुला व्यय करता हो	मितव्ययी
• जहाँ अनेक प्रकार की वस्तुएँ दर्शनार्थ रखी जाती हैं	प्रदर्शनी	• जो मरना चाहता है	मुमूर्षा
• समाचार-पत्र का काम करने वाला	पत्रकार	• मरणासन्न अवस्था वाला	मुमूर्षु
• जो रानी, राजा के साथ राजसिंहासन पर बैठने का अधिकार रखती है	पटरानी	• जो मधुर बोलता है	मधुरभाषी
• जो पहरा देता है	प्रहरी	• जो मित (कम) बोलता है	मितभाषी
• दूसरों का भला करने वाला	परोपकारी/परहितकारी	• जो मोक्ष चाहता है	मुमुक्षु
• पाँवों से पीने वाला	पादप	• जो मरण की ओर उन्मुख है	मरणोन्मुख
• जो केवल फल खाता हो	फलाहारी	• भविष्य में होने वाला	भावी
• जिसमें अधिक फेन अर्थात् झाग हो	फेनिल	• जो भू को धारण करता हो	भूधर
• जिसका मूल्य बहुत अधिक हो	बहुमूल्य	• भुजा के बल चलने वाला	भुजंग
• बहुत बढ़-चढ़कर बोलने वाला	बड़बोला	• किसी भग्न (टूटे) पदार्थ या भवन का अवशेष	भग्नावशेष
• जिसकी कामना बीत गयी हो	बीतकाम	• भारत से सम्बन्धित या भारत का निवासी	भारतीय
• बड़वा (सागर) का अनल (अग्नि)	बड़वानल	• जो भू (पृथ्वी) पर चलने वाला हो	भूचर
• भोजन करने की इच्छा	बुभुक्षा	• जो होकर रहेगा या होने वाला है	भावी/होनी
• जिसने बहुत-कुछ देखा हो	बहुदर्शी	• जो पहले हुआ था	भूतपूर्व
• जिसने बहुत-कुछ सुना हो	बहुश्रुता	• जो भू-गर्भ की बात जानता हो	भूगर्भवेत्ता/भूगर्भशास्त्री
• जिस स्त्री के कोई संतान न हो	बौझ/बंघ्या/निस्संतान	• यात्रा करने वाला	यात्री
• जो बहुत जानता है	बहुज्ञ	• शक्ति के अनुसार	यथाशक्ति
• जो बहुत सी भाषा जानता है	बहुभाषाविद्	• जहाँ तक सध सके	यथासाध्य
• जिसे घमंड के कारण भले-बुरे का ज्ञान न हो	मदोन्मत्त	• जब तक जीवन है तब तक	यावज्जीवन
• जिसकी मृत्यु महामारी द्वारा हुई	मारीमृत	• जो किसी भी उपाय से सम्भव हो	येन केन प्रकारेण
• बादलों से घिरा या ढका हुआ	मेघावृत	• जो याचना करता है	याचक
• मद्य या शराब पीने वाला	मद्यप/शराबी	• जो युद्ध करने की इच्छा रखता है	युयुत्सु
• मन, वचन और कर्म से	मनसा वाचा कर्मणा	• जो एक जगह से दूसरी जगह आता-जाता है	यायावर/घुमक्कड़
• विवाहित स्त्री का पितृ घर	मायका/पीहर	• जो यश से युक्त है	यशस्वी
• मर्म को भेदने वाला	मर्मभेदी	• जो युग का निर्माण करता है	युगनिर्माता
• दोपहर का सूर्य	मार्तण्ड	• जो युद्ध में स्थिर रहता है	युधिष्ठिर
• जो मन को हर लेता है	मनोहर	• यश वाला	यशस्वी
• जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों	महत्वाकांक्षी	• युग बदलने वाला	युगान्तकारी
• जिसके शरीर में अधिक मांस हो	मांसल	• रक्त से सना हुआ	रक्तरंजित
• मेघ की तरह नाद (गर्जन) करने वाला	मेघनाद	• जो राजनीति जानता है	राजनीतिज्ञ
• मनन करने योग्य	मननीय	• खाली करने वाला	रेचक
• मन की वृत्ति	मनोवृत्ति	• जो रंग का मंच है	रंगमंच
• माता की हत्या करने वाला	मातृघाती/मातृहंता	• जो रथ पर सवार है	रथी
• मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा	मुमुक्षा	• जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएँ	रोमांचक/लोमहर्षक
• मरने की इच्छा	मुमूर्षा	• वह दंड जिससे राज चलाया जाता है	राजदंड

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	एक शब्द
• बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत	लोरी	• जो बिल्कुल बहरा है	वज्रवधिर
• चंचल आँखों वाली स्त्री	लोलाक्षिका	• जो बहुत और व्यर्थ बोलता है	वाचाल
• पाने की इच्छा	लिप्सा	• जो विश्व का हित चाहता है	विश्वहितैषी
• जिसका उदर लम्बा है	लम्बोदर (गणेश)	• जो व्याकरण जानता है	वैयाकरण/व्याकरणज्ञ
• जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की है	लब्धप्रतिष्ठ	• जो विज्ञान जानता है	वैज्ञानिक
• जो पुरुष लोहे जैसा मजबूत है	लौहपुरुष	• जो वेद जानता है	वेदज्ञ/वैदिक
• जो वर्णन के अतीत अर्थात् परे है	वर्णनातीत	• जो यान वायु में चलता है	वायुयान
• किसी विषय में कही हुई कोई बात	वक्तव्य	• जो विकल्प में हो अर्थात् जिसका कोई विकल्प हो	वैकल्पिक
• आशा देकर निराश करने वाला	वागारू	• जो विषय विचार में आ सकता है	विचारगम्य
• जिसे दूसरे को देने का वचन दिया जा चुका हो	वाग्दत्त	• जिसके पाणि में वीणा हो	वीणापाणि
• किसी ग्रंथ की टीका या व्याख्या	वार्तिक	• जो कोई सामान ले जाता है	वाहक
• व्यर्थ का विवाद या कहा-सुनी	वितण्डा	• किसी कार्य में लीन	व्यापृत
• जिसमें कुछ तथ्य न हों	वितथ	• जो शास्त्र जानता है	शास्त्रज्ञ
• जिसका तन या शरीर बहुत छोटा हो	वितनु	• सत्य के लिए बलिदान होने वाला	शहीद
• नष्ट किए जाने या होने के योग्य	विनश्य	• जिसके हाथ में शूल है	शूलपाणि (शिव)
• जिसे वृत्तिका मिलती हो	वृत्तिकाग्राही	• शिव का उपासक	शैव
• जिससे कोई मतलब न निकले	वृथा	• शयन (सोने) का आगार (कमरा)	शयनागार
• वह धन जो किसी को कोई काम करने के बदले दिया जाता है	वेतन	• शाक का आहार करने वाला	शाकाहारी
• जो विनाश की ओर जा रहा हो	विनाशोन्मुख	• वह स्थान जहाँ मुर्दे जलाये जाते हैं	श्मशान
• विधि द्वारा प्रदत्त	विधिप्रदत्त	• जो शिक्षा प्रदान करता है	शिक्षक
• ऐसा काम करना जिससे कोई कानून भंग होता हो	विधिभंग	• जो शिक्षा प्राप्त करता है	शिक्षार्थी
• विधि की दृष्टि से उपयुक्त	विधिसंगत	• जो हमेशा रहने वाला है	शाश्वत
• विधि जिसका अनुमोदन करती हो	विधि सम्मत	• जो शत्रु की हत्या करता है	शत्रुघ्न
• बोलने/कहने की इच्छा	विवक्षा	• शिला पर खुदा लेख	शिलालेख
• प्रतिकूल पक्ष का	विपक्षी	• छः पदों (पैरों) वाला	षट्पद
• वह पुरुष जिसकी पत्नी उसके साथ नहीं है	विपत्नीक	• हाथ की सफाई	हस्तलाघव
• विष्णु का भक्त या विष्णु से सम्बद्ध	वैष्णव	• हित चाहने वाला	हितैषी
• जिसका विश्वास किया जा सके	विश्वसनीय	• हमेशा हरा-भरा रहने वाला	सदाबहार
• जिस पर विश्वास किया गया हो	विश्वस्त	• जो साँप को पकड़ता है और उसका खेल दिखाता है	सँपेरा
• जिस स्त्री का पति मर गया हो	विधवा	• जो सबको बराबर देखता है	समदर्शी
• बोलने वाला	वक्ता	• जिसमें जीव अर्थात् जीवन हो	सजीव
• जिस पुरुष की पत्नी मर चुकी हो	विधुर	• एक साथ उत्पन्न होने वाले	संभूत
• जो किसी पर अभियोग लगाता है	वादी	• जो अपने ही अवलंब पर रहता है	स्वावलंबी
• जो पूरे विश्व का बंधु हो	विश्वबंधु	• जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदला गया हो	स्थानान्तरित
• जो विषयों में आसक्त है	विषयासक्त	• जो स्वेद (पसीना) से जन्मता है	स्वेदज
• विक्रय करने वाला	विक्रेता	• जो सर्वसाधारण जन के लिए हो	सार्वजनिक
• जिसके पाणि (हाथ) में वज्र हो	वज्रपाणि (इन्द्र)	• जो आसानी से उपलब्ध हो जाये	सुलभ
• जो विद्या प्राप्त करता है	विद्यार्थी	• जो सब कुछ जानता है	सर्वज्ञ
• जो वचन से परे हो	वचनातीत		

वाक्य खण्ड	एक शब्द	वाक्य खण्ड	शब्द
• बच्चों के जन्म पर गाया जाने वाला गीत	सोहर	• जो सब कुछ भक्षण करने वाला है	सर्वभक्षी
• सिंह का शावक (बच्चा)	सिंहशावक	• जो पढ़ना-लिखना जानता हो	साक्षर
• सुन्दर हृदय वाला	सुहृद	• जो देखने में प्रिय लगता है	सुदर्शन/प्रियदर्शी
• जहाँ लोगों का मिलन हो	सम्मेलन	• जो देखने में प्रिय लगती है	सुदर्शना/प्रियदर्शिनी
• जिस पर कुछ शक हो	संदेहास्पद/शंकाजनक	• जो सर्वत्र व्याप्त है	सर्वव्यापक
• मालिक का आज्ञाकारी	स्वामिभक्त	• जो हो सकता है	सम्भव
• सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो	सत्याग्रही	• जो सब कुछ सह लेता है	सर्वसहिष्णु
• अच्छे आचरण वाला	सदाचारी	• जो स्वयं उत्पन्न हुआ हो	स्वयंभू
• जिस स्त्री का भाग्य अच्छा हो	सुभगा	• जो केवल स्वयं का हित चाहता है / अपना मंतव्य	स्वार्थी
• जिसके अन्दर सार बात हो	सारगर्भित	साधने वाला	साधु
• किसी काम में दूसरों से आगे बढ़ जाने की इच्छा	स्पन्दार्थ	• जो बायें हाथ से हथियार चलाने में दक्ष हो	सव्यसाची
• साहित्य-रचना या साहित्य-सेवा से सम्बद्ध	साहित्यिक	• जो दूसरे के स्थान पर अस्थायी रूप	स्थानापन्न
• सखाभाव मिश्रित अनुराग	सख्यानुराग	से काम पर आया हो	सत्याग्रह
• संगीत जानने वाला	संगीतज्ञ	• जो आग्रह सत्य के साथ किया जाये	स्मरणीय
• जो आसानी से पच जाये	सुपाच्य	• जो स्मरण रखने योग्य है	सुग्रीव
• संदेश या समाचार ले जाने वाला	संदेशवाहक	• जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो	स्त्रैण
• जो सुधार करे	सुधारक	• जो स्त्री के वशीभूत या स्त्री जैसे स्वभाव का है	सदाशिव
• वह स्त्री जिसका पति जीवित है	सधवा	• जो सदा शुभदायक रहता है	सदावर्त
• समान वय अर्थात् उम्र वाला	समवयस्क	• जहाँ खाना सदैव मुफ्त में दिया जाता है	सुदर्शनधारी
• एक ही समय में वर्तमान	समसामयिक	• सुदर्शन को धारण करने वाला	शूर्पणखा
• जो अपने परिवार के साथ है	सपरिवार	• जिसके नख सूप के समान हों	स्थूलकाय
• अपनी इच्छा से स्वयं दूसरों की सेवा करने वाला	स्वयंसेवक	• जो शरीर से स्थूल है	हितैषणा
• वह पुरुष जिसकी पत्नी उसके साथ है	सपत्नीक	• दूसरों के हित की इच्छा	हतबंधु
• सरस्वती का भक्त या सरस्वती से सम्बद्ध	सारस्वत	• जिसका भाई छीन लिया गया हो	हृदयविदारक
• सोने की इच्छा	सुषुप्ता	• हृदय का विदारण करने वाला दृश्य	हत्यारा
• जो न बहुत ठंडा है और न बहुत गर्म	समशीतोष्ण	• जो दूसरे की हत्या करता है	श्रव्यकाव्य
• जहाँ अनेक नदियों का मिलन हो	संगम	• वह काव्य जो केवल सुना जा सके	श्रवणीय/श्रोतव्य
• एक ही उदर से जन्म लेने वाला	सहोदर	• जो सुनने योग्य है	श्रुतिमधुर
• जिसका प्रयोजन सिद्ध हो चुका है	सफल प्रयोजन	• जो कानों को सुनने में मधुर लगे	श्रमजीवी
• जिसका मनोरथ सफल हो चुका है	सफल मनोरथ	• श्रम करके जीने वाला	क्षीणकाय
• जिसे सरलता से पढ़ा जा सके	सुपाठ्य	• जो शरीर से दुर्बल है	क्षुधातुर
• जिसके लोचन सुन्दर हों	सुलोचन	• क्षुधा/भूख से आतुर	क्षणभंगुर
• जो मांस खाता है	सामिष	• क्षण भर में ही भंग होने वाला	त्रिपथगा
• जो नाटक का सूत्रपात करता है	सूत्रधार	• तीन पथों में जाने वाली	त्रिविधवायु
• जो दया के साथ है	सदय/दयालु	• शीतल, मंद और सुगंधित वायु	त्रिकालदर्शी
• जो स्मृति को मानता हो	स्मार्त	• तीन कालों को देखने वाला	त्रिवेदी
• जो सहने का शील रखता है	सहनशील	• तीनों वेदों को जानने वाला	ज्ञानद/ज्ञानदा
• जो सबको मान्य हो	सर्वमान्य	• ज्ञान देने वाला/द देने वाली	ज्ञातव्य
• जो सर्वशक्ति सम्पन्न है	सर्वशक्तिमान	• जो जानने योग्य है	
• जो सब में व्याप्त है	सर्वव्याप्त/सर्वव्यापी		

हमारे Telegram Channel को Join करें



यहाँ आपको मिलेगा -

-  Daily Current Affairs
-  All Subject PDF
-  Motivational Post

CLICK HERE



COME ON
JOIN US

4. तत्सम एवं तद्भव शब्द

● मार्गदर्शिका

मनुष्य एक व्यवस्थित भाषा के द्वारा विचार विनिमय करता है। मनुष्य की भाषा का निर्माण शब्दों से होता है। ध्वनियों के मेल से बने सार्थक वर्ण समूह को 'शब्द' कहते हैं। सामान्यतः शब्द दो प्रकार के होते हैं—**सार्थक** और **निरर्थक**। उत्पत्ति की दृष्टि से शब्दों को चार भागों में बाँटा गया है— (1) **तत्सम**, (2) **तद्भव**, (3) **देशज** एवं (4) **विदेशी**।

हिन्दी में प्रयुक्त अधिकांश शब्दों की जननी संस्कृत भाषा ही है। इनमें कुछ शब्द तदनु रूप अपनी गरिमा हिन्दी भाषा में अद्यतन बनाये हुए हैं, जो तत्सम के नाम से जाने जाते हैं, किन्तु कतिपय शब्दों में प्रयोग के स्तर पर कुछ परिवर्तन समय के प्रवाह के साथ देखने को मिलते हैं। फिर भी उनके रूप को देखकर यह सहज ही आभास हो जाता है कि वे संस्कृत के किस शब्द से प्रस्फुटित हुए हैं। संस्कृत से हिन्दी भाषा में आए जो शब्द परिवर्तित हुए, उन्हें 'तद्भव' कहा जाता है। तद्भव शब्द तत् + भव से बना है, जिसका आशय विकसित या उससे उत्पन्न है अर्थात् ऐसे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न एवं विकसित हुए हैं, तद्भव शब्द हैं। दूसरी ओर, तत्सम शब्द तत् + सम से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है उसके समान। आशय यह कि जो शब्द संस्कृत भाषा से हिन्दी में आए और यथावत् प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

तद्भव, तत्सम शब्दों के प्रयोग के विषय में पहला उल्लेख आचार्य दंडी ने अपने काव्यादर्श लक्षण ग्रन्थ में किया है। वे कहते हैं—

संस्कृत नाम दैवीनाम अन्वाख्याता महर्षिभिः।

तद्भवस्तत्समो देशीत्यनेकः प्राकृतक्रमः॥

अर्थात् संस्कृत भाषा देवों की भाषा है। इस भाषा के शब्द प्रयोगों का व्याख्यान प्राचीन महर्षियों (यास्क, पाणिनि, पतंजलि आदि) ने किया है। संस्कृत के अतिरिक्त जिन भाषाओं का व्यवहार होता है, वे प्राकृत हैं। इन प्राकृत भाषाओं में कुछ ऐसी हैं, जिनके शब्द संस्कृत भाषा से उत्पन्न हैं और उसके बिगड़े रूप लगते हैं, ऐसी भाषा को या उनके शब्दों को तद्भव कहते हैं। दूसरी प्राकृत ऐसी है जिसके रूप, वाक्य-प्रयोग और शब्द संस्कृत से बिल्कुल मिलते हुए और उसके समान होते हैं, ऐसी प्राकृत भाषा तत्सम प्राकृत है, उसके शब्द संस्कृत भाषा के शब्दों से समानता रखने के कारण तत्सम कहे जाते हैं। जिनके शब्द संस्कृत, प्राकृत से

बिल्कुल भिन्न हो गये हैं, विकृत होने से रूप बहुत परिवर्तित हो गया है, वे देशी शब्द और देशी भाषाएँ हैं।

आज तत्सम और तद्भव प्राकृत भाषाओं का लोप हो गया है। देशी प्राकृत भाषाओं की परम्परा में हमारी हिन्दी भाषा है। हिन्दी भाषा का जन्म संस्कृत तथा उससे उत्पन्न होकर बोली जाने वाली तत्सम और तद्भव प्राकृतों से ही हुआ है। अतः हिन्दी के शब्दों, उसके वाक्य-विन्यास, कारकों, प्रत्यय और क्रियाओं का मूल समग्र रूप से संस्कृत भाषा में विद्यमान है। संस्कृत भाषा से परिवर्तित होकर, बिगड़े रूपों से नया जन्म और स्थिर स्थायी स्वरूप प्राप्त कर हिन्दी के क्रिया-शब्द और संज्ञा शब्द व्यवहार में आये हैं तथा आज राष्ट्रभाषा के रूप में सामान्य हिन्दी भाषा का जो उज्ज्वल रूप प्रतिष्ठित है, उसकी शब्द-राशि में संस्कृत के मूल शब्द भी हैं, इन शब्दों को तत्सम कहा जाता है और उनसे उत्पन्न बिगड़े स्वरूप में व्यवहृत होने वाले शब्द भी हैं, इनकी संख्या तथा अनुपात भी अधिक है, इन शब्दों को तद्भव कहते हैं।

तद्भव शब्दों में 'श' एवं 'ष' के स्थान पर प्रायः 'स' ही होता है। बीच के स्वर का लोप, व्यंजन का द्वित्व, उच्चारण की सुविधा की दृष्टि से अन्तिम स्वर का दीर्घ होना, संयुक्त वर्ण के स्थान पर एक वर्ण का हो जाना आदि विपर्यय इनमें पाये जाते हैं।

● पूर्वावलोकन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में तद्भव-तत्सम से सदैव प्रश्न पूछे जाते रहे हैं। कभी-कभी पूर्व परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों की पुनरावृत्ति भी होती है। इस दृष्टि से पूर्व परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों का प्रामाणिक हल प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्ष 2012 से उ.प्र. लोक सेवा आयोग की पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा में सी-सैट लागू होने के उपरान्त पाठ्यक्रम में इस भाग को भी समाहित किया गया है। इसके अतिरिक्त समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा में वर्ष 2010 से पाठ्यक्रम को परिवर्तित करके इसे मुख्य स्थान प्रदान किया गया है। यद्यपि उ.प्र. पी.सी.एस. (मुख्य) परीक्षा में इसे स्थान प्रदान नहीं किया गया है तथापि अवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा में इसका महत्वपूर्ण योगदान था। इसी के साथ उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न परीक्षाओं में भी इसे शामिल किया गया। इसी महत्ता को देखते हुए समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की वस्तुनिष्ठ परीक्षा (प्रा. एवं मुख्य) में इसे विशेष स्थान प्रदान किया गया है।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. तत्सम-तद्भव शब्दों का कौन-सा युग्म असंगत है?

- (a) पत्र – पर्ण (b) चक्र – चक्का
(c) छत्र – छत (d) चैत्र – चैत

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(a)

‘पत्र’ और ‘पर्ण’ दोनों तत्सम शब्द हैं, जिसका तद्भव ‘पत्ता’ होता है। ‘चक्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘चाक’ या ‘चक्का’ होता है। ‘छत्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘छत’ या ‘छाता’ होता है। ‘चैत्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘चैत’ होता है।

2. आदर्शिका का तद्भव शब्द है-

- (a) अदरक (b) आदर्श
(c) आँच (d) आरसी

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(d)

आदर्शिका का तद्भव शब्द ‘आरसी’ है। ‘अदरक’ का तत्सम ‘आर्द्रक’ तथा ‘आँच’ का तत्सम शब्द ‘आर्चि’ है।

3. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है-

- (a) दूध (b) हाथ
(c) आम (d) काष्ठ

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(d)

‘काष्ठ’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘काठ’ होता है। ‘दूध’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘दुग्ध’ होता है। ‘हाथ’ तथा ‘आम’ तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम क्रमशः ‘हस्त’ है।

4. निम्नलिखित में तत्सम-तद्भव का शुद्ध युग्म है—

- (a) नछत्र – नखत (b) पकवान – पकवान
(c) गृद्ध – गीध (d) अवश्याय – ओस

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

तत्सम-तद्भव की दृष्टि से अवश्याय-ओस शुद्ध युग्म है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध युग्म हैं – नक्षत्र-नखत, पकवान-पकवान तथा गृध्र-गीध।

5. ‘बच्चा’ शब्द का तत्सम रूप होता है—

- (a) बच्च (b) बालक
(c) वत्स (d) बाल

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— ‘बच्चा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘वत्स’ होता है।

6. निम्नलिखित में तद्भव शब्द है—

- (a) अग्नि (b) पुष्प
(c) शलाका (d) चौदह

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(d)

व्याख्या— ‘चौदह’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘चतुर्दश’ होता है। अग्नि, पुष्प तथा शलाका तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः आग, फूल तथा सलाई हैं।

7. ‘घोड़ा’ का उपयुक्त तत्सम शब्द है-

- (a) अश्व (b) घोटक
(c) तुरंग (d) बाजी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— ‘घोड़ा’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘घोटक’ होता है। अश्व, बाजी, तुरंग, हय इत्यादि घोड़ा शब्द के पर्यायवाची हैं।

8. ‘घोड़ा’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) अश्व (b) घट
(c) घोटक (d) घटक

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. ‘गोधूम’ का तद्भव शब्द है-

- (a) गोत (b) गोद
(c) गेहूँ (d) गोह

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— ‘गोधूम’ शब्द का तद्भव ‘गेहूँ’ होता है। ‘गोत’, ‘गोद’ तथा ‘गोह’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः गोत्र, क्रोड तथा गोधा हैं।

10. निम्नलिखित में ‘तत्सम’ शब्द है-

- (a) पंक्ति (b) पंख
(c) पन्दरह (d) पंगत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'पंक्ति' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'पंगत' होता है। पंख का तत्सम 'पक्ष' तथा 'पन्दरह' का तत्सम 'पंचादश' होता है।

11. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द है-

- (a) जोगी (b) जोबन
(c) जमाई (d) यौवन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'यौवन' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव 'जोबन' होता है। 'जोगी' और 'जमाई' तद्भव शब्द हैं, जिनका तत्सम क्रमशः 'योगी' और 'जामातृ' है।

12. निम्नांकित में से तद्भव शब्द चुनिए-

- (a) बलवान (b) बाँझ
(c) चमचा (d) आसमान

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'बाँझ' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम 'वन्ध्या' है। 'चमचा' शब्द 'चम्च' से बना है। यह विदेशी शब्द है। 'आसमान' शब्द फारसी के 'आसमॉ' शब्द से बना है।

13. 'चौथा' का तत्सम शब्द है-

- (a) चतुष्पद (b) चतुष्क
(c) चतुष्काट (d) चतुर्थ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'चौथा' का तत्सम 'चतुर्थ' होता है। 'चतुष्पद', 'चतुष्काट' तथा 'चतुष्क' का तद्भव क्रमशः 'चौपाया', 'चौखट' तथा 'चौका/चौक' है।

14. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

- (a) अंगना (b) गयन्द
(c) अंगी (d) वानर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'गयन्द' अपभ्रंश भाषा का शब्द है, जो कि हिन्दी भाषा में तद्भव शब्द के रूप में स्वीकार किया गया है। 'अंगना' तत्सम शब्द है, जिसका अर्थ 'सुन्दर स्त्री' है। 'अंगी' तत्सम शब्द है, जिसका अर्थ 'शरीरधारी/शरीरयुक्त' होता है। 'वानर' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'बन्दर' होता है।

15. निम्नलिखित में 'हस्ती' किस शब्द का तत्सम रूप है?

- (a) हाथ (b) हार
(c) हाथी (d) हँसी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'हस्ती' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'हाथी' है। 'हाथ' तथा 'हँसी' तद्भव शब्द हैं, जिसके तत्सम क्रमशः 'हस्त' तथा 'हास्य' हैं।

नोट—हार शब्द अनेकार्थी है। 'हार' का अर्थ पराजय, माला, हरण इत्यादि होते हैं। अतः यह शब्द तद्भव व तत्सम दोनों के रूप में स्वीकार किया जाता है।

16. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

- (a) नग्न (b) दक्षिण
(c) द्रक्षा (d) दाढ़ी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— दाढ़ी तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'दंष्ट्रिका' होता है। 'नग्न', 'द्रक्षा' तथा 'दक्षिण' तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः 'नंगा', 'दाख' तथा 'दाहिना' हैं।

17. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से शुद्ध है-

- (a) शाटिका (b) रस्सी
(c) रैन (d) सरसों

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—'शाटिका' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'साड़ी' है। 'रस्सी', 'रैन' तथा 'सरसों', तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम क्रमशः 'रज्जु', 'रजनी' तथा 'सर्षप' हैं।

18. 'बारात' का तत्सम रूप है-

- (a) वर्रात (b) बरात
(c) ब्रात (d) वरयात्रा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—'बारात' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'वरयात्रा' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

19. 'मोती' का तत्सम रूप है-

- (a) मौती (b) मौक्तिक
(c) मुक्तक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘मोती’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘मौक्तिक’ होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

20. ‘मिट्टी’ का तत्सम शब्द है-

- (a) मृत्तिका (b) मट्टिका
(c) मिट्टिका (d) मृट्टी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मिट्टी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘मृत्तिका’ है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

21. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

- (a) उलूक (b) कूप
(c) ओझा (d) पुस्तक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘ओझा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘उपाध्याय’ है। ‘उलूक’, ‘कूप’ तथा ‘पुस्तक’ तत्सम हैं, इनके तद्भव क्रमशः ‘उल्लू’, ‘कुआँ’ तथा ‘पोथी’ है।

22. निम्नलिखित में से एक शब्द तत्सम है-

- (a) सपूत (b) सरीसृप
(c) सांकल (d) सांझ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सरीसृप’ तत्सम शब्द है। ‘सपूत’, ‘सांकल’ तथा ‘सांझ’ तद्भव शब्द हैं, इनका तत्सम क्रमशः ‘सुपुत्र’, ‘शृंखला’ तथा ‘संध्या’ हैं।

23. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

- (a) ज्योत्स्ना (b) श्रेष्ठी
(c) परीक्षा (d) घर

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘घर’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘गृह’ होता है। ‘ज्योत्स्ना’, ‘श्रेष्ठी’ तथा ‘परीक्षा’ तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः ‘जोन्ह’, ‘सेठ’ तथा ‘परख’ है।

24. ‘अखरोट’ का तत्सम रूप है-

- (a) अक्षवट (b) अक्षवाट
(c) अक्षोट (d) अक्षयवट

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अखरोट’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अक्षोट’ है। शेष विकल्प असंगत हैं।

25. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का सही युग्म है-

- (a) महूक - महुआ (b) अक्षवाट - अखाड़ा
(c) आद्रक - अदरक (d) इक्ष - ईख

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) का युग्म तत्सम-तद्भव की दृष्टि से सही है। अन्य विकल्पों के सही युग्म इस प्रकार हैं- महूक-महुआ, आद्रक-अदरक, इक्षु-ईख।

26. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

- (a) दीक्षा - परीक्षा (b) शूकर - बलीवर्द
(c) कपूत - सपूत (d) वरिष्ठ - कनिष्ठ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में दिया गया युग्म तद्भव है। इसका तत्सम युग्म ‘कुपुत्र - सुपुत्र’ है। अन्य विकल्प शुद्ध हैं।

27. इनमें से तत्सम-तद्भव का एक शब्द युग्म अशुद्ध है, वह है—

- (a) इच्छिका - छाछ (b) ईख-इक्खु
(c) उद्वर्तन - उबटन (d) गोमय - गोबर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a&b)

व्याख्या— ‘छाछ’ तद्भव शब्द है। इसका तत्सम ‘छच्छिका’ होता है। ‘ईख’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘इक्षु’ होता है। उपर्युक्त विकल्पों में विकल्प (a), (c) तथा (d) में पहले तत्सम शब्द रखे गए हैं, जबकि विकल्प (b) में पहले तद्भव शब्द का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार विकल्प (a) और (b) दोनों युग्म तत्सम-तद्भव की दृष्टि से अशुद्ध हैं। विकल्प (c) और (d) युग्म सही हैं।

28. तत्सम और उसके तद्भव रूप की दृष्टि से नीचे लिखे विकल्पों में कौन-सा विकल्प गलत है?

- (a) आर्द्रक - गीला (b) आदित्यवार - इतवार
(c) उद्गलन - उगलना (d) उद्घाटन - उधाड़ना

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— ‘आर्द्रक’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘अदरक’ होता है। अतः विकल्प (a) का युग्म गलत है। शेष युग्म सही हैं।

29. निम्नलिखित में तत्सम-तद्भव का गलत युग्म है—

- (a) सुघट्ट - सुघड़ (b) ज्ञातिगृह - नैहर
(c) पण्यशालिक - पनसारी (d) प्रतिवेशी - मवेशी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'प्रतिवेशी' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'पड़ोसी' होता है। शेष युग्म तत्सम-तद्भव की दृष्टि से सही हैं।

30. 'आव' का तत्सम रूप होगा—

- (a) आग (b) अग्नि
(c) आव (d) आपाक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'आव' का तत्सम 'आपाक' होता है। 'आग' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम 'अग्नि' है।

31. निम्नलिखित में 'तद्भव' शब्द है—

- (a) भांडार (b) कुक्कुर
(c) कटुक (d) मयंद

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'मयंद' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम 'मृगेन्द्र' है। 'भांडार', 'कुक्कुर' तथा 'कटुक' तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः 'भंडार', 'कुत्ता' तथा 'कड़वा' हैं।

32. इनमें से तत्सम-तद्भव का शुद्ध युग्म है—

- (a) श्रेष्ठ - सेठ (b) अरहट्ट - रहट
(c) कंकती - कंधी (d) मिष्ट - मीठा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— तत्सम-तद्भव की दृष्टि से विकल्प (c) का युग्म सही है। 'सेठ' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम 'श्रेष्ठी' है। 'रहट' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम 'अरघट्ट' है। 'मीठा' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम 'मिष्ट' है।

33. उच्छ्वास शब्द का तद्भव रूप होगा—

- (a) श्वास (b) प्रश्वास
(c) उसास (d) निःश्वास

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'उच्छ्वास' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव 'उसास' होता है।

34. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का सही युग्म है—

- (a) लोहकार - लोहार
(b) लच्छ - लाख
(c) अरघट्ट - रहट
(d) मिश्ट - मीठा

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'अरघट्ट-रहट' तत्सम-तद्भव का युग्म सही है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं। इनके सही युग्म इस प्रकार हैं—लोहकार-लोहार, लक्ष-लाख, मिष्ट-मीठा।

35. 'वर्तिका' शब्द का तद्भव रूप होगा—

- (a) मातृका (b) कृतिका
(c) लतिका (d) बत्ती

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'वर्तिका' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'बत्ती' है।

36. 'गोत्र' शब्द का तद्भव रूप होगा—

- (a) गोत (b) वंश
(c) खानदान (d) गोद

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'गोत्र' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'गोत' होता है।

37. 'उलाहना' शब्द का तत्सम रूप होगा—

- (a) ओरहन (b) उपालंभ
(c) निन्दा (d) झगड़ा करना

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'उलाहना' शब्द का तत्सम 'उपालंभ' होता है। अन्य के अर्थ इससे भिन्न हैं।

38. 'सिंघाड़ा' का तत्सम रूप है—

- (a) शृंगाटक (b) सुघट्ट
(c) शिंघाड़ा (d) शृंग

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'सिंघाड़ा' का तत्सम रूप 'शृंगाटक' होता है।

39. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है—

- (a) गोपाल (b) घर
(c) कपूत (d) सूत

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘गोपाल’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘गवाल’ होता है। ‘घर’, ‘कपूत’ तथा ‘सूत’ तद्भव शब्द हैं, इनका तत्सम क्रमशः ‘गृह’, ‘कुपुत्र’ तथा ‘सूत्र’ है।

40. भभूत का तत्सम शब्द है—

- (a) विभूति (b) भभूति
(c) बभूति (d) भवभूति

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘भभूत’ का तत्सम शब्द ‘विभूति’ है। अन्य असंगत है।

41. अधोलिखित में से तद्भव शब्द है—

- (a) प्रत्यभिज्ञान
(b) परिधान
(c) पिटक
(d) पिटारा

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पिटारा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘पिटक’ होता है। ‘प्रत्यभिज्ञान’ तथा ‘परिधान’ दोनों तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘पहचान’ तथा ‘पहनना’ हैं।

42. निम्नलिखित में से ‘तत्सम’ शब्द है—

- (a) दही (b) जीर्ण
(c) गयन्द (d) गाहक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जीर्ण’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘झीना’ होता है। ‘दही’ एवं ‘गाहक’ तद्भव शब्द हैं, जिसका तत्सम ‘दधि’ तथा ‘ग्राहक’ होता है। ‘गयन्द’ हाथी का पर्यायवाची है।

43. ‘अगहन’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) अग्रहायण (b) अगहन
(c) आग्रहण (d) अग्रासन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अगहन’ का तत्सम रूप ‘अग्रहायण’ होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

44. निम्नलिखित में से ‘तत्सम’ शब्द है—

- (a) उछाह (b) उजला
(c) उल्लू (d) ओष्ठ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘ओष्ठ’ तत्सम शब्द है। इसका तद्भव ‘ऑठ’ है। ‘उछाह’, ‘उजला’ तथा ‘उल्लू’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः ‘उत्साह’, ‘उज्ज्वल’ तथा ‘उलूक’ हैं।

45. ‘परिवा’ का तत्सम रूप है—

- (a) परवा (b) परेवा
(c) प्रतिपदा (d) पड़ीवा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘परिवा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘प्रतिपदा’ है। ध्यातव्य हो कि ‘परिवा’ को ‘परीवा’ भी बोला जाता है।

46. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव शब्दों का संगत युग्म है—

- (a) खर्पट - खोपड़ी (b) सक्तु - सत्य
(c) पर्यक - पलंग (d) घोटक - घड़ा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) का युग्म तत्सम - तद्भव की दृष्टि से सही है। शेष युग्म असंगत हैं। इनके शुद्ध युग्म इस प्रकार हैं— सक्तु - सत्तू, घोटक - घोड़ा, कर्पर-खोपड़ी।

47. निम्नलिखित में से एक ‘तद्भव’ शब्द है—

- (a) ऑसू (b) एकत्र
(c) वानर (d) उच्च

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ऑसू’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अश्रु’ है। ‘एकत्र’, ‘वानर’ तथा ‘उच्च’ तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः हैं— ‘इकट्टा’, ‘बन्दर’ तथा ‘ऊँचा’।

48. ‘कपित्थ’ का तद्भव शब्द है—

- (a) कपूर (b) कैथा
(c) केला (d) खजूर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘कपित्थ’ तत्सम शब्द है। इसका तद्भव ‘कैथा’ होता है। ‘कपूर’, ‘केला’ तथा ‘खजूर’ तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम क्रमशः ‘कर्पूर’, ‘कदली’ तथा ‘खर्जूर’ है।

49. तद्भव ‘चबूतरा’ का तत्सम रूप है—

- (a) चर्वतर (b) चर्वुतरा
(c) चार्वतरा (d) चत्वाल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘चबूतरा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘चत्वाल’ अथवा ‘चत्वर’ दोनों होता है। ‘चत्वाल’ का अर्थ होमकुंड, वेदी तथा चत्वर होता है, जबकि ‘चत्वर’ का अर्थ चौराहा, चबूतरा, वेदी, कोई चौकोर घिरा हुआ स्थान (मंच) होता है।

50. निम्नलिखित में से एक तद्भव शब्द है—

- (a) पूँजी (b) नयन
(c) मूर्ख (d) शकुन

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘पूँजी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘पुञ्ज’ होता है। ‘नैन’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘नयन’ है। ‘मूर्ख’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘मूर्ख’ है। इसी प्रकार ‘सगुन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘शकुन’ है।

51. ‘बेंत’ का तत्सम रूप है—

- (a) वेन्त (b) वेत्र
(c) वेन्त्र (d) वेंतृ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘बेंत’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘वेत्र’ है।

52. ‘चना’ का तत्सम रूप है—

- (a) चणक (b) चणा
(c) चाणक (d) चणाक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘चना’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘चणक’ होता है।

53. ‘ऊन’ का तत्सम रूप है—

- (a) ऊन्य (b) ऊर्ण्य
(c) ऊरण (d) ऊर्ण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘ऊन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘ऊर्ण’ है।

54. ‘थाली’ का तत्सम रूप है—

- (a) स्थाली (b) थालिका
(c) थ्याली (d) थालि

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘थाली’ का तत्सम रूप ‘स्थाली’ है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं। ‘थाल’ का तत्सम ‘स्थाल’ है।

55. ‘जामुन’ का तत्सम रूप है—

- (a) यामुन (b) यामुण
(c) जंबु (d) जांबूण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जामुन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘जंबु’ है।

56. एक तत्सम शब्द है—

- (a) अनहित (b) विनती
(c) डाकिनी (d) अटारी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘डाकिनी’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘डायन’ है। ‘विनती’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘विनति’ है। इसी प्रकार ‘अटारी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अट्टालिका’ है।

57. निम्नलिखित में से ‘तद्भव’ शब्द है—

- (a) चतुर्दश (b) चतुर्थ
(c) चौदह (d) चत्वारि

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘चौदह’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘चतुर्दश’ है। ‘चतुर्थ’ एक तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘चौथा’ होता है।

58. ‘आभ्यंतर’ का तद्भव शब्द है?

- (a) अन्दर (b) भीतर
(c) बाहर (d) गहरा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘आभ्यंतर’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘भीतर’ होता है। ‘बाहर’ तथा ‘गहरा’ तद्भव शब्द हैं, इसका तत्सम क्रमशः ‘बाह्य’ तथा ‘गम्भीर’ है।
नोट - वर्तनी की दृष्टि से आभ्यंतर शब्द अशुद्ध है, शुद्ध शब्द आभ्यन्तर है।

59. एक तद्भव शब्द है—

- (a) पंजर (b) पंचाली
(c) पंडित (d) पंजीरी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पंजीरी’ तद्भव शब्द है, जबकि पंजर, पंचाली तथा पंडित तत्सम शब्द हैं।

60. एक तद्भव शब्द है—

- (a) अटल (b) आतुर
(c) अतिथि (d) अजिर

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अटल’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘स्थिर’ होता है, जबकि ‘आतुर’, ‘अतिथि’ तथा ‘अजिर’ तत्सम शब्द हैं।

61. ‘बाँका’ का तत्सम शब्द है—

- (a) तिर्यक (b) वक्र
(c) चाकू (d) वर्त्य

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘बाँका’ का तत्सम ‘वक्र’ होता है। ‘तिर्यक’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘तिरछा’ होता है।

62. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

- (a) पतन (b) पनसारी
(c) पिटक (d) प्रहार

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पनसारी’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘पण्यशालिक’ होता है। ‘पिटक’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘पिटारा’ होता है।

63. इनमें से तद्भव-तत्सम का एक शब्द युग्म है—

- (a) कौड़ी - कपार्दिकी (b) अपाहिज - आपादहस्त
(c) ओस - अवश्याय (d) गेहूँ - गोधूम

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अपाहिज’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अपादहस्त’ होता है। ‘कौड़ी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कपार्दिका’ होता है। ‘ओस’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘अवश्याय’ होता है। ‘गेहूँ’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘गोधूम’ होता है।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) पसीना (b) पक्वान
(c) पश्चाताप (d) पुत्रवधू

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘पसीना’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘प्रस्वेद’ है। ‘पक्वान’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘पक्वान्न’ होता है। ‘पश्चाताप’ तथा ‘पुत्रवधू’ तत्सम शब्द हैं, इनका तद्भव क्रमशः ‘पछतावा’ तथा ‘पतोहू’ है।

65. इनमें से तत्सम-तद्भव का एक युग्म अशुद्ध है, वह है—

- (a) उपाध्याय - ओझा (b) श्रेष्ठ - सेठ
(c) अग्निष्ठ - अँगीठा (d) आर्द्रक - अदरक

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b&c)

व्याख्या—‘अग्निष्ठिका’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘अँगीठी’ है। इसी प्रकार ‘श्रेष्ठी’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘सेठ’ है। अतः विकल्प (b) तथा (c) का युग्म तत्सम-तद्भव के रूप में अशुद्ध है। शेष विकल्प शुद्ध हैं।

66. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?

- (a) दुआर (b) सायं
(c) गिरिस्ती (d) पाँव

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सायं’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘शाम’ होता है। इसी प्रकार ‘दुआर’, ‘गिरिस्ती’ तथा ‘पाँव’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम शब्द क्रमशः ‘द्वार’, ‘गृहस्थी’ तथा ‘पाद’ हैं।

67. ‘एकल’ शब्द का तद्भव रूप है—

- (a) अकल (b) अकिल
(c) अकेला (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘एकल’ शब्द का तद्भव रूप ‘अकेला’ होता है। ‘अकल’ का तद्भव ‘अकल’ होता है।

68. ‘कैवर्त’ शब्द का तद्भव रूप है—

- (a) मल्लाह (b) केवट
(c) नाविक (d) केवल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘कैवर्त’ शब्द का तद्भव ‘केवट’ है। नाव खेने वाला ‘नाविक’ होता है।

69. ‘गृध्र’ शब्द का तद्भव रूप है—

- (a) गीधना (b) गृध
(c) गीधी (d) गीध

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘गृध्र’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘गीध’ होता है। शेष असंगत हैं।

70. ‘शुष्टि’ का तद्भव शब्द है—

- (a) श्रेष्ठी (b) सोंठ
(c) सुगंध (d) शुंडा

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘शुष्ठी’ का तद्भव शब्द ‘सोंठ’ होता है। शेष असंगत है।

71. ‘मक्खी’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) मच्छिका (b) माछी
(c) मच्छी (d) मक्षिका

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मक्खी’ शब्द का तत्सम ‘मक्षिका’ होता है।

72. ‘हल्दी’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) हरद्रिका (b) हरीद्रा
(c) हरिद्रा (d) हलिद्रा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘हल्दी’ शब्द का तत्सम ‘हरिद्रा’ होता है।

73. ‘हल्दी’ शब्द का तत्सम है—

- (a) हदी (b) हरिद्रा
(c) हल्दिका (d) हरद्रिका

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010
U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

74. ‘हुलास’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) हिलास (b) विलास
(c) हास्य (d) उल्लास

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘हुलास’ शब्द का तत्सम ‘उल्लास’ होता है।

75. ‘नारियल’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) नारिकेल (b) नारिकेलि
(c) नारीकेल (d) नारिकेला

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘नारियल’ शब्द का तत्सम ‘नारिकेल’ और ‘नारीकेल’ दोनों होता है। लोक सेवा आयोग ने अपने संशोधित उत्तर-पत्रक में (a) एवं (c) दोनों विकल्पों को सही उत्तर के रूप में स्वीकृत किया है।

76. ‘सींग’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) शृंग (b) शिंग
(c) शृंग (d) सिंग

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘सींग’ का तत्सम ‘शृंग’ होता है।

77. निम्न में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) कोयल (b) आश्चर्य
(c) उज्ज्वल (d) कंटक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘कोयल’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कोकिल’ होता है। ‘आश्चर्य’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘अचरज’ होता है। इसी प्रकार तत्सम शब्द ‘उज्ज्वल’ तथा ‘कंटक’ का तद्भव शब्द क्रमशः ‘उजाला’ तथा ‘कौटा’ होता है।

78. ‘अट्टालिका’ का तद्भव रूप है—

- (a) अटाला (b) अटल
(c) अटारा (d) अटारी

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अट्टालिका’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘अटारी’ होता है।

79. निम्न में कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) जल (b) नग्न
(c) तीन (d) भ्रमर

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘तीन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘त्रीणि’ है। ‘नग्न’ तथा ‘भ्रमर’ तत्सम शब्द हैं, इसका तद्भव क्रमशः ‘नंगा’ तथा ‘भौरा’ है।

80. ‘कर्पर’ का तद्भव रूप है—

- (a) कपूर (b) कपड़ा
(c) कर्कट (d) खप्पर

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(*)

व्याख्या—‘कपूर’, ‘कपड़ा’ तथा ‘खप्पर’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः ‘कर्पूर’, ‘कर्पट’ तथा ‘खर्पर’ हैं। ‘कर्कट’ तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव ‘केकड़ा’ होता है। प्रस्तुत विकल्प में ‘कर्पर’ का कोई तद्भव रूप नहीं है।

81. ‘कर्पट’ शब्द का तद्भव रूप है—

- (a) कटरना (b) कपाट
(c) कपड़ा (d) कपट

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. 'कर्पट' का तद्भव रूप कौन-सा है?

- (a) कपट (b) कारपेट
(c) कपूर (d) कपड़ा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021, 2016 (पुनर्परीक्षा)
U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. निम्नलिखित में कौन 'तत्सम' शब्दों की जोड़ी नहीं है?

- (a) कर्म-विद्या (b) दधि-भात
(c) मत्स्य-मृग (d) ज्ञान-क्षेत्र

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत 'तत्सम' शब्दों की जोड़ी त्रुटिपूर्ण है। 'भात' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'भक्त' होता है।

84. कौन-सा शब्द-युग्म तत्सम की दृष्टि से अशुद्ध है?

- (a) तृण-दण्ड (b) वत्स-परख
(c) कपाट-एकादश (d) राजपुत्र-शूकर

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) का शब्द-युग्म तत्सम की दृष्टि से अशुद्ध है। इस विकल्प का पहला शब्द तत्सम, जबकि दूसरा शब्द तद्भव है। परख का तत्सम 'परीक्षा' होता है।

85. 'चूरन' का तत्सम शब्द है—

- (a) चौर (b) चूर्ण
(c) चर्म (d) चक्षु

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'चूरन' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'चूर्ण' है। 'चर्म' शब्द तत्सम है, इसका तद्भव 'चमड़ा' होता है, जबकि 'चक्षु', 'आँख' का पर्यायवाची शब्द है।

86. कौन-सा तत्सम शब्द नहीं है?

- (a) इन्दु (b) दिनेश
(c) मनोज (d) रात

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'रात' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'रात्रि' है। 'इन्दु', 'मनोज' और 'दिनेश' क्रमशः 'चन्द्रमा', 'कामदेव' तथा 'सूर्य' के पर्यायवाची शब्द हैं।

87. 'तिक्त' शब्द का तद्भव है—

- (a) तीता (b) तीखा
(c) तिक्ता (d) तिखन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—'तिक्त' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'तीता' होता है। तद्भव शब्द 'तीखा' का तत्सम 'तीक्ष्ण' होता है।

88. 'तद्भव' शब्द निर्दिष्ट कीजिए—

- (a) आधा (b) कूप
(c) विद्या (d) व्योम

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आधा' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'अर्द्ध' होता है। 'कूप' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'कुआँ' होता है।

89. 'तत्सम' शब्द है—

- (a) विलष्ट (b) कठोर
(c) कठिन (d) मजबूत

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b & c)

व्याख्या—केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (शिक्षा विभाग), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार के 'तत्सम शब्दकोश' के अनुसार, 'कठोर' एवं 'कठिन' दोनों शब्द तत्सम हैं, जबकि 'विलष्ट' सही वर्तनी नहीं है। सही वर्तनी 'विलिष्ट' है। अतः विकल्प (b) एवं (c) दोनों तत्सम शब्द हैं। लोक सेवा आयोग ने प्रारम्भिक उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) दिया था, किन्तु माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जारी अन्तिम उत्तर-पत्रक में विकल्प (b) एवं (c) दोनों को सही उत्तर माना है।

90. 'ढीठ' शब्द का तत्सम है—

- (a) दृष्ट (b) पुष्ट
(c) दृश्य (d) धृष्ट

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'ढीठ' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'धृष्ट' होता है।

91. 'ढीठ' का तत्सम रूप है—

- (a) धूर्त (b) धृष्ट
(c) उदंड (d) धृषित

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. 'तत्सम' शब्द का चयन कीजिए-

- (a) शेर (b) बबर शेर
(c) व्याघ्र (d) बाघ

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'व्याघ्र' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'बाघ' होता है।

93. तद्भव शब्द है-

- (a) मानव (b) मनई
(c) मनुष्य (d) मानो

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'मनई' तद्भव शब्द है, इसका शब्द तत्सम 'मानव' होता है, जबकि तद्भव शब्द 'मानुष' का तत्सम 'मनुष्य' होता है।

94. 'दीर्घ' का तत्सम रूप है-

- (a) द्रष्टि (b) दिष्टि
(c) दीष्टि (d) दृष्टि

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'दीर्घ' का तत्सम रूप 'दृष्टि' है। शेष असंगत है।

95. 'मुदरी' का तत्सम रूप है-

- (a) मुदी (b) मुन्दरी
(c) मुदरिका (d) मुद्रिका

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'मुदरी' का तत्सम रूप 'मुद्रिका' है। अन्य विकल्प ग्राह्य नहीं हैं।

96. कौन-सा शब्द तत्सम है?

- (a) शुश्रूषा (b) सुन्नर
(c) अपजस (d) अच्छर

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—'शुश्रूषा' तत्सम शब्द है। 'सुन्नर', 'अपजस' तथा 'अच्छर' तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः 'सुन्दर', 'अपयश' तथा 'अक्षर' हैं।

97. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?

- (a) साँप (b) चिह्न
(c) बीणा (d) विस्मय

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'विस्मय' का अर्थ 'आश्चर्य' होता है। यह तत्सम शब्द है। शेष तद्भव हैं।

98. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?

- (a) मुमुक्षु (b) बरिष्ठ
(c) अंगूठा (d) उष्मा

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'मुमुक्षु' तत्सम शब्द है, शेष तद्भव हैं।

99. 'गधा' का तत्सम रूप है-

- (a) गदहा (b) गदर्भ
(c) गद्रभ (d) गर्दभ

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'गधा' का तत्सम 'गर्दभ' होता है।

100. 'प्रिय' का तद्भव शब्द है-

- (a) पिया (b) प्रेम
(c) प्रिया (d) प्यार

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'प्रिय' का तद्भव 'पिया' होता है।

101. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा तत्सम शब्द नहीं है?

- (a) कुसुम (b) भूषिका
(c) वंश (d) नेह

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'नेह' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम 'स्नेह' है।

102. निम्नलिखित में से कौन-सा तद्भव शब्द है?

- (a) पंख (b) पृष्ठ
(c) लज्जा (d) शिला

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'पंख' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम 'पक्ष' होता है। 'पृष्ठ' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'पीठ' होता है। 'लज्जा' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'लाज' होता है।

103. तद्भव शब्द का चयन कीजिए-

- (a) सुर (b) निडर
(c) गति (d) कमल

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘निडर’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘निर्भय’ होता है। अन्य सभी शब्द तत्सम हैं।

104. ‘पक्ष’ का तद्भव रूप है-

- (a) पंछी (b) पखेरू
(c) पंख (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पक्ष’ तत्सम शब्द है। इसका तद्भव ‘पंख’ होता है। तद्भव शब्द ‘पंछी’ का तत्सम रूप ‘पक्षी’ होता है।

105. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) शक्कर (b) सप्तशती
(c) होली (d) मोती

Uttarakhand P.C.S. (Pre), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘सप्तशती’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘सतसई’ है। ‘शक्कर’, ‘होली’ तथा ‘मोती’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः ‘शर्करा’, ‘होलिका’ तथा ‘मौक्तिक’ हैं।

106. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) भ्रमर (b) व्याघ्र
(c) क्षीर (d) कोयल

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कोयल’ तद्भव शब्द है। इसका तत्सम ‘कोकिल’ होता है। ‘भ्रमर’, ‘व्याघ्र’ तथा ‘क्षीर’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘भौरा’, ‘बाघ’ तथा ‘खीर’ हैं।

107. निम्नलिखित शब्दों में से ‘नया’ का तत्सम रूप है—

- (a) नव्य (b) नूतन
(c) नवल (d) नवीन

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘नया’ का तत्सम ‘नव्य’ होता है। शेष इसके पर्यायवाची हैं।

108. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव के मेल की दृष्टि से शुद्ध युग्म है—

- (a) हरिद्रा-हरिद्वार (b) पृष्ठ-पन्ना
(c) पर्यंक-परख (d) चुल्लीक-चूल्हा

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) में प्रस्तुत पृष्ठ (तत्सम)-पन्ना (तद्भव) का मेल सही है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं, इनके सही युग्म इस प्रकार होंगे-‘हरिद्रा-हल्दी’, ‘पर्यंक-पलंग’ तथा ‘चुल्लि-चूल्हा’।

109. संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं, वे कहे जाते हैं—

- (a) तद्भव (b) तत्सम
(c) संकर (d) देशज

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं, ‘तत्सम’ कहे जाते हैं, जबकि संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में आकर परिवर्तित हो गये, ‘तद्भव’ कहे जाते हैं।

110. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है-

- (a) गरम (b) नरक
(c) नरम (d) तीर्थ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘तीर्थ’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘तीरथ’ है। अन्य विकल्पों में तद्भव शब्द हैं।

111. निम्नलिखित में से कौन तद्भव शब्द है?

- (a) दिनकर (b) दिवाकर
(c) प्रभाकर (d) सूरज

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अंगीठी’ तद्भव शब्द है। इसका तत्सम ‘अग्निष्ठिका’ है। शेष विकल्प गलत हैं।

112. निम्नलिखित में से कौन तद्भव शब्द है?

- (a) दिनकर (b) दिवाकर
(c) प्रभाकर (d) सूरज

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘सूरज’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘सूर्य’ है। ‘दिनकर’, ‘दिवाकर’ तथा ‘प्रभाकर’, ‘सूर्य’ के पर्यायवाची हैं।

113. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द ‘तत्सम’ नहीं है?

- (a) आँख (b) नयन
(c) नेत्र (d) दृग

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ऑख’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अक्षि’ होता है। ‘नयन’, ‘नेत्र’ तथा ‘दृग’, ‘ऑख’ के पर्यायवाची हैं।

114. निम्न शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

- (a) मृत्तिका (b) विकार
(c) कपाट (d) कपूर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कपूर’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कर्पूर’ होता है। ‘मृत्तिका’, ‘विकार’ तथा ‘कपाट’ तत्सम शब्द हैं। इनका तद्भव क्रमशः ‘मिट्टी’, ‘बिगाड़’ तथा ‘किवाड़’ है।

115. निम्नलिखित में ‘तत्सम’ शब्द है—

- (a) कान (b) जीभ
(c) मुख (d) दाँत

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘मुख’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘मुँह’ है। ‘कान’ का तत्सम ‘कर्ण’, ‘जीभ’ का तत्सम ‘जिह्वा’ तथा ‘दाँत’ का तत्सम ‘दन्त’ है।

116. निम्नलिखित में से कौन शब्द तद्भव है?

- (a) मधुप (b) मधुकर
(c) भ्रमर (d) भँवरा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘भँवरा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘भ्रमर’ है। ‘मधुप’ तथा ‘मधुकर’, ‘भँवरा’ के पर्यायवाची हैं।

117. ‘सिंगार’ शब्द का तत्सम है—

- (a) शृंगार (b) श्रंगार
(c) शृंगार (d) शिंगार

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

U.P. Lower Sub. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘सिंगार’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘शृंगार’ है। शेष गलत हैं।

118. ‘खँडहर’ का तत्सम शब्द है—

- (a) खण्डहर (b) खंडघर
(c) खण्डगृह (d) खड़हर

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘खँडहर’ का तत्सम शब्द ‘खण्डगृह’ है। शेष विकल्प गलत हैं।

119. ‘देवर’ का तत्सम शब्द है—

- (a) देववर (b) द्विवर
(c) दुर्वर (d) द्वितीयवर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008, 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘देवर’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम शब्द ‘द्विवर’ होता है। शेष विकल्प गलत हैं।

120. ‘देवर’ का तत्सम रूप है—

- (a) द्विवर (b) द्वितीयवर
(c) दूभर (d) दुर्बह

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. ‘मक्खन’ का तत्सम शब्द कौन है?

- (a) माखन (b) प्रक्षण
(c) मषक्ष (d) मुक्षण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘मक्खन’ का तत्सम ‘प्रक्षण’ है। इसे ‘मंथज’ भी कहते हैं।

122. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है—

- (a) करोड़ (b) तेल
(c) पीपल (d) दिन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में ‘दिन’ तथा ‘दिवस’ तत्सम शब्द हैं। ‘करोड़—कोटि’, ‘पीपल—पिप्पल’, ‘तेल—तैल’ क्रमशः तद्भव-तत्सम शब्द हैं।

123. ‘पीपल’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) पिप्पल (b) पैप्पल
(c) पिपल (d) पीपर

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. निम्नलिखित शब्दों में से एक तद्भव शब्द नहीं है—

- (a) तुरंत (b) आज
(c) धीरज (d) खर्पर

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘खर्पर’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘खपड़ा’ या ‘खप्पर’ होता है। ‘तुरंत’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘त्वरित’ होता है, जबकि ‘आज’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अद्य’ होता है। ‘धीरज’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘धैर्य’ है।

125. नीचे दिये तत्सम-तद्भव शब्दों के युग्म में से कौन-सा युग्म त्रुटिपूर्ण है?

- (a) क्षीर-खीर (b) दहि-दही
(c) दुग्ध-दूध (d) घृत-घी

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘दधि’ तत्सम शब्द है, उसका तद्भव ‘दही’ होता है। शेष युग्म सही हैं।

126. नीचे दिये तत्सम-तद्भव शब्द युग्म में से कौन-सा युग्म त्रुटिपूर्ण है?

- (a) वचन-बैन (b) कपाट-कपड़ा
(c) पुराण-पुराना (d) गम्भीर-गहरा

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘कपाट’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘किवाड़’ होता है, जबकि ‘कपड़ा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कर्पट’ होता है। शेष युग्म सही हैं।

127. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव शब्दों के युग्म में से कौन युग्म त्रुटिपूर्ण है?

- (a) घृत-घी (b) उट्ट-ऊँट
(c) त्वरित-तुरत (d) तिक्त-तीता

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘उष्ट्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ऊँट है। शेष युग्मों में कोई त्रुटि नहीं है।

128. इनमें से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

- (a) अग्नि (b) घोटक
(c) घट (d) मोती

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मोती’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘मौक्तिक’ होता है। ‘अग्नि’ का तद्भव ‘आग’ तथा ‘घोटक’ का तद्भव ‘घोड़ा’ होता है। ‘घट’ का तद्भव ‘घड़ा’ होता है।

129. ‘पलंग’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) पलंगा (b) प्लवंग

(c) पर्यंक

(d) पटल

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पलंग’ तद्भव है, इसका तत्सम ‘पर्यंक’ होता है।

130. ‘पलंग’ का तत्सम रूप है—

- (a) प्लवंग (b) परमंग
(c) प्लंग (d) पर्यंक

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

131. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव शब्दों के युग्म में से कौन-सा त्रुटिपूर्ण है?

- (a) गोमय-गोबर (b) क्षीर-खीर
(c) पर्यंक-पटरी (d) सपत्नी-सौत

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पर्यंक’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘पलंग’ होता है। शेष युग्म सही हैं।

132. इनमें से एक शब्द तद्भव है—

- (a) दिन (b) अंधकार
(c) स्कन्ध (d) कपास

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कपास’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कर्पास’ होगा। ‘दिन’ तत्सम शब्द है। तत्सम शब्द ‘अंधकार’ का तद्भव ‘अँधेरा’, जबकि तत्सम शब्द ‘स्कन्ध’ का तद्भव ‘कंधा’ है।

133. ‘अखरोट’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) अक्षवाट (b) अक्षोट
(c) अक्षरोट (d) अषरोट

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘अखरोट’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अक्षोट’ है, जबकि ‘अक्षवाट’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘अखाड़ा’ होता है।

134. ‘अकार्य’ शब्द का तद्भव रूप है—

- (a) अकाम (b) अकाज
(c) अकारथ (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘अकार्य’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘अकाज’ है।

135. 'टंकशाल' का तत्सम रूप है—

- (a) टंकशाला (b) टंकशाल
(c) टंकशाल (d) टंकशाला

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'टंकशाल' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'टंकशाला' है।

136. इनमें से तत्सम रूप है—

- (a) भैंस (b) बारह
(c) सच (d) पाद

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'पाद' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'पैर' अथवा 'पाँव' है। 'भैंस' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'महिषी' तथा तद्भव शब्द 'बारह' का तत्सम 'द्वादश' होता है। 'सच' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'सत्य' है।

137. 'गोबर' का तत्सम रूप है—

- (a) गुर्बर (b) गोमय
(c) गह्वर (d) गुब्बर

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'गोबर' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'गोमय' या 'गोमल' है।

138. 'माँ' का तत्सम रूप है—

- (a) मातृ (b) मातृका
(c) माताश्री (d) मातुश्री

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'माँ' का तत्सम 'मातृ' अथवा 'अम्बा' होगा। शेष विकल्प सही नहीं हैं।

139. 'माँ' शब्द का तत्सम है—

- (a) माता (b) मातृका
(c) मातृ (d) अम्मा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a & c)

व्याख्या—डॉ. हरदेव बाहरी कृत 'राजपाल हिन्दी शब्दकोश' के अनुसार 'माँ' शब्द का तत्सम शब्द 'माता' एवं 'मातृ' दोनों हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अपने उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना था, किन्तु माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जारी अन्तिम उत्तर-पत्रक में आयोग ने इस प्रश्न के लिए दो उत्तरों (a & c) को सही माना है।

140. 'खाट' का तत्सम रूप है—

- (a) खट्वा (b) खाट्वा
(c) खाटव (d) खटिया

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'खाट' का तत्सम 'खट्वा' है। शेष विकल्प गलत हैं।

141. 'पनही' शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) तांबूल (b) पर्ण
(c) पर्णहि (d) उपानह

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'पनही' का तत्सम 'उपानह' है। 'पर्ण' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव 'पान' है, जबकि 'तांबूल' पान का पर्यायवाची है। 'पर्णहि' का इससे कोई साम्य नहीं है।

142. 'पर्ण' का तद्भव शब्द है—

- (a) पत्र (b) पण
(c) पन्ना (d) पत्रा

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पर्ण' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव शब्द 'पन्ना' तथा 'पान' होता है।

143. 'पोखर' का तत्सम रूप है—

- (a) पुष्कर (b) प्रखर
(c) पोषक (d) प्रकर

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'पोखर' का तत्सम रूप 'पुष्कर' है। शेष विकल्प गलत हैं।

144. 'दाहिना' का तत्सम रूप है—

- (a) दाक्षिण्य (b) दक्षिण
(c) दाहिणा (d) दायॉ

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'दाहिना' का तत्सम रूप 'दक्षिण' है। शेष विकल्प गलत हैं।

145. 'सूई' का तत्सम रूप है—

- (a) सूजी (b) सूई
(c) सूचि (d) शूचक

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘सुई’ का तत्सम ‘सूचि’ या ‘सूचिका’ है। शेष विकल्पों से इसका कोई साम्य नहीं है।

146. ‘हस्त’ का तद्भव है—

- (a) हाथ (b) हाथी
(c) हस्तिनी (d) हथियार

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘हस्त’ का तद्भव ‘हाथ’ है। ‘हाथी’ का तत्सम ‘हस्ति’ है। शेष विकल्प अलग अर्थ प्रकट करते हैं।

147. अधोलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

- (a) तस्कर (b) ध्यान
(c) बोध (d) हाथ

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘हाथ’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘हस्त’ होता है। शेष शब्द तत्सम हैं।

148. ‘ससुर’ शब्द का तत्सम रूप होगा—

- (a) सस्वर (b) स्वश्रु
(c) श्वसुर (d) सुसुर

U.P. S.D.I., 2006

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘ससुर’ शब्द का तत्सम रूप ‘श्वसुर’ है, जबकि अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द इस संदर्भ में उचित प्रतीत नहीं होते हैं।

149. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) कृष्ण (b) गायक
(c) ससुर (d) यूथ

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘ससुर’ शब्द तद्भव है, इसका तत्सम ‘श्वसुर’ है, जबकि ‘कृष्ण’ शब्द ‘कान्ह’ तथा ‘किसन’ का तत्सम है। इसी प्रकार ‘गायक’ शब्द ‘गवैया’ का तत्सम तथा ‘यूथ’ शब्द ‘जत्था’ का तत्सम है।

150. इनमें से तत्सम शब्द का चयन कीजिए—

- (a) कान (b) दिन
(c) बाहर (d) जमुना

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘दिन’ तत्सम शब्द है। केंद्रीय हिन्दी निदेशालय (शिक्षा विभाग), मानव संसाधन मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार के तत्सम शब्दकोश के अनुसार, दिन तथा दिवस दोनों तत्सम शब्द हैं, जबकि ‘कान’, ‘कर्ण’ का तद्भव रूप, ‘बाहर’, ‘बाह्य’ का तद्भव रूप तथा ‘जमुना’, ‘यमुना’ का तद्भव रूप है।

151. ‘ईख’ तद्भव शब्द का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) गन्ना (b) ईक्ख
(c) इक्षु (d) इक्खु

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘ईख’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप ‘इक्षु’ है, जबकि गन्ना, ईख का पर्यायवाची है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द इस संदर्भ में त्रुटिपूर्ण हैं।

152. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द ‘अटारी’ का तत्सम रूप होगा—

- (a) अंटारिका (b) अटालिका
(c) अटाल्लिका (d) अट्टालिका

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘अटारी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अट्टालिका’ है।

153. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए—

- (a) वानर (b) बन्दर
(c) भ्रमर (d) पवन

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘बन्दर’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘वानर’ है। तत्सम शब्द ‘भ्रमर’ का तद्भव ‘भौरा’ है। ‘पवन’ शब्द तत्सम है, इसका तद्भव ‘हवा’ है।

154. इनमें से तद्भव है—

- (a) वानर (b) बन्दर
(c) पवन (d) पर्यंक

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

155. ‘तद्भव’ से ‘तत्सम’ बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) हत्ता-हाथ (b) रत्ता-रात
(c) पत्ता-पत्र (d) नच्चा-नाँच

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म 'पत्ता-पत्र' है, जबकि इसी रूप में अन्य विकल्पों का सही शब्द-युग्म इस प्रकार है—'हाथ-हस्त', 'रात-रात्रि' तथा 'नाच-नृत्य'।

156. 'आखर' शब्द का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) अक्षि (b) अक्षर
(c) अंब (d) अद्य

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'आखर' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'अक्षर' है, जबकि 'अक्षि', 'अंब' तथा 'अद्य' तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः 'ऑख', 'अम्मा' तथा 'आज' हैं।

157. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) उच्च (b) अकाज
(c) अनी (d) सिक्ख

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उच्च' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'ऊँचा' होता है, जबकि 'अकाज', 'अनी' तथा 'सिक्ख' तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः 'अकार्य', 'अणि' तथा 'शिष्य' हैं।

158. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) दक्षिण (b) खट्वा
(c) खर्जूर (d) घड़ा

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'घड़ा' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'घट' है, जबकि 'दक्षिण', 'खट्वा' तथा 'खर्जूर' तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः 'दाहिना', 'खाट' तथा 'खजूर' हैं।

159. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) कान-कण (b) ओंठ-होष्ठ
(c) ऑख-अच्छ (d) नाक-नासिका

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (d) सही शब्द-युग्म है, जबकि अन्य विकल्पों में दिये गये तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म इस प्रकार हैं—'कान-कर्ण', 'ओंठ-ओष्ठ' तथा 'ऑख-अक्षि'।

160. 'ओष्ठ' निम्नलिखित में से किसका तत्सम शब्द है?

- (a) अँगारखा (b) अँगोटी

(c) ओंठ

(d) अँगूठा

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

161. 'ओंठ' किस श्रेणी का शब्द है—

- (a) तद्भव (b) तत्सम
(c) देशज (d) विदेशी

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'ओंठ' तद्भव श्रेणी का शब्द है। 'ओंठ' का तत्सम रूप 'ओष्ठ' है।

162. तत्सम से तद्भव रूप में सही शब्द-युग्म की पहचान कीजिए—

- (a) कश्चि-कुछ (b) लाक्ष-लाख
(c) सर्प-साँप (d) क्षेत्रित-खेती

U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (c) सही शब्द-युग्म है, जबकि अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है—'किंचित्-कुछ', 'लक्ष-लाख' तथा 'क्षेत्री-खेती'।

163. 'धरती' शब्द का तत्सम शब्द है—

- (a) धरणी (b) धात्री
(c) धरित्री (d) धरा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—'धरती' का तत्सम शब्द 'धरित्री' होता है। 'धरणी' तथा 'धरा', 'पृथ्वी' का पर्यायवाची, जबकि 'धात्री' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'दाई' होता है।

164. 'डण्डा' शब्द का तत्सम शब्द है—

- (a) लाठी (b) दण्ड
(c) दंभ (d) द्रष्टा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—'डण्डा' शब्द का तत्सम रूप 'दण्ड' होता है। 'लाठी', 'दंभ' तथा 'द्रष्टा' से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

165. 'पत्थर' शब्द का तत्सम शब्द क्या है?

- (a) पाहन (b) प्रस्तर
(c) पाषाण (d) पहाड़

U.P. Lower Sub. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पत्थर’ शब्द का तत्सम ‘प्रस्तर’ होता है। ‘पाहन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘पाषाण’ होता है। ‘पहाड़’, ‘पर्वत’ का पर्यायवाची है।

166. ‘महुआ’ शब्द का तत्सम है—

- (a) मधुप (b) मधूक
(c) मधुकर (d) मधवा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘महुआ’ का तत्सम शब्द ‘मधूक’ होता है। ‘मधुप’ तथा ‘मधुकर’, ‘भौरा’ को कहते हैं। ‘भौरा’ का तत्सम रूप ‘भ्रमर’ होता है।

167. ‘सियार’ का तत्सम क्या है?

- (a) शृंगार (b) स्यार
(c) श्यालक (d) शृंगाल

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘सियार’ का तत्सम ‘शृंगाल’ है। ‘शृंगार’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव सिंगार होता है। ‘श्यालक’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘साला’ होता है।

168. ‘लंगोट’ का तत्सम शब्द है—

- (a) लिंगोटा (b) लंगोटा
(c) लिंगपट्ट (d) लटा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘लंगोट’ का तत्सम शब्द ‘लिंगपट्ट’ होता है। शेष विकल्प ग्राह्य नहीं हैं।

169. ‘भतीजा’ का तत्सम शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) भ्रमर (b) भ्रातृज्य
(c) भ्राता (d) भ्रातृज्या

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘भतीजा’ का तत्सम शब्द ‘भ्रातृज्य’ है, जबकि ‘भौरा’ का तत्सम ‘भ्रमर’, ‘भाई’ का तत्सम ‘भ्राता’ तथा ‘भतीजी’ का तत्सम ‘भ्रातृज्या’ होता है।

170. इनमें से ‘सौत’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) सौतन (b) सौतर्न
(c) सपत्नी (d) सहपत्नी

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘सौत’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप ‘सपत्नी’ है, जबकि ‘सौतन’ शब्द ‘सौत’ का पर्यायवाची है। ‘सौतर्न’ शब्द इस संदर्भ में त्रुटिपूर्ण है। ‘सहपत्नी’ का अर्थ ‘पत्नी के साथ’ होता है।

171. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम है?

- (a) सौत (b) सपत्नी
(c) बहन (d) भाभी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

172. इनमें से ‘ज्येष्ठ’ का तद्भव रूप कौन-सा है?

- (a) जुगति (b) जाड़ा
(c) बड़ा (d) जेठ

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘ज्येष्ठ’ का तद्भव शब्द ‘जेठ’ है, जबकि ‘जाड़्य’ का ‘जाड़ा’, ‘वरिष्ठ’ का ‘बड़ा’ तथा ‘युक्ति’ का तद्भव ‘जुगति’ है।

173. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा तद्भव शब्द है?

- (a) बहरा (b) वत्स
(c) ताप (d) गंभीर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बहरा’ का तत्सम ‘बधिर’ है, जबकि ‘वत्स’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘बच्चा’ होता है। इसी प्रकार ‘ताप’ तत्सम शब्द का तद्भव ‘ताव’ तथा तत्सम शब्द ‘गंभीर’ का तद्भव ‘गहरा’ होता है।

174. निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से कौन-सा तत्सम शब्द है?

- (a) सपना (b) सयाना
(c) ओस (d) यज्ञमान

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘यज्ञमान’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘जजमान’ अथवा ‘जिजमान’ है, जबकि तद्भव शब्द ‘सपना’ का तत्सम ‘स्वप्न’ तथा ‘सयाना’ का तत्सम ‘संज्ञान’ है। इसी प्रकार तद्भव शब्द ‘ओस’ का तत्सम ‘अवश्याय’ है।

175. निम्नलिखित में से ‘धूम्र’ का तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) जुआ (b) धुआँ
(c) भौरा (d) मक्खी

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘धूम्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘धुआँ’ है। इसी प्रकार ‘जुआ’, ‘भौरा’ तथा ‘मक्खी’ तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम शब्द क्रमशः ‘द्यूत’, ‘भ्रमर’ तथा ‘मक्षिका’ हैं।

176. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

- (a) अमिय (b) मनुष्य
(c) स्तम्भ (d) गमन

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘अमिय’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अमृत’ है, जबकि ‘मनुष्य’, ‘स्तम्भ’ तथा ‘गमन’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘मानुष’, ‘खम्भा’ तथा ‘गौना’ हैं।

177. ‘कोष्ठ’ का तद्भव शब्द है—

- (a) काठ (b) केवट
(c) कुछ (d) कोख

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कोष्ठ’ का तद्भव शब्द ‘कोख’ है। इसी प्रकार ‘काठ’, ‘केवट’ एवं ‘कुछ’ तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम शब्द क्रमशः ‘काष्ठ’, ‘कैवर्त’ तथा ‘किंचित’ होते हैं।

178. निम्नलिखित में से ‘पीठ’ का तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) प्रतिवेश (b) प्रस्वेद
(c) पृष्ठ (d) पुष्कर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पीठ’ का तत्सम शब्द ‘पृष्ठ’ है, जबकि ‘प्रतिवेश’, ‘पड़ोस’ का तत्सम है। ‘प्रस्वेद’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘पसीना’ है। इसी प्रकार ‘पुष्कर’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘पोखर’ है।

179. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा नहीं है?

- (a) कार्य (b) युक्ति
(c) चोटी (d) शृंगार

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘चोटी’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘चूड़ा’ है। इसी प्रकार ‘कार्य’, ‘युक्ति’ तथा ‘शृंगार’ तत्सम शब्द हैं। इनके तद्भव शब्द क्रमशः ‘कारज’, ‘जुगति’ तथा ‘सिंगार’ हैं।

180. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) विसरना (b) उपानह

(c) गुञ्जा

(d) गुंठन

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘विसरना’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘विस्मृति’ है, इसी प्रकार ‘उपानह’, ‘गुञ्जा’ तथा ‘गुंठन’ के तद्भव ‘पनही’, ‘घुँघची’ तथा ‘घुँघट’ हैं।

181. निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) कुंजी (b) नहना
(c) नैहर (d) षष्ठ

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘षष्ठ’ तत्सम है, इसका तद्भव ‘छठा’ है, जबकि ‘कुंजी’ का तत्सम ‘कुञ्जिका’ तथा ‘नहना’ का तत्सम ‘नखहरण’ है। ‘नैहर’ का तत्सम ‘ज्ञातिगृह’ है।

182. ‘स्कन्ध’ का तद्भव शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) स्तम्भ (b) अभ्यन्तर
(c) कंधा (d) चौपाया

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘स्कन्ध’ का तद्भव शब्द ‘कंधा’ है, जबकि ‘स्तम्भ’ का तद्भव रूप ‘खम्भा’ है। ‘अभ्यन्तर’ का तद्भव ‘भीतर’ तथा ‘चौपाया’ का तत्सम ‘चतुष्पद’ है।

183. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) पत्थर (b) सांचा
(c) रीस (d) पाषाण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पाषाण’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘पाहन’ है। ‘पत्थर’ तद्भव है, इसका तत्सम ‘प्रस्तर’ होता है, जबकि ‘सांचा’ का तत्सम ‘सच्चक’ तथा ‘रीस’ का तत्सम ‘ईर्ष्या’ है।

184. निम्नलिखित में से ‘बुभुक्षा’ का तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) अंगोछा (b) भूख
(c) विछोह (d) छिलका

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘बुभुक्षा’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘भूख’ है। इसी प्रकार ‘अंगोछा’, ‘विछोह’ तथा ‘छिलका’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः ‘अंगप्रौछा’, ‘विक्षोभ’ तथा ‘शकल’ होगा।

185. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) मृत्तिका (b) वाग
(c) रैन (d) छाजन

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मृत्तिका’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘मिट्टी’ है, जबकि ‘वाग’, ‘रैन’ तथा ‘छाजन’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम रूप क्रमशः ‘वल्गा’, ‘रजनी’ तथा ‘छादन’ हैं।

186. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) कटाह (b) अवर
(c) रिक्त (d) कड़वा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कड़वा’ का तत्सम ‘कटु’ है, जबकि ‘कटाह’, ‘अवर’ तथा ‘रिक्त’ तत्सम शब्द हैं। इनके तद्भव क्रमशः ‘कड़ाह’, ‘ओर’ तथा ‘रीता’ हैं।

187. निम्नलिखित में से ‘कड़वा’ का तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) चणक (b) महार्घ
(c) कति (d) कटु

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

188. निम्नलिखित में से ‘गेहूँ’ का तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) गृध्र (b) गोधूम
(c) गो (d) ग्रन्थि

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘गेहूँ’ शब्द का तत्सम रूप ‘गोधूम’ है, जबकि ‘गृध्र’, ‘गो’ तथा ‘ग्रन्थि’ तत्सम शब्द हैं। इनके तद्भव क्रमशः ‘गीध’, ‘गाय’ तथा ‘गाँठ’ हैं।

189. ‘गेहूँ’ शब्द का तत्सम है—

- (a) गोधूम
(b) गोहूँ
(c) गोहुम
(d) गोधुम

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

190. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?

- (a) नेह (b) तपसी
(c) निम्ब (d) दाख

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘निम्ब’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘नीम’ है। इसी प्रकार ‘नेह’, ‘तपसी’ तथा ‘दाख’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः ‘स्नेह’, ‘तपस्वी’ तथा ‘द्राक्षा’ हैं।

191. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) कंकण (b) कृष्ण
(c) शिक्षा (d) दही

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘दही’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘दधि’ है। ‘कंकण’, ‘कृष्ण’ तथा ‘शिक्षा’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव शब्द क्रमशः ‘कंगन’, ‘कान्हा’ तथा ‘सीख’ हैं।

192. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) क्षेत्र (b) भादो
(c) कटहरा (d) हुलास

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘क्षेत्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘खेत’ है, जबकि तद्भव शब्द ‘भादो’, ‘कटहरा’ तथा ‘हुलास’ के तत्सम क्रमशः ‘भाद्रपद’, ‘काष्ठगृह’ तथा ‘उल्लास’ हैं।

193. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) अक्षर (b) गोस्वामी
(c) आँसू (d) यमुना

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘आँसू’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अश्रु’ होता है। ‘अक्षर’, ‘गोस्वामी’ तथा ‘यमुना’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव शब्द क्रमशः ‘आखर’, ‘गोसाईं’ तथा ‘जमुना’ हैं।

194. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) बधिर (b) परगट
(c) अमृत (d) जीर्ण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘परगट’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘प्रकट’ होता है, जबकि ‘बधिर’ का तद्भव ‘बहरा’, ‘अमृत’ का तद्भव ‘अमिय’ तथा ‘जीर्ण’ का तद्भव ‘झीना’ होता है।

195. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) ओझा (b) औंधा
(c) ईधन (d) कृष्ण

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कृष्ण’ शब्द तत्सम है, इसका तद्भव शब्द ‘कान्हा’ है। ‘ओझा’ का तत्सम ‘उपाध्याय’ तथा ‘औंधा’ का तत्सम ‘अवमूर्ध’ है। इसी प्रकार ‘ईधन’ का तत्सम ‘ईधन’ है।

196. निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) मौत (b) पाषाण
(c) पुष्कर (d) क्षेत्र

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मौत’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘मृत्यु’ है। ‘पाषाण’, ‘पुष्कर’ तथा ‘क्षेत्र’ तत्सम शब्द हैं। इनके तद्भव शब्द क्रमशः ‘पाहन’, ‘पोखर’ तथा ‘खेत’ हैं।

197. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) सुई-सुइया
(b) ग्वाल-गोआल
(c) गँवार-ग्रामीण
(d) आँख-अक्षी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म ‘गँवार-ग्रामीण’ है, जबकि अन्य विकल्पों के सही शब्द-युग्म इस प्रकार हैं—‘सुई-सूचिका’, ‘ग्वाल-गोपाल’ तथा ‘आँख-अक्षि’।

198. ‘अचरज’ का तत्सम रूप निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) ईहा
(b) स्पृहा
(c) आश्चर्य
(d) लिप्सा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अचरज’ का तत्सम रूप ‘आश्चर्य’ है, जबकि अन्य विकल्प ‘इच्छा’ के पर्यायवाची हैं।

199. निम्नलिखित शब्दों में से ‘चौथा’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) चतुष्पद
(b) चतुष्क
(c) चतुष्काठ
(d) चतुर्थ

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘चौथा’ का तत्सम रूप ‘चतुर्थ’ है। ‘चतुष्पद’, ‘चतुष्क’ तथा ‘चतुष्काठ’ के तद्भव क्रमशः ‘चौपाया’, ‘चौक’ तथा ‘चौखट’ हैं।

200. निम्नलिखित में से ‘आँख’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) ईदृश (b) अक्षि
(c) दंष्ट्रिका (d) दर्श

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘आँख’ का तत्सम रूप ‘अक्षि’ है, जबकि ‘ईदृश’, ‘दंष्ट्रिका’ तथा ‘दर्श’ के तद्भव क्रमशः ‘ऐसा’, ‘दाढ़ी’ तथा ‘दरस’ हैं।

201. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) बच्चा (b) शब्द
(c) कास (d) रोम

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बच्चा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘वत्स’ है। ‘शब्द’ का तद्भव ‘सबद’ तथा ‘रोम’ का तद्भव ‘रोआँ’ होता है। ‘कास’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘खाँसी’ होता है।

202. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द को पहचानिए—

- (a) कई (b) जब
(c) भक्त (d) मोर

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘भक्त’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘भगत’ है। ‘कई’, ‘जब’ तथा ‘मोर’ के तत्सम शब्द ‘कति’, ‘यदा’ तथा ‘मयूर’ हैं।

203. ‘भक्त’ का तद्भव क्या है?

- (a) भगत (b) श्रद्धा
(c) प्रेम (d) भाप

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘भक्त’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘भगत’ है।
‘भाप’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘वाष्प’ है।

204. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) गाँव-ग्रामीण
(b) आम-आम्र
(c) जड़-जड़ज
(d) जो-यह

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म ‘आम-आम्र’ है, जबकि अन्य विकल्पों के सही शब्द-युग्म इस प्रकार हैं— ‘गाँव-ग्राम’, ‘जड़-जटा’ तथा ‘जो-यः’।

205. ‘गाँठ’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) गट्टी (b) गट्ठर
(c) ग्रन्थि (d) अंगुष्ठ

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 1998

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘गाँठ’ का तत्सम रूप ‘ग्रन्थि’ है, जबकि ‘गट्टी’ शब्द ‘गाँठ’ का पर्यायवाची है, ‘गट्ठर’ शब्द ‘ढेर को बाँधने’ के संदर्भ में प्रयुक्त होता है तथा ‘अंगुष्ठ’ शब्द ‘अँगूठा’ का तत्सम रूप है।

206. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) देवर (b) जेठ
(c) भतीजा (d) पुत्रवधू

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 1998

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पुत्रवधू’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘पतोहू’ है। तद्भव शब्द ‘देवर’ का तत्सम ‘द्विवर’ है। ‘जेठ’ का तत्सम ‘ज्येष्ठ’ तथा ‘भतीजा’ का तत्सम ‘भ्रातृज्य’ है।

207. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द चिह्नित करें—

- (a) गोसाईं (b) जाड़्य
(c) संतापन (d) विक्षोभ

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘गोसाईं’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘गोस्वामी’ है। ‘जाड़्य’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘जाड़ा’ है। ‘संतापन’ तथा ‘विक्षोभ’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘सताना’ तथा ‘विछोह’ हैं।

208. निम्नलिखित में से ‘कंगन’ का तत्सम रूप कौन-सा है?

- (a) कंकती (b) कंकण
(c) कंटकिफल (d) कंसारि

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 1998

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘कंगन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘कंकण’ है। इसी प्रकार ‘कंकती’ तथा ‘कंटकिफल’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘कंघी’ तथा ‘कटहल’ हैं। ‘कंसारि’, श्रीकृष्ण का पर्यायवाची है।

209. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) धुआँ-धूम (b) चबाना-चवर्ण
(c) भभूत-विभूति (d) नेह-सनेह

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में विकल्प (c) सही शब्द-युग्म है। अन्य विकल्पों का सही शब्द-युग्म इस प्रकार है— ‘धुआँ-धूम’, ‘चबाना-चवर्ण’ तथा ‘नेह-सनेह’।

210. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) आग (b) अवर
(c) वंश (d) मंथज

U.P.A.P.O. (Mains), 1997, 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘आग’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अग्नि’ है, जबकि ‘अवर’, ‘वंश’ तथा ‘मंथज’ तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः ‘ओर’, ‘वंश’ तथा ‘मक्खन’ हैं।

211. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए—

- (a) पोथी (b) अँगीठी
(c) अगहन (d) मयूर

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मयूर’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘मोर’ है। ‘पोथी’, ‘अँगीठी’ तथा ‘अगहन’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः ‘पुस्तक’, ‘अग्निष्ठिका’ तथा ‘अग्रहायन’ हैं।

212. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का कौन-सा शब्द-युग्म सही है?

- (a) विड़िया-चटर्क (b) पोथी-पुस्तक
(c) मौसी-मातृजा (d) तुम-तुषमेव

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म 'पोथी-पुस्तक' है, जबकि अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है— 'चिड़िया-चटक', 'मौसी-मातृश्रवसा' तथा 'तुम-तुषमे'।

213. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का कौन-सा शब्द-युग्म सही है?

- (a) चौथा-चतुर्थ (b) इकतीस-इकत्रिंशत्
(c) अड़सठ-अष्टजिष्ठ (d) इतना-ईयत

U.P.A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म 'चौथा-चतुर्थ' है। अन्य विकल्पों का शब्द-युग्म सही रूप इस प्रकार है—'इकतीस-इकत्रिंशत्', 'अड़सठ-अष्टजिष्ठ' तथा 'इतना-ईयत'।

214. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए—

- (a) आशीष (b) केस
(c) कार्य (d) ताप

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'केस' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'केश' है। 'आशीष', 'कार्य' तथा 'ताप' तत्सम शब्द हैं, जिनके तद्भव क्रमशः 'असीस', 'काज' तथा 'ताव' हैं।

215. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) जत्था (b) तपसी
(c) थोड़ा (d) अग्नि

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—'अग्नि' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव 'आग' होता है। 'जत्था', 'तपसी' तथा 'थोड़ा' तद्भव हैं, जिनके तत्सम क्रमशः 'यूथ', 'तपस्वी' तथा 'स्तोक' हैं।

216. निम्नलिखित में से 'आकाश' का तद्भव रूप कौन-सा है?

- (a) आसमान (b) अम्बर
(c) असमान (d) नभ

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(a)

व्याख्या—'आकाश' तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव रूप 'आसमान' है। 'अम्बर' तथा 'नभ', 'आकाश' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'असमान' शब्द 'समान' का विलोम है।

217. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से तद्भव-तत्सम के सर्वोत्तम शब्द-युग्म का चयन कीजिए—

- (a) आज-अर्चि (b) आँच-अद्य

(c) घर-गृह

(d) साँचा-संचक

U.P.A.P.O. (Mains), 1997, 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म 'घर-गृह' है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है—'आज-अद्य', 'आँच-अर्चि' तथा 'साँचा-सच्चक'।

218. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से तद्भव-तत्सम का सर्वोत्तम शब्द-युग्म है—

- (a) उगना-उदात (b) लौहार-लौहकार
(c) सरसों-सर्षप (d) जीभ-जिह्वा

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म 'जीभ-जिह्वा' है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप है—'उगना-उद्गात', 'लोहार-लौहकार' तथा 'सरसों-सर्षप'।

219. 'आँसू' का तत्सम रूप निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) अक्षि (b) चक्षु
(c) अश्रु (d) अभ्र

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

U.P.A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आँसू' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप 'अश्रु' है। 'अक्षि' तथा 'चक्षु' के तद्भव क्रमशः 'आँख' तथा 'चख' हैं। 'अभ्र' का अर्थ बादल होता है।

220. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म कौन-सा है?

- (a) विसरना-भुलाव (b) गेहूँ-गोहूम
(c) पनही-पाहन (d) पुराना-पुराण

U.P.A.P.O. (Mains), 1997

उत्तर—(d)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म 'पुराना-पुराण' या 'पुरातन' होता है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म सही रूप में इस प्रकार हैं—'विसरना-विस्मृति', 'गेहूँ-गोधूम' तथा 'पनही-उपानह'।

221. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) दुग्ध (b) ईख
(c) दही (d) खीर

U.P.A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘दुग्ध’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘दूध’ है। ‘ईख’, ‘दही’ तथा ‘खीर’ तद्भव शब्द हैं। इनके तत्सम क्रमशः ‘इक्षु’, ‘दधि’ तथा ‘क्षीर’ हैं।

222. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का शुद्धतम शब्द-युग्म है—

- (a) अंधा-अंधक (b) फूल-पुष्प
(c) पसीना-प्रश्वेत (d) चबाना-चवर्ण

U.P.A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(b)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म ‘फूल-पुष्प’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है— ‘अंधा-अंध’, ‘पसीना-प्रस्वेद’ तथा ‘चबाना-चर्वण’।

223. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का सर्वोत्तम शब्द-युग्म है—

- (a) गनेस-गणेश (b) दुल्हा-दुल्लह
(c) अनंत-अन्यत्र (d) अग्रणी-अग्रवर्ती

U.P.A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(a)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म ‘गनेस-गणेश’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप है— ‘दुल्हा-दुर्लभ’, ‘अनंत-अन्यत्र’ तथा ‘अगाड़ी-अग्रवर्ती’।

224. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

- (a) सपत्नी (b) रिक्त
(c) वल्गा (d) शक्कर

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘शक्कर’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘शर्करा’ है। ‘सपत्नी’, ‘रिक्त’ तथा ‘वल्गा’ तत्सम हैं, इनके तद्भव क्रमशः ‘सौत’, ‘रीता’ तथा ‘वाग’ हैं।

225. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम रूप है?

- (a) क्षेत्र (b) खेत
(c) सियार (d) कचहरी

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘क्षेत्र’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘खेत’ होता है। ‘सियार’ का तत्सम ‘शृंगार’ तथा ‘कचहरी’ का तत्सम ‘कृत्यगृह’ होता है।

226. ‘परस’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) परसों (b) स्पर्श
(c) साँप (d) पाषाण

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘परस’ शब्द का तत्सम रूप ‘स्पर्श’ होता है। ‘परसों’, ‘साँप’ तथा ‘पाहन’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः ‘परश्वः’, ‘सर्प’ तथा ‘पाषाण’ हैं।

227. ‘चाक’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) चकवा (b) चाकू
(c) चक्र (d) चक

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘चाक’ शब्द का तत्सम रूप ‘चक्र’ होता है। ‘चकवा’ तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम ‘चक्रवाक’ होता है।

228. ‘ताँबा’ शब्द का तत्सम रूप है—

- (a) ताम्बा (b) ताम्र
(c) ताम्ब (d) ताम्र

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘ताँबा’ शब्द का तत्सम रूप ‘ताम्र’ होता है।

229. निम्नलिखित में से तद्भव-तत्सम का कौन-सा शब्द-युग्म सही है?

- (a) अक्खर-अक्षर (b) नेह-स्नेह
(c) भूख-विभुक्षा (d) तौंद-तुंद्र

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—प्रस्तुत विकल्पों में तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म ‘नेह-स्नेह’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है— ‘आखर-अक्षर’, ‘भूख-बुभुक्षा’ तथा ‘तौंद-तुंद्र’।

230. तद्भव-तत्सम का कौन-सा शब्द-युग्म सही है?

- (a) गाय-गो (b) कौन-किनु
(c) क्यो-किपु (d) झूठा-झुष्ट

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—तद्भव-तत्सम का सही शब्द-युग्म ‘गाय-गो’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म सही रूप में इस प्रकार हैं— ‘कौन-कापुनः’, ‘क्यो-किपुनः’ तथा ‘झूठा-जुष्ट’।

231. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द कौन-सा है?

- (a) आशीष (b) दरसन
(c) आश्रय (d) उद्घाटन

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘दरसन’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘दर्शन’ है। ‘आशीष’, ‘आश्रय’ तथा ‘उद्घाटन’ तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः ‘असीस’, ‘आसरा’ तथा ‘उघाड़ना’ हैं।

232. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) सुहाग (b) भाभी
(c) रीस (d) मनुष्य

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘मनुष्य’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘मानुष’ है। ‘सुहाग’, ‘भाभी’ तथा ‘रीस’ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम क्रमशः ‘सौभाग्य’, ‘भ्रातृभार्या’ तथा ‘ईर्ष्या’ हैं।

233. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) पुरुषारथ-पुरुषार्थ (b) भतीजा-भार्तज्य
(c) घी-घित (d) गोद-कोर्ड

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(a)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म ‘पुरुषारथ-पुरुषार्थ’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये सही शब्द-युग्म इस प्रकार हैं—‘भतीजा-भ्रातृज्य’, ‘घी-घृत’ तथा ‘गोद-क्रोड’।

234. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) खटिआ-खट्वा (b) दोपट्टा-द्विपट्ट
(c) तीरथ-तीर्थ (d) सरजोना-सज्जापन

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म ‘तीरथ-तीर्थ’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म सही रूप में इस प्रकार हैं—‘खाट-खट्वा’, ‘दुपट्टा-द्विपट्ट’ तथा ‘सजाना-सज्जापन’।

235. निम्नलिखित में से कौन-सा ‘शब्द’ का तद्भव रूप है?

- (a) सब्द (b) सबद
(c) शबद (d) सुबद

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘शब्द’ तत्सम शब्द है। इसका सही तद्भव ‘सबद’ है, जबकि शेष विकल्पों में दिये गये शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

236. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा तद्भव है?

- (a) दर्शन (b) गधा
(c) ग्रामीण (d) यज्ञमान

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘गधा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘गर्दभ’ है। ‘दर्शन’, ‘ग्रामीण’ तथा ‘यज्ञमान’ तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव क्रमशः ‘दरसन’, ‘गँवार’ तथा ‘जिजमान’ अथवा ‘जजमान’ होते हैं।

237. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द कौन-सा है?

- (a) खीर (b) अमिय
(c) कोख (d) नासिका

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘नासिका’ तत्सम शब्द है। इसका तद्भव ‘नाक’ होता है। ‘खीर’, ‘अमिय’ तथा ‘कोख’ तद्भव शब्द हैं, इनके तत्सम क्रमशः ‘क्षीर’, ‘अमृत’ तथा ‘कुक्षि’ हैं।

238. ‘अंगोछा’ तद्भव शब्द का तत्सम रूप निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) अंगरक्षक (b) अग्निष्टिका
(c) अंगप्रौक्षा (d) अँगरखा

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘अंगोछा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अंगप्रौक्षा’ है। ‘अग्निष्टिका’ तत्सम शब्द है, इसका तद्भव ‘अँगीठी’ है। ‘अँगरखा’ तद्भव शब्द है, इसका तत्सम ‘अंगरक्षक’ है।

239. तद्भव से तत्सम बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) सत्तू-सतुआ
(b) लौंग-लवांग
(c) घोड़ा-घोटक
(d) गेना-गेंद

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(c)

व्याख्या—तद्भव से तत्सम बना सही शब्द-युग्म ‘घोड़ा-घोटक’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है—‘सत्तू-सत्तु’, ‘लौंग-लवंग’ तथा ‘गेंद-कंदुक’।

240. तत्सम से तद्भव रूप में बने सही शब्द-युग्म को चिह्नित कीजिए—

- (a) वत्स-बछड़ा (b) वत्स-बालक
(c) शबद-सबद (d) गोधूल-गेहूँ

U.P.A.P.O. (Mains), 1988

उत्तर—(a)

व्याख्या—तत्सम से तद्भव बना सही शब्द-युग्म ‘वत्स-बछड़ा’ है। अन्य विकल्पों में दिये गये शब्द-युग्म का सही रूप इस प्रकार है—‘वत्स-बच्चा’, ‘शब्द-सबद’ तथा ‘गोधूम-गेहूँ’।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

पूर्व परीक्षा में आए हुए प्रश्नों पर ही ध्यान केन्द्रित कर लिया जाय, तो अधिकांश प्रश्न हल किये जा सकते हैं, लेकिन कोई प्रश्न छूट न जाये इस दृष्टि से यहाँ व्यापक और प्रामाणिक अध्ययन सामग्री प्रस्तुत की जा रही है।

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अमिय	अमृत	अच्छा	अच्छ	असगंध	अश्वगंध
अच्छर	अक्षर	अछल	अच्छल	असन	अशन
अनत	अन्यत्र	अछेद	अछेद्य	असम्मत्	अश्वमत
अमचूर	आम्रचूर्ण	अजवायन	यवनिका	अशोच	अशुचि
अनाज	अन्न	अटाला	अट्टाल	अहीर	आभीर
अमोल	अमूल्य	अटित	अटा	अहेर	आखेट
अकास	आकाश	अठखेली	अष्टकेलि	अफीम	अहि-फेन
अगाड़ी	अग्रवर्ती	अठमासा	अष्टमास	अस्सी	अशीति
अमावस	अमावस्या	अधिष्ठाता	अधिष्ठातृ	अलच्छन	अलक्षण
अकेला	एकल	अधोगामी	अधगामिन्	अचवन	आचमन
अरपन	अर्पण	अनकना	आकर्षण	अनूठा	अनुत्थ
अकथ	अकथ्य	अनुगामी	अनुगामिन्	अलोना	अलवण
अजान	अज्ञान	अनुभवी	अनुभविन्	अरग	अर्क
अगुवा	अग्रणी	अनुयायी	अनुयायिन्	अम्मा	अम्ब
अस्तुति	स्तुति	अनुरागी	अनुरागिन्	अच्छत	अक्षत
अधरम	अधर्म	अनुराधना	अनुराधन्	अठारह	अष्टादश
अद्धा/अद्ध/आधा	अर्द्ध	अपकर्ता	अपकर्तृ	अदरक	आर्द्रक
अनसन	अनशन	अपहर्ता	अपहर्तृ	अपना	आत्मनः
अनेह	अस्नेह	अबेर	अवेला	अकाज	अकार्य
अलग	अलग्न	अभागा	अभाग्य	अचरज	आश्चर्य
अटारी	अट्टालिका	अभिनेता	अभिनेतृ	अढ़ाई	अर्धतृतीय
अछोह	अक्षोभ	अभिमानी	अभिमानिन्	अट्टानबे	अष्टानवति
असाढ़	आषाढ़	अभिलाषी	अभिलाषिन्	अट्टासी	अष्टाशीति
अपढ़	अपठ	अमीत	अमित्र	अपाहिज	अपादहस्त
अखरोट	अक्षोट	अरघा	अर्घ	असीस	आशीष
अड्डा	अट्टा	अरचना	अर्चन	अट्टावन	अष्टापंचाशत
अखाड़ा	अक्षवाट	अलता	अलक्तक	अड़सठ	अष्टाजष्टि
अगम	अगम्य	अनमोल	अलम्य/अमूल्य	अनाड़ी	अनार्य
अगवाड़ा	अग्रवाट	अलसी	अतसी	अनी	अणि
अगहन	अग्रहायन	अलाव	अलात	आभूसन	आभूषण
अगुआ	अग्रप	अवगाह	अवगाध	आयसु	आदेश
अचम्भा	असम्भव	अवध	अयोध्या	आचर	आंचल
अचकन	कंचुक	अवलोजना	आलुंचन	आलस	आलस्य
अचानक	अज्ञानात्	अवहेलना	अवहेलन	आम	आम्र
अचूक	अमोघ			आरसी	आदर्शिका
				आग	अग्नि

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
आठ	अष्ट	उघाड़ना	उद्घाटन	आँगन	अंगण
आकांक्षी	आकांक्षिन्	उचाट	उच्चाट	आँचल	अंचल
आना	आगमन/आणक	उछंग	उत्संग	आँत	अन्त्र
आरती	आराति	उजड़ु	उज्जड़	आँवला	आमलक
आरोही	आरोहिन्	उतरना	अवतरण/उन्तरण	आँस	पाश
आज	अद्य	उपभोक्ता	उपीभोक्तृ	आँजुली	अंजलि
आदृत	आद्यत्व	उपमाता	उपमातृ	आँगोछा	अंगप्रौछा
आप	आत्मा	उपला	उत्पल	आँखुआ	अंकुर
आसरा	आश्रय	उलंघना	उल्लंघन	आँधेरा	अन्धकार
इमली	अमलीका	उल्लू	उल्लूक	आँगूठी	अंगुष्ठिका
इकड़ु	एकत्र	ऊँट	उष्ट्र	आँगिया	अंगिका
इक्कीस	एकविंशति	ऊखल	उदखल	आँख	अक्षि
इकतीस	एकत्रिंशत्	ऊँचा	उच्च	आँकर	आकार
इकतालीस	एकचत्वारिंशत्	ऊधम	उद्धम	आवाँ	आपाक
इकलौता	एकलपुत्र	ऊन	ऊर्ण	अंगुरी	अंगुलि
इतना	इयत	ऋणी	ऋणिन्	अंधा	अंध
इतवार	आदित्यवार	एवम	इमि	अंस	अंश
ईधन	ईधन	एका	ऐक्य	कहार	स्कन्धभार
ईषना	एषणा	ऐँड़ना	अवगुंठन	कपड़ा	कर्पट
ईख	इक्षु	ऐँठना	आवेष्टते	केवट	कैवर्त
ईषा	ईर्ष्या	ऐसा	ईदृश	काना	काणः
ईंट	इष्टिका	ओर	अवर	करम	कर्म
उठ	उत्तिष्ठ	ओस	अवश्याय	कोठी	कोष्ठिका
उबालना	उद्बालन	ओझा	उपाध्याय	कोस	क्रोश
उजला	उज्ज्वल	ओँठ	ओष्ठ	करतब	कर्तव्य
उपास	उपवास	ओढ़ना	उपवेष्टन	कोढ़ी	कुष्ठी
उठान	उत्थान	ओसार	प्रसार	कौवा	काक
उलाहना	उपालम्भ	ओला	उपल	कोना	कोण
उसास	उच्छ्वास	औतार	अवतार	किनकी	कणिका
उपरोक्त	उपर्युक्त	औगुन	अवगुण	केहरी	केशरी
उछाह	उत्साह	औंगना	अंचन	कलेश	क्लेश
उगना	उद्गात	औंदना	उन्माद/उद्विग्न	कच्चा	कुपच
उड़ना/उड़ान	उड्डयन	औटाना	उत्तापन	कूची	कूर्चिका
उन्तीस	ऊनत्रिंशत्	और	अपर	कंगन	कंकण
उन्नीस	एकोनविंशति	औंधा	अवमूर्ध	कंधी	कंकती
उँड़ेलना	उद्धरण	अँगरखा	अंगरक्षक	कई	कति
उकेरना	उत्कीर्ण	अँगीठी	अग्निष्टिका	कचहरी	कृत्यगृह
उखड़ना	उत्खात	अँगूठा	अंगुष्ठ	कुंजी	कुंचिका
उघटना	उत्कथन	आँच	अर्चि	कुछ	किंचित्
				कुम्हड़ा	कूष्माण्ड

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
कौन	कापुनः	करतूत	कर्तव्य	कोख	कुक्षि
क्यों	किपुनः	करदम	कर्दम	कोढ़	कुष्ठ
कटहरा	काष्ठगृह	करवट	करवर्त्त/करपत्र	कोयल	कोकिल
कटहल	कंटकिफल	करिया	कर्णिक	कौड़ी	कपर्दिका
कड़ाह	कटाह	करेला	कारुवेल्ल	कौर	कवल
कपूत	कुपुत्र	करौंदा	करमर्द	क्यारी	केदारिका
काठ	काष्ठ	कलसा	कलश	सिंघाड़ा	शृंगाटक
काज/कारज	कार्य	कलाई	कलाची	खार	क्षार
कान	कर्ण	कली	कलिका	खान	खनि
कान्ह/कान्हा	कृष्ण	कलेवा	कल्य	खजूर	खर्जूर
किसन	कृष्ण	कसना	कर्षण	खड़ाऊँ	काष्ठपादू
कंकड़	कर्कर	कहानी	कथनिका	खड़िया	खटिका
कंघा	कंक	काँटा	कंटक	खड्डु	खात
कंडिहार	कर्णधार	काजल	कज्जल	खत्री	क्षत्रिय
कंधार	गांधार	काटना	कर्तन	खपड़ा/खप्पर/खोपड़ा	खर्पर
ककड़ी	कर्कटी	काटी	कर्त्री	खपाना	क्षेपण
कक्कड़	कर्कर	काम	कर्म	खाट	खट्वा
कच्चा	कषण	कायर	कातर	खीर	क्षीर
कछार	कच्छ	किवाड़	कपाट	खुदरा	क्षुद्र
कछुआ	कच्छप	किसान	कृषाण/कृषक	खुर	क्षुर
कटार	कट्टार	कुँआरा	कुमार	खुरपा	क्षुरप्र
कठौत	काष्ठपात्र	कुंदन	कुंद	खूँटा	क्षोड
कड़ा	कटक	कुआँ	कूप	खेप	क्षेप
कडुआ	कटुक	कुई	कुव	खेल	केलि
कढ़ना	कर्षण	कुटिया	कुटी	खेदक	क्षेपक
कतक	कुंतः	कुत्ता	कुक्कुर	खोई	क्षोद्र
कत्ती	कर्त्तरी	कुदाल	कुद्दाल	खोज	क्षोद्य
कथक	कथक	कुनकुना	कदुष्ण	खेत	क्षेत्र
कथा	क्वाथ	कुनबा	कुटुम्ब	खेती	क्षेत्री
कनेर	कणेर	कुबड़ा	कुब्ज	खम्भा	स्तम्भ
कन्नौज	कान्यकुब्ज	कुम्हार	कुम्भहार/कुम्भकार	खाँसी	कास
कपटना	कल्पन	कुल्हड़	कुल्हर	खुजली	खर्जू
कपास	कर्पास	कुल्हाड़ा	कुठार	गलना	गलन
कपूर	कर्पूर	केंचुआ	किंचिलिक	गर्मी	ग्रीष्म
कब	कदा	केंचुली	कंचुक	गोबर	गोमय/गोमल
कबड्डी	कपर्दी	केकड़ा	कर्कट	गिनना	गणन
कबाड़	कर्पट	केवड़ा	केविका	गनेश	गणेश
कबूतर	कपोत	केला	कदली	गाँव	ग्राम
कमंडल	कमंडलु	कैथ	कपित्थ	गधा	गर्दभ
करतार	कर्तार	कैसा	कीदृश	गात	गात्र

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
गेहूँ	गोधूम	चकवा	चक्रवाक	जमाई/जवाई	जामातृ
गुन	गुण	चबूतरा	चत्वर	जेठ	ज्येष्ठ
गोरा	गौर	चमगादड़	चर्मचटक	जुगति	युक्ति
गहरा	गम्भीर	चमार	चर्मकार	जुआ	द्युत
गगरा	गर्गत	चमेली	चम्पकवेलि	जो	यः
गठन	घटन	चौंद	चन्द्र	जोड़ा	युक्त
गठना	ग्रंथन	चालीस	चत्वारिंशत	जनेऊ	यज्ञोपवीत
गड़ना/गड़ढ़ा	गर्त	चुनना	चयन	जागना	जागरण
गहन	ग्रहण	चुल्हू	चुलुक	जीरा	जीरक
गाँठना	ग्रंथन	चूरमा/चूरा	चूर्ण	जैसा	यादृश
गाल	गड़/गल्ल	चूल्हा	चूल्लि	झीवर	धीवर
गिरगिट	गलगति	चेटका	चित्या	झुकना	अध्युक्त
गुँधना	गुध	चेला	चेटक	झीना	जीर्ण
गुठली	गुटिका	चोटी	चूड़ा	झूठा	जुष्ट
गुट्ट	गोष्ठ	चौकोना/चौकोर	चतुष्कोण	टकसाल	टंकशाला
गोखरु	गोक्षुर	चौगुना	चतुर्गुण	टाँका	टंक
गेंद	कंदुक	चौड़ा	चतुष्पदक	टाट	तंतु
गोद	क्रोड	चौमासा	चतुर्मास	टूटना	त्रुट्यते
गौना	गमन	चौरासी	चतुरशीति	टोली	तोलिका
ग्वाल	गोपाल	छाँह	छाया	ठग	स्थग
गवैया	गायक	छोह	क्षोभ	ठहर	स्थल
घी	घृत	छाता	छत्रक	ठौर	तुंड
घिरना	ग्रहण	छप्पय	षट्पद	डाइन	डाकिनी
घिसना/घूसना	घर्षण	छोटा	क्षुद्र	डण्डा	दण्ड
घोड़ा	घोटक	छेद	छिद्र	डिम्भ	दम्भ
घुँघची	गुञ्जा	छाजन	छाद्य/छादन	तिकोना	त्रिकोण
घूँघट	गुंठन	छिलका	शकल	तमोली	ताम्बूलिक
घड़ा	घट	जड़	जटा	तिनका	तृण
चना	चणक	जब	यदा	ताँबा	ताम्र
चूना	चूर्ण	जम्हाई	जृम्भिका	तालाब	तड़ाग
चाक	चक्र	जाड़ा	जाड्य	तिक्ख/तीखा	तीक्ष्ण
चरन	चरण	जोगी	योगी	तिगुना	त्रिगुण
चितेरा	चित्रकार	जंतर	यंत्र	तुरंत/तुरत	त्वरित
चबाना	चर्वण	जाँघ	जंघा	तेरह	त्रयोदश
चिड़िया	चटिका	जलन	ज्वलन	तेल	तैल
चाँदनी	चंद्रिका	जग	जगत्	तेवर	त्रिकुटी
चौथा	चतुर्थ	जवान	युवान	तैसा	तादृश
चौपाया	चतुष्पद	जोबन	यौवन	तेरा	तव/केर
चौक/चौका	चतुष्क	जौ	यव	तोंद	तुंद
चौखट	चतुष्काठ	जत्था	यूथ	त्योँ	तदा एवम्

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
तपसी	तपस्वी	धरती	धरित्री	नाव	नौका
त्योहार	तिथिवार	धूरि	धूलि	नाहर	नरहरि
तुम	तुषमे	धीरज	धैर्य	निछल	निश्छल
ताव	ताप	धनिया	धनिका	पट्टा	पट्ट
तीजा	तृतीयक	धरम	धर्म	पट्टी	पट्टिका
थोड़ा	स्तोक	धुआँ	धूम्र	पड़ताल	परितोलन
थन	स्तन	धान	धान्य	पनहा	परिणाह
थल	स्थल	धुनि	ध्वनि	पनवार	पर्ण
थामना	स्तम्भन	निहाई	निघाति	पत्थी	पर्यस्त
थान	स्थान	निगलना	निर्गलन	पहेली	प्रहेलिका
थाल	स्थाल	नाखून	नख	पान	पर्ण
थाली	स्थाली	नीम	निम्ब	पाही	पाथैय
देवर	द्विवर	नाच	नृत्य	पाहुना	प्राघूर्ण
दाद	ददु	नाती	नप्त	पिछौरा	पक्षपट
दच्छ	दक्ष	नींद	निद्रा	पिटारा	पिटक
दीवाली	दीपावली	निटुर	निष्ठुर	पिता	पितृ
देखना	दृश	नखत	नक्षत्र	पिरोना	प्रोत
दीठ	दृष्टि	नाक	नासिका	पीठा	पिष्टक
दस	दश	नींबू	निम्बक	पीड़क	पीडक
दामाद	जामाता	नेवता	निमंत्रण	पीपल	पिप्पल
दूल्हा	दुर्लभ	निबाह	निर्वाह	पीर	पीड़ा
दुरद	द्विरद	नहान	स्नान	पीला	पीत
दाँत	दंत	नेम	नियम	पुतला	पुत्रक
दिया	दीप	नस	स्नायु	पूँछना	पृच्छण
दूजा (दूसरा)	द्वितीय	नया	नव	पूरा	पूर्ण
दरसन	दर्शन	नाई	नापित	पेंदा	पिण्ड
दूना	द्विगुण	नेह	स्नेह	प्रणेता	प्रणेतृ
दर्ई	दैव	नैन	नयन	पड़ोसी	प्रतिवेशी
दुबला	दुर्बल	नंगा	नग्न	पड़ोस	प्रतिवेश
दूब	दूर्वा	नंदोई	ननांदृपति	पीछे	पश्चात्
दसवाँ	दशम	नहना	नखहरण	पीठ	पृष्ठ
दाढ़ी	दंष्ट्रिका	नेवला	नकुल	पीढ़ा	पीठक
दबाना	दमन	नैहर	ज्ञातिगृह	पराठा	पर्पट
दोहता	दौहित्र	नोचना	लुंचन	पहर	प्रहर
दुपट्टा	द्विपट्ट	धर्ता	धर्तृ	पोखर	पुष्कर
दाई	धात्री/धाया	धाम	धामन्	पोथी	पुस्तक
दाख	द्राक्षा	नमक	लवण	पूँजी	पुञ्ज
दोहरा	द्विधा-सृत	नाँद	नंदक	पुआ	पूप
दोना	द्रोण	नाता	ज्ञाति	परनाली	प्रणाली
धोना	धावन	नारियल	नारिकेल	पीढ़ी	पीठिका

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
पाना	प्रापण	पल्ला	पल्लव	बिछड़ना	विच्छेद
पांत	पंक्ति	पहुँच	प्रभुत्व	बिछाना	विस्तरण
पगहा	प्रग्रह	परीवा	प्रतिपदा	बिनना	वीक्षण
पतला	प्रतनु	पन्ना	पर्ण	बिसरना	विस्मृत
पत्ता	पत्र	पुजारी	पूजाकारी	बीच	द्वीच
परख	परीक्षा	पुरान	पुराण	बीड़ा	वीटक
पतोहू	पुत्रवधू	पिटारा	पिटक	बीतना/बीता	व्यतीत
परछाई	प्रतिच्छाया	फागुन	फाल्गुन	बीन	वीणा
पाख	पक्ष	फावड़ा	परशु	बीहड़	विकट
पकवान	पक्वान्न	फोड़ा	स्फोट	बुड़ड़ा	वृद्ध
पाती	पत्रिका	फाँसी	पाशिका	बुदिया	वृद्धा
पाहन	पाषाण	फूल	पुष्प	बुरा	विरुप
पक्का	पक्व	फहराना	प्रसारण	बूँद	बिन्दु
पूँछ	पुच्छ	फाँदना	फणन्	बेचना	विक्रय
परसों	परश्वः	फाँस/फाँसी	पाश	बेटा	बटु
पहरुआ	प्रहरी	फूटना	स्फुटन	बेधना	वेधन
पूरब	पूर्व	फेंकना	प्रेषण	बेधर्म	विधर्म
परस	स्पर्श	फोड़ना	स्फोटन	बेन	वेणु
प्यास	पिपासा	फिटकरी	स्फटिक	बेबस	विवश
पसारना	प्रसारण	बंसी	वंशी	बेल	बिल्व
पाँव	पाद	बखान	व्याख्यान	बैन	वचन
पलड़ा	पटल	बघारना	अवधारणा	बोना	वपन
पपड़ी	पर्पटी	बचन	वचन	बोहनी	बोधन
पास	पार्श्व	बटुआ	वर्तुल	बौर	बेलि
पन्दरह	पंचादश	बटेर	वर्तक	ब्याह	विवाह
पनसारी	पण्यशालिक	बढ़ई	वर्द्धकि	ब्योरा/ब्यौरा	विवरण
पसरना	प्रसरण	बदन	वदन	बादल	वारिद
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	बनिया	वणिक	बच्चा/बछड़ा	वत्स
पखवारा	पक्षवार	बरात	वरयात्रा	बंश	वंश
पलंग	पर्यंक	बहरा	बधिर	बिच्छू	वृश्चिक्
पानि	पाणि	बहुरना	व्याघुट	बींधना	बेधन
पूस	पुष्य	बहू	वधू	बिनती	विनति
पूत	पुत्र	बाँझ	बंध्या	बावला	बातुल
पोता	पौत्र	बाँस	वंश	बाजा	वाद्य
परमारथ	परमार्थ	बाँह	बाहु	बरसना	वर्षण
पत्थर	प्रस्तर	बाघ	व्याघ्र	बहनोई	भगिनीपति
पसीना	प्रस्वेद/प्रस्विन्न	बात	वार्ता	बगुला	वक
पिया	प्रिय	बालम	वल्लभ	बरस	वर्ष
पुरषारथ	पुरुषार्थ	बालू	बालुका	बजरंग	वज्रांग
पुतली	पुतलिका	बिखरना	विकीर्ण	बौना	वामन

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
बाड़ी	वाटिका	भाला	भल्ल	महावत	महापात्र
बत्ती	वर्तिका	भिगोना	अपूयंज	महुआ	मधूक
बनारस	वाराणसी	भीत/भीति	भित्ति	माँझिल/माँझी	मध्य
बन्दर	वानर	भुगतना	भुक्ति	माँड	मंड
बाँधना	बंधन	भुट्टा	भृष्ट	माथा	मस्तक
बिकना	विक्रयण	भूनना	भर्जन	मारना	मारण
बसेरा	वासगृह	भैंस	महिषी	मिटना	मृष्ट
बूँटी	वृत्तिक	भैंसा	महिष	मीठा	मिष्ट
बाँध	बंध	भोजपत्र	भूर्जपत्र	मुँह	मुख
बीस	विंशति	भाभी	भ्रातृभार्या	मूर्द्ध	मूर्द्धन
बिजली	विद्युत्	भीतर	अभ्यन्तर	मुँछ	श्मश्रु
बारह	द्वादश	भौरा	भ्रमर	मुँज	मुंज
बहन/बहिन	भगिनी	माला	माल्य	मैया	मातृका
बैल	वृषभ	मक्खी	मक्षिका	मैला	मलिन
बायाँ	वाम	मेह	मेघ	मोटा	मुष्ट
बकरा	वर्कर	मौत	मृत्यु	मोटी	मौविक
भादों	भाद्रपद	मौर	मुकुट	मिट्टी	मृत्तिका
भिखारी	भिक्षाकारी	मँडुआ	मण्डप	मक्खन	मंथज
भीख	भिक्षा	महँगा	महार्घ	मुट्टी	मुष्टि
भाप	वाष्प	मुखिया	मुख्य	मौसी	मातृश्वसा
भिच्छुक	भिक्षुक	मरना/मरन	मरण	यच्छ	यत्र
भीसम	भीष्म	माँ	मातृ	यहाँ	अत्र
भालू	भल्लुक	मूँग	मुद्ग	रीठा	अरिष्ट
भूख	बुभुक्षा	मदारी	मंत्रकारी	राजपूत	राजपुत्र
भौंह	भ्रू	मानुष	मनुष्य	राखी	रक्षिका
भगत	भक्त	मंगलवार	भौमवार	रहट	अरघट्ट
भभूत	विभूति	मंजन	मज्जन	रत्ती	रत्तिका
भाई	भ्रातृ	मंजीरा	मंजीर	रेनु	रेणु
भतीजा	भ्रातृज्य	मँडई	मंडप	रखना	रक्षण
भखना	भक्षण	मँडती	मृणन	रगड़ना	घर्षण
भगवान	भगवत	मच्छर	मशक	रस्सी	रज्जु/रश्मि
भदंत	भद्र	मछली	मत्स्य	रहना	स्थैर्य
भावज	भ्रातृजाया	मधुमक्खी	मधुभक्षिका	राई	राजिका
भरना	भरण	मनका	मणिका	राख	क्षार
भला	भद्र	मनिया	माणिक्य	रिस	रुष
भाँग	भृंगी	महत	महत	रीक्ष	ऋक्ष
भांजा	भागिनेय	महात्मा	महात्मन	रोना	रुदन
भाट	भट्ट	महामना	महामनस	रुपया	रूप्य
भाड़	भ्राष्ट्र	महारानी	महाराज्ञी	रुखा	रुक्ष
भाड़ा	भाटक				

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
रानी	राज्ञी	साग	शाक	सियार	शृंगाल
रीता	रिक्त	शीशम	शिशपा	सीख	शिक्षा
रीस	ईर्ष्या	सात	सप्त	सुहाग	सौभाग्य
रैन	रजनी	सगा	स्वकीय	सीला	शीतल
रोआँ	रोम	सीढ़ी	श्रेणी	सोहन	शोभन
लौघना	लंघन	सरबस	सर्वस्व	सास	श्वश्रु
लंगोट	लिंगपट्ट	सुमिरन	स्मरण	ससुराल	श्वसुरालय
लाठी	यष्टि	सगुन	शकुन	सहारा	सहाय
लहसुन	लशुन	सतसई	सप्तशती	साँड	षण्ड
लोहार	लौहकार	सुवरन	स्वर्ण	साँवला	श्यामल
लौंग	लवंग	सलाई	शलाका	साँस	श्वास
लाख	लक्ष	सिर	शिर	साँसत	शास्ति
लम्बा	लम्ब	संयासी	संन्यासी	साग	शाक
लकड़ी	लगुड	साखी	साक्षी	साठ	षष्टि
लटकना	लटन	सांकल	शृंखला	सिंचाई	सेचन
लड्डू	लड्डुक	सपूत	सुपुत्र	साड़ी	शाटिका/शाटी
लहुरा	लघु	साढ़े	सार्द्ध	साला	श्यालक
लादना	लार्दयति	ससुर	श्वसुर	सिखाना	शिक्षण
लालच	लालसा	साँप	सर्प	सींक	इषीका
लेटना	लेटयति	सच	सत्य	सिक्ख	शिष्य
लोढ़ा	लोष्ट	सजाना	सज्जापन	सींग	शृंग
लगना	लग्न	सताना	संतापन	सेज	शय्या
लाज	लज्जा	सत्ताईस	सप्तविंशति	सेमल	शाल्मिल
लँगड़ा	लंग	सतू	सक्तू	सेवई/सेवई	सेविका (व्यंजन के सन्दर्भ में)
लिलार	ललाट	सपना	स्वप्न	सोरठा	सौराष्ट्र
लोहा	लौह	सयाना	सज्ञान	हड्डी	अस्थि
लीख	लिखा	सरसों	सर्षप	हल्दी	हरिद्रा
लोन/नोन	लवण	सुई	सूचिका	हीरा	हीरक
लोयन	लोचन	सैंतालीस	सप्तचत्वारिंशत	हुलास	उल्लास
लच्छन	लक्षण	सेठ	श्रेष्ठी	हिनहिनाना	द्वेषण
लेई	लेपिका	सोंठ	शुष्ठी	हरिस	हलीषा
वाग	वल्गा	सोना	स्वर्ण	हर्ता	हर्तृ
वह	असौ	सिंगार	शृंगार	हलका	लघुक
विधाता	विधातृ	साँचा	सच्चक	हिलोर	हिल्लोल
विछोह	विक्षोभ	समझ	संबुद्धि	हाथी	हस्ती
विनती	विनति	सिक्ख	शिष्य	हथिनी	हस्तिनी
शक्कर	शर्करा	सावन	श्रावण	हरड़	हरीतकी
शशि	शशि				

5. विशेष्य एवं विशेषण

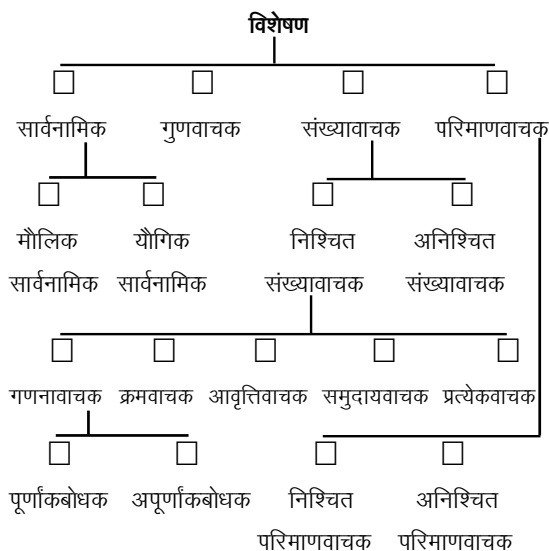
● मार्गदर्शिका

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे **विशेषण** कहते हैं। विशेषण द्वारा जिसकी विशेषता बतायी जाती है, वह **विशेष्य** कहलाता है।

वस्तुतः विशेषण रहित संज्ञा से जिस वस्तु का बोध होता है, विशेषण लगाने पर उसका अर्थ सीमित हो जाता है। उदाहरण के लिए गाय से सम्पूर्ण गाय जाति का बोध होता है, किन्तु सफेद गाय कहने से ऐसी गायों का ही बोध होगा, जो सफेद हों।

□ विशेषण के मुख्य चार भेद हैं—

1. सार्वनामिक अथवा संकेतवाचक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. परिमाणवाचक विशेषण



नोट— विशेषण के भेद के बारे में विभिन्न विद्वानों के मतों में भेद है। प्रख्यात वैयाकरण कामता प्रसाद गुरु अपनी पुस्तक 'हिन्दी व्याकरण' तथा प्रसिद्ध विद्वान डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद अपनी पुस्तक 'आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना' (संस्करण 2018) में विशेषण के तीन भेद (सार्वनामिक, गुणवाचक तथा संख्यावाचक) मानते हैं, जबकि डॉ. हरदेव बाहरी अपनी पुस्तक 'हिन्दी : शब्द-अर्थ-प्रयोग' (संस्करण 2017) में चार भेद (सार्वनामिक, गुणवाचक, संख्यावाचक तथा परिमाणवाचक) मानते हैं।

1. सार्वनामिक अथवा संकेतवाचक विशेषण— सर्वनाम के निजवाचक और पुरुषवाचक रूपों (मैं, तू, वह) से भिन्न सर्वनाम जब किसी संज्ञा से पूर्व आये, तो उन्हें '**सार्वनामिक विशेषण**' कहते हैं। जैसे-यह गाय सुन्दर है। वह घर बड़ा है। यहाँ गाय और घर के ठीक पूर्व आये हुए 'यह' एवं 'वह' सार्वनामिक विशेषण हैं, जो सर्वनाम **संकेत** द्वारा संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, संकेतवाचक विशेषण कहलाते हैं, क्योंकि संकेतवाचक विशेषण सर्वनाम शब्दों से बनते हैं। इन्हें **निर्देशक** भी कहते हैं। **मौलिक सार्वनामिक विशेषण** उन्हें कहते हैं, जो बिना रूप परिवर्तन के यथारूप प्रयुक्त होते हैं। जैसे-यह, वह, कोई, वे आदि। प्रत्यय लगाकर परिवर्तित सर्वनामों से बने विशेषणों को '**यौगिक सार्वनामिक विशेषण**' कहते हैं। जैसे—ऐसी किताब; जैसा देश, वैसा भेष आदि।

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अन्तर	
सर्वनाम	सार्वनामिक विशेषण
जब कोई शब्द किसी संज्ञा के बदले में आता है और किसी वस्तु या प्राणी की ओर संकेत करता है, तो उसे सर्वनाम कहते हैं। जैसे—वह जा रहा है।	जो सर्वनाम शब्द संज्ञा की ओर संकेत करता है और संज्ञा शब्द से पहले उसका प्रयोग किया जाता है, तो वह सार्वनामिक विशेषण होता है। जैसे— वह लड़का जा रहा है।

2. गुणवाचक विशेषण— जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दशा, स्वभाव का बोध कराये उसे '**गुणवाचक विशेषण**' कहते हैं। मुख्य गुणवाचक विशेषण इस प्रकार हैं—

गुण - सच्चा, झूठा, दानी, पापी, न्यायी, दुष्ट, शान्त।

रंग - लाल, पीला, हरा, बैंगनी, चमकीला, फीका।

आकार- टेढ़ा, सीधा, चौकोर, गोल, सुडौल, लम्बा, चौड़ा।

स्थान- क्षेत्रीय, देशी, पंजाबी, भारतीय, अमेरिकी, चौरस, दायँ, बायँ, भीतरी, बाहरी, पूर्वी, पश्चिमी।

काल- नया, पुराना, ताजा, वर्तमान, भविष्य, प्राचीन, आगामी, मौसमी।

दशा- दुबला, पतला, मोटा, भारी, गीला, सूखा।

दिशा (द्रष्टव्य)- पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी, दक्षिणी।

नोट— इन विशेषणों में 'सा' पद जोड़कर गुणों को कम किया जाता है। जैसे- बड़ा-सा, ऊँचा-सा, छोटा-सा।

3. संख्यावाचक विशेषण— जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो, उन्हें 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

□ संख्यावाचक विशेषण के मुख्यतः दो भेद हैं—

(i) निश्चित संख्यावाचक और (ii) अनिश्चित संख्यावाचक।

(i) निश्चित संख्यावाचक के भी पाँच प्रकार होते हैं—

(क) गणनावाचक, (ख) क्रमवाचक, (ग) आवृत्तिवाचक, (घ)

समुदायवाचक एवं (ङ) प्रत्येकवाचक।

(क) गणनावाचक—यह वस्तुओं की गणना बतलाता है; जैसे— सात कारें, बीस कुर्सियाँ।

(ख) क्रमवाचक— यह क्रम के अनुसार गणना का बोध कराता है; जैसे—पहला लड़का, पाँचवीं मंजिल, तृतीय श्रेणी।

(ग) आवृत्तिवाचक—यह एक वस्तु से दूसरी वस्तु के आधिक्य का अनुपात बताता है, जैसे—चौगुना बल, सौगुना धन, दूध से दुगुना पानी।

(घ) समुदायवाचक—यह संख्या के समुदाय का बोध कराता है; जैसे—तीनों मित्र, सातों घर, दोनों बहनें, चारों भाई।

(ङ) प्रत्येकवाचक—इसे प्रत्येकबोधक या पार्थक्यवाचक भी कहते हैं, क्योंकि वे एक जाति के हर (प्रत्येक) वस्तु के सूचक होते हैं। जैसे—हर-एक, प्रत्येक, दो-दो, हर-दूसरे आदि।

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक— इन विशेषणों से वस्तु की निश्चित संख्या ज्ञात नहीं होती है; जैसे—कुछ लोग, ज्यादा चीनी, कम भार।

4. परिमाणवाचक विशेषण— जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा अथवा नाप-तौल का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

□ परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद हैं—

1. निश्चित परिमाणवाचक 2. अनिश्चित परिमाणवाचक

1. निश्चित परिमाणवाचक— जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की निश्चित मात्रा का ज्ञान होता है, वहाँ निश्चित परिमाणवाचक विशेषण होता है। जैसे—दो किलो गेहूँ, एक लीटर दूध, नौ मीटर कपड़ा इत्यादि।

2. अनिश्चित परिमाणवाचक— जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का ज्ञान होता है, वहाँ अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण होता है। जैसे—थोड़ा-सा आटा, कुछ चीनी, बहुत सारा धन इत्यादि।

परिमाणवाचक और संख्यावाचक विशेषण में अन्तर	
परिमाणवाचक	संख्यावाचक
1. इसमें नाप-तौल की वस्तुएँ आती हैं।	1. इसमें गणना योग्य (जिनकी गिनती की जा सके) वस्तुएँ आती हैं।
2. इसमें परिमाणवाचक विशेषणों के बाद पदार्थवाचक अथवा द्रव्यवाचक संख्याएँ आती हैं।	2. इसमें संख्यावाचक विशेषणों के बाद जातिवाचक संज्ञाएँ आती हैं।

□ **प्रविशेषण**— जो शब्द किसी विशेषण की विशेषता बताये, उसे प्रविशेषण कहते हैं। जैसे—मोहन बहुत तेज विद्यार्थी है। इसमें **तेज** विशेषण है और **बहुत** उसका प्रविशेषण।

□ **विशेष्य-विशेषण एवं विधेय-विशेषण**—जो विशेषण विशेष्य के पूर्व आये वह **विशेष्य-विशेषण** (यथा— **चंचल** शिशु, **तेज** विद्यार्थी) कहलाता है। यहाँ विशेषण चंचल एवं तेज अपने विशेष्य शिशु एवं विद्यार्थी के पूर्व आया है। अतः यह विशेष्य-विशेषण है।

जो विशेषण विशेष्य के बाद आये उसे '**विधेय-विशेषण**' कहते हैं; जैसे— मेरी गाय **काली** है। मेरा पुत्र **सुस्त** है।

यहाँ विशेषण काली एवं सुस्त अपने विशेष्य गाय एवं पुत्र के बाद आये हैं। अतः यह विधेय-विशेषण हैं।

□ **विशेष्य-विशेषण रचना**

1. कुछ विशेषण अपने मूल रूप में होते हैं; जैसे— लाल, सुन्दर, गोला, भारी, अच्छा, बुरा, बड़ा, छोटा, ऊँचा, नीचा, मोटा, पतला आदि।

2. कुछ विशेषण संज्ञा (विशेष्य), सर्वनाम और क्रिया शब्दों में प्रत्यय लगाकर बनाये जाते हैं; जैसे—

संज्ञा शब्दों से व्युत्पन्न विशेषण		
संज्ञा शब्द	प्रत्यय	विशेषण
भूख	आ	भूखा
प्यार	आ	प्यारा
प्यास	आ	प्यासा
बंगाल	ई	बंगाली
सुख	ई	सुखी
रोग	ई	रोगी
रूस	ई	रूसी
मुंबई	इया	मुंबईया
जयपुर	इया	जयपुरिया
दिन	इक	दैनिक
सप्ताह	इक	साप्ताहिक
नगर	इक	नागरिक
भारत	ईय	भारतीय
स्थान	ईय	स्थानीय
राष्ट्र	ईय	राष्ट्रीय
दुख	इत	दुखित
हर्ष	इत	हर्षित
पीड़ा	इत	पीड़ित
कुल	ईन	कुलीन
रंग	ईन	रंगीन
दया	आलु	दयालु
चमक	ईला	चमकीला
धन	वान	धनवान
बल	वान	बलवान
बुद्धि	मान	बुद्धिमान
शक्ति	मान	शक्तिमान
क्रिया	शील	क्रियाशील
गुण	वती	गुणवती

सर्वनाम शब्दों से व्युत्पन्न विशेषण		
सर्वनाम शब्द	प्रत्यय	विशेषण
यह (इस)	का	इसका
वह (उस)	का	उसका
जो (जिस)	का	जिसका
सब	का	सबका
तू	रा	तेरा
तुम	रा	तुम्हारा
आप	का	आपका
आप	ना	अपना
मैं	रा	मेरा
हम	रा	हमारा

क्रिया शब्दों से व्युत्पन्न विशेषण		
क्रिया शब्द	प्रत्यय	विशेषण
उठना	आ	उठा
लुटना	आ	लुटा
कमाना	आऊ	कमाऊ
टिकना	आऊ	टिकाऊ
खेलना	आड़ी	खिलाड़ी
तैरना	आक	तैराक
भूलना	अकड़	भुलकड़

3. लिंग, वचन और कारक के अनुसार परिवर्तित विशेषण; जैसे—

काला, बड़ा, ① काली, बड़ी ② काले, बड़े
वह ③ वे ④ उन ⑤ उस

4. दो शब्दों के मेल से बनने वाले विशेषण; जैसे- भला-बुरा, छोटा-बड़ा, ऊँच-नीच, दुबला-पतला, टेढ़ा-मेढ़ा, चलता-फिरता, दूटा-फूटा आदि।

5. तुलना की दृष्टि से गुणवाचक विशेषणों की तीन अवस्थाएँ मानी जाती हैं— (i) मूलावस्था, (ii) उत्तरावस्था तथा (iii) उत्तमावस्था

(i) **मूलावस्था**—वह सामान्य अवस्था जिसमें विशेष्य (संज्ञा शब्द) की किसी अन्य के साथ तुलना नहीं की जाती। सामान्य रूप से विशेषण की विशेषता (गुण-दोष) प्रकट करता है। जैसे—सरल, योग्य, महान आदि।

(ii) **उत्तरावस्था**—वह अवस्था जिसमें विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) शब्द की तुलना दूसरे विशेष्य के साथ की जाती है तथा एक को दूसरे के मुकाबले छोटा या बड़ा अथवा अच्छा या बुरा बताया जाता है। उत्तरावस्था का बोध कराने के लिए संस्कृत की

भाँति हिन्दी में भी मूल शब्द के बाद 'तर' प्रत्यय जोड़ दिया जाता है। जैसे—सरलतर, योग्यतर, कोमलतर आदि।

(iii) **उत्तमावस्था**—जिस अवस्था में विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) को सबसे अच्छा बताया जाता है, उसे उत्तमावस्था कहते हैं। उत्तमावस्था का बोध कराने के लिए मूल शब्द (विशेषण) के साथ 'तम' प्रत्यय जोड़ा जाता है। जैसे—सरलतम, योग्यतम, कोमलतम आदि।

विशेषण की तीनों अवस्थाएँ		
मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
अधिक	अधिकतर	अधिकतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
कोमल	कोमलतर	कोमलतम
तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
मधुर	मधुरतर	मधुरतम
सुन्दर	सुन्दरतर	सुन्दरतम
लघु	लघुतर	लघुतम

हिन्दी में विशेषण के निम्नलिखित रूप भी मिलते हैं—

संज्ञा शब्दों से व्युत्पन्न विशेषण		
मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
अच्छा	उससे अच्छा	सबसे अच्छा
बड़ा	उससे बड़ा	सबसे बड़ा
छोटा	उससे छोटा	सबसे छोटा

❑ विशेषण-विशेष्य से सम्बन्धित कुछ प्रमुख बातें

(i) विशेषण के लिंग और वचन विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार होते हैं, चाहे विशेषण के पहले आये या बाद में; **उदाहरणार्थ—**

(अ) अच्छे छात्र पढ़ते हैं।

(ब) बड़ा आदमी सुन्दर स्वभाव का होता है।

(स) राधा भली लड़की है।

(ii) यदि एक ही विशेषण के अनेक विशेष्य हों, तो विशेषण के लिंग और वचन समीप वाले विशेष्य के लिंग, वचन के अनुसार होंगे; **उदाहरणार्थ—**

(अ) अच्छी कलम और कागज।

(ब) लम्बे पुरुष और नारियाँ।

(स) पीला कुर्ता और धोती।

(iii) इस प्रकार विशेषण के प्रयोग से जिस संज्ञा की व्यापकता सीमित होती है अथवा जिस संज्ञा का गुण अथवा धर्म प्रकट होता है, उस संज्ञा को विशेष्य कहा जाता है। जैसे—सफेद घोड़ा दौड़ा। इस वाक्य में **सफेद** विशेषण और उसकी संज्ञा **घोड़ा** विशेष्य है।

(iv) विशेष्य के साथ विशेषण का प्रयोग दो तरह से होता है। विशेषण, विशेष्य के साथ उसके पहले आता है अथवा विशेष्य के बाद विधेय (क्रिया) के साथ रहता है। पहली स्थिति में विशेषण को विशेष्य-विशेषण कहते हैं और दूसरी स्थिति का विशेषण विधेय-विशेषण या पूरक विशेषण कहलाता है। जैसे—सूनी जगह में भय लगता ही है।

इस वाक्य में 'जगह' विशेष्य है और उसका विशेषण 'सूनी' उसके पहले होने के कारण विशेष्य-विशेषण है। और 'यह जगह सूनी जान पड़ती है' वाक्य में विशेष्य 'जगह' के बाद विशेषण 'सूनी' क्रिया के साथ विधेय-विशेषण हुआ। विशेष्य की अतिशयता प्रकट करने में विशेषण की प्रायः पुनरावृत्ति हो जाती है। जैसे—
ठण्डी-ठण्डी हवा से मन को आनन्द मिल रहा है।

बहुत्व के अर्थ में विशेष्य और विशेषण में किसी एक को ही बहुत्वबोधक रखना शुद्ध है। जैसे—बहुत विद्यार्थी अथवा विद्यार्थीगण, बहुसंख्यक बालक अथवा बालकगण।

● पूर्वावलोकन

उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक एवं मुख्य) परीक्षा में यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से शामिल किया गया, जिससे परीक्षार्थियों के व्याकरण सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण किया जा सके। यद्यपि यह अध्याय केवल समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी से सम्बन्धित है, तथापि उ.प्र.पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा की सी-सैट में आए प्रश्नों को भी शामिल करके प्रामाणिक हल प्रस्तुत किया जा रहा है।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. निम्नलिखित में से वह वाक्य छाँटिए, जिसमें क्रिया विशेषण का प्रयोग किया गया है।

- यहाँ कैसे-कैसे लोग एकत्र हुए हैं।
- वह काली गाय घास चर रही है।
- मुझसे खट्टा फल नहीं खाया जाता।
- तुम जी जान लगाकर पढ़ रहे हो।

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(d)

व्याख्या— विकल्प (d) में 'जी जान लगाकर' प्रयुक्त हुआ है, जो क्रिया विशेषण है। विकल्प (b) में 'काली' एवं विकल्प (c) में 'खट्टा' विशेषण का प्रयोग हुआ है।

2. 'पाण्डु' शब्द विशेषण की दृष्टि से है-

- केवल विशेषण
- केवल विशेष्य
- विशेषण और विशेष्य दोनों
- उपर्युक्त में से एक भी नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021, 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'पाण्डु' शब्द विशेषण और विशेष्य दोनों रूपों में प्रयोग किया जाता है। 'पाण्डु' पीला रंग हेतु तथा 'पाण्डु' संज्ञा के रूप में किसी का नाम भी हो सकता है।

3. 'कोई आदमी आया है' वाक्य में प्रयुक्त विशेषण है-

- अनिश्चयवाचक
- निश्चयवाचक
- प्रश्नवाचक
- संबंधवाचक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'कोई आदमी आया है' वाक्य में अनिश्चयवाचक विशेषण प्रयुक्त है। इस वाक्य में 'कोई' शब्द सार्वनामिक विशेषण है।

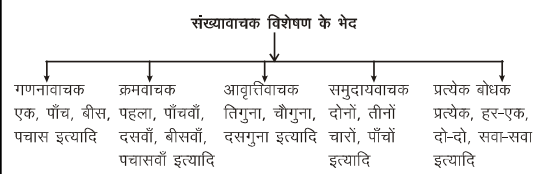
4. 'सौ गुना लम्बा' में विशेषण का कौन-सा भेद है?

- गणनावाचक
- क्रमवाचक
- आवृत्तिवाचक
- सम्पूर्णतावाचक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सौ गुना लम्बा' आवृत्तिवाचक विशेषण युक्त है, जो संख्यावाचक विशेषण का भेद है।



5. 'प्रयागराज में दसवाँ व्यक्ति कोरोना पीड़ित है।' में 'दसवाँ' शब्द है-

- गणनावाचक विशेषण
- क्रमवाचक विशेषण
- आवृत्तिवाचक विशेषण
- समुदायवाचक विशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'प्रयागराज में दसवाँ व्यक्ति कोरोना पीड़ित है।' इस वाक्य में 'दसवाँ' शब्द क्रमवाचक विशेषण है। इस विशेषण की पहचान संख्याओं के अन्त में 'रा', 'वाँ' तथा अपवाद स्वरूप 'ला' (पहला) के द्वारा की जा सकती है।

6. इनमें से 'खेलना' शब्द से बना विशेषण है-

- (a) दयालु (b) कृपालु
(c) खिलाड़ी (d) धार्मिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'खेलना' शब्द 'खेल' से बना है, जिसका विशेषण खिलाड़ी शब्द है। अन्य शब्द इस प्रकार हैं—

विशेष्य		विशेषण
दया	-	दयालु
कृपा	-	कृपालु
धर्म	-	धार्मिक

7. निम्नलिखित में से एक शब्द विशेषण नहीं है—

- (a) अकूत (b) अचार
(c) अकर्ण (d) अचण्ड

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'अचार' शब्द विशेषण नहीं है, क्योंकि यह किसी भी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की विशेषता नहीं बता सकता है; जबकि अन्य दिये गये शब्द विशेषता बताते हैं।

8. 'प्रताप सिंह का घोड़ा काला है।' - इनमें 'काला' शब्द विशेषण की दृष्टि से है-

- (a) सार्वनामिक (b) क्रमबोधक
(c) विधेय विशेषण (d) विशेष्य विशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— प्रस्तुत वाक्य में 'काला' शब्द विधेय विशेषण है। वस्तुतः जो विशेषण विशेष्य के बाद प्रयुक्त होता है, उसे विधेय विशेषण कहते हैं। उपर्युक्त वाक्य में 'काला' शब्द घोड़ा (विशेष्य) के बाद आया है।

9. एक वाक्य में विशेषण अशुद्ध है, वह है-

- (a) सुन्दरी लड़की (b) सुन्दर लड़की
(c) सुन्दर लड़का (d) सुन्दर लड़के

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— उपर्युक्त वाक्यों में 'सुन्दरी लड़की' विशेषण की दृष्टि से अशुद्ध है। इसका विशेषण रूप 'सुन्दर लड़की' होगा। शेष विकल्प विशेषण युक्त हैं।

10. जिसकी विशेषता बतायी जाये, उसे कहते हैं-

- (a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) सर्वनाम (d) विशेषक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— जिसकी विशेषता बतायी जाये, उसे विशेष्य कहते हैं। विशेष्य संज्ञा, सर्वनाम अथवा क्रिया भी हो सकती है।

11. निम्नलिखित में 'विशेष्य' शब्द है-

- (a) विपन्न (b) वादी
(c) विशिष्ट (d) मानस

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'मानस' विशेष्य शब्द है। इसका विशेषण मानसिक है। 'वादी' विशेष्य व विशेषण दोनों है। 'वाद' का विशेषण शब्द वादी (वक्ता) होता है तथा 'वादी' मुद्दई या फरियादी को भी कहते हैं। विपन्न तथा विशिष्ट 'विशेषण' शब्द हैं, जिनके विशेष्य 'विपत्ति' तथा 'विशेष' शब्द हैं।

12. 'चतुर विद्यार्थी से प्रश्न पूछो।' वाक्य में विशेषण है-

- (a) विद्यार्थी (b) प्रश्न
(c) चतुर (d) पूछो

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— वाक्य में 'चतुर' विशेषण तथा 'विद्यार्थी' विशेष्य है।

13. 'वह आदमी जो कल आपके घर आया था, बहुत बड़ा ठग है।' उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण हैं?

- (a) तीन (b) दो
(c) चार (d) पांच

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— उपर्युक्त वाक्य में 'वह', 'जो', 'आपके' तथा 'बड़ा' शब्द विशेषण हैं।

14. 'उसका लड़का लम्बा है' में विशेषण का चयन कीजिए।

- (a) लड़का (b) लम्बा
(c) उसका (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— वाक्य में 'लम्बा' शब्द विशेषण है, विशेष्य 'लड़का' शब्द है।

15. 'दुश्चरित्र व्यक्ति से सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए।' इस वाक्य में प्रयुक्त 'दुश्चरित्र' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस संवर्ग में है?

(a) संज्ञा (b) सर्वनाम
(c) विशेषण (d) क्रियाविशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'दुश्चरित्र' विशेषण है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति की विशेषता बता रहा है।

16. 'लाखों लोगों ने इसे महसूस किया है' वाक्य में विशेषण है—

(a) महसूस (b) लोगों
(c) लाखों (d) इसे

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— वाक्य में 'लाखों' शब्द विशेषण है। यह अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण के अंतर्गत आता है।

17. 'आठ बड़े चोर पकड़े गये थे, पुलिस की लापरवाही से आधे चोर भाग गये।' वाक्य में किन शब्दों में विशेषण-विशेष्य सम्बन्ध नहीं है?

(a) बड़े चोर (b) आधे चोर
(c) पुलिस की लापरवाही (d) आठ बड़े चोर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— विकल्प (c) में विशेषण-विशेष्य का सम्बन्ध नहीं है। पुलिस एवं लापरवाही दोनों शब्द विशेष्य हैं। विशेषण शब्द लापरवाह से विशेष्य शब्द लापरवाही बनता है। शेष तीनों विकल्पों में विशेषण-विशेष्य है।

18. 'प्रविशेषण' को कामता प्रसाद गुरु ने इनमें से कहा है—

(a) अन्तर्विशेषण (b) सामान्य विशेषण
(c) बाह्य विशेषण (d) असामान्य विशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'प्रविशेषण' को कामता प्रसाद गुरु ने अन्तर्विशेषण कहा है।

19. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा विशेषण है?

(a) क्रोधी (b) कण्टक
(c) चुनौती (d) राही

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'क्रोधी' शब्द विशेषण है।

20. निम्नलिखित में एक तथ्य गलत है—

(a) विशेषण से संज्ञा की व्याप्ति परिमित हो जाती है।
(b) जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे विशेषण कहते हैं।
(c) प्रयोग की स्थिति के आधार पर 'अंकित' शब्द विशेषण और विशेष्य दोनों है।
(d) विशेषण शब्द सदैव विशेष्य के पहले प्रयुक्त होता है, विशेष्य के बाद कभी प्रयुक्त नहीं होता।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— विशेषण शब्द सदैव विशेष्य के पहले प्रयुक्त होता है, परंतु कभी-कभी विशेष्य के बाद विशेषण का प्रयोग किया जाता है। जब विशेषण विशेष्य से पहले आये तो उद्देश्य विशेषण और बाद में आये तो विधेय विशेषण कहलाता है। यथा—यह नीला वस्त्र है (उद्देश्य विशेषण) तथा यह वस्त्र नीला है (विधेय विशेषण)। शेष तथ्य सही हैं।

21. संख्यावाचक विशेषण 'चौगुना' इनमें से है—

(a) क्रमवाचक विशेषण (b) आवृत्तिवाचक विशेषण
(c) गणनावाचक विशेषण (d) समुदायवाचक विशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'चौगुना' संख्यावाचक विशेषण है। यह आवृत्तिसूचक संख्यावाचक विशेषण के अन्तर्गत आता है। यह गुणा का बोध कराने वाला होता है।

22. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द मूल रूप से विशेषण है?

(a) पतला (b) अर्थ
(c) परिवार (d) परलोक

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'पतला' मूल रूप से विशेषण है। यह दशाबोधक विशेषण है। अर्थ, परिवार तथा परलोक विशेष्य हैं।

23. 'वे अच्छी लड़कियाँ हैं' वाक्य में विकारी विशेषण है—

(a) अच्छी (b) लड़कियाँ
(c) वे (d) हैं

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'वे अच्छी लड़कियाँ हैं' वाक्य में विकारी विशेषण 'अच्छी' है। वे विशेषण जो लिंग, वचन, कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं, विकारी विशेषण कहलाते हैं।

24. निम्नलिखित में से विशेष्य एवं विशेषण की दृष्टि से एक युग्म गलत है—

- | | | |
|-------------|---|---------|
| (a) क्रोध | - | क्रुद्ध |
| (b) आसक्ति | - | आसक्त |
| (c) आकर्षण | - | आकृष्ट |
| (d) ईर्ष्या | - | उपेक्षा |

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'ईर्ष्या' विशेष्य है, इसका विशेषण 'ईर्ष्यालु' है। 'उपेक्षा' विशेष्य है, इसका विशेषण 'उपेक्षित' होता है। शेष युग्म सही हैं।

25. निम्न शब्दों में विशेष्य है—

- | | |
|-----------|-----------|
| (a) श्वेत | (b) जीर्ण |
| (c) गरीब | (d) किताब |

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'किताब' विशेष्य है, इसका विशेषण 'किताबी' होता है। श्वेत, जीर्ण, गरीब विशेषण हैं। गरीब का विशेष्य 'गरीबी' है।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है—

- | | |
|-------------|-------------|
| (a) उपार्जन | (b) उपनिवेश |
| (c) चक्षु | (d) घरेलू |

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'घरेलू' विशेषण शब्द है, इसका विशेष्य 'घर' है। उपार्जन, उपनिवेश तथा चक्षु विशेष्य हैं, इसका विशेषण क्रमशः उपार्जित, औपनिवेशिक तथा चक्षुष होता है।

27. "सौर" किस मूल शब्द से बना विशेषण है?

- | | |
|-----------|-----------------------------------|
| (a) सूर | (b) सुर |
| (c) सूर्य | (d) उपर्युक्त में से किसी से नहीं |

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सूर्य' मूल शब्द है, इसका विशेषण 'सौर' है।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

- | | |
|-----------|-------------------------------|
| (a) आग | (b) आग्नेय |
| (c) अग्नि | (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं |

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आग' मूल शब्द है, इसका विशेषण 'आग्नेय' है।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण संज्ञा से नहीं बना है?

- | | |
|-------------|------------|
| (a) श्रीमान | (b) दानी |
| (c) सुन्दर | (d) चमकीला |

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'सुन्दर' विशेषण संज्ञा से नहीं बना है। 'श्रीमान' विशेषण 'श्री' संज्ञा तथा 'मान' प्रत्यय से, 'दानी' विशेषण 'दान' संज्ञा तथा 'ई' प्रत्यय से एवं 'चमकीला' विशेषण 'चमक' संज्ञा तथा 'ईला' प्रत्यय से बना है।

30. "वह बहुत खाता है।" इस वाक्य में 'बहुत' शब्द किस प्रकार का विशेषण है?

- | |
|--------------------------------|
| (a) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण |
| (b) निश्चित संख्यावाचक विशेषण |
| (c) तुलनात्मक विशेषण |
| (d) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण |

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— "वह बहुत खाता है।" इस वाक्य में 'बहुत' शब्द अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण है। जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का ज्ञान होता है, वहाँ अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण होता है।

31. 'वह बहुत खाता है' इस वाक्य में प्रयुक्त 'बहुत' शब्द इनमें से है—

- | |
|-------------------------------|
| (a) अपूर्णाक बोधक विशेषण |
| (b) परिमाण बोधक विशेषण |
| (c) निश्चित संख्यावाचक विशेषण |
| (d) तुलनात्मक विशेषण |

U.P.R.O./A.R.O. (Mains), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. निम्नलिखित वाक्यों में से वह वाक्य चुनिये, जिसमें गुणवाचक विशेषण का प्रयोग किया गया है?

- | |
|---|
| (a) वह नटखट बालक संगीत नहीं सुन रहा है। |
| (b) वहाँ बहुत से पक्षी उड़ रहे हैं। |
| (c) मैंने दस मन गेहूँ खरीदा है। |
| (d) ऐसे आदमी लाखों में एक होते हैं। |

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य, वह नटखट बालक संगीत नहीं सुन रहा है, में गुणवाचक विशेषण है। इस वाक्य में 'नटखट'

शब्द गुणवाचक विशेषण है। विकल्प (b) में 'बहुत' अनिश्चित परिमाणवाचक एवं विकल्प (c) में 'दस मन' शब्द निश्चित परिमाणवाचक विशेषण शब्द है। विकल्प (d) में 'ऐसे आदमी' शब्द सार्वनामिक विशेषण है।

33. "सतीश चंचल बालक है" इस वाक्य में 'चंचल' शब्द है—
 (a) विधेय विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
 (c) सार्वनामिक विशेषण (d) प्रविशेषण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—“सतीश चंचल बालक है” इस वाक्य में 'चंचल' शब्द गुणवाचक विशेषण है।

34. 'मानसिक' विशेषण किस मूल शब्द से बना है?
 (a) मान (b) मानस
 (c) मनस (d) मनिस

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'मनस्' मूल शब्द है, इसमें 'इक' प्रत्यय लगाने से 'मानसिक' शब्द विशेषण के रूप में प्राप्त होगा। प्रख्यात वैयाकरण कामता प्रसाद गुरु, डॉ. हरदेव बाहरी तथा डॉ. राघव प्रकाश इस बात का समर्थन करते हैं। विकल्प (c) में प्रस्तुत शब्द भी अशुद्ध है, शुद्ध शब्द 'मनस्' है न कि 'मनस', किन्तु कामता प्रसाद गुरु ने अपनी पुस्तक हिन्दी व्याकरण में 'मनस' शब्द का प्रयोग किया है, जबकि अन्य दोनों विद्वानों ने अपनी पुस्तकों में 'मनस्' शब्द का प्रयोग किया है।

35. "चारित्रिक" विशेषण शब्द का मूल शब्द कौन-सा है?
 (a) चरित्र (b) चित्रण
 (c) चरित्रता (d) चारुत्व

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'चरित्र' मूल शब्द है, इसका विशेषण 'चारित्रिक' होगा।

36. एक विशेषण शब्द नहीं है—

- (a) लजीला (b) लाडला
 (c) लांछन (d) लापता

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'लजीला', 'लाडला' तथा 'लापता' विशेषण शब्द हैं, जबकि लांछन पुल्लिंग शब्द है, जिसका अर्थ चिह्न, निशान; दाग, धब्बा; दोष, ऐब इत्यादि होता है। लांछन का विशेषण लांछित होता है।

37. 'युद्ध देख कर अशोक का कठोर हृदय मोम जैसा पिघल गया' वाक्य में विशेष्य है—

- (a) कठोर (b) अशोक
 (c) हृदय (d) मोम

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— प्रस्तुत वाक्य में 'हृदय' विशेष्य है, जिसका विशेषण 'कठोर' है।

38. निम्नलिखित शब्दों में से एक विशेषण नहीं है—

- (a) श्रव्य (b) सर्व
 (c) गर्व (d) भव्य

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'गर्व' विशेष्य है, इसका विशेषण 'गर्वीला' है। शेष शब्द विशेषण हैं।

39. 'इन्द्रिय' का विशेषण शब्द है—

- (a) इन्द्रिय (b) इन्द्रिक
 (c) ऐन्द्रि (d) ऐन्द्रिय

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'इन्द्रिय' शब्द विशेष्य है, इसका विशेषण 'ऐन्द्रिय' है।

40. एक वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है—

- (a) वह विद्यार्थी है।
 (b) वह लड़का विद्यार्थी है।
 (c) वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है।
 (d) वह परिश्रमी भी है।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'वह लड़का विद्यार्थी है' और 'वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है' वाक्यों में 'वह' सार्वनामिक विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है, जबकि 'वह विद्यार्थी है' वाक्य में 'वह' सर्वनाम के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

41. 'भक्त की करुण पुकार सुन कर भक्त-वत्सल भगवान् दयार्द्र हो उठे' - वाक्य में प्रयुक्त विशेष्यों की दृष्टि से कौन-सा युग्म शुद्ध है?

- (a) भक्त तथा भगवान्
 (b) करुण तथा दयार्द्र
 (c) भक्त-वत्सल तथा भगवान्
 (d) पुकार तथा भगवान्

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त वाक्य में 'पुकार' विशेष्य है, जिसका विशेषण 'करुण' है और 'भगवान्' विशेष्य है, जिसका विशेषण 'भक्त-वत्सल' है। इस प्रकार 'पुकार तथा भगवान्' विशेष्य युग्म है।

42. 'भोले बालक ने क्रूर डाकू के कठोर हृदय में कोमल भावना जगा दी'—वाक्य में कितने विशेष्य हैं?

- (a) चार (b) तीन
(c) दो (d) छह

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में चार विशेष्य हैं, जो इस प्रकार हैं— बालक, डाकू, हृदय तथा भावना।

43. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है—

- (a) वरदान (b) वरद
(c) वरदायक (d) वरणीय

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'वरदान' विशेष्य है, जबकि अन्य शब्द विशेषण हैं।

44. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द है—

- (a) लाघव (b) महत्त्व
(c) लघुता (d) महत्

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'महत्' विशेषण है। 'लाघव' तथा 'लघुता' भाववाचक संज्ञा है। 'महत्त्व' संज्ञा है।

45. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है—

- (a) बहुरूपिया (b) बातूनी
(c) बादामी (d) बांका

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(*)

व्याख्या—बहुरूपिया अर्थात् अनेक रूप रखने वाला एक विशेषण है। बहुरूपिया संज्ञा भी है। भगवान विष्णु के सहस्र नामों में उनका एक नाम 'बहुरूपिया' भी मिलता है। 'बहुरूपिया' कला के महान साधक स्वयं भगवान विष्णु हैं। बातूनी तथा बांका भी विशेषण शब्द हैं। बादामी एक संज्ञा है, जिसका अर्थ है रत्न-पेटी। यदि बादामी को रंग के अर्थ में प्रयुक्त किया जाय, तो यह विशेषण होगा।

46. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

- (a) धर्म (b) जाति
(c) चमकीला (d) धन

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या—'चमकीला' शब्द विशेषण है। संज्ञा शब्द 'चमक' में 'ईला' प्रत्यय लगाने पर यह शब्द बना है। धर्म, जाति और धन शब्द संज्ञा हैं, इनके विशेषण क्रमशः धार्मिक, जातीय और धनी / धनवान होता है।

47. विशेष्य/विशेषण की दृष्टि से कौन-सा शब्द युग्म अशुद्ध है?

- (a) दृष्टि - दृष्टिवन्त (b) गुरु - शिष्य
(c) मणि - रत्न (d) दीपक - तेल

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—'दृष्टि' शब्द विशेष्य है, जिसका विशेषण 'दृष्टिवन्त' होता है। शेष सभी विकल्पों में विशेष्य का प्रयोग किया गया है।

48. निम्नलिखित कथनों में से अशुद्ध कथन है—

- (a) जो केवल सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं।
(b) विशेषण द्वारा जिस शब्द की विशेषता प्रकट हो, उसे विशेष्य कहते हैं।
(c) जिस विशेषण के द्वारा किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण प्रकट हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।
(d) जो विशेषण विशेष्य और क्रिया के बीच आए, उसे विधेय विशेषण कहते हैं।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं। अतः कथन (a) अशुद्ध कथन है। शेष कथन शुद्ध हैं।

49. 'यह कमीज उजली है' इस वाक्य में 'कमीज' शब्द है—

- (a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) क्रिया विशेषण (d) सर्वनाम

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(b)

व्याख्या—'यह कमीज उजली है' इस वाक्य में 'कमीज' शब्द विशेष्य है। यहाँ 'उजली' का प्रयोग विशेषण के रूप में किया गया है।

50. 'बाजार में बहुत घोड़े आए हैं।' - इस वाक्य में विशेषण की दृष्टि से इनमें 'बहुत' शब्द है—

- (a) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण
(b) अपूर्णाकबोधक विशेषण

- (c) तुलनात्मक विशेषण
(d) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(d)

व्याख्या—वाक्य में प्रयुक्त 'बहुत' अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण है। जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का ज्ञान होता है, वहाँ अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण होता है।

51. 'धुँधला' शब्द में विशेषण है—

- (a) संख्यावाचक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) सार्वनामिक विशेषण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'धुँधला' शब्द में गुणवाचक विशेषण है। संख्यावाचक विशेषण संख्या से सम्बन्धित होते हैं। जैसे-एक, दो, पहला, दूसरा, दूना, तिगुना आदि। सार्वनामिक विशेषण हैं—यह, वह, ऐसा, वैसा आदि।

52. निम्नलिखित में से किस वाक्य में उत्तमावस्था गुणवाचक विशेषण- विशेष्य का प्रयोग किया गया है?

- (a) परमानन्द कक्षा में सबसे होशियार छात्र है।
(b) मनमोहन ने इस दुकान से एक किलो टमाटर खरीदा है।
(c) इस पौधे में इतना पानी मत डालो।
(d) विजय पहलवान एक दिन में चार लीटर दूध पीता है।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—परमानन्द कक्षा में सबसे होशियार छात्र है। इस वाक्य में उत्तमावस्था गुणवाचक विशेषण-विशेष्य का प्रयोग किया गया है। यहाँ पर 'परमानन्द' विशेष्य एवं 'सबसे होशियार' विशेषण उत्तमावस्था गुणवाचक है।

53. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द 'गुणवाचक' विशेषण है?

- (a) उचित (b) पाँचवाँ
(c) कुछ (d) तीन

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उचित' गुणवाचक विशेषण है। 'पाँचवाँ' क्रमवाचक, 'कुछ' अनिश्चित परिमाणवाचक तथा 'तीन' गणनावाचक विशेषण है।

54. 'भरत सरीखा भाई मिलना कठिन है।' इस वाक्य में 'सरीखा' शब्द है—

- (a) गुणवाचक विशेषण
(b) अपूर्णाकबोधक विशेषण
(c) आवृत्तिवाचक विशेषण
(d) समुदायवाचक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2016

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सरीखा' शब्द में गुणवाचक विशेषण है। 'सरीखा' का अर्थ सदृश्य से है। ज्ञातव्य हो कि जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दशा, स्वभाव इत्यादि का बोध कराते हैं, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं।

55. 'सरीखा' शब्द में विशेषण है—

- (a) गणनावाचक विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) समुदायवाचक विशेषण (d) क्रमवाचक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. 'हजारों लोगों ने उसे देखा है' वाक्य में विशेषण है—

- (a) देखा (b) लोगों
(c) हजारों (d) उसे

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—'हजारों लोगों ने उसे देखा है' वाक्य में 'हजारों' शब्द विशेषण है, जो अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण के अंतर्गत आता है।

57. "वह नौकर नहीं आया।" वाक्य में 'वह' कौन-सा विशेषण है?

- (a) सार्वनामिक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण
(d) परिमाणबोधक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'वह' सार्वनामिक विशेषण है। यह, वह, कोई, ऐसा, जैसा, कैसा आदि सार्वनामिक विशेषण हैं। सार्वनामिक विशेषण दो तरह के होते हैं—(1) मौलिक सार्वनामिक विशेषण-यह, वह। (2) यौगिक सार्वनामिक विशेषण-ऐसा, कैसा, जैसा आदि।

58. 'इतिहास' से विशेषण शब्द बनता है-

- (a) इतिहासिक (b) ऐतिहासिक
(c) ऐतिहासी (d) इतिहासी

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—'इतिहास' शब्द से 'ऐतिहासिक' विशेषण बनता है।

59. 'तीसरा' शब्द में विशेषण है—

- (a) पूर्णांकबोधक विशेषण (b) आवृत्तिवाचक विशेषण
(c) गणनावचक विशेषण (d) क्रमवाचक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'तीसरा' शब्द में क्रमवाचक विशेषण है, जैसे— पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा आदि। आवृत्तिवाचक विशेषण—दूना, तिगुना। गणनावचक विशेषण—एक, दो, तीन। पूर्णांकबोधक विशेषण—एक, दो, सौ, हजार।

60. 'चौथाई' शब्द में विशेषण है—

- (a) आवृत्तिवाचक विशेषण (b) गणनावचक विशेषण
(c) क्रमवाचक विशेषण (d) अपूर्णांकबोधक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'चौथाई' शब्द में अपूर्णांकबोधक विशेषण है।

61. विशेषण जिस संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे क्या कहते हैं?

- (a) संख्यावाचक विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) विशेष्य (d) सार्वनामिक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं। विशेषण द्वारा जिसकी विशेषता बताई जाती है, वह विशेष्य कहलाता है।

62. 'विशेष्य' वह शब्द होता है—

- (a) जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है।
(b) जिस शब्द के द्वारा विशेषता बतायी जाती है।
(c) जिस हेतु विशेषता बतायी जाती है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।

63. 'मोहन एक अच्छा विद्यार्थी है।' वाक्य में विशेष्य है—

- (a) मोहन (b) एक
(c) अच्छा (d) विद्यार्थी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—वाक्य में 'विद्यार्थी' विशेष्य तथा 'अच्छा' विशेषण है।

64. 'मोहन सुन्दर बालक है' वाक्य में विशेष्य है—

- (a) मोहन (b) सुन्दर
(c) बालक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—'मोहन सुन्दर बालक है' वाक्य में 'बालक' विशेष्य है, जबकि 'सुन्दर' विशेषण है।

65. 'सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है' वाक्य में विशेष्य है—

- (a) सुधामयी (b) वात्सल्यमयी
(c) प्रेममयी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—सुधामयी का अर्थ 'सुधा से भरा हुआ', वात्सल्यमयी का अर्थ 'वात्सल्य से भरा हुआ' तथा प्रेममयी का अर्थ 'प्रेम से भरा हुआ' होता है। अतः सुधामयी, वात्सल्यमयी तथा प्रेममयी विशेषण हैं, विशेष्य नहीं।

66. 'बड़ा घर', 'छोटा आदमी' और 'नीला वस्त्र' में विशेष्य कौन-कौन पद हैं?

- (a) नीला, छोटा (b) बड़ा, छोटा
(c) घर, आदमी, वस्त्र (d) छोटा, नीला

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—घर, आदमी तथा वस्त्र विशेष्य हैं, जबकि बड़ा, छोटा तथा नीला विशेषण हैं।

67. 'विशेष्य' शब्द है—

- (a) रामलला (b) बुद्धिमती स्त्री
(c) रमापति (d) सीता-राम

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बतायी जाये, वह 'विशेष्य' कहलाता है। इस दृष्टि से विकल्प (d) में प्रयुक्त शब्द 'सीता-राम' के दोनों ही शब्द संज्ञा हैं, जबकि विकल्प (a)

एवं (c) के शब्द 'रामलला' एवं 'रमापति' क्रमशः 'श्रीराम' एवं 'विष्णु' के विशेषण रूप हैं। विकल्प (b) में दिये गये बुद्धिमती स्त्री में बुद्धिमती विशेषण है तथा स्त्री विशेष्य है। विशेषण सहित विशेष्य शब्द अर्थात् बुद्धिमती स्त्री को विशेष्य शब्द के रूप में कैसे चयन किया जा सकता है? अतः दिये गये विकल्पों में सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प (d) है।

68. निम्नलिखित में विशेष्य पद है—

- (a) अनुरागी (b) अनादृत
(c) अपमानित (d) अग्नि

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'अग्नि' संज्ञा है, जो विशेष्य पद है। इसका विशेषण 'आग्नेय' होगा। शेष विकल्पों में विशेषण का प्रयोग किया गया है।

69. 'रमेश की पुस्तक पुरानी है।'—इस वाक्य में 'पुस्तक' शब्द है—

- (a) विशेष्य (b) विशेषण
(c) क्रिया-विशेषण (d) सर्वनाम

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'पुस्तक' विशेष्य है, क्योंकि पुस्तक की विशेषता 'पुरानी' विशेषण को इंगित करती है।

70. 'विशेष्य' शब्द है—

- (a) ललिता (b) सुन्दर
(c) लम्बा (d) लघु

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'ललिता' विशेष्य शब्द है, जबकि सुन्दर, लम्बा तथा लघु विशेषण हैं।

71. निम्नलिखित में विशेष्य पद है—

- (a) उमा (b) कालिमा
(c) मधुरिका (d) महिमा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'उमा' विशेष्य पद है, जबकि कालिमा, मधुरिका तथा महिमा विशेषण हैं।

72. 'दशरथ के प्राण राम के लिए आकुल थे', वाक्य में मुख्य विशेष्य है—

- (a) दशरथ (b) राम

(c) प्राण

(d) आकुल

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—दिये गये वाक्य में मुख्य विशेष्य 'प्राण' है।

73. निम्नलिखित शब्दों में से विशेष्य कौन है?

- (a) आकाशीय (b) आकाश
(c) आराध्य (d) आश्रित

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'आकाश' विशेष्य है। इसका विशेषण 'आकाशीय' है, जबकि 'आराध्य' तथा 'आश्रित' विशेषण हैं। इनका विशेष्य क्रमशः 'आराधना' तथा 'आश्रय' होता है।

74. 'वह एक अच्छा विद्यार्थी है' वाक्य में विशेष्य है—

- (a) वह (b) एक
(c) अच्छा (d) विद्यार्थी

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—'वह एक अच्छा विद्यार्थी है' वाक्य में विशेष्य 'विद्यार्थी' है।

75. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

- (a) आसीन (b) अग्नि
(c) मधुर (d) कर्मठ

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—अग्नि, विशेष्य है, इसका विशेषण आग्नेय है। इसी प्रकार आसीन, मधुर तथा कर्मठ विशेषण हैं। इनके विशेष्य क्रमशः आसन, मधु तथा कर्म हैं।

76. "ठण्डा पानी ठण्ड पैदा करता है।" इस वाक्य में कौन-सा शब्द विशेष्य है?

- (a) ठण्डा
(b) ठण्ड
(c) पानी
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताये, उसे 'विशेष्य' कहते हैं। जिसकी विशेषता बतायी जाये, वह 'विशेष्य' कहलाता है। प्रस्तुत वाक्य में 'पानी' शब्द विशेष्य है, क्योंकि 'ठण्डा' शब्द पानी की विशेषता बता रहा है।

77. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

- (a) अनासक्ति (b) अनासक्त
(c) अनुशंसित (d) अपमानित

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—अनासक्ति विशेष्य है, इसका विशेषण अनासक्त है। इसी प्रकार अनुशंसित विशेषण है, इसका विशेष्य अनुशंसा है। अपमानित विशेषण है, इसका विशेष्य अपमान है।

78. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

- (a) पौष्टिक (b) पाठकीय
(c) भावुक (d) विषाद

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—विषाद विशेष्य है, इसका विशेषण विषाद है। पौष्टिक, पाठकीय तथा भावुक विशेषण हैं, इनके विशेष्य क्रमशः पुष्टि, पाठक तथा भाव हैं।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

- (a) बनारसी (b) भारतवर्ष
(c) बाजार (d) खेती

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बनारसी’ शब्द विशेषण है, क्योंकि किसी वस्तु अथवा व्यक्ति की विशेषता बता रहा है।

80. जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे कहते हैं—

- (a) सर्वनाम (b) विशेषण
(c) क्रिया (d) अव्यय

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित (सीमित) होती है, उसे विशेषण कहते हैं।

81. ‘जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है’ उसे कहते हैं—

- (a) विशेष्य (b) विशेषण
(c) विशेषण एवं विशेष्य (d) विशिष्ट

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. ‘विशेषण’ शब्द का चयन कीजिए—

- (a) सरपंच (b) पाँचवाँ
(c) प्रपंच (d) पहुँच

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में ‘पाँचवाँ’ शब्द विशेषण है, क्योंकि यह एक निश्चित संख्या को व्यक्त करता है अर्थात् यह संख्यावाचक विशेषण (क्रमवाचक) है।

83. ‘ऋषि’ संज्ञा शब्द से विशेषण शब्द क्या बनेगा?

- (a) आर्ष (b) ऋषिकल्प
(c) ऋषितुल्य (d) ऋषिवत्

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘ऋषि’ संज्ञा शब्द से विशेषण ‘आर्ष’ बनेगा, शेष विकल्प ग्राह्य नहीं हैं।

84. व्याकरण की दृष्टि से कौन-सा शब्द विशेषण नहीं है?

- (a) भयभीत (b) निर्भीक
(c) भीरु (d) भय

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—व्याकरण की दृष्टि से ‘भय’ विशेषण नहीं, बल्कि विशेष्य है, इसका विशेषण ‘भयानक’ होता है, जबकि ‘भयभीत’, ‘निर्भीक’ तथा ‘भीरु’ विशेषता बताने वाले शब्द हैं, अतः ये विशेषण कहलाएंगे।

85. ‘एक प्रतिभा सम्पन्न छात्र’ का विशेषण है—

- (a) कुशल (b) चतुर
(c) अध्ययनशील (d) मेधावी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘एक प्रतिभा सम्पन्न छात्र’ का विशेषण ‘मेधावी’ है। इसका विशेष्य ‘मेधा’ है।

86. ‘नीली साड़ी’ में कौन-सा विशेषण है?

- (a) संख्यावाचक (b) परिमाणवाचक
(c) गुणवाचक (d) सार्वनामिक

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘नीली साड़ी’ में गुणवाचक विशेषण है। जिस शब्द से संज्ञा का गुण, दशा, स्वभाव आदि परिलक्षित हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसके कुछ मुख्य रूप हैं—काल, स्थान, आकार, रंग, दशा, गुण तथा द्रष्टव्य। प्रश्न में चूँकि ‘नीली साड़ी’ का प्रयोग किया गया है, जो ‘रंग’ को प्रदर्शित कर रहा है, अतः यह गुणवाचक विशेषण है।

87. ‘यह चाँदी खोटी-सी दिखती है’-इस वाक्य में ‘खोटी-सी’ विशेषण का प्रकार है—

- (a) गुणवाचक विशेषण (b) संख्यावाचक विशेषण
(c) परिमाणबोधक विशेषण (d) पूर्णाकबोधक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘खोटी-सी’ में गुणवाचक विशेषण है। गुणवाचक विशेषणों में ‘सा’ अथवा ‘सी’ पद जोड़कर गुणों को कम किया जाता है।

88. निम्नलिखित विशेष्य-विशेषण युग्मों में एक गलत है—

- (a) सर्व-सुलभ (b) ताजी-रोटी
(c) कर्म-निष्ठ (d) भाव-विह्वल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—डॉ. हरदेव बाहरी शब्दकोश के अनुसार- कर्म, भाव एवं रोटी संज्ञा हैं, जबकि इनके साथ युग्मित निष्ठ, विह्वल एवं ताजी विशेषण हैं। अतः तीनों युग्म विशेष्य-विशेषण युग्म हैं। सर्व एवं सुलभ दोनों ही शब्द विशेषण हैं, अतः यह विशेष्य-विशेषण का युग्म नहीं है।

89. ‘परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण’ का वाक्य होगा—

- (a) वह बहुत थक गया है।
(b) वह अभी-अभी गया है।
(c) वह अंदर बैठा है।
(d) वह अब भलीभाँति नाच लेता है।

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—जिस शब्द से क्रिया, विशेषण या दूसरे क्रिया विशेषण की विशेषता प्रकट हो, उसे ‘क्रिया-विशेषण’ कहते हैं। मुख्यतः क्रिया-विशेषण के तीन भेद (1. प्रयोग के अनुसार, 2. रूप के अनुसार एवं 3. अर्थ के अनुसार) हैं। इन मुख्य भेदों के भी कई उपभेद हैं। अर्थ के अनुसार क्रिया-विशेषण के दो भेद (परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण एवं रीतिवाचक क्रिया-विशेषण) हैं। विकल्प (a) में दिया गया ‘बहुत’ शब्द परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण के अंतर्गत आता है। अन्य प्रमुख परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण हैं—अति, बड़ा, बिल्कुल, सर्वथा, खूब, निपट, अत्यंत, अतिशय, लगभग, थोड़ा, केवल, बस, काफी, यथेष्ट, इतना, उतना, जितना इत्यादि।

90. ‘मीठा अमरुद’ में ‘मीठा’ विशेषण किस कोटि का है?

- (a) परिमाणवाचक (b) गुणवाचक
(c) व्यक्तिवाचक (d) संख्यावाचक

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘मीठा अमरुद’ में ‘मीठा’ अमरुद की विशेषता बतायी जा रही है, जो अमरुद का गुण है। अतः यह गुणवाचक विशेषण है।

91. ‘तुम कहाँ पढ़ते हो’ में किस कोटि का विशेषण प्रयुक्त हुआ है?

- (a) गुणवाचक (b) प्रश्नवाचक
(c) संख्यावाचक (d) संकेतवाचक

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—प्रस्तुत प्रश्न में ‘प्रश्नवाचक’ विशेषण प्रयुक्त हुआ है, क्योंकि इस वाक्य में प्रश्न किया जा रहा है।

92. ‘उस ग्रंथ में 500 पृष्ठ हैं।’-इस वाक्य में ‘उस’ शब्द है—

- (a) गुणवाचक विशेषण (b) परिमाणवाचक विशेषण
(c) संकेतवाचक विशेषण (d) व्यक्तिवाचक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में ‘उस’ शब्द संकेतवाचक विशेषण (सार्वनामिक विशेषण) है।

93. ‘लोभी’ किस विधि से निर्मित विशेषण है?

- (a) संज्ञा-विधि (b) सर्वनाम-विधि
(c) क्रिया-विधि (d) प्रत्यय-विधि

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘लोभी’ प्रत्यय-विधि से निर्मित विशेषण है, क्योंकि ‘लोभ’ में ‘ई’ प्रत्यय जोड़कर इसका निर्माण हुआ है।

94. अधोलिखित में से कौन-सा युग्म विशेषण नहीं है?

- (a) छोटा-बड़ा (b) हरा-पीला
(c) दो-तीन (d) राम-लक्ष्मण

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘राम-लक्ष्मण’ युग्म विशेषण नहीं है। यह युग्म संज्ञा तथा द्वन्द्व समास है। छोटा-बड़ा, हरा-पीला गुणवाचक विशेषण तथा दो-तीन गणनावाचक विशेषण है।

95. इनमें संख्यावाचक विशेषण कौन-सा है?

- (a) सात (b) काला
(c) रावण (d) खट्टा

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सात' संख्यावाचक विशेषण है, क्योंकि इसमें संख्या 'सात' का प्रयोग हुआ है।

96. 'वह श्रेष्ठ उपासक है' में विशेष्य है—

- (a) वह (b) श्रेष्ठ
(c) उपासक (d) है

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त वाक्य में 'उपासक' विशेष्य है, जबकि 'श्रेष्ठ' विशेषण है।

97. 'भले और महान लोग उचित और संयमित व्यवहार करते हैं।'

उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण और विशेष्य हैं?

- (a) दो विशेषण और दो विशेष्य
(b) तीन विशेषण और दो विशेष्य
(c) चार विशेषण और तीन विशेष्य
(d) चार विशेषण और दो विशेष्य

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त वाक्य में 'भले', 'महान', 'उचित', 'संयमित' विशेषण हैं, जबकि 'लोग' और 'व्यवहार' विशेष्य हैं।

98. 'यह गाय अधिक दूध देती है' वाक्य में 'अधिक' विशेषण किसकी विशेषता बता रहा है?

- (a) गाय की (b) दूध की
(c) देने की (d) किसी की नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त वाक्य में 'अधिक' विशेषण 'दूध की' विशेषता बता रहा है।

99. 'विद्वान् व्यक्ति पूज्य होते हैं' में प्रयुक्त विशेषण है—

- (a) सार्वनामिक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण
(d) परिमाणबोधक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'विद्वान्' शब्द व्यक्ति के गुण की विशेषता बता रहा है। अतः इस वाक्य में 'गुणवाचक विशेषण' है।

100. निम्नलिखित में से कौन शब्द विशेषण नहीं है?

- (a) उत्कृष्ट (b) निकृष्ट
(c) धृष्ट (d) विषाद

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'विषाद' विशेषण नहीं है, जबकि अन्य विकल्पों के रूप में प्रस्तुत शब्द विशेषण हैं।

101. निम्नलिखित शब्दों में से जो शब्द विशेषण नहीं है उसका उल्लेख कीजिए—

- (a) सज्जन (b) दुर्जन
(c) सुकुमार (d) मानस

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त विकल्पों में 'मानस' शब्द विशेषण नहीं है, जबकि शेष विशेषण शब्द हैं।

102. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'विशेषण' नहीं है?

- (a) आगामी (b) शान्त
(c) काला (d) तुम

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'तुम' सर्वनाम है, जबकि अन्य विकल्पों के रूप में प्रस्तुत शब्द विशेषण हैं।

103. निम्नलिखित में विशेषण पद है—

- (a) उपासना (b) उद्गार
(c) आयतलोचना (d) वन्दना

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आयतलोचना' विशेषण है, जबकि उपासना, उद्गार तथा वन्दना विशेष्य पद हैं।

104. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द विशेषण है?

- (a) कुटिलता (b) जटिलता
(c) कौटिल्य (d) कुरूपता

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(*)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में 'कौटिल्य' विशेष्य है, जिसका विशेषण 'कुटिल' है, जबकि 'कुटिलता', 'जटिलता' व 'कुरूपता' शब्द भाव को व्यक्त करते हैं, अतएव ये 'भाववाचक संज्ञा' हैं।

105. नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?

- (a) राम और श्याम भाई हैं।
- (b) राम ने माँ से पानी और खाना माँगा।
- (c) माँ ने खाने में दाल और रोटी परोसी।
- (d) राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में सही उत्तर विकल्प (d) है। इस विकल्प में 'और' शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है। यहाँ 'और' शब्द का प्रयोग योजक शब्द के रूप में नहीं, बल्कि विशेषण के रूप में हुआ है, जिससे यह ध्वनित होता है कि राम ने 'दूसरी' रोटी माँगी। विकल्पों के रूप में प्रस्तुत शेष वाक्यों में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है।

106. नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?

- (a) लड़का आया है।
- (b) वह गुलाब के फूल लाया है।
- (c) गुलाब के फूल मुझे पसंद हैं।
- (d) वह लड़का फूल देकर चला गया।

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में विकल्प (c) सही उत्तर है। इस विकल्प में दिये गये वाक्य 'गुलाब के फूल मुझे पसंद हैं', में 'पसंद' शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है। विकल्पों के रूप में प्रस्तुत शेष वाक्यों में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है।

107. 'सुगंधित कस्तूरी के लोभी शिकारी राजस्थानी हिरणों का अवैध शिकार करते हैं', वाक्य में हैं—

- (a) तीन विशेषण और तीन विशेष्य
- (b) दो विशेषण और दो विशेष्य
- (c) चार विशेषण और चार विशेष्य
- (d) तीन विशेषण और चार विशेष्य

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में चार विशेषण और चार विशेष्य हैं। अतः दिये गये विकल्पों में विकल्प (c) सही उत्तर है। प्रश्न के रूप में पूछे गये वाक्य में जहाँ 'सुगंधित', 'लोभी', 'राजस्थानी' व 'अवैध' शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं, वहीं 'कस्तूरी', 'शिकारी', 'हिरणों' व 'शिकार' शब्द विशेष्य के रूप में प्रयुक्त हुए हैं। स्मरण रहे कि विशेषण द्वारा जिसकी विशेषता बतायी जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

108. 'समुद्री साँप में घातक परन्तु बहुत कीमती जहर पाया जाता है', वाक्य में हैं—

- (a) तीन विशेषण और दो विशेष्य
- (b) दो विशेषण और तीन विशेष्य
- (c) दो विशेषण और दो विशेष्य
- (d) तीन विशेषण और एक विशेष्य

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में तीन विशेषण और दो विशेष्य हैं। अतः दिये गये विकल्पों में विकल्प (a) सही उत्तर है। इस वाक्य में जहाँ 'समुद्री', 'घातक' व 'कीमती' शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं, वहीं 'साँप' और 'जहर' विशेष्य हैं।

109. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

- (a) सुन्दरता
- (b) कवि
- (c) विद्वान
- (d) भलाई

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में 'विद्वान' शब्द विशेषण है, जो कि विशेषता का बोध कराता है। इसका शाब्दिक अर्थ 'तत्त्वज्ञ' अथवा 'पंडित' है। शेष विकल्प विशेषण का बोध नहीं कराते हैं।

110. 'वह कृशकाय व्यक्ति दौड़ने लगा', इस वाक्य में विशेष्य है—

- (a) व्यक्ति
- (b) कृशकाय
- (c) वह
- (d) दौड़ने लगा

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में 'व्यक्ति' विशेष्य है, क्योंकि 'कृशकाय' द्वारा उसकी विशेषता बतायी गयी है। विशेषण द्वारा जिसकी विशेषता बतायी जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।

111. निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण है—

- (a) अँधेरा
- (b) धीरे-धीरे
- (a) चाल-चलन
- (b) सुन्दर

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—दिये गये विकल्पों में 'धीरे-धीरे' में 'आहिस्ता-आहिस्ता' का अर्थ निकलता है, जिससे क्रिया की विशेषता का पता चलता है, अतएव यह क्रिया-विशेषण है। अन्य विकल्प क्रिया-विशेषण की श्रेणी में नहीं आते हैं।

112. 'दोनों' शब्द किस प्रकार का संख्यावाचक विशेषण है?

- (a) समुदायबोधक (b) पुनरुक्तिबोधक
(c) आवृत्तिबोधक (d) क्रमबोधक

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—प्रश्न में पूछा गया 'दोनों' शब्द 'समुदायबोधक' (संख्यावाचक) विशेषण है, क्योंकि यह समुदाय का बोध कराता है।

113. 'दोनों' शब्द है—

- (a) समुदायवाचक विशेषण
(b) आवृत्तिवाचक विशेषण
(c) गणनावचक विशेषण
(d) क्रमवाचक विशेषण

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

114. 'प्रतिदिन' किस प्रकार का क्रिया-विशेषण है?

- (a) रीतिवाचक (b) परिमाणवाचक
(c) स्थानवाचक (d) कालवाचक

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'प्रतिदिन' शब्द काल अर्थात् समय बताने वाला है, अतः यह कालवाचक क्रिया-विशेषण की श्रेणी में आएगा।

115. इनमें से किस वाक्य में गलत विशेषण प्रयुक्त हुआ है?

- (a) कविता परिश्रमी युवती है।
(b) प्रबुद्धजनों से हमारी अपेक्षा है।
(c) यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।
(d) वह अच्छा आदमी था लेकिन काम न आया।

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।' वाक्य में विशेषण 'सरकारी' गलत ढंग से प्रयुक्त हुआ है। विशेषण का सही प्रयोग इस प्रकार होगा—'यही महिलाओं का सरकारी अस्पताल है।'।

116. गुणवाचक विशेषण के कितने भेद हैं?

- (a) चार (b) पाँच
(c) छह (d) सात

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'गुण' को बताने वाले विशेषण 'गुणवाचक' विशेषण कहलाते हैं। यह सर्वाधिक 'सात' (7) भेदों वाला विशेषण है। ये भेद हैं—'काल', 'स्थान', 'आकार', 'रंग', 'दशा', 'गुण' तथा 'दिशा' (द्रष्टव्य)।

117. 'काला घोड़ा तेज दौड़ता है' में क्रिया-विशेषण है—

- (a) घोड़ा (b) काला
(c) तेज (d) दौड़ता है

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'तेज' क्रिया-विशेषण है। जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं। इस वाक्य में दौड़ता क्रिया है तथा उसकी विशेषता 'तेज' है। अतः 'तेज' क्रिया-विशेषण है।

118. 'गीला' है—

- (a) सार्वनामिक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण
(d) इनमें से कोई नहीं

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'गीला' शब्द गुण को प्रदर्शित करता है। अतः यह गुणवाचक विशेषण है।

119. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण कौन है?

- (a) अजय (b) अजित
(c) अकर्म (d) अनुशंसा

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अजित' विशेषण है, इसका विशेष्य 'अजय' है। 'अकर्म' तथा 'अनुशंसा' विशेष्य हैं। इसके विशेषण क्रमशः 'अकर्मण्य' तथा 'अनुशंसित' हैं।

120. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण कौन नहीं है?

- (a) आन्तरिक (b) अन्तर
(c) आग्नेय (d) अधिकारी

U.P. R.O./A.R.O. (Spl.) (Mains), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अन्तर' विशेष्य है। इसका विशेषण 'आन्तरिक' है, जबकि 'आग्नेय' विशेषण है, इसका विशेष्य 'अग्नि' है। 'अधिकारी' विशेषण है, इसका विशेष्य 'अधिकार' है।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

इस खण्ड में महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री प्रस्तुत की जा रही है, जो परीक्षा के दृष्टिकोण से उपयोगी है। इस सामग्री के माध्यम से पूरा प्रयास किया गया है कि परीक्षार्थियों को सम्पूर्ण पाठ्यक्रम एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाय।

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अग्नि	आग्नेय	अलंकार	अलंकृत	इच्छा	ऐच्छिक
अधिकार	आधिकारिक/ अधिकारी	अवतार	अवतीर्ण	इनाम	इनामी
अध्यात्म	आध्यात्मिक	अवयव	आवयविक	इन्द्रिय	ऐन्द्रिय
अनुमान	अनुमानित	अनुश्रुति	अनुश्रुत	इज्जत	इज्जतदार
अनुवाद	अनूदित	अनुष्ठान	अनुष्ठित	ईप्सा	ईप्सित
अनुराग	अनुरक्त	अनीति	अनैतिक	ईमान	ईमानदार
अपमान	अपमानित	अन्याय	अन्यायी	ईश्वर	ईश्वरीय
अपेक्षा	अपेक्षित	अपकार	अपकारी	ईर्ष्या	ईर्ष्यालु
अवरोध	अवरुद्ध	अज्ञान	अज्ञानी	उत्तेजना	उत्तेजित
अंश	आंशिक	आकर्षण	आकृष्ट	उत्साह	उत्साही
अंकुश	अंकुशित	आकाश	आकाशीय	उपन्यास	औपन्यासिक
अंकुरण	अंकुरणीय	आचरण	आचरित	उपासना	उपास्य
अरण्य	आरण्यक	आभूषण	आभूषित	उपेक्षा	उपेक्षित
अणु	आण्विक	आयु	आयुष्मान	उत्पीड़न	उत्पीड़ित
अतिरंजन	अतिरंजित	आदि	आदिम	उद्धरण	उद्धृत
अतृप्ति	अतृप्त	आधार	आधारित	उपकार	उपकृत
अर्थ	आर्थिक	आरम्भ	आरम्भिक	उपज	उपजाऊ
अधिक्रमण	अधिक्रान्त	आराधना	आराध्य	उपदेश	उपदेशक
अक्ल	अक्लमंद	आश्रय	आश्रित	उपयोग	उपयोगी
अकर्म	अकर्मण्य	आसक्ति	आसक्त	उपनिवेश	औपनिवेशिक
अनुभव	अनुभवी	आडम्बर	आडम्बरी	उपवन	औपवनिक
अनुभूति	अनुभूत	आवेश	आवेशित	उत्तीर्ण	उत्तीर्णित
अनुमोदन	अनुमोदित	आशा	आशान्वित	उल्लास	उल्लसित
अनुशंसा	अनुशंसित	आश्चर्य	आश्चर्यित	उद्बोधन	उद्बोधक
अनुशासन	अनुशासित	आरोप	आरोपित	उद्वेग	उद्विग्न
अपमान	अपमानित	आरोहण	आरूढ़	उत्कर्ष	उत्कृष्ट
अपराध	अपराधी	आसन	आसीन	उपनयन	उपनीत
अपेक्षा	अपेक्षित	आसमान	आसमानी	उपमा	उपमित
अभिनय	अभिनेय	आकलन	आकलित	उपलब्धि	उपलब्ध
अभिषेक	अभिषिक्त	आत्मा	आत्मिक	उपस्थिति	उपस्थित
अभ्यास	अभ्यासी	आदर	आदरणीय	उपचार	उपचारक
		आन	आनी	उपद्रव	उपद्रवी

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
उत्पत्ति	उत्पन्न	कमाई	कमाऊ	खर्च	खर्चीला
उक्ति	उक्त	कसरत	कसरती	खतरा	खतरनाक
उपार्जन	उपार्जित	कथन	कथित	खपड़ा	खपड़ैल
उपहार	उपहरित	कपट	कपटी	खान	खनिज
उत्पात	उत्पाती	कल्पना	काल्पनिक	खंड	खंडित
उन्नति	उन्नत	कागज	कागजी	खार	खारा
उन्मुक्ति	उन्मुक्त	काया	कायिक	गरीबी	गरीब
उदीची	औदीच्य	काँटा	कँटीला	गायन	गेय
उद्योग	औद्योगिक	कंकड़	कंकड़ीला	ग्रास	ग्रस्त
ऊर्मि	उर्मिल	कुटुंब	कौटुंबिक	गर्व	गर्वीला
ऊँचाई	ऊँचा	कलम	कलमी	गोबर	गोबरैला
ऊपर	ऊपरी	कंठ	कंठ्य	गंगा	गांगेय
ऋतु	आर्तव	करुणा	कारुणिक	गृहस्थ	गार्हस्थ
ऋषि	आर्ष	कर्ज	कर्जदार	गेरू	गेरूआ
एकांत	एकांतिक	कंप	कंपित	गंभीरता	गंभीर
एकीकरण	एकीकृत	कलंक	कलंकित	गंधक	गंधकी
एक	ऐकिक	कलियुग	कलियुगी	गंधर्व	गांधर्व
एशिया	एशियाई	क्लेश	क्लिष्ट	गफलत	गाफल
एषण	इष्ट	काम	कामी	गम	गमगीन
एहसान	एहसानमंद	कर्म	कर्मठ	गति	गत
ऐश	ऐयाश	कोप	कुपित	गमन	गंतव्य
ओज	ओजस्वी	कठिनाता	कठिन	गंदगी	गंदा
ओष्ठ	ओष्ठ्य	कड़वापन	कड़वा	गंध	गंधी
ओहदा	ओहदेदार	कत्ल	कातिल	गवेषण	गवेषणीय
ओछापन	ओछा	कंगूरा	कंगूरेदार	गश्त	गश्ती
औचित्य	उचित	कलुष	कलुषित	गाँठ	गाँठदार
औरत	औरताना	कुंडल	कुंडली	गुंडई	गुंडा
अंकुर	अंकुरित	केसर	केसरिया	गुस्सा	गुस्सैल
अन्त	अन्तिम	कौटिल्य	कुटिल	गणना	गण्य
अन्तर	आन्तरिक	कौम	कौमी	गाना	गवैया
अंचल	आंचलिक	कैवल्य	केवल	गमन	गम्य
कथा	कथित	किताब	किताबी	गलती	गलत
कत्था	कत्थई	किस्मत	किस्मतवार	ग्राम	ग्रामीण/ग्राम्य
कल्पना	काल्पनिक	कुत्सा	कुत्सित	गुण	गुणी
क्रम	क्रमिक	कुकर्म	कुकर्मी	गुलाब	गुलाबी
कपूर	कपूरी	कृपा	कृपालु	घनिष्ठता	घनिष्ठ

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
घटना	घटित	चेष्टा	चेष्टित	जादू	जादूगर
घर	घरेलू	चालाकी	चालाक	जाल	जाली
घास	घसियारा	चाह	चहेता	जिस्म	जिस्मानी
घटना	घटिया	छह	छटा	जुदाई	जुदा
घृणा	घृणित	छेद	छेदक	जोश	जोशीला
घूमना	घुमंतू	छूत	छुतहा	जुठारना	जूठा
चक्षु	चक्षुष	छेदन	छिन्न	झंझट	झंझटिया
चन्द्र	चान्द्र	छिछोरापन	छिछोरा	झकना	झककी
चम्पा	चम्पई	छल	छली	झिलमिलाना	झिलमिल
चरित्र	चारित्रिक	छाया	छायादार	झंकार	झंकृत
चलना	चालू	छाँह	छाँहदार	झक	झककी
चाटना	चटोर	छिद्र	छिद्रित	झाँसा	झाँसू
चुराना	चोर	छवि	छबीला	झालर	झालरदार
चुंबन	चुंबित	जड़ना	जड़ाऊ	झूठ	झूठा
चुस्ती	चुस्त	जाँचना	जाँचकर्ता	झगड़ा	झगड़ालू
चुगली	चुगलखोर	जोड़ना	जोड़ा	टकसाल	टकसाली
चैत	चैती	जटा	जटिल	टूटना	टूटा
चिंता	चिंत्य	जल	जलीय	टिकना	टिकाऊ
चिह्न	चिह्नित	जवाब	जवाबी	डाक	डाकीय
चार	चौथा	जंगल	जंगली	डोरा	डोरीय
चित्र	चितेरा	जागरण	जाग्रत/जागरित	डकैती	डकैत
चक्र	चक्रित	जड़ता	जड़	डर	डरपोक
चंगापन	चंगा	जवान	जवानी	डंक	डंकदार
चंद्रिका	चंद्रिकामय	जरुर	जरुरी	डाह	डाही
चेतना/चैतन्य	चेतन	जुझार	जुझारू	डराना	डरावना
चीन	चीनी	जीवन	जीवित	ढालना	ढलवाँ
चुंबक	चुंबकीय	जीव	जैविक	ढोलक	ढोलकिया
चौधराई	चौधरी	जुआ	जुआड़ी	ढंग	ढंगी
च्युति	च्युत	जेब	जेबी	ढाल	ढालू
चूड़ी	चूड़ीदार	जोगी	जोगिया	त्याग	त्यागी/त्याज्य
चिरजीवन	चिरंजीवी	ज्योतिष	ज्योतिषी	तुलना	तुलनीय
चुनाव	चुनिंदा	ज्वाला	ज्वलित	तंदूर	तंदूरी
चश्मा	चश्मदीद	जूठन	जूठा	तेज	तेजस्वी
चपल	चपलता	जेहन	जहीन	तुष्टि	तुष्ट
चौमुख	चौमुखा	जल्दी	जल्द	तंबूल	तंबोली
चंचल	चंचलता	जय	जयी	तुंद	तुंदिल

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
तेल	तेलिया	दया	दयालु	दल	दलीय
तट	तटीय	दशरथ	दशरथी	दिमाग	दिमागी
तंत्र	तांत्रिक	दाह	दग्ध	दाग	दागी
तपस्या	तपस्वी	दिन	दैनिक	दाढ़ी	दढ़ियल
तैरना	तैराक	दन्त	दन्त्य	दाना	दानेदार
तर्क	तार्किक	देखना	देखवैया	दाम	दामी
तत्व	तात्त्विक	दंश	दंशित	दफा	दफादार
तंगी	तंग	दौलत	दौलतमंद	दाखिला	दाखिल
तिरोधान	तिरोहित	देश	देशीय	दासता	दास
ताजगी	ताजा	दक्षता	दक्ष	धन	धनी
तिलस्म	तिलस्मी	दंड	दंडनीय	धर्म	धार्मिक
तुला	तुल्य	दंभ	दंभी	धुंध	धुंधला
तुनक	तुनकमिजाज	दृढ़ता	दृढ़	धूम	धूमिल
तुक	तुककड़	दस्त	दस्तावर	धैर्य	धीर
तत्परता	तत्पर	दोष	दोषी	धृष्टता	धृष्ट
तटस्थता	तटस्थ	दलन	दलित	ध्वंस	ध्वस्त
तबाही	तबाह	दनु	दानव	नमक	नमकीन
तम्	तामस्	दर्शन	दर्शनीय	नगर	नागरिक
तरण	तरणीय	दान	दानी	न्याय	नैयायिक
तरलता	तरल	दबाव	दब्बू	निश्चय	निश्चित
तमाशा	तमाशाई	दमन	दमित	निवेदन	निवेदित
ताकत	ताकतवर	दिवाला	दिवालिया	निज	निजी
तरुणाई	तरुण	दीनता	दीन	निर्वासन	निर्वासित
तृष्णा	तृष्णावान	दारिद्र्य	दरिद्र	निसर्ग	नैसर्गिक
तलब	तलबगार	दृढ़ता	दृढ़	नोक	नुकीला
तृष	तृषित	दीप्ति	दीप्त	निषेध	निषिद्ध
तल्खी	तल्ख	दीवानी	दीवाना	नाम	नामी
तीखापन	तीखा	दुःख	दुःखी	नाश	नाशवान
तुतलाहट	तोतला	दुम	दुमदार	नकल	नकलची
तंद्रा	तंद्रिल	दुर्विनय	दुर्विनीत	नजदीक	नजदीकी
तालु	तालव्य	दुबलापन	दुबला	निराकरण	निराकृत
त्वरा	त्वरित	दुर्गति	दुर्गत	नियम	नियमित
तृप्ति	तृप्त	दूषण	दूषित	निंदा	निंदनीय
थकान	थकित/थका	दरिया	दरियाई	नरक	नारकीय
दगा	दगाबाज	द्रव	द्रवित	नीति	नैतिक
दम्पति	दाम्पत्य	दर्प	दर्पित	नुमाइश	नुमाइशी

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
नौकरी	नौकर	पीड़ा	पीड़ित	पीछा	पिछला
न्यास	न्यासी	पुरुष	पौरुषेय	पीछे	पिछड़ा
न्यूनता	न्यून	पूजा	पूज्य	पुच्छ	पुच्छल
निद्रा	निद्रालु	पूर्व	पूर्वी	पहरा	पहरेदार
निपुणता	निपुण	पंथ	पंथी	पाचन	पाचक
नियुक्ति	नियुक्त	प्रस्ताव	प्रस्तावित	पुष्प	पुष्पित
निर्माण	निर्मित	पृथु	पृथुल	पुराण	पौराणिक
नियोजन	नियोजित	प्रवंचना	प्रवंचित	प्रेम	प्रेमी
निष्ठा	नैष्ठिक/निष्ठावान	प्रातःकाल	प्रातःकालीन	फल	फलद/फलप्रद
पठन	पठनीय	प्रशंसा	प्रशंसनीय	फेन	फेनिल
पतन	पतित	प्यार	प्यारा	फुसलाना	फुसलाऊ
पराजय	पराजित	परतंत्रता	परतंत्र	फेरना	फेरा
परीक्षा	परीक्षित	पुश्त	पुश्तैनी	फुर्ती	फुर्तीला
परिवार	पारिवारिक	प्राचीनता	प्राचीन	फौज	फौजी
पशु	पाशविक	प्राप्ति	प्राप्त	फसल	फसली
पक्ष	पाक्षिक	प्रसव	प्रसूता	फसाद	फसादी
पंक	पंकिल	प्रेषण	प्रेषित	फाल्गुन	फाल्गुनी
प्रकृति	प्राकृतिक	प्रौढ़ता	प्रौढ़	फिक्र	फिक्रमंद
प्रतिष्ठा	प्रतिष्ठित	प्रवास	प्रवासी	बाजार	बाजारू
प्रतिबिम्ब	प्रतिबिम्बित	प्रवेश	प्रविष्ट	बन	बनैला
प्रथम	प्राथमिक	पाठक	पाठकीय	बेवकूफी	बेवकूफ
प्राची	प्राच्य	प्यास	प्यासा	बखेड़ा	बखेड़िया
प्राण	प्राणद	पुरातत्व	पुरातात्विक	बालक	बाल्य
प्रार्थना	प्रार्थित	प्रांत	प्रांतीय	बल	बलिष्ठ
पाठ	पाठ्य	प्रदेश	प्रादेशिक	ब्रह्म	ब्राह्म
पान	पेय	पथ	पाथेय	बुलंदी	बुलंद
पिता	पैतृक	पुरा	पुरातन	बेवफाई	बेवफा
पुस्तक	पुस्तकीय	पेट	पेटू	बोझ	बोझिल
पढ़ना	पढ़ाकू	प्रदान	प्रदत्त	ब्याह	ब्याहता
पालना	पालतू	पड़ोस	पड़ोसी	बिकना	बिकाऊ
पीना	पियक्कड़	पय	पयस्वी	बूझना	बुझक्कड़
पतन	पतित	परख	पारखी	बाधा	बाधित
पानी	पेय	परितोष	पारितोषिक	दबना	दब्बू
पिशाच	पैशाचिक	पंक्ति	पांक्तेय	बीच	बिचला
पुलक	पुलकित	पंगुता	पंगु	बुभुक्षा	बुभुक्षित
पुष्टि	पौष्टिक	पहुनाई	पाहुन/पहुना	बुजुर्ग	बुजुर्गाना

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
बिलगाव	बिलग	माल	मालदार	राज	राजकीय
बिहार	बिहारी	मास	मासिक	राष्ट्र	राष्ट्रीय
बुद्धि	बौद्धिक	माह	माहवार	रुद्र	रौद्र
भ्रम	भ्रमित	मांस	मांसल	रटना	रट्टू
भागना	भगोड़ा	मूल	मौलिक	रंग	रंगीला
भूलना	भुलकड़	मौसा	मौसेरा	रथ	रथी
भूमि	भौम	मरना	मरियल	रोग	रोगी
भ्रंश	भ्रष्ट	मुख	मुखर	राजा	राजसी
भय	भयानक/भयभीत	मेधा	मेधावी	रचना	रचित
भारत	भारतीय	मृत्यु	मर्त्य	रति	रत
भाव	भावुक/भावी	मथुरा	माथुर	रमण	रमणीय
भाषा	भाषिक	मिथिला	मैथिल	राधा	राधेय
भगवत्	भागवत	मंगल	मांगलिक	राह	राही
भाग्य	भाग्यवान	मैल	मैला	रोज	रोजाना
भूख	भूखा	माया	मायावी	रोम	रोमिल
भंजन	भंगुर	मध्यम	माध्यमिक	राह	राही
भक्ति	भक्त	मतलब	मतलबी	रस	रसीला
भट्टी	भठियारा	मधु	मधुर	रसायन	रासायनिक
भड़क	भड़कीला	मात्रा	मात्रिक	राक्षस	राक्षसी
भक्षण	भक्षक	मनन	मननशील	रिहाई	रिहा
भलाई	भला	मिठास	मीठा	रुचि	रुचिर
भवन	भव्य	मनुष्य	मानुषिक	रुढ़ि	रुढ़
भार	भारी	मनीषा	मनीषी	रेत	रेतीला
भेद	भेदिया	मूर्ति	मूर्त	रूप	रूपवान
भूगोल	भौगोलिक	मृदु	मृदुल	रोब	रोबीला
भूत	भौतिक	मजाक	मजाकिया	लड़ना	लड़ाकू
भीख	भिखारी	मति	मतिमान	लजाना	लजीला
मन	मनस्वी	योग	योगी	लंगड़ाना	लंगड़ा
मर्म	मार्मिक	यात्रा	यात्री	लेखन	लिखित
मनु	मनुजात	युक्ति	युक्त	लंगोट	लंगोटिया
मगध	मागधी/मागध	युद्ध	योद्धा	लंपटता	लंपट
मर्द	मर्दाना	यज्ञ	याज्ञिक	लंब	लंबा
मजा	मजेदार	यदु	यादव	लकड़ी	लकड़हारा
मानव	मानवीय	यश	यशस्वी	लगन	लगावट
माता	मातृक	रक्त	रक्तिम	लंघन	लंघित
मामा	ममेरा	राजनीति	राजनीतिक	लंठई	लंठ

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
लङ्कपन	लङ्का	विधि	वैध	शासन	शासित
लाड	लाडला	विवाद	विवादास्पद	शास्त्र	शास्त्रीय
लावण्य	लवण	विश्वास	विश्वासी	शिक्षा	शिक्षित
लाला	लालायित	विष	विषाक्त	शोक	शोकाकुल
लंका	लंकेश	वैचित्र	विचित्र	शौक	शौकीन
लाघव	लघु	वध	वध्य	शिकारी	शिकार
लाभ	लक्ष्य	विगलन	विगलित	श्याम	श्यामल
लाठी	लठैत	विद्युत	वैद्युत	शरद	शारदीय
लंग	लंगड़ा	विलायत	विलायती	शाप	शापित
लज्जा	लज्जालु	विश्लेषण	विश्लिष्ट	शरीर	शारीरिक
लक्षण	लाक्षणिक	विरोध	विरुद्ध	शान्ति	शान्त
लोक	लौकिक	विधुरता	विधुर	शील	शिष्ट
लोभ	लोभी/लब्ध	विराग	विरत	शक	शक्की
लोहा	लौह	विपर्यय	विपरीत	शहादत	शहीद
वर्ण	वर्णित	विभक्ति	विभक्त	शान	शानदार
वत्स	वत्सल	वैधव्य	विधवा	शरण	शरणागत
वर्ष	वार्षिक	वेतन	वैतनिक	शर्त	शर्तिया
वस्तु	वास्तविक	विज्ञान	वैज्ञानिक	शोभा	शोभित
वायु	वायव्य	व्याख्यान	व्याख्याता	श्रम	श्रमिक
वंदना	वंदनीय/वन्द्य	व्यवस्था	व्यवस्थित	श्री	श्रीमान्
विचार	वैचारिक	व्याकरण	वैयाकरण	शृंगार	शृंगारिक
विस्मय	विस्मित	व्याख्या	व्याख्येय	शृंखला	शृंखलित
विजय	विजयी	व्यापार	व्यापारी	श्रद्धा	श्रद्धेय
विवेक	विवेकी	व्यक्ति	वैयक्तिक	संपादक	संपादकीय
विस्तार	विस्तीर्ण	वर्णन	वर्णित	संदेह	संदिग्ध
व्यवसाय	व्यवसायी	विकार	विकृत	संक्षेप	संक्षिप्त
वियोग	वियोगी	विकास	विकसित	सभा	सभ्य
विभाजन	विभाजित	विधान	वैधानिक	समर	सामरिक
विषाद	विषण्ण	विवाह	वैवाहिक	सम्मान	सम्मानित
विषय	विषयी	विष्णु	वैष्णव	समास	सामासिक
विद्या	विद्यावान	वेद	वैदिक	साहित्य	साहित्यिक
विरह	विरही	शक्ति	शाक्त	समुद्र	समुद्री
विमान	वैमानिक	शंका	शंकालु	सोना	सुनहला
वसंत	वासंती	शिव	शैव	संध्या	सांध्य
वंश	वंशीय	शोषण	शोषित	संपत्ति	सांपत्तिक
				संख्या	सांख्यिक

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
संघात	सांघातिक	सुगंध	सुगंधित	हित	हितैषी
संचय	संचित	सुर	सुरीला	हर्ष	हर्षित
संभावना	संभावित	संयोग	संयुक्त	हिन्द	हिन्दी
सुरभि	सुरभित	सखा	सख्य	हवा	हवाई
सूर्य	सौर	साल	सालाना	हिंसा	हिंसक
सूचना	सूचित	संयम	संयमी	हृदय	हार्दिक
संश्लेष	संश्लिष्ट	संसार	सांसारिक	हठ	हठी
संस्कृति	सांस्कृतिक	स्थान	स्थानीय	हल्	हलन्त
संकल्प	संकल्पित	स्नायु	स्नायविक	हँसी	हँसोड़/हँसमुख
संभाषण	संभाष्य	स्मरण	स्मरणीय	हिम	हेम
समय	सामयिक	स्मृति	स्मृत	क्षमा	क्षम्य
सहकार	सहकारी	स्वर्ग	स्वर्गीय	क्षण	क्षणिक
सागर	सागरीय	स्वास्थ्य	स्वस्थ	क्षोभ	क्षुब्ध
संकोच	संकुचित	स्तुति	स्तुत्य	क्षार	क्षारीय
संक्षेप	संक्षिप्त	स्त्री	स्त्रैण	त्रास	त्रस्त
संताप	संतप्त	स्वप्न	स्वप्निल	त्राण	त्राता
सरकार	सरकारी	स्वभाव	स्वाभाविक	त्रयी	त्रय
सिंधु	सैंधव	स्वाद	स्वादिष्ट	त्रुटि	त्रुटित
सीमा	सीमित	स्वर्ण	स्वर्णिम	ज्ञात	ज्ञातव्य
सुख	सुखी	हेमंत	हेमंती	ज्ञान	ज्ञानी
सिद्धान्त	सैद्धान्तिक	हराम	हरामी	ज्ञापन	ज्ञापित

कुछ समानतावाचक विशेषण रूपावली

अंगद के पाँव के समान	अटल	केंचुए के समान	मंदगति
आकाश के समान	विशाल	कोयले के समान	काला
आकाश के समान	नीला	कौवे के समान	चालाक
उल्लू के समान	मूर्ख	टिड्डियों के समान	असंख्य
उस्तरे के समान	पैना	तलवार की धार के समान	पैना
ऊँट के समान	बेडौल	तलवार की धार पर चलने के समान	कठिन
ऊँट के समान	लम्बी गर्दन	ताड़ के समान	लम्बा
कर्ण के समान	दानी	तारकोल के समान	काला
कलश के समान	जीवन	तारों के समान	असंख्य
कामदेव के समान	रूपवान	तितली के समान	भड़कीला
कुत्ते के समान	स्वामिभक्त	तुलसी के समान	पवित्र
केशर के समान	पीला	तोता के समान	रङ्गू

त्रिशंकु के समान	दुविधापरक	चाणक्य के समान	कूटनीतिज्ञ
दधीचि के समान	आत्मबलिदान	चींटी के समान	अध्यवसायी
दिन के समान	चमकीला	चीते के समान	फुर्तीला
दुर्वासा के समान	क्रोधी	जयचंद के समान	देशद्रोही
दूध के समान	सफेद	जिराफ के समान	लम्बा
ध्रुव के समान	अटल	भैंस के समान	मोटा
धूल के समान	सूखा	भेड़िए के समान	भुक्खड़
नाग के समान	फुफकारता	मक्खन के समान	चिकना
पत्थर के समान	कठोर	मखमल के समान	मुलायम
पत्थर के समान	भारी	मूर्ति के समान	निर्वाक
बच्चे के समान	निष्कपट	मृत्यु के समान	निश्चित
बंदर के समान	नकलची	मृत्यु के समान	कांतिहीन
बरगद के समान	सृष्टि	मेनका के समान	रूपवती
बर्फ के समान	ठण्डा	मेमने के समान	सीधा
बाघ के समान	भयंकर	युधिष्ठिर के समान	धर्मपालक
बाज के समान	छापामार	राम के समान	मर्यादित (पुरुष)
बादलों के समान	गरजते (आदमी)	रावण के समान	घमण्डी
बालि के समान	वीर	राजा के समान	सम्पन्न
बिजली के समान	कड़क	लक्ष्मण के समान	भाई
बिल्ली के समान	भूरी (आँख)	लता के समान	प्रसन्नचित
बिल्लौर के समान	स्वच्छ	लोमड़ी के समान	मक्कार
बृहस्पति के समान	बुद्धिमान	वायु के समान	हल्का
भीम के समान	बलवान	विक्रमादित्य के समान	न्यायी
भीम के समान	स्थूल	विभीषण के समान	भेदी
भूत के समान	काला	श्रवण कुमार के समान	भक्त (मातृ-पितृ)
खच्चर के समान	हठी	शहद की मक्खी के समान	उद्योगी
खरगोश के समान	डरपोक	शेर के समान	साहस
गधे के समान	मूर्ख	शेषनाग के समान	काल
गरुड़ के समान	तीव्रगामी	सागर के समान	गहरा
गीदड़ के समान	कायर	सिंह के समान	गर्जन
गुलाब के समान	सुन्दर	सुअर के समान	घृणित (वृत्ति)
घोंघे के समान	मंदगति	हंस के समान	सुन्दर
घोड़े के समान	गति	हनुमान के समान	सेवक
चक्र के समान	काल	हरिश्चन्द्र के समान	सत्यवादी
चन्द्रमा के समान	शीतल	हिटलर के समान	तानाशाह



6. पर्यायवाची शब्द



● मार्गदर्शिका

पर्यायवाची अंग्रेजी के 'Synonyms' शब्द का समानार्थी है। शब्द किसी भी भाषा की समृद्धि हेतु आवश्यक होते हैं। जिस साहित्य में पर्यायवाची शब्द जितने ही अधिक होंगे, वह साहित्य उतना ही समृद्धिशाली होगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक अभियोजन अधिकारी (मुख्य परीक्षा), समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक परीक्षा), अवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा सहित अन्य परीक्षाओं में यह पाठ्यक्रम के रूप में समाहित है।

प्रतियोगी, विविध तरीकों से पर्यायवाची शब्दों को कंठस्थ करते हैं, किन्तु व्यापक शब्द संख्या होने के कारण बहुधा भूल जाया करते हैं। यदि पर्यायवाची को उसकी मूल उत्पत्ति से जोड़कर समझ लिया जाय, तो भूलने की समस्या समाप्त हो जायेगी। प्रश्न उठता है कि मूल उत्पत्ति से कैसे जोड़ा जाय? इसे पंकज शब्द के उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। पंकज मूल रूप में कमल के अर्थ वाला नहीं है; क्योंकि पंक=कीचड़ और ज=उत्पन्न या पैदा होना होता है। इस प्रकार कीचड़ से घोंघा, शैवाल, केकड़ा, जलबिच्छू, जोंक, जंगली घासों आदि भी उत्पन्न हो सकती हैं और इन सबकी उत्पत्ति जल से भी हो सकती है, परन्तु कीचड़ से उत्पन्न होने वाली वनस्पति कमल के अर्थ में रुढ़ हो गयी है। इस प्रकार सरोवर से उत्पन्न (सरोज), सरोवर द्वारा सृजित (सरसिज), पानी द्वारा उत्पन्न (नीरज), जल द्वारा उत्पन्न (जलज), सरोवर की आत्मा (सरोरुह), कमल के पर्यायवाची माने गये हैं। अगर हम इसी

प्रकार सभी की मौलिक उत्पत्ति पर विचार करें, तो पर्यायवाची कोश को अच्छी तरह समझ सकते हैं। उसी प्रकार यदि जल के पर्यायवाची के अन्त में 'द' शब्द जोड़ दें, तो 'बादल' का पर्यायवाची और जल के पर्यायवाची के अन्त में 'धि' शब्द जोड़ दें, तो 'समुद्र' का पर्यायवाची बन जायेगा। इसी तरह यदि जल के पर्यायवाची के अन्त में 'ज' शब्द जोड़ दें, तो 'कमल' का पर्यायवाची बन जायेगा।

● पूर्वावलोकन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में पर्यायवाची शब्द पर आधारित प्रश्नों के लिए 5 या 10 अंक निर्धारित रहते हैं। प्रश्नों की प्रवृत्ति पर विचार करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि यदि विगत परीक्षाओं में पूछे गये पर्यायवाची शब्दों का अध्ययन कर लिया जाय, तो उससे आगामी परीक्षा में पूछे जाने वाले अधिकतर प्रश्न आसानी से हल किये जा सकते हैं।

प्रस्तुत खंड में अभी तक हिन्दी भाषी प्रांतों की सिविल सेवा परीक्षाओं में पूछे गये पर्यायवाची शब्द पर आधारित प्रश्नों का प्रामाणिक हल प्रस्तुत किया जा रहा है। इस अंक में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी, 2010 के नये पाठ्यक्रम के अनुरूप अब तक सम्पन्न प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा प्रथम बार आयोजित दिसम्बर, 2017 में स्टाफ नर्स परीक्षा, राजस्व निरीक्षक एवं डायट प्रवक्ता, उ.प्र. पी.सी.एस. (मुख्य) परीक्षा, उ.प्र. अवर अधीनस्थ (मुख्य) परीक्षा, उ.प्र. सहायक अभियोजन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा सहित विभिन्न लोक सेवा आयोगों की परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के हल वस्तुनिष्ठ के रूप में प्रस्तुत किये गये हैं।

परीक्षा प्रश्न-संग्रह

1. इनमें से 'अरण्य' शब्द का पर्यायवाची शब्द है-

- (a) आभारी (b) कांतार
(c) शस्य (d) कुलीन

U.P.P.C.S. (Pre), 2022

उत्तर—(b)

'अरण्य' शब्द का पर्यायवाची शब्द है- जंगल, कांतार, विपिन, कानन, वन आदि।

2. निम्नलिखित में 'देवता' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) किंकर (b) विबुध
(c) विपुल (d) लोकेश

U.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

'देवता' का पर्यायवाची शब्द 'विबुध' है। 'किंकर', 'दास' का, 'विपुल' बहुत अधिक का तथा 'लोकेश' ब्रह्मा का पर्यायवाची है।

3. निम्नलिखित में से 'खिड़की' का पर्यायवाची है—

- (a) वातायन (b) बारी
(c) दरीचा (d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'खिड़की' का पर्यायवाची वातायन, बारी तथा दरीचा तीनों होता है। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

4. 'व्योम' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) अन्तरिक्ष (b) अम्बर
(c) पीयूष (d) नभ

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'पीयूष', अमृत का पर्यायवाची है। इसके अतिरिक्त सुधा, अमिय, सोम, अमी भी अमृत के पर्यायवाची हैं। अन्तरिक्ष, अम्बर, नभ, अनन्त, गगन, 'व्योम' के पर्यायवाची हैं।

5. 'चोर' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) खनक (b) उदक
(c) धूसर (d) थलचर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'खनक' चोर का पर्यायवाची शब्द है। चोर के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं— तस्कर, रजनीचर, कुम्भिल, दस्यु इत्यादि। 'उदक' जल का, 'धूसर' गधा का तथा 'थलचर' पृथ्वी का पर्यायवाची है।

6. 'बिजली' का पर्याय है—

- (a) शर्वरी (b) तनया
(c) रमणी (d) दामिनी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— बिजली का पर्याय 'दामिनी' है; इसके अन्य पर्याय क्षणप्रभा, विद्युत्, चपला, चंचला, सौदामिनी, दामिनी, तड़ित इत्यादि हैं। 'शर्वरी' रात्रि का, 'तनया' पुत्री का तथा 'रमणी' नारी का पर्यायवाची है।

7. 'चन्द्रहास' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) तीर (b) तलवार
(c) भाला (d) धनुष-बाण

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'चन्द्रहास' का पर्यायवाची शब्द 'तलवार' है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं— खड्ग, असि, करवाल, शमशीर, कृपाण इत्यादि।

8. इनमें से 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) विपुला (b) शर्वरी
(c) धेनुका (d) पयस्विनी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द 'विपुला' है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं— धरा, मही, मेदिनी, अवनी, क्षिति इत्यादि। 'शर्वरी' रात्रि का 'पयस्विनी' नदी का पर्यायवाची है।

9. 'हुताशन' पर्यायवाची है—

- (a) निर्धन (b) अग्नि
(c) अगणित (d) अखण्ड

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'हुताशन' अग्नि का पर्यायवाची शब्द है। इसके अन्य पर्याय शब्द कृशानु, दहन, वायुसखा, धूमकेतु इत्यादि हैं।

10. निम्नलिखित विकल्पों में से 'चंचरीक' शब्द का पर्यायवाची चुनिए—

- (a) हवा (b) भ्रमर
(c) मित्र (d) पुत्र

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'चंचरीक' भ्रमर का पर्यायवाची शब्द है। इसके अन्य पर्याय शब्द मिलिन्द, द्विरेफ, अलि, षट्पद, मधुकर इत्यादि हैं।

11. 'तिमिर' का पर्यायवाची है—

- (a) प्रकाश (b) रात्रि
(c) सूर्य (d) अन्धकार

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'तिमिर' का पर्यायवाची शब्द अन्धकार है। इसके अन्य पर्याय शब्द तम, तमस, अँधेरा, अँधियारा इत्यादि हैं।

12. 'जीभ' का पर्यायवाची है—

- (a) वचन (b) रसना

(c) ध्वनि

(d) जीव

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021, 2010

I.A.S. (Mains), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'जीभ' का पर्यायवाची शब्द 'रसना' है। इसके अन्य पर्याय शब्द आत्मा, जबान, अन्तःकरण जिह्वा इत्यादि हैं।

13. 'अपर्णा' शब्द का पर्यायवाची है-

(a) औरत

(b) देवांगना

(c) आराधना

(d) पार्वती

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'अपर्णा' शब्द का पर्यायवाची शब्द 'पार्वती' है। इसके अन्य पर्याय शब्द उमा, शिवा, भवानी, गौरी, रुद्राणी इत्यादि हैं।

14. निम्नलिखित में 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

(a) इला

(b) अचला

(c) अचल

(d) अवनि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2021

उत्तर—(c)

व्याख्या— इला, अचला, अवनि 'पृथ्वी' के पर्यायवाची शब्द हैं; जबकि अचल, पर्वत, अडिग, अटल, स्थिर, दृढ़, अविचल इत्यादि 'पहाड़' के पर्यायवाची हैं।

15. 'विशिख' किस शब्द का पर्यायवाची है?

(a) बुध

(b) बाण

(c) तरु

(d) सरोवर

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— विशिख, तोमर, नाराच, शर, इषु, सायक इत्यादि 'बाण' के पर्यायवाची हैं। 'तरु', वृक्ष का तथा 'सरोवर', तालाब का पर्यायवाची है।

16. निम्नलिखित में 'खर' का पर्याय शब्द नहीं है-

(a) दुष्ट

(b) गदहा

(c) तिनका

(d) तेज

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'खर' का पर्याय तेज, गदहा तथा तिनका होता है। 'दुष्ट', 'खल' का पर्याय होता है।

17. कौन-सा शब्द 'घोड़ा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) बाजि

(b) तुरंग

(c) शार्दूल

(d) हय

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'घोड़ा' का पर्यायवाची बाजि, तुरंग, हय, घोटक, अश्व, रविसुत, सैधव है। 'शार्दूल' सिंह का पर्यायवाची है।

18. 'टीका' शब्द का पर्याय है-

(a) व्याख्या

(b) आलेख

(c) टेकुआ

(d) तकली

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'टीका' शब्द का पर्याय व्याख्या, वर्णन, विवेचन आदि होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

19. निम्नलिखित में 'यमुना' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) हंससुता

(b) अर्कजा

(c) कृष्णा

(d) कूलंकषा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— हंससुता, अर्कजा, कृष्णा, सूर्यतनया 'यमुना' के पर्यायवाची हैं, जबकि कूलंकषा नदी का पर्यायवाची है।

20. निम्नलिखित में से 'मीन' का समानार्थी है-

(a) झख

(b) शिलीमुख

(c) अलि

(d) षट्पद

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'मीन' का समानार्थी 'झख' होता है। शिलीमुख, अलि तथा षट्पद 'भौंरा' का पर्यायवाची है।

21. निम्नलिखित में से 'केतु' का पर्याय नहीं है-

(a) झंडा

(b) पताका

(c) निशान

(d) ग्रह

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या— झंडा, पताका तथा निशान 'केतु' के पर्याय हैं, जबकि ग्रह इससे भिन्न है।

22. 'तलवार' का पर्यायवाची शब्द है -

- (a) हलवार (b) करवाल
(c) धरवार (d) धारदार

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'तलवार' के पर्यायवाची करवाल, असि, कृपाण, खड्ग, चंद्रहास, शमशीर इत्यादि होते हैं। अन्य विकल्प असंगत हैं।

23. निम्नलिखित में से 'कामदेव' का पर्यायवाची शब्द है-

- (a) विडौजा (b) पिशुन
(c) मार (d) अश्म

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या— मार, मनसिज, अनंग, मदन, कन्दर्प इत्यादि 'कामदेव' के पर्यायवाची हैं। 'विडौजा', 'इन्द्र का', 'पिशुन', 'चुगुलखोर का' तथा 'अश्म', 'पत्थर का' पर्यायवाची हैं।

24. 'धनंजय' का पर्याय है-

- (a) गुडाकेश (b) धनुर्धर
(c) मृत्युंजय (d) सारथी

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'धनंजय' के पर्याय गुडाकेश, पार्थ, अर्जुन, कौन्तेय, सव्यसाची इत्यादि हैं। अन्य विकल्प असंगत हैं।

25. 'पत्नी' का पर्यायवाची है—

- (a) प्रमदा (b) कामिनी
(c) वामा (d) वनिता

I.A. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'वामा', 'दारा', 'वामांगी', 'वल्लभा' इत्यादि 'पत्नी' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'प्रमदा', 'कामिनी' तथा 'वनिता'; स्त्री के पर्यायवाची हैं।

26. 'बच्चा' का पर्यायवाची है—

- (a) तनय (b) वत्स
(c) सुत (d) आत्मज

I.A. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'बच्चा' का पर्यायवाची 'वत्स' होता है, शेष तीनों पुत्र के पर्यायवाची हैं।

27. 'पैर' का पर्यायवाची है—

- (a) पट (b) पाद
(c) अक्षि (d) कर्ण

I.A. S. (Mains), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'पैर' का पर्यायवाची 'पाद' है। 'पट', 'पर्दा' का, 'अक्षि' आँख का तथा 'कर्ण' कान का पर्यायवाची है।

28. 'आँख' का पर्यायवाची है—

- (a) अजा (b) अक्षि
(c) चंचला (d) इषु

I. A.S. (Mains), 2019

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'आँख' का पर्यायवाची अक्षि, चक्षु, लोचन, नयन, नेत्र दृग, अम्बक इत्यादि होता है। 'अजा', 'बकरी' का 'चंचला', बिजली का तथा 'इषु', बाण का पर्यायवाची है।

29. 'रुधिर' का पर्यायवाची है—

- (a) पथ (b) रसाल
(c) लहू (d) अर्णव

I. A.S. (Mains), 2019

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'रुधिर' का पर्यायवाची लहू, रक्त, शोणित इत्यादि है। 'पथ' दुग्ध, का 'रसाल' आम का तथा 'अर्णव' समुद्र का पर्यायवाची है।

30. परिवार का पर्यायवाची है—

- (a) गृह (b) कुटुंब
(c) भवन (d) आगार

I. A.S. (Mains), 2018

उत्तर—(b)

व्याख्या— परिवार का पर्यायवाची कुटुंब, कुनबा, खानदान इत्यादि होता है। अन्य घर के पर्यायवाची हैं।

31. 'वसुंधरा' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) क्षिति (b) रत्नाकर
(c) कलाधर (d) दिनकर

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘वसुंधरा’ का पर्यायवाची पृथ्वी, क्षिति, अवनि, उर्वी, अचला, वसुधा, मेदिनी, इला, विपुला, धरा इत्यादि हैं, जबकि रत्नाकर, कलाधर तथा दिनकर क्रमशः समुद्र, चन्द्रमा तथा सूर्य के पर्यायवाची हैं।

32. ‘बादल’ का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

- (a) तोयद (b) पयोधर
(c) नीरद (d) तोयधि

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

व्याख्या—तोयद, पयोधर तथा नीरद बादल के पर्यायवाची हैं, जबकि तोयधि समुद्र का पर्यायवाची है।

33. ‘व्योम’ शब्द का पर्याय है-

- (a) आग्न (b) कौए
(c) अम्बर (d) अग्नि

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘व्योम’ शब्द के पर्याय अम्बर, गगन, आकाश, नभ, अग्न, दिव, अनंत इत्यादि हैं।

34. पर्यायवाची दृष्टि से एक शब्द-युग्म अशुद्ध है-

- (a) गंगा-जाह्नवी (b) पानी-पाणि
(c) गृह-सदन (d) मयूर-केकी

स्टाफ नर्स परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

व्याख्या—पानी-पाणि शब्द युग्म अशुद्ध है। पानी का पर्यायवाची जल, तोय, अम्बु आदि होते हैं। ‘पाणि’ के पर्यायवाची शब्द ‘हाथ’ ‘कर’ आदि हैं। शेष पर्यायवाची की दृष्टि से शुद्ध युग्म हैं।

35. अधोलिखित में एक पर्यायवाची युग्म सही नहीं है?

- (a) पुरंदर-अमरपति (b) सरोवर-पुष्कर
(c) जलधि-अम्बुद (d) फणी-उरग

U.P.P.C.S. (Pre), 2017

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘जलधि’ का अर्थ ‘समुद्र’ तथा ‘अम्बुद’ का अर्थ ‘बादल’ होता है। अतः विकल्प (c) परस्पर पर्यायवाची नहीं है। शेष पर्यायवाची युग्म सही हैं।

36. ‘मीमांसा’ का सही पर्यायवाची शब्द है-

- (a) स्वरूप (b) सुविज्ञता
(c) समालोचन (d) निष्क्रिय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘मीमांसा’ का सही पर्यायवाची ‘समालोचन’ है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द आलोचना, विश्लेषण, निरीक्षण इत्यादि हैं।

37. निम्नांकित शब्दों में से एक शब्द ‘माता’ का पर्यायवाची नहीं है। वह है-

- (a) अम्ब (b) अम्बु
(c) अम्बा (d) जननी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—अम्ब, अम्बा, जननी ‘माता’ के पर्यायवाची शब्द हैं, जबकि ‘अम्बु’ जल का पर्यायवाची है।

38. निम्नलिखित में से एक ‘पत्थर’ का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) प्रस्तर (b) उपल
(c) पशम (d) पाहन

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पशम’, ‘पत्थर’ का पर्यायवाची नहीं है, शेष पर्यायवाची ‘पत्थर’ के हैं। पशम का अर्थ पशमीना तथा पेट-पेडू भी होता है।

39. निम्नलिखित में से एक ‘विष्णु’ का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) कमलेश (b) कमलाकान्त
(c) कमलापति (d) कमलासन

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘कमलासन’ विष्णु का नहीं, बल्कि ‘ब्रह्मा’ का पर्यायवाची है। कमलेश (कमला का पति), कमलाकान्त तथा कमलापति विष्णु के पर्यायवाची हैं। विष्णु के अन्य पर्यायवाची हैं—जनार्दन, चक्रपाणि, गरुड़ध्वज, अच्युत, चतुर्भुज, लक्ष्मीपति।

40. कौन-सा शब्द ‘ब्रह्मा’ का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) कमलासन (b) चतुरानन
(c) चतुर्मुख (d) चतुर्भुज

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—चतुर्भुज, ‘ब्रह्मा’ का पर्यायवाची नहीं, बल्कि ‘विष्णु’ का पर्यायवाची है। कमलासन, चतुरानन, चतुर्मुख, स्वयंभू, हिरण्यगर्भ, लोकेश, अज, विरंचि, विधि, सदानंद, गिरापति, नाभि-जन्मा इत्यादि ‘ब्रह्मा’ के पर्यायवाची हैं।

41. 'हिरण्यगर्भ' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) विष्णु (b) ब्रह्मा
(c) महेश (d) गणेश

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—'हिरण्यगर्भ' ब्रह्मा का पर्यायवाची है। ब्रह्मा के अन्य पर्यायवाची हैं—प्रजापति, लोकेश, विधाता, विधि, कमलासन, पितामह, अज, गिरापति इत्यादि। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अपने संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) एवं (b) दोनों स्वीकार किया है।

42. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है—

- (a) इन्द्र, रतीश, सहस्राक्ष, मघवा
(b) घर, निकेतन, आयतन, निलय
(c) यमुना, कालिन्दी, भानुतनया, जाह्नवी
(d) वस्त्र, पाटक, अम्बर, चीर

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—विकल्प (b) पर्यायवाची की दृष्टि से शुद्ध वर्ग है। यह वर्ग 'गृह' के पर्यायवाची के रूप में प्रदर्शित है। गृह के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—गेह, धाम, भवन, निकेतन, मकान, सदन, आगार, आलय, आवास, ओक आदि। विकल्प (a) में 'रतीश' का अर्थ 'कामदेव' है, जबकि अन्य देवेश के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्यायवाची हैं— देवराज, सुरपति, पुरंदर, शक्र, शतक्रतु, शचीपति, वासव, सुरेश, वृत्रहा, अमरपति आदि। विकल्प (c) में 'जाह्नवी' गंगा का पर्यायवाची है, जबकि अन्य पर्यायवाची 'सूर्यजा' के हैं। इसके अन्य पर्यायवाची हैं—अर्कजा, रवितनया, तरणि-तनुजा, कृष्णा आदि। विकल्प (d) में 'पाटक' का अर्थ 'भेदक' अथवा 'छेदक' है, जबकि अन्य 'वसन' के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्यायवाची हैं—पट, दुकूल, परिधान, पोशाक, लिबास आदि।

43. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है—

- (a) सिंह, पंचानन, नाहर, मृगारि
(b) सूर्य, रवि, दिनकर, तरणी
(c) अग्नि, पावक, अनल, पिशुन
(d) महेश, रमेश, भूतेश, सतीश

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—विकल्प (a) का वर्ग पर्यायवाची की दृष्टि से शुद्ध वर्ग है। यह वर्ग शेर का पर्यायवाची है। शेर के पर्यायवाची हैं—सिंह,

पंचानन, नाहर, मृगारि, शार्दूल, व्याघ्र, पंचमुख, मृगराज, वनपति, मृगेंद्र, केशरी, केहरि, केशी, महावीर, नखायुध आदि। विकल्प (b) में प्रस्तुत 'तरणी' का अर्थ 'नौका' अथवा 'नाव' है, जबकि शेष शब्द 'भानु' के पर्यायवाची हैं। विकल्प (c) में 'पिशुन' का अर्थ 'चुगलखोर' होता है, जबकि शेष आग के पर्यायवाची हैं। इसी प्रकार विकल्प (d) में प्रस्तुत 'रमेश' अर्थात् रमा के पति का अर्थ 'विष्णु' है, जबकि अन्य शब्द शिव के पर्यायवाची हैं।

44. कौन-सा शब्द 'दास' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) अनुचर (b) परिकर
(c) भृत्य (d) सेवक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(*)

व्याख्या—अनुचर, भृत्य, सेवक तथा परिकर दास के पर्यायवाची शब्द हैं, 'परिकर' का अन्य अर्थ परिजन भी होता है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

45. कौन-सा शब्द 'दैत्य' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) राक्षस (b) दानव
(c) भूसुर (d) निशाचर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—भूसुर, 'दैत्य' का नहीं, बल्कि ब्राह्मण का पर्यायवाची है। राक्षस, दानव, निशाचर, असुर इत्यादि दैत्य के पर्यायवाची हैं।

46. 'रुख' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) विटप (b) प्रसून
(c) तड़का (d) हेरम्ब

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'रुख' का पर्यायवाची 'विटप' है। पादप, पेड़, अगम, गाछ, शाखी, तरु, द्रुम इत्यादि भी 'रुख' के पर्यायवाची हैं। 'प्रसून' पुष्प का तथा 'हेरम्ब' गणेश का पर्यायवाची है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

47. 'पर्यायवाची' शब्द का अर्थ है—

- (a) विलोमवाची (b) प्रतिविलोमवाची
(c) समानाभास (d) समानार्थी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—समान अर्थ रखने वाले शब्द को 'समानार्थी' शब्द कहते हैं और जो शब्द अर्थ रूप में शब्द का पर्याय व्यक्त करते हैं, उन्हें 'पर्यायवाची' शब्द कहते हैं। अतः पर्यायवाची शब्द का अर्थ 'समानार्थी' है।

48. 'प्राची' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) प्राचीन (b) प्रकृत
(c) पूर्व (d) प्रज्ञा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'प्राची' का पर्यायवाची शब्द 'पूर्व' है। 'प्राचीन', पुराना का तथा 'प्रज्ञा', सरस्वती का पर्यायवाची है, जबकि 'प्रकृत' का शाब्दिक अर्थ 'जो प्रकृति से उत्पन्न हुआ हो' है।

49. 'तरंग' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) पुष्कर (b) कूल
(c) जलधि (d) ऊर्मि

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—'तरंग' शब्द का पर्यायवाची 'ऊर्मि' है। 'तरंग' के अन्य पर्यायवाची लहर, वीचि आदि हैं। पुष्कर, तालाब का और कूल, किनारा का तथा जलधि, समुद्र का पर्यायवाची है।

50. 'क्रोध' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) संताप (b) अमर्ष
(c) वैमनस्य (d) भीति

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'क्रोध' शब्द का पर्यायवाची 'अमर्ष' है। क्रोध के अन्य पर्यायवाची शब्द रोष, कोप, तैश इत्यादि हैं, जबकि 'संताप' शब्द 'दुःख' का एवं 'वैमनस्य' शब्द 'शत्रुता' का तथा 'भीति' शब्द 'डर' का पर्यायवाची है।

51. 'चन्द्रहास' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) चाँदनी (b) पक्षी
(c) मन्मथ (d) करवाल

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'चन्द्रहास' के पर्यायवाची शब्द तलवार, खड्ग, करवाल, असि, कृपाण हैं, जबकि 'मन्मथ', कामदेव का पर्यायवाची है।

52. 'आशय' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) आहार (b) आँचल
(c) तात्पर्य (d) अपरिहार्य

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'आशय' शब्द के पर्यायवाची अभिप्राय, तात्पर्य, मतलब, अर्थ, सारांश हैं। 'आहार', भोजन का तथा 'अपरिहार्य', अनिवार्य का पर्यायवाची है।

53. 'फल' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) फरेब
(b) फणी
(c) परिणाम
(d) फिराक

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—'फल' के पर्यायवाची परिणाम, नतीजा, अंजाम हैं, जबकि 'फरेब', छल का; 'फणी', सर्प का तथा 'फिराक', चिन्ता का पर्यायवाची है।

54. 'नैसर्गिक' का पर्यायवाची है—

- (a) सत्कृत
(b) चमत्कृत
(c) प्राकृतिक
(d) चतुर्दिक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'नैसर्गिक' के पर्यायवाची प्राकृतिक, स्वाभाविक तथा वास्तविक इत्यादि हैं, जबकि सत्कृत, चमत्कृत तथा चतुर्दिक से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

55. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'हाथ' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) कटि (b) हस्त
(c) पाणि (d) कर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—'कटि' हाथ का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि कमर का पर्यायवाची है। हस्त, पाणि, कर, भुजा तथा बाहु इत्यादि हाथ के पर्यायवाची हैं।

56. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'सूर्य' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) प्रभाकर (b) विभाकर
(c) दिनकर (d) दिनेश

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010
42th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'विभाकर' सूर्य का नहीं, बल्कि चन्द्रमा का पर्यायवाची है। दिनकर, दिवाकर, भानु, दिनमणि, सहस्रांशु, भास्कर, आदित्य, रवि, अंशुमाली, सविता, अर्क, मार्तण्ड, पतंग, प्रभाकर, दिनेश इत्यादि सूर्य के पर्यायवाची हैं।

57. 'सूर्य' का पर्याय शब्द है—

- (a) सुधांशु (b) द्विरद
(c) पतंग (d) त्रिदश

U.P. Lower Sub. (Mains), 2013
U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. 'सूर्य' का पर्यायवाची है—

- (a) भास्वर (b) मार्तण्ड
(c) प्रकाश (d) तेज

I. A.S. (Mains), 2018
U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—'सूर्य' का पर्यायवाची 'मार्तण्ड' है, जबकि प्रकाश, आलोक का; तेज, तीव्रता या चमक का एवं भास्वर, दिन का पर्यायवाची है।

59. 'चाँदनी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) चन्द्रातप (b) कौमुदी
(c) ज्योत्स्ना (d) मयंक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—'मयंक' शब्द चाँदनी का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि यह चन्द्रमा का पर्यायवाची है। चन्द्रातप, कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रकला, चन्द्रिका, चन्द्रमरीची तथा अमृत-कर्णिका, तरंगिणी आदि चाँदनी के पर्यायवाची हैं।

60. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) वीणापाणि (b) महाश्वेता
(c) पद्मा (d) भारती

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पद्मा' सरस्वती का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि लक्ष्मी का पर्यायवाची है। सरस्वती के पर्यायवाची हैं—भारती, वीणापाणि, महाश्वेता, इला, वागीशा, कर्णिका, ब्राह्मी, गिरा, निधात्री, वागेश्वरी, शारदा इत्यादि।

61. 'सरस्वती' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) पद्मा (b) धात्री
(c) कामाक्षी (d) कर्णिका

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. इनमें एक 'लहर' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) वीचि (b) दुकूल
(c) तरंग (d) हिलोर

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010
R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989, 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—दुकूल लहर का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि वस्त्र का पर्यायवाची है। तरंग, वीचि, हिलोर, ऊर्मि इत्यादि शब्द लहर के पर्यायवाची हैं।

63. 'जनार्दन' किसका पर्यायवाची है?

- (a) राम (b) कृष्ण
(c) विष्णु (d) ब्रह्मा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010
U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(c)

व्याख्या—विश्वम्भर, केशव, गोविन्द, नारायण, जनार्दन, अच्युत, चक्रपाणि, मुकुन्द, गरुडध्वज, लक्ष्मीपति, जलशायी, चतुर्भुज इत्यादि विष्णु के पर्यायवाची हैं। 24 विष्णुमूर्तियों में जनार्दन के साथ कृष्ण का भी नाम है। विष्णु भी कृष्णावतार हैं। कृष्ण को महाभारत में जनार्दन कहा गया है। शायद उसी आधार पर लोक सेवा आयोग के द्वारा उत्तर-कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर (b) दिया गया था।

64. 'बगीचा' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) निर्जन (b) व्यजन
(c) आराम (d) कल्पशाल

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—बगीचा के पर्यायवाची हैं— आराम, वाटिका, उपवन, उद्यान, बाग, फुलवारी, निकुंज इत्यादि।

65. 'विडौला' पर्यायवाची शब्द है—

- (a) 'नक्षत्र' का (b) 'अप्सरा' का
(c) 'इन्द्र' का (d) 'पत्थर' का

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(c)

व्याख्या—'विडौला' इन्द्र का पर्यायवाची शब्द है। इसके अतिरिक्त इन्द्र के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—कौशिक, देवराज, जिष्णु, पुरुहूत, वज्रधर, शक्र, पुरंदर, मधवा, शचीपति, सुरपति इत्यादि।

66. 'मार' शब्द पर्यायवाची है—

- (a) 'जादू' का (b) 'स्वर्ण' का
(c) 'अधम' का (d) 'अनंग' का

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—मार, स्मर, मदन, केतन, अनंग, मन्मथ, मनसिज, मनोभव, रतिपति, मनोज, मयन, कुसुमशर, मकरध्वज इत्यादि कामदेव के पर्यायवाची शब्द हैं।

67. 'षट्पद' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) तितली (b) भ्रमर
(c) मकड़ी (d) केकड़ा

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—मधुकर, षट्पद, अलि, भृंग, मधुराज, मधुभक्षा, द्विरेफ, चंचरीक, मधुप, शिलीमुख, भौरा इत्यादि भ्रमर के पर्यायवाची हैं।

68. कौन-सा शब्द 'भ्रमर' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) शलभ (b) चंचरीक
(c) शिलीमुख (d) मिलिन्द

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—चंचरीक, शिलीमुख, मिलिन्द, मधुकर, षट्पद, अलि, भृंग, मधुराज, मधुभक्षा, द्विरेफ, मधुप इत्यादि 'भ्रमर' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'शलभ' टिड्डा (पतंगा) का पर्याय है।

69. 'भौरा' का पर्याय है—

- (a) कुसुमाकर (b) चक्रांश
(c) द्विरेफ (d) कलघोष

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1982, 1983

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'भ्रमर' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) चंचरीक (b) शिलीमुख
(c) द्विरेफ (d) द्विरद

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. इनमें से एक शब्द 'मछली' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) मत्स्य (b) मीन
(c) सफरी (d) जलोदरी

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—मत्स्य, मीन, अण्डभव, सफरी, झष, जलजीवन, जलतोरी इत्यादि मछली के पर्यायवाची हैं, जबकि जलोदरी से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

72. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'मछली' का पर्यायवाची है?

- (a) झष (b) जलधि
(c) केकी (d) मरीचि

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

42th & 45th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. 'मीनाक्षी' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) सुन्दरी (b) दुर्गा
(c) मछली (d) लक्ष्मी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2014

उत्तर—(a & b)

व्याख्या—‘मीनाक्षी’ का अर्थ है ‘मीननयना’। मीननयना अर्थात् मछली की तरह आँखों वाली। मछली की तरह आँखों वाली स्त्रियों को सुन्दरी माना जाता है, इसीलिए मीनाक्षी का पर्यायवाची शब्द सुन्दरी होगा। देवी पार्वती को मीनाक्षी कहा जाता है। ब्रह्म वैवर्त पुराण में माँ दुर्गा के जो 16 नाम उद्धृत हैं, उनमें एक पार्वती भी है। इस आधार पर मीनाक्षी का पर्यायवाची दुर्गा भी हो सकता है। डॉ. हरदेव बाहरी ने अपने हिन्दी-हिन्दी शब्दकोश में मीनाक्षी का अर्थ दुर्गा दर्शाया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अपने संशोधित उत्तर-पत्रक में विकल्प (a) एवं (b) दोनों को सही उत्तर के रूप में स्वीकार किया है।

74. इनमें एक शब्द ‘घोड़ा’ का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) अश्म (b) सैन्धव
(c) घोटक (d) तुरंग

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—अश्म, ‘घोड़ा’ का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि पत्थर का पर्यायवाची है। अश्व, सैन्धव, तुरंग, घोटक, रविसुत, हय, बाजि इत्यादि घोड़े के पर्यायवाची शब्द हैं।

75. कौन-सा शब्द ‘घोड़ा’ का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) बाजि (b) तुरंग
(c) शार्दूल (d) हय

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—शार्दूल ‘घोड़ा’ का नहीं, बल्कि ‘सिंह’ का पर्यायवाची है। बाजि, तुरंग, हय, घोटक, अश्व, रविसुत इत्यादि ‘घोड़ा’ के पर्यायवाची हैं।

76. इनमें से ‘तुरंग’ शब्द का पर्याय है—

- (a) बाजि
(b) अम्बुधर
(c) विजन
(d) किंकर

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

77. ‘अश्व’ का पर्याय है—

- (a) तुरंग (b) भृंग

(c) कुरंग

(d) मतंग

45th B.P.S.C. (Mains)

R.A.S./R.T.S. (Mains), 2000

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

78. ‘बाजी’ शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) अश्व (b) बेसर
(c) शृंगाल (d) किंकर

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘बाजी’ शब्द ‘अश्व’ का पर्यायवाची है। ध्यातव्य है कि बाजी, बाजि तथा बाजी तीनों शब्द सही हैं। बाजी एवं बाजि में प्रमुख अन्तर है कि बाजि अश्व के अतिरिक्त तीर तथा चिड़िया का भी अर्थ प्रकट करता है, जबकि बाजी अश्व का पर्यायवाची है।

79. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द ‘सिंह’ का पर्यायवाची है?

- (a) अंतक (b) मृगांक
(c) पंचानन (d) सिंधुर

U.P. N.T., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—सिंह के पर्यायवाची पंचानन, केहरि, नाहर, शार्दूल, मृगराज, वनराज, मृगेन्द्र, केशरी (केसरी), व्याघ्र इत्यादि हैं। अंतक, यम का पर्यायवाची है, जबकि मृगांक, चन्द्रमा का तथा सिंधुर, हाथी का पर्यायवाची है।

80. ‘मृगेन्द्र’ का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) कुरंग (b) केसरी
(c) भुजंग (d) तुरंग

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. ‘मृगेन्द्र’ का पर्यायवाची है—

- (a) शार्दूल (b) अहि
(c) हिरन (d) कुरंग

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. निम्न शब्दों में से कौन-सा शब्द 'केसरी' का पर्यायवाची है?

- (a) मृगेन्द्र (b) भुजंग
(c) तुरंग (d) अनंग

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'केसरी' के पर्याय हैं—सिंह, मृगेन्द्र, नाहर, वनराज, शेर, बब्बर, जबकि 'भुजंग' साँप को कहते हैं। 'अनंग' कामदेव तथा 'तुरंग' घोड़े को कहते हैं।

83. 'शशक' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) चन्द्रमा (b) शिशु
(c) खरगोश (d) मृग

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'शशक' खरगोश का पर्यायवाची है, जबकि चन्द्रमा का पर्यायवाची शशि, मृग का पर्यायवाची हिरन तथा शिशु शब्द छोटे बच्चों के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।

84. 'कमल' शब्द का पर्यायवाची होगा—

- (a) कन्दर्प (b) अनंग
(c) धनेश (d) इन्दीवर

U.P. S.D.I., 2006

I.A. S. (Mains), 2020

उत्तर—(d)

व्याख्या—'इन्दीवर' कमल का पर्यायवाची है, जबकि कन्दर्प तथा अनंग कामदेव के तथा धनेश, कुबेर का पर्यायवाची है। कुवलय, राजीव, अम्बुज, पंकज, जलज, सरोज, नीरज, नलिन, उत्पल, अरविन्द, शतदल, तामरस, कोकनद, सरसिज, शतपत्र, कमल के अन्य पर्याय हैं।

85. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'अरविन्द' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) मिलिन्द
(b) पंकज
(c) जलज
(d) अम्बुज

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अरविन्द' का पर्यायवाची 'मिलिन्द' नहीं है, यह 'भौरा' का पर्यायवाची है, जबकि पंकज, जलज, अम्बुज,

अरविन्द के पर्यायवाची शब्द हैं। अरविन्द के अन्य पर्यायवाची शब्द उत्पल, कुवलय, इन्दीवर, पद्म, नलिन, सरोज, तामरस, राजीव इत्यादि हैं।

86. 'कमल' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) तामरस (b) सोमरस
(c) रसाल (d) अम्बु

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. निम्नलिखित में से कौन 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) राजीव (b) कुवलय
(c) जलद (d) अम्बुज

U.P.P.C.S. (Pre), 2012

U.P. A.P.O. (Mains), 1988, 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जलद' बादल का पर्यायवाची है, जबकि अन्य तीनों कमल के पर्यायवाची शब्द हैं।

88. 'क्रोध' के लिए इन दिए गए पर्यायवाची शब्दों में एक गलत शब्द है, उसे चयनित कीजिए—

- (a) रोष (b) अमर्ष
(c) स्वत्व (d) कोप

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'स्वत्व' क्रोध का पर्यायवाची नहीं है। रोष 'क्रोध' के पर्यायवाची हैं। स्वत्व का सम्बन्ध अधिकार या अपनापन से है।

89. निम्नलिखित पर्यायवाची शब्दों में से जो एक शब्द 'मोर' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चिह्नित कीजिए—

- (a) केकी (b) कीश
(c) शिखी (d) शिखण्डी

U.P. S.D.I., 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(b)

व्याख्या—'कीश' मोर का नहीं, बल्कि बंदर का पर्यायवाची है, जबकि अन्य विकल्पों में प्रस्तुत शब्द मोर के पर्यायवाची हैं। मोर के अन्य पर्यायवाची शब्द ध्वजी, शिखी, केकी, नीलकंठ, कलापी, सारंग, शिवसुत-वाहन, मयूर हैं।

90. इनमें से कौन-सा शब्द 'कृष्णा' का पर्यायवाची है?

- (a) राधा (b) रुक्मिणी
(c) द्रोपदी (d) यशोदा

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'द्रोपदी', 'कृष्णा' का पर्यायवाची है। द्रोपदी के अन्य पर्यायवाची शब्द द्रुपदसुता, याज्ञसेनी, पांचाली, सौरन्ध्री इत्यादि हैं।

91. इनमें से एक शब्द 'बैल' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए—

- (a) अश्म (b) बृषभ
(c) बलीवर्द (d) गो

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अश्म' का अर्थ पत्थर होता है, जबकि बृषभ, बलीवर्द तथा गो, बैल के पर्यायवाची हैं। ध्यातव्य हो कि गो शब्द गाय का भी पर्यायवाची है।

92. निम्नलिखित में से जो शब्द 'सौन्दर्य' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए—

- (a) सुषमा (b) शोभा
(c) सुन्दरता (d) रमणी

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'रमणी', युवती का पर्यायवाची है, जबकि शेष 'सौन्दर्य' के पर्यायवाची हैं।

93. 'सुन्दर' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) चारु (b) केशी
(c) अम्बुद (d) पुष्कर

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—'सुन्दर' के पर्यायवाची शब्द रुचिर, चारु, रम्य, सुहावना, मनोहर, रमणीक तथा ललित हैं, जबकि 'केशी', सिंह का; 'अम्बुद', बादल का तथा 'पुष्कर', तालाब का पर्यायवाची है।

94. इसमें से कौन-सा शब्द 'पार्थ' का पर्यायवाची है?

- (a) भीष्म (b) श्रीकृष्ण
(c) युधिष्ठिर (d) अर्जुन

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—'पार्थ' शब्द अर्जुन का पर्यायवाची है। इसके अतिरिक्त धनंजय, कौन्तेय, गुडाकेश तथा सत्यसाची इत्यादि शब्द भी अर्जुन के पर्यायवाची हैं।

95. निम्नलिखित शब्दों में कौन 'सरिता' का पर्याय नहीं है?

- (a) तटनी (b) त्रिपथगा
(c) निम्ना (d) तरंगिणी

U.P.P.C.S. (Pre), 2013

उत्तर—(b)

व्याख्या—सरिता, तटनी, निम्ना (निम्नगा), तरंगिणी इत्यादि नदी के पर्यायवाची हैं, जबकि त्रिपथगा गंगा का पर्यायवाची है।

96. 'प्रशंसा' का पर्यायवाची है—

- (a) कुम्भिल (b) अमर्ष
(c) कृशानु (d) श्लाघा

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(d)

व्याख्या—'प्रशंसा' के पर्यायवाची शब्द गुणगान, नदि, श्लाघा, स्तुति, तारीफ, बड़ाई, सराहना इत्यादि हैं, जबकि अमर्ष, क्रोध का; कृशानु, आग का तथा कुम्भिल, चोर का पर्यायवाची है।

97. 'स्तुति' का पर्यायवाची है—

- (a) कामना (b) श्लाघा
(c) याचना (d) निवेदन

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

98. 'अचल' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) पर्वत (b) मेदिनी
(c) भूधर (d) नग

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

42th & 45th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अचल' के पर्यायवाची शब्द पर्वत, भूधर, गिरि, तुंग, पहाड़, शैल, अडिग, अटल, अविचल, स्थिर, दृढ़, महीधर, नग, अद्रि इत्यादि हैं, जबकि मेदिनी, पृथ्वी का पर्यायवाची है।

99. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'अभिजात' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) महीप (b) श्रेष्ठ
(c) कुलीन (d) आर्य

U.P.P.C.S. (Mains), 1989
R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अभिजात' के पर्यायवाची शब्द संभ्रांत, योग्य, विशिष्ट, कुलीन, श्रेष्ठ, आर्य इत्यादि हैं, जबकि महीप, नृप, भूपाल, नरपति इत्यादि राजा के पर्यायवाची हैं।

100. 'शिष्ट' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) सभ्य (b) सुसंस्कृत
(c) आदरणीय (d) विनीत

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

उत्तर—(c)

व्याख्या—'शिष्ट' के पर्यायवाची शब्द सभ्य, सुसंस्कृत, सुशील, विनीत, नीतिमान इत्यादि हैं, जबकि आदरणीय का अर्थ 'आदर करने योग्य' होता है।

101. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'अधर्म' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) अनाचार
(b) अधम
(c) अपकर्म
(d) अन्याय

U.P.P.C.S. (Mains), 1998
R.A.S./R.T.S. (Mains), 1988

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अधर्म' के पर्यायवाची जुल्म, पाप, अनाचार, अपकर्म, अनीति, अन्याय इत्यादि हैं, जबकि अधम के पर्यायवाची खल, पामर, नीच, दुष्ट, दुर्जन, कुटिल, धूर्त, शठ इत्यादि हैं।

102. 'अमृत' किसका पर्याय है?

- (a) अमी (b) पयोधि
(c) अर्क (d) नीर

I. A.S. (Mains), 2018
U.P.P.C.S. (Mains), 1998
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008
43th & 47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अमृत' के पर्यायवाची अमी, सोम, अमिय, सुरभोग, जीवनोदक, सुधा, पीयूष इत्यादि हैं, जबकि पयोधि, समुद्र का; अर्क, काढ़ा तथा आक के पौधे के संदर्भ में भी प्रयुक्त होता है। नीर शब्द जल का पर्यायवाची है।

103. निम्नलिखित में से 'आकाश' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) नभ (b) अभ्र
(c) दिव (d) विप्र

U.P.P.C.S. (Mains), 1998
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008
Jharkhand P.C.S. (Mains), 2003

उत्तर—(d)

व्याख्या—नभ, अभ्र, दिव, व्योम, अनंत, शून्य, गगन, अंतरिक्ष, चौ, तारापथ, अम्बर, खगोल, फलक इत्यादि शब्द 'आकाश' के पर्यायवाची हैं, जबकि विप्र शब्द ब्राह्मण का पर्यायवाची है।

104. 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) सहकार (b) शून्य
(c) प्रभा (d) मंडली

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'जीव' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) प्राणी (b) प्राण
(c) पखेरू (d) चैतन्य

U.P.P.C.S. (Mains), 1998
R.A.S./R.T.S. (Mains), 1988

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जीव' के पर्यायवाची शब्द प्राणी, प्राण, चैतन्य, जान, जीवन इत्यादि हैं, जबकि खग, पक्षी, विहग, पखेरू, नभचर इत्यादि पक्षी के पर्यायवाची हैं।

106. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'दिनांक' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) तारीख (b) अंक
(c) तिथि (d) मिती

U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(b)

व्याख्या—'दिनांक' के पर्यायवाची तारीख, तिथि, मिती आदि हैं, जबकि अंक शब्द इसका पर्यायवाची नहीं है। अंक शब्द संख्या, गोद, भाग्य, चिह्न आदि के संदर्भ में प्रयुक्त किया जाता है।

107. 'कामदेव' का पर्यायवाची है—

- (a) मोहन
- (b) मदन
- (c) सोम
- (d) शचीपति

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004, 2009

U.P. A.P.O. (Mains), 1988, 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—'कामदेव' के पर्यायवाची अनंग, पंचशर, मकरध्वज, केतन, मनोभव, मयन, मदन, मनसिज, प्रद्युम्न, कुसुमबाण, कुसुमशर, मनोज, रतिपति, रतिनाथ, मन्मथ, कन्दर्प, कामग, मार, स्मर तथा पुष्पधन्वा इत्यादि हैं। मोहन, कृष्ण का; सोम, अमृत का तथा शचीपति, इन्द्र का पर्यायवाची है।

108. निम्नलिखित में से 'कामदेव' शब्द का पर्यायवाची कौन-सा नहीं है?

- (a) रतिनाथ
- (b) कामपाल
- (c) कामग
- (d) अनंग

Uttarakhand P.C.S. (Pre), 2012

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

109. कौन-सा शब्द 'बिजली' का पर्याय है?

- (a) शर्वरी
- (b) तनया
- (c) रमणी
- (d) दामिनी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(d)

व्याख्या—'बिजली' के पर्यायवाची विद्युत, क्षणप्रभा, चपला, सौदामिनी, बिजुरी, दीप्ति, प्रभा, तड़ित, दामिनी, चंचला इत्यादि हैं, जबकि 'शर्वरी'; 'रात' का; 'तनया', 'पुत्री' का तथा 'रमणी', 'स्त्री' का पर्यायवाची है।

110. 'बिजली' का पर्यायवाची शब्द है

- (a) चमक
- (b) सौदामिनी
- (c) प्रकाश
- (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

111. 'बिजली' शब्द का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) वितुंडा
- (b) दामिनी
- (c) चंचला
- (d) तड़ित

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

112. 'दामिनी' का पर्यायवाची कौन-सा है?

- (a) सुधी
- (b) दीप्ति
- (c) वनिता
- (d) सविता

M.P. P.C.S. (Mains), 1987

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

113. 'दर्पण' का पर्यायवाची है—

- (a) अनावर्तक
- (b) अवलम्बन
- (c) पारदर्शक
- (d) शीश

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

उत्तर—(c)

व्याख्या—'दर्पण' के पर्यायवाची शीशा, आइना, पारदर्शक, प्रतिबिम्बक इत्यादि हैं। अन्य विकल्पों में प्रस्तुत शब्द ग्राह्य नहीं हैं।

114. 'ध्वज' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) केतु
- (b) पताका
- (c) निशाका
- (d) केकी

U.P. Lower Sub. (Mains), 2009

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1996

उत्तर—(d)

व्याख्या—'केकी' मोर का पर्यायवाची है, जबकि विकल्पों में दिये गये शेष शब्द 'ध्वज' के पर्यायवाची हैं। इसके अतिरिक्त ध्वज के अन्य पर्यायवाची केतन, निशान, ध्वजा इत्यादि हैं।

115. 'केतु' का पर्यायवाची है—

- (a) राहु
- (b) नाग
- (c) अंशुक
- (d) ध्वज

U.P. P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

116. 'बहिन' का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) तनुजा (b) शार्दूल
(c) इला (d) सहोदरा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(d)

व्याख्या—'बहिन' के पर्यायवाची भगिनी, सहोदरा, बांधवी, सहगर्भिणी, दीदी आदि हैं, जबकि 'तनुजा', 'पुत्री'; 'शार्दूल', 'सिंह' का तथा 'इला', 'सरस्वती' का पर्यायवाची है।

117. 'शिक्षक' का पर्याय नहीं है—

- (a) अध्यापक (b) वक्ता
(c) प्रवक्ता (d) व्याख्याता

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(b)

व्याख्या—'शिक्षक' के पर्यायवाची गुरु, आचार्य, अध्यापक, प्रवक्ता, व्याख्याता इत्यादि हैं, जबकि 'वक्ता' का अर्थ होता है 'बोलने वाला' या 'वक्तव्य देने वाला'।

118. 'वृक्ष' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) प्रसून (b) पादप
(c) किंकर (d) हेम

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004, 2008

42th & 46th B.P.S.C. (Mains)

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(b)

व्याख्या—'वृक्ष' के पर्यायवाची पादप, पेड़, रूख, विटप, अगम, गाछ, शाखी, तरु, द्रुम आदि हैं, जबकि प्रसून, पुष्प; किंकर, दास तथा हेम, सोना का पर्यायवाची है।

119. कौन-सा शब्द 'नाग' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) सर्प (b) अहि
(c) विषधर (d) तुरंग

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या—'नाग' का पर्यायवाची नहीं, बल्कि 'घोड़ा' का पर्यायवाची है। सर्प, अहि, विषधर, पन्नग, उरग, भुजंग इत्यादि 'नाग' के पर्यायवाची हैं।

120. 'साँप' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) जातरूप (b) विशिख
(c) पन्नग (d) अंतक

U.P. Lower Sub. (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—'साँप' के पर्यायवाची उरग, फणी, पवनाश, सरीसृप, भुजंग, व्याल, अहि, नाग, विषधर, पन्नग, सर्प आदि हैं, जबकि 'जातरूप' शब्द सोना का पर्यायवाची है। विशिख, बाण का तथा अंतक, यमराज का पर्यायवाची है।

121. कौन-सा शब्द 'अहि' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) उरग (b) सरीसृप
(c) पवनाश (d) सिंधुर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

122. एक 'यमुना' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) रविजा (b) तनूजा
(c) सूर्यजा (d) अर्कजा

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'यमुना' के पर्यायवाची अर्कजा, कृष्णा, रविजा, सूर्यजा, सूर्यसुता, कालिन्दी, भानुजा आदि हैं।

123. 'यमुना' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) पुष्कर (b) क्लेश
(c) अर्कजा (d) तरंगिणी

I. A.S. (Mains), 2019

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. 'यमुना' का पर्यायवाची है—

- (a) कालिन्दी (b) भागीरथी
(c) यामिनी (d) कालिन्दी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. कौन-सा शब्द 'पृथ्वी' का पर्यायवाची है?

- (a) अहि (b) अग्नि
(c) मही (d) अटवी

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2008

U.P. A.P.O. (Mains), 1982, 1988, 1997

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘पृथ्वी’ के पर्यायवाची धरणी, वसुधा, धरती, अविनि, मेदनी, अचला, धरा, इला, उर्वी, भूमि, मही, भू, वसुन्धरा इत्यादि हैं, जबकि अहि, साँप का पर्यायवाची है, अब्धि शब्द समुद्र का तथा अटवी वन का पर्यायवाची है।

126. ‘आग’ शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) पुंडरीक (b) वैश्वानर
(c) सैधव (d) शक्र

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘आग’ के पर्यायवाची अनल, पावक, वायुसखा, दहन, वैश्वानर, कृशानु, हुताशन, जातवेदस्, धूमकेतु आदि हैं, जबकि ‘पुंडरीक’, कमल का तथा ‘सैधव’, घोड़ा का पर्यायवाची है।

127. आग का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) अनल (b) पावक
(c) व्योम (d) कृशानु

U.P. P.C.S. (Pre), 2016

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. ‘अग्नि’ का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) दहन (b) कृशानु
(c) धूमकेतु (d) शर्वरी

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द ‘मेघ’ का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) पयोधर (b) जलधर
(c) वारिधर (d) दामोदर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—पयोधर, जलधर, वारिधर ‘मेघ’ के पर्यायवाची हैं, जबकि दामोदर इस सम्बन्ध में असंगत है।

130. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द ‘मेघ’ का पर्यायवाची है?

- (a) अम्बुद (b) पुष्कल
(c) शक्र (d) नलिन

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘मेघ’ के पर्यायवाची पयोद, बादल, पयोधर, जलधर, वारिद, अम्बुद, बलाहक, घन, नीरद इत्यादि हैं, जबकि पुष्कल सोना का; शक्र इन्द्र का तथा नलिन कमल का पर्यायवाची है।

131. ‘बादल’ का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) नीरद (b) पावस
(c) जलधि (d) प्रस्रवण

I. A.S. (Mains), 2018

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1985, 1998

M.P. P.C.S. (Mains), 1994, 1999

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

132. ‘कपड़ा’ का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) सफरी (b) वीचि
(c) पट (d) हेम

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘कपड़ा’ के पर्यायवाची अम्बर, वस्त्र, वसन, परिधान, पट, चीर इत्यादि हैं, जबकि ‘सफरी’ मछली का, ‘वीचि’ लहर का तथा ‘हेम’ स्वर्ण का पर्यायवाची है।

133. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द ‘कपड़ा’ का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) वस्त्र (b) पट
(c) वसन (d) वासन

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—वस्त्र, पट तथा वसन ‘कपड़ा’ के पर्यायवाची हैं। इसके अतिरिक्त चीर, अम्बर भी ‘कपड़ा’ के पर्यायवाची हैं।

134. ‘पुत्र’ का पर्यायवाची कौन-सा है?

- (a) वारण (b) तनय
(c) नंदलाल (d) अनंग

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘पुत्र’ के पर्यायवाची आत्मज, सुत, वत्स, तनुज, तनय, नंदन आदि हैं, जबकि वारण, हाथी का, नंदलाल, कृष्ण का तथा अनंग, कामदेव का पर्यायवाची है।

135. इनमें से एक 'रात' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) रत्नगर्भा (b) अचला
(c) धरित्री (d) तमिस्रा

उत्तर—(d)

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2006, 2008
U.P. Lower Sub. (Mains), 2002
Jharkhand P.C.S. (Mains), 2003

व्याख्या—'रात' के पर्यायवाची शब्द यामिनी, निशीथ, निशा, रजनी, तमिस्रा, विभावरी, रैन, क्षणवा, त्रियामा, क्षपा, शर्वरी इत्यादि हैं, रत्नगर्भा, अचला, विपुला तथा धरित्री पृथ्वी के पर्यायवाची हैं।

136. 'निशा' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) तमिस्रा (b) कृष्णा
(c) तमस्र (d) तारापथ

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1982, 1983

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'निशीथ' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) रात्रि (b) रजनी
(c) तम (d) निशा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

उत्तर—(c)

व्याख्या—'तम' निशीथ का नहीं, बल्कि अंधकार का पर्यायवाची है, जबकि रात्रि, रजनी एवं निशा, निशीथ के पर्यायवाची हैं।

138. निम्नलिखित में से कौन-सा 'रात्रि' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) रजनी (b) विभावरी
(c) समीर (d) निशि

U.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(c)

व्याख्या—रजनी, विभावरी, निशि रात्रि के पर्यायवाची हैं, जबकि समीर, वायु (हवा) का पर्यायवाची है।

139. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'अतिथि' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) अभ्यागत (b) जातवेदस्
(c) आगन्तुक (d) पाहुन

U.P. Lower Sub. (Mains), 2004

उत्तर—(b)

व्याख्या—'अतिथि' के पर्यायवाची अभ्यागत, आगन्तुक, पाहुन, मेहमान इत्यादि हैं, जबकि जातवेदस् शब्द अग्नि का पर्यायवाची है।

140. निम्नलिखित में से एक 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) जलधि (b) जलधाम
(c) जलनिधि (d) जलाधिप

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'जलाधिप' समुद्र का पर्यायवाची नहीं, बल्कि वरुण का पर्यायवाची है। जलधि, जलधाम तथा जलनिधि समुद्र के पर्यायवाची हैं। समुद्र के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—सिंधु, सागर, रत्नाकर, उदधि, वारिधि, नदीश, पारावार।

141. कौन-सा शब्द 'समुद्र' का पर्याय है?

- (a) देवपगा (b) जलतोरी
(c) पारावार (d) बेलातट

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2010

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

142. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'तालाब' का पर्यायवाची है?

- (a) सुरतरु (b) सरोरुह
(c) सर (d) पारावार

U.P.A.P.O. (Mains), 2015

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'तालाब' के पर्यायवाची सर, पुष्कर, सरोवर, सरसी, हृद, ताल, तड़ाग, पक्काकर, पोखर, जलाशय, कासार इत्यादि हैं, जबकि 'सुरतरु', कल्पवृक्ष का; 'सरोरुह', कमल का तथा 'पारावार', समुद्र का पर्यायवाची है।

143. 'तालाब' का पर्याय नहीं है—

- (a) संसृति (b) सरसी
(c) हृद (d) ताल

M.P. P.C.S. (Mains), 1994

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

144. निम्नलिखित में से एक 'स्वर्ण' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) हेम (b) हाटक
(c) हिरण्या (d) कलधौत

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—'स्वर्ण' का पर्यायवाची हिरण्या नहीं है। 'स्वर्ण' के पर्यायवाची हैं—हेम, हाटक, कनक, हिरण्य, कलधौत, कंचन, जातरूप, चामीकर, सुवर्ण आदि।

145. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'स्वर्ण' का पर्यायवाची है?

- (a) कलित (b) अवतंस
(c) जातरूप (d) तामरस

U.P. N.T., 2006

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1991, 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

146. 'सोना' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) अर्क (b) वर्क
(c) माणिक्य (d) कनक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

147. 'सोना' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) प्रभा (b) नग
(c) श्रान्ति (d) जातरूप

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

148. निम्नलिखित में से एक 'नदी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) निम्नगा (b) त्रिपथगा
(c) कूलकषा (d) कूलवती

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'त्रिपथगा' गंगा का पर्यायवाची है। 'निम्नगा' तथा 'कूलवती' नदी का पर्यायवाची है, जबकि 'कूलकषा', 'किनारे को काटती उफनाती बरसाती नदी' को कहते हैं। अतः 'कूलकषा' को भी नदी का पर्यायवाची माना जा सकता है।

149. कौन-सा शब्द 'नदी' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) वाहिनी (b) तरणि
(c) तटिनी (d) अपगा

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(b)

व्याख्या—'नदी' के पर्यायवाची निम्नगा, सरिता, वाहिनी, सिंधु, गामिनी, स्रोतस्विनी, तटिनी, निर्झरणी, अपगा, तरंगिणी इत्यादि हैं, जबकि तरिणी अथवा तरणी, नाव के पर्यायवाची हैं।

150. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'नदी' का पर्यायवाची है?

- (a) प्रमदा (b) सिंधु
(c) स्रोतस्विनी (d) वृत्रहा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2013

46th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

151. निम्नलिखित विकल्पों में से एक शब्द 'नदी' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए—

- (a) तरंगिणी (b) तटिनी
(c) तरिणी (d) सरिता

U.P. S.D.I., 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

152. निम्नलिखित में से कौन-सा 'गंगा' का पर्यायवाची शब्द है?

- (a) हरिप्रिया (b) सिंधुजा
(c) सुरसरि (d) इंदिरा

U.P. Lower Sub. (Mains), 2013, 2007, 2002

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2007

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2002

उत्तर—(c)

व्याख्या—'गंगा' के पर्यायवाची देवपगा, जाह्नवी, सुरसरिता, विष्णुपदी, जहनुतनया, भागीरथी, त्रिपथगा, सुरसरि, ध्रुवन्दा, देवनदी, मंदाकिनी इत्यादि हैं, जबकि विकल्पों में दिये गये हरिप्रिया, सिंधुजा तथा इंदिरा ये तीनों ही शब्द लक्ष्मी के पर्यायवाची हैं।

153. पर्यायवाची की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है—

- (a) आकाश-पुष्कर (b) कमल-तामरस
(c) यमुना-जाह्नवी (d) कामदेव-मनोभव

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—विकल्प (c) में प्रस्तुत यमुना-जाह्नवी का युग्म अशुद्ध है। जाह्नवी, गंगा की पर्यायवाची है। ध्यातव्य है कि पुष्कर, आकाश और तालाब दोनों का पर्यायवाची है। शेष युग्म सही है।

154. 'चन्द्रमा' का पर्याय है—

- (a) सारंग (b) मतंग
(c) तुरंग (d) भृंग

U.P. A.P.O. (Mains), 1994, 1997, 2006

42th & 45th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'चन्द्रमा' के पर्यायवाची विधु, कलानाथ, निशाकर, हिमांशु, शशांक, अमृतनिधान, क्षपाकर, द्विजराज, तारकेश्वर, इंदु, मृगलांछन मयंक, कलाधर, सुधांशु, सोम, राकेश, मृगांक, रजनीपति, निशापति, चाँद, रजनीकर, राकापति, महताब, निशानाथ, हिमकर, कलानिधि, सुधाकर, सारंग, शशि इत्यादि हैं, जबकि 'मतंग', हाथी का; 'तुरंग', अश्व का तथा 'भृंग', भौरे का पर्यायवाची है।

155. 'शशांक' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) सूर्य (b) किरण
(c) चन्द्रमा (d) बादल

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

156. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) सुधांशु (b) सुधाकर
(c) सुधाधर (d) सलिल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—सुधांशु, सुधाकर, सुधाधर, 'चन्द्रमा' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'सलिल' जल का पर्यायवाची है।

157. कौन-सा शब्द 'गणेश' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) गजानन (b) गजबदन
(c) महाकाय (d) गजकाय

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

U.P. Lower Sub. (Mains), 2002

42th & 45th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'गणेश' के पर्यायवाची लम्बोदर, एकदन्त, विनायक, गणपति, हेरम्ब, वक्रतुंड, गौरीसुत, मूषकवाहन, गणाधि, गजानन, महाकाय, गजबदन इत्यादि हैं, जबकि गजकाय गणेश का पर्यायवाची नहीं है।

158. 'जंगल' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) प्रमोद (b) विश्रान्ति
(c) कान्तार (d) दिव

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2013

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

उत्तर—(c)

व्याख्या—'जंगल' के पर्यायवाची दाव, अरण्य, कानन, विपिन, वन, कान्तार, अटवी इत्यादि हैं।

159. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'वन' का पर्यायवाची है?

- (a) कैवल्य (b) वारण
(c) दाव (d) नागर

R.A.S./R.T.S. (Mains), 2000

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

160. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'स्त्री' का पर्याय नहीं है?

- (a) वामा (b) इला
(c) भामा (d) अबला

U.P. A.P.O. (Mains), 2006

42th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'स्त्री' के पर्यायवाची नारी, वनिता, रमणी, कामिनी, वामा, भामा, अबला आदि हैं, जबकि इला, पृथ्वी तथा सरस्वती का पर्यायवाची है।

161. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'पर्वत' का पर्यायवाची है?

- (a) तुंग (b) कुंजर
(c) करि (d) मतंग

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(a)

व्याख्या—'पर्वत' के पर्यायवाची तुंग, गिरि, भूधर, धरणीधर, अवल, शैल, अद्रि, महीधर, नग, पहाड़ आदि हैं, जबकि कुंजर, करि, मतंग ये तीनों शब्द हाथी के पर्यायवाची हैं।

162. 'लक्ष्मी' का पर्याय है—

- (a) देवपगा (b) सुरसरि
(c) सिंधुजा (d) जाह्नवी

U.P. A.P.O. (Mains), 2002

42th B.P.S.C. (Mains)

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—‘लक्ष्मी’ के पर्यायवाची क्षीरोदतनया, रमा, भार्गवी, सिंधुजा, हरिप्रिया, पद्मा, इंदिरा आदि हैं, जबकि देवपगा, सुरसरि तथा जाह्नवी ये तीनों शब्द ‘गंगा’ के पर्यायवाची हैं।

163. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द ‘लक्ष्मी’ का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) रमा (b) इंदिरा
(c) कमला (d) भारती

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—भारती, सरस्वती का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्यायवाची हैं—शारदा, वाग्देवी, वीणावादिनी, विद्या, वागीशा, वागेश्वरी इत्यादि। रमा, इंदिरा तथा कमला ‘लक्ष्मी’ के पर्यायवाची हैं।

164. निम्नलिखित शब्दों में से एक शब्द ‘शंकर’ का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) ललाटाक्ष (b) गंगाधर
(c) त्रिलोचन (d) शशधर

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘शशधर’ का अर्थ चन्द्रमा होता है। ललाटाक्ष, गंगाधर तथा त्रिलोचन, ‘शंकर’ के पर्यायवाची हैं। शिव का तीसरा नेत्र ललाट पर माना जाता है, इसलिए इनका एक नाम ‘ललाटाक्ष’ पड़ा।

165. कौन-सा शब्द ‘शिव’ का पर्यायवाची है?

- (a) मदन (b) मन्मथ
(c) कन्दर्प (d) मदनारि

U.P.A.P.O. (Mains), 2002

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘शिव’ के पर्यायवाची महेश, महादेव, रुद्र, शम्भू, उमापति, शंकर, आशुतोष, भव, भूतेश, हर, त्रिलोचन, गिरीश, चन्द्रमौलि, मदनारि, चन्द्रशेखर, त्रिपुरारि इत्यादि हैं, जबकि मदन, मन्मथ तथा कन्दर्प कामदेव के पर्यायवाची हैं।

166. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द ‘हवा’ का पर्यायवाची है?

- (a) प्रकम्पन (b) चंचला
(c) सुधा (d) सुरभि

U.P.A.P.O. (Mains), 1998

41th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘हवा’ के पर्यायवाची प्रकम्पन, वात, मारुति, समीरण, वायु, अनिल इत्यादि हैं, जबकि ‘चंचला’ बिजली का पर्यायवाची है। ‘सुधा’, अमृत का तथा ‘सुरभि’, सुगंध का पर्यायवाची है।

167. नीचे दिये गये विकल्पों में से एक शब्द ‘घर’ का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए—

- (a) भवन (b) भुवन
(c) निकेतन (d) सदन

U.P.S.D.I., 2006

U.P.A.P.O. (Spl.) (Mains), 1997

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘घर’ के पर्यायवाची गृह, सदन, निकेतन, भवन, गेह, धाम, मंदिर, आगार, अयन, आयतन, आलय आदि हैं, जबकि भुवन, संसार का पर्यायवाची है।

168. अधोलिखित में कौन एक ‘घर’ का पर्यायवाची है?

- (a) अयन (b) चयन
(c) मयन (d) घरन

U.P.P.S.C (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

169. ‘गेह’ शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) गृह (b) गर्दभ
(c) व्योम (d) गाय

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

170. ‘वायु’ का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) सुषमा (b) समीरण
(c) वात (d) पवमान

46th B.P.S.C. (Mains)

U.P.A.P.O. (Mains), 1996

M.P.P.C.S. (Mains) 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘वायु’ के पर्यायवाची समीरण, समीर, प्रकम्पन, अनिल, हवा, पवन, मारुत, बयार, वात, पवमान इत्यादि हैं, जबकि सुषमा, सौन्दर्य का पर्यायवाची है।

171. ‘हवा’ का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) अनिल (b) अनल
(c) अनंग (d) अनूप

U.P. N.T., 2006

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

172. 'हाथी' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) हय (b) गयन्द
(c) बाजि (d) तुरंग

U.P. Lower Sub. (Mains), 2013
U.P. A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या— 'हाथी' के पर्यायवाची नाग, गज, दंती, कुंजर, करि, हस्ति, वितुंड, द्विरद, गयन्द, कुंभी, सिंधुर, मतंग आदि हैं, जबकि हय, बाजि, तुरंग ये तीनों ही शब्द अश्व के पर्यायवाची हैं।

173. कौन-सा शब्द 'नेत्र' का पर्यायवाची है?

- (a) अक्ष (b) अंभ
(c) अंश (d) अग्र

U.P. A.P.O. (Mains), 1982, 1997
46th & 47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'नेत्र' के पर्यायवाची अक्ष, चश्म, नयन, नजर, अम्बक, प्रेक्षण, विलोचन, लोचन, अक्षि, दृग, चक्षु आदि हैं, जबकि अग्र आकाश का पर्यायवाची है। अंभ, जल का पर्यायवाची तथा भाग, हिस्सा आदि अंश के पर्यायवाची हैं।

174. 'आनंद' का पर्याय है—

- (a) मोद (b) कैवल्य
(c) स्पृहा (d) बयार

47th B.P.S.C. (Mains)
R.A.S./R.T.S. (Mains), 1994

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'आनंद' के पर्यायवाची खुशी, सुख, प्रसन्नता, मजा, लुत्फ, हर्ष, मोद, प्रमोद, आह्लाद, विनोद, उल्लास इत्यादि हैं, जबकि 'कैवल्य' मोक्ष का, 'स्पृहा' इच्छा का तथा 'बयार' पवन का पर्यायवाची है।

175. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'आभूषण' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) दूम (b) मंडन
(c) भूषण (d) विभूति

47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'आभूषण' के पर्यायवाची शब्द आभरण, दूम, मंडन, भूषण, गहना, जेवर आदि हैं, जबकि विभूति शब्द द्रव्य (धन) और वैभव का पर्यायवाची है।

176. 'इन्द्र' का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (a) विबुध (b) नरेन्द्र
(c) जिष्णु (d) विधु

U.P. Lower Sub. (Mains), 2013
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Mains), 2003

उत्तर—(c)

व्याख्या— 'इन्द्र' के पर्यायवाची शक्र, शचीपति, देवराज, सहस्राक्ष, सुरपति, मधवा, पुरंदर, देवेश, शतश्रुत, विडौला, देवेन्द्र, वासव, सुरेश, अमरपति, वृत्रहा, जिष्णु, विबुधेश, वज्रधर, पुरुहूत, कौशिक इत्यादि हैं, जबकि 'विबुध' देवता का पर्यायवाची है। 'नरेन्द्र' राजा का तथा 'विधु' चन्द्रमा का पर्यायवाची है।

177. कौन-सा शब्द 'इन्द्र' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) पुरंदर (b) शक्र
(c) मधवा (d) गणाधिप

U.P.P.S.C. (R.I.), 2014

उत्तर—(d)

व्याख्या— पुरंदर, शक्र, मधवा, शचीपति, देवराज, सहस्राक्ष, सुरपति, देवेश, शतश्रुत, विडौला, देवेन्द्र, वासव, सुरेश, जिष्णु, अमरपति, विबुधेश, वज्रधर, पुरुहूत, कौशिक इत्यादि 'इन्द्र' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'गणाधिप' के पर्यायवाची गणस्वामी, सेनानायक, गणेश, शिवजी हैं।

178. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'किसान' का पर्यायवाची है?

- (a) हलधर (b) हलायुध
(c) हली (d) बलबीर

47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या— 'किसान' के पर्यायवाची कृषक, हलधर आदि हैं, जबकि हलायुध, हली तथा बलबीर तीनों शब्द बलराम के पर्यायवाची हैं। हलधर, किसान तथा बलराम दोनों का पर्यायवाची है।

179. कौन-सा शब्द 'चतुर' का पर्यायवाची है?

- (a) कंचन (b) वयस्य
(c) पामर (d) नागर

47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या— 'चतुर' के पर्यायवाची सयाना, प्रवीण, नागर, कुशल, दक्ष, पटु इत्यादि हैं, जबकि 'कंचन' सोना का, 'पामर' खल का तथा 'वयस्य' मित्र का पर्यायवाची है।

180. 'पण्डित' का पर्याय नहीं है—

- (a) मनीषी (b) प्राज्ञ
(c) पुण्डरीक (d) सुधी

47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पण्डित' के पर्यायवाची मनीषी, विद्वान, प्राज्ञ, सुधी इत्यादि हैं, जबकि पुण्डरीक कमल का पर्यायवाची है।

181. 'मोक्ष' का पर्याय है—

- (a) सारूप्य (b) परमपद
(c) आत्मोत्सर्ग (d) प्राणोत्सर्ग

47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'मोक्ष' के पर्यायवाची सद्गति, परमपद, निर्वाण, मुक्ति, परमधाम, अमृतत्व, कैवल्य इत्यादि हैं, जबकि सारूप्य तादात्म्य का तथा आत्मोत्सर्ग और प्राणोत्सर्ग बलिदान के पर्यायवाची हैं।

182. 'पथ' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) मग (b) मार्ग
(c) पंथ (d) अडिग

46th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'पथ' के पर्यायवाची राह, मग, रास्ता, मार्ग, पंथ आदि हैं, जबकि अडिग शब्द 'अचल' का तथा अटल, अविचल, स्थिर, दृढ़ इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं।

183. 'नगर' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) जग (b) धाम
(c) अटवी (d) पुर

46th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'नगर' के पर्यायवाची पुर, शहर इत्यादि हैं, जबकि जग संसार का, धाम घर एवं मंदिर का तथा अटवी जंगल का पर्यायवाची है।

184. कौन-सा शब्द 'संसार' का पर्यायवाची है?

- (a) सृष्टि (b) जहान
(c) संपदा (d) जम्बूद्वीप

46th B.P.S.C. (Mains)

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(b)

व्याख्या—'संसार' के पर्यायवाची दुनिया, संसृति, जगत, जग, लोक, जहान, विश्व इत्यादि हैं, जबकि सृष्टि रचना का, संपदा द्रव्य का तथा जम्बूद्वीप भारत का पर्यायवाची है।

185. 'वर्षा' का पर्याय है—

- (a) दिवा (b) अमृतनिधान
(c) प्रभूत (d) पावस

46th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'वर्षा' के पर्यायवाची वर्षण, पावस, बारिश, बरसात, वृष्टि आदि हैं, जबकि 'दिवा' दिन का, 'अमृतनिधान' चन्द्रमा का तथा 'प्रभूत' बहुत का पर्यायवाची है।

186. 'ईख' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) पैड़ी (b) शाखी
(c) रसद (d) रसाल

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'ईख' के पर्यायवाची रसडण्ड, पैड़ी, गन्ना, रसद, रसाल इत्यादि हैं, जबकि 'शाखी' वृक्ष का पर्यायवाची है।

187. 'कल्पवृक्ष' का पर्याय नहीं है—

- (a) अमृतत्व (b) सुरतरु
(c) पारिजात (d) कल्पतरु

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—'कल्पवृक्ष' के पर्यायवाची देववृक्ष, सुरतरु, पारिजात, कल्पतरु इत्यादि हैं, जबकि अमृतत्व मोक्ष का पर्यायवाची है।

188. कौन-सा शब्द 'तोता' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) सुआ (b) रक्ततुण्ड
(c) वितुण्ड (d) दाड़िमप्रिय

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(c)

व्याख्या—'तोता' के पर्यायवाची शुक, सुआ, रक्ततुण्ड, कीर, दाड़िमप्रिय आदि हैं, जबकि 'वितुण्ड', हाथी का पर्यायवाची है।

189. 'दूध' का पर्याय है—

- (a) कीर (b) अमृत
(c) सुधा (d) रस

I. A.S. (Mains), 2019

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘दूध’ के पर्यायवाची क्षीर, दुग्ध, अमृत, गोरस, पय इत्यादि हैं, जबकि कीर, तोता का; सुधा, अमृत का तथा रस जल का पर्यायवाची है।

190. ‘दूध’ का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) पय (b) क्षीर
(c) गोरस (d) अमृतत्व

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1994

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

191. ‘जिजीविषा’ का अर्थ है—

- (a) जीतने की इच्छा
(b) जीने की इच्छा
(c) परोपकार की इच्छा
(d) युद्ध की इच्छा

U.P. P. C. S. (Pre), 2020

उत्तर—(b)

व्याख्या—‘जिजीविषा’ का अर्थ ‘जीने की इच्छा’ है।

192. ‘समवाय’ शब्द का अर्थ है—

- (a) समूह (b) समवयस्क
(c) अच्छा समय (d) समान वायु

U.P. P. C. S. (Pre), 2020

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘समवाय’ शब्द का अर्थ ‘समूह’ होता है। इसके अन्य अर्थ झुंड, ढेर तथा राशि भी होता है।

193. निम्नलिखित में से एक शब्द ‘आम’ का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) अतिसौरभ (b) सहकार
(c) अंबु (d) रसाल

U.P. R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (निरस्त परीक्षा)

उत्तर—(c)

व्याख्या—सहकार, अतिसौरभ तथा रसाल आम के पर्यायवाची हैं। विकल्प (c) में प्रस्तुत ‘अंबु’ का अर्थ पानी होता है, जबकि अंब, आम का पर्यायवाची है।

194. ‘आम’ का पर्याय नहीं है—

- (a) तामरस (b) आम्र

(c) रसाल

(d) सामान्य

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(a)

व्याख्या—‘आम’ के पर्यायवाची आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल, मधुरासव, अतिसौरभ, मामूली, सामान्य, साधारण इत्यादि हैं, जबकि तामरस कमल का पर्यायवाची है।

195. ‘पुष्प’ का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) सरसिज (b) पारिजात
(c) अमृतत्व (d) कुसुम

U.P. A.P.O. (Mains), 2015

42th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘पुष्प’ के पर्यायवाची सुमन, कुसुम, प्रसून इत्यादि हैं, जबकि ‘सरसिज’ कमल का, ‘पारिजात’ कल्पवृक्ष का तथा ‘अमृतत्व’ मोक्ष का पर्यायवाची है।

196. निम्नलिखित में से ‘जल’ का पर्यायवाची कौन-सा शब्द है?

- (a) अमिय (b) मद
(c) पावस (d) उदक

42th B.P.S.C. (Mains)

U.P. A.P.O. (Spl.) (Mains), 1982, 1997

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1986, 1995

उत्तर—(d)

व्याख्या—‘जल’ के पर्यायवाची अंभ, रस, अंबु, नीर, अमृत, पय, तोय, उदक, जीवन, पानी, आब, आप, सलिल, वारि इत्यादि हैं, जबकि ‘अमिय’ अमृत का पर्यायवाची है। ‘मद’, नशा, उन्माद एवं गर्व का तथा ‘पावस’ वर्षा का पर्यायवाची है।

197. ‘जल’ शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) सलिल (b) अनल
(c) अमिय (d) जीवनक

U.P. P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

198. ‘पानी’ शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) पीयूष (b) मोदक
(c) उदक (d) रसद

I.A. S. (Mains), 2020

उत्तर—(c)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. 'पुत्री' शब्द निम्नलिखित में से किसका पर्यायवाची है?

- (a) वनिता
- (b) सिंधुजा
- (c) तनूजा
- (d) अवनि

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पुत्री' के पर्यायवाची सुता, तनूजा, नंदिनी, तनया, दुहिता इत्यादि हैं, जबकि 'वनिता', स्त्री का; 'सिंधुजा', लक्ष्मी का तथा 'अवनि' पृथ्वी का पर्यायवाची है।

200. निम्नलिखित में से कौन-सा 'किरण' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

- (a) मरीचि
- (b) रश्मि
- (c) पुष्कर
- (d) दीप्ति

U.P.P.C.S. (Pre), 2014

उत्तर—(c&d)

व्याख्या—'किरण' के पर्यायवाची मरीचि, रश्मि, अर्चि, अंशु, कर, मयूख हैं, जबकि 'पुष्कर', तालाब का पर्यायवाची है। दीप्ति, प्रकाश का पर्यायवाची है। संशोधित उत्तर-कुंजी में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न के दो उत्तर (c & d) माना है।

201. कौन-सा शब्द 'किरण' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) विभावरी
- (b) अर्चि
- (c) मरीचि
- (d) कर

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2007

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

202. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'चोर' का पर्यायवाची है?

- (a) कुंजर
- (b) पामर
- (c) मोषक
- (d) प्रतारक

Jharkhand P.C.S. (Mains), 2007

उत्तर—(c)

व्याख्या—'चोर' के पर्यायवाची रजनीवर, मोषक, कुम्भिल, खनक, साहसिक इत्यादि हैं, जबकि 'कुंजर', हाथी का; 'पामर', खल का तथा 'प्रतारक', ठग का पर्यायवाची है।

203. कौन-सा शब्द 'दिन' का पर्यायवाची है?

- (a) वासर
- (b) तारीख
- (c) तिथि
- (d) मिती

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1983, 2000

उत्तर—(a)

व्याख्या—'दिन' के पर्यायवाची दिवस, वासर, वार, दिवा इत्यादि हैं, जबकि तारीख, तिथि, मिती ये तीनों शब्द दिनों के पर्यायवाची हैं।

204. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'पक्षी' का पर्यायवाची है?

- (a) वसन्तदूत
- (b) सुआ
- (c) पखेरू
- (d) शिखी

I. A.S. (Mains), 2019

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1982, 1983, 1997

U.P.A.P.O. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या—'पक्षी' के पर्यायवाची शब्द विहग, नभचर, विहंग, पतंग, शकुंत, पखेरू, खग, चिड़िया इत्यादि हैं, जबकि 'वसन्तदूत' शब्द कोयल का, 'सुआ' शब्द तोता का तथा 'शिखी' शब्द मोर का पर्यायवाची है।

205. "उसके प्राण-पखेरू उड़ गये।" इस वाक्य में 'पखेरू' शब्द किसका पर्यायवाची है?

- (a) पक्षी
- (b) जल्दी
- (c) पखवाड़ा
- (d) पखारना

U.P.R.O./A.R.O. (Pre), 2016 (पुनर्परीक्षा)

उत्तर—(a)

व्याख्या—पखेरू, खग, विहग, द्विज, शकुनि इत्यादि 'पक्षी' के पर्यायवाची हैं।

206. 'बहुत' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) प्रभूत
- (b) अनन्यता
- (c) निष्णात
- (d) राशि

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1996

उत्तर—(a)

व्याख्या—'बहुत' के पर्यायवाची शब्द प्रचुर, प्रभूत, अति, पर्याप्त, अमित, अत्यन्त इत्यादि हैं, जबकि 'अनन्यता' शब्द तादात्म्य का, 'निष्णात' शब्द दक्ष एवं कुशल का तथा 'राशि' शब्द समूह का पर्यायवाची है।

207. 'हंस' का पर्याय नहीं है—

- (a) चक्रांश (b) जीमूत
(c) सूर्य (d) आत्मा

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1995

उत्तर—(b)

व्याख्या—'हंस' के पर्यायवाची शब्द मराल, चक्रांश, कलहंस, सूर्य, आत्मा इत्यादि हैं, जबकि जीमूत शब्द मेघ का पर्यायवाची है।

208. 'खल' का पर्यायवाची है—

- (a) शठ (b) अधर्म
(c) तम (d) प्रपंच

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1994

उत्तर—(a)

व्याख्या—'खल' के पर्यायवाची शब्द अधम, पामर, नीच, दुष्ट, दुर्जन, कुटिल, धूर्त, शठ इत्यादि हैं, जबकि 'अधर्म' शब्द पाप, अनाचार, अपकर्म, अनीति तथा अन्याय का, 'तम' शब्द अंधकार का तथा 'प्रपंच' शब्द आडम्बर का पर्यायवाची है।

209. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'द्रव्य' का पर्याय नहीं है?

- (a) संपदा (b) विभूति
(c) आभूषण (d) समृद्धि

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1994

उत्तर—(c)

व्याख्या—'द्रव्य' के पर्यायवाची धन, संपत्ति, वित्त, संपदा, दौलत, विभूति, समृद्धि इत्यादि हैं, जबकि आभूषण; आभरण, भूषण, मंडन, गहना, जेवर इत्यादि का पर्यायवाची है।

210. 'मित्र' का पर्यायवाची है—

- (a) अमर्त्य (b) जीविनेश
(c) मातरि (d) वयस्य

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1991

उत्तर—(d)

व्याख्या—'मित्र' के पर्यायवाची सहचर, संगी, साथी, दोस्त, सुहृद, वयस्य, मीत इत्यादि हैं, जबकि 'अमर्त्य', देवता का, 'जीविनेश', यम का तथा 'मातरि' माँ का पर्यायवाची है।

211. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'घड़ा' का पर्यायवाची है?

- (a) कुट (b) षट्पद
(c) टूम (d) कुंभी

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1991

उत्तर—(a)

व्याख्या—'घड़ा' के पर्यायवाची घट, कलश, कुंभ, कुट इत्यादि हैं, जबकि 'षट्पद' शब्द भौंरा का, 'टूम', आभूषण का तथा 'कुंभी', हाथी का पर्यायवाची है।

212. 'अशक्त' का पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?

- (a) मन्द (b) वंचक
(c) निर्जर (d) निष्णात

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(a)

व्याख्या—'अशक्त' के पर्यायवाची ढीला, मन्द, सुस्त, आलसी इत्यादि हैं, जबकि 'वंचक', ठग का; 'निर्जर', देवता का तथा 'निष्णात', पटु का पर्यायवाची है।

213. निम्नलिखित शब्दों में से 'नियति' का पर्यायवाची नहीं है—

- (a) प्रारब्ध (b) भावी
(c) शाश्वत (d) दैव्य

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

उत्तर—(c)

व्याख्या—'नियति' के पर्यायवाची प्रारब्ध, भाग्य, होनी, भावी, दैव्य इत्यादि हैं, जबकि 'शाश्वत' के पर्यायवाची शब्द नित्य, सदैव, अहर्निश, अनश्वर इत्यादि हैं।

214. 'देवता' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) विबुध (b) अतनु
(c) जीवनपति (d) कोविद

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1989

उत्तर—(a)

व्याख्या—'देवता' के पर्यायवाची देव, सुर, अमर, निर्जर, अमर्त्य, अजर, विबुध, त्रिदश, भगवान इत्यादि हैं, जबकि 'अतनु', कामदेव का; 'जीवनपति', यम का तथा 'कोविद', पण्डित का पर्यायवाची है।

215. इनमें से एक शब्द 'देवता' का पर्याय है—

- (a) अलकेश (b) विबुध
(c) अनीक (d) ज्योतिष्क

U.P.R.O./A.R.O. (Spl.) (Pre), 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

216. कौन-सा शब्द 'देवता' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) देव (b) सुर
(c) अमर (d) महीधर

U.P.P.C.S. (Mains), 1989

उत्तर—(d)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

217. कौन-सा शब्द 'इच्छा' का पर्यायवाची नहीं है?

- (a) ईहा (b) स्पृहा
(c) वासना (d) वृत्रहा

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1988, 1989

उत्तर—(d)

व्याख्या—'इच्छा' के पर्यायवाची अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, चाह, लिप्सा, लालसा, ईहा, स्पृहा, वांछा, मनोरथ, वासना, तमन्ना, अरमान, मुराद, हसरत इत्यादि हैं, जबकि 'वृत्रहा', इन्द्र का पर्यायवाची है।

218. 'हरिण' का पर्यायवाची है—

- (a) मृगांक
(b) कुरंग
(c) सिंधुर
(d) चंचला

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1988

43th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(b)

व्याख्या—'हरिण' के पर्यायवाची मृग, कुरंग, सारंग, हिरणा, कृष्णसार इत्यादि हैं, जबकि 'मृगांक', चन्द्रमा का; 'सिंधुर', हाथी का तथा 'चंचला', बिजली का पर्यायवाची है।

219. 'हिरण' का पर्यायवाची है—

- (a) सारंग (b) चंचला
(c) गयंद (d) मृगलांछन

U.P.P.C.S. (Mains), 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

220. 'ब्राह्मण' का पर्यायवाची शब्द है—

- (a) देव (b) देवेश
(c) अग्रजन्मा (d) पंचशर

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1982, 1983

उत्तर—(c)

व्याख्या—'ब्राह्मण' के पर्यायवाची विप्र, द्विज, भूसुर, अग्रजन्मा, महीदेव, भूदेव इत्यादि हैं, जबकि 'देव', देवता का; 'देवेश' शब्द इन्द्र का तथा 'पंचशर', कामदेव का पर्यायवाची है।

221. निम्नलिखित में से 'नरक' का पर्यायवाची शब्द कौन-सा नहीं है?

- (a) आत्मोत्सर्ग (b) यमलोक
(c) दुर्गति (d) यमपुर

M.P.P.C.S. (Mains), 1999

उत्तर—(a)

व्याख्या—'नरक' के पर्यायवाची यमपुर, यमलोक, जहन्नुम, दुर्गति इत्यादि हैं, जबकि आत्मोत्सर्ग, प्राणोत्सर्ग, प्राणाहुति ये सभी बलिदान के पर्यायवाची हैं।

222. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'कृष्ण' का पर्याय नहीं है?

- (a) मुकुंद (b) हृषीकेश
(c) कंसारि (d) कोविद

M.P.P.C.S. (Mains), 1997

46th & 47th B.P.S.C. (Mains)

उत्तर—(d)

व्याख्या—'कृष्ण' के पर्यायवाची मुरारी, केशव, बनमाली, नंदनंदन, मुरलीधर, गिरिधर, कन्हैया, बनवारी, श्याम, मोहन, वंशीधर, माधव, नंदलाल, मुकुंद, दामोदर, ब्रजवल्लभ, गोपीनाथ, हृषीकेश, कंसारि, मधुसूदन, द्वारिकाधीश, यदुनंदन इत्यादि हैं, जबकि 'कोविद' पण्डित का पर्यायवाची है।

223. 'बन्दर' का पर्याय नहीं है—

- (a) हरि (b) शाखामृग
(c) कीश (d) कपीश

M.P.P.C.S. (Mains) 1996

उत्तर—(d)

व्याख्या—'बन्दर' के पर्यायवाची मर्कट, हरि, शाखामृग, कपि, वानर, कीश इत्यादि हैं, जबकि कपीश हनुमान का पर्यायवाची है।

224. 'शाखामृग' शब्द का पर्यायवाची है—

- (a) हिरण (b) वानर
(c) तोता (d) भौरा

U.P.P.S.C. (D.I.E.T.-Lec.), 2014

उत्तर—(b)

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

225. कौन-सा शब्द 'किनारा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

- (a) निकर (b) कूल
(c) पुलिन (d) पर्यंत

M.P. P.C.S. (Mains), 1995, 1998

उत्तर—(a)

व्याख्या—'किनारा' के पर्यायवाची तीर, तट, कूल, बेलातट, पुलिन, छोर, सिरा, पर्यंत इत्यादि हैं, जबकि 'निकर' समूह, पुंज, राशि का पर्यायवाची है।

226. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'अंधकार' का पर्यायवाची है?

- (a) तोमर (b) तमी
(c) तिमिर (d) तुरंग

M.P. P.C.S. (Mains), 1995

R.A.S./R.T.S. (Mains), 1998

उत्तर—(c)

व्याख्या—'अंधकार' के पर्यायवाची तम, तिमिर, ध्वांत, तमस्र, अंधेरा, अंधियारा इत्यादि हैं, जबकि 'तोमर', बाण का; 'तमी', रात का तथा 'तुरंग', घोड़ा का पर्यायवाची है। 'तमिस्रा' निशा का पर्यायवाची है।

227. 'राजा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है—

- (a) राव (b) अभिजात
(c) महीप (d) भूप

M.P. P.C.S. (Mains), 1993

U.P. A.P.O. (Mains), 1996

उत्तर—(b)

व्याख्या—'राजा' के पर्यायवाची भूपति, महीप, राव, नृप, भूमिपति, भूप, नृपति, नरेश, नरेन्द्र, भूपाल, नरपति, शासक इत्यादि हैं, जबकि 'अभिजात' के पर्यायवाची श्रेष्ठ, पूज्य, उच्च, कुलीन इत्यादि हैं।

● अध्ययन सामग्री खण्ड

अर्थ की दृष्टि से शब्दों के अनेक रूप हैं; समान अर्थ रखने वाले शब्द को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं। 'पर्यायवाची शब्द' को 'प्रतिशब्द' भी कहा जाता है। 'पर्यायवाची शब्द' भाषा को समृद्ध बनाते हैं। पर्यायवाची शब्दों में अर्थ की समानता होते हुए भी इनके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि सभी एक जैसा अर्थ नहीं प्रदान करते हैं। यथा-आग जलाने की जगह पर वायुसखा या धूमकेतु जलाना नहीं कहा जाता। पर्यायवाची शब्द मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं—

- वे शब्द जो वाक्य में दूसरे शब्दों के स्थान पर रखे जायें और उनके अर्थ में कोई अन्तर न पड़े, उन्हें 'पूर्ण पर्याय' कहा जाता है।
- जब कोई शब्द एक ही कार्य विशेष के लिए प्रयुक्त होता है और प्रसंग का समानार्थी शब्द दूसरे प्रसंग में असमान अर्थ का बोध कराता है, तो 'पूर्णापूर्ण पर्याय' कहलाता है। जैसे—खाना खाने के स्थान पर खाना निगलना।
- जब किसी शब्द के बदले दूसरे शब्द का प्रयोग हो और अर्थ का अनर्थ हो जाय, वहाँ 'अपूर्ण पर्याय' होता है; जैसे—'कमर टूटना' के स्थान पर 'कटिभंग होना'।

इस प्रकार पर्यायवाची को हम व्यापक रूप से समझ सकते हैं। परीक्षा की दृष्टि से पूर्वावलोकन खण्ड में उपलब्ध सामग्री ही पर्याप्त है, फिर भी अध्ययन सामग्री खण्ड में शेष महत्वपूर्ण सामग्री प्रस्तुत की जा रही है।

शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
अचल	— गिरि, शैल, नग, महिधर, अद्रि, भूधर	अमृत	— सुधा, अमिय, सोम, पीयूष, अमी
अग्नि	— आग, अनल, पावक, वह्नि, धूमकेतु, जातवेदस्, वायुसखा	अभिजात	— श्रेष्ठ, पूज्य, उच्च, कुलीन
अचला	— पृथ्वी, क्षिति, धरा, वसुन्धरा, वसुधा, धरती, भू	अभिप्राय	— अर्थ, तात्पर्य, आशय, मतलब, मायने
अक्षर	— मोक्ष, वर्ण, शिव, ब्रह्म	अरण्य	— वन, विपिन, अटवी, कानन, जंगल
अपमान	— अनादर, अवमान, बेइज्जती, अवज्ञा, तिरस्कार, उपेक्षा, निरादर	अश्व	— हय, बाजि, तुरंग, घोटक, घोड़ा, रविसुत
अप्सरा	— देवांगना, सुरबाला, दिव्यांगना, सुरसुन्दरी, देवबाला	असुर	— दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशाचर, रजनीचर, तमीचर, सुरारि
अधर्म	— पाप, अपराध, अकर्तव्य, दोष	अन्वेषण	— गवेषण, खोज, जाँच, शोध, अनुसंधान

शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
आकाश	— गगन, नभ, अम्बर, व्योम, अनन्त, अन्तरिक्ष	कली	— कोपल, नवपल्लव, कलिका, मुकुल, ताम्रपल्लव
आम	— रसाल, सहकार, आम्र, अमृतफल	कला	— हुनर, कौशल, विद्या
आदित्य	— भास्कर, दिवाकर, दिनकर, सूर्य, रवि, भानु	कबूतर	— कपोत, हारीत, पारावत, रक्तलोचन
आनन्द	— सुख, चैन, प्रसन्नता, मोद, विनोद, प्रमोद, हर्ष, आह्लाद, उल्लास	काक	— कौआ, पिशुन, करठ, काग, एकाक्ष, वायस
आँख	— लोचन, नयन, नेत्र, चक्षु, दृग, अक्षि, अम्बक	कार्तिकेय	— कुमार, षडानन, स्कंद, शरभ
आश्रम	— मठ, बिहार, कुटी, संघ	कामदेव	— अतनु, मदन, मनोभव, पंचशर, मार, स्मर, मनसिज
आश्रय	— सहारा, अवलंब, प्रश्रय, आधार	कारागार	— कारावास, बन्दी-गृह, जेल, कैदखाना
आडम्बर	— प्रपंच, ढकोसला, स्वॉग, दिखावा, ढोंग	कोयल	— पिक, कोकिल, श्यामा, मदनशलाका, कलघोष, वसन्तदूत
आवेग	— त्वरा, स्फूर्ति, जोश, तेजी, चपलता	कृतज्ञ	— आभारी, उपकृत, अनुगृहीत, कृतार्थ
आधुनिक	— नूतन, अर्वाचीन, नया, नव्य	कृष्ण	— मुकुन्द, दामोदर, हृषीकेश, वंशीधर, मुरलीधर, मुरारी, माधव, श्याम, गिरिधर, नन्दलाल, मोहन
आहार	— भोजन, खाना, खाद्यवस्तु, भोज्यसामग्री	कुबेर	— धनेश, धनपति, धनद, धनाधिप, किन्नरेश
आशय	— तात्पर्य, अभिप्राय, मतलब, अर्थ	कुत्ता	— श्वान, कुक्कुर, सारमेय, शनक
आँगन	— अंगना, अजिर, प्रांगण, बगर	कंदरा	— खोह, गुफा, गुहा, गह्वर
इच्छा	— अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, लालसा, उत्कण्ठा	केला	— कदली, रम्भा, भानुफल
इन्द्र	— सुरपति, शचीपति, मधवा, शक्र, पुरन्दर, देवेश	केश	— कुन्तल, बाल, कच, अलक, लट
इन्द्रधनुष	— सुरचाप, शक्रचाप, सप्तकर्ण धनु	क्रोध	— कोप, अमर्ष, गुस्सा, रोष, प्रकोप
इनाम	— पारितोषिक, पुरस्कार	खल	— दुष्ट, अधम, पामर, नीच, शठ, दुर्जन, कुटिल
इच्छुक	— आतुर, उत्कण्ठित, लालायित, अभिलाषी	गणेश	— विनायक, एकदन्त, गजानन, गणाधि, लम्बोदर, हेरम्ब, महाकाय, गजवदन
इंकार	— अस्वीकृति, निषेध, प्रत्याख्यान, अनंगीकार	गदहा	— खर, गर्दभ, वैशाखनन्दन, रासभ, वेशर, चक्रीवान
ईश्वर	— ईश, अलख, अगोचर, ब्रह्मा, परमात्मा, प्रभु	गरुण	— खगेश, पन्नगारि, सुपर्ण, वातनेय, नागान्तक
ईख	— गन्ना, रसडण्ड, रसाल, पैड़ी, रसद, इक्षुदण्ड	गाय	— गौ, सुरभि, दोग्धी, धेनु, भद्रा
उग्र	— तेज, प्रबल, प्रचण्ड	गंगा	— भागीरथी, जाह्नवी, सुरसरि, देवसरि, त्रिपथगा, देवपगा, विष्णुपदी
उत्तम	— श्रेष्ठ, प्रवर, उत्कृष्ट	गृह	— घर, सदन, भवन, मन्दिर, धाम, निकेतन, निलय, आगार
उदार	— महाशय, महामना	घड़ा	— कलश, कुंभ, घट
उल्लू	— उलूक, कौशिक, लक्ष्मीवाहन	चन्द्रमा	— निशानाथ, इन्दु, विधु, शशांक, सुधांशु, राकेश, हिमकर, हिमांशु, सुधाकर, निशाकर, विभाकर, कलानिधि, रजनीश
उपहास	— हँसी, खिल्ली, अपमान	चमक	— प्रभा, ज्योति, द्युति, दीप्ति, कान्ति, शोभा, छवि, आभा, ओज, प्रकाश
उत्कर्ष	— उन्नति, उन्मेष, उत्थान, अभ्युदय, आरोह, चढ़ाव, उत्क्रमण, उठाव	चतुर	— प्रवीण, पटु, दक्ष, निपुण
उत्पत्ति	— जन्म, पैदाइश, उद्भव, उद्गम, आविर्भाव	चौदनी	— कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रिका, चन्द्रकला
ऐश्वर्य	— वैभव, सम्पदा, सम्पन्नता, समृद्धि, सम्पत्ति	चोर	— कुम्भिल, रजनीचर, खनक, मोषक
औषधि	— भेषज, दवा, औषध		
कमल	— उत्पल, कुवलय, इन्दीवर, पद्म, नलिन, सरोज, तामरस		
कपड़ा	— परिधान, वस्त्र, वसन, अंबर, चीर, पट		
कल्पवृक्ष	— सुरतरु, हरिचंदन, मन्दार, पारिजात, देववृक्ष		
कर	— शुल्क, महसूल, हाथ, मालगुजारी		

शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
चोटी	— शिखर, तुंग, शृंग, शीश	देवता	— निर्जर, गीर्वाण, अमर्त्य, विबुध, सुर, देव
चंदन	— मलय, दिव्यगंध, हरिगंध, मलयज	द्रोपदी	— कृष्णा, द्रुपदसुता, याज्ञसेनी, पांचाली
जल	— वारि, नीर, पय, तोय, पानी	धनंजय	— कौन्तेय, पार्थ, गुडाकेश, अर्जुन, गांडीवधर
जगत	— भव, भुवन, विश्व, संसार	धन	— द्रव्य, दौलत, पैसा, माल
जानकी	— वैदेही, जनकसुता, सीता, जनकतनया	धनुष	— शरासन, चाप, पिनाक, कोदंड
जीभ	— जिह्वा, रसना, रसज्ञा, चंचला	धरोहर	— थाती, अमानत, जमा
जीव	— प्राणी, जीवधारी, जीवनधारी	नर	— मानव, मनुज, मनुष्य, जन
झरना	— स्रोत, उत्स, प्रस्रवण, जलप्रपात	नक्षत्र	— खद्योत, तारा, उडु, तारक
झण्डा	— ध्वजा, पताका, केतु, निशान	नरक	— यमालय, जहन्नमुख, दोज़ख, जहन्नुम
टीका	— व्याख्या, भाष्य, वृत्ति, भाषान्तरण, विवृति	नित्य	— शाश्वत्, सदैव, अहर्निश, अनश्वर
ठग	— वंचक, प्रतारक, अड़ीमार, प्रवंचक, जालसाज	निर्धन	— अकिंचन, कंगाल, गरीब, दरिद्र
ठगी	— प्रतारणा, वंचना, फरेब	नियति	— प्रारब्ध, दैव्य, भावी
ढिठाई	— धृष्टता, बेशर्मी, अशिष्टता, गुस्ताखी, अविनय	नुकीला	— सूच्यग्र, तीक्ष्णाग्र, कंटाग्र
तरंग	— ऊर्मि, वीचि, हिलोर, लहर	नैसर्गिक	— प्राकृतिक, स्वाभाविक, वास्तविक
तेज	— क्षिप्र, तीव्र, द्रुत	नदी	— पयस्विनी, लहरी, अपगा, कल्लोलिनी, सरि
तलवार	— असि, चन्द्रहास, खंग, शमशीर, खड्ग	नंगा	— दिगम्बर, निर्वस्त्र, अनावृत, नग्न
तम	— अंधेरा, तमस, अंधकार, ध्वान्त, तिमिर	पटु	— दक्ष, कुशल, निष्ठात
तिरस्कार	— उपेक्षा, अपमान, निरादर, अवमानना	पत्नी	— वल्लभा, कलत्र, वामांगी, दारा, वामा
तैयार	— उद्यत, तत्पर, कटिबद्ध, संनछ	पण्डित	— कोविद, धीर, मनीषी, विचक्षण
तोता	— कीर, सुआ, रक्ततुण्ड, दाड़िम-प्रिय	पर्वत	— मेरु, तुंग, नग, महीधर, अचल, शैल
तादात्म्य	— सारूप्य, तद्रूपता, अनन्यता, एकान्विता	पवन	— प्रकम्पन, वात, प्रभंजन, नभप्राण, समीर
तरुणी	— मनोज्ञा, यौवनवती, प्रमदा, रमणी	पताका	— झण्डा, ध्वजा, निशान, ध्वज, केतु
तालाब	— सर, कासार, सरसी, हृद, पोखर, सरोवर	पत्थर	— अश्म, पाषाण, पाहन, प्रस्तर
थकान	— श्रान्ति, क्लान्ति	पति	— भर्ता, वल्लभ, स्वामी, बालम
थोड़ा	— परिमित, रंचमात्र, अल्प, किंचित	परशुराम	— भृगुसुत, रेणुकातनय, जामदग्न्य, भार्गव, परशुधर
दर्प	— दंभ, अहंकार, घमण्ड	पराग	— पुष्परज, पुष्पधूलि
दाग	— कलंक, दोष, ऐब, धब्बा	परिवार	— कुटुंब, कुनबा, कुल, खानदान
दानव	— दैत्य, राक्षस, असुर, निशाचर	पुरुष	— निष्ठुर, निर्दय, कर्कश, कठोर
दामिनी	— तड़ित, चंचला, क्षणप्रभा, चपला	पल्लव	— किसलय, पर्ण, कोंपल, पत्ती
दाँत	— दन्त, दशन, द्विज, मुखक्षुर, रदन, रद	पक्षी	— विहंग, पतंग, परिन्दा, खग, द्विज, शकुनि, विहग
दास	— सेवक, भृत्य, किंकर, अनुचर, परिचर	परिवर्तन	— हेर-फेर, बदलाव, तब्दीली
दिन	— वासर, दिवा, दिवस, वार	पान	— ताम्बूल, नागवल्ली, सप्तशिला
दुःख	— यातना, उद्वेग, क्षोभ, यंत्रणा, शोक, क्लेश	पाप	— अध, पातक, अपकर्म, कलुष
द्विज	— ब्राह्मण, ब्रह्मज्ञानी, वेदविद्, पक्षी, दाँत, चन्द्र	पार्वती	— शिवा, अम्बिका, शैलसुता, रुद्राणी, मृडानी, अपर्णा
दिनौक	— तारीख, तिथि, मिति	पिता	— जनक, तात, बाप, वालिद
दुर्गा	— कामाक्षी, भासिनी, शक्ति, चण्डिका, भवानी	पुत्र	— तनय, सुत, आत्मज, बेटा
दुग्ध	— क्षीर, पय, गोरस, पीयूष	प्रसन्नता	— आह्लाद, प्रफुल्लता, हर्ष
		प्रभात	— उषा, अरुणोदय, प्रातः

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें



GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- ✓ Best PDF Notes For All Exams
- ✓ Best Test Series For All Exams
- ✓ Daily Current Affairs PDF
- ✓ सभी Course बहुत ही कम Price पर
- ✓ सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा



शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
प्रकाश	— प्रभा, द्युति, दीप्ति, आलोक, चमक	यमुना	— अर्कजा, रवितनया, कालगंगा, कालिन्दी, रविसुता, सूर्यजा, कृष्णा, भानुजा
प्रार्थना	— याचना, अर्ज, आराधना, विनय, निवेदन	रंक	— दरिद्र, कंगाल, अकिंचन, निर्धन, धनहीन
प्रिया	— वल्लभा, दिलरुबा, प्रेयसी, प्रिये	रश्मि	— कर, मयूख, किरण, मरीचि
पृथ्वी	— उर्वी, अवनि, मेदिनी, प्रदुभि, वीजप्रसु, इला, विपुला	राजा	— राव, नरेन्द्र, पृथ्वीनाथ, भूस्वामी, नरेश, भूप, भूपाल
फूल	— प्रसून, मंजरी, पुहुप, लतान्त, पुष्प	रात	— छपा, यामिनी, तमी, त्रियामा, क्षणदा, विभा
बन्दर	— कपि, वानर, मर्कट, शाखामृग	रावण	— दशानन, दशशीश, दशकंधर, लंकेश
बलराम	— बलबीर, हलायुध, हली, रेवतीरमण, हलधर	लक्ष्मण	— लखन, शेषावतार, रामानुज, सौमित्र, अनंत, शेष
बगीचा	— बाग, वाटिका, उपवन, फुलवारी, निकुंज, कुंज, आराम	लक्ष्य	— ध्येय, निशाना, ठिकाना, उद्देश्य, मंजिल
बादल	— जलद, नीरद, मेघ, अभ्र, परजन्य, पयोदि	लक्ष्मी	— पद्मा, पद्मासना, सिंधुजा, क्षीरोद
ब्रह्मा	— चतुरानन, पितामह, विधि, विधाता, हिरण्यगर्भ, लोकेश, सदानन्द, अज, स्रष्टा, गिरापति, स्वयंभू, विरंचि	वन	— अटवी, विपिन, कान्तार, अरण्य, कानन
ब्राह्मण	— विप्र, द्विज, भूसुर, भूदेव, महीसुर	वस्त्र	— अम्बर, कपड़ा, चीर, पट
बाण	— तोमर, विशिख, नाराच, शर, इषु, सायक	वर्षा	— पावस, मेह, वृष्टि, चौमासा
बुद्धि	— प्रज्ञा, मेधा, जेहन, मति	वसन्त	— ऋतुपति, मधुमास, कुसुमाकर
बलिदान	— आत्मोत्सर्ग, प्राणोत्सर्ग, प्राणाहुति	वृक्ष	— शाखी, पादप, रूख, गाछ
भगिनी	— बहन, सहोदरा, दीदी	विष्णु	— अच्युत, उपेन्द्र, माधव, जनार्दन, चक्रपाणि, चतुर्भुज
भाग	— अंश, हिस्सा, खण्ड, टुकड़ा	विपत्ति	— आपदा, मुसीबत, विपदा, आफत
भारत	— जम्बूद्वीप, भारतखण्ड, आर्यावर्त	विह्वल	— विक्षुब्ध, आकुल, व्यग्र, व्याकुल
भाषा विज्ञान	— शब्द विज्ञान, भाषाशास्त्र, अक्षरशास्त्र	विद्युत	— चंचला, क्षणप्रभा, दामिनी, सौदामिनी, चपला
भीड़	— जनसंकुल, जमघट, जमावड़ा	शत्रु	— बैरी, रिपु, अरि, अमित्र
भूमिका	— मुखबन्ध, आमुख, प्राक्कथन, लेखकीय	शरीर	— तन, देह, बदन, काया, अंग
भ्रमर	— मधुप, अलि, भृंग, मधुराज, मधुभक्षी, षट्पद	शंकर	— मदनारि, चन्द्रमौलि, शम्भु, उमापति, त्रिपुरारि
मंदिर	— देवालय, देवगृह, देवस्थान	शिष्ट	— सज्जन, सभ्य, शालीन, अनुशासित
मद	— अहंकार, दंभ, गर्व, अभिमान	सम्पूर्ण	— अखिल, सकल, समूचा, सर्व, समग्र
मेंढक	— दादुर, भेक, मण्डूक, दर्दुर	समुद्र	— सिन्धु, उदधि, पारावार, अर्णव, अब्धि, रत्नाकर
महादेव	— कपर्दी, शितिकण्ठ, गंगाधर, त्रिलोचन, चन्द्रशेखर	सरस्वती	— निधात्री, कर्णिका, इला, गिरा, वागेश्वरी
मछली	— सफरी, झष, मीन, मत्स्य	समूह	— निकर, पुंज, यूथ, राशि
मदिरा	— आसव, मध्वासव, माध्वाक, माध्विजा	सर्प	— अहि, भुजंग, उरग, पन्नग
माँ	— मातरि, माता, जनयित्री, जननी	सारंग	— हाथी, कोयल, मृग, सिंह
मित्र	— मीत, सखा, हमदम, सुहृद	सोना	— स्वर्ण, कंचन, हेम, कनक, हिरण्य, जातरूप
मृत्यु	— अन्तकाल, देहान्त, प्राणान्त, देहावसान, दिवंगत	सिंह	— शार्दूल, केहरि, नखायुध, नाहर, बाहुबल
मेघ	— धाराधर, जीमूत, वारिधर, जगजीवन	सूर्य	— सविता, अर्क, चण्डांशु, दिनमणि, भानु, भास्कर
मोक्ष	— मुक्ति, निर्वाण, परमपद, परमधाम	स्त्री	— वनिता, कामिनी, प्रमदा, कलत्र, अंगना
मोर	— केकी, कलापी, ध्वजी, सारंग, शिखण्डी	स्वर्ग	— द्यौ, दिव, सुरपुर, परलोक, बैकुंठ
यम	— जीवनपति, अंतक, शमन, जीविनेश, धर्मराज	हनुमान	— आंजनेय, कपीश, मारुतिनन्दन, केसरीनन्दन
		हाथी	— करि, द्विप, वारण, कुम्भी, गज, कुंजर, मतंग
		हिमालय	— गिरिराज, नगपति, हिमगिरि, हिमपति
		हिरन	— मृग, कुरंग, हरिण, सारंग